Shri Raghunatha Temple MSS. Library,
JAMMU

No. क

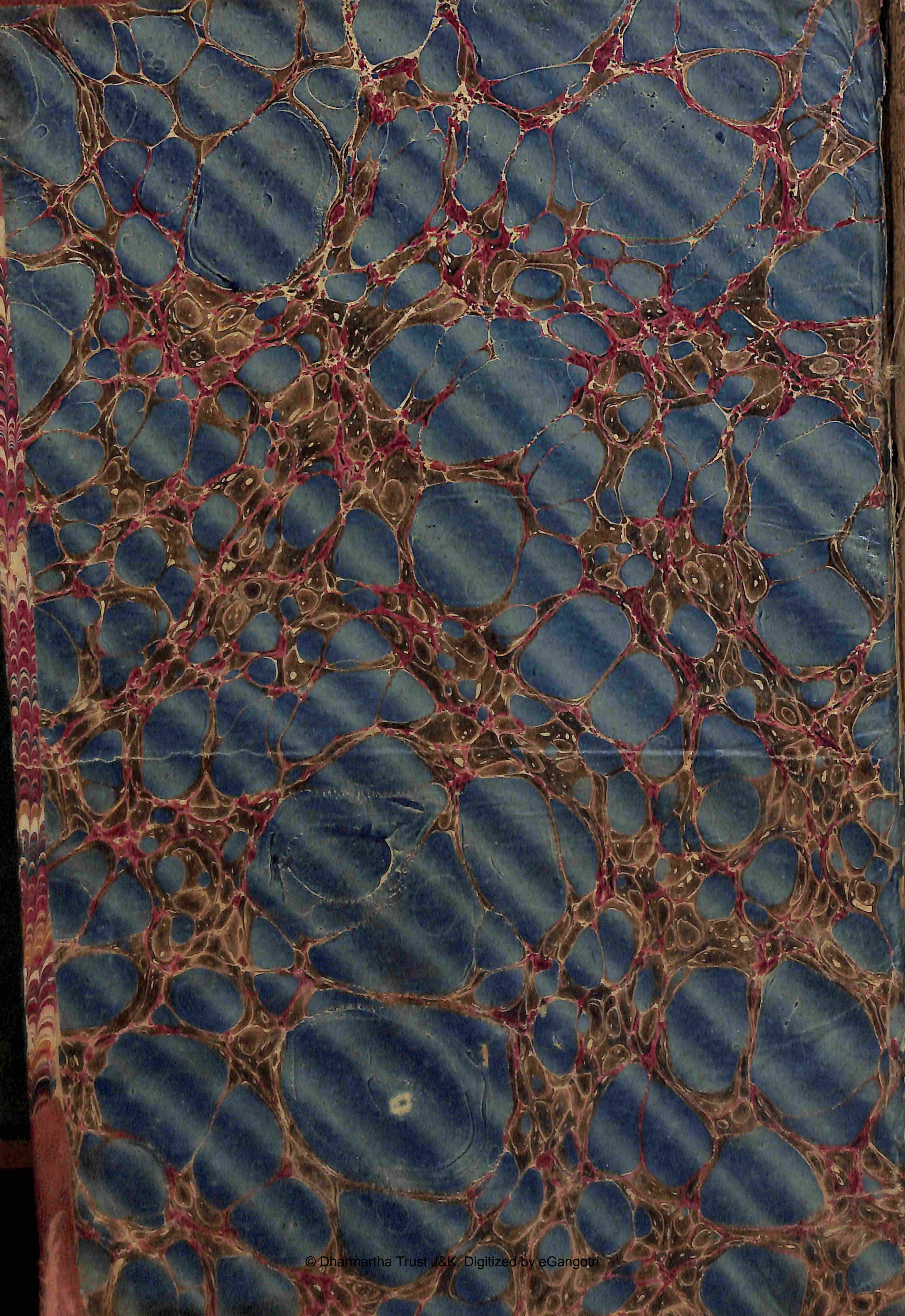
Title मधुमालती

Author

Extent ३३० पत्र Age

Subject काव्य





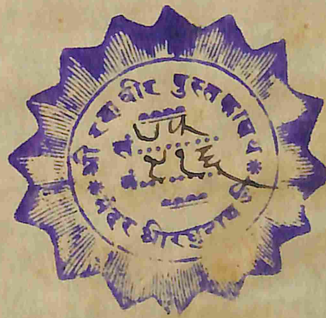


नं. ६६८ क
मधुमालती
३२० पन्ना
सर्व

नं. ३२०

5465

Part 1st. F — 66
Part 2nd. — 24
Part 3rd — 17
Part 4th — 28
P-8 — 8, P-9th — 7
P-10 — 4, P-11 — 2, P-13 — 12
P-14 — 4, P-15 — 4, P-16 — 19, P-17 — 7
P-18 — Double # 27, F, 53,
P-19 — 19, P-20 — 9, P-21 — 51
Complete. Total No. of F = 343
Complete



सृं.
र.मा.
१

ॐ श्रीगणेशायनमः॥ अथ सृंगाररसमाधुरीलिख्यते॥ छपै॥ विघन हरन सुखकरन नामउवरन सुभवितरन कंजदरन जगचरन सरन नर संकट उतरन मदमजेग आमोदमधुरमोदककरिमंडत मनमोद कवक्रे संडतंडनेडवविधिपंडित हेरंभ स्कू अवलंघजगडुषकटेवतेवियकरन जयश्कदंतमनिवंतवरचंदभालभायउथरन संक्षेपः॥ नवरसनामानि॥ राजतललितसिंगारकलितउपहासंहंहंतन आकुलगोकुलग्वालनिरषिविस्तरतवीरपन लोचनहरिप्रतिअरुनसिथिलकरभयउपजावत अवतमिषररसरंगअंगअंगनिसरसावत देखतअमेषअनिमेषाजततनवालचरित्रविचित्रविधि गिरिराजउथरनसमयहरिविलसतनवरसदरसनिधि २ देशावरननं॥ दोहा॥ रतनवंसउपजतरतननतिनरतननकीषांन जगयाहरिआउभलोदेसअनूपमजानि ३॥ नगरीवरननं॥ छंदनीसानी॥ लसतमुकटतिहिदेसकोइकविंदवसीपुरवारिचरनसुखसोवसैजेहैपरतपरमधुरहोमदानजपध्यानसोवहुगपानमानविधि

जहांशाकसुखसाजहीजयघ्रोघविविधविधि ४
कंचनमयमंदिरजहां हीरनसोराजे छवेछवेसि
घरघरछचीधुजछाजे घरघरमंगलसोजहांनर
नारिसमाजै गावतगीतउछाहसोनिसदिनसुख
साजै ५ गहमहगलीवजारकीनवनिधिगलगा
जै महमहपवनसुगंधवनवेलीरतिकानै देषि
सलसोभापुरीमलावतिलाजै वलावंधपतिद्वार
जहनयथावजमीवाजै ॥सवैया॥ सवभूपतिवे
ससिरैप्रवतंससदाशिवअंसनरिंदवती महि।
मानमहिप्पनिहिप्रतिकीहटकिप्रतिकीहद
हिदवती सुखसौसरसीसरसीसरसरुहसौर
भ्रवंदवती गुनसौअगरीसगरीनगरी अमिरा
जविराजतिविंदवती ॥अथराजवरननं॥कवि
त॥ रुपरुचिरहरेवालभागनसोंछरेजिनआजम
सेसुरेरवकहडेगडमनीके तीषाकरवारकैवि।
हारनमेंआरमनराजनअपारपारावारवडीरजी
के कौरिकवरीसचिरजीवोरावराजाजिनहर
नप्रकारपतिछजैपारवतीके अरिअरविंदरु
चिसंकोचनउडसममहिंडस्टदहिंमतिनरिंदविंद
वतीके ८ ॥दोहा॥ हकमपाइल्खपकोसकवि।

शृं० र० मा० १

2

सकलकलानिधिलाल इहसिंगाररसमाधुरी
कीनोग्रंथरसाल ॥ सवैया ॥ कैरोपहलेरसको
निरधाररसैरोउनिभावविभावबषान्यो फेरकहू
अनुभावनिरूपनभावसवैविविचारिविनानौ
काविकेपंथनकोरिकग्रंथमहोदधिपंथअमी
उरआन्यो भाषोसिंगारमहारसमाधुरीभूषनजा
नोनदूषनजानौ १ ॥ नवरसनामानि ॥ छप्पै ॥
प्रथमवरनशृंगारहास्यरसफेरिवषानहु अौ
रकरुनरसहोयवीररसपीछेजानहु फेरिरौ
द्ररसगिनहुअवरवीभत्समानहु कहोभयान
करसहिवितअद्भुतिउनिआनहु निरवेदभेद
भेदनिमिलहुहारिरहहुअत्तरसनिसो इतिभा
तिलालपंडितकरहुकविनावरसवरसनसो
शृंगाररसलक्षणं ॥ रतिथाईशृंगाररसवेदवषा
नेदोइ एकसंभोगवषानियेविप्रलंवइककहो
इ अपनेहीमनमेंरहैलषैसषीजननानि यो
प्रछंनप्रकासकरिवेददोइनिरवाहि २ प्रि
याकोप्रछंनसंभोगशृंगार यथा कवित्त ॥ अै
सीछविछाइरहीरतिविपरीतसमैफागुकौ
सोख्यालकियेवालदरसानिहै प्रेमकेहिंडो

रेरहीकंचनलतासीफूलिरंचनमदनमदमानी
अरसानीहै चंचलविनोदीवीरअंचलमैराजे
उचकुचपरअपारहारछबिछहरातिहै मानोचार
भारतीकेधारहैअज्ञातसंभूतिनहीकेसीससव
सरीसरसातिहै १४॥ अथकोअच्छंनसंभोगशृंगा
र यथा सवैया॥ धरनीजलकोननअंबरमैंचप
लाचलचारुविहारकरै कलकंचनकेधरनीधर
मैधरनीमथिगंगकीधारपरै यहइकअनूपम
रीतिलषीधरनीमथिछूरनचंदढरै मकरंदके
वंदनिविंविंदनकौअरविंदनउपरआयअरै १५
प्रियाकोप्रकाशसंभोगशृंगार यथा कवित्त॥
आगेह्वैनकेहैउहूंनवनजमातिदारलदकेअ
लकअछीवरछीकेरंगके सीसनेअलिनसोम।
लिनफूलफरैमानोपरैविषविसषअनंगकीनि
षंगके अंचलभीजास्योफरहरतपरतमोतीअंग
रागरंगरंगेगोलिनकेउगके कंचकीकेभंगदो
कुउरजउतंगराजेछदोस्योमतंगविपरीतिरति
जंगके १६॥ अथकौंप्रकाससंभोगशृंगार यथा
कवित्त॥ कीयेकेलिहेमकेलिजुगलविराजत
हैअलिंगनगाजनतहै अलिंगनगाजतहैसथा

शृं॰
र॰ मा॰
३

3

सरराजततैहै प्रतिछविछाजततैहै पत्रनपरततैहै प्रलिगनगाजततैहै सुथासरराजतैहै गंगाएरवान तहैताराग्रनउेलततैहै पारावतवोलततैहैनानिन परततैहै रविजगफूलततैहै कंजजगफूलततैहै विं वग्रतफूलततैहै विंवहीरततैहै १७ ॥ प्रथाकोप्रछ नविप्रलंवशृंगार यथा कवित्त ॥ सहजकीवानी तेरेमंदसुसकानितिन्है मैं सूमैं सुषग्रानिजलउारत सोलागोगी नीछुनचिनोनगानिविरहविथासों सानिलोपिलाजकूलकानियोहीहौंहरभरोगी प्री तिकीप्रतीतिदेकैवैनवनरीकौलेग्रापनेईवस केकैपोनतवनगोगी येकवारप्यारकीनेप्यारेउ तगोनकीनेतेरेमंत्रईमीखिलीनेमेंहूतोहिव गोगी १८ ॥ पुनः ॥ तेरेग्रनदेषेजाननीवनग्र लेषेउहूप्रेमकेपरेषेमनियततैहैमसोसेसों पी रनपिराजउरनेकुनसिराजनियकौंहूनपिरा नतेरेनैननकोरोसेसों तहीतहीनामनपोजा गौवारितामछसोथामविसरामग्रानिकामभो रकैसेसों कीनेहरगामेहूपोरप्रानननमैथैहूविस रांईसुपिगरकोसनेहकरेनोसेसों १९ ॥ प्रथात्रु कौप्रकासविप्रलंवशृंगार यथा कवित्त ॥ प्रसो

ब्रजबालनमैंबिरहअचानककीबौंडेनेहगिरय
रलालउरसीकौ देषिदेषिऊंजनिकेआलेपानि।
स्तकिपरैरूकिपरैजारैकौकिलानरंगमसीकौ
भोरभटकानेचेंपाचितअटकानैवेगुलावद्यटका
नेलागपोमेंउमानौवसीकौ पीरीपरिप्रानलौजा
ह्नैयामुरफायगईकौरोपरिह्मियरायगयोससी
कौ २०॥पुनः कवित्त॥रैनदिननैनसरिताकौ
नीरह्नाइह्नाइकौनब्रजनारीउहीध्यानमनपागैगी
कान्हअतिमानीऊविजासौरतिमानीयहजगत
कहानीपंचपावकसीलागैगी रसनरसालाहरि
गुननकीमालावालाजपतजपतचितअतिअनु
रागैगी सिषावनकहाऊधोमूधोयहपंथअब
आपहीतेजोगकीजुगतिजियजागैगी २१ पुनः
कवित्त॥लपटेभुजंगमलैचंदनकेविटपतिति
नफनफूंकविषजारपजरावई मेंजलपलासव
नवंजलपरोरजअरुनअगनिविनगारीवी[illegible]
निलावई पंकजपरागपरिसूरनमसूरदिकैते
विरहीनउरपावककवरावई याहीतेअनेकलीये
आवतअपारेंआंचआलीरीवसंतपौनकौंननन
नावई २२॥प्रियकोप्रछंनविप्रलंवश्रृंगार यथा

शृं० र० मा० ४

कवित्त॥ प्यारीके वियोग वनवारीकी निहारी दसा वेदन विनानी सोन ग्रानी जानि वानीमें नटके निकटके निकुंजनमें आगपरी जागि परी आजव तिराजराजधानीमें रसभरी रंभनिरसालनिके थंभनिमें वेलिनमें फलनिमें जानीमें वारपार भौरनि सोंछायो जमनाको सर उडि उडि परत पतंग कलपानीमें॥२३॥पुनः कवित्त॥ नेहकी सिषाईकामदीपकी सिषाई सी दिषाई नजा दिनाते हूं घटाकों फोरिके ताद्दिनाते मोचन लगी है हग विरोचन की मोचन मकोचनकें फंदजियजेरिके भोरज्यों नभ्रमत चकोरज्यों न चंद चहै वोलन न वोलन पपीहाजिमिटेरिके रहै न रमानी उतिहूं नी वरसानी अंषि ओवें सरसानी वरसाने नैन नेहरिके २४

प्रियाको विप्रलंभ शृंगार यथा कवित्त॥ वादिन निसंकजेरी विलोकनि वंक लषि परे उर अंकवा के अनियारे वारसे वेही मगआगनिवियोग मई पैठिगई पीतपटलपटनिकरत विहारसे आषिन वडी है अनुराग है कटी है अंगअंगनिचडी है अंग संगकरे कारसे सासनिके भारनि उढाई सम थारफैले गंजनके हारफेलीकजालके अगारसे २५

दोहा॥ इहविधरसशृंगारकेकीनेवेदवषान
अबविभावसबवरनिहौजानौसकलसुजान
इतिश्रीशृंगाररसमाधुरीयांप्रथमास्वादः॥१
अथविभावलछनं॥दोहा॥उपजिपरतजिहि
तैरससौविवकारिमान इकआलंबनवरनीये
वियउद्दीपनजान १ वरनेनाइकनाइकारस
आलंबरूप उदीपनसोभासकलकहतकवि
नकेभूप २॥नाइकलछनं॥दोहा॥सुंदरमं
दिरगुननकोचंदनचंदसमान नंदननंदनरिं
दकोअतिआनंदनिधान ३ सकलकलानिधि
कलनिसुखअतिकृयागुनखान रतिनाइकसा
इकनयननाइकनाइकजान ४॥उदाहरन॥
रूपकोउजागरउदारगुनसागरमनोजरूतेआ।
गरनिकेतसुषसाजकौ अतिअरबीलोगुनगन
गरवीलोछैलछविनछबीलोचितछलवके
कालकौ जमुनाकेनीरमेंडुमुरलीवजाइनैकु
हारकअनेकव्रजवालनकीलाजकैभालनकौ
भौनाकरकरकौषिलौनाआजटौनाभसौ राज
नंदकौनाव्रजराजकौ ५॥नाइकभेदनिरूपणं
दोहा॥नाइकचारप्रकारकौंहैंपहलौअनुकू

शृं.
१.मा.
५
5

ल दछनसठअरुधृष्टगनिकह्योकवनरसमू
ल॥ ६ ॥अनुकूललछनं॥दोहा॥रूपनेहव
सपेककौऔरनजानतिनारि सदाकरतअनुकू
लतासोअनुकूलविचार १॥उदाहरणप्रछंन
अनुकूलको कवित॥चंपकनचाख्योचितहून
अभिलाख्योरससारकरिराख्योसोहूभाख्योके
जकोनहै मोदनकमोदनसोशरदिनमहकसो।
नछ्योसोगुललालासोगुलावरूपैगोनहै मा
लतीसुकुलमीनिडाखोमनमान्योहैनसोनज
हीभौननतजलीनोमनमोनहै माधुरीकोमान
धुहीनमधुरमधुपमनजादिनतेसोवलीवन
चंदनकीपोनहै ८॥प्रकासअनुकूल यथा क
वित॥चंपकलतासीचपलासीअतिचारमृग
लोचनीसमाजनिसकलसघसाधिका त्रिभुव
नतरनितैरपणैचंदइकासीसीपरिलषकै
हसतिशनाथिका स्तनपियखरसमरितामी
वितपरितापकोहरतिवक्रविधिसाधिवादि
का प्यारेव्रजचंदकीनेविविधविलासमूसो
हैरासमंडलरसिकमनिराधिका ९ पुनः स
वैया॥आवतजानिहरैनिजखेदहियानटकै

मकरंदटलभानी कुंजनिगुंजरहीअलिपुंजनि
प्रवरतियाअलिनीसमजानी कामदिनेसप्रका
सनिभाससविलासअवासबषानी मंदरिनुंनेद
नेदनकेमनपंकजमंदिरमैहरिरानी १०॥पुनः
दोहा॥मोहनमूरतिमोदनीहैमोहनीअथार ना
हिलगीमनमोहनीनवमोहनीअपार ११॥दछिन
लछनं॥दोहा॥इकैप्रेमदि— वईलहिसुंदरीस।
माज चटिवडिकोजनतावईसोदछिनसिरताज १२
प्रबंनदछिन यथा॥कुंडलमधुरमकराकृतक
पोललोललोनेसुषमसुषकेसमूहनिअरोहवो
मंजुलकिरीटमोरचंद्रनकीवारुछबिउरपैवि
सालबनमालनेकोसोहिवो नैईसनवीनकेलि
कुंजनकेगुंजहारपीतपटफहरनिदिषिचितपो
हिवो सांफसमैगाइनकेपाछेपाछेआवनमें
भलेवनियोसवगोकुलकोमोहिवो॥प्रकास
दछिन यथा कवित्त॥केउराषेनैननिमिसेन।
निमैकोऊराषेवैननिमैंअधिकउमंगसैं कोऊ
मोहभंगनित्रिभंगनमैंकोउराषीअंगनिमैंछ
विकीतरंगसे कोउमोरचंद्रिकानिकेउमंदमु
सकानिबंदिकरिराषीकेऊअंतरिअनंगसे के

शृं.
र.मा.
६
6

जनिमैंग्रावनविलोकततहीनेहमोनेंग्रगनास।
कलरिजैराधीरसंगमै १५॥सठलछन॥दो
हा॥करनग्रनीनग्रनेकविधिम्रहपरमीठेहो
इ करग्रपराधमानईहैसठनाइकसोइ १६॥प्रछं
नसठयथा कवित॥भयेहोमुदितमनमधुर
मधूकमधिमाधुरीकेमधवसिकीनेमधुपान
सो मालतीमुऊलमीहिलीनीजायसोनजाय।
बोलसिरीसमनसषटलग्योग्रानसो लीनोम।
कंरदरसमीजिमडुमंजरीनिसरसमरोजपायो
सोरभनियानसो मधुकरराजग्रेसेकाजरकरा
वेरहीकीनियतऊंनऊंजगानग्रानग्रानसो १७
प्रकाससठयथा कविन॥वारवनरामयकंच
नकेभाजनमैमनूठीमीठीमीठीवातनकीवानी
कौवनावहै ग्रानग्रानग्रंगनाप्रसंगमईऊंभ।
नानेप्रितग्रछेहनेहसोईचिनचावहै विरह
विथाकीनोतिदिनदिनहनीहोतिकाजरपर।
नकौरिऊवनकहावहै काहूरकठिनमनफ
टकेकेसंधरमैकपटकेदीपककौप्रगटप्रभा
वहै॥१८॥ग्रष्टलछन यथा दोहा॥करिग्रप।
रायनिसंकमनसदाफठकौवोन ग्रादरग्रान

अपनाईकेमोपियपीठीवषानि १९॥अन्नेनष्टष्ट
यथा कवित्त॥होनकहूंउमडिगुमडिअतिस्या
मरंगउचडि २ कहूंहोनअवघातहैं। मांकपैरै
पौरेंहोतसूरजकीअंसलागेरातेपरिजातिहू
यांतेसरसातहैं। अंतरअनेकदामिनीनकोवि
लासभरेकोऊसरतानपरफूमिफरातहैं।
पौनअरवाईवसअहोघनस्यामकहूंभारीबर
सातकहूंषालीदरसातहैं। २०॥प्रकाशष्टष्ट।
यथा सवैया॥रंगअनेकदिषावतहोपरिहा
थहीहाथविकाइगयोहै सोरमचावतहीविं
जवीविनिजानेहीअंतरसूनेठयोहै योंहीनि
सासभरोनितहीअपनोव्रतपौनकीभांनिल
येहै जैसीसदासंगराषीहैवासरीतैसेईरंगके
आपभयेहै २१॥पुनः॥ग्वालनकीचलपटन
काऊकैआननकाहूंगुलालनिडारै ग्वालनिले
रमगारारहोरनिकाहूकेरेपिचकारकीयारै
फूलनिमारमचावतग्वालनिहूंघटकोपटका
हूउवारै ग्वालनवांधतिकंजकीमालनिकाहू
मषानकोटेरिपुकारै २२ उलालाछंद वरने
वनाइकसकलयेलायकरसराजको अवना

शृं०
१०मा
/7

7

इकान वरनि हूं सुमति सुनन हू अवन सुख समाज
को २३ ॥ इति श्री शृंगाररस माधुर्या द्वितीयोस्वा
द २ अथ नायका निरूपणम् ॥ परम पदमिनी
जाजाति पदम सो रमत नकंचन चित्रिनि चित्र
विचित्र गीत कविता परपंचन संखिनि सुवति
यसिं भु संख सम अति रति रंगनि हसतिन निस
तहै विहसतिन संग अंगनि येजु वति जाते कवि
लाल भनि जानहू की कलानि गुन हित हिलन
मिलन अभिलाष को इक इकते अधिक गुन १
पद्मिनी यथा कवित्त ॥ कंचन की वारी लगि वि
लोक निवारी आज फूली वन वारी हिये आनंद
की कारीसी वहूं उरवादि २ आचरत नाव हिये
वाचरत चंद लव कोर करै वारीसी स्वतके समीर
मंत भौरन की भीरि उत ऊं जनन तै दौरि दौरि गुर
वारीसी अंगनि के भास भूषननि के प्रकाश मु
ख चंद के उजास सै चीआवत अथारीसी २ चि
त्रिनी यथा कवित्त ॥ वीन के वजावन की कंठक
लगावन कै वनविन वावन की वानि सुखदानि
है केलि के कलोलन की माधुरी अमोलन की
मंत्र मिठ वोलन की आनरस तानि है लोल अव

लोलनकीअंगअविरोकनिकोकामकलालो
कनकीनहीनिजषानिहै चित्रिनीविवित्रकहि
इननैचरित्रनकीसोभाचित्रमित्रचिनकैसषहि
यानेहै ३॥हस्तिनीयथा प्रेम सवैया॥केतकक
लिनकरियहूनमजननेकरूकंजनकलीगुलकि
ग केलिपुहपरमरविपरसिकमननेहनमा।
लतिसौरभरकिग मलिनमनंगउतेगगेडज।
लतैदिनवारिमदफरकुकिग फकियगुलाव
विसारिलोलअलिनेजगवनरअन्तररसपुकि
ग ४॥संखिनी यथा सवैया॥नितहीनिजनै
हनिवाहनिबनिअंबकदंवनसोअसहावरू
वेरवहूनिथीरसरीरकरीरविनाहियपीरम।
हा सरसेदरसेउहिसैवरकैरसयेतरसेकरि
हहा अलिकीजियीकेलिकनेलकेमेलमैवे
लिनसोनमेषेलकहा ५॥अथनाइकाभेद॥
सोरठा॥इकस्वीयाअवरेषिअरपरकीयाजा
नियै सामान्यान्योलेषियेतीन्योग्रंथनिकहो
दोहरा॥स्वीयानीनप्रकारकीमुगधामध्यामा।
नि जीजीप्रगलभसुंदरीवरनोसकविवषा
नि ६॥मुग्धाभेद॥दोहा॥मुग्धानवलवधूक

८

म्रं.
१.मा.
८
8

हीनवजोवनआभास नवलअनंगगावरनीयैल
जाप्रायेरतास ८॥नवलवधू यथा कवित॥ऐ
सीअवनीकैमाहिदेषीसुनीकहूंनाहिकाहूए
रेउन्यतैपाईभलेसौनमें सोनेकीसीछरीलाल
हीरेकीसीलरीअंगरछविभरीअतिआनंदके
भौनमें गौनेआईभौरेग्रनगोरीवीजरीसीकिसो
रीवरजोरीवतराजिरहीमौनमें ऐहोनंदनंदसु
त्वमंदसुसकानिभयेकोरिवंदवोदनीकीफे
लीभौनकौनमें॥९ ॥नवयौवना यथा क
वित॥जौवनकेभौनदारिआईदिनद्वैकहीते
सेसवकेमंदरतैपाइनिपछेलसी चाइभरी।
वंवलविनोनचारुचौरेचितकाननलौकर
तकटाछकलकेलिसी मानौसौरहतिअर
नासीछविछातीभरीभोलउतराती चितराती
रहीषेलिसी राजैनवउलहीयौरंगभरेअंग
नसोलहूलहेदलनिवसंतवनवेलिसी १०
नवलअनंग यथा कवित॥मंदपौनलागै
सुथासिंधुमैतरंगजैसेरंगतैसेअवरमेंहोत
हीविहानहै आगमवसंतजैसेसरसजवे।
लीवनदरसतजैसेकंजपरसनवानहै से

मेघजलपानकारिअंकुरअवनिजेमेनानकर
लागतमुजानहै सोहीवालवैसहीतिहारीसे
जसंगमसोअंगनाकेअंग अंगरंगआनआनहै १ ।
लेख्यं भाषना यथा कवित्त ॥ पंकजकेपातपरपा
इयौछ्चआषिनकौदीनियेछ्वनअेसीसुकुमार
गारमे इतेपरलंकअतिअलपकलकममटोना
मौटिकीहैकहाउीलहूविनानमे लालनवने
हजललाइ लहलहीकीजियेनिदानहौनीदि
वसछ्मात्रमे सषिनकीसोहनमोसोईपरजेक
आइनबडुलहीनअजोरावरेकीवातमे १२ पु
नः सवैया ॥ हगकाननकेहियरानलगेहिय
रानलगेनिजनेहनये मुकुटीकठिसीकटिगी
वटिगीघटिगीघटिसीछुटिसीछविकुचनंगट
ये अंगअंगनकेमलकेपलकेअमिलाषनके
वनयोउनये पियमोनवहौनियतोअनहेल
रिकापनआपनकेनगये ॥ मुग्धामयनः दो
हरा ॥ कौरिमतनकौरिकजतनलहिनवलापि
यसेज चंचलचित्तवौकतरहेलहेनननेकुमने
न १४ ॥ यथा सवैया ॥ करिसौहसषीनहूसवो
रराईतिहिसेजहिआयोपीयारंगभीनो चौकि

पंः
२. मा
१

9

परीत्रपलासोतितियांवङ्गग्रोरलषेवितचैननली
नो ग्रतिवाचरिकै त्रुरिपानङ्गङ्ककरियोगहो
नीवीकोलालनवीनो लेग्रलिकुंडमनोरविको
ग्रुरुविंदनग्रालिंगनकीनो १५॥मुग्याकोसु
रतः दोहरा॥कावीरकलिनसोग्रलिनकरोग्र
नुराग फूली २ हमालतिनजोलोलहीपराग १६
यथा कवित॥हीकोग्रतिनीकीकस्तूरीकीवि
सालभालग्रैसीछबिहैनसठहैग्राठेकेमयकमे
तैसीयेललिततनलहूएाग्रोलालत्रुनीलावील
टचैरेलफीजातिलगीलंकमे ग्रेसीनवडुलही
सकुतवेलिडुलहैसीलालगहिलीनोनिचली
नरहैग्रंकमें चौकिरवसकि २ कैयोभायन।
सोउछाहलि २ परेप्यारीपरयंकमे १७॥मुग्या
कौमान दोहरा॥सोकमसषिनकोसीषकोमु।
ग्धामानहिवानि ग्रतिग्रजानमानैनहीमान
नपुनिभयमानि॥१८॥यथा सवैया॥कोरिउ
पाइनबालरसालरीफालरीपोयकेप्रेमकीवे
ली नाहिपरैरितग्रीषममानकद्धपरसैनोन
सेकलकेली योसनिग्रेनसषीनकेवैनमा।
यीभयभीनोसीभामनवेली सोनसहीनव।

कीमनोहरहासविलासस्वयारथ्यकेली १९

अथमध्या दोहा॥ ईजैराजरतिराजकोईतेला। जकोराज मध्यानारिडहेनमथिसजनिसकल समाज २०॥ मध्याभेद॥ ईकआरूढजोवनिना। हसरिप्रगल्भवचनजानी प्रादुरभूतमनमथासं दरिसरतिविचित्रामाना २१॥ आरूढजोवनाल: दोहा॥ सोकसषिनकीसीषकोमुगधामानहिठा न अतिअजानमानैनहीमाननतउनिभयमान जगजालनजोवनवलीजोरजवाहरजोति लग तिजगतिजगमगतसीअथमसमध्याहोति २२ सवैया॥ हरिभईसिसजारजनीनआयाननतमो गुनदेतदिषाई राजतलोचनपंकजसोकुचकों कमिलैछविलोकसहाई हौनलग्योविछियाव टकाहटभूषनपंछनकीधुनिछाई जागिउठ्यो मनमैननरेसदिनेस ···· मसैसैमसमाई २३ उनरयणा कवित॥ जोवनजवाहरकीजोति नतहिनजोरजगमगीजातिआठोदिसिकेजटिन सी येतेपरलालअंगअंगनउमंगभरीराजैनील पटउरऊपरउरटनसी सरसिसोभासेकसिम टिरहीहीरहीमहीतलमांफतनमजालनकोघट

शृं.
२. मा.
१.
10

निसी पावसकीघटनिविलोकिवेकोग्रटनिवडी पैठिनफटनिमिसावननटनिसी २४॥ प्रगलभ वचनाल: दोहा॥ प्रगलभवचनावरनियेमध्या ग्रोहीभाव वचननकीदटीयकेग्राढग्रनंगगछ्छि पाव २५ यथा कवित॥ नोलतग्रनंगग्रंगग्रेडोलत विलासवसवोलतग्रनेकविधिषोलतघजानोहै लालग्रलवेलेलालला रनकेलोभलागिलोक लीकलागिरेनेकुनलजानीहै उनहूगहोनगेल ग्रातरामनोषेडोलसादीसेलकेकेभलेसाजही सजानेहे ग्रानंदकेग्रापनिधिग्रापहीकेरंगभरे ग्रोरनहीग्रापगतिग्रापसमजानेहे॥ पुनः सवे या॥ नेंनकेग्रतिवालचलागेहोजाननहोसव ग्रापहीसोजरा गेलगहोकिनछ्वेलग्रनोषरहो गिरिग्रागेनयेकोउगोउग ग्रंगग्रनंगतरंगभरे व्रिजडोलतवोलतजानिपरेनग वागविनोदवि गेनवनेग्रहोजाह्रनदोउतकेजनकेमग २७ प्रा डरभूतमनोभवल दोहा॥ प्राडरभूतमनोज कीकलनवढेम्योजोन ग्रोसोजोवनवटकीग्र यिकनीह्राइहोन २८॥ यथा कवित॥ षंजनि सेनेननिमेग्रननिकेदेननिमेसषीप्रतिवेनन

न

मैनीकेहीलखातहैं केलिकेकलोलनमेंभाव
कअलोलनिमेंवंचलकपोलनमेंअतिअधिका
तहै छबिकेतरंगनिमेंऔरैऔररंगनिमेंजोति
भरेअंगनिमेंसरसरसहातहै सोत्योअवदानरू
पतासिंदरसातिसोज्योंगोरीतेरेगातनरतिराज।
सरसातिहै २९ विचित्रसरताल दोहा॥ चोग
सीआसननसोकरतसुरतवहुविच कहिबिचि
त्रसुरतावहैमध्यामनकोमित्र ३०॥ यथा कवि
त॥ फैलिरहेवहूँउरवहूरसमूहघनवरषतस्व
मनसलिलविंडभारीहै हूरिउझलतसुकाहू
लवुलाकदलभूषनसवदमोरघोरअनुकारीहै
पुलकतअंगफूलेललितकदंबनषअतनकेअं
करंडवपछविधारीहै आनंदवितानमईलताउ
रहाघनकोप्यारीविपरीतिरतिपावसनिहारी
है ३१॥ मध्यासुरतांत यथा॥ कवित॥ दीनोजे
वधेवनिकोसरङक्लकलकंभनिकोदीनोहार
आनंदनिदानहै काननकोऊंडलअधरकोतमो
रदीनोकरनकोकंकनजगलभासमानसे सरत
समरअंतरीकि २ चंदमुषीजेयजीतिजोपनको
कीनोसनमानहै पाछेपरिरह्योऊटिलाईअसो

रू.   केसपासमताकोगुनिवंधनहीउचितविधानहै १३   २
२.मा पुनः सवैया॥ रातिरवीरतिरंगपियासंगराअंगरा।
११   लसैअतिहीअलसानौ मोहतआनयीअमविंदु
॥   प्लोइंदुअसीकनसौससमानौ लालकछुकपुली
अषीआननमैनोरेनकीछविकैसेवषानौ सांकस
मकैसमीपसरोजकैमांझरविथिरहैअलिमानौ   २२
पुनः॥ वेधनकेकचछूटिगयेलहीनैननिनीकी
निरंजनताई भयेरदनछतरागविनानिरलेपट।
साऊवकंभनिपाई लाललहैअतिनिर्गुणतार
सनासुकतासुनिमालमहाई योरनिअतलसै
तियमानहुमैनमहामुनिजोगपढाई १४॥दोहा
धीराऔरअधीरकहिधीराधीरानाम वेईतीन
प्रकारकीवरननकृममध्यावाम १५ कुटिलवच
नधीराकहतकठिनअधीरानारि नीकेकहत
उराहनोधीराधीरविचारि १६॥मध्याधीरा य
था कवित्त॥ वाइभेरप्यारेसुषवाहिनसकनव
षहातनहांमातेइहैनैननिफकाफकी भोह
निकैभंगसंगआनतहुभ्रमनभलेवरुनीविरु
किपलकनिकैथकाथकी नावककैषोरिआर
लियेअतिछापछापछविकीछटानिछिन २

निछकाछकी कुंडलकलकप्रतिछलककपो
लनलग्रलककचलककवकवोथनिवकावकी ४२
मध्याप्रधीराग्र यथा कवित्त॥ग्रलाकैग्रतरसनी
नयाग्रनेकवनीमोतीनरविवितकोछविछहा
रानिहे कुंडलमकरसीसमंडनग्रवलगंडमंड
लग्रधंडरहांपेकैरहचानिहे भुंजननहिकोउर
ग्रंजनविषमविषमंदहासलहरीसुथाकीगह
रानिहे पानिपनिदाहकाह ग्रानंदपयोधिकीव
नैननकीनावथिरहैनठहरानिहे ४५ पुनः क
वित्त॥लटपटीलालपगियाकेग्रनुरागभालजा
वकसुहागकेसमूहसरसानेहो नैसईप्रभानवे
डभानकीमयूषैमिलिमोरवंदकानिपररंगवर
सानेहो सोभासुधासिंधुकेविकिनेपरतकल
मलजललजाइनिमेनैनग्ररसानेहो भामिनीके
भोनजाविभारीमदभूलभोरभोरेभाइकाहभलेभो
रदरसानेहो ४६॥मध्याधीराधीरा यथा कवित्त
प्रतिहीधगायेदिनजामिनिजगायेलोकनैन।
निलगीयेसपनेनसुधपायेरी गुरुगुनगायेग्र
कनिसुधवायेवारवंदमोलधाइकैचकोरनव
धायेरी नेहतननायेवहविरहवितायेसोसाज

श्रृं.
२. भा.
९२
12

लिसरायेकछूंनैकनइनायेरी हीतहैनरायेअंग
अंगनिअरायेवक्रभायेतउकाहूआपनैनकरिए
येरी ४. ॥पुनः॥ विंझवनवंदम्बिजवालनकेदृं
दवक्रआनंदकौकेदनिथिमाधुरीरसालको मान
हरमौनहरमैनहूतैमनोहरमुरलीअधरउरधारी
वनमालको जोवनउजागरदारूपसागरअनेक
गुनआगरथैरयामोहजालको ऐहोविथिवनिनि
वुलाइससीवैननिसोआसभरेनैननिविलोकी
मुषलालको ४॥ इतिमध्याभेद ॥ प्रौडाजाति
वरननं दोहा॥ इकसमसुरसकोविदारिषविभ्र
मापेक इकआक्रामततनाइकाइहाइनिसविवेक
प्रौडानारिइनीकहीनामैपहलषानि जोरसयी
तमकेहियेनारसमैंसुषदानि ॥ ४१ ॥ समसत
रसकोविदा यथा कवित॥ आननसुकरसीहै
रूपसुधासहागहैसोरभअनरसीहै उजसनर
सीहै सोतिलषितरसीहै लालमनलागहै के
वनकेसरसीहै नैनपंचसरसीहै जोवनजीजाग
है सवगुनसरसीहै रेवनकीसरसीहै जोवनकी
जातहै सवगुनसरसीहै सोभाजलसरसीहै ति
नछिनदरसीहै जोकेभागभागहै ४४ विवि।

४१

रविभ्रमालछनं दोहा ॥ कहिविविधविभ्र
मवनीयौउजातिअनूप करतहतपनहरहीय
तिसौजाकौरूप ४५ ॥ उदाहरण यथा कवित्त ॥
हेमरुचिहाथीरीवेपाहीनअथिकारीवारुके
सरनिकारीहरिउपमाविचारीनै वादिनीहू
वारीसरसोभावारिउरीनीकीराजतसवारीदी
पदामिनीदिवारीनै असीनविनारीनविलोकी
वनवारीजाकेअंगननिहारीउलहतरूपकारी
नै लोचनचकोरनकीप्यारीअतिप्यारीकौरिवं
दकीउजारीसुखवंदकीउन्यारीहै ॥ ४६ ॥ पुनः ।
वेदकानिजानियतवंदमानमानियतवेपान
वषानिषतकोहेउतिहतरी जोतिअवंगसनतै
देवनकेअंसनतेदामिनीकेवंसनतेनहीपक
उतरी पकोनववोहरविपविकेरचीहैविधि
कौहैपुरहूतकीसचीनअदभूतरी मोनेकेसी
मूतीवनाईविपूतरीमनेदकोमपूतरीमजाके
नैनपूतरी ॥ ४७ ॥ पुनः सवैया ॥ लाललसैलल
नानवभेलिमीलागीसीलंकललामसीअंगनि
मानकेवानकमानसीनाननिभौहकेभंगअने
गकेरंगनि केसरिकेरसरंजितकंचकीराजत ।

श्रृं.
र. मा.
१३

13

यौऊचहारकेसंगनि पंकजपीतपरागपरागस
नैचककामथिमानौस्याकेतंरगनि ४८॥पुनः
कवित्त॥लोचनचकोरउषमोचनकरनकाज।
कौरीडजराजसमराजनवदनहै परमविरहज्व
रहरनप्रवोयतरसभ्रमभ्रमसदारसकौसद
नहै वरछीसनीखअतितिरछेकटाछनसौवि
नकनलानिकविकीजनकंदनहै रंगसौरंगी।
लीकौरसीलीकविनिरषतनैननिकौमादक।
सौप्यावनसदनहै ४९॥आक्राम्यतनाइकाल
छन दोहा॥आक्राम्यतनायकावेहप्रौउना
हिवषानि रूपमाधुरीगुननिसौजाकेदरसझ
नानि ५०॥उदाहरन यथा कवित्त॥एकैमन
भाईकैककहाईकौसहाईआजसरसाईमदउवेन
निव्रलाइकै एकैइहिचोरेसुषचंदसौमछंद
लगिपियतपिऊषषरसंनतसहाइकै एकैर
सरूपरंगरंजितविरानैननानैनेहीव्रिजराषी
अतिचक्रविमवाइकै छविमदछाकीइतरा
तिइनराननिमैसुरलीइकेलीहरिसंगसषपा
इकै ५१॥पुनः यथा कवित्त॥नहीउरमालप
टपीननंविसालननवंसिकारमालनहीसुष

सौलगीरहै चंदनगुलावछनसारग्रंगरागन
हीग्रंगारपीतमकेप्रीतमौलगीहै संननसुहाग
सुमीन्हहीविजईसोमचंद्रिकातिलकरुचिरंग
सोरंगीरहै नौविनवैनैनवनमालीकेविलासउ
नैनैननमैंनहीदिनजामिनिजगीरहै ५२॥**लब्धा
यतिलछनं॥दोहा॥**लब्धायातिप्रौढकहीसक
लवछनिप्रवीन प्रभुसोमाननकानिकौसकल
ग्रधीन ५३॥**यथा सवैया॥**वेनवनागनीरदसे।
नमसोंहतचारुभरीचपलासी वेब्रिजनाथल
सैरतिनाथसेहोनमसाथहीमाग्रवलासी वेबि
नचंदकुरंगकीरेषसेहोनमचंदकीचारुकला
सी ग्रौरकहालोकहौसमतानमदौनौग्रषंड
कौरुकलासी ५४॥**प्रौढाधीरादिभेद॥ दोहा॥**
प्रौढाधीरायाकहीकविकुलकरहुविवेक एक
सादराजानियेग्राक्रातिगुपतापेक ५५॥**सादरा
धीरा यथा कवित॥**रावरेकेमनजिनसुंदरीनि
कोहैध्याननेहूविधिभागकेपयोनिधिवडीरीहै
माकीकौनकरीयेवडाईवनिताकीजापैक्रिया
कारिनैकूनैनउरनविहारीहै सुभोपाइयारैन
नैननिकौवैनसषाकिंसुकक्सुकलीउरमैंस

वारीहै आवोलाल आवो इनहो कौनैक विरही
सोनवीछतयामैवाकैवेइकलाधारीहै ५९ ॥पु
नः यथा सवैया ॥ लालनआवतहीलषिकौन
ईवालअछेहरउछासभरीसी आगैलियैगहिदे
रीकैपौरिलौवागैविरीनपैरीकिपरीसी पाइप।
पारतउठनिषारतआनंदकौविस्तारकरीसीवा
हिरहीपियआननचैटहिराजनतचित्रलिषीउ
रीसी ५७ ॥आकृतिगुपताधीरा यथा कवित्त।
नैननकैहाइभाइभैननकौसरसाइसेजकेस।
मीपआइप्रीतमबुलाइये भारीभयेभागभौन।
कौलीकैरहेगीसौनकौनौविधिछुघटकौआ
वरउलाइये दीजियैदरसमन्नकीजियैसुधासौ।
संगभीजियैअछेहूँनेहआगिलीउजाइये पेरी
पेरसालभालआईहैगुपाललालतिनयन।
ष्यालनिकरालौअरुलाइये ५८ ॥पुनः सवैया
ह्रिगअंबुजनकेसमलाललसैनिजसूथीहुवा।
तनमैऋटिलाई कै चितकामकमानसौमोह
वउधीयरहीकवहूँननचाइ है घूघटकैपरउदत
संदरआननबादकीबाहमदाइ भैमेअमेषष्ठ
भावनमैगतिमावैमनमानिनजानिनजाई ५९

प्रौढाधीराधीरालछन दोहा॥ चितमेंअनिहित
सोभरीवचनरूपोहोवानि सोईप्रौढासंदरीधीरा
धीराजानि ६०॥ यथा कवित्त॥ सालनरसालमा
लतीकीमाललालनिकटीलीवनलनानकेला
लवलटेरहो केतकसमैकोस्वषकेतककलीसौ
भूलिमैनन्हहीमांकसांकसवारैसेठेरहो असी
वलिकाकैमतिकंठकलिकाकैकाजने
हकविकलीसोरहोटेरहो लेहुअलिनाइकअ
सीसहसिंनिजनिपटकपटकीकीलपटलपटे स
रहो ६१॥ पुनः आजनौवनेहौलाल१॥ मालछ
विकारूपरवसताकीधुनालैवडीरहै औरेडु।
तिलोवनकमलसनिगतिऔरैलषिपाईहै से
दसरावगीमरगजीमीकीसुरफानी सुरफा।
नीमालतीकीमालहियहालसषदाईहै ६२ प्रौ
ढाअधीरालछन दोहा॥ प्रौढाअधीरावरनियेये
हीविधिकविराज दैदैनिपटउराहनोनाइनक
रत१लाज ६३॥ यथा सवैया॥ उनबांधनफूल
कीमालवनावतिजानतिआपुनहींबंधिजेहै
कापरफूलछड़ीउठिहैकहिकामकेवानकछु
साधिरैहै वेबहूनाइकसंदरसूरतिनैननिसोनि

शृं.
र. मा.
१५
15

नैकेकहाकैहै भावतेलालविलोकनवालनिहा
लहैमोनसेवैविसरैहै ॥९४॥ इतिस्वीया अथ
परकीयालछनं दोहा ॥ जाकोहैपरपुरुषसो
सदागुप्तअनुराग सोपरकीयानारिहैज्योंखिज
तियनसुहाग ९५ ॥ परकीयाभे दोहा ॥ एक
नऊढादोजैहैएकअनूढाभेस दोइभांतिकीक
हतहैपरकीयानिहमेस ९६ ॥ ऊढा यथा ॥ क
वित्त ॥ कोरिकोरिकामरूपवारिवारिडारोराजा
पैदेखिदेखिऐसीछबिमोहिमोहिजातिनैन
भांतिभांतिलोगनसोंडापिडापिजीजियतकों
पिकोंपिउठैचितचापिचापिचूरिबैन टेरिटेरि
आरतिसोवैरवैरजावतिसोहैरिहरिमेरेप्रान
वेरिवेरिरह्योनैन एकएकरातिजातिलाखला
खरातिसमआवआवप्यारेपीवभाखिभाखिहा
रैवैन ९७ ॥ पुनः ॥ नंदकोकुमारकंजदलसो
कुमारउरविरहअपारसोकुरनिसुरफातहै
मेरवारवारवारहरिटेरिहिरिहिरिफेरिफेरि
आवनऔफेरिफेरिजातहै इनकेसमीपजाइ
सखीमसुफारकहिगोकुलववाइनकेवाइस
रमातहै होतकहादीनभयेमानहुप्रवीनत

नथोरकेग्रथीननासोवमनवमानतहै ॥ अनुअ
यथा सवैया ॥ सोपिहराउकसोहैउरोजनिया
छविपैरनिकोटिकवारी अंगनिमैइननानिभरी
मुसकानिकैभानिमयेकउजारी उठनीलालह
रीलहगाअनिचोरेउआनिछरीवटकारी काहून
ईहकगोपकुमारिरैनैदेषिससारकियेवनवारी
९९ ॥ पुनः यथा कवित ॥ कवहूंककंडकलेउ
रदेउव्यालेकवहूंकवीनिहूनावनफूलनकीमा
लिका कवहूंकआपसमेनूपहिनिहाविहूसैजा
निरहैष्यालसमपरीमोहनालिका हरेलहगा।
सोअंगउरनीसरंगसोविरानैग्रजिगोरीगोरीहो
रीकीसीज्वालिका दौरीजातदोरीआनमनकेम
नोरथसीलाललषिलीनेनाईगोकुलकीवालि
का २० ॥ दोहा ॥ व्रिजनाइककीसकलयेहैना
उकाअनूप तिनकेदरसनवाविविधिवरननतेहू
कविभूप २१ ॥ इतिश्रीसृंगाररसमाधुरयेंत्रनी
योस्वादः ३ अथदरसनलछन दोहा ॥ पिय
प्यारीव्रिजवंदवरराधाव्रिजसिरमोर क्रूरतप
रसपरदरसरसहृगनकीदोर १ दरसनवारि
प्रकारकेपकप्रनछिपकविव पकस्वपनेपक

मूं.
२. मा.
१८
16

सवनविषिचारिवेदृगनिमिष २॥साक्षातदर
सन यथा दोहा॥उननैननिकौसफलतावेडे।
भयेकौभाग प्यारेनिसहितिनेदेषियेलहिलहि
प्रतिप्रनुराग ३ प्रियानूकौप्रछंन साक्षातद
रसन यथा कवित॥न्हूतंगंभीरनाभिरेमा—
वलिएनलैत्रिवलेक्कारिवसौउठनीटिकै वे
सोछविजालनिवमालचपिकछुकवचावरहो
उठनीवसीठकै मंदमदुहासस्थारसकैप्रवार
वहिववगोकपोलननलरोडलनरैठिकै कुंजनि
विहारीछविदेषतनिहारीकेरिवेथोमनभा
रीप्रतियारीनूगटीठिहै ४॥पुनः यथा॥मे
दरसलफवबरोकनिनलफकारिवेकहाकुल
फतिहिठोरवेरिप्रानीहै देषतत्रिभंगछविभो
ननसभंगभरीप्रेगनिप्रनंगलोकलाजभयभा
नीहै नैनचितचोरनकौसीषीलीषीकोरनकी
हरिहविनोरनकीभांतिरसमानीहै। रूपकेप्र
गरनकीभोरनमगेरनकीपीतपटछोरनकी
छविपविकानीहै ५॥प्रियानूकौप्रकाम साक्षा
तदरसन कवित॥भालनटनिपटस्वकटलटक
निपानिलकतिन[illegible]उघरतिगो छवि

छलकनिछुंचारी अलकनिमदमातीपलकनि
वषवेटकसौकरिगौ अधरकैसंगमंऊमुरलीके
रंगअंगअंगचितचौचटिसीधरिगौ कारिगौषिलौ
वाह्निमौलौनासौठठीनाटौनामंदमंडहासकैवि
लासहियहरिगौ ६ ॥ प्रियाकोप्रछंन साछातद
रसन कवित्त ॥ वारवारवदनरिशावतछवीली
वालषिरकीउझकनिकंचनद्यरोथेकी स्लेश
रविंदमकरंदकेसमूहसनीफेलनिसवासवास।
पासपासमौथेकी छानिकेवारंगनिवामनिक
रोरिह्नकेकोथेकी सरहैकिचंदकियौपावकन
नानीजातिदेषहोनचंवलचषनिहोवकवोथे
की ७ ॥ पियकौप्रकास साछातदरसन कवित्त
पियकोसवदसुनिउजकीकरोषैआनिथिरकी
छवीलीछविषिरकीअदारीकी वह्नउरवारीचको
रनिकेविचारीकविभारीविस्तारीचंदहूरनउजा।
रीकी लाललौनैआननकीउढपीकपाननकी
नैरोरनिकाननकीसोभास्यामसारीकी कैसौछ
विछानैछूटीछूटीलटकारीकीसवंधीमुकजारी
कीमधुरसुरवारीकी ८ ॥ चित्रदरसनलछन दो
हा ॥ जीअतिमनकोभावसोप्यारोसंदरमित्र ना

शृ.
र.मा.
१७
17

कौदरसनकोजियैदेषिदेषिकैचित्र ९॥ प्रिया।
ज्ञकौप्रछन चित्रदरसन यथा कवित्त॥ अंगअं
गविरहकैवेदनविसदंगअतिअनुरागसोईला
लरंगभारीहै मूरछाओमोहकीमसीहैरंगस्याम।
सोमहजनपियराईरंगपीरोसबकारीहै कौविक
विचारकरलेषनचलाइचितनषसिषरंगभरीमूर
तिसवारीहै अतिहीचतुररतेरेलोचनचितेरेपिय।
चित्रनमैंदसौदिसकीनीचित्रसारीहै १०॥ प्रियाज्ञ
कौप्रकास चित्र सवैया॥ नैननिनीदनिमेषनही
निनहीकछूलैसीलगाइदईहै अंगनिनैकहलै
नचलैगिरोअंचलहूनसभारीलईहै देषतही
दिनचारिकैतअलिआनिरहीयहवानिनईहै ११
प्रियाकौप्रछन चित्र सवैया॥ फूमैफुकैकपिका
नफकौरनिसरतमोहकैसिंधुउवावत नेहजना
इकैनैफलगावैंनोआमनकैछलअंगअछिपावत
कैसीकरौदिनभौरीभयेछिनआपुनदेषैनमोहि
दिषावत चंदसषीमिलिवैकीकहावलीचित्र।
हमेंनविलोकनपावत १२॥ अथकौप्रकासचि
त्रदरसनं यथा कवित्त॥ लोचनललोहैकरिदे
षिरहैइकटककैसोअनुरागविदनदमानहै पल

किनअंगरपाइयेरहाहाकरेछानीमोलगाउ
लेनअरुसरसाइनिहे कवहूंकवोलनविला
सभेरभोलनकोवहूकनामअनवोलेहीविनात
है १३॥स्वपनदरसन दोहा॥पियप्यारीसपनै
मिलैसोनलषैजवकोइ सखदुखभीननआपमें
छिप्योसुदरसनहोइ १४॥प्रियाकोस्वपनदर्शन
यथा सवैया॥अलिआजलषीसपनैव्रिजसुंदर।
मूरतिरूपअनेदमई टेकटोरिरहेदरकोअंगिया।
करिकैरिससेफकिफोकिदई अभिमानभरेदृग
रूठिवलेउठियोढिलोनाइमनाइलई करिहास।
विलासलहोसषनोलगनोलगुनेननिनीदगई
पुनः॥वाहिरयोविनिपोरिनियोरियासालकी।
कीलनिकीलीकिवारी वीलीनहोयहलायेकहूं
सहगाउीलगीझलफेअतिभारी भीतरभोननभी
रसषीनकीवासनदीपकभासउजारी अैसहूमेवि
नकैसेकोचोरतजानियेसोवरोचारमहारी १९
पुनः कवित्त॥सीसलोलगीयेरहीवेंदीमनिमा
निकधानिकहेनोसोउरमोतिनकीमालको कं
वनईकरवानवंथवाहनमैतेसोहीवनावझवके
वकीकेनालको सांझको सिंगाररसवत्पोहीअंग

१५

श्रृ॰
२॰ मा॰
१८

18

अंगअंगकंसोहूपवालईवसनविसालको आज
राजदीपकोज्नामझभेरेभोउ‍आनकैसेहन्योसाम।
वोरहियोउहिवालको ॥१७॥पुनः॥सीसमोरचं
दनमैंमाधुरीअमंदनमेंकोविंद्रविंकंटनमैंदिये
मोदमननैंमें आभूषतंरंगमेंअंगरागरंगनमैंपीत
पटरंगनमेंवैनवनमालनमैं वस्योग्वालवालन
मेंविरहतवनमैं नीदभरेनैननिमेंनीकीवितवे
ननमें देषेआजसयनेमेंअपनेललनमें १८॥प्रि
यकौस्वपनदरसन यथा कवित्त॥ज्ञलकितअं
गपुलकितप्रतिमन्मुलकितमंदसुषवेदरसा
इगी छूटेकचभारनकेवीचविसतारनकेदेषिनै
नथारनविचारनविलाइगी संतनसमाधिफल
फलहरनप्रकासजिमिउरमेंउफाकिपुनउरही
समाइगी स्यापोवेदनामिनीसीजोतिनीदनैन
ननमाइगी॥१९॥पुनः॥सन्योकीनिसाकेमा
फचारोउरकोविंवरवाटिनीकीवाहसीचकोर
निलैगोगई मंजुलमरालवालचलिचलिमनमें
रोकनकनकरिवनवीविवनवगैगई जैहीं
छिनएरनपिउरुघवरसाइअवअंगनवियोगदा
वपावकदैगोगई नाहिंनाजैनीवगईनीदौरन

नैननिकोनादिनातेनीदभैरनैनजैगगई २०

पुनः॥ कंचनसीचंपकसीदीपकसीदामिनीसी

कोरिचंदवांदनीसीग्राननदिषैगई वानीमधुमी

ठिनसीग्रंगउतिदईठिनसीरंगभरीडिठनसीवि

नहलिलैगई नादिनातैरैनदिनदसोदिसमांझव

हैदेषियतश्कहृगग्रसीदसोदेगई २१॥ ग्रथग्रव

नेदरसन लछन दोहा॥ लागतमननपियरूषसो

ग्रपनेपियकोवात सोहीदरसनश्रवनकोजहा

श्रवनसरसात २२॥ प्रियाकोश्रवनदरसन य

था सवैया॥ छछियैनोवहवारवनाइजैवावन।

लाजगिरिवहयाते छछोनजोनोरहयोनपरैग्रति

हीग्रंगग्रंगनकेग्रकुलानेमधुसीमीठीलगेमन

नापसिराजे वेकिकरिकेसनियैमधुरीव्रिजवज।

चंदपिषारेकेनेहकीवाते २३॥ प्रियाकोप्रकाश

श्रवण दरसन यथा सवैया॥ सांझसमैरतिके

लिकीमालवनावतिवालमनोभवभीनी नासुध

लागीकैग्रालीरसालकहीपकलालकीवातनवी

नी सोसनिकेउमगीग्रंगग्रंगनिपूरनप्रेमकेपा

दनवीनी फूलकलीग्रलिथलगईनहमेलिसई

ग्रगुरीगहिलीनी २४॥ पुनः कवित्त॥ वीनीव

शृं॰
र॰ मा
२८
19

रिवारिमोहिग्रायैनन्नसमकिनिवनइसलागी
कौरसनाहलाइहै। चितपरिधीरजकौनैउइत
कानपरिवावरीनसनोगीनवारकपुनाइहै।
पाछैपाछैभूलिग्रागैग्रागैकीसनततजानिग्राय
रेकीजेवरीनिग्रैसकरवाइहै। प्यारेव्रजचंदनू
कीवतियांनिठोहीजेरकाननमैंकवहीकहनि
वरवाइहै। २५॥ प्रियकोप्रछन्नश्रवनदरसन॥
यथा सवैया॥ घेलनहैहरिकुंजननमैंसन्योराये
कोनामपियूषपगयोसो भूलिगयोसवहीछि
नाभरिग्रंगनग्रंगग्रनंगजगयोसो वैनकहूंवन
मालकहूंव्रजवालकहूवककवाललगयोसो ख्या
लकहूंसरजालकहूरहहालरह्योनंदनंदला
लठगयोसो २८। प्रियाकौप्रकासश्रवनदरसन।
सवैया॥ विसरीनिमपछिनवारकरोरकफेर
कहीसुतलेतनेय दिनरैनकहूकरवायाकैर
सनिवैहीकेउगकीशेरीलिये सषचंदसुया
रसकीनिपरीसिघरीविथुरीनकैरगछुये
ग्रवकाननतौवतीयापानदीयाभईकानुके
कानुपयोयभये २०॥ पुनः कवित्त॥ कालन
पियूषहैकिग्राननकौउपहैकिमानवियामहै

तै

मोहनीकोमंत्रहैकिमनोभवतंत्रहैकिविरहलि
ष्योयंत्रहैकिसुनवेकोकामहै नपिवेकोनाप
हैकिलपिवेकोलापहैकिछुपिवेकोछापहैकि
कंठमनियामहै विरहकोजामहैकिग्रानंदकोधा
महैकिकामवेदसामहैकिनामनीकोनामहै २८
दोहा॥ दरसनप्यारेमीतकीपरसननेदनरंग
सरसतिग्रतिगतिकीसरसनग्रंगनग्रंग २९
येसवदर्शनमैंकहेग्रपनीवुद्धप्रमाण ग्रवहि
तजनवरनियेजिनसोंसकलविधान ३०॥इति
श्रीशृंगाररसमाधुर्यीचतुर्थीस्वादः ४ ग्रथ
प्रियाप्रियचेष्टावरननं दोहा॥ होतमिलजिन
मेदनैनेसवकहोउपाइ कहतसवैकविमुष
नसोजिनग्रंतरभोभाइ १ ग्रालीजनडहूडोरके
डरहुग्रोरसान करतडहूनकोहितसजेहुग्रोर।
कीवात २॥राधिकाकीसषीकोवचन श्रीकृ
ष्णसों नथा कवित॥ देषोलालग्राईववुवाल
कैविरहविथासोईपरनामईहविलोकनिवंक
को वेलीमोदवानलकीज्वाललपटनीलषि।
काकोमनहोतिनदयाग्रतिकसंतको मदन
कीवदनवेदनग्रोषोदेषग्रतजैसेपंकजातग्र।

स्पं.
र.मा.
२०
20

तिसकेसरपंकको भोरवहूउरवंदभानकेकि
रनमथिमुलनमयूषमानोमानोमंडलमयंक
को ३ पुनः॥ वाउतविथाअपारदेहकीनहेसं
भारसोलगैअगारहारभुनतेमोहै रैनदिनकेवि
वाररहीवीनतारनारहोनपनफाईमभुवेलीहा
लजैसोहे विपनअगारवारकियोऐसोहै नोहू
नमिदनफारवाउदिनविसलारगवेरकोसथास
मनीमजपकेमोहै ४ ॥प्रियाकोवचन प्रिया
कीसषीप्रति कवित्त॥ चंदमुषीचंचलासीकोर
चंदचंदकासीहोनीउदैमंदरतंजाहीकीइजास
है राजातिनवेलीचलेवेलीरावेली फूलीकंच
नकीवेलीतेसवाहीकीसजासहै चारुमेरचंच
लचकोरचंचरीकसममेनननिकेचाइनकीनोही
मोविकासहै ललितप्रकाशसमराधकाप्र
कासहैतनोषसविलासहैतेआनंदनिवास
है ५ ॥दोहा॥ लखिप्रत्ररागसदेसकोयहम
नमथल्पनीतप्रगटनकोरउपाउकारअपने
मनकीप्रीत ६ नेनरहतिप्रिनचंदसोवेनर
हतअतिउर सेनरहतिमतसहसषसेनर
हतकरनोर ७ विहसिविहसिपियसोचते

ह्समैटतिनभियानि काननकरकेंहूकरतिथर
तिसुंगसैउतनि ८ नीदउठीसीमोरहीजोरजंभा
ईलेति रूठेहासविलासनिजकरतिउठतिचित
चैत ९ स्रोतपियाकीप्रियमेंपिषकीप्रगटपिषा
नि तेप्रछंनप्रकासकरिलीलाकेतिकजानि १०
प्रियाकीप्रछंनचेष्टा तथा सवैया॥ रहैसिसषी
पियरीतिग्रीसषीयानिछबीलीकीसोछबछैहै
कामकरीअपनेवसकामनकामकहूंविछोटि
नैछैहै बातनवेदनजाननहीनविगोनहिवेदन
ज्यौंचितनैछैहै केवहिवेदकियौवहिजोनकियौव
हजामनीजाननछैहै ११॥ पुनः कवित्त॥ कोनल
षिपाटैकहमानकौवषानैग्रीग्रैसेगूढहावभा
वनैहोकरजानेहै लालउभहाथलियेसकहिप।
रावतसौंनैनेइतनैननिरिफाइस्रषमानेहै वारि
नैनहोतहीमेसंऊरसकविसकिनिपटकपटछै
घटविताने है भीनरहीभीसोमसकतमुसकति
लोललोललोललिनकपोलपुलकानेहै १२
पुनः छनीयाउमगरहीवतोयास्तननहोनरति
याकेआगमननीकेमरमानदो भलीभईभूलीव।
हविरहकीवेदनसफूलीप्रतिआनंदसोआरस।

समानिहै आनकछूनैननिसोरीकरीकपरति
हौंअमलेकपोलनमैंनीकेलषीजातहै चंचलक
टाछनकेवोरसमसकातहै ॥१३॥ प्रियाकीप्रकाश
चेष्टा कवित्त॥ केलकौरचावतिनचावतचपलवि
नैनैऊनवचावतसमाजलाजभारके बाहुउपजाव
तिसजावतअनेकसषबाजनवजावतिमनोभव
विहारके मिलनसिषावतलिषावतिविचित्रगुन
हियहीदिषावतनलोचनअथारके डुरैउजकाव
तऊकावतअनेकवारकेनैनचरिननपेसंहरिग
वारके ॥१४॥ प्रियकी प्रछंन चेष्टा कवित्त॥ छाज
नछवीलीछविछरही अलकननासावेहवीच
मनिमनकीसौरसौरै साटेहीवदनपरकोरकस।
याकरकीराजैरुचिकेसरिकैरंगनिकैरवकैरे अ
ननविनाहूनैननषंजनसोमोहेलेतकोरनकी।
लालछवकाननछूरैछूरै नातिमृगनैनीसष।
रैनीनमुनाकेनीरउतैप्राणप्यारेडुतदेषतडुरे
डुरै। ॥१५॥ पुनः॥ कंठमालयोतिउरहारनकी।
नोतिछिनछिनछविहोतअंगअंगचरउघारेकी
प्रतिहीमहातिछूटीलटअरसानिसोंसोसोभा
सरमानिसुषचंदउतिमुरेकी माकहिवउवेव।

हूवेटनवउ़ावैकटनउलचकावैभुनसीवीकेठवा
रेकी उनछुवहूरीकरचांपपहिरावैछुरीदेछ्रैनेम्र
षियाविकानीप्रानप्यारेकी १६॥पुनः॥वारवारप
गियाकेपंचनिवारतहैपंकजनिवारनहूमोछाव
रकरिकै भूमरेछपारतहूपलववविहारतहूकवहूं।
विचारतहूसषीकानपरिकै कवहूंककेलकेसरो
नहिंफिरवतहूकवहूंसिरावतहैउठसासभरिकै
कवहूंकगावतहूकवहूंकथावतहूछिननविना।
वनहैप्रानथीरथरिकै १७॥प्रियकी प्रकाश चेष्टा
कवित॥आपहीकेविहालकहूंउारीवनमानकहूं
वेसिकारसालकहूंरहे विनछविहै हूरगोपीग्वा
रनसोंकुंजकेविहारनसोआसनकोथारनसोंरहे
नालभरिहै व्रिजनवनागरसकलगुणआगरये।
ललितेनिहारेहाथललवाइपरिहै राधिकाको
प्राथैनेनेसकनिहारतहीहियहूहिरानेहरिली
नेप्रानहरिहै १८॥पुनः सवैया॥जाहितहीथ
रयोमुरलीरविहतअनेकउवानउरानो कोरक
मेत्रमनोभवनंत्रवसीकितयंत्रजहासरसानो
लाजनहिंभानमिटैकुलकानकरियोअषियानज
हाथिरथ्यानौ नागुनआगरीनागरीकोमुषसागरी

कोहरिअजहूंआनो १९॥स्वयंदूतलछन दोहा
बचनरचनकीचातुरीअतिउपजावतप्रीत जहा
दूतिकाहीतितिसोंस्वयंदूतनिरमरीत २०॥प्रिया॥
कोप्रछंनस्वयंदूत तथा कवित्त॥ ऊनिआपबाद
रंगअथारीबहूंगैरभईसूफतननपंथकैसेगाइनच
लाइबो उठेंबेडलहूरीसरिनअतिगहरीहेअेसेसत
मैकानकनगोकुलकोमाइबो लीजोअेमपानम
नमानमेरीआनफेरभौनकेसमानकुंजअेसोनहि
पाइबो राखियेउकूलपानछनतनाअकूलथरिजोही
वरमूलवमिलामनीविहाइबो २१॥पुनः॥का
नरसीकारीघटाउनिआईभारीभूलजेहोतूजवा
रीघाउघोरअंथियआरीमें वारपारवारीवहेंजमुना
करारीनामेपारनउतारीकाननगोकुलनिहारीमें
छाहवनबारीहेकंदबबनबारीयहनामेंपनवा
रीवामनामथिविचारीमें चनरीहमारीलाल।
कामनीतरकामनीनिहारीपानछनताकीफार
मैं २२॥प्रयाकोप्रकाशस्वयंदूत यथा कवित्त॥
भारीनपीवासमानभामनिनमानोयहफेरी
बाकबंदकीमंदबाटनीहेगहरी सीतलसुगंध।
मंदताईबातिउरियतसोसोनलनतप्रबेउपौन

लहरी नीरंभरसोपसव भीतरकेभौननमेंकौ
नकादिस्छनषरोईकामकहरी आगैकतजात
घनस्यामस्नैनोवातईहदेशग्रथरातहोतिजेठकी
उपहरी २३॥प्रियकोप्रछंन स्वयंहत तथा कवि
त॥रंगीवहूरंगयरैनानकीतरंगहरैकानहीनेसं
गमानुमैरटनमहनीहै उरकैठगौरीचोरीगोरी
मौरीभामसविसवोरीतेनिहोरीवरजोरीलगालई।
तौहै वातनवनावैस्वरसातनस्नैनावैरसगातन
अनावैनितरहतिप्रछनीहै अलीलगाईमेंहुसु
रलीनहोइयहिकामपैरकीनीकाउकोजनईहै
तौहै २४॥प्रियाकोप्रकास स्वयंहत तथा क
वित्त॥जेतीसीसोषदेतितेतीपकहूंनलेतिसउ
वावरीसीहोतहमैहनोउषहूनरी ऊंजनउरानो
नहांकोऊउपगायोहैनअंमैसमैराषीयतअंतर
कहूनरी केसरीनवीनअंगीछीरैछविछीनहो
तिसासननदीनउरमाननहैनेनरी अंगनमैं
डारीपैरअंगनमैंमेहपरीअंगनअनूपतेरीबीजै
वारुउनरी २५॥उद्दावरननं दोहा॥उद्दानाना
भीतिकरितंत्रमंत्रकेजोर मैननमिलैतोलाज।
नजआपहिकरिसंयोग २६॥यथा कवित्त॥

शृं. १. मा. २३

23

नादिनतैरैनदिनमीञ्छनअनापनविछटतछट
जतनकागदसोभईहै सासविंयोगमसिचित।
वाहलेषनिकैरोमरोमवैहैपाति अपरनदईहै
ऊचीनीवीकटलअनेकलगमाततेईपरप्रेमघाट
दरसानरीतनईहै मिलीयेन्नमिलीयैवपातीनेप
ठपियमैहूंमंदपैानगतिपातीकोसीलईहै २७
पुनः कवित्त॥ वहुतदिनानिपहिचाननकीवेवा
निनामैवोलीअतितमैसोवचनअतिदीनैहै हरि
केविरहमवदेहनविषहकैहैपैवभूतनमजिन
नाह्निछिनछीनैहै वाकैपाइपंकजकेपंथनकीर
मिहोहहोहजलवादीकेसरोवरमैंलीनहै वाकै
आरसीमैनेजवाकैपीजनामेयोनवाकेअंगना
मैंव्योमहोहतीवलीनैहै २८ ॥दोहा॥ नारिअउ
ठाआपनैमिलैनउआलाज आलीजनसवकहत
हैवाउरपीरसमाज २९ ॥यथा सवैया॥ राषति
नासिकापासिनहोनिचरैजिनमोरभसारस
होयो छानीलगाउवनगाषनहैविरहागनओ
यननाउनरायो नैननिवारहयोचितजानन
कानकोअवतंसवनायो हाथहीहाथविलोक
ननीवतिनाथमथाकरिकैलपरायो ३० प्र

थ म मिलन ख्या न वरनन। दोहा॥ जनीसषीग्र
रुथाइच्यवविजननिसाकैगोन भयउछाहमेद
नकपटस्योतिबुलावोहोन १। वनविहारउतछ
वनहायरतमकलकुममोर मिलनमहासुषसा
फकौकियमषिपहिलीठौर १२ जनीवरमिलनन
ख्या सवैया॥ ह्वैग्रमिताई मिलीग्ररुनाईसोगोप
उहावनगाइनिधाये सांकहीमेहरिसांफोहीकै
षेलिसहेलिकौवेषवनाइकैग्राई धाइनवीगुनो
वीननमांउँनवीननषेलिमहासुषपाई फूलवषे
रविदाकैसषीनपियाभेनतभेदिविनोउवडाई १२
सषीकैघरमिलन यख्या कवित॥ नोरापेकही
वीननसारीपवनोरियाकीनाहीकेसमानग्राप।
छवनउरहहेंगे तैसीपेकलंकलंकचारकोसोग्रंक
रहेमंकतेनिसंकह्वैकेग्रंकनभरहहेंगे जैसीमन
भाईतैसीलालभानेग्राईग्रानकंठमेंविजाईफूल
मालसीधरहहेंगे १४। या३ केघरको मिलन तख्या
सवैया॥ वेउफकोरवहेवहहेगेरयहेनिसभोर
सदागतिगेयै वानतप्योयनीनभग्रंतरग्राठोदि
सानकोग्रंगजरेयै पेकवरीहनवेनकहेउनभी
तरभोननपोग्रकुलेयै ग्रालीरीनापवफावन।

कोअतिसीतलमंदसुधाइकैजैये १५॥ सूनेघरको
मिलन॥ तथा॥ सवैया॥ होतविहंगझलाहलझं
जसांझफपरी विथुरीनिसकारी गाइदुहावनग्वा
लभईसभसूनोअसावडिगैवनिवारी योवकुवार
विवारकैनारिखिलीखिलवारिफूलीफुलवारी
यौवनरंगअनंगतरंगविलासकेरंभईरुविभा
री १६ निसिचारकोमिलन तथा सवैया॥ प
कसमैवरसानकीग्वालनिनेदुपरीदधिवेचन
आई वेचनवेचसांझपरीअपनेअपनेघरकोस
वधाई रातिपरीतमग्वालवडोरहूयोसरदीनी
ह्वैकालदिषाई केलिकरीमनभावतीजेतक
सोनवेआपमैंलषिपाई १७ अतिभयकोमिल
न सवैया॥ एकसमैनरथ्यौंनभमेहखेलीवप
लामननापिभलीहै लोकसवैउरथ्योडिगकान
नमंरतगोपनकीअवलीहै कामनतौपरिरंभ।
लीहै लाजहीकेसंगभाजनहैडरगाजहूनैरति
रागवलीहै १८॥ उन्मतकोमिलन॥ कवित्त॥ वाउ
जउछाहविषभानकेजनमदिनआपेनंदराईव
रसानेसवसाथको होइरहीप्रमनरनारिनकी
वरूउरमिनियतनहरिनैनवाध्यभरिवाध्यमोगा

गावनवधाईजिनीदीजियतनैछावरीरीकिपरे
रिसिकसरसगुनगाथसो प्रेमसमेरोथकाकुवर
अलवेलीआइपूजअभिलाषलाषमिलीब्रिजना
थसो ३९॥आश्रमिसकौमिँन॥सवैया॥माईके
मंदरआवनवीचलगपोउनिकैविछिवाअतिकारो
पाइपियातनचरीकभईअवअंगनजानवओविस
मास्यो कालीकेनाथनहोब्रिजनाथकहीब्रिषभा
नतियानमकारो आपनोमंत्रवफाइतिहीछिनमे
रीललीननपीरउतारो ४०॥भौनैमिसकोमिल
न॥सवैया॥आपनैमंदरमैब्रिजललिताब्रिषभा
नलीकह्यौनिवुलाई चाह्यभरेनंदनंदनकोउत
वातलगाइइकंतवुलाई वातरीकाहूकेभोलनके
मिसस्नौवराकेवारआई वेदोउप्रेरउह्याअभिला
षकरीरह्योगवियोगविदाई॥४१॥वनविहार
कोमिलन॥यथा॥कवित्त॥आवनकदंवकुसम
नकैपरागमूरसौनीपौनललितहीललनललना।
नकी छोरछ्वनच्वैरचनपावसअंपेरपिककेकन।
फौटरगनऔरैह्योतप्रानकी प्रेमसमैकुंजभौन।
आनंदउछाहवाडैठौडिगललितकममोरयनि
यानकी सोहनिमचाइभानैकरतरवाइदोउछवि

शृं॰
र॰ मा॰
२५
25

सोवचाइछ्वीसोउवछ्वतनानकी ॥४२॥ ललतविहारकोमिलन ॥ सवैया ॥ करिकैकरजेउनमेलतहैजलचंचलचारुद्दिगंचलमें ललनाकछ्देषतनाहितैवभुजकोभरमेवतहैपलमें विसदेषतपानकीदूवकलैपदपेकजग्राइछ्वैवछ्लमें नेदलालसवैव्रिजवालननैंमिलकेललकैरजमुनाजलमें ४३॥ दोहा ॥ पसवपहिलेमिलनकीसरसवताईठोम प्यारीलषव्रिजचेदमिलविहारतग्रतिग्रभिराम ४४॥ इनीपरकीया ॥ दोहा ॥ नीजीपवेवनितानकीयनसौनाकोनेह नाहिवरनरसग्रंथमेविरसनग्रान्योयेह ४५ इहविधवरनेसकलहीप्रथममिलनकेघ्यान हावभावकेभेदकोग्रवकीजोग्रवषान ४६॥ इतिश्रीशृंगाररसमाधुर्यापंचमस्वादः॥५॥ ग्रथभावलछ्नं ॥ दोहा ॥ पियप्यारीकीप्रीतजोप्रगटततननमेंग्राइ नाहीसोकविकहतहैभावकाविनकेराइ १ पांचभांतकोभावहैएकविभावग्रनुभाव प्याईभवकसाविकीग्रहसंचारीभाव ॥ २ ॥ ग्रथविभावलछ्न ॥ दोहा ॥ जिनकेदेषतहीप्रगटवाडग्रंतरिप्रीति ग्रालंवनउदीपकेरसोविभावरसरीत ३ प्रथमयानउतपत

कोहूजीकरनवडाव रसकोजोग्यापतिकैरेतेवर
नेअनुभाव।४।।आलंबनस्थानवरननं।। छपै।।
प्यारीप्रियव्रिजचंदसकलआनंदकंदअलि कोकि
लकुलकारिकुहूककंजकुंजनिसगुंजअलि सरद
चंददीपनअनंदछविछंदछंदछंदसष सोरभस
मनसमूहूसेजसंगीतगुननिमुष कलहासभास
उल्लासग्रहविविधवासभूषनसरस कंपतसमान
सवरितसुखवेदआलंबनसृंगाररस।।५।।उदीपनक
थन।।दोहा।।देषनिवोलनिपरसपरसुषदुंभनप
रंभ इनहिआदिसभवरनियैउदीपनआरंभ।।६।।
अनुभावलछन।।दोहा।।आलंबनउदीपकैपीछे
जोवडजात सोअनुभाववषानियैप्रीतमहितअ।
यिकांत।।७।।थाईभाव।लछन।।दोहा।।रतिथाईसिं
गारमेंरहतहास्यमैंहास करुणाकैविवसोकहैरो
द्रहिक्रोधविकास ८ वीरवीवउछाहहैभयहिभ
यानकवास वीभतसामथिनगुपसाविसमअदभ
तवास ९ नवौसानरसनासमथियाईहैनिरवेद
सोस्वरूपवैरागकोसवजनमाफअभेद।१०।।सातक
भेदनिरूपणं।।चौपई।।थंभस्वेतरोमंचभंगस्वरकंप
विवर्णवषानो आसूऔरप्रलापआठहूंसातकभाव

रसं०
२० मा
२६
26

वभानो॥२१॥विभचारीनामनिरूपणं॥कवित्त॥
निरवेदगलानसंकाअ्रौसरूयामदश्रमकहिअ्रा
रसरूदीनतावषानीयैचिंतामोहिसपनिद्रतिा
लाजअ्रौचपलपनौहरषअ्रावेगजडभावगरुबजा
नियै देषडनकेंठानीदभूलजैवेसौवनौरूतराअ्रौ
विवोधरुवितरकडग्रआनियै श्रमरषविपावनौ
उग्रतारूमतिव्याधिउनमादमरनयेसंचारीकेमा
नियै॥२२॥अथहावलछनं॥दोहा॥प्यारीभावप्र
भावतेउपजतहावअनेक हेलालीलाआदिवैति
नकौकरहुविवेक॥२३॥सवैया॥हेलालीलाअ्रौ
ललतमदविभ्रमविहतवषानहु किलकिंच
नविछतवरननिकैउिगहिविवोकहिजानहु
मोटारतकुट्टमेनवोधकेयहावअनेकविनानहु
न्यारेन्यारेलछनछनसकलविचनमानहु॥२४॥हे
लाहावलछन॥दोहा॥नैकुनलाजसमाजकीज
हांमानियतकानि हरतहियाप्रीतमपियाहेला
न॥कुंजननिकौगैलकियैसाथीकामसैलवन्योअ्रा
वतछैलमदवीवमेदकेगई अौकिलहूषाईअ्रागे
करिवंदवादवांदनोसीवंचलासीअंचलाउठाईवै।

चितैगई मंदमुसकाइछकिनछतियाछवायउठ
अमरसप्याइअपनेईवसकैगई सोरवसुभाइग
लीगोकुलकीछायगरवाहीगरलाइहरिमनहरि
लैगई॥१६॥पुनः॥वंसीवटवाटनटमिलगोअवा
नकहीउह्ननकेचितकीउचितवातह्वैगई एकउर
कारीचटाएकउरचांदनीसोगोकुलकेगलीनेही
छकिनछविछैगई आनतरह्वैआइअनिवानतरनालो
इअघह्वैघटचलाइकैतुराचितलैगई नेहभरेनै
ननसोनीचीयेनिहारिनारिनीचीनारकोरिकप्र
णामकानकैगई॥१७॥श्रीकृस्नजूकोहेलाहाव॥
कवित्त॥भारीभौंहभावनमेंमदमदआवनमेंनै
नउरिजावनमेंमनिहरिलीनोहै रूपदरसावनि
मेंनेहसरसावनिमेंसवरसावनिमेंपरमप्रवीनी
है म्रदुमुसकावनिमेंछविसोछकावनिमेंछिन
कीविकावनिमेंसरवसदीनीहै त्रिकुटीनचावनि
मेंइनललिचावनमेंप्यारेइनचावनिमेंकीनोहैस
कीनीहै॥१८॥पुनः॥मंदमृदुहासनमेंदसनप्र
कासनमेंआननउजासनमेंमेजनतरिमेंजगौ अग
केत्रिभंगनमेंभाकीभौंहभंगमेंकुंचनकुविलकं
वसंगनिमेंजगौ ललकनचालअटकनवनमाल

र.

र० मा०

२१

27

कटितरलपरानैपदपीतमचरतिगो देषतनिहा
रैमनमहामारोमनमुरलीग्रधरकररंगनिसोसं
तिगे ॥१९॥लीलाहावलछन॥दोहा॥पियप्यारी
लीलाकरत ग्रपनेवितकैभाउ बहुभांतनुग्रभि
लाषसोवरन्योलीलाहाव॥२०॥मुग्धाकोलीला
हाव ॥कवित्त॥म्रगमदलाइवेकीस्यामपटभाइवे
कीग्रगतछपाइवेकीवानरीविसेषीहै हंसगति
हूमैथाइपावनवलाइवेकीकुंजनिमैंजाइवेकीवा
नग्रवरषीहै नूपुरउतरवेकीनादतनिवारवेकी
हारभारडारवेकीगतग्रतिलेषीहै ग्रानकालप्या
रेमुषवंदकेनिहारवेकीनिसग्रभिसारवेकीली
लादिनदेषीहै २१ कृसकोलीलाहावनैरविनैद
सचाल्योहै वेलनिमैंउफकिउफकिफाकफाक
जातिलालभांतिदेषजाकोवित्तग्रभिलाष्योहै
कवहूंकवित्रमैविचित्रग्रापवित्रलषिपाइपर
कुंजनतनजग्रागनमेंग्रागनग्रोकुंजमौन
रराष्योहै २२॥ललनहावलछन॥दोहा॥वी
लनिग्रवलोकनिवलनिविहसनिवानविकान

कामकलतग्रहरुचिवलतललनहावउरगान
श्रीराधाजीकोललनहाव ॥ कवित्त ॥ अतिही
अधीरकीनेकोकपिककोरवातेमंजुलमंजीरउठे
हंसकुलधायकै अमीकेतरंगनिचलतमृदुपौन
आजकीनीअतिरौनकतैकंजनभौनआइकै स्याम
वीरवारुनासेचंचलावमकवाइवानककवकनरहे
झहलमचाइकै कंचनचंभेलीवाइकंचरीकचाच
रहिआचरहिनाचहिचकोरचंदवाइकै २४ पुनः
कवित्त ॥ अतिसरसातपियसंगदरसातग्रौरसखि
कैसमाजभरेग्रौरेउजिआरीसी गोलगुनगोरेलो
ललितकपोलनमैंचौकाकीचमकचकचौधी
वषउरीसी गाडीकंचकीसोलसेउरजउतंगकसे
तंगनिअनंगकेतरंगछविधारीसी जोवनकेरंग
मतिभूषनकेसंगउपसहूनकेअंगदिपैदीपतदि
वारीसी २५ ॥ श्रीकृस्नकोलीलाहाव ॥ सवैया ॥
विथुरीवनमालविसालयरैसबवालनकोलल
चावतहै लषलालरसालसहातिहिषैननग्रेकुर ।
नालवजावतहै छविसोरमनीकरियेवनवीथ्य ।
अलीजननागुनगावतहै ननिमाननीमानमनोभ
वकोमितमंजुलमाथावग्रावतहै ॥ पुनः यथा कवित्त

वितललचावैरूविऐसीग्रंगग्रंगकी छीनउपजा
वैम्टउमुरलीवजावैमरसावैकोलजावैनवसुथाके
नंरगकी मुषदरसावैस्योंस्योंमुषपरसावैदीहउष
ह्निनसावैरीनथौरंगरंगकी ह्नियरासिरावैपरवार
ह्निसरावैलाजगिरिकोगिरावैसषिमूरतित्रिभंगकी २

पुनः॥ यहूवनमालउरलसतविशालयहिवैसि
कारसालरसतालकोविवासहै वरषतरंगयहि।
हसततरंगह्गिजीततअनंगयहरंगकोविलासहै
यहमुषमंदहासनाकोमंदहाससमयकुंजकुंजरा
सरतिकौउजासहै यहमाधुरीकौसारराविरोअपा
रनैनकरिकैअयाररथैरेआनंदविलासहै २८ मद

हावलछनं॥ दोहा॥ उपजतमदअभिमानसो
सरनप्रेमसमाज नाहीकोमदहावकरिवरनत
सविकविराज २९॥ श्रीराधाजूकोमदहाव॥ स
वैया॥ पिकवोलतपंचमकीधुनियाधुनियासव
कामसौदीनभई ननमानयहैवसयानयहैवकु
लरनैमदलालनआइविलोकलई ननकालर
सालसवालउहीचरमाललनीमारसीलागगई १

पुनः॥ सवैया॥ फूलदकूलअतूसगंधसिंगार

समाजसनीरजनीकी राषनसूरत है अभिलाष
सबैब्रिजमेंमृगनैनीनी छ्वनीकी भूषनवारवनावन
सोअलिजानीयैरीतयनीकीमनोकी ओरनसोउ
हमोंकरहैछबिमोसोकहैतमसादियैनीकी ११
पुन:॥लालसैनवलानववेलसीलागीसीलंक
ललामसीअगनी मानेकैवानकमानसीताननि
मोहकभंगअनंगकेरंगनि कोसरिकैरसरंजनिकें
छुकीराजनियोऊचहारकेसंगनि पंकजप्रीतपरा
गसनैचकवामथिमानोसथाकेतरंगनि १२ श्रीकृ
ष्णकोमदहाव॥कवित्त॥वंयकनवाषोचितहूंन
अभिलाषोरससारकरिराषयामोउभाषोकंज।
कौनहै सोदनअमोदनसोमदनिमुहकनसोछ्वा
ऊोगुललालाओगुलावहूयेगोनहै मालतीम।
ऊलमीजिहाकगेमनमाप्योहैनसोनजहीमोनन
जिलिजीनीमनमोनहै माधरीकोमंदहूनसुरमभु
यमनजादिनजैचलीवनचंदनकीपोनहै १३॥विभ्र
महावलछन॥दोहा॥पियअविलोकवसोभूषन
वसनवनाव करतऊँरकेओरहासोवनिविभ्रमहा
व १४॥श्रीराधाजूकोविभ्रमहाव॥कवित्त॥नेवर
नराउमनजेहरिछिसरवोऊपाइअरविंदनपवंदि।

नकोथरिबो बांधेत्रिवलीनकासिहेरतिहियेमेहार
हियेमनकिंकिणीकीभासनिकोभरिबो जावककंगी
लम्हगसावकसेनैनरहभावकअनोषेहरिजनमन
हरिबो काननमेमुरलीकीजानतसुननहीसुसीक
हाकाननमैंकाजरकरिबो ३५॥श्रीकृसकोविभ्रम
हाव।कवित्त॥पाइनलपेटपागपेचनकोबांधबोन
प्यारितनपाइनसोसीसहिलगाइबो सीसपरचंपक
कीमालकोवनाइबोनपेकरसम्मूलअनुकूलजात
नाइबो पंकजकेपातनकीचीरनकोओठनछुवाइ
वोनवारवारहारवोसुहाइबो भूलेजिनकहोअति
नीकेहेरीनीकेकाननीकेचीवनीकेहोसिंगारनव।
नाइबो ३६॥त्रिजहावलछन॥दोहा॥नाहिनवो
लनदेतिहैलाजलपेटनआइ हृहतहावसुवरनी
येकविराइनसिरनाइ॥३७॥प्रियाकोहृतिहाव॥
कवित्त॥कपटीकीवानीनिषआनीपहिचानीजा।
नीजाननहमारोमनमेलभरमाईहै पेरीभोरीभाम
आपहीकेहितहातेहिठकीलगहितकीहितवाइ
हिवहाईहै पीरीपरिआईजाईकपोलनिकेहेदेतक
हिअवकैमेकामकीरतडगाईहै नेरचितवतरस।
कोवकीमचोटीवडिवाहतनवरूपापहकैमेवनि।

प्राइहै ॥ ४७ ॥ श्रीकृष्णकोहृहृतहाव ॥ सवैया ॥ वो
लैनहीतीयाहृठरहीकविलोइनकोइनकीअरुना
ई धरेकैमदलालभयेपियहोररहेमनवोनमहा
ई कुवेनवोलनवीरीनषातनचाररहेसुषयोसष
दाई सेजसमीपपसीजतसेकरवैठेअरहेमनिमाल
कहाई ॥ ४८ ॥ विलासहासलछन ॥ दोहा ॥ अतिचं
चलषेलनहसनवोलनविवयविलास निसदिन
पियप्यारीदोऊकरतअनेकविलास ॥ ४९ ॥ प्रियाजू
कोविलासहाव ॥ कवित ॥ विरजातकंठकोकल
मधुरधुनिराजतअधरनयपलवकीभाससौ लाल
लषिलीजैअलकावलचपलअलफूलेफूलेफैले।
मंदहासकेप्रकाशकोआवतअनलअतिसौरभ
कीलपटेरुविरुविरजेवारुचंदनीउजासससौ लाल
केविराजमानवारिनवदनविघटसवतसेनरित
रिवियकुलाससौ ५० ॥ पुनः ॥ लोचनवदनमकरव
रनकमलफूलेकलअलकावलिआलिनकेनिकर
सी कुचकैकपटकोककोकीकेजगललसैहारल
नाललितंतरंगतिदरसी दीरघनितंवडुहूतिरन
विराजरहीसौसौअतिवडीस्योंस्योंनेकुयदावरसी
सारीकरनारीकीकलककसौकरैरलेतमंदरील।

पृ॰
१॰ मा॰
३॰
30

सतिसोभासुधारससरसी ॥ ८२ ॥ श्रीकृस्नकोविला
सहाव ॥ कवित्त ॥ अनिआरेकोरनमैंरसकीझको
रनमैंमदनमरोरनिमैंचाजरीलषाइयै लालरंग।
डोरनिमैंमदनमरोरनिमैंप्यारिचितचोरनमैंचात
रीयाललइयै मैनरसपैननमैंप्रेमेप्रेनमैननमैंयहै
बातसैननमैंसकलवजाइयै इनसुषदैननमैंइनवि
नचैननमैंप्यारेइनैनैननमैंसुरतविकाइयै ८३ ॥ पु
नः ॥ केवलअनंगरंगसागरअनंगसमराषविय
रहीकैथोमननमरोरके इतैनेगुननपरहरनवि
रानैजितगंजनकमलमीनषंजनचकोरकेसरस
विलोकहविलेजहैरहैहीहीअजिनकेमवेहैचहि
चविवक्रफरके दिनदिनहूनीहूनीलगनिकेलागर
हैमैरचितलोचनत्रकेभेहैचितचोरके ॥ ८४ ॥ किल
किंचितहावलछन ॥ दोहा ॥ श्रमअभिलाषगरभ
अरुविसमयक्रोधहरषभयभारी पेकछिवारहो
जतहुवरनिहुकिलकिंचितसुषकारी ॥ ८५ ॥ श्रीरा
धाजूकोकिलकिंचितहाव ॥ कवित्त ॥ हरतन्हकै
सेपरैचौकउनकेसपीजरानसौककेसेरसलोभन
कसायैहै कंजमगआगेआगेलषियतलागैरैन।
दिनजागेजागेआगेलषिरगउपजायेहै छुद्यटपा।

डीकेभटक्तरीनटीकेनटनिकटिनदापैहै सो।
पैनेहपैनंहरेप्रेमकहिदेतहीरनैनहरिलिनजेरै
नैनलखिपायैहै ४९॥पुनः॥आपैलखहरहीनिद
रवरदोरछविनीवीअवलोकनिसोकरीहैप्रननन
नि सारचसोमिलेलाजआसनाकोछाडनहारीखै
नैकललागैहीकटाछनकीवातैश्रति जरलतरी।
छैनीछैसरलसभारनकेवारअनुवारअरुछारसन
रीहीनती मानहियरोसरसदानहैनियानपिआरी।
आजनेरैनैनपियनैननिपङ्नगती॥पुनः॥रूप
नखनानिकरीजरीनाहिकीलनसोमोदनसोंडीवै।
डीगुरुलाजनैहै नेहपवमानअतिलाखवादवान।
वितसाहिवरिराखहितहीरनेकेसाजनैहै रंगवेरमा
भरीकेअंगअंगदीपनमेंविहरतव्याहकमलाहरति
रानैहै पियरुचवारथकेवीवजारआवनरीअखी
आयेआन्नतेरीराजनतजहानहै॥४८॥श्रीकृस्नकोकि
लकिंवनहाव॥कवित॥सहनिसकतपलनकनन
आगसदकतउठकेजनथकनिगतवालकी करयरी
वीरीलगअधरलोहोजनीरीउसाससिलेतिलपट
अलमालकी अटकीनिपटपुंजमहलकेहारसि
गलेतधनिरूचेनचकिंकिलीकेनालकी सुंदरी।

प्रे.
र. मा.
३१
31

सिरोमणि श्रीवृषभाननंदनीजू विहरत हैं रंजन
लालनि विहालकी ॥४९॥ विवोकहाव लछन॥
दोहा॥ रूपप्रेम अभिमानतें कपट अनादर होइ ना
हीकौ विवोककवरनत हैं कवि लोइ॥५०॥ राधिका
कौ विवोकहाव जथा॥ सवैया॥ डोलत वोर सबके
लग लालव काम री कारी यहे तनकारी माधन हू
पदही की कहा वली छाछ ही के रसको रिझवारी
वीथन वैन विषान वजावत ना हर छैल विलोकन
वारी रीतन नानत प्रेतके फंदकी नंदकी गाइ चरा
वनवारी॥५१॥ श्रीकृस्नको विवोकहाव॥ कवित्त॥
ग्रेहो काहु का पर फिरत पटपीत काछै विंद्रावन
मधुवन विपन वनीन मैं मोहनी कौ मेलक लकी
नीका मके लिव्रिज पाइन पछैल वढ़ विहरत मनी
नमें लोचन अतिं चंचल कनीन कानिकै मन का
नीन की नीहम हूं गनीन मैं मुकुरसनीन रूवि।
मानद मनीन कछु राधत मनान आजु गोपरमा।
नीन मैं॥५२॥ पुनः॥ वंसीकै विलास राग जालउर
राधत हो ललित त्रिभंग निकरत वितभंग हूं हू
ही के वंदनैन चकोर नित चावन पावत कव हूं नमें
टीयन अंग हूं छविन छौ वीले लाल छति विसद्यो

नछूतियानछेकपारनहोमूरकतग्रनंगहूं नेक
सविलोकनिजिवावनहोजामैकछूधीतेहैनरस
हैनरंगहूं ५३ ॥ विछिनहावलछन ॥ दोहा ॥ सहज
ग्रंगकीरूपसौरहैनभूषनचाव सोविछितवषा
नियेपरमरसीलोहाव ॥ ५४ ॥ श्रीराधाजूकोविछि
नहाव ॥ सवैया ॥ ववनकीनतवेपककैतनकेव
ननेतिहूरचनजागे कसरिलेसहूकैसिरिकेस
केदीपकदासनकौडतिभागे कोरिकमानकहूं
मनमानिकमोननिकीरुचिमैलियेलागे भूषन
हीग्रलिभूषनहीसपरहूषनग्रंगकीउपकेग्रागे ॥ ५५
युनः ॥ कवित्त ॥ नौलगहोतमनिमोतनकीजोत नं
ग्रलिजौलौसमुषचंदमंदहासविसतारिये ग्रंगन
कोरंगदेषदामनीविरहोतयोहीकहाकंचनको
वंचनविचारिये फूलेफूलेपंकनलौसंकजमदेई
नाजमारीजरजारीहीकीसादियेनिहारिये सहज
सिंगारसिंगारनसिंगारीग्रतिग्रानकेसिंगारनकै
सेकेसिंगारिये ॥ ५६ ॥ श्रीकृस्नकीविछितहाव स
वैया ॥ कांधेधरेग्रतिकारियेकामरियाछविसोन
लभावतकोनहि नीकेलगेग्रतिगोरजरंजतिदेषग
हेरतिरजननदेरतिनाइकमोनहि राषतहैनवभूष

नहीतनकानरगोनमिषैपरभौनहि भूषनयुंज
नलावतहैतिनिहोतजसोमनिडीवडिठौनहि
मोटाइतहावलछन॥दोहा॥भावअनेकनिसा
नहाउपजनसात्विकभाव नाहिछिपावनकीजिये
सोमोटाइतहाव ५८॥श्रीकृस्नकोमोटाइनहाव
सवैया॥एकसमैविषभानकेमंदरनेंदसहोपति
सोतचुलायो वागैविविवलदाउवनेसवगोपत्र
छेहउछाहनछायो उवेफरोषनिफांकतिराय
कादेषनहीहराहियैहिरायो आविनआरगपे
अस्ववातिनैपंकजकोरजमेलछिपायो ५९
प्रियाकोमोटाइतहाव॥सवैया॥वागेवसीटव
रीनवनाववनेउनषेलजहैवनवारी देषअनंग
तरंगभरीभलेभोलउठीविषभानदुलारी एकर
हैहिमरुपहिमंतचल्योतिहकुपरपौनमहारी नै
ननीरचलावतआवतअंगनकंपवढावतभारी
कुटमितहावलछन॥दोहा॥केलिकलहकीके
लिमेंजहांहोतविनवाव नहांसकलकविकह
तहैहोतकुटमितहाव।६०॥श्रीकृस्नकोवोधक
हाव॥सवैया॥चंपककफलनमालकेपातलपेट
मषीकरप्यारीपठायो नाहिलियेहसिकेनेदनें

रनदेषतजीवसोजीवमैं आयो मेलअलीइकअं
वुजअंतरभेजदियो अतिपालषपायो एकौकहा
तियवोलेकहापियतासोकहामनमोदवडायो

दोहा॥ पियप्यारीचितवाउकेपेमसववरनेहाव
भूलेहूकेभावकोकविकरलेह्रुवनाव ६२ हाव
भावकेभेदसववहुवुधग्रन्थसार आठभांतकीना
इकावरनोकविविसतार ६४ ॥ इतिश्रीसृंगाररस
समाधुरीयाषष्टास्वादः॥६॥ दोहा॥ स्वाधीनक्रि
नभरतकाकलहंतरतानाम विप्रलंवउतकेठिता
वासकसजावाम १ प्रोषतपतिकाखंडताअभिसा
रकाविचार पेप्यारीव्रिजवंदकीआठभांतकीनार

स्वाधीनपतिकालछन॥दोहा॥ जाकेहूकमसरा
दारहैप्रीतमगिनैनआन सोस्वाधीनपियाकवनै
वरनीप्रानसमान १॥ प्रछन्नस्वाधीनपतिका॥ सवै
या॥ आछनसेजवडोउपरून हठनाहीकरोरति
रंगनकेतो हाथछुडाइरहोगहिनीवहिराषतह
रकैरेछलजेतो मेरीसवैइतरानकीवानसोही
येमहासुषमानतपेतो जेतौकरोअपमानकछू
मनमोहनकेमनमोहनकेतो ४॥ पुनः॥ कवित॥
राजतिनअनौस्त्रिगराजकेसौछिनकटिअनौनउरो

श्रृं॰
र॰ मा॰
३३
33

नागजकुंभसमपीनहै अजैनसहाईनितंवनग
रजाईगतिदेषैनहिंअजैगजहंसलाजलीनोहै
हीनीअजैमाधुरीकेसागरउजागरताअजैनैन
मीनदिनहीनरसभीनहै वानीसरवीनसमहीनी
हैप्रवीनतनुभावकनभीनहीमैप्रीनमअथीनहै
प्रकासस्वाधीनपतिका ॥ कवित्त ॥ राजनअनंग
केतुरंगसेतरनैननदेषगतिमनिसवनरसीका
तुरसीकी तूहीउरवसीनेरीवेरीगानउरवसीसजै
उरवसीअतिआभाउरवसीकी आननउजासआ
सपासभासमानिभाससोहतहैसमतानसरद
केससीकी लालनकेअसीकौनवालसुरसाल
नाकैअंगउपमादीसारीहोतनरकसीकी ॥ ६ ॥
पुनः ॥ सवैया ॥ वेयतिहैव्रिजवालनकोमनरूप
विसेषविलासनजागी पानकैरअधराव्रितकोनि
सवासरपानकैरसपागी कामकनूहलकीम
नुधामरहैनितदीवहरंगनरागी कुंजनकुंजर
माक्रितहैमनमोहनकीमुरलीसुहलागी ७
कलहंतरितालछन ॥ दोहा ॥ पहिलैपीयहिं
नआदिरपीछैनोपछताइ कलहंतरतानामक
हिवरननाहिवनाइ ॥ ८ ॥ अथकलहंतरता ॥

नथा॥सवैया॥जोकहियेनहितूनसोतोनोम
नोजसकीपशतावनभारी जोकहियेसुतिहीठि
नमोपतग्रावनहैवडिजालग्रटारी सोचसंकोड
हूंनकेवीचमईगतदोइनरीकीसवारी मोईकटरी
कौणातभयोग्नुउठाइदीयेरिसकेवनवारी॥९॥प्र
कासकलहंतरता॥सवैया॥जीभलपेटहीलाग
केपाटिमनाइनलेविनतीकरलालहि ग्रापनेदो
सनिवारसरोसनमारमसोसनिहिहियह्नालहि
सोरभसारभरेमलयानिलसंगलगाइवलेग्रति
ग्रालहि देषवसंतसमैकोसमागमग्रागलोमाग
सतावनवालहि॥१०॥विप्रलबधालछन॥दोहा
पीयपररंभनपावईलहिसंकेतनकेत उचितउ
चितचितसोचरविविप्रलवधतिहहेत॥११॥प्रछ
नविप्रलवधा॥कवित॥विनमारीदेषनकेवाम्भ
रेभोइभरीहियेसरसाइग्रपकियेग्दडहासको सो
हनविसासकोटकपटविकासग्रानोहतीरसरा
सकेलिमहलविलासको स्नोलषितेननिसो
ऊनोमनमानरहीवलोहूंनढाडीरहीलहीनउसा
सको ऊनमधुलोपलीनवंवलग्रलीनसमऊंवत
कराछनविलोकीग्रासपासको॥१२॥पुनः॥चंपट

र. मा
३४
34

केउरछूपीभरतउमासनकोयरनपिरईप्रतिप्रा
ननप्रमलमें प्रथरनिनीरीहैविराईकरिवीरीरि
ऱपेरीनाजकीकूकहूकेंजहांकेकदलमें आईजनीत्रा
रैआरैमाईहोर्गईसोनेहूकीवलीत्ररफाईपरीप
लमें वलीआयेपाईनसोवोलीआयेवेननसोंदे
वीआयेनेननमोकेलकेमहलमें १३॥प्रकाशविप्र
लब्धा॥तथा॥सवैया॥मनभावनकीनहूआवनआ
सहीवेवमुषीकविचावगई नदकुंजनकुटीमुकता।
लिछूटीलषिकोवरनैनिहुवानभई मुषपेमभूपा
वलआवलनोवहिहोहुउसासनसोनचई ननताप
निकोनललनावर्वईमभूपेवितग्रीषमकोरवई १४
श्रनः॥योरयराउमडीवहूउननदीरयराटामुनेदन
दिषाई भादवकीप्रतिकारीनिसाभयभारीलगे
अपरीहोमोछाई वालगईउहकेलकेकुंजननहोन
लेषविनराजकनाई॥१५॥उनकंठमालछन्नम्
दोहा॥विननविनसेकेजयरग्रनआवनकोहे
न मोईहेउनकंठलाअरनापमनन॥१६॥प्रछन्न
उनकंठिता॥कवित॥कहूंग्रटकेहेकियोकाहू
अटिकाईहारिग्रनहूनेनआईवारीवरीयोटरनिहे
एछनमकनमषीननकोमकोवभरीमोवभरी।

अषिपानौधीरनधरतहै दीरघउसासनीरी होत होतनअवरचीरी पीरीजाइउनेरकपोलनभर है मंदरसनेपौरनकपोरनतेलैमंदरसलौहरत होना निनेकुनीदमधरतहै ॥१७॥ पुनः॥सवैया॥ ईठिन नीकिगईनवसीटकियोवसकानकेऊठभयेहै नाहीकेरकिगयेवनमाईकिकाहूपियागहिवोह लयेहै आपेनलालविचारतवालविहालह्वैधीर नकूटगयेहै आसहछिपावतयामिससौद्विगछा वनपावनपंकजकेरजयेहै॥१८॥ प्रकाशउनकंठि ना॥कवित॥ कवहूंरसालकीलतानसौकरतवात कवहूंकमालनीकेजालनिघिरतहै कवहूंकचा इभरीचंपाकेसमीपजाइधाइधरीभोरनकीभीरन भिरतहै आलीआलीकेलनसौफूलीरइवेलनसौ रंगभरीवेलनसौवालीजिमरतहै देगईविसासमभो नआपेवनस्यामकौंनयेनहूलेलूषनसौपूछतहै पुनः॥सवैया॥ कामनजामनिनेकुकरैरहिनवअपने तमजालवऊबै नीदंधरेगुरुलोगमैविधरोजछिपा करनौलौछिपावै नौलगआपनीकोलधरैसुनिभा वनकेलिकेमंदरआवै अहीविचारविलोकेवहूंदि सिमैनमईवितचैननपावै॥२०॥ वसकसजालछन

१५

शृं. र. मा. ३५

35

२१

दोहा॥ मनभावनआवनदिवसकरनिसारतिके
साज वासकसजाकहतिहैतासोंसुकविसमाज
प्रछंनवासकज्जा॥ कवित्त॥ कहूंमनमोतिनकेग
हनावनाइयतकहूंमालतारयलकेलकेकमल
की कहूंलाललतिनअलापकैरयाआलीजनक
हूंसेजकीजतगुलावनकेदलकी काहूंभुमका।
नकेकपटसौंसिंगारिअजिमतिभरमाईअतिवा।
तियचपलकी औरतोमहलसभमहलसयेईला
लपहिलकेसंगसोभाग्राजकेमहलकी २२॥ पुनः
सवैया॥ अपनेकरकीवनराईदिषावनकेजनिके
लकीमालवनावै वाहसोंचित्रविलोकनकेमिस
हारहीडिगनैनलगावै होउहीहोउमहेलनसौं
हसियोनवभूषनदेहदिषावै ष्यालहीसाजसजै
सवहीतिअवासककेनविलासलषावै॥२३॥ प्रका
सवासकसज्जा॥ तथा॥ कवित्त॥ केसरकेसंगकस्तू
रीसोंउवटअंकसोंपैसोंअनन्नाइषरीअतिहीउमा।
हिकै सकलसिंगारनसौंसषिनसिंगारीप्यारीप
हरीकिनारीदरसारीयोंसदाहिकै जैसीयऊव।
निकसवांधीकसकेंचुकीयनोवनकीनैवननर।
हीअवगाहिकै केलकेमहमाकमदनकेमदछकी

गावरीयेवाहश्रवरहीमगवादिकै॥२४॥पुनः॥
सवैया॥प्रानमहापुरवीसुनियेरहवानसोंवेगि
येसासहिमावति थोरेहीनेहसोदीयसनोइडवे
पिजरामेसुवाहिछिपावति नंदकुमारकेश्रागमवा
सरवागरमारिविनोदवदावति जोवनरंगश्रनं
गनरंगडहूंमिलिश्रंगनिउपवश्रवति॥२५॥प्रोष
तपतिकालक्षन॥दोहा॥जोकेपीश्रपरदेससोंप्रो
षतपतिकानोर श्रतिसंतापसनीरहैसहनहव
रीहोर॥२६॥मुक्कनप्रोषतपतिका॥तथा॥कवित॥
नारनवलनेहसागरविदेसनिसिउनागरपरतन
पलिकोपरतिहै रूठीमुसकानिजानरुक्षेसषी
श्रानश्रानतिनसोंलगोरहीनेहयानैनिदरतिहै
श्रावहीमेंश्रापछिपावतिवहीरसनापदीहपरना
पतनमेपरतहै हितूजनदषीजानेमनहूनपहि
वानेश्रेसेपियमिलनकीश्रासायनरतिहै॥२७॥प्र
कासप्रोषतिपतिका॥तथा॥कवित॥राषतिन।
वालमुकनाहलकीमालउरकोमलशलावद।
लहाथनलगावरे देतसुक्षीवाननकोउतरसषी
नमुषश्रंगनकोरंगश्रंगरागनछिपावरे वालम
विदेसवसवालमहिनेसवसवालवसविरहसने

शृं.
र. मा.
३६
36

ऊनमिनावई ॥२८॥ पुनः॥ आजुकालआनकहै
तेरेमनभावनदपैहोविछुरावनकोछाननकप
टहै रावरेतोघालरहावौनेकोनहालनिनैपछुत
नलालचितषरीवटपटहै पागनविरहिजगलाग
नअनैसोकहूंभागनवैनेनचहूंडरतेकपटहै ध्या
मथमयोरनीहैनारागणविनगीहैचेद्दविवपाव
कहैवांदनीलपटहै ॥२९॥ पुनः॥ जलथरहूदेश
नातेऊरलानोप्रतिहवरीलसतिपेकलनासुवर
नकी सोनेकेसरोजपरसोवतमरदवंदआसपास
यैरभासतिमरकेगनकी परसपरसतिलकसुम
समीरथीरवंवलनासोनवंधजीवकेसुमनकी
षंननजुगलसुरसरजलविंडसमउगलतअवल
नवलमुकननकी ॥३०॥ षंडतालछन॥दोहा॥ प्र
तिविंनासंतापन्नतिवहै षंडनातीअ आनसुंदरी
सुरतकरआवतनाकोपीअ ॥३१॥ प्रछंनषंडता
नथा॥ सवैया॥ रतिरंगरंगेरतवालमआपेरते
अनोदयभासलहो लषिभासमनोभवकेभयसो
नकछेवकहीमुषसोनरहो अमवानभरीअषिया
नविसासनहनीकोआमनवाहिरहो कलकेतकि
याप्रदंवरकोअतिनानेउसासउसासनहो ३२

पुनः॥ अंजनरंजनअंचतिकुठनमोलगवालवि
लोकनलागी मोलगलालउनाइलआइकैहम
वहीअषियाअनुरागी वेहीसथारसकेपरसेपुल
कीननरंगनअंगनजागी नेहअछेहसनीसजनी
विसरीरजनीचतियारसपागी॥१३॥अकाषाघंडता
तथा॥कवित्त॥उनतउरोजनकेघोनउरकेसरमें
कंठकलकंकनकोअंकदरसातिहै ठौरठौरबीनु
नषदंतनकेदेषिअतिनावकसुरंगअंगअंगसर।
सातिहै सोहैकहूंपीककीककानरकीलीकक
हूंसेंदुरकीसीकसोभावरनीनजातहै नागर।
निरंगरातिआपेअरसातप्रातदेषरंगनातरंगर
नरीलजातहै॥१४॥पुनः॥दिगकोलकलीज्यो
नलौदीलमेंनिसूथीहूंवातननेमंकुटिलाई कुं
चितकामैकमानज्योभोहवडीयेलषीकवहूंन
नवाई च्यंचटकैपटहठमेसदरिआननचंदकी
चादसदाई मोपरनीनउमासरिसेंअरहीनोसि
माननेकैसेकनाई १५॥अतिअभिसारका॥दो
हा॥प्रेमगरवअरुकामवसचलनजलालनके
धाम वहैकहेअभिसारकातीनिभांजनवाम
प्रछंनप्रेमाभिसारका॥यथा॥कवित्त।पेकेदोर

१९

श्रृं॰
र॰ मा॰
३७

37

पैडुपरकेलल्केसरोजनतजितीनवारपैडुपरडारी
फूलमालकोपौवछकपैडुपरडारीमनमोजो
मालसंगनविहालपरैवादलाईमालकोप्रेमम
दमातीअरसातीअतिवेगवलिदेषोईचहतवा
मष्यारेनंदलालकोउरजेउजेगजाईनितंवनउ
रनाईकटिलजुनाईडषदाईभईवालको ३७

तथा॥सवैया॥जगपाइलपाइनकीकरहूरउता
रअमोलहरागरसोवटकोलीडहूकरकीवलि
यानिछपाइलईपटआवरसोपियकेचरेकोव
लीवंदसुरवीयहसाजपरैनिजनेहरसोडुतिर्दं
तनकीदसहूंदिसफैलतवोलततनाहिइहोडर
सो ३८॥गरवाभिसारिका॥तथा॥कवित्त॥अ
जगरवोलीसौतजनकेसहागनकीसीवदहदी
पतिकीदोरनदपेटिलैआलीअभिसारकोस
माजनैनकसाजअंजनकजनकीकेलनकेरंगनि
कपेटलैजोतिनसोजागाअबीपानअनुरागरं
नलागनसोलागिमनलालनलपेटिलैनागरि
ललसांनेरसहनिकीफोजवीवैवेरिरथमागेजा
नवेदर्दिवपेटिलै ३९॥पुनः॥प्रकाश॥यथा॥क
वित्त॥विंद्रावनवेहअतिसोभावरीवटजिमकं

जभौनचंद्रिकाइजामवहूंकोदड्यो फूलरहेद्य
लनिकेअंतरकमोटवटलोचनयनेदभौहको
रमनमोटड्यो मोतिनकीउनीमोरमोरनिम
करथ्याकीसौनौगईहूरभजपावसथ्यायोपड्यो
आजमुषसारभरह्यौनेरीअभिसारथ्यारीसोहूत
सरदरितसरसविनोदड्यो ॥ ७ ॥ पुनः प्रकाश
गरभाभिसारिका ॥ कवित्त ॥ विछुयासवारेहुं
घरूपचोरवारेपगनेवरनगारेमिल्योवनको
सारहै वेचलवलनऊवगेवरनिसानवरहीरन
केहारनरवीरनवहारहै रानेअसवारमनवार
नपैवारत्रिपतेरीअभिसारमषिफौजकोसिंगा
रहै आगेवेवरीकवलेआवतवदोलीकिपैहो
कनहैरोलीआगेसौरभकियारहै ॥ ७ ॥ प्रछुनका
माभिसारका ॥ तथा ॥ कवित्त ॥ चरनचरनगोरच
टावहूं औरचरीटसोदिमिमाकदामनीनिकोवि
लासहै नैसीनिसपावसकीमानहूअमावसकी
ऊंजभौनभयोभूरभूषकोनवासहै वडीवडीहं
देउरपावनीलगतत्योहीश्रेमसमथ्यारीअभिसा
रकोहूलासहै पंथकीववीचपरीकंचनकीछरी
नानिपकरीभुजंगमनमानकभासहै ७२ प्र

सं॰
र॰ मा॰
३८
38

कामाकामाभिसारका ॥ यथा ॥ कवित्त ॥ गूढउ
नयंथनकैपैथनचढेगोगीकविमूढभावछाडेरति
ईसमीसभुनैनेगो आननीअमानहीकैसमानपर
मानकैहैमानविनकौलौनेहगनगनगुरौगो यौ
कहिसिषाईसवसषिनसंजानगायेसायेहितकै।
सेवितनईवैापच्छनैगो सभयसुषीहैवोकवी।
लीहलीहरिकहिअंतरहौवैसोवाढंहैकेतयहभु
नैगो ॥ ८२ ॥ या। कवित्त मे जघपमषीनाइका
कोमानकरनोसिषावैहै नासोसैछाहैनोहीपं
थनवलौंगीकवयायरसोअभिसारकोवायन
है ॥ दोहा ॥ पेसवबरनीनाइकाआठोभांतवषा
न उतममध्यमअधमअरुतीनभांतकीजान
अहितकैप्रीतमतजुआपमदाहितहोइ उत
मलीलाकोथरैनारउतमासोइ ८५ ॥ उतमाना
री ॥ तथा सवैया ॥ होयहिलैरिसकैचहिलैप
तिसौसुखवंदहिदेषलभानी प्रीतसोवांथीसी
कैगईआपजवांधनफूलकीमालवनानी रंगभ
रेरतंरगभरेलषिअंगाघरकैरनैनअमानी भाव
तेलालविलोकनवाहिमानकोवानसवैअकु
लानी ८६ ॥ पुनः ॥ प्यारीपरोपगसेजहौपैपिय

८०

ह्वैहै मलीनकलीनकैकोई सीसेसंगसंगथपे।
हेहगीवाहीकेपाइनमेंमनजोई कामनीकापरको
पकियोयहकंनकहारिसनेहमेंहोई नौकनिलाव
नलालकियेनिजभालकेजावककीरुचिसोई ४७
मध्यालछ्छन॥दोहा॥कछ्रहितकछअहितकरेला
लहिताहिमेंदेष॥तथायेोगआदरकरतमारमध्य।
मापेष॥४८॥यथा॥कवित॥आलेलषिहरहीते
इरवेउठिनीवीतवेअवलोकनसोकरीहेअणतन
त लालवसोमिलेलाजआमनकोछोडतहारावेष
उनैलागेपेकटाछनकीवानैअति नरलनरीछेटे
उसरलसभाइनकेवाइअनवाइअगुछइसनरोही
जेति मानाहियेरोसरसदानहैनिदानप्यारीआज
नेरैनेनपियनैननपङ्गनगति॥४९॥पुनः॥सषन
कीवानेवहीहनतनकीयातेरहीपाइकेपरनप्रेनअ
गहीपियनकी सरनपरसरसअसपरसडंहस
रसलभाइभरेहिलगहियनकी लालकीलटकि
मिलमकटकीछटनिसोजटनिभईहैऊनटिन।
मेवियनकी॥५०॥अथमालछन॥दोहा॥प्रीतम।
कैहितकरतजनहिनहितकीवान अतिचंडीअ
निकोपनीनाहिअथमतीअजान॥५१॥तथा कवित

सृं॰
र॰ मा॰
३५
39

वेनोहै ग्रथीरयारी नेरेनेहूपरीउँनेवंसीवटलीरत
जेनेकूनहीजानरी नेरेमुषचंदवाहिनीकेवा
हिंवंवलहैलोचनचकोरकोरजामसेजनानरी
षिनहीनिदानश्हुप्यारीजेरेमाननतापैप्रीतमके
प्राननतापैकामवानवातरी कळूनवसातविरह
नविसरानहिगानहीविलातजलजातनके
पातरी ॥५२॥ दोहा ॥ श्हूसंयोगसिंगारसववर
नोवेदवनार विप्रलंवसिंगारग्रवसूनोग्रवेम
रमार ॥५३॥ इतिश्रीसृंगाररसमाधुर्यीसप्तमः
स्वादः ॥७॥ ग्रथविप्रलंवसिंगार ॥ दोहा ॥ पी
यप्यारीविछुरतिवढतिग्रतिग्रनेकविसतार
विप्रलंवसिंगारसोवरननतचारप्रकार १ ग्रा
दिमकलग्रनुरागकेहूश्रवग्रनुराग करुना
मानप्रवासपुनिग्रपनीग्रपनीलाग २ देषतहीं
रसग्रौरसोनेननिपरयोसभार सवसागरसूरत
ललनविनेदेषेडुषदार ॥३॥ प्रियाकोप्रछुनए
रवानराग ॥ कवित्त ॥ गोवरसरंगउनग्रंगनको
संगलहिमहावररंगहूतेग्रतिगतिरंगीहै हूप
जलमाफनेरेलोकलाजसीनगिरेभूलीकिरेगे
हसोंमनेहसंगवगीहै लालनषहालिरनेकी

जीयेनिह्यालविनदेषेपेनिह्यालनटसालनसो
पगीहै मोहनीकेमंत्रलगीवेहीमूउह्यासपरीषे
मकैठगौरीठगीरैनदिनजगीहै॥४॥पुनः॥र
हैवरसाईरोइरोइसरसाईग्रतियोहीनरसाईरू
पनैकत्रपदरसोवे उठिउठिधाईलोकलाजविस
राईवरजीनविनलाईग्रानितहीसमकावेरे ने
हकैलगाइहनीहनीकेजगाईग्रोवजातनवफार
तहीसमकावेरे मोहवालग्राईभईग्राषेउषदाई
ग्रैसेनेहीउरकाईग्रवतहीसरजावेरे॥५॥प्रिया
कोग्रकाषाएरवानुराग॥तथा॥सवैया॥होसग
कीहितहोरीकेष्यालमेलालनमूठिगुलालकी
उरी नाहिग्रनेकग्रगोछनसोकविकीलैग्रगोछ
तिरीपेवहारी देषोभयायेहैफागुनयासषवी
नभयोविजहलहैप्यारी ग्राषनमेग्रनुरागवसो
सउहोग्रनुरागवसोरंगभारी ६॥पुनः॥कवित॥
एरनपरागरतिराजसरफूलनकोमादकमोद
कमोहकलषायोहै रावरेरसीलेकरकेजमंज
मूठीभरिदेहीननवाहिवाहिवोरानो वलायोहै
छोटसगुलावरसयोरयोरहारीउनकोरनमे
मोइयरिउलोहूनछुइयोहै रारयोलालरुका

शृं० लालफागुनषयालवहिसोर्ईअजिनवालिनेकेग्रा
र० मा० षनिमैंछायोहै ७॥ पुनः॥ प्रियाकोप्रछंनहरि
४० वानुराग॥ यथा॥ कवित्त॥ नारकसीदीपकसी।
५० दामनीसीनिनवीचकोरचंदवांदनीसोग्रंगनसो
धेगई अनलअनंदनिसोमाधुरीग्रमेंदमसोको
रछविछेदनिसोंनैननिसोछैगई लागतनवाईति
हलोककीनिकाईग्रैसोमोहमधुराईचटकीले।
चितह्वैगई कासोकहूंनानेकोनग्रंतरह्वीलीनेमो
मनादिनसोवहूंदिसविवसारीह्वैगई॥ ८॥ प्रियाको
प्रकासहरवानुराग जथा कवित्त॥ पलनपरन
योपैकलननलगवपावेनारेनचलनपावैवंचलना
भागीहै नीनह्वैनसमुह्वातिग्रैसेह्वीविह्वातिगति
वियासरसातवातविराहकीनागीहै नोविनवि।
ह्वालह्वालभएंगेंगुपाललालदीजियेदरसवाल।
जोपैरसपागीहै जमुनाकेनीरकहूंकालनषिपा
ईउनेसोर्ईछविलीनह्वैकेनैननिसोलागीहै ९
दोहा॥ देषनवोलनमिलनविनवढैविरहइस
मान उपजननोसोदमदमानिनकोकरहवषान
काबछंद॥ प्रथमहोइग्रभिलाषवहुरचिंतागु
नभाषन सुमिरतिग्ररिउदिमे… प्रलयउनमाद

सुभाषन अंग अंगमैआयजोरजहुताउनहोइ
नेहवैडैभयहोतमरनपावक्कजिनकोइ ॥११॥ अ
भिलाषलछन ॥ दोहा ॥ हगवानननसौमिलरहै
ननमिलवेकीचाह नाहिकहतिअभिलाषहै
सकलकठिनकेनाह ॥१२॥ प्रियाकोप्रछंनअभि
लाष ॥ सवैया ॥ वोजनाकीजतअंगनअंगषरी।
श्रमकीजलधारकडीहै केनीउमासभरैनिसवा
सरदेषविथामनमेरवडीहै कुवोमनोरथमंद
रताकीसिडीनतंकैउकवारचडीहै नैकुनोथी
रजकोधरिहैअतिपानेरगातनिहारवडीहै ॥१३॥
प्रकाशअभिलाष ॥ कवित्त ॥ डोलकरिकाछ
नीमेंनाभीसरनाइयैरीत्रिवलीनरंगनमेंअति
सरसाइयै रोमावलह्रषतरनैकुविरराचीउरके
वरकेरंगनरचाइयै वाकीवनमालसौलपटिउ
रजाइयैरीअंगकेत्रिभंगपरवारवारजाइयै ते
हीछिनतनमनतापरिसराइयैजुप्यारेत्रिजनंव
दकौदरसनैकुपाइयै ॥१४॥ प्रियाकोप्रछंनअभि
लाष ॥ कवित्त ॥ कंचनमहीमीकविहैहैनैनषं
गनकोलोचनचकोरकवपाइहैजुनाइसी फूली।
नलनीसीकवलैदेछविअभिलाषभांतनकेसौ।

र्सं॰
२॰ मा॰
४१
41

रभसहाईसी वहवहेवाहिवाहिवातिकसिषीन
कवकैहैहसिषसेहवरषाकीअथिकाईसी हूपप्रभता
ईसवसोभाकीसमाईकवदेहैदरसाईतिन्हलोककी
निकाईसी १५॥ पुनः॥ पीरीपरिआईकानअंगनकी
काईऐसीवेदनवढाईकोलषीहैगजगामनी ऊंचक
सीपरीचितधीरतानथरीसुषलाजपरहरीऐसीभा
वनीकौभामनी ध्यानसौलगावतहीवासरवितावत
हैमोहिनवनावतहैऐसीकिहूभामनी लाषला।
षभांतअभिलाषनहीराषिपतभाषीयतभेगसोन
कौहैवहकामनी॥१६॥ प्रियकोप्रकाशअभिला
ष॥ सवैया॥ नादिनतेललनेललचाइरहिउचित
वाइसौचौगुनोउबै वारनहैतिहलोकनिकाइह
हूषतरूषमहूषथियूषै वैननहीअववैननिला
गरहीअवलोकनिकीवहहूषै आसुवियोगअता
पकैकीवपत्योउरफेरभरैफिरसूषै १७॥ चिंताल
छन॥ दोहा॥ किउमिलियैकिउटालियैकिउवसक
रियैकंत उपजतचितचिंतादसानिसदिनरहतसचिं
त॥१८॥ प्रयाकीप्रछंनचिंता॥ तथा॥ कवित॥ जाकै
अंगअंगनकीछविकीतरंगनमैंबूडुमनजाततनाहिकै
समनदीजीये जाकेवसआइतिन्हलोककीनिकाई

नीकीलागनलहाईताहिकैसेवसकीजियै विंद्रा
वनवेदसुषकंथकोरिछेदनियनेदकोउलारोभा।
रिनैननकोलोनीयै कैसेकरयाहिनिसवासरस
मीपलैग्रनंगजरहरनमधुरमधुपीजियै॥१९॥प्रि
याकीप्रकाशचिंता॥तथा॥कवित॥दीपचिनवाह
मोहसललग्रथाहसोवनदीपरवाहग्रतिविषम।
वहावसी लाजवडभागदिनरैनरहीनागरतराजर
हिउलागउोमगरकीजैदावसी कोरकविचारन
हरीनविस्तारकैसेषरैनिसनारनितहोतग्रथिकाव
सी देषतहोलालनस्पेदेषिव्रिजवालवहपैरीपहे
विरहपयोनिधमेनावसी॥२०॥पुनः॥ग्रतिमनवा
रेलाललोचनतिहारेप्रेमपयोनिधरमथिडारीव्रि।
जनारीहै तेहकलकामिलोहजालनजरतिलाजक
वनजहाजवेठकेतेदिनठारीहै विरहदसनदैकेला
गोमैनमहामीनग्रवनिरधारभईविकलविचारीहै
उरजउतंगचटउरसोलगाउलीनतेहग्रहवानिभर
कीनेग्रतिभारीहै॥२१॥प्रियाकीग्रछेनचिंता तथा
सवैया॥ग्रवलोकतहीरहियैनिसवासरकोग्रवलो
कनहोइकरी ग्रवलोकैविनानहिलोकमैंजीवनजो
भईतौविरहागनरी व्रिजचंचलवाइचवाइनकीचर

शृं.
र. मा
४२
42

वावह्नउरननैतेपसरी छिनकैविछुरैरनीयजानिप
री सखुरीउनमैननिवानपरी २२॥प्रकासचिंता॥य
था॥कवित्त॥ग्रेवरकेग्रंजरमेग्राननप्रकासनहीग्रा
सपासप्रन्योकोउनासग्रसदेषियै फूलेग्ररविंदन।
तेपारजातविंदननैतेसौरभसमूहग्रंगग्रंगनिविसेषि
यै व्रिजकीकह्यहैनिह्लोकग्निगनैननकेनैननकी
नारकासुपैकेवहलिषियै प्राननतैप्यारीव्रिषभान
कीडलारीहियलागरहीभारीकहूंपैकेछिनपेषियै
गुनकथनलछन॥दोहा॥प्रानपतीकेगुननकौ।
कीजैजहांवषान गिनगिनमोतीरतनज्योंसोगुन
कथनप्रमान॥२४॥प्रियाकोप्रछनगुनकथन॥
कवित्त॥उरजउतंगनकोनीलसुनहारहै लोचन
चकोरनकोचंदग्रवतारहै किंचितावातकविसराया
यनविसारहै प्राननतैप्यारीलोकप्राननग्राधारहै
कियौमैरभकोमारहैमोभाकोपमारहै किरूपय
रेमारहैकिनंदहैकुमारकीहै॥२५॥प्रियाकोप्र
काशगुनकथनं॥कवित्त॥केलिकैप्रसंगउरउर
हीनिहारेग्रंगांछिनछिनगरीसांफग्रासवारेके
तियकेजरारैग्रंगग्रंगउजिग्रारेलषवारवारउरेवान
मेनमनवारेकै माधुरीतरंगभरैग्रोलीनोरूपसागर

२१

सो कैसे पीयो जात भये लोचन कजोरे के ये करम
नासो अलि जात न तव धाने गुण मोर चंद वोरे नेंद नेदन
प्यारे के ॥ २९ ॥ श्रीकृष्ण को प्रच्छन्न गुण कथनं ॥ तथा ॥
कवित ॥ दीन कैतु रत मेंदयोन के डुवाये दीप चंपक
विते के चंचरीक कहूं न मन्यो है हाटक हरा ने दे हूं दाम ।
न अथीन कविके सरकराई गहि हू पहीन जान्यो है
कंचन के केतक की रेंच न रची है रुचि फूली मौन सौ
न जही कौन उर आन्यो है लाल ललना के नव अंग गन
की आभा लघवी कवक वेंचला गमन तन तान्यो है
पुनः ॥ लाल ललना के मुषसुषमा कमल लषि क
लना परत सुरफाइ जात पल में हरन परागा बर अंग
निविभूत पवि के सर जटानि कल है न हल वल में
कोमल म्रणाल ये कचरण के हाल वा उ छिपे वह्न का
लकाल दल वल में कल में अलिन के जाल अरु अल
न की माल लिये पिवन कौ जाप करे योगी भये जल
में ॥ २८ ॥ प्रिया को प्रकाश गुण कथनं ॥ कवित ॥ पर
म प्रकाश रतिराज को निवास कला सोल हूं जास प्र
तिमा सभास भीनो है हिय को हुलास मज वलय को
विकाश पकारन कौ नास ने नष्यास हरि लीनो है
तेरे मुष सुषमा की उपमा को है न तऊ जाने छपजाति

२७

छिनछिनछबिछीनोहै वेगहीगगनगहिभाजगयोवा
हैवितयाहीतेमयंकनेकरंगरथकीनोहै २९॥सम्रतिल
छन॥दोहा॥ज्योंज्योंपीअम्हथहोत्योंत्योंसवसथिहोत
वहेकहीम्नथरतिरसालगीरहैदिनराति ३०॥प्रियाको
प्रछंनसम्रित॥कवित॥जिनजमुनाकेकूलकीनीरस
मूलकेलिजिनद्रुमफूलनिग्रन्तूलसधरतो जिनव
नवेलनिसहेलनकेसंगजिनिभूषनकेवाइफूली।
वीनतवहरती जिनविजकुंजनकीवीथनिनसी।
थनिमेंप्रीतमकेसंगरतिरंगरसभरती तेईठौरने
ननिसोजाततिविलोकजिनिठौरनकोवाइचरग्रे
गनकेविसरती ३१॥प्रियाकीप्रकाशसम्रित॥कवि
त॥फूलेफूलेपंकजपाइकहूंथरिपरिपलवउवाय
अलिआषनकेआगेहै ग्रेवरतेआनंदएनोवेदहिउ
नारलेहूनोउघहोतचेनबोदनीकेलागेते वावि
नवसंतनकेविहारनविदाइकरचखौजानचितपि
कपंचमकेरागेते नेननीदषोइरहीपकेसथिसा
इरहीसवेसथिसोइरहीपकेसथिजागेते ३२ प्रि
यकीप्रछनसम्रिति॥सवैया॥फूलेसभूलेसलोच
नसोवनकेरुचिरावरवापे हेउफकेसछकेसवकेस
उहीभगवाहततेनकनवापे चंपकचंद्रकचंदनचो

फ़ं॰
१॰ मा॰
४२
43

दनी चंद चवै है अनितापन चापे एक्ष्ठ नकानक हो कि
नकोनकै सोच संकोच सचोटी सचाये ११ ।। प्रियकीअ
कापअम्भित ।। कवित्त ।। मोर हिलावत पिलावत सक
न श्रिंग भावक मिलावत परम मर सात है वेद हिवुला
वतउलावत अलीन अऊलावत हियै मे अंगअंग अर
मात है भेटत अवंभन सोरं भन के थंभन लता को पर
रंभन कोअनिहीसिहान के आन्न काल वाल मोहना
लकेके रन आल नहीलाल केके वास रविहात है १४
उद्वेगलक्षन ।। दोहा ।। लग्न अग्न के जोर तेंस्व घदारकस्त
घहोर १६ उद्वेग सदीव है भाषत है कविलोर १५ ।। प्रि
याको प्रक्षन उद्वेग ।। कवित्त ।। जिनजमना के कूल
कीनी वट मूल के लितेई लगे मूल सेन जात द्रिग य।
री है कीन की कांतिन करे जो कत सान की उककला
कसारन की केती कूक परी है जानत मधुपक्ष मथाव
न को देषिये फला सकीन उर फूल भारन सो भरी है
देषन वियोगनी न रूषन वडी है आग केती उरी जरी
अरू केती अयि जरी है १६ ।। प्रियाकोप्रकाश उद्वेग ।।
सवैया ।। कोरत करे जो कर पत्र से करे रेकर करन कर
रोक मने ऊन सकानो है सिंधु केमं कार व मल्पावत।
नहू रयस केयो कहूर अमदत अनियानो है सीरोको

पृं.
र. मा.
४४

44

नकैहैसषीसारदसुधाकरहिवाउवयुगनजालजा
मयसमानोहै वहूंदिसविथुरजनारागननेजकन
जनमननापननतपनहूंतेनानोहै ४७॥प्रियाकोप्रछन्न
उद्वेग॥ सवैया॥वाहीछवीलीकेअंगनराचकैलोच
नरंगभयगुललाला वीरीविनोदविलासविसारेसो
भावैनउरहूयग्रनूपमवाला जानजहैप्रघहूअंजननाहि
नैफूलीपलासनकीवनमाला मोहनमांकवउसोवि
रहानलनाकीविलालपैफैलतवाला ४८॥प्रियको
प्रकाशउद्वेग॥छपै॥नवपलवकसिकवचसुभट
वरसरसालनि मलयानिलमातंगमधुहयसंगहु
नारन कटलभंमनीसानमनपिकगाननगारन
मधुरितसहाइविरहीनपरचडमनोजरहूवियवने
भासनपलासवनसासअतिअरुनभासनेअवतेने ४९
प्रलापलक्षन॥दोहा॥निकसजानमुखसेंकछुप्री
तमकीहितवात ताहिप्रलापवषानहीविरहयात
अथिकात ५०॥प्रियाकोप्रछंनप्रलाप॥सवैया॥मोसौ
मनमथवैरपरयौतिहमित्रसुधाकरवैरीघरोई तूंति
हमित्रहैआननमेरेमहाइखुरोरहप्याउजरोई वैठीर
कंतमेकंतवियोगमैवातकहोमनहीमनजोई मोईतें
नीकेकैवालवनावततेठौसमाजसनेसवकोई ५१

प्रियाकोप्रकासप्रलाप॥ कवित्त॥ यौंहीभीजष्यालस
मनानिहोविलाग्रौरेसंततविलासमोहजालउरफा
इहो ग्रैसीयेग्रनीतकन्होपानीकंजरीतलैहोनैक्रन
पनीनदेहोप्रीतउपजाइहो हनेउषपावैसनैउठिउ
ठियावैग्रहग्राठोजामध्यावैताहियौहोनरसाइहो
कैहोनहिभोरीदेहोनेहककोरीजपेरावरेकोथो
रीहूठगोरीलषिपाइहो ४२॥ श्रीकृस्नकोप्रछन्नप्र
लाप॥ कवित्त॥ कान्हइकतमैवातकियेसरसाहि
हियेतमकानदयेहो वैठकहैग्रपनीउरपीरसो।
वीरकछूतमहूफलईहो लागीरहेनिजहीनक
सीजपिवेपडिवेमेविनोदछियीहै वामनमोहनी
मेत्रमनोहरवासुषकामकोवेदभईहो ४३॥ श्रीकृ
स्नकोप्रकासप्रलाप॥ कवित॥ ग्रंचलउठाइग्रति।
चंचलविलोकरहीवारनेनहोतहीमेग्रैसीफिरगई
है ग्रानवतरानीघुनिनैनोकमतरानीकनरानीइन
नैननमेजाततलीनभईहै काहेजानदीनीवरग्रंक
कौंनलीनीरसवीनीवसकीनीकिनकौनविध
ठईहै ग्राइजानग्राइजानफेरग्राइजानतनाहिजा
नहूफललितैनजेहूंसीघटईहै ४४॥ उनमाद
लछन॥ दोहा॥ गिरतफिरतरोवतहसतकरत

औरही और सो उनमाद दसा कही वड़न ठिहरकी
दौर ४५॥ प्रिया को प्रछंन उनमाद॥ सवैया॥ बिर
हबिथा वाड़ी वह्न वाल हिये प्रीतम रूप हियें अहिठानो
कसकउठै सुष आलवाल वकि चटत चटत समभ्रंगग्च
टानो उरज उतंग सी व आसू जल छूटी लटि कुपरउपा
ठानो मानो सम्भू अन्हात गंग जल ना सिर काल छ्या
लल पटानो ४६॥ कबित्त॥ मैन के सहूस सर तेरस
रसानौ शनि कौन तिय होत निषदा ह्रोपट फूटकै
देषि देषि तेरे की यो छूतिया अछेद छेह कोन रही
आषन ही आसू जल हूं च्चटिकै नैरेगुण गाथ ब्रिज
नाथ हाथ स्याम सदा अथर सुया सौं रही है न छिन
छूटिकै मुरली रसाली तू हमारे उरसाली वनमा
ली मो अकेलि यै मनोज सुख लूटिकै ४७॥ प्रिया
को प्रकास उनमाद॥ कबित्त॥ वंदन गुलाव घन सा
रदार दो जी अति की जी अति सेज जल जातन के पा
न की सौरे उपवारन मैं वार वार ताषी पतन्यौं न्यौं अ
जियो रतन नाप अथिकातकी रंग भरी रावरे कौ
वी मरी को नाट सुनि नै ही छिन प्यारे गन भूली सुष
सांन की देषा परभात की परी है वड़ नात की न सु
थि गौरे गात की न ग्यान की न पान की ४८ पिअ

कोप्रछंनउनमाद॥ कवित॥ आवतकहूंकोउठथा
वतकहूंकैंगुनगावतअनेकचितऐसीगतअट
की विरहकेभारमथिअगनसंभारहनछूटीलटटू
टीमोतीलरहूमुकुटकी नैनवंकतैननिविलोका
निविलोकीतूमुवाकेउरवेदननिपटचटपटकी
पेरीपनघटकीविसारीसुथिघटकीनसुधिपीत
पटकीननटकीनवटकी ४८॥ प्रियाकोप्रकासउ
न्माद॥ कवित॥ घरगेनथकतअतिजीअमेजकत
वलचाहतचकतकितदियोसकिजरातिहै ग्वा
रनेकोहूरकैविहारनकौहूरआसूथारनकोहर
रहेपीरअथिकातहै वहूवियसोमनिसोमनके
मसोमनसोपीरीपरीतातयातउनिदरसातहै ना
दिनानेकीनैनेनेकटाछरसभीनोनादिनातेवअदी
नेचरीचरीयोविहातहै ५०॥ व्याधलछन॥ दोहा॥
अंगरूपमेलेपरेनिसदिनभरेउसास व्यादसा
सोवरनीयेजीअउपजतअतित्रास ५१॥ प्रियाकी
प्रछंनव्याध॥ सवैया॥ हवरीदेहभईडलरीदिन
तोविरहागननतापतईजू कोरसषीनकरीविन।
तीनवनेकवनावनवीललईजू षउवेइगुनगा।
वनगावरेजाननतनावहीकेभ्रमवाननमूरछेना।

श्रृं. र. मा. ४९

46

वह्नवारछुईजू ५१॥ प्रियाकीप्रकाशव्याय॥ क
वित्त॥ परमसुजानआनआनंदनिधानकानवि
छुरनलानगुनप्रिथयोकियेसटीक मोहसिंथग
रहैतिउमूरछाकीलहैरपेरईप्रानवहरैनपायेपी
अपानपीक गतमतिगटगईआजअंगअटिगईझेकनपल
गईलरगईलोकलीकवितगतवटगईभूखप्यासहटगईनींदहू।
उचटिगईजटगईह्नोकहीक ५२॥ पुनः॥ सीतलगु
लावमिलचंदनउसीरजलहूरहीवफानकरलेत
जरजातहै सेसरविवेकेकाजपंकजननपायइतको
सदसवीसकेसरोवरसुकातहै रावेरविरहिनई
वेदनकैवरियमैंथीरजविलाजयोअतापअथि।
कातहै सासैसेनवासमेनवचनअवासजनदेखि
यतहौकैसेदगायडुमपातहै ५४॥ पुनः॥ पकैरू
कजातपैरसोपुटकैसंपुटमैंपकसुरफानउरिआ
धीअंगगनारियै पकैपुनपाहनहूपानहोइजात
पकै.अकुलातसरितासरोवरकीपारियै पकै।
विगदातपकैदागनदगातकहाभयोजोपैपारी
प्रीतपंजरकीमारहै वांदनीकैचाइचंदसीउग
गमागतहैकैसेकैउठाईभातनारिरवारियै ५५
प्रियकीप्रछन्नव्याय॥ कवित्त॥ राखियेसंजोग

सुषसीतलउसीरनमेंमंदहासघंदनविलासरस
सानेमैं कोमलकटाछविजनाकेपोनउरनमें
आनंदफुहारनमेंप्रीततरूषानेमें तपतउसास
फूलकसागननदीजियेहूकान्तसुकुमारकंजदल
हूंनजानमें मानुरितग्रीषमविरहरवितेजग्रीचि
येनप्यारेसषकोरसिषमानेमें ५६॥प्रियकीप्र।
कासष्याय॥कवित्त॥राकेरेजिनरोमजोहिहैव।
कछदोषनेकुजानेनमसोसडषदारूनडसहकी
तेरजानिहासीनवलतिहेउदासीजहांपरीप्रेमफा
सीगुनगासीदेहदहकी काकेमनमाईयहपेती
निठुराईपीरजानेनपराईहेरेसंपतगिरहकी
स्रावेकोनवीठीयहजोरोरीवसीठीउनआगसे
विद्दरसीकीनीहेंग्रंगीठीउरआगसेवरकी ५७
प्रतिवेदनविस्तारसोदी
जडतालछन॥दोहा॥प्रतिवेदनविस्तारसोदी
सजानतनभीत जासोजडताकहतहेंयहेविरह
कीनीत ५८॥प्रियाजूकीप्रछंनजडता॥सवेया।
सीतलकोरपरेउपचारकरेवहूवारसपेकसभावे
जेसेलगेसषतेसोचहेंडपयातनकेसकछवनिआ
वे त्योहूहितजननसोगुरलोगवउीभ्रमभूलकोभेद
वतावे रावरेनेननदेषकहाकियेदेषहंफेरकहूं।

श्री. र. मा. ४७

47

सवपोवे ५९ ॥प्रियाकीप्रकासजडता॥ कवित्त॥
नैननिसौमिलीवह्रहैनैननसौमिलीसुषचैननिसौ
मिलीनिनैरनदरसाहै ध्याननसौमिलीगुनगया
ननसौमिलीमैनवाननसौमिलीनिसवासरविहा
तहै भाइनसौमिलीविनवाइनसौमिलीजोउपा
इनसौमिलीअतिहियैसरसातिहै विंद्रावनचं
दनंदप्रानप्यारेतनमैंप्राननसौमिलीअवपकमई
जातहै ६०॥प्रियकीप्रछंनजडता॥सवैया॥पार
सरोजकेसंगमलालवह्नैहैअसोककियोसुषथा
ई वैअतिलोलविलोचनकेरुविरीफकेह्वैहैरसा
लसदाई कैनवअंगमिलापकेकारह्नैहैभलेव
नवंपकमाई नैऊहलैनचलैगहेहैंथंभहिजानी
कहाकरहैवकनाई ६१॥प्रियकीप्रकाप्राजडता
कवित्त॥प्राढोजामकेजननमैंरहेहमपुंजननमैंभू
लीसुषथानपानकाकोकहैकौनगोहहै वेठेलवि
पकठामकेमोहातसीतगामदषीयतछामअति
पुलकितदेहहै आनंदकेमंदिरमैरोमरोमरम
रह्नेवरमतमानहुअछेहरसमेहहै मिटीआदि
व्याधिअवपकोनउपाययहुआतममसमाधकियो
राधिकाकेनेहहै ६२॥दोहा॥नवोदसाप्रिअने

हकीपसवकहीसमूल पकरहीदसहीदसाल
गैसग्रंग्रवरफूल ५३ जोकवहूंदसंदसाप्रगेटप्रे
मप्रभाव जोहूवाहूनवरनिषैसनतघटतवित
वाव ५४ गाथाज्ञतसाथारमनकोरमनोजहूलास
ग्रजरग्रमरनितप्रतरहैहकरतग्रनेकविलास ५५
इतिश्रीसृंगाररसमाधुर्याग्रष्टमःस्वादः ॥८॥
ग्रथमानवरननं॥दोहा॥प्रेमजहावउन्मानतहै
उपजतनहींगुमान सोईमानवषानियैसनतग्र
वतसमदान १॥मानभेद॥गुरलगुमध्यमभेद
करिकीजैमानवषान ग्रपनीग्रपनीवुधवलग्रं।
घनदेषभियान २॥गुरमानलछन ग्रानसरज
ग्रंकतलषैकैसनिकाननग्राप पीयावउावत।
मानउरकरियैहियैसंताप ३॥विनुदरसनगुर
मान॥यथा॥सवैया॥वागेविरीकेवनावनेग्रिज
वेदलसैग्रजिहीसषदाई देषतकेकनग्रंकित।
कंठसनैननमैग्रनिहीग्रनवाई ग्रायेहियैग्रमिला
षभरीहियग्रायेमहाउषसोग्रकुलाई माहूके।
सरत्योवाहवकोरीलौवोकीयरीकहूसीनरि
साई ४॥पुनः॥कवित॥लालकेतमालसेर।
मालउरमेवककीउरुचिकेोरवाईग्रंगरंगवरमा

नैहै छूटीगुनअंगंजनकीमोतिनकेगुंजनकीउघ
टीउरोजनकीछ्वापैदरसातहै फूठीमीठीवातन
सोकैसेसियरातनियरातजातत्यौंत्यौंगुनैनहिय
रापरातहै आठकैसेअंकनमेंहूजकैसेकंकनमेंकं
सरिकेपंकनिमेंपीरेपरेजातहै ५॥अवनदरसनमा
न॥तथा॥कवित्त॥विंद्रावनचंदसुखकंदमिजनंद
सुतआननतैप्यारेअतिनापअकुलाइगो जाइगोनि
साकौनामआलीकितकामपरसाइगोवियोगरति
नाइकरिसाइगो काहेतननावतहौदोसहिलगावत
हौकौनकैथोनावपियआननमैंआइगो कीजियै।
विवेकइनकैथोतमपकअैसीकौनरसमैकजहूं
अंतरसिराइगो ६॥प्रियअछैनगुरमान॥दोहा॥
प्यारीविनमरजादकेकहूतअनादरवैन उपजत
परतहैपीउडरमाननिटावतवैन ७यथा कवि
त्त॥वडेवडेनैनकेजोरवडेआनंदमैहोतवडभो
लीकनअैसीकीनियतहै रूपवनआपनेमैंवि।
हरैसदाईअलषंजननचकोरकहारोककीजीयत
है विंद्रावनचंदसषकंदपियजीजीअतनानोवि
जचंदनकपरभीजीअतहै मोहनहजारवानली
येपंचवानपहीइनआगेमानकेदिषावदीजीअति

है ८॥ प्रियाकोप्रकासगुरुमान॥सवैया॥ लाल विहारेलिलारलषोजवजावककवालनवेवहूको पी पाइनहरकीयेउषपाइरूमानलताप्रतिहीवि ह्नरोपी प्राक्षोऔवेनमिटावोवियोगहिषेदकैरेक वकीवहूगोपी रातेसनातेसमातेसेपोनवसंतके कैसेसदोगेग्रहोपी ९॥ लघुमानलछन॥दोहा॥ लालविलोकोग्रौरसोनातेउपजतमान ताहीसो लघुमानकरभाषतसकवसुजान १०॥ प्रियाको पछनमान॥कवित॥ प्यारेव्रिजचंदलषिनैनन केवसहोहकाननकेवसकहामाननगुरीभली आपनेहीलालहोहिप्रौरकेवालभरी चंचलव वाइनसोंगोकुलगलीगली कोरमैनमाधुरीनि हारवेकीवानराषिमानिराषनवेकीसनिहे हारवेकीवानराषिमानिराषनवेकीसनिहे कहावली भूलेकंदकेतकीकेकुंजनमेंजातकहं कहावली भूलेकंदकेतकीकेकुंजनमेंजातकहं मालनीगुलावहीकीकलीसोरंगपाग्रली ११ प्रि याकोलघुमान कवित॥ वारएककाह्ननदे षिकिनदेषप्यारीग्रैसेउग्रधीननकौयोहीदेष हीजीये लेषेरसदोषतेग्रमोलग्रवलोकनित्रि वैनीमधिप्रीतमकेनैनथोरहीजीये ग्रंचलकै उरसुषछेदसोछिपायोसजोछिनछिनलोचन

चकोरजननछीजीयै प्यारेब्रिजचंद हियैवाउजवि
योगगतिमेंदहासचंद्रकाउजासअनकीजीयै १
प्रियकोप्रछ्छनलछुमानलछ्छन॥दोहा॥ ईषद।
मानवतीपीआनिरषकरजपीअमान वहपिय।
कोलछुमानकरिवरनतसुकवसुजान १३॥य
था॥कवित्त॥ यौनपुरवाईसंगदामनीअनेकसं
गआवतललनरंगरंगरंगलाषलीजीयै झूमझूम
लूमरूमरूमभूमहहरियारीपरमातेदरसातेलष
रसहीसोजीजीयै इनसौविलाससवइनकेवि
लासतगउनहीकेछ्छाहवसिइनरमतीजीअे
अंनरकेनापहिउफाइलीजिअननापैचापहीते
औरहीस्यामघनआपवसकीजीयै १४॥प्रकाश
लछुमान॥सवैया॥ जोउहिआनंदसिंधुतरंगन
वाहनकेलकीपेमरसानी जौउनचाहप्रवाहन
गावमैहोनहूनयोउलटीगतआनीनातरमेंानऔ
कैहैविलीनहियैअतिदीनवडीनथकानी वाव
रीलैमिलहैरतिनाथविसालवियोगकैजाल।
समानी १५॥मध्यमामानलछ्छन॥दोहा॥ बात
कहतपीअऔरसोजातेउपजतमान तासोंम
ध्यमकहतहैकोविदसुकविसुजान १६ पि

याकोमध्यममान ॥ कवित्त ॥ यौंहै सब आनं-
दकेकंदचंदगोकुलकेमसमसकातवनतान
सुघरानरी कोरमैनमाधुरीविलोकनहीनैनन।
वैनरोकतहीहैघरसोहोतहितहानरी कवकीव
नावतनमाननमनीकेमनमानिहैमनोजकोरहै
गोवानतानरी प्रानसोमानकरजाननसजान
पनमाननीअनोषीइनकीतोआनभानरी १७ ॥ पु
नः ॥ सवैया ॥ लालनकाहूसोवोलनवोलैकिवो
लेकहानमगूढघजाने वारनहीकिहकारनयेअ
लिरोचनसंगललाने मानहूमोमनमानहूंगी।
उरप्रीतमकैसहितापनजाने भूषनसारसिंगार
समाजकियेकवकेअवजातलजाने १८ ॥ प्रकास
मध्यममान ॥ कवित्त ॥ अमजलदेहनेहमेहसग
वगरहीलगरहीलगरहीआंषैप्रेमप्रीतमकेध्या
नमैं देषियतांरंगरसरोमरोमरमरहिउजागयो
हियप्रेमहीसोलागयोमैनवानहैं अंगचपलाईवि
नवारकीजुगलजुगलभौहनकैभंगभारऔरै
भासमानहैं पाइपरकठिकेमनावैप्रानप्यारेयेअ
नोषीयेतूमाननीअनोषेतेरोमानहै १९ ॥ श्रीहाल
कोमध्यमहाव ॥ दोहा ॥ जहांमनावनप्रानपिय

शृं.
१. मा.
५०
50

प्यारीमानतनाहि तहांमानमध्यवसेउपनत।
पियउरमाहि २०॥प्रछंनमान॥सवैया॥रवेग्र
नतेमनभावनलालइतैपसवैरजनीग्रङलाने
नैकहूंनचैननजागतसोवतजोवतहीवङजाम
विनाने कोरिकछूंघटकौसिषयेतऊग्रायेतमते
सनिनैऊनमाने मानकीवानसिषेग्रवसोचतिमा
ननीग्रापनेसेवनेमाने २१॥प्रकासमध्यममान।
सवैया॥लालरहेवङभांतमनावतहोकविमो
नभगैगो मानविनापरमानमनोभववानसमान
सदेहदगैगो मानिनमानमनाइवोमानहूमान
तजेवङमानजगैगो प्रीतहूकौग्रभमानलषे
फिरमानमनावनमानलगैगो २२॥दोहा॥प्रेम
पयोनिधसरिकौउफलिउफलिसरसोर प्यारी
पीग्रविजनचेदकीमानवषान्योसोर २३ प्रेमसुधा
कीसिंधकीनाहिकछूमरजाद मानघटाईवीच
दैलीजनतमधुरस्वाद २४॥इतिश्रीमनमहाराजा
धिराजश्रीराजराजेंद्रश्रीवृषसिंघजीदेवागप
निकविदहउगमणसकलकथानिपश्रीकृस्नम
टुदेवविषविरचितायांश्रृंगाररसमाधुर्यीनवमो
स्वादः॥ग्रथमानमोचन॥उपदी समादानग्रन

भेदवषाननप्रणानउपेक्षामानङ्क अरूप्रसंगवि
धेमदेउकरमानमिटावनजानङ्क १॥समयउपा
यलछन॥दोहा॥अछेवोलनवोलकेजहांमोहि
प्रतिचित्त सामउपायवषानियेनीकेहीकरमित्त
प्रियाकोसमोपाय॥जथा॥कवित्त॥प्रीतमतिहा
रेप्रानप्रीतमकीप्रानतमपकेप्रानपकेमनपके।
सभवानहे पकेसरंगपकेमूरत स्यामगोरभेद।
उपजावेजाकेदीठनसहानहे कहीसभाइवितवा
रनभोहरहोयहेअभिलाषदिनेरेनदरसानहे
कीनेहितमेनभेदमानहीकोभेदकीजेमानही।
केभेदकछुभेदहोइजानहे १॥प्रियाकोसामो
पाइ॥सवैया॥नीरकेनीरहूमेंउपजेकछुभे
ददईयहदेवनवारो प्राननसोमिलप्रानरहेस
अछेहसनेहूसमूहसंभारो सोनकरोहितभेद
परोनहहक्रहठगहूनोआवतन्पारो प्रीतपयोनिध
डाहमेसीअजननाइकप्रापनलीजेकिनारो ४
दानोपाउलछन॥दोहा॥देकरकाहूवस्तुको
नहांछुटेमान तासोदानउपाउकरवरनतस्य।
कविसजान ५॥प्रियाकोदानोपाइ॥कवित्त॥
कीनीमृगमोनकेसमाथसभरजनीमेघोमभरि

शृं. र. मा. ५१

51

स्वरत्यो त्यो देषति विनाइए मधुमाते मधुकरम
नन की माला गहि गुंजारव गानि सिसनाम रट
लाइए प्यारी तो सरस अंग सौरभ परसहू तन केत
कउ पाइन सै सोभाइए बाहून सरोज अवसीस
अवजस भयो कौन विधि ह्वै यटकौ अंबुर फला
इए ६॥ यथा॥ सवैया॥ आगने पानी मैं पानी ते
आग मैं यो बहु भांति सही तन ज्वाला लोहू के रूप
र लोहू को सार नवीतन वेगन के ती विलासा अं
गन अंग कसी इतने पर यो हिय री रुम महा गुन मा
ला पै पघर पंचन वंचन की जैन नै उर बाहून के
चनमाला ७॥ प्रियको दानोपाइ॥ कवित्त॥ नै
ननि फूला सदई हास सदई आनन कौ सोतनन
सा मदई आस सपियान कौ राज दई रति को हि
या को सुष मान दई ह्वै यटइला जन दई लाज पंच
बान को बांद उर लोभ दई हौन दई काल माहि
हू तन को गौन दई सौन को कलान को आगै भ
ई जान दई लागे सुषदानि दई प्रान कौ आनि दई
मान दई मान कौ॥ ८॥ यथा॥ सवैया॥ चंद से आ
नन मंद मनोहर हास विलास कियो री रंग भ
रि उपारंभ नैद अथरामय पपसुष पान दी ऊरी

कोरक आनंद साज समूह दियो छिन मैं भरअंग लियो री आपने हाथ कियो वस आप ही आप मो पी यम नाइली यो री ९॥ भेदोपाइ लछन॥ दोहा॥ न है हित जन आपने होइ जाइ उह गौर भेद उपा इस हो तहै जाहर यह सव ठौर १०॥ प्रिया को भेदो पाइ॥ सवैया॥ प्रेम वही सऊ वै सषी आसषि मो हितौ नो हित वोल्याई आवे रही अथीन कहू इन कौ अपराध लषै नोय है विषभावै मानो सवेरक हाइनी केरि कही वऊ वेर न सो मन लावै ग्वाल अ मो पी त्यों नाहिं कही विजंचंद हियै महितापवढावै ११ श्रीकृष्ण को भेद॥ सवैया॥ हिये चढि केवढि कै कहि आवत री ज अनै सील षै अनेमे कीन क हा मन मान वढावन वा केन मान कहू सपने मे देषन कै अभिलाष रहै अरु की निस वासर केन। पने मैं वेगवलो वलि वाउ नदी रहूनाहक नाप पनेमें १२॥ प्रणत लछन॥ दोहा॥ प्रतिदि न के तपनेमें १२॥ प्रणत लछन॥ दोहा॥ प्रतिदि न अति मन मथ्य विया अनि यप राय निजान पा इ परत प्रीतम पिया सो ई प्रणत वषान॥ १३॥ रा धाकी प्रणत हितै॥ सवैया॥ मोतिन की लर कुंडल मीर कै चंदन जावक रंग लगे गी लाल के

शृं.
२. मा.
५२
52

कोमललोलकपोलनिनूपरवीछिग्राजानल।
घगोरी प्यारोपह्योकविकौन्नवपाइनघ्रीनपये।
निपयोउमगैरी याविपमाननमनावनमैरहमा।
नमनावनमैंरहमानहूंमैवहूमानजैगगी॥२४॥
श्रीराधाजूकी प्रणतकामनै॥सवैया॥भीजत
हैकपहूंकपसीजतकापतहैकवहूंकघरेई
दारतहैकवहूंकहहाकैहलैनचलैकवहूंकह
रेई फेरतहैकितनेरंगईग्रजहूंलौपलोटतपार
परेई हौवलिहारीनिहारीटसाहीकिनेपरहू
रहेमानपरेई॥२५॥श्रीराधाजूकी प्रणतग्रपरा
यनै॥सवैया॥भौहकीवउावनमैचेचटकेपट
की फटकिउठावनमैंहतीकीफठाचनिमेंको
टिककपटकी प्यारेपाइपारनमैभूलभूलम
टकी लटकीलटनिलपटावनहीछूसोमान
ग्रटकीग्रनोटवाकेवहिकामुकुटकी॥२६॥स
वैया॥पुनः॥हमकैतोहियेललचारहीकि
ननौससियामनहारकैरै हितवातहितसमका
ररहीहरपाररहीतनकौनहैरै ग्रतिहीचितपी
रजकौवलिपाररहीमनमानहीमानपरै मनहै
वहग्राजुतिहीछिनहीनंदनंदनगावेरपाइपरे

श्रीकृस्नजूकोप्रणात ॥ सवैया ॥ नाविनजीवन नैकुचवैननविनाअविलोकनियोअकुलैयै सोपि यसैकभरौाअपरायनआलीरीआपहीजाइमनै यै हौसमकाषोजमैंअपनेहितनाननाहिकहा समकैयै कीवमवावनमैहूतउजगमैवहप्रान। समानवतेयै १८॥ उपेक्षालछ्छन॥दोहा॥ मानव नावनछोडकेओरहिवातहिठान जहांनैकमन मोहियेनाहिउपेक्षाजान १९॥ पियाकोउपेक्षा क वित्त॥ योरीभगमालनविसालउतिदनकीउर वानहोइयानजलहैहमेसको दाउरपपीहामि सचेदावलचनिनाननादिनीनफरहरसोहैवर वेसको उठिचलिवेगप्रानप्यारेयेकमलमुषी। देषतिनघुनइपावसकेदेसको मीउनफिरतआ नसोभाकमलाकरकीमेहमदमोकिलमजेगम वनेसको॥२०॥श्रीकृस्नकोउपेक्षा ॥ कवित्त॥ कव हूंकगुंजरतकुंजरकपोलपरकुंजरसंजरीकेपुं जमरसानोहै कवहूंअमंदअरविंदमकरंदअवे केदकलीचिंदमेंअनंदरसानोहै कवहूंककि नहोतवंदनयारचलेकवहूंकसेवतीकेसोभाल मानोहै गावरीनकहोकानयोहीभ्रमभ्रमोभीर

सृ॰
२॰ मा
५३
53

चावरीसीवानपरीवीथनविकानोहै २१॥प्रसंग विधंसलछन॥दोहा॥जहांकछुभयभूलकेवि सरजातहैमान सोप्रसंगविधंसहैकोविधंस कवित॥वीजवडुवानलसीभुरवालहरिगनगा जनगंभीरधुनिहोनरकमारहै इंद्रधनुषवानवा दकजहाजलोहलेगगनीवातकचकोरपिकया रहै इंद्रवधूजाललालकोउावलिवंगमालजीग नाजमालिमनिमानकपसारहै पावसनहोइरू मानमहीमेटनकोचारोउरउठिरहिउउदधिग्रपार है २२॥श्रीकृस्नकोप्रसंगविधंस॥सवैया॥लोचन नहोसुषवीजग्रनारकेमानहीसोनिसषोसविते ये वोलेनहीसुकसारीकेसंगहसैनघडैकितहूंन वितेये कौनसुभावकहागतहै यहकाननहांचलि न्यावत्रुकेये देहमनारउहूंनहियेग्रपनोसोसा यानतयाहिसिषेये २४॥दंडोपाइलछन॥दोहा जहांकछुजिमहोतेहैउकौवचनसनाइसुजान सषीमानकोहरतिहैदंडउपाइविधान २५॥प्रि याकोदंडोपाइ॥कवित॥माननीनमानयनवन केभवनरहिउमानम्रिगपतिताकेलगिधायोहै प्यारेमनमोहनकीरूपमाधुरीनिमईचावरोई।

यौनरईतीनसरसायोहै चारोउरफूलेऊंजपुंजन
कीवारकरिविरहमदगमननारऊकायोहै पी
वोसरसांथिकैपिलावनसिकारकामकामनिक
रोलह्वैवसंतवनिग्रायोहै २६॥प्रियकोदंडेयार
कवित्त॥वांधिरीतराजीरज्जुवोरीयजनाभीसरवि
वलीनिसैनिननैदारियजपारियत कुंवनिश्रग
रगजगाहनसोमैचमैचउरजकठोरगोलगुरज।
निमारीयन नेहगुनगासीहासीफासीगरेडारत्रि
गमदमकरीतनिरजालतेननारयत राजैरूपठ
गनमेलगननेदेहैमानधीरजकैपंथमनकाहेहह
रियन २७॥दोहा॥रहविथमाननिटावकेरहस
वकहीउपार अविकहिहोकरुनाविरहिअरूप
वासभाइ २८॥इतिश्रीमन्महाराजाधिराजश्रीराव
राजेंद्रश्रीवुधसिंघजीदेवागपतकविकोविदह
रामणसकलकलानिधश्रीकृस्नभट्टदेवरिषवि
रचितायांश्रृंगाररसमाधुर्यादशमःस्वादः॥१०
एथककरुणाविरहा॥दोहा॥नहीमिलनकि।
उनवनेरहैविमसप्रऊलार सीकरुणारहनामक
हिविप्रलंवकविरार॥१॥प्रियाकोप्रछेनकरुणा
विरहा॥कवित्त॥पेकवलकानकीमरीयेप्रऊला

पृं.
र.मा.
५८
54

निरखैहतोग्रकुलाजइयोरनैननिलईलाई तौजे
कोरमैनमाभुरीतिहारेरूपहिजोहेरेलेतहरि।
जीननदई इतैद्विजवोथनवियारीइनवियाप्रि
यसंगछविछाकीरहैग्रतिग्राछईछाई रंगभ
रीभांसरीअनेकगुनगोसरीनिवांसरीछवानीपी
रपारननईनई॥२॥प्रकाशकरुणाविरह॥क
वित्त॥सीतलसुगंधमंदसुंदरसमीरमोकसोक
भोरभोरभीरभ्रमोपेकरतहै कूजतसकेलिन
रपंचमसकेलपीयरुलीवनवेलमकरंदनक
रतिहै मंजुलपलासवलबंजलपरागरजेरेन
दिनदसोदिसग्रागसीफरतहै मोतनविक
लकामसाइकसिवालहोतवालमविकलतो
हिकलकोपरतहै ३ प्रियकोप्रछनकरुणा
विरह॥सवैया॥कोविवंडदामकिरनावलकी
घामकोरविजलकीदामयरनोमधिसकेलिकै
हलाहलवारवडवानलकोमारसंभ्रनरैनेन
फारसोडदीनीभरिमेलिकै वरछीविसिषवा
नटेढीसुधीकिरवानदैदेवहूमानपानराखीरे
लेलिकै पेरीप्रानप्यारीनेरीविरहवनायोवि
धवीववीववीवीमोहूमरछाकीमेलकै ४

प्रकासकरुणाविरह॥सवैया॥ येरीहियैअर
वेलीछवीलीसदालचआमलभाइरह्योहै कान
उदाससोहै नीववियोगउह्यैदिनवादततमीचह
नीतपहैरमह्योहै सोयहप्यारीवियोगमहाबल
नोननत्योकवह्यैनचलोहै॥५॥अथप्रकाशलछ
न॥ दोहा॥जोकाहूविधजोगतैपीयचलैपरदे।
स नवप्रकासकोवरनियेजानहुसकवनेरस ९
प्रियाकोप्रछंनप्रवास॥कवित्त॥तेरेसियरात
ननेनोसोनियराजवननेरीयहवातमाविजेहै
मनजीहरा गाजेनिजसाथराषीविजरीहैहाथ
एकवारहीभुकावैकिनलावैचितचीहरा प्रीत
मविदेसहतविरहविसेमतयेकोरकदिनेसछि
नदेषाउपहरा तूंहैप्रीअज्ञापोमेहूपापीरेपपी
हरा॥१॥पुनः॥सवैया॥गाजतहैगनगाजरहो
भयसाफरहोरहुलोकरहैगति तूंविजरीअव।
लाजनिकोइघजानिमहारजराजकहाअति प्री
तमकीसुधमोहभयोविरहानलकीफलअंगन
कंपति आइअटाइछटानिचषेदिलपेटलहीकि
नेरहूटहैटति॥८॥प्रकासप्रकास॥कवित्त॥वि
नेरहूरहै टति ॥ बिनकेको।
छोरमिलतिफिरदेषपरतेछयहरिननकेको।

सं॰
र॰ मा॰
५५
55

किलहैवासरमैंसुखको नैकहूनकरियेसु
विननिजचितधारीयहीयैनथोरेहीयेतेदहुड
षको इतनेवचनमेंउवारीवहुसोषदेकैवहुको
नथारीमानवानसोपुरषको दीरघउसासगति
आसमंदहासनैनजलकोप्रकाससरहीपुरनिज
सुषको॥९॥जथा॥सवैया॥अंगनिअंगसिं
गारसजेअतिठाडीमनोरतिराजकीरानी मांग
नआनविदेसकौवालमयोसुनिकैसषिकीर
कवानी आरगयेअसवाअषयानिलषीसुष
कीसुषमाविलषानी आपनेहाथगहीजवना
रकैसोमनमालभुजंगकीजानी १०॥प्रियाको
विरहविभ्रम॥कवित्त॥कंपरेविसालमंजरीकै
जालनवदलनदिवालपटपौनथोरेथोरेहै रा
जतविटपतेईइतनतवउतैईजोपकोपकरचंवरी
कगोलनकोआरेहै वेवलचकोरनकीकोरनि
जमातजामेकजरजअनमकरंदजलचोरेहै हरि
विनआवतवसंतकियोकुंजनकिलाकोकलानदी
कोकिलादारप्रतिजोरेहै॥११॥प्रियाप्रछंनप्र
वाह॥कवित्त॥आनंदकेपुंजवनेकिलिकुंजमं
दरनेगायनचरावनविक्षुराचारीक्षेरहै हरदे

सकोरिकवरीससमवीनत्योअंपानीपानषाइ
वेकीवातनवितेरहे छाडतविनोदविनताइक
अनेकरतिनाइकविसिषअंगअंगनिमेंछेरहे पे
उवारपीछेआवेआगेहोइजातहेरिसासकहि
डोरनमैफूलसमेछेरहे॥१२॥प्रियाकोप्रवासप्रवा
ह॥सवैया॥निंदतहेअरविंदनसंदरचंदनदेत
हैगारी कोकलकेकलहंसनिकेकलनादविनि
कोपकरैअतिभारी सोरभसारभरेमलयानिल
होनकहैनवरीसषकारी कीनेनिवासप्रवास
निसघोसउकारनप्रानपियारी १२॥प्रियाको
विरहप्रवाह॥कवित्त॥कुजलजनाईज्वालभस
लगायेवहुतारकाहीहाडनकोहारएहिरतहे
हिमकरमंडलसुद्राकौकपालतामेसचनकलं
कसिंधअंजनधरतहे विकिटउलूकलोककूक
नउकारेज्योवकोरकुलचेलनकेसंगविहरतहे
दीपदीपजातदीपजोतिकौजगावेयहरानजोग
नीजोडरपाइवोकरतहे॥१८॥प्रियाकीनिंदा
सवैया॥निसघोसयेहेअभिलाषरहेकहूपाइ
येअैसीसहेलीनरे जिहकेवसपेकछितोलषि
येपियमूरतमाधुरीरूपमई इकनीदंहुतीसव

श्रृं.
२. मा.
५६

56

होइनआनरनैननिंनीदविलाइगई सुषसात
समाजनकीसपियासुनिमेषनओकवहूनभई
प्रियाकीनिंदा॥सवैया॥सुषसेजनऊषरसोवन
कैसमैआवनआदरहीमैलई करिआपनेहीव
सिआपकिनोकरकीसुषसागरविहारदई रहती
करनैननिसोपरिरंभनहोनीमहामनमोदमई
अलितौविनआजवहीसुसुहातिनआननतोयासु
मनीरंभई॥२८॥श्रीराधिकाकीपातीश्रीकृस्नसौ॥
कवित्त॥जाइहेहूरनैननदिकेपरकियेलेतचक
चरिगिरदवसमउरे लगनविसारतेंइआगनकी
ज्वालअोअछेहेनेहूनालसोमहाविषवहाउरे
जोवनकेरमंनेंईउनजसरंगमहामतजअगन।
सोमरोरसीयेदाउरे विरहकीजाउसीकदरदर
आवतामैजरवेकीनावपियपतीयायवउरे ९
द्वितीयपाती॥कवित्त॥नीषीनीषीरेषैवाकीवा।
कीअवरेयेउमेहुप्रमकेपरेषेवाकीरनकौहूंन।
अचातीहै विरहविसेषतेईचोरपररेषेहुरजेय।
नलेषेयामोकछूनवनीहै प्रेममदमाजीकारव
रनवसातीमरमातीअतिछातीयारेछेककरजा
नीहै कहिरसोरातीरसचातनमोचातीआतिप्रा

१५

ननरुपानीपीयापानीभईपानीहै॥१८॥प्रियाकी पातीप्रियसो॥कवित्त॥लालरंगहोहिनईविर हदवानलकीलपटउपटग्रयछरयलोछाईहै छा पनहिहोनयहनेहकीनिसाकीदेहहैनमसकारी मोहमूरछालघाईहै वाकीवाकीरेषेपेनकोउनट सालहियेआकईनहोइपीयनामरटलाईहै प्रीतम वियोगमहिमाहसग्रपारगहिमेरेहितपतियातू। मोसीवनिग्राईहै॥१९॥यथा॥कवित्त॥निसदिन। चिंताकीतरंगनग्रथाहयोग्रछेहनेहसिंधुमथिथी रजकहाथरे ग्रतिग्रातुरीयेसानीकोसंजोगपाइला। लमनसीयकनयेमजलकैपरे नेईग्रतिग्रछग्रछ ग्रछरकेसिमग्रेसेचारसकनाहलग्ररथरुचिको धरे विरहवियासोवेयिग्रागमनसमाचारसूति विवपोहेमोहेमाहियेहरै २०॥दोहा॥करणामा नग्रवासकरिकीनोविरहवषान नामेदनवरनो। सकलकोविदसषीसुजान २१॥इतिश्रीमनमहा राजाधिराजश्रीरामवराजेंद्रश्रीजुयसिंघजीदेग पतिकविकोविदचूडामणसकलाकलानिधश्री श्रीकृसभट्टदेवरिषविरचितायाश्रृंगाररसमा। ध्यायएकादशस्वादः॥११॥दोहा॥राधापियत्रि

मृं.
२. मा.
५७

S7

नचंदकोवह्नविंयसषीसमाज एकौतेअथकगुन। आनिसजैसबसाज १॥सवैया॥कहिंयाइजनीअ रुनाइननाटिनऔरपरोमननारभनी फिरमाइन वरइनछीपनिअरुचिरह्रेरीनारिसनारिवनी व ह्नरामजनोसंन्यासनिसभगुनपटुपटवाकीवाल वनी कविलालपियप्रीतमकीअनिहितइतनी ईठवसीठगुनी १॥याइकोवचनश्रीरायासो॥स वैया॥षेलोसवैसिसनाइकेषेलनषेलआवेतो षेलनकीजत कातुतमैवह्नसावह्नसीवह्नवासर वीतेनउनपरीजत रामनीसीतमनीरदसेह्नरि आपमैमिलकैरसलीजत ह्नारकीजीतकीवात कहावलीअसेविचारमैवितनहीजत॥१॥याइ कोवचनश्रीकृसनसो॥कवित्त॥भालपनभाइन मैकाइनसीफलमिलआईतरुनाईअरुनाईकेच ढीरषै सुकरकीनांईतननमैजतनलषाईमनमोह् नीलगाईमननमथमनकोमथै नानीजानतउसौ। वितानीजानतमथ्यतननजानीजानयोदीआतोजा ननकथापथै नरिआईभोह्नतिविथुरआईअल निमुरिआईवानपरआईपीमनौरथै ध॥जनी कोवचनरायाजीसो॥कवित्त॥स्यामरूपसाग

रससोनेरसरासनेंदनंदानप्यारेनेनभागकरले

खियै माधुरीउजासमनमोहनीनिवासअंकलीजे

सविलासनासोवासनविसेखियै रंगभरीरजनी।

मनैपैलहिसजनीरीजनीकेसहनइनैएकविन।

देखियै नातोव्रिजकेतीव्रिजवेदहीकोनरसनअ

नरविरहअवरेखियै॥५॥ननीकोवचनश्रीकृस्न

सो॥कवित्त॥लालकानदीनसुकुमारफूलमाल

कासमोहेसुषसीलकासीदीनीआजुआनिमें

लानहीकैलाइकललामलोलरीकंलकलन।

सीलहलहैलललितललानिमें नासानाथसोहेम

नमथमनमाहोलषकोनविकजाइविनमोल।

कीविकानमें आनंदकीकंदवदिवाननअनेक

वदेवंदहसकानिकरेमंदमुसकानिमें॥८॥ना

इनकोगाथाकृस्नसो॥सवैया॥पंकजलालगुलाल

प्रवालगुलावनरूपमहीसी वारभरेत्रिनवंदव।

दीनैकेननैअनरागगहीसी होसमुकीयहि

कालकोरोगइहांनितहीसुषमानमहीसी।पार

महावरदेनकहांइनकीसहसेरुचराचरहीसी

नाइनकोवचनश्रीकृस्नसो॥सवैया॥वेवमहा

वरदेनहीमेसुनिगेलमेछेलनिहारीअलापे

शृं॰
र॰ मा॰
५८

58

यौवलीकाकनकोउढिग्रौवकसौवियजाइकहौकि
हकायै भीजगईग्रमसीकरसौउपठौउहंग्रगतरं
गकीछायै मानह्रकोमलपाइनतैनिकस्योरसकं
पयरायै ८॥नटीकौनवचनराधासौ सवैया॥
मितमेवकरालसभाइनसौ पटभूषनभूरचाव
तिहौ कङ्भाषतसौवह्रभाइनसौमनमानकीता
निमचावतहौ इनग्रौरकीकौरकरीफनसौसव
रायनग्रापसचावतहौ पीयग्राननग्रागनमांक
वलीग्रपनीषीयानिनचावनहौ॥९॥नटीकोव
चनग्रीकृसनसौ यथा कवित्त॥ग्रापनोग्रावन
लषतकैरैननिसोरूपकेवषावनिमैधीरजन
धारियै भृकुटीनिकटाछनमेंपलकनिहतदी
नवरनीकैभावकरिवारीयै देषनहुरवुउघर
निफरसुरनिविहारनविवयग्रगारंगनिरधारी
यै ग्राछैहीउछौरनहूंमरीगुरुभीरनहूंनैनमें
नेहकीनिहारिहै १०॥परोसनकोवचनराधासौ
कवित्त॥उजागरग्राजसुधासागरकीवीचनमें
कोरवंदसरजमरीवफलमलिषा वेसरकेलाल
मिलग्रधरप्रवालकविगोफलकीगलीयांन
छैरंगरलिग्रा उफकिफरोषवालविलोकत

तेहीछिनछलिग्रावकोरग्रलिपानिकीग्रवलिग्रा
मंदहासमालनीकोग्रंगभासचेयककीकलिया
षिलनमाउीडलिग्रानडलिग्रा॥११॥परोसनिको
वचनश्रीकृस्नसो॥सवैया॥थीरजकोपरिरंग
कृग्रेगगुलावमिलेचनसारयसेसो कोउकोमेक
विसासकरोहरिहोतकहारहग्रासत्रसेसो कंज
कलीवृषभानललीतमहोहग्रलीउरकेविष।
सेषो मोसोकहासतरावतहोकहलागतपाप
परीसवसोसो॥मालनकोवचनश्रीराधासो॥क
वित्त॥ग्राजुहहूकुंजनकीजेग्रभिसारप्यारीपाउड
पलकपारपीरहूनरहैगे एजहैललनग्रभिलाष
लाषलालनकीसाधनवसंतकेसकलथनिक।
हैगे वानीपिकलैहेग्रनिसोरभरषालहेहैमाते
केहैमधुपकमलसषलगे वारहेग्रषेडवाकचा
दनीउनासचंदकोरचंदहासमोचकोरचाहिरहै
गे ११॥पुनः॥कवित्त॥तेरोग्रंगरंगरेगसोरभत
रंगलहिवहूतवसंतपोनग्रोरफूलवारीसो ग्रो
रहीसयानकुहूलीनीकोकलालग्ररपुंजकेरेगा
नकलहूतानप्यारीप्यारीसो कुंजमगवरोहूनिहा
रीग्रंगपयारीयहूनेरग्रभिसारपीयमीग्रकीतिग्रा

श्रृं. २. मा. ५९

59

रीसो वौगुनो वकोरचित्तचोरतहै आजुप्यारीवंद।
कीउज्यारीमुषवंदकीउज्यारोसौ १४॥ मालकौवच
नश्रीकृष्णसौ॥ कवित्त॥ चंपकसौगुहीवहुउरसौन
तहीरंगराजेतुहहुहीदिगदेषतसुहाईहै सोहत
वंवेलीराइवेलिसोसहृतसषिकहूंकहूंकंजन।
कीराजननिकाईहै कहूंपैकमंजुलगुलावगुला
लमईकहूंकहूंपैककुंदमईसोरभसुहाईहै आ
सपासभौरनकीभौरनसोभईकानआजुतोअनू
ठीपैकमालावनिआईहै १५॥ वरइनकोवचन
श्रीराधासौ॥ कवित्त॥ आलेआलेवचनकेवसनल
पेटपतिषोलिकैदिषाइपनआतुपवमानहै नी
कैकरहेरीअतिवारवारफेरीअतियहविनकाम
मोहिनैकनविरानहै फैलरहीविरहविथासरी
तग्रीषमकीसूकतहीजाननतासोसंकओविहा
नहै तेरहीवदनरंगराविवेकोरापियनआजुका
लकाननागवेलिकोसोपानहै १६॥ वरइनको
वचनश्रीकृष्णसौ॥ सवैया॥ एछुतहोवहुवार
कहासवहीअववातभईवडभागी कानुदईत
मपानकीवीरीसुनीरीहैलीनीमहाअनुरागी
वैनरचाइकेनैनरचाइसरुठरचाइषरीरुचिवा

गी रावरह्नीउनहीरसरंग निसंग्रैनरआपरचाव। निसागी॥१७॥सिलपनकोवचनश्रीरायासौ कविन॥ अंचलउवारोकिनआमनउचारोहोतवा रवारउरोकहारहीअऊलाईहौ नैननसोरीक मनहीमैभीजभीजछीनछीनरहीकहामोल नभुलाईहौं हाथचनराईकौगनावनहौआई नमकोह्नैसऊचाईलेनराथकेवलाईहौं विचही रहीकहाअतिहीविचित्रमानऐसेवाकविचनै किनोउठाईलाईहौ॥१८॥सिलपिनकोवचनश्री कृसमौ॥ सवैया॥ कानदयोकररावरोचितास देषनदीअषियाछविवाडी भूलगईइकनामति मेषदिचौगुनीबाहवभीचिनगाडी आननकौ अंचरविसरोसभईअति एरनप्रेमकीपाडी नाहीकैपासविस्मरनिसीउनभूरनरावरीयो। लिषकाडी १९॥ ग्वरहेरीकोवचनश्रीरायाजूसौ॥ सवैया॥ कळूदेषननेहेदिनवीनगयोकौरेहाफिर नाहिकमोहिवरी यहिलैपकरीनवमाफकपै अनिसंदरस्वपकीरंगरुचरी अंगअंगनकैउमगे नहिआवननैऊनिवारकूलालञकी उनदेषजू। हीवरकीसभजानकरीचडिवारकचारचरी २०

मू.
१. मा.
८.
60

चुरहेरीकोवचनश्रीकृस्नसो॥ सवैया॥ देषमहा
भ्रनराई हियेवनराईकरीनमसोनसंभारी नै
कहोनेपरसेनरसेसषियेहुपिसवैरकसाथवि
सारी रीतमनोठीकरीसवहीहीनवबोलउठीसि
गरीव्रिजनारी लालच्रीयहराषतहैविचही
कनकानकीकटकारी ११॥ स्रनारीकोवचन
श्रीराधाजूसो॥ सवैया॥ देविरहानलकीवड़
आचकिनैाइगनारिनेमैधरिहोगी कैनकवार
षेरतिनारकसारकचारनसोघरहोगी कंवन
नारकीपीतनकंदनकंदननैअवकाकरहोगी
रसनारीवचनश्रीकृस्नसो ॥ कवित्त॥ वासोमेक
होरेवलसांवहीकोबोलनरेभूषनकीअभिला
षहोहीसवकरोगी देषतहैवारदिनचारचित
चावभरे आगेनरहीगीअनफूठीहोनरेगी
राषह्नेजतनकरियीरजकोकामयहिऐसेवे
संभारमईकैसेकरभरोगी चटचरचटजेहैअ
गसवरनफेरकानकहोवाकेउरमालकहाय
रैगी ११॥ रामजनीकोवचनश्रीरायकासो॥
कवित्त॥ वरनवरनवनचनरोपहीतनहार
वगापंतिनकोदेषियजभारोहै इंद्रचापमोह

नकैभारभरीचपलाचननरनवैपानतरिसग्रगउज्या। रोहै गराजमदंगमुनिगावनपपीसनिग्रलापन कलग्रनिपिकसकसारोहै मोरकलावंनीदिष लावनसचरनाईवरषानहोरकामभूपकोग्रचारो है॥रामजनीकोवचनश्रीकृस्नसो॥कवित्त॥ राजतिग्ररुनग्रवनसमेजरीकेरजहालसीजस्या मरुचिगिलमसीनीषीहै सोहेनजराउभुटिला कीजोतिदीपकसीयेहीभावनारककीसालाकर भाषीहै देषोयहग्रावनकीजानकोग्रनोषीगति लाघभांतदेषनकोपसीग्रभिलाषीहै नावनाव ग्रषिपनग्रापग्ररुकाननकेग्रंतरकीश्रृंगभ्र मकररायीहै २८॥सन्यासनीकोवचनराधिका सो॥सवैया॥प्यारीनग्रीजमेपेकरकोपविनोद हीमोसवकालगमैये कामकेलिकुतूहलसो निनकंतकोग्रापनोचितरमैये जानपलेपलछी नभयोसपलूटियेजेतकलूटपैये जोवनके दिनचारकरैतिनहूंलषयदेकहावनलेयै २९ सन्यासनीकोवचनश्रीकृस्नसो सवैया॥वंथन नेकचकूटापलहिनैननिनोकीनिरंजनताई म पेरदनछदराविनानिरलेपदसाककुंभनपाई

मू.
र.मा.
६१
61

लाललहैअतिनिर्गुणनारसनावमुकतामनि
मालसुहाई योरतिमैननसैमनकामनिमैनमहा
सुनेयोगपढाई २७॥पटिवनकोवचनश्रीराधा
सो॥कवित्त॥मोटोकहागयतिहोमिहीपहृका
मनातोमिहीगुनहीकोमगनीकेकरकीजिये
गूलरीकीमालनकोपोहिवोजकेकटारहूंमे
पोहनयोदीजीये लायनअमोलपहिहोरगो
हियेकोहारनामथकठोरजाकेनारछविछी
ये मनमथतूलगुनमगुषमूषदकालालम
नपाकोमहालारगुहलीजीये २८॥पटवनको
वचनश्रीकृष्णसो॥कवित्त॥यहसुंदरकुंदन
मालवनीमगरेव्रिजकोमनमोहिवेकी जग
ताहरजोतकेजालविराजतमावरेअंगपैसो
हिवेको दिनवारमैकीनोमुनारिम्यारसुवान
हियेअवरोहिवेकी अवडोलहैलालविसाल
मनोहररंगभरेगुनयोहिवेकी॥दोहा॥येसव
सषदसषीकहीपीयप्यारीअभिराम अव
कहिअनरनकेसकलसषीयनकीकाम १॥इ
तिश्रीमन्महाराजाधिराजश्रीरावराजेंद्रश्रीबुध
सिंहजीदेवागपनकविकोविदचूडामणिसक

लकलानिय श्रीकृस्नभटदेवरिषविरचिता।
यांस्रृंगाररसमाधुर्यीद्वादशःस्वादः॥ अथक
वित्तव्रनवरनंनं॥दोहा॥ ऐककौसकीभारती
औरआरभटीहोइ अवरसात्विकीव्रतिहैकहत
सकलकविलोइ॥१॥ अथकौसकीलछन॥दोहा
जिहसिंगारअरुहास्यरसकरुणारसकिहहो
इ मधुरकहूँकसमासजुतजहिंकौसिकीहोइ
सिंगारजथा॥कवित्त॥ होउरसभरेचरपरेभरे।
गुरजनघरेष्यालषेलनअनोषीरीनरंगमें प्या
रीतनरूपलषिरूपरकवेर्इपरेप्रीतमकेनेनला
गेलागेलालचकेअंगमैं ह्वैवटसकोरनीअति
रछेकरलछनसोवारवारवरजनमोहनकेभंग
में विचनीसाहीतिरजउजवेसमुफजानफेर
पारजानवनेहकीतरंगमे॥१॥पुनः॥सवैया॥
भारीवियोगरहिउनपवानसोफैलतअंगनि।
तापघनेरो नेहकैसंगआरोपकरेहीअकाम
दवाघनज्वालकरेरो मातेउसाससमीरनसो।
न्नरसीवनवेलनहोतनवेरो हुपोकिताघनसा
मकेदेषेभयोविनग्रीषमहीकोवसेरो ४॥हा
स्य॥जथा॥सवैया॥कटिसोलपसोडपटा१क

फं॰
र॰ मा॰
६२
62

अवतैघनमोवनकीननिकौ रकवाहगहैउकम
हहैरकरोकनिवाजनकीगतिकौ रकछीनम
रीमुरलीरहभानमजेममहीरनिकौ छिनवाल
नलालननैफगुवाअगुवाभयोकाममहीपनिकौ
करण॥ यथा॥ सवैया॥ कालकरालमहाविष
बालविहालकीयेहूनपालिननैहू पापपहार
सहारनहारविहारनहीनडथारकैहौ नौकति
लालकैहालगुपालकृपालनहीयहकितक
हैकौ वारकवारननारननैवडिणीविरदैहिर
दैनिरदैहौ ९॥ अथभारतीलछन॥ दोहा॥
नवहावीररमहासरसअदभुतअधिकार
अजिनमयहभारतीअजिवधानसोयार १ वी
र॥ जथा॥ छपै॥ पळुपवनसमनहिमोजम्राव
नउन्पवअति सकविअवनऊपरअघंडमंडि
यछुमेंडगति हमहीरऊजासचारुचपलाचम
कवरवरसवरनचारि दारिदारिददवागऊरव
रूमोरसोरवंहू उरगुनकितनंरंगमनिउलस
जियवुयराहूअतिरूपसवनवकरजलयरस
मसर ८॥ हास्य॥ जथा॥ सवैया॥ सरमानवदी
हकदाहकजेतिनऊपरदंडहिमाजनहै वरकौ
परकौनवनीतचुगारमषैजनहैनिडरभाजनहै

रुषरअंगवधाररहेयमलाडुमजाइनिवावत
हैं गुनगूढभरेहियसौनितहीहरिकेसीदुहा
सविराजतहैं ॥९॥ अथविभूत ॥ यथा ॥ कवित ॥
आनंदअमितहेतअगटतकोनानिनेरअंमृतको
पीवेनतोकंठविषदाईहै कालव्यालहीसौउरप
नसोहियाबैनेनोकालव्यालहीकीमालअंगवि
ननाईहै अतिहीविविधनापनापुनपुकारेनो।
हिजेनोभालपाककीज्वालपरसाईहै भवनज्यो
वाहैहमनेनूजोभवरूपकेरंगगयहनोमेअदशन
गनपाईहै १०॥ आरभटीलछन॥ दोहा॥ रौद्रभया
नकवरनियेअंकवीभछवषान विविधवंधज
नहजअनसोआरभटीजान ११॥ रौद्ररसी॥ कवि
त॥ पाइयोडुपराउरूपआजुमसोजपजेरजा
नहकेजंगमाच्योरंभगीरभारमें करकरवार
नकेमारेभहराजभारेहारेहारेकरनकोरेमोरे
सोरेमें सोनीजकेनालवीरनाचनवेनालके
कपालनकेनालविकरालवेकरारेमें दौरत
दवरषगढडिमछोहभरेमेंउहाकपारेहरहा
रेमें १२॥ आनके जथा कवित॥ नेरेजगजेज।
निरजीलेराउडुपसिंवचलीपरवमडुलपर

भृं.
र. मा.
६२

62

श्रवनैघनमोवनकीननिकौ इकवाहगहैउकच्छ
हहैइकरोकनिवाजनकीगतिकौ इकछीनम
रीमुरलीरहमानसमैजेममहीरनिकौ ब्रिजवाल
नलालननैफगुवाअगुवाभयोकाममहीपनिकौ
करुणा॥ यथा॥ सवैया॥ कालकरालमहाविष
व्यालविहालकीयेहूनपालिननैहू पापपहार
सहारनहारविहारनहीगडधारकैहो नौकति
लालकैहालगुपालकृपालनहीयहकितक
हैकौ वारकवारननारननैवडिणोविरदैहिर
दैनिरदैहो ९॥ अथभारतीलछन॥ दोहा॥
नवहावीररसमहासरसअरुअद्भुतअधिकार
भजिनमयहभारतीअजिवषासोग्रार २ वी
र॥ जथा॥ छपै॥ पछुपवनसमनहिमौजआव
नउम्रवअनि सकविअवनऊपरअघैडमडि।
यछुमंडगति हमहीरउजासचारुचपलावम।
कवरवरसवरनवारि दारिदारिददवागऊरव
ऊमोरसोरवहूं ऊरगुनकितनरंगसनिउलसर
जियवुयराहुअनिरूपमवनवकरजलयरस
ससर ८॥ हास्य॥ जथा॥ सवैया॥ सरमानवदू
हकदाहकंजेतिनऊपरदेडहिसाजनतहै वाकौ
परकौनवनीतनुगारमषैजनतहैनिउरभाजनतहै

छुधारंअंगवधाररहेयमलाछुमजाइनिवावत
है गुनगूढभरेहियसोनितहीहरिकेसीछुहा
सविराजतहै॥९॥ अथ विभूत॥ यथा॥ कवित्त॥।
आनंदअमितहेत अमृतकोतानितेरेअमृतको
पीवैतूतोकंठविषदाई है कालव्यालहीसोउरप
तसोहियलावैतैनैतोकालव्यालहीकीमालअंगवि
ननाई है अतिहीविविधतापनापजनपुकारैतो।
हियैजेतोभालपावककीज्वालपरसाई है भवनज्यो
वाहैहूमतैतूजोभवरूपकेरेगंगायहतोमैअदभुत
गतपाई है १०॥ आरभटीलछन॥ दोहा॥ रौद्रभया
नकवरनियैअरुवीभछवषान विविधवंधज
नछुनअनसोआरभटीजान ११॥ रौद्ररसी॥ कवि
त॥ याइयोवुधपराउऊपअग्नमसोजपज्वरजा
नकैजेगमाव्योरंभगीरभारमें करकरवार
नैकेमारेभहराजभारेहारेहारेकरनकोरेमोरे
सारेमें सोनीजकैनालवीरनाचतवैतालकै
कपालनकेनालविकरालवेकरारेमें दौरत
दवरषगढडिमछोहभरेमंडहाकपारेहरहा
रैमें १२॥ ध्यानके जथा कवित्त॥ नैरेजगजेन।
निरजीलेगउवुधसिंवबलीपरवमुडेलपर

शृं०
२०मा
६३
63

नचिरैपासी दामनीसैनलीअसिभामनवेमूली
पथिहूलीफिरैफूलीकाननकरैयासी कापैथ
रानोअतिपछनरानीपैकेवारअररानीवि
नपरनयरैयासी गिरीपरेगिरकीगरीनगररा
नीसिषरनिनैनरीननरानीवितैरैयासी॥पुनः
कवित्त॥वाकूभलीत्वथतेरेदौरनपरेरैदौरीथै
वेडपहूरहरपुरपररााकसी नकिनकिनीषीनेगे
सीरीस्कमुकानीवेगेवाजीभोरीवामवीतभोन।
नाभाकसी गिरतपहारनिफिरतफ़ुकीकार
निचरतिदरीद्वारननिकासीपेकजाकसी वी
कपरीवंचलासीवारुमालवेपैकेसीकेरचार
वंद्रमासीचारकवराकसी १४॥वीभछ्रे॥
नथा॥कवित्त॥रुजेलालषालमटमोकल।
मनंगनकीअंतनकीजटापरेअतिउमगिरहै
वैरनिकेमेदरंधेदमासमसाकीचवीचआए
निसमूहपानआननपगीरहै गवअनुरूप
सिंचनकेवुधराउकरतेरकरवारीरहीला
लवलगीरहै वैतरीवेतालवीरभीरैभूतभी
रभीरजोगनीनोजंगनमेंजाहरजगीरहै १५
अथसातकीलछनं॥दोहा॥भीररौद्रनह

वरनियैअदभुतजहांप्रकार अधिकसत्वजुत
सातकीवरनीव्रतिउदार॥१६॥वीर रौद्रे॥तथा॥
कवित्त॥उनतनकैकंठरसपागीअनुरागीनहो
नागीरतिरंगनरविनमनभायोहै मातंगनकु
परपरतपरनदेषीअैसीनेराजासोरनमनअ
रकायोहै हौतोकविपंडितविविधगुनमंडित
नभांतदीनेनेहनैक्रनलगायोहै यहैकहिवेकौ
रावराजाजसरावरोसहूनकरिकमलानेसिंधु
पैपठायोहै १७॥अद्भुत॥तथा॥कवित्त॥गयान
तनैदेषीदरमयानडूहूदेषीयतवापीअरुअंत
नसौदंतनकोषहूहै वाडेकोहूजोगनीसीकाडे
नीभभोगनीसीआनतसमूहपानैकनउहूहै
वाहूवलीउपरावरावरैक्रिपानिधानमेरजाने
जेगरंगभूमसांकनहूहै कालगनभैरवबेतान
गनपालकासीकालकाकेनैननकोकाजरकी
पटूहै १८॥सांते॥तथा॥कवित्त॥परपरवंडमा
रतंडसोप्रतापतरेताकोमध्यपंचागनसाधर।
तहै देषियतरैनदिननैननिरझरनप्रवाहहूप
फेरफेरमजनकरतहै कंवुकीनविनामानोय
रतदिगंवरताछाडीविषैअभिलाषदिननिभर

रसा.
१०.मा
९६
64

नहै राजा मउ भुपी मैच राउ रेखि भनकी रमनि कै उरोजमानो करत बरत है १९॥ दोहा॥ इह विधबा

रोत्रिनए गुंगथन वरीवना३ येकयेकतें अधिक है रमनो अवनमझपा३ २०॥ इतिश्रीमन्महाराजा

धिराज श्री राउ राजेंद्र श्री बुधसिंघजी देवा गयति क

बिदह डामणि मकल कलानिधि श्री हसभट्टरि

षिविरचिता यां शृंगाररस माधुर्या त्रयोदश स्वादः

अथ अनरस॥ दोहा॥ अनुनीक नीरस विरस उसं

धान वषान पात्र दुष्ट येक वितमैं रतनै हुषनजा

न १॥ प्रत्यनीक लछन॥ दोहा॥ जहं सिंगार वीभ

छ रस वीर भयानक पास रौद्र और अद्भुत जहांक

रुना रस अरु हास २ परस मिलकै परस्पर प्रत्य

नीक है जात इनकै वरनै वीच ही दूषक लाअ।

धिकात ३॥ तथा॥ उरमों नषछतके लगे श्रो।

नित सहति सहात वकवा वकवी सलसैं रवि

कर महित प्रात ४॥ नीरस लछन॥ दोहा॥ गुह

रूपर की प्रीततन हं अंतर कछ छन होइ कपर भाव

किउहूं न छुरै नीरस वरन्यो सोइ ५॥ असोदाह

रणं॥ सवैया॥ तेरे हिये की सबै हम वातनि त्यौ

प्रतिरी छलकी रजधानी नाहकेनेहल गावैरि

१३

नूजननतैकछुछैओरहीसंगजठानी नैननिसोंग्रह
वैननसोंकवहूंनगुपालहिनीकैकैजानी नानैहू
मारीवलाइकहाहूमैनंनूपहूंडंगमदावहूकानी ६
विरसलछन॥दोहा॥जगवीवनहूभोगकोवरनत
हैकविकोइ निरहैवकरकैजानियोविरसवषाणो
सोइ॥७॥यथा॥कवित॥पीठकैजरदरंगकेठाइ
उदीनीअंगनतैमेरैछपांवसंगसेवकलगायेहै पर
नपरागभैरअंगनविभूनपरैअंजरवणानकरैसं
गीकोवजायेहै मांगतफिरतमकरंदमईभिछाव
नवीथनहीवासरविहाइहै पारजातकसीनैरेवि
रहकीवेदनसोजोगीभयेभौरजहानहाउठियाये
है॥८॥दोहा॥निसदिनकामसतावईमनसोउम
ननाहि अंगअंगवेदनअधिककैसरहौघरमाहि
उसंदानलछन॥दोहा॥एककैरअनुकूलनाहू।
जोहैप्रतिकूल उसंथानसवरनियैमहाविरस
कौमूल ९॥यथा॥सवैया॥आवोकहाहमजा
हवलेकितजाहूजहांवियहीनोठिनानो होत
मसोइकहाहमजानीनहीमितहोमुषआपव
षानो आईहोहउनरीकतहीइननैननिवारतो
नैनआगानो औसेनवोलीयेवोलैगीसोवरजो।

शृं.
र. मा.
६५

65

नैग्रवैहमजानैनैतोजानै ॥११॥ पात्रनुष्टवरननं ॥
दोहा ॥ जैसेतैसेहरियेसवदग्ररथ्रकठोर पात्र
दुष्टसोवरनियेसकलकविनसिरमोर ॥१२॥ यथा
कवित ॥ लालचनिसामीग्रापहाथनपसानीग्रा
तिकायरकसानीपलकनमैं वौहनवितानीवङ्र
मैननकोवानीवतरानीसतरानीकतरानीग्रल
कनमैं चातुरीवितानीग्रतिग्रातुरीहिमानीला
जसाजनवितानीग्राघैयैरेगुरजनमैं नेहसरसा
नीपिघउरपरसानीतरसानीग्ररसानीदरसानी
छिनछिनमैं १३ ॥दोहा॥ रहविधग्रौरेरसनको।
हृघनलेहुविचार जिनकोग्रंसनिवारिकैकीज्यो
कवितसंभार १४ वलावेयपतिसाहकोहूकम।
पाइसवहूभाइ कह्योग्रंथरससापुरीसुकविकला
निधराइ १५ संवतसत्रहसैवरसउनहत्तरिकैसा।
ल सावनसुदिपुन्योसुदिनरच्योग्रंथकविलाल ।
छत्रमहलहेरिपनपुतकोरसरसमसहूर वुधव
लापतिसाहिकैकीनोग्रंथहजूर ॥१६॥ छपै ॥ रू
पमदनगुनमदनग्रानभूपनहसिपेघत विघ्र
देनहितसजतलगनतपारथजिमदेषत नेग
कटारउपरसहजपलदलनविदारत ग्रोगिनत

संउभुजेउरकदंतीहसिंगारत वद्रवाउभानग्र
नगपाननिपदानमानइकनिपइकभुव नवरस
विस्तारआनंदकरत्नुपराउग्रनरूपसव १८ १
तिश्रीमन्महाराजाधिराजश्रीराउराजेंद्रश्रीबुधसिं
हजीदेवागपतिकविकोविदचूडामणिसकलनि
धश्रीकृष्णभट्टदेवर्षिविरचितायां शृंगाररसमाधु
र्यीसमाप्तः ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

66

१

ॐ श्रीगणेशायनमः ॥ कवित्तवरषाके ॥ कह्नकत
मोरवनपवनझकोरघनकालीदामनगाढेपग्रसा।
फगणेपेषियें सीतलकदंवछांहगौरीगेरपैरेवाह
रेद्दकोनगरवनवगरविसेषीयें वारोंग्रलिकेशभरी
रसिकानेरसकाह्न पेमेसुखहमरोनदेसग्रवरेषीयें
कुवेनयेछप्परग्रटानघटछप्परघटानकीसुमडेब्रज
मंडलमेंदेषीयें ॥ १ ॥ कवित्त ॥ उमडिघुमडिजलधरदल
साजिउठेगगनगरजिथरिथावभुरवानिकी परतग्र
पारजलधारस्त्रमरीभ्रमारपवनझकारझकझोरि
झिरवानिकी दादुरडकारपिकचात्रकधुकारकंठ।
कोकिलाझकारमनवसकरवानिकी करतविहार
कुसराधिकाकुमारिहटतपावससमाजिकहकत्तभु
रवानिकी २ मोरवनगेरसोरकरतनकीवजोरघन
गरजतघोरसघटानकी चपलाचमंकैस्योंफमंकै
हथ्यिआरनकीधजाफहरानीभुकिथावभुरवानिकी
मैनचटिग्राईचहूंओरतैनेदवाईनाहिंकैतोसमकाई
कहाकूटकुटीकमानकी मानमदफावनमिलावन
मकंदकंतमाननजिमानिनीउह्राईपंचवानकी ३
राजेरसमैरीजेसीवरषावसेपीयटवंचलानचैरी
चकचौधाकोधाग्रौरेरी मनिब्रतहारेहीयेपरतकु

ह्यारे कछुक्षोडे कच्छपारेजलथरजलथारेरी भग
नक विंदक्रजपुंजरससौरभसोकौनकोंकपाइकेन
परह्लतपोरेरी कामकेतकामेफूलफूलडोलडोरेम
नडोरेकोरेडोरेपकदंबनकीओरेरी ४ सिषह्लारीम।
खीमरुफाइह्लारीकादेविनीदामिनीदिषायह्लारीनि
मग्रथरातिकी ऊकिऊकिह्लारीरतमारिमारिह्लाहो
मारहरीककोरनविवियगतवातकी दईनिरदई
याहिकाहेपेसीमतिदईजारतजारेनदिनदाहपेसेगा
तकी केसेहूंनमानेहोमनायह्लारीकेसोदासवोलि
ह्लारीकोकिलावुलाइह्लारीवातकी ५ नतिमिलिय
टावहूंओरतेघुमडिआईपिकओपपीहामिलिमोरटे
रटेरुहोहे ४मरेभरेरीनीलसामरेकववग्रगथोंसा।
कीप्रकारभकथाईपोनपेल्योहे दामिनीकीचोंथन
भयामिनीमीलगतिहेमफतनह्लाथमह्लादारूनम्र
येरोहे यारनिरथारवगमालजालडारीप्रालीविना
वनिस्यामवानस्यामवजवेरुोहे ॥सवैया॥ वरिह्ली
विह्लारतनदाकलग्योहरिह्लीविनधीरजकोंथरिह्ली
थरिह्लीथरकावनवोरनसोंपिकवात्रकटेरनसोंड
रिह्ली डरिह्लीरजनीरितपावसकीलषिग्रवुसनैनन
नैफरिह्ली फरिह्लीऊकिलागिरह्योंसजनीतरिह्लीव

१

2

ठिकुकिउठविरैही ७ मोरहैप्रेमभरेघनकेवनया
मनमैंपिककेअतिसोरहै सोरहैसावनकीसरिनाद
सहैंदिसदामिनीकीअतिकोरहै कोरहैरीविनपीय
मिलैअवकामिनीकामकरैअतिजोरहै जोरहैमेरीक
होकरीपेभरीपिउरीअैअरिपेसुखमोरहै ८ गामन
कीवनितालगीझूलनगावनगीतमहासुखदामन
दामनलागिकरेंविनतीचलवौंनवनैसुनीयेमनभा
मनि भामनलागोसंजोगसवैउमडेघनपावसके
वरसावन सावनआयोंसुहावनहैसषीकामविथा
सुखालगेगावन ९ ऊखापियकेसंगसोवतिहीउ
तनीरसमीखहैसुखा सुखाकरतारमनोरथवाव
दसावदराहयौरसुखा सुखाअविलोकतिओपति।
नूवहैजोरकिलोलकरैसुखा सुखालगेवाजनरू
खाउलहोउरआनंदसेऊखा १० उवकमोरसुकार
उठनिसवासरदेहसतावनहै गाजिउठेसुखावहै
डोलरजेअंगअंगनछावनहै मोरगुंजारकरैवनमें
पिकवाउकटैरसुनावनहै लालभनेघनस्यामविं
नावरषाऋतुआगमआवनहै ११ तमऊंजतमीस
अमावसकीपुनिपावसकोंपरवाहचल्यों रुविसा
मसेवारसुफारसुहैअरुस्यामकोनेहसोनेहचल्यों

सुतसारंगमंजनकोकरलैतनमैंघनसागरसारमा।
सेयां नीयलाजकीलायकैंतैरसखीमनमैंनकोमा
सैंमतंगचलैं ॥ १२ ॥ कवित्त ॥ सामनसुहामनरिझा
मनरसीलेनेहूकोकिलकोगानपंचवानमहामानकौं
दामिनीदमकिअतिरूमिझुकिआयोकरफीनैपटसा
जिपीजुपीकीरसपानकैं पवनगवनचलैसुमनसय
नमेंदचलिहोरसीलीमिलिसेदसुजानकौं मेरोक
होमानिलागीवृंदछहरानिडुमझुंजनथहरानिनिस
चोरनचटानकौं ११ बादरबितानानितानफंध्योंरचिआ
समानधुरवानथारिवारिदईहैदिगनमै हरीहरील
तानविछोनारसंरगभेरेइंद्रवधूबारुचित्रकारीहैवि
कनमैं केकीपिककचात्रकसुदाडुरचतुरगणकरत।
अलापदरवैठचहूंघूनमें चहूंतितचाफनकोमानग
फणामनकोपावसनरेसडेरादयैहैअवनिमें १४ हू
रिहरीभुमिहरियालेहैसकलवनकोकिलकलित
केकीगामैसुस्नोरिजोरी मलयसमीरसीरोचहूंओर
शेलैवरवरषतहंदरसवाफैफककोरिफोरि सुनिसु
कुमारीवृषभानकीडुलारीनोहिवोलैगिरिधारीतंजो
वैठीहगमोरिमोरि दामिनीनकोरधुरवानकीमरो
रदेषिआपेजलजोरिघनस्यामघनचोरिजोरि १५

हरीभईभूमिझौजरावटकीजेवजानीसिरपरतोआइगा
यासामनसुहावनो दादुरवादरमोरसोरइतलैआपै।
मायोउनकोनोभयाहैविदेसहोकाछावनो सवनैं
सहेलीमिलिफोलतीहिंडोरैवैठसुकैनोभवनभारी
लागताडरावनो पेरभाईपंथीजोंसुहारिकाकोजा।
नोहैतोसखनहुमारापकसामकोसुनावनो १६ वा
उकपकोरैपिकमोरकिलकोरैजलपरतमेघथोरैआ
लीआईरितभौनकी हेरतअटामैपटदैदैउपटामैतै
सीसामनकीघटामैंछविनीकीलगैवीजकी गावत
लेतफूलैकरथरिकैकपोलनैपेउडतहिंडोलैप्रेम
प्रीतमकेरीफकी सखीनकेसंगमैंसुरंगअंगवंदमैं
सुआलीनैरंअंगमैंचपीतरंगतीजकी १७ पावस
प्रवलपीवपीवनारटतजीवदसहूंदिसानमेंसंदेस
हूंनपावरी मोहिनवतोउमनकाहेसोकठिनकी
नोअववियिविनीतीआलीवरषगमापरी मोरनिके
सोरसुनिपपिहारटनदिनकोकिलाकीटेरसुनि
मदनजगापरी हूंदैआईवरसगगनघहरातआ।
पवैरीआपवादरविदेसीकौंनआपरी १८ मूदरा
घोसकलकरौंघानारदोनेनाषआवेनापवनेमे
रीपीरजोंवफाउरी कहैकविलालहालकामरू

नैकहूलहोनवारतहौंमेरेजोपैप्राणकोववाउरी
पीयागुणगावोनासुनावोसोरमोरनकेघटानादि
षाउवेगिग्राग्रागनपटाउरी नैनेपसुगंधनकेफूल
फूलेजैंननमेरी३नैग्रववीरजरसूरनेकटाउरी १५
गाजततनघनपसघनरनतूरवाजैमोरनकेसोरना
निवाजनकेहूलाहै नाहिनवगपांतिपदिसतषार
कोउनीकीजलकीनधारहै विभूतिनकेवेलाहै फू
लीनोहिसोफलालवादरकिसूरचूपवालेनाहिव
हूलवपलगुणवेलाहै सुनियेसयानीसखीकाहे
कोकरनसोवपावसनकेलापमलिंगनिकेमेलाहै २
नांहैघनघटापतेंधुरेधुयारेगजनाहिनैपवनप
तुरंगतेजनाजेपे नाहिनैपवाउकसुभटघोरवहै
गैरभुरवानजानपनिसानमधुराजेपे मोरसोरनाहे
वाहैदेतनांहकोरसंभुवपलानजातिपषउगतेग
नाजेपे कसोमानवंदसुखीईहूनाहिगाजेहेरीमैन
केनगारेग्रानवाजेदरवाजेपे ३१ उमडिघुमडिग्रा
लीवदरनकीफोजचडीदाउरेदमामेघनघोरकर
नाईहै कारीकारीघटाजामेंऊजरकलोलकरेकी
रनकीभीरभारीकोकिलाग्रतांईहै वोलतसुहारे
वोलवाउकहैचोवदाररवगलेहूगलहैकैविरहिन

गाईगाई है कारीअधिआरीनामैविजलीछुरागप
लीपैमोरकैरैसोरैफिरैमैनकीडुहाईहै २२ दाहिदा
हिदामनीदमंकतदिसानदीहदाउरडुपारेदेहदह
नधकारकार कोईकोईकेकीएकसाईझंनझंजनमें
झकझकककनैरेकेरैगाकैरैवारवार गाइगाइग्वालक
विगनवगुनारैगौरीगंजगुलगरजगुविंदविनछार
छार थाइथाइथाराथरथारथूमथामनसोंथरनथरा
मैथारथराथरथारथार २३ सामनमहामनमेंसंद
रसदीकीतीजभीजरहैस्यामास्यामरसमेंदमकदा
र चोरकैचुमेंउनचदानकीचुमउचनीचुमरचुमड़ि
घुमेंचेचलाचमकदार ग्वालकविसीतलसमीरमें
दसोरभसोंसरससमुनसरछविसोंछमकदार
फूमेंफूलाफलकेफलापरफूकिफूमफूमिफमक
फलामेंफीनेफूनामेफमकदार २४ किपोइहांमो
रसोरकरअंतरहोइगएभाजिभाजिफिलीगनबो
लतनपदथी कियोपिकदाउरकहूफटकमेमा
रडोरेकियोवगपांतलोकअंतरकोहोगई आल।
मकहतआलीवालमनआपेचरकियोंविपरीतरी
नविथनैउनैदई मदनमहीपकीदुहाईफिरवेते
रहीनफमसोंमेचकियोंवीजरीमतीमई २५ स

रथनतिलकसुरंगवनमोतीमालनीलवनचीरठौ
फैलागनसुहाईहै केकीपिककूकनग्रलापनग्रला
पचारीथीरभनिमभरमूदंगनकीघाईहै पानीधरथ
जलपपीहासुखदेतसरकोकिलमनोरंपोननायक
नचाईहै वंचनीनिपटपरपंचनोप्रचलैकेकंचनी
सीग्रान्नेमेघमालावनिग्राईहै २६॥सवैया॥जलनो
रमहाघनघोरघटाग्रनऊपरकोपपुरंदरको कवि
पुरूकरगोपसवैनिरषैसुखश्रीपतिसुंदरको थरि
नैथरिवोथरणीथरकोनहियोथरिकौंथरणीथरकों
करिलैजनकोंकरकोकरकौंकरुणाकरकोंकरुणाक
रकों २७॥कवित्त॥मामनफूलानोमनभामनजान्यो
रहमदनरिमानोफोजवद्वीवहूदिसरी हतपुरवाई
ग्राईग्रागमनसथलैनपुलकिपुलकिमोसोगतिस
पविसरी गरजघटाकीनामेवीथनछटाकीदेवचोरत
निसानवीचकरवारविसरी वमकिचलततामेधुरवाध्यो
मतिचोरिसरकतनहाथदिनहूमेभईनिसरी २८ मेव
कोकवचमाजिवाहूनवयारिवांहगाढैगलगनरहैदी
रघवदनके सूरतसकविममसेरसोयियामिनीहैहेत
नरकामिनीकेमानमरदनके पैदरपनाकाधुरवानकी
वलाकागहैचेरियतहरिचहूंगोरनसुदिनके नकरनि

रादरपीयासोमिलिसादरसुग्रापवीरवादरावहाउर
मदनके २९ ॥सवैया॥ कोकीकीकूकपिकीकीकुका
रवहूविसदाउरउदउठायो त्रिजछटाउछटीवहूंगेर
तैस्यामघटामिलिगवरछायो ग्रावनहोयलतीफनि
योललनालिषिहाथसदेसपठायो वामनपायभयो
विरहासुग्रेरमनभामनसामनग्रायो ३० भारीभयान
कभादोंकीरातमैग्रावनमेहमहाफरफीनै कीचगली
ग्ररुदामिनिकोउरफोकिकिवारललारसभीनै केस
वकेसवरायकोंभीजतजानिकैभामिनिभौनमैंलीनै
पीनपिछौरीकसेसुरलीकरिहाथछरीछतनासिर
लीनै ३१ सरस्याहीकरोकिनिविज्जूछटावटाधुरवा
गरज्योंहीकरो वहिवोहीकरोकिनिसीतलवाउसुचा
उकयोंरठिवोहीकरो लगिवोहिकरोकिनिकाममहा
घनग्रानंदसोभरवोईकरो लगिमोवतिहोंपियकेउर
वासुरवासरवाकरिवोहीकरो ३२ घनजोवहूरातद
सोदिसनैसरिसागरसोवहिवोहीकरो वमकोचपला
वहूओरनतैवरनीपुरवागरिजोहिकरो पियसंगउम
गसोंप्यारीकेहैसवसोतिहीयाजरवोहीकरो ॥कवित्त॥
गरजफूंकारसोंवियोगीतनछारभपहूंदविषवारि
पैरमहाविषधारीके पुरवाग्रनेकफणिमंडलपैविज्ज

मणिखंभकिबकितचितह्वैतनरनारीके डौरैयेन
कैरैवायुमंत्रमैसचारकैरैरमनमैंरौरपैरस्मरतउरारी
के भूमिनभउरेरदिसवांवीतैनिकारेकाह्णफिरैव्हनका
रेनागपावसषिसारीके २४ कोरेभोरेश्यमरेधुरारेधुर
वासेयौरेमच्यवासेपरतदेरैंदररातहै निपटग्रनेरेद
सदिसह्नगनेरेच्येरेकाजरसैंवादरगाहरैंगररातहै वह्न
डैरभेंफैंफरलोवैजगजीवनग्न्योरेह्मरवामेच्यनयैरेग
हरातहै प्रवलप्रवंडमेंडगगनच्यमेंडवंडमेच्यनकेझं
डवंह्नवंडग्ररातहै २५ कोरेकारेयौरेंयौरेंश्यरेधुयारे
भोरेवादरनहेंहिमातेहाथीमदसंभहै विज्जरीनह्नहि
वैरीरकसीहरातवेवरवमरवगथ्रेवरय्रडवहै ज्योंज्यों
येटाछेमिग्रामैराषिकेउरयियामैसुमतिदयाललाल
प्राणिहीयकंवहै आगमनहोहिकामझंभकलेग्रा।
यौंच्यनगरजनतनांहिरीगनीमनकीवंवहै २६ वहंदि।
सवादरउठेहैदलवादलमेसुमननरेसश्रेच्यनुफेउमा
नोहै परसिपवनगजफारतिकदंवरजिटेरतिपपीहा
मानोटेरनभुलानोहै रसिकगुपाललालह्नटतगरज्
नालमोरसोरजोरकैरैलोकउमदानोहै मदननरेस
वल्लोकीनेवमदेमदेमपरमसुदेसतांकोपत्योपेम
धानोहै २७ उदयाचलग्रस्ताचलगाफैहै स्मरघवार

वेंद्रचित्रभानुवारेरेमाकीपत्ताहिके तेहूहैनैतनैव
गडोरनसैांषैंचैषेंचवांयेमेचग्रंझरनग्ररलनिवाहके
सेतननडितफहरातकोरचहूंग्रोरग्राईदेकनातनग्र
थिग्रारीदिसराहके ईदुवधूनिकसिंदुरीवारिहरीह
रीभूमिउरापरेमैनमहावलीपातिसाहके ॥३८॥ सवैया
हेसजनीमधुरानगरीजवतेंसनियेवरषारितग्राई
लैरसिषानमनेहकीनानिसकोकिलिग्रानिमलारम
चाई गोपनग्रान्तरभोरहीनैग्ररुवाउकहीरटनापिल
गाई पैरीभटूकहिरीकवहूंउहिवेरग्रहोरकैपीरनपा
ई ॥३९॥ कवित्त ॥ वेंदमाललीयेसामवेंदनीतिलकदी
पेरामतिमनकीपेचहूंडोरथापेहै गूदडोगगनउंधै
गरजनभजनकरेनाराचणनामनीरहीपेभरल्यापे
है वाहनहैएजाप्यारीनकीभूषणसकविमहिमंड
लैपसखदरमापेहै हैकेग्रापमाथग्रापग्रापनेवरन
ग्रलीग्रानहकेवदराविरागीवनिग्रापेहै ४० भूरेभूरे
वादरविभूतिसीलगापेग्रंगवरसतनहेदेमानोजटा
धरग्रापेहै गरजनलेंषृंगीग्रफरोरेंपषमालधरेवपा
लाकेचमकमानोचक्रचमकापेहै कैहेकविईदिरा
नमाजसाजैरावलिकेपवननहीहैसहिमंउपछिवा
पैहै सामनसमीपताते प्राणिनकेहरवेकोदषोपा

पीसामनरहूगवलवनिग्रायोहै ४१ वाजततनगारे
नालदेतनवीनारेंकीउरनकोकभेकभेरणावजाई
है कोकिलाग्रलापचारीनीलग्रीवनृत्यधारीपोन।
वीनकारीवाटीचाउकलगाईहै मणिमालनीगण्ण
मुसोरघतिमरथारचौंरिसविरागचाकवपलावबाई
है वालमविदेसगयोंउघकोंजनममयोपावसहमा
रैल्पायोविरहवधाईहै ४२॥ सवैया॥ उनस्यामघटाउ
नसोंग्रलकैवगपांतउतैइतमोतिसरी उतदामिनि
वमकतदंतइतैउतवोपिइतैभुववंकधरी उतचाउक
नोपिकंपिकरटैइतप्यारीकोंपीविसरैनचरी उतवृंद
प्रघंउइतैग्रसुग्राविरहानमनोचनहोउपरी॥ ४३॥ क
वित्त॥ पियपरदेसप्राणविकलहमारेहोंहीवीतीजात
ग्रौधिकाहूंतियविरमापेरी कोकिलाकीकूकतातेउठ
तकरेजेहूकमोरनकेसोरमानोमेनसरलापेरी कारी
कारीजामिनिमेंजीगनजरततनजरीतनजारेवेकोवि
रहवलापेरी कहतनयमंडइन्द्रवरसपारीमेरीवीरविना
घनस्यामघनस्यामकितग्रापेरी ४४ तेरेदाहेटहीवे
ठकोठरेकेकानेरहीदेहजोंकवलतोनिकमजाहूभोना
सों कविमकरंटकोउपछीनगहतपछकाकजोंनि
हारोकरिगहोंयोंनातोंनासों तोंकोंतोजगवजग्रोवों

पकरयौंगयसौंढुगिढुगिचौंचकरोंहीरालाललौंना
सों पैरैरपपीहाजैसेपीउपीउकहैहैनैसआयोआयो
कौरैनोमफाउचौंचसोनासों ४९ ज्यौंज्यौंच्चनचूमैसो
स्योंलोटैवालिभूमपरीविरहकोचूमैउग्रतननतनगा
सोहै टरकोकिलाकीडौवलाकीचंवलाकीकुछरा
खननवाकीनिकनैननउज्वासोहै उथियग्रविलाकीर
हीपकहैपलाकीसोहैनंदकेललाकीउखजाननतउवा
सोहै थावभुरवाकीतैसीपौनभुरवाकीपसेवोसउ
रवाकीउखाकेस्वरजासोहै ॥४८॥ सवैया ॥ आएपिया
रौगयोंजवतैनतवतैरईभयसिगोरडखदामन मैंनकेउ
जवहाउरटेखिछटाचनयोरचटाचहरावन आमनउ
यकीउथरहीसभईनिसमामनकीउगवामन कौन
योंथीरयरेसखीसंयरीयाईपैरभुरवानकीथावन ४९
कवित्त॥ कालिंदेसैंकोकिलासैंकज्जलकलौदिनसैंका
लकीसीफासहगदेखभटकनहै भूदरसैंभूतसैंभुजं
गसेदिखाईदैतजेईजहांटेखैतेईतहाउठकनहै नंदक
हैंमृगसैंमृगनकेटगनहूसैभुरवनकेंफंडकियोंसुंड
लटकनहै चढिकैंोनदेखोघटाकैसीहोतविज्जछटा
पैसीचटादेखिजोगीजटापटकनहै ४८ वोगवरयो।
राजटाभुरवाविराजैवीरनाटकोगारजसोंतोगरजन

योगीहै बगनकेजालउरसोहतफटिकमालश्वेतनितपते
जसंगचपलासेजोगीहै मेजमतिलकभालसोहतपि
नाकलालजाकेदरसेंसोंहोतहीयराबियोगीहै मानि
नीकोंमानकहूंवतरसयानीभईपावसनहोइकोरेन्र
कमानजोगीहै ४९ आईरितपावसनआपेप्राणप्यारे
यानेमेंघनवरजआलीगरजसुनामैना दादुरनवोलैव
किवकिकैनफोरैकानकोइलमटकिभूलिसबदसुना
वैना बिरहबियामेंहौंतोविकलभईहौंदेवन्नगन्नूव।
मकिबिनचुरिगीलगावैना वाञकनगावैमोरसोरना
मचावैघनघुमडिनछामेंसोंलोंलालघरआवैना ५०
अंबुजउआनफेलफूटतफटानजैसेथावतनटानछ
बिछाजनछटानकी वाञकरटाननदीनदउपटान।
नलनेगात्वजटानमेंदमारुततहटानकी भीजेंडपटा
नहेंदहअतलटानगुषीननलपटानमेंनमंदफपटा
नकी पियकेनटानपहेरैऊसुमीपटानप्यारीवफ्तान
अटानलहरैदेवतचटानकी ५१ मल्लिकनमंजुलम
लिंदमतवारेमिलेमंदमंदमारतमुहीममनसाकी
है कहैपदमाकरस्योंननदनदीनप्रतिनागरनवे।
लिनकीनजरनसाकीहै दोरतदरेरादेतदादुरसदृ
देहीदामिनीदमंकनदिसानमेंदिसाकीहै वहल

नंदुंदनविलोकोंवगुलानवागवेगालनवेलनवहा
रवरसाकीहै ५२ कैहूवनवागनकदंवकपतानघेडे
सवेदारसाहवसमीरसरसायोहै कैहैपदमाकरति
लेगीभीरभृंगिनकीमेहजरनमूरछीमहरगुमागा।
योहै काहूठकरतचहराहूतचटानचटसोईग्रागाह
टग्रावनकोछायोहै मानमटठगीमकैजेगीसेनसं
गीसाथरंगीरितपावसफिरंगीवनिग्रायाहै ५३ उम
डिघुमडिघनघोरकेचमंडकीनोचपलासमीरवहैंगे
रननेरूमरे निसदिनहीकेतापीवोलतपपीहापापी
कूरहैकलापीनेवघोरधुनिहूमरे जीवेगेवियोगीवे
मेपैसेसमेमहाकवियोगीभयेभागीनेवेफोरफोरत
मरे कहाकरोंमेरीग्रालीमेनकेमतंगछूटेयापग्रामे
धुरवायेधोरधोरेहूमरे ५४ सीतलसमीरउवतीरसे
लगनग्रालीहरीहरीवेलपरपावकपजारदेउ दाडर
नहरकविपिकनपकरलेरीवागननेवाहरमधुपमो
रमारदेउ पावसमैंप्यारेविनविपरवटावेकौनजीव
नजिवाइउपचारणाविचारदेउ दामनीदवाइराखिवा
दरविदाकरीहृंदननरजवीरवगनविडारदेउ ५५
सावनकीतीजैनियभीजैहृंदवारणालोंग्रंगसंगजो
छनीसरंगरंगगोरेकी गावनमलारेधुरवानकीउ

भ्रकोरे सुनिदा उरड कोरे कि ह्रीकं नकारन जोरे की
करत विहार अति सुंदर उदार वर वीरक है मीत लस
मीरके कककोरे की चमक चंदानकी चमक चाकचप
लाकी कमक जरीकी नामे रमक हिंडोरे की ॥५६॥ हिं
डोरे को ॥ कंचन के षंभ नमें मरुपे अमोल रवे रचे है वि
रिंचि पचलागे नग कोर कोर लागत समीर गात लोने
लेक लविनात वसन उ आर सवाफे फक फोर कोर वन
मे निकासी कमलासी वे सहेली संगआनंद उमंग फों
र देत चित चोर चोर फूलत हिंडोरे देषि जुगल किसोर
आली वोरो रतिनाथ कोटि डोरे त्रणतोर तोर ५७ हा
रही सिंगार के हिंडोरे हरि वेठे आनपा उरकी पटुलो सों
संदर सफारी है केवेरे के कल सगुलषे रा के षं भष
उमालती के मरुवे में मन उरफारी है फीरन के रुमि
का उंजंदन के कर्णफूल मोतीयाको मुकट मों गमा
गरा सुधारी है सेवती की सारी पीत सोन ही जुही को
पट माम रेविहारी को भरोसो मो हि भारी है ५८॥ सवै
या॥ भरवान की थामन मानो अनंग की नेग धनावढ
रानलगी नभमंडल ते महिमंडल छे छिन जोत छटा
छहरानलगी मतिराम समीरलगे लतिका विरही
वनिताथहरानलगी परदेस है पिउ संदेस न पायो प

योंपछतातेपछतानलगी ५९ सजिसूहैऊकूलनविन
छुटासीअटानचढीघटाजोवतीहै सुवन्नीकैसुनैस
रमोरनकेमनमानेसंयोगसंजोगतीहै कहिठाऊरवे
पीयहूरवैसेहूमअंगमनमोहगयोवतीहै यनवेयति
पावसकीरतिआपनिकीछनीअंलगिसोवतीहै
कवित्त॥ वाटिकाविहारीअभिसारिकोसियारीकारी
सोकरिअंध्यारीमेंउज्यारीकोंसोकंदहै भावेकोविष
मेमेहूदंपतिडेरननेहूनागरिकोंनेहूसौंसनेहूसरवेघ
है सिवाजानीसरपनपिसाचनकमंछाजानीस्टगन।
कलाजानीछलजानीछंदहै घटापटमोरजानीविज
यनचोरजानीभोरजानीचोरनचकोरजानीचंदहै ६०।
कवित्त॥ पुरुषविरह॥ प्यारीविनजानिकोअकेलोप
पहिचानिकैरलीयोंटावोपावसकोरउरि हूलेवन
वागनमैंआगिनलगाइदेतवैरीभयेवादरनिहूकैऊअ
वफोरडारि ग्वालकविसीनसमीरहूपैनीरमारिपा
नकीपचानकीकोचोवैवीरवोरिडारि नोरिडारि
हूकोपत्रषरुचीवाहूकरिमोरनकेकंठकोनिसंकरी
मरोरिडारि ६२ सहरसहरसौंयोंसीतलसमीरडो
लैघहरिघहरिघनघोरकेघहरीआ फहरिफहरि
फकफोनाफरलाम्योंटेवछहरिछहरिछोटीबूंटनि

छहरिग्रा हहरिहहरि हसिहसि कै हिडोरै वढैय
हरियहरिननकोमलयहरिग्रा फहरिफहरि कै रे
प्रीतमकोप्रीतपटलहरिलहरि कै प्यारी कों लहरि
ग्रा ९१ घरघरगरजनतरजनतरस्वरनरजउिततरखन
वाघनछहरछहर बलतपवनहलहलततरुनभलेनव
रुणजलभरनमरितसर रिसकरिगरभग्रमरपरव्र।
जपरग्नररग्नररग्नरथरथरथरथर थरथरग्नस्वरनिर
षिहसिहरहरगिरिवरथरवंग्रगुरिपरगिरिवर ९४
काजलकलितननपलिनवलितभीमगगनगरजिहै
महारस्वगायिके गरजनतरजनवरसतनलमदभूमिभ्
यरतक्योरतसंयोगयोगपथिके पेसैमैनकीजैपरवै
सपरवेसप्राणप्यारीयौंकहतफरकनमोतीनथिके
सामनसघनघनहमतगगनमांहिरूमतमतंगग्र
वनीयमनमथकै ९५ हूंडतफिरतछपकतप्रेतप्रे
तनीनलपकतफणिमणिपारेपौनफपकत तपक
तप्राणविद्याप्राणनाथभेटवेकीनिसग्रथरातजात
पंथीपंथछपकत दमकतदामिनीचमेंउघनवेदन
मैंगानकेवसनभीजेथपथपथपकत फपकतहे
दवनलपकतमचकनग्रपकततरुणभूम्रचरण।
कीवचपकत ९६ बोगीवरमाकेवडेवादरनहोड।

१०

10

पत्तोभूलिरह्यौकैसादरमश्ररागुणगायैहै स्रुतिमन
तमहाभारथकेपारथमैंस्वारथमहारथनैउरदउ
उपैहै आठमासठौरेदेसदेसनभ्रमतआलीभ्रमतभ्र
मनआजयाहूदेसआपैहै ९७ सघनघटानरहूदंप
तिरिफायवेकोंअंगपरिओयोहैस्फंगनफराजको
गरजनफोलकोप्रमोदचहूकोटपैंलंपावसनरंद
नालविघासिरताजको वढ़िकैविलंदवडोअगनि।
कोगोलालीलउगलनिजलकीयोंकोनकस्वकाजको
थनपचंरंगकाथैअलकवुलाकवांथेछिनकुछटान
स्वाथैसभटसमाजको ९८ घरापैथरायारसेप्रुरवाऊ
कौभारेढौरढौरलावैयारेवौरलागिपरिओं पवन
कीरूकैसुरवानहूकीहूकेउनकोकिलाकीकूकैभू
कैपपिहास्योंलरिओं भूमिभईहरिओंविरहिनघरी
उरिओंभरणलागीज्वरिओंलषिसामनकीफरिओं
कविडनछटास्योंनटासेवटाजातछ्इवटासेउमंडिम
डिकूमकिकिकरिओं ९९ विपिकानदीहैविपिक
हायोनदीहैतमीनमनमकेकोकोकवनकीकीहै
प्रगनिगजैहैअंगदघटतजैहैमेघगगनगजैहैसनि
दीकीदीकदीकीहै चपलालोलोकीकविभूषनवि
रहवैवाकीनैसोपपपीहापापीपीपीकीपीकयीकीहै

पीकीसुषपीकीकैकैसुषप्यारेपीकौदैयारितुकोन
नीकीजानैरतकोननीकोहै ७० झुकिझुकिझूमि
झूमिआपमहिमंडलपैछिपिछिपिछबदारनोहरहर
हरसै परसैनपीउनीउनरसैपपीहावेगमरसैमनोज
लषिमेघलागेकरसै कविहितराजमानकूकैकोकि
लानहूकीभाजभाजविरहीवचैनपरेंतरसै घटाकौघु
मैडेनंदैमोरनकीझूंडैधुरवानकीहैमंडैपउंदैउनीर
वरसै ॥७१॥ ❖ ॥❖॥❖॥❖ कवित्त ॥ शारदरितुके ॥
पावसनिकासतातोपायोअवकासभयोजोन्हिकोप्र
काससोभाससिरमणीयकौं विविधविलासहोनवा
रिजप्रकाससैनापतिफूलेकासहितहंसनकेहीयकौं
छितिननगरदमानोरंगेहैंसरदसालसोभतजरदकोमि
लावैहरिपीयकौं मनहैउरदमिसौंषंजनदरदारित
आईहैसरदसुखदाईसबजीयकौं १ झुगुदप्रकास
कहूंप्रफुलितकासकहूंहंसनविलासनदीनीरछीर
छईहै नगरनगरवनवागरीनसेतवेसग्रहनमेंजहां
तहांगवगोरीभईहै कविहरहनजगमगतनकैआज्यों
नसरदकेसुधानिधिसुधावरसईहै उज्जलअनूपमहि
मंडलसरूपतवछीरकेसैंतंदुलनरैंधौछिपिगईहै २
विविधवरनसरचापिकैनदेषियतमानोंमणिभूषन

उतारिवेकोमैसोहै उन्नतपयोधरवरमारसंरंगलीनै।
फीकेनलगतनीकेसोभाकेनिमैसोहै सेनापतिआपे
नैसरदरितफूलीरहैआसपासकोंसघतघेतवहूंदेस
है जोवनहरनकुंभजोनिउदयेतेभईवरषाविरथता
केसेनमानोकेसोहै ३ आजश्रवरषतैलिपाईमंजुमं
दरमेंतासकीविछायतकरीहैचौकहूदसै तानैसम
आनेजरीदारजोरजेवरभरेमोतिनकीफालरैफलाफ
लकेसदसे ग्वालकविवैसरवेमैसोकीचगरनमेंउ
नवाचमंकेचीरवादलाविसदमै चंदनैसचंदचंदवद
नीविराजैजोरवैठेब्रजचंदचंदसरणमरदमै ४ आज
हरिचंदनीविलोकवेकोरनमासमखिनजुलाईसठ
मेंदिरमैंभजिगयो रघुनाथवादिनकीसोभाकोनिर।
खिरीकिसोपैनवखानकुकुहदिवेकोकरिगयौं हूय
रउचोरमैंडलैआनकेआननतैदसहूंदिसानमैंप्रका
सपसोचलिगयो गरिचयोसोतिनकेजीयकोंगुमान
सखीनातिनसमेतताराघनिफीकोपरिगयो ५ देखिये
पियारेकान्हसरदसुधारेसुधाधामउजियारेवौकीचं
दनकीदरसै चौवेवांदीवमकतवदोआसवमोतिनसो
कलकनकालैरेनद्रांईजोतिपरसै हारासोहेसनि
हीराहारकीलसनसोंपैमाणीरहीसनिकविसोभसै

खसरसे कोटिकोटिकलासुखवंदनैसरसप्यारी।
वादलाफरसनूरफलाफलवरसे ६ जैसोफवैफटि
कसिलाननैसुधाल्योमगजैसोहीरह्योरीरूपफूलन।
कीक्यारीकों जैसेवारुवौनराविछौंनाविछेसनग्रफनै
सोहीसुगंधफैल्योरेलिप्यारीप्यारीकों पकरसनानैंस
खीमोपैनसराह्योंजाइकविरजुनायसुखरातकीउनि
यारीकों जैसेरसरैननैंसमेतनारापतिजैसेमोतिन
केभूखनसमेतसुखप्यारीकों ७ जैसेंफवैफटिकसि
लाननैसुधाल्योंसुधामंदिरउदितदधिकैसोउमगपो
ग्रमंद वाहरनैभीनरलौंभीननदिपाईदेनहूयकोसों
फैनफैल्योंगुंगानफरसवंद नारासीनरूणिमामेठा।
फीकिलिमिलिहोतमोतिनकौंविंदमिल्योमलिकाको
मकरंद ग्रारसीसग्रंवरमैंग्राभासीउजिग्रारीलगैप्यारी
राधिकाकोप्रतिविंवसोंलगतवंद ८ सरदसमैसल्यो
मंदपवनवलततहांवैठेनंदनंदऊंमनेतरीहियवानैह
कालिंदीहिलोरेजहांकामकीकलोलेनहांस्यामवोलै
स्यामावेतोहीनैरिसातहै कीजियेगमनरतिराजकी
रमननोईसीऊ जुरनचितचांदनीसीरातहै रातिनैहै
वीनरिसजीतिजैहैप्यारेविनग्ररवीनिनिकरहिप्यारी
परवीसीजानतहै ९ केचनफरसफैल्योंमनतमरुखे।

तानिजरीकेवितानतेजतरुणतरापरै पांवरीवि
छौनाविछेमोतिनकेकोरवोरवाह्योउरजोतिकेज
लूसभरभरापरै हीराकेतषतवेठीरायेमह्लरानीर
हीरंभारतिउपरजभ्रमकियरापरै छूटीसुघचंदचा।
हकिरनिकनारैवांधिछूछूवंदमंदिरमैंछविकेछग
परै १० दीनोउपदेशकियोयाहीकोंसकेलिसवनाके
वैसवानेसववालमकैरंग्रांसी ग्रांषैग्रलिवेलोकीग्र
नोवीग्ररविंदपसीवानसमलेषीपरग्राननहैरंग्रांसी
सकविनिहालकहिमैनकासकेसीग्रेसीकेतनैंषरी
हैनांकेपाइनपरैग्रांसी महलमहलवीववैठीवारुवं
हूमासीनाकेग्रासपासगैरैनरुणीनैरंग्रांसी ११ ॥ ॥
कवित्त॥हेमंतके॥७॥ ॥ग्रगहनकेदिनमनदोऊलि
केमानेमदपकरसहैकेविलसरतरसवनीग्रां उल
हिरहेहैंग्रंगग्रंकुग्रविलासमेंउमहनलागेरीफमिल
वेकीचतीग्रां वैनसौंवहनलगेनैनसुषमाधुरीके
लहरनलागेसुखप्रेमवीजपतीग्रां तुरहतुहीहूनरकी
सौरमैसिमिरलागेचिमनविहारीप्यारीहिमरितकी
रतीग्रां १ हसमैठिठिरकरहुषनकीसियारानीडुष
गदरानीसौंमिदामसरसाईपे फूलवाफूलेलमैलस
मनरसकीफहरेहरेसरसौंविभासरागगाईपे कोंम

ललनलफकरसुथरीपरीघरीकोरंगभरीफरगुलडो
फेगेफुग्राईये निकसीवफेनिललकनिकिलनिछा
लहियकेउलासउठिलालकेठलाईये २ हेमनतकेतु
षारकेतुषारसेउषारतहैपुंसमासहोतसूनहायथपा
यठिरकै दिनकीघटाईकीवडाईवरनिनजायसेनापति
पाईकछुसोचकैसिमरकै सीतकोसमूहहैकियोहको
विलंदरुमधुकिधुकिथामतमग्रावतहैथिरकै सौंलौ
कोककोकिनीनैमिलैनौंलौंहोतिरातकोकग्रपवोवहो
तैग्रावतहैफिरकै ३ ग्रायोमघोएंसोभूलिकंतसौन
रसौकेलिसोनमनमसौंजीवउौंमखलहतहै दिनकी
घटाईरजनीकीग्रघटाईसीततोईहूंकीसेनापतिवरन
करतहै यातेउनिदानघातसूफननमोकोकछुद्राय
नीकेचोरकोलैरानिउमहतिहै मेरेजानसूरजपताल
तैपतालमांहिसीनकोसतायोसीयरायकैरहतिहै ४
ऐसकेमहीनाकामवेदनमहीनजायभोगहीकेवास
रविरहेग्ररिवीनके दिनहूंकैसीनसौनपावतहून।
वेकहूंरानिप्राइनानहैउरवदगणदीनके लसैनाप
तिलागनहैसीनकेग्रपारवारजलविनछिननरहत
प्रानमीनके भूलहूंनभावनभरोसोमनभामनको।
फूलहूनपावतसरोजसरसीनके ॥५॥ सवैया ॥ पौन

११

13

पछांहहूकोकाकरतोहरतोइहू सीतकीमाहिवोजेतो
मैंपदमाकरसेजपरीसहूतोनहीमैनमजेनहूपेतो
आनदहीनैविनावनीवासरहूसजनीइहूकेतो जा
ननीत्योरितिपसीहिमेंततोकैसेहूकंतकोजाननदे
नो ६॥दोहरा॥ हेमसमासहनिसविनपैसाईचल
नसवार लैकरवीनप्रवीनतियरागपोराममलार ७
कवित्त॥ सिसिरके॥ गिलगिलीगिलमेंगलीवाहै
गुनोजनहूचांदनीहूविकहैविराकनकीमालाहू कहै
पद्माकरत्योंगजकपिजाहेमजीसेजहैसराईहेसराहै
ऊरप्यालाहू सिसिरकेपालाकेनव्यापनकसालातिन्है
जिनकेअधीनपतेउदितमसालाहू तानतुकतालाहै
विनोदकीरसालाहूसुवालाहूविसालाहेडुसालाविछ
मालाहै १ पंवेदारराउटीवनातीलालफेरनमेंअगर
अंगीठीकरीसीनकीभजाईहै कहैसिवरामपसबीना
कीविछापनपैअतरअगरसेजसरससजाईहै मोर
छलीफलकैअनूपसीसफूलछत्रमंजनकोसोर।
कामनीवनिवनाईहै प्यारेकेमिलापप्यारीपाईपात
साहीरीफसालेदईसोंतिनकौसषिनरिनाईहै २
छाईविनसिसिरसमाईदेसदेसनमैंरैनसरकाईपौरे
वरफनकीफीसीसो दोहरादारपरदावनातनकेवासौं

औरसेजसुदकारीसजीउपमामोदीसीसी ग्वालक
विजाहरजलूसमैदानन कीवाहकस्तूरिनकोरामप
रैपोसीसी ह्रीयमैलसीसीघेरेउहजकसीसीवालह्वा
कैसुवासीसीमिटनाइसुखसीसी ३ अगुरकीधूपन्ह
गमदकोसुगंधतहोवसनविविधअंगनालफोपिय
नहै कहैपद्माकरसोपवनकोनगोननहूपेसोभौन
अमलउमंगछ्ाकियतहै भोगओसंयोगदोऊसिसिर
केसीनवांधैसुखदसुफारयतेऔरवाकियतहै तान
कीतरंगतरुनायननतरुएएतेजतेलनलनरुणीनमो
लनाकियतहै॥४॥कवित्त॥ फागके॥कनककटोर
नमेकेसरकोरंगघोरसोंपैसववोरिसुखवीरीघायपा
नकी भरकेगुलालमूठऔरेवालिलालपरहोनहैउमा
लगुरुजननकीनकानकी उरवसीरंभानेअवंभासी
लगनमोहिनेनपिचकारीफूलपंपवानकी प्रे
मप्रीतिअरकोरीमनमेंरोकोहन्नसोंखेलतहैहेरी
एकिसोरीहूषभानकी १ वागकेवगरअन्नरागभ
रीखेलैफागआजअलवेलीमनमोहनीगुपालकी
कालिदासललितललोंहीछविफलकननपसुका
नकीकपोलनकेभालकी राजकरोचंदअरविंदनेन
कानआजदेषवेकोछविवाकेवटनरमालकी वरु

१४

14

लीपलकपरभृकुटीतिलकपरबिथुरीअलकपरग
रदगुलालकी २ आईअनिदरसोफागकीबथाईज
बथाईसषीमहिनपठाईप्रेमपनीआं संगलेजुवति
जालअंगपीरंगलाललालकोंगुलालभरेवकोंलेन
चलीआं चितभरेचैनअरुवैनअनुरागभरेभागभरी
हमनसुहागभरीसषिआं कोरीभरेसरीहोरीहोरीक
हैगोरीदेवदेषनिदरकिगईसोतिनकोछतिआं ३
सवैया।। सोगलगरनहीरीलगायमिलामिलीवार
ग्रीसेटनहीवनो देवजुवंदनहूरकपेरललाटनलैले
लपेटतनहीवन्यो वेतिहिंगेसरआयेरहांसमुहाईहियें
नसमेटतनहीवन्यो दीनीअनाकिनीयोसुषमोरिपैजो
विभुनाभटूभेटतनहीवन्यो ४ फागुरीआयोसवीहम
कोविनप्रीतमभायोसलाऊसीलागुरी लागुरीमेरीगु
हारितियाकैरैपकछ्वेगउपाउतंजागुरी जागुरीराग
वहैटिसहेतनहैमेननोदेतहैमोउरदागुरी दागुरीमे
रोजवेमिटिहैनवहीमिलिप्रीतमरवेलिहोफागुरी
होरीमेंभुंभुरसीवनभूमसीगामनतानलगीमितैवो
री वोरीलनावनिनावोरीसीउथिअध्यायरहीअव
थोरी थोरीवसंतकेआवतहीविनकंतअनंतसहैंउ
घकोरी कोरीचैरहरिआवेनजोपरहलैहोंजरोंजरिहै

फिरहोरी ६ गुनऊपलमैसेभुरवागहरेरंगरजैकटिकिं
किनिऊपुररी ग्रथराम्हतस्मातकलाफलकेरननीर
वझेसनऊपररी ललितादिकरीसविताउमडीउभै
सिंधुमैसिंधुमिल्योंवहरी वरसैवरसानैकियोरीघरा
नेइगांउकैसावरेउपररी ७ खेलनफागभरीअनुराग
वसंतमेंकंनसैंनाहिडरैरी रंगभरीयोंगुलालमैंवलि
मरालकीचालपैवैांपग्धरैरी प्रीमकीप्रीतपरीरसरीत
नईनिहचैनअनंदकैरैरी सक्केहगम्वेदवलीसजनी।
नवआरकेमोकहोंअंकभरैरी ८ नितखेलनफागभरी
अनुरागसहागनीरसकीरसकै कपिकंकंमलेउहकंज
मुखीपियकेमुखसाझ्नकोफमकै नहोयोरीगुलाल
कोघूंघरमैवरदातिनकीद्युतियोंदमकै मानोसामन
मोफलजाईकेमोफचहूंदिसतेचपलाचमकै ९ होरी
मचीव्रजमंडलमाफऊलाहलक्कुकिउठीकरदोरी दौरी
फिरैवनिगोरीसवैवपथ्योरीविलासबनेफककोरी
कोरीगुलालअवीरनकीमिलिमंडिमऊदकैरेवरजोरी
जोरीचलैपिचकारीपरस्परखेलतिस्यामसखासगहोरी
हरिखेलतिफागमरोजमुखीमुखीसंगलैहरिरछ
ककैंा उड़ैअबीरनैछूटतसुफनकीसंगसोभनयोंपरप
छककैंा रंगवैनीगुलालमैलालभईउरफीनककेसर

१०

गच्छककौं लैपुच्छकीऔरनैमोरमनोपरनच्छहीमच्छ
ननच्छककौं ॥११॥ कवित्त ॥ पैंवकलासीमांसीसेमर
कलासीवाललसितललनासौंग्रीषिग्रजनतगुपालकी
ग्रजनग्रवीरनकीउठनघटासीनासैविद्युनछटासीवै
दीदमकनभालकी केसरसिरमांगसरसानीहैनवेली
पैंगसेंगग्रलिवेलीहैंसहेलीनंदलालकी गफ्फऊवऊं
ऊमकीकोरसवकोरलागीलागीलालगोरेगातनगरद
गुलालकी १२ चक्रनकेदर्पभयोदेषिछविवादिनकी
ग्रतिहीग्रनूपद्युतिविलोकीव्रजवालिकी कठिनकटी
लीवितवोरनमरोरनैहैविकटवकोहौंवंकभ्रूकुटीगुण
लकी पववनिभरीग्रंकभुजभरिकैनिसंकसषीलववक
नलंकनातैषवरनप्यालकी भानुकीकिसोरीकेवंद
मुषवाललागीलागीलालगरदगुलालकी १३ षेलत
हैहोरीसंगसषिनसमाजलैकेवाजनमृदंगऔमधुर
तानगारेकी छूटतकसरचूरचंदनगुलालमूठछल
सैंववावेचोटऔटदैकिनारेकी मारीजरनारीभईरंग
नमेंसराबोरसीतललगनसुरनहोतमिसकारीकी
नंदकेकिसोरीनाकमारीहैगुलालभरिप्यारीऊवकौ
रपरयारपिचकारीकी १४ ग्राईछलिछंदसोगुवि
दंसंगषेलफागकेसरकेरंगमेंग्रनेगाछविछैरही

कहैकविहूलहूननानपरीकौनकमैपिछलेपहूर।
कीरजनीछवीहैरही याईछ्वरमाईछायनूतनवसन
साजआरसीलैदेषेमुषहूनीघुनस्येरही मोतीडरिवी
वकहूंरहीग्रैगुलाललालीआलीवहूलालीसोंहूमारी
सौतिहोरही॥१५॥सवैया॥ फागमैभीरअहीरनकीग।
हिगोविंदभीतरलैगईगोरी भाईकरीमनकीपदमाकर
ऊपरनाथअबीरकीकोरी छीनपितंवरकेवरतेमुख
मीडकपोलविदादईगोरी नैननचाइकह्योमुसिका
यललाफिरिषेलनआईयोहोरी १६ फागरचीनंदने
दनप्रवीनबजैवडूवैनम्रदंगरबावै षेलनतेससुकुमार
नीयातनुभूषणकीछविछाजनतनावै सेनअबीरकीरं
थरमैंविगसीइमिवालनकेमुषआवै चांदनीमेंवहूं।
ओरमनोंकविसेभुविराजरहीमहतावै १७ चोलिवी।
आजनकालसखीसरितादसवातिनहोवहिगापवी या
हिवीफागनकेफरफंदमहातमैवाकदुवरीपहराइवी
आमिवीग्रंजननआंषिहियोइसहूमतमोगहूरायछिरा
इवी गोकुलसेकुलवाईकेकाहूगुपालकेगालगुलाल
लगाइवी १८ केसरिरंगमहावरसोंसरसेरसरंगअनं
गचमूके थमथमारनकीपदमाकरछाषअकासअबी
रकेमूके फगहेलाइलीकोतहूमैं नैमेलाजननआवन।

१६

16

गोपकाहूंकेछैलभपलतोंगुच्छिरकोफिरैकामरीडो
फेगुलालकोंहूंके॥१९॥कवित्त॥फरीग्रुतिफालरेफ
रोषेलेतवांटनीकेनीकोवोनवाउकविविउविउसारी
केगिलिगिलीगिलिमनपरग्रन्तरसगंपनकीपरन
फुहारछिविदारपिचकारीकेहूहकारिहारीकविजन
तिहारीसोहिपीछुननगालनगुलालगिरिधारीकेरंग
डारिछुलसोंछवीलीछिपिमंदिरमेंफरपसरकोकन
फरोषेविउसारीके२०फागमेंपियारीपेगुलालभर
डारीरंगजीनकनसारीमारवोरीसोववतहै कविगि
रिधारीग्रानिसंदरिनिहारीवालभरतगुलालग्रानग्रा
नउवलहैसनियेविहारीनवहानिहेडलारीवहनाई
नविवारीसीनवेकोसकुचितहै गोटेकोउवारीकियों
मारीनावद्वैगीकाहूलागेपिचकारीयांकोंलकलचक
तहै२१केलाकेलफारनमोंमूठनकीपेलापेलरेला
रेलरंगपेग्रगामवरसतहै कहैपरमाकरगोवेपनकी
पेलगेलफेलफेलमेलग्राजफागदरसतहै यामथ
दकोथकोंवजेपनकोंलगेग्रवकुथमग्रनोषोजामेंग्रा
जटरसतहै ग्वालपरग्वालनिहिवालपरव्रजवाल
नहांनंदलालपेगुलालवरसतहै॥२२॥सवैया॥
प्यारीसीवेसमेंभोरीकिमोरीकरैचितचोरीडोहोरी

मचावै झूंडमैमारीवज्राइऊठैकहिहोहोजवैऊतको
यहूथावै नांइसवैअवसानमखानकेमोहनकेक
रकंपऊपावै नाहीअवाईसम्हारकेजवन्हूपहूवाईसी
छूटनआवै॥२२॥कवित्त॥ पकैसंगथापनेदलालजे
गुलालदोऊहगनगपरीउरआनदमछैनही योइयो
इहारीपदमाकरतिहारीसोंहूअवतोउपाउकोईचितपै
चैढैनही कहाकरोंकहांजाउकोसोकहोंकोनसनेको
उतोवताऊंतांतेदरदचढैनही पेरीमेरीवीरइनआंषि
नतैजेसैतेसेकढिगयोअवीरपैअहीरकोकढैनही २ ८
सवैया॥ ऊधमपेसोंमच्योंवजमेंसवअंगगअनेगउमे
गसेंसोंसींचै न्योंपदमाकरऊजनछातनछैछविछा।
जतकेसरकीचै देपिच्कीभजेभीततहांपस्योपीछै
गुपालगुलालऊलीचै पकहीसंगहांइहारपटेमसिवे
भयऊपरहोंभईनीचै॥२५॥कवित्त॥ वसंतरितके॥
कूलनमेकेलिमेंकछारनमेकुंजनमेक्यारिनमेंकलि
नकलिनकिलकंतहै कहैपदमाकरपरागनमेपौन
हूमेंपातनिमैपिकनपलासनपिगंतहै हारमैदि।
सानमेंदुनीमेदेसदेसनमैदेषोदीपदीपनमैंदिप
तदिपंतहै वीथनमेंव्रजमेनवेलनमैवेलिनमेवन
मैवागनमेवगस्योवसंतहै १ आयोहेवसंततहांसे।

नहूंसविंनहोततनेईनिहचिंतदयादेवजोइजोरीहै ना
नैतजमानकरलालनपैगौनआलीसूयीकरभोहैप
तोनाहकमरोरीहै मानकह्योमेरोपरीमानकेनवास
रयेमाननतजिमिलिनातेकहाकछुभोरीहै जोपैविन
मानमनमाननतनमाननीतोमानकरवेकोंकहाउरवि
नथोरीहै १॥सवैया॥आपेवसंतदहेतसखीघरआपेन
कंतनपापेसंदेसे चहूंओरतेकोकिलाकूकिउठीउरहूं
कउठीमनलेकलगेसे याहीतेंजीवडरेमदसूदनजा।
कुनहीवनयहीअदेसे फूलरहेपतिकारपलासकेलो
हूंभरेनखनाहरकेसे १॥दोहरा॥केसूफूलेवषकैवि
रहनकरीउकार अवजीवनकैसेवनैपेउनलगेअगा
१॥४॥कवित्त॥कंतविनवासरवसंतलागोअंतक।
सोतीरसमत्रिविधसमीरलागोहलकन मानथैरसर
सोंचंदनचनसारलागोघेदषरोलागोमृगमदलागो
महकन गोसीसोउलावलागोफांसीसोंफुलेलदेव
गाजअरगजालागोवोआलागोवहकन अंगअंगआ
गिपसोकेसरकोनीरलागोंचीरलागोवरनअवीरला
गोदहकन ५ कामिनीकनिकलनाउंदनकीकलो
कविवामीकरसीसफूलफमकैअनूपहै नेपैनपेपलो
वपलासकरपगनागदामिनीसंगंधछुतिगंधपोन।

छपैहै कोकिलासेवोलकुसुमाकरकलोलआलीआ
भरणकनकारगुंजनतमधुपैहै डलिहोडुलारीवृषभा
नकीकुमारीइनतहीतोवसंतविनराजिनकोभूपैहै
सवैया॥ अवआयसखीरितुराजवसंतअनंतनहींफूल
नकुंदकलीहै सुभसीरीचिवारसुगंधवहैमादमातेम
दअंतगुंजभरीहै सुलतादुमपल्लवयातैविराजितको
किलरागकीतानरलीहै षेलनकागभरेअनुरागसौं
नेदललावृषभानललीहै॥७॥कवित्त॥ आपकुसुमाक
रकुसमसोसमरसायनरकसकरिवांधमारेपंचवान
को वैहैकौनवीरअवराषैगेजुमनधीरजागीप्रेमपीर
नवराषतहैप्रानको त्रिविधसमीरवहैजमनाकेतीर
वीरसुदिनरहतवलिवीरहूंकेध्यानको फूलेअनुकू
लफूलफूलननिसानआपेकोकिलाकेधनिसौंतजत
प्यारीमानको॥८॥कवित्त॥ ललितवसंतकंतआवनअ
वधिसुनिभपसुभसगुनसवांमीआंषिफरकी त्रिवि
धसमीरवहैजमुनाकेतीरवीरहीयेप्रेमपीरपजगामै
पंचसरकी कुचभुजअंगनाकेफूलेहैवसंतछविज
रीहैअनंगअंगआगीजानदरकी कुंजकुंजकोकि
लासकूजनिहैवारवारपुंजपुंजहैमैमंजगुंजमधु
करकी ९ लहकनलताऔरगहकनअवमोरमह

कैसंगययातैमनललचामैगे वनउपवनवीचउउन
परागसखीसीतलसंगयिमंदपवनझुलावैगे वो
लतविहंगगुंजनऊंजननकलोलकैरै कोकिलामधुपवि
हिंडोररागगावैगे फूलेऊसमनपरलपटेमधुपग्रा
लीग्रापेरीवसंतग्रवकंतघरग्रावैगे १९ विगसोवसं
तसषीकैसेकरपाउसषीकंतविनग्रंतकोटिमानको
तरातीहै रातीरानोपातीनवातीसीवरनलागयाती
कामतातीकेक्कोहेछेदक्कातीहै लालग्रलिफूलेफू
लिफूलग्रत्रुकूलहूकेकेसीन्याईदेषिदेषिहीयेगुरि
जातीहै जरीजरीसहोडघहरोहरीकैहरीहरीहरी
वेलैदेषिमरीमरीजातीहै ॥ महकियावसंतउघदा
ईचहूंग्रोरग्रतिलहलहीलतातैंउमनपरक्काईहै
कान्हनासहाईदिनरैननविहाईग्रालीफूलीवनराई
वियाहीयेमरसाईहै वौरीग्रंवराईग्रलिपानमराई
ग्ररुहूरउघदाईहकहिमुरफाईहै कोकिलकसाई
कूकऊहूकसनाईफिरीमदनदुहाईरीवसंतरितग्रा
ईहै ॥२॥ सवैया ॥ मोलसरीगजरगाहकेफूलकेफूल
जरीमलिकाकेलसंततहै चेटवजैपिककोकिलकूक
विराजैविजैचगपंतिसोदंततहै किंसकसिंधुरसीस
दियेमकरंदपुसूनपीयेमदमंततहै मारनमानिनी।

आवै चलो पिय साथ पिसो छुसो हाथी वसंत है १ २
कवित्त॥ फूले वन विविध विरंग के वितान तानै।
कदलीच नमानन कनातन के घेरे है गुलके विछौ
ना चारु सो कोना छाप छौनी छुवि वैठ पौरी या गसो है
भौरवट चेने रहे वीचर हवान फिंगन्यारी क्यारी हाट
वाट फैज़ सम सुपेदन प्रकास कीने नेरे है नगर केनि
वासी
१४॥सवैया॥ गुंजे गे भौर विराग भरे यु
निवोलै गी कोकिल औगुन गायकै फूलै गे केसु कैसे
भभरे रंग दौरेगो काम कमान चढायकै सीरी वहै।
गी विआर सुवार घला गेही ये मे सला कसी आइकै
मेरे मनाइन माने ववाकी सों पै है वसंत लैजै हैम।
नाइकै॥१५॥कवित्त॥ गनक परी है परी नो हि वटप
टीपरी दुरमरी कों रूपं पथनो रलाप है कहै कवि छौन
नैरों हित है वसंत आली देषि पौनमासौं व है कहौ सो
वड़ाई है मंजरीन पुंजे भौर पिक वोलै ठौर जे है भ्रमरे
यालों नों आगे तोल जाय है आगसो लगी है वन देषि।
अझलै है मन को सकते आली वनमाली फिर आइ
है॥१६॥सवैया॥ आयो वसंत नमालन सो मिलि पल्ल
वकी पक स्यों निजगी है फूल पलास रहे नित हीतिन।

मैबरसानेहीरंगरंगीहै बौरकैमोरररसालमपति
हिहूपरकोइलग्रानलगीहै भागनभागवच्योविर
हीसिगरेवनबागनग्रागलगीहै १८ केतनकीऊंऊ
मसोननहीग्ररुसोसनसेवतीफूलीहैबागन कूजत
कोइलऊंजननैमेग्ररुगुंजतभौरभरेग्रनगागन ऊरसा
चीपियभेटनकंतरीहौंउनकंठउऊावनकागन वीसो
हिमंतवसंतलग्योजिनकेघरकंतनियोमउआगन
वनवेलीलताग्रलहूंग्रलिपुंजसगुंजतभौरसनात
चितेहौ फूलेपलासचहूंदिससोहतचैतकीचांदनीकै
सेचितेहौ मंदसमीरवहैग्रतिसीतलबारुविलासकौ
जातचितेहौं ऊभवसंतमेंग्रावतहैतुमकंतवसंत।
मेंजानिकितेहौं १९ फूलतग्रंवकदंवसबैतहांबोल
तकोकिलकोलषिलीजै पौनफिरेग्रपनेरंगमेंतहां
भौनमेंभामिनीकोसषदीजै ऊरसवैमकरंदपियेमि
लिकैहमजोवनकोरसपीजै जोतेकहाहरिबिंसनतेहैं
सुखकंतवसंतमेंगोननकीजै २० ॥कवित्त॥ होतीप
तिफारकहूंलेतागेहमारीमारडौरेकहूंग्रावनकीबौ
रलषिपावनौ कोकिलाभ्रमरबोलेसनिकैविरसभो
वारियकेपारेनेपरेवावनपावनौ फूलेदुमदेषकैरी
भलनाहमागोपियपकतानकोऊमोहिंसोलकीसना

वनैं आजकालहिवाहीदेसडौरैरितहोतआलीहो
तोजोवसंततोहमारोकंतआवनैं २१ कहीयोसं
देसोपंथीस्यामविसवासीजुसौंतुमविनव्याकुल
होततयतिसिराउरे मदननभावेनितमदनसता
वैनिससमीसमकावैमोहिदासदिषाउरे कहतच
मेंउवनफूलेफलनेकभांतिडोलतअकेलीव्रजकुं
ननसहाउरे वीतोहैहिमंतसखेआयोहैवसंतस
निअंतजिनिलेहुजियकंतहाराउरे २२ डारदुम
पलनाविछौनानवपल्लवकेकुसमझगूलेनेरतन
नसकुमारीदे पवनफुलावैकेकीकीरवतलावैआ
छैकोकिलकहलरावैकिलकारीदे परतपरागनै
उतारोकरैराईनोनकुंदकलीनायकावदनसक
सारीहै मदनमहीपजूकौवालकवसंतताहिप्रा
तहीषिलावतगुलाववटकारीहै २३ भृंगीअलि
गुंजकीयैकेसूवनमालहीयैमानोपिकववननैम
नभरमायोहै पल्लवफलकसुहानोनमससीसनटा
भसपरागमकरंदलपटायोहै कहैकविषुषीपत्र
नेकसिषिसंगलीयैपेसौंष्यालकीयैशूहसनाक
रिपायोहै कंतविनसषीरीवसंतसौंडुरावनकौं
प्रवलावियोगीजानयोगीवनिआयोहै २४ कैरेहै

रसालफूलीलतनिहैविसालपत्तोदेषतमालदेहैआ
लापैहेरैहेरै गुंजनतकपोलवनकुंजनमेंभौरकौर
मोरनकेसोरनसोंप्रानवैथरैथरै वालमविदेसआ
योवालनकोकालहालकहैकविलालमहाव्यथा
योंभरैभरै पक्वोवसंतरितुग्रंतकसमानहमैको।
किलावहूंदिसेंकूकूकूकूकरैकरै २५ जैसीनवैतैसी
अवभूलहूनरूसोकोऊतौरिसहाईयातेतोहिमैस
नाईहै अवहींतेकहूतप्रकारसाँवथानहोयमनीय
नवांकेसंगकोकिलाकसाईहै कहतप्रवीनरायअ
पत्रपनेघरहिलिमिलिरहोयोवसंतरितुआईहै
कहतफिरतभौरभौनभौनभामिनीकेमानकरैमाई
नाहिमदनदुहाईहै २६ प्राणजोतजैगीमदनागमें
मयंकमुषीप्राणनाथतपापीकोकहावैगोज्यहींन्हीं
मृगमदगारमोतोमधुअववानसमदच्छिनपवनको
लोकोकिलकूहीकूही मधुकीमयंककीमकंदलाल
ग्रहनाईरजनीनिगोडीरंगरंगनचुहीचुहीं परदे।
सीप्रीतमविचारैमानमोहिनोलोंनोलोंनोतीप्रगट
प्रकासोंरेनहोनहो २७ फूलफुरवानछापक्कपाट
दुहाईवामनूतनगजमाजकेस्त्रूतंहदैपरोगीहै को
किलकीरघुनिपिकवाणीविवीआईजमाविरहूह

मोरेछवीरहीयतनमेरोरीहै आयोहैवसंतअलीला
योहैलिषायपातीजैाहूकोजलेवदारकामकोक
रीहै २८ अरुणावरुणअंबुमंजमंजरीनपरकोकि
लकलितकेकीधनितगसंतकी जमुनानिकटकुं
जगंजनतमधुपहेदसीतलसुगंधमंदमारुतरसंतकी
मोहनसुकुंदसंगराधिकाानवलअंगअनंततअनंगगग
निआनदलसंतकी वाजतमृदंगसुहवंगवहुरंगसु
रगावतवसंतरितआवतवसंतकी २९ देषतसमा
जसुषसंपतकोसाजआजआयेंरितराजमानजा
तभयोसनिधुनि ललितललितललनाऊसमकलि
तहेरकोकिलमधुरसुषगानतानसनिधुनि हसि
हसिप्यारीश्रीगुपाललालजीकीपागकलगीलगा
वमरसालवालधुनिधुनि सोनिजहीफूलीसोईप्या
रीकेकरनफूलकरैमिसिमिसिफूलसोंगुलावफूलधुनि
धुनि ३० ॥सवैया॥ फूलैगेफूलदसोंदिसतेवनगुंजे
अलीगनकुंजललानमैं किंसुकसुकनहूककरैअ
रुहूकउठैपियकोकिलकानमैं मेरोकह्योअजहूंक
रिकैवलवैठीकहासजनीअभिमानमैं वानसीवार
वहैगीविजैयहआनिनरहैवसंतकीआनमैं ३१ फू
लेप्रसूनभईछविहूजितिसनीधुतिलोचनहूनथिरैहै

मातेमलिंदउफैअलिहूंदकुहूकुहूकोकिलबोलिस
नैहै सीतलमंदसुगंधसमीरपरागकीधूंधरीकेलि
हिनैहै मानिनीदेखिवसंतउछाहगईकरिजाउनिवा
ननेहैहै॥२२॥कवित्त॥ आईहैवहारवनवेलिननवे
लिनमैंवहूंधांचवेलिनमैंभौरिभीरछाईहै छाईहै
छपाकरमरीचिकादरीवनमैंतिनकोविलोकिकै
अतननतापनाईहै नाईहैसवैहीसुपिवुपिजसवंत
मेरीजवजैपिअरेप्राणप्यारीविसराईहै राईहैनक
लकहूंनवनैकलेवरकीकहीयोंहांकंतसोवसंतरि
तुआईहै ११ वढिकैतुरंगपोनवल्योहैविवाहकाज
पत्रननगारेवाजैपमयेमहारवी आछेसरकैराग
कोकिलाविचित्रवागमच्योहैकुतूहलईहकीसभाव
वी कूकैनाहिकोइलनिसानवाजैवहूंओरगुंजैनाहिरे
फयोंविचित्रकरनालिवी चढ्योहैवरातरितराजम ४
हाराजआजफूलैंनापलासमानोंवांउहेमसालवी १
वांदनीवसंतपीतदोलतिजोउपवीतपातपुटअंज
लिदैआसिकासुलछना फटिककदाजमालनायप्ल
अलिनासमाथ्यमिसकेकीकूकैवेदभणसछना फू
लपतकारकारीयोंथीपाततनारभरीमंजरीनआभादा
रमाफेरतछना आलीरितराजहिततराजवनिआयो

आजमानिनीकेगरूरेरूमांगेमानदछना २५ ॥कवि
त्त॥ग्रीष्मके॥ सूकैवनवागसूकैसुमनपरागसूकै
सरितानडागछितिग्रंवरसवैतयों सूकैवनवेलीसू
कैचंपककवमेलीसूकैअवलानजारविरहतनमैंछ
यों करूतसुसालकविसलिलसुषातजाततपेकी।
सीहूंदहैपषानपरिकैगयों मेरेजानजेठमासजगके
जगकेजरायवेकोंद्वादशदिवाकरकोंपकहीउदैभयों
सेनापतिउगैदिनकरकेवलतलूअैनदीनदकोपकूप
शरतसुषारकै वलतपवनसुरफानउपवनवनला
गयोहैतवनउरयो भूतलतवारकै ग्रीषमतपतवितभी
षमसकुचियांतेसोरकछिपीहैनहषानन्नमैंजारकै
मानोसीनकालसीतलतांकेजमायवेकोंराषेहैवि
रंववीजधरामेधरारकै २ भरीयतगहरेगुलावहद
हौदनसुफरीयतरजितफुहारेततवीरके फरीय
तफारनसुफारननहरनीरदरीयतवनसारसरदंग
भीरके करीयततरअतरनविछौनाकविसोभनूउ
घरीयतहैवातयनतीरके वेदनपलंगगअरविंदन।
कीसेजपरमंदरमिथारीआजमंदिरउसीरके ३ ष
सकेविमलवंगलामैंवेठीवालचहूंओरनतेवलत
समीरसीरोंसरसर छिरकैांगुलावछिनषिरकिनहै

कपूरसारसंगघसोमलयागिरबावर चंदन
पलंगऊपरचंदनवफापेअंगचंदनसोवदनप
हरेअंबरअतरतर छहरछहरहैंदै छूटतफुहा
रनतेंछातीयांछबीलीकीपरछांहींछरछरै घ
फूलनकेबंगलामेंमोहनमदनब्रजराजैमहा
राजसमाजसुंदरसुघरवर जोरजलजेत्रनकेअंत
रितसकुलागिअंगनमेंहंदयपैअंगनमेंछरछ
र ग्रीषमनामैरागसारंगकोगामैदेषिनैनसुख
यामैहरलालफूलफरफर सीविपेसुगंधिवा
रिमंदिरगुंजदनूकैनरतहषानेंनरिकीजियै।
अतरतर ५ जेठनिनिकानेसुथरनषसषानेत
लनाषनहषानेकेसुधारिकारियतहै होतहैम
रमतविविधजलजेत्रनकीउचेउचेअटानैसुधा
रिकारियतहै सेनापतिअतरगुलाबअरगजा
मानिसारथारहारमोललैलैधारियतहै ग्रीष
मकेवासरविनायवेकोसीरेसीरेगहराजभोग
गकाजयोंसम्हारीयतहै ६ सीरेतहषानेंता।
मेषासेषसषानेंसीचेअतरगुलाबकीवयारर
पटतहै भूपरसुधारेहौदछूटतफुहारेभारे।
बीरनापदाननापेसपदपरतहै पेसेमैविटे

सकोंगमनकैसेकीजियतसुधाकीतरंगप्यारी
अंगलपटतहै चंदनकिवारचनसारकेअगारना
मैंनोकुआयग्रीषमकीकारकरपटहै १ सीरेना
हषानेमैंगुलावछिरकोनेरागसारंगकीतान
सुनचैनहोतकानमैं चंदनउरहचनसारहार॰
फूलनकेमालतीविछोननकेपरदेवितानमैं
कैसोभायाकीनसोंतोंप्रेमकोपयानहोतोकेस
डुखभंजनहैगेहकेनिवानमें फरनाकरतवहै
गेरतैफूहारेचलेतोफुफरफपटनानषासषस
षानमै ८ ग्रीषमकेसमैदोउरसमेंविहारकरै
वसमैंरहनरससुपकीनिकाईहै प्यारीनहिमाने
प्यारेंकेतीमनुहारकरैपायपरप्यारेविपरीतर
तिठाईहै सुरतिकेसुरसमेतअंबुधाराआननते
कंठहैउचनवीचरोमावलिछाईहै मानोमेरु
कंदहैकेकालिंदीकेमिलवेकोंचंदतेफरकिचं
दभागाचलिआईहै ॥सवैया॥ तापचनोदि
नमध्यदिवाकरशंकरसोकरिग्रीषमभारी सीत
लपीपरछावरह्योंकुकिआरिहजारिचनेपतिवा
री चामचरीकनिवारियेपंथरहोतरुणीरहोप
फलीनारी सनीप्रियामहूनपाकरुनानिधिकी

२३
23

जिपलीजिपक्षूपनिहारी ९ ग्रीषमवासरग्रंगव
तप्यारीमनोहरइपवनावै नामैलिषोकमला
ग्रहिवारनरुष्हलिषोजियजेसोहैभावैवैठहुते
ब्रजराजसषानमैंदेकेसषीनकेहाथपठावै क
हैकविब्रह्मविचारकरोसकहापियनेतियवा
स्तुमैगावै ॥१०॥ सवैया फोटक ॥ मगहेरतिडीठ
हिरायगईजवतैतुमग्रावनऊेथवदी वरसोंकि
नहूंघनग्रानंदप्यारेसुजानवुफावतसोचनदी
हीयराग्रतिऊठेसोउहेगकीग्रांचनग्रांसुवुवावत
मैनमदी कवऊेसरपाइमिलौगेसुजानसोवैस
वहीरलोंजानिलदी १२ नलिनीविथुमथ्यकोंग्र
उकौरविछुरेपैजुउगफाउउावहिकों विचिद्रेवक
लोहहकोंमेलभयोफिरहमरोइपदिषावहिको
कविमंडनप्रीतिकीरीतियहैविछुरेजलमीनजि
वावहिकों गुनवोरगुपालकीग्राषिनतेउरफी।
ग्राषिग्रांसुविफावहिकों १२ जवतेंदरसेमनमो
हननूतवतेग्रषीग्रांपलगीसलगी कुलकानग
ईभूजिकेतवहीभटुप्रेमकेफंदपगीसोपगी क
विठाकुरनेहकेनेजनकीउरमैग्रनिग्रानिषगी।
सोंषगी ब्रजगांउरेनाउरेकोउपरोहमसामरेरंग

रेगीसोरंगी ।४।स्वकीया॥ किंकिनीनैकसमौनग
हौंछुपहैवोहुरीनसोमांगतीहै सकहाकहौंदे
वग्रनोषेनपविहूग्रानकीवाजनवाजतीहै स
कसारिकानुनीकस्तपिकीग्रधरानसमैउठराग
तीहै ग्रवनैकछिमाकरिदेषोइतेसषीग्रंछुषीग्रा
सवेमागतीहै॥५॥वीरहूरनकी॥एकदीनीग्रथी।
नीकैरेवतीयांइकजिवनकेकढिछामेकरै एकरा
मकैरेएकसासकरैएकसोचकीग्राषैललामेकरै
कविताषनुदीनुविजेचनसौंउरदैभुजस्यामेक।
लामेकरै निजग्रवरमांगेकदेवनुलैग्रजवामेवु
लामेसलामेकरै ।६। केसवफूलनचीग्रकूटीक
टिलोटनितेवलईवङ्कालीवैननसोचसंकोच
सनैननछूटगईगतिकीचलिग्राली वोंसकथी
रथेरांनथरोग्रवलैमिलिहौंतमकोवनमाली
वाकेहीयाननिकासभयोग्रवग्रापहैजोवनके
ग्रवदाली॥७॥कविन॥ कविकेविहारीवलिक
रतहैहारीनुतोकरनकहारीरोसउेसरविचारिए
जिनैदेषिहारीतैविचारीमृगनारीमारीकामकी
कटारीसीवेप्रेममनवारीए चनीछुंघरारीग्रनिग्रा
रीउनिग्रारीकपकारीरतनारीप्यारीग्राषैइतफारीए १८

सवैया ॥ पहिले अपनाय सुजान सनेह सौं क्यौं फिरि
नेह निनोरियै जू धन आनंद आपने चातक कौं गुन बां
धन मोह न छोरियै जू निज धार दै धार में कार अधार
गहै दह वानन बोरियै जू रस प्याय जिवाय वढाय
सुवैविसवास दै क्यौं विष बोरियै जू १९ हम कौं न मय
क अनेक न तैसे उन ही के अनेक विचार गहौं इत चाह
तिहारी न मारी उनै विभचारी कौ नेम कहा निवहौं
करवो ही सु मार ष सो ईके रो जिन वाई सुहाग लता नंद
हौं धन स्याम सुषो रहौ आनंद मैं रहौ नीके रहौं उनहीं
कै रहौ ॥ २० ॥ कवित्त मान नी को ॥ विष तैं विषम वात ला
गत है मेरी अब जब सु पैमी न व चित्त चक्र चाहै गौ
लाल फिरजै है फेर कव है न पैहै सुनि सौं तै सुषपै है
दे षउ षम न वाहै गो कहै दया देव कहौ काह की
न मानै आली मान है तो लौं गारू ढौ साची सी लै पाढै
गो मान की तौं वान है जो मानै ही वनत आली मान
कहा पान है जु पा केर सवाढैगों २१ कोकिस सी
वैली है सहेली क्रम्हिला यगाई फूली फिरैं मौं ते औव
लावै दाम वामकै कहै दया देव अनवनै के अवल
अंग विछसै है लागि रहै कारे कारहू पामकै इत ता अ
नो षी अनषा इलत अनषात जौन सी जनावै है का ।

हैयाटद्यामकें हाहाहमिवोलवलिछाडिदैछवो
लीमानऊैरवानविनछूटैकौनकामकें २१ आछैप
अवासआछैकमलाविलासआछैसोघनकीवास।
मिलिमधुकरगानसों रूपकेनिधानकाहूआयरस
मानआपेकहैदयादेवमिलिविविधविधानसों नन।
कोंसिंगारकरमनकोंग्रथारकरराधप्यारीप्यारकरप्या
रेंकरप्राणसों जोपैकिनमानमनमानतनमाननीतो
मानकहोमेरोआलीमानकरमानसों ॥२२ ॥ ॥ ॥ ॥

कवित्तस्कोटकपद्माकरकेवासकसज्जा ॥ सजिसेज
वालनंदलालकोमिलैकेलीपैलगनलगालगीमैल
किलमकिउठै कहैपदमाकरस्वचीरपैसवांदनीसे
वहैंऊैरवैाकननैमेंवनकचमकउठै झकिझकिझमि
झमिफेलिफेलफांपीयनकिरिहिरीफांकननैमेंकम
किकमकिउठै उरिडुरिदेषोंदरीषाननमैंदौरदौरदर
दरदामनीसीदमकिदमकिउठै १ झुझुझुहीझुझक
झुभीहैवारुचंदनकीवंदकझुनीनवैांकवैांकनवरी
हैवाव कहैपदमाकरफराकतफरसवंदफरकफुरा
रनकीफरसफवीहैफाव मोहमदमातीमनमोहन
मिलैकेकाजसाजिमणिमंदिरमनोजकैसीमहलाव
गोलगुलगादीगुलगिलिमैंगुलावगुलगजकगुला
वीगिलिगिडुकगलेगुलाव २ आषिनकीआमल
गिवंदकेप्रकाशलगिजेतेयनिवासतिनैद्वेविवाई
करती कहैपदमाकरकहूंज्योंवनवीथिनमैंपातषर
केतेगातफरिवाईकरती वृंदावनचंदनेदनेदनगु
विंदपुभहेंदरसलोनोस्यामदेरवाईकरती पैसेव
नवालनकेहरिहैहिरानेनाहिगनेहरिहोकोहीयो
हेरवाईकरती ३ ॥ कवित्तप्रभिसारकाके सजव्रजचं
दपैवल्योहैसषिचंदनाकोंचंदमुषवांदनीकेमंदसे

करतजात कहैपद्माकरमौंसहजसिंगारहीतेंअंज
वनकंजननैमैंमन्मैभरतजात थरतजहांईतहांप
गहैपिआरीतहांमैंजलमजीठिहूंकेमोटसेढुरत
जात वारणतैहेरामैतसारीकीकिरानतैंछकता
हजारकेफारनकरतजात ४ छहरकेहमकेस
हमकेजवाहिरकेफारिहिरीफांकनमैंहमलोंफ
तजात कहैपदमाकरसुथाकरमुखीकेहीराहार
नमैंतारनमैंहमसेजलतजात मोटमटमुकिल।
मतंगहल्लौंचलैवालभुजनसमेतभुजभूषनडुल
तजात फनाकीफकोरसोचहूंघांघांघारनमैंछव
भुमवोईकेघजानेमैंभुलतजात ५ फूमैफलाव
रजीनैफनामैफपाकिफुकिफमकिफलाकेफलं
फांकिनमैंफुलिफले कहैपद्माकरअनंगकीउमं
गअंगअंगनमैंअथरसरंगरंगउलउले उततउरे
जनपैअलकैअनलमघनलकेछुरासेहराहारतमें
भुलभुले गजवगुजारेगोरीगवालिगरिवीलीतेरे।
गुलगुलेगुलफयेगुलावीगोलगुलगुले ६ अमस
मोंअारसमसमहारतनसीसपटगजवगुजारतगरीव
नरकीथारपर कहैपद्माकरअनंगसरसानेछूटेवि
थुरेविराजैवारहीरनकेहारपर छाजतछबीलेछि

छितछहरछगाकेछोरभोरउठिआईकलिमं।
दिरकेद्वारपर एकपगभीतरसोंएकपैरेदेह
रीयैएककरकंजएककरहैकिवारपर ७ गो
कुलकेकुलकेगलीकेगोपगांउनकेजोंलोंप
कछूकौंकछूभारतभएोनहीं कहैपद्माकरप।
रोसपिछवारनकेद्वारनकेद्वौरउनश्रोउनगि
नैनहीं नौलौंएकचातुरसहेलीयाहिकोउक।
हेनीकैकैनिहोरेजाहिकरतमनैनहीं मैतोस्या
मरंगमैचुराइचितचोरीवोरततोवाहीयोंपैनि।
वोरतवनैनहीं॥८॥सवैया॥यहप्रेमकथाकीवि
थाहैवडीविनवीजहृथाहजढानेकहा पदमा
करयोगवियोगसंयोगकोलोंगइतोपहिचाने
कहा एकजाननतस्यामसहीयासिवायसकोउ
वषानेकहा इतनेहूनकेसुजाननतनकेमनको
सुषदुःषहूसरोजाने॥कवित्तवासकसज्जा॥
कोमलअमलवपुकेसरकनकद्युतिरुचिर
वहादरनूंचंदनचषकाइकर सेतसारीतिलक
विलकगजमोतिनकीकंठकंठमालसीसके
सनकुसमभरि कटिमृगराजगजराजगति।
कैसीगतिसखहिजराजदेषिद्विजराजनभवरि

१

लाजउरगेहूपरमदनसनेहूपरमनसोथीसेजपर
डौरेउगमगपवि॥१०॥अभिसारिका॥कनकवर

2

णबालनगनफवनभालमोतिनकीमालउरसो
हैभलीभांतहै चंदनचढाइचाकचंदमुखीचांद
नीसीगावतही अनाइकेपयारीमुसकातहै हूत
री विचित्रसामसजकेसुमरघनूठांपिनषसिषकों
निपटक्रुवानहै चंदकोलपेटकैसमेटकैनषत
मानोछोमकोंअनामकिपराजचलीजातहै ११
सवैया॥जोहूजहांमगनेदकुमारजहांचलीचंद
मुखीसुकमारहै फूलनहीकेकीपगहूनेअवसू
लरहोमनोकंदकोडारहै भीतरजातलषीसुल
षीअवबाहरजानपैरनहीसारहै ज्योंनसीज्योन
गईमिलिस्योंमिलिजातज्योंहूयमेंहूयकीधारहै
प्रातहीसेजतैनारिचलीमनमोहनरेवककीरग
योरह्यो अगसोरविनाथविहानभयोसुषकी
कैयोमृगनैनीकह्यो छूटवेनीडहूंरुचवीचर
ह्योउपमाकविब्रह्मकहैनभह्यो समनोजनते
जयकेयत्नसमेतुरितछुसमेरकीसंधिरह्यो
कवित्तषषीके॥सिंधुमरवरकीसुथारीसुरवर
पारफूलेतरवरजहांविपनसमस्तोहै ठांठी

तहांप्यारीसंविरहविहारीउषीरैनउजिआरीइत
वदनउजिआरोहै कानतैतरेंनाटूटिपरमपयो
यरकोंयरणीपरनकनीकनकनकास्योहै गे
मयरहरजीयज्ञानकैकलेकीक्रूरमानोवेदहर
वेदहडकरउरस्योहै १४ भोरभयेजागीअनुरागी
प्रेमपागीगरेप्रीतमकेलागीवडभागीभागभरे
है स्वथरेवदनपरविथुरेसुगंधिवारमधुरेसे।
करमानोपंचसरकरेहै पुषीमृगनैनीवालभूष
नसम्हारतहींमोतीछूटमांगउरकंचुकीयठरेहै
वेदकोगहनदेषिराहकेडरनभागशिवकीसरन
पैसतारेग्रानपरेहै १५ वीच्यतेचकोरवहूंडारसु
षवंदजानिरहेडुरदमनवसनयुतिदंपाके ली
लजातेवरहीविलोकिवैनीवनितागुहीपैनहो
तीज्यौंऊसमसरकंपाके कहैकविषुषीफिंग
भोहैस्योनयनहोतीकीरकैसोछाडितैअयरविं
वकपाके दाषकेमेफोराफलकनज्यौनियोव
नकीभोगावाटिजातेज्यौंनहोतीरंगचंपाके १६
सवैया॥ वारहीवारउतैनचितैरीतूंवावरीवाल
कहांयोकरैगी जौंकवहूंरमषानलषीफिरकै
सकैवीरीरीयीरयरैगी मानिहैकाहूकीकांनन

१

3

हीजवरूपभरीहरिरंगभरेगी यातेकहूंसिषमा
नभहूयहहेरनतेरहीपिंडुपरेगी १७ कनकाचल
केथरग्रेथरतैनिरवातसिंगारलनालटकी तिय
रोमवलीकिधौंसकरहैलषिवालभुजंगनहैठट
की चकचातककैकविलालसुऊंदनमारसिका
ररईफटकी मनोमैनमलंगथकोचहिंतगनेजी
रग्रीनपरेफटकी १८ ॥कवित्त॥ जैसेग्रहिमोरतै
रिसानोचोरभोरतैकुरंगसिंगसोरतैनमारजैसेद्या
मतै दारिदज्यौंपारसतैकालज्यौंसुधारसतैजाल
कनयापणिकोजैसेहरनामतै ग्रंथकारदीपतै।
वियोगतीसमीपतैज्यौंकामगतेमद्यनभजतस्याम
यामतै जैसेपकलोभतेग्रनेकसुषभाजेरामजै
सेभाजगयोहैपरमगामगामतै १९ कीनोमनसू
फउरमूफमीलगीहैग्राउऔरगतिभईथरहीनम
दीरहै हैगयोहैहैमोहिसुफलवैदेहैकोउक
हैगोसुहैहैनोलाहैहैडीलगीरहै लागैजाहिप्र
ननाहिकेतोडुघटनमोहिजीवतलग्योहैनाते
ग्रधिकग्रधीरहै पीमेरीवीरमेरीछातीपरपी
रपीरनवरीमिटैगीनवैछातीपरपीरहै २०
पीमेरीवीरजोमिलावैवलवीरजाहिदेहुंदा

ंबीरमेरोविरहबढाइलै मेंजनछपेकीपीरछ
पैनछपाईपीरपरीमेरीबीरनंछपाकरछपाइलै
मदनलाग्योहैआइमदनलाग्योहैयाइयाइकैलि
आवैधाइपरीमोहियाइलै देहरीथरहरायदेहरी
बफ्रोनजाइदेहरीतनकहाथदेहरीबफाइलै २१
अभ्योक्तसवैया॥ मौलसरीमधुपानछकोमकरंद
भर्योअरविंदअघायो माधवकुंजमेंखोरथका
पुनिपाउरकोनकिकैउठधायो मोनन्हीमङरा
यरह्योछिनसंगलियेमधुपावलिगायो बेपहिवा
हिगुलावहिगाहिसमीरचमेलिनहूंवङआयो २२
काहिसरोवरसौरभलैननकालखिलैजलजातिन
मेंको नीठचलैजलजेमअबैलपटायलतानह
मारगमेंकों बाटनहैश्रमकेपुनिस्वेदनखेदहवै
रतिरातिरमेंकों आवनजातफरोखनकेमगसी
तलवातप्रभातसमैकों २३॥मंडनकी॥ तेरीजो
मांगकोमोतीगयोसोतोकेमीकेघाटलियोनक
रैया मंडनहैरसकेचसकेउनकाहूसगवारके।
साथदिवैया तोकोजनावनहौंजोवलीअवतेउ
नेजातडहावनगैया मैनोंसंदेसोकह्योअपनो
अवजेहैनजैहैनोजानैवलैया २४ ग्वालनगोर

सैदेवकुरीजमुनामेंउतारनहैरसकाई मंडनस्थान
वडीसिगरीसुभईमनमोहनकेमनभाई अपनेअ
पनेघरकोंतकिघाटसवैचितवाहिदिवावडहाई
लैनैदलालललिहोरतकेमिसउँघटघाटतिरींछ
लगाई २५ अरुजोगलेआपमयाकरिकैउनकेजि
यसिंपठईसुठई अजूजानततहैवसवैजियकीहम
नेहकीगांठदईसुदई मनकुंपोवुकैनसंदेसनसों
विरहानलछेरलईसुलई निरदईसोनेहदईनक
रैसुगईकरिजावभईसुभई २६ अंगविभूतिला
गायमहासुखपैसहीजोहरिप्रेमहिपागै नाथकों
नामहीयेउसमेंउतकाहूकोनामसदाअनुरागै जो
गलियेजोमिलेहरिप्यारोतोकानफरायनहीदुख
लागै जोउनकेमनमानीयहैतोकहोरीकहासब
गोरषजागै।२७ ॥कवित्तशेषकों॥ कियोकहूंक
लानिधिकलाकोसीकरीकलाकियोनईकंजक
लीअवहीविगसिहै मेरुपगैवारवारमदनकसौ
टीलैलैकंचनकीटेरहैमेंसुकेलकैसुकसीहै मेष
कहैकियोरीतसीवीहैपिरघरसकियोरपिया
घरसैनेरंगमरसीहै सापराधसुनीयतहैमंजुउर
शीमेरैवनउरवसीपकन्हरीउरवसीहै २८ मोर

खिझौरनकैमनहिमेरोलेतसुविसुमकानमैंग्रने
कसुरफातहै तेरीहांसीलोगनकेहियमैंविसासी
होतगांसीसौंचलाइदेतपैरविललातहै आलम
कहैहोयनघायलसौंहूमफिरैलपग्रैलैनेनाव
रवोरवाहीयातहै काह्नसोनचितैहाहानिठरदरी
रीतग्रचितवनवाटकेवटोईमारेजातहै २९ छल
वेकोंग्राईहीसहेहोरेछलिगईमनछीकनोनछल
करीपठईविहारीहैं ननोवलिहैईग्रालीमोहि
येग्रवलसीहोसारीरूपदेखिदेखिरीजभीजहारीहैं
वैरिणनहोइनेकवेसरसथारोहोनोवलवेसरके
वैहैवेयमारीहैं शेषभणेलालमणिवेदीकीवि
दीहैपैसगोरेगोरेभालपरवारिफेरडारीहैं ३०॥
घडिता॥ मैनछविरैनकेउनीदेहगमूंदेग्रावेनीर
सीकेवसईटीवरनिदरतहैं पीयरोवदनभयोहौ
यरोछुवतमोहिसीयरोलगतज्यौंज्यौंनीयरेकर
तहैं ग्रालमसप्यारीजिनप्रेमकेपढायतमजा
केनितप्रतिउठिपगनठरतहैं कवसुकरापेम
भकरकिसीमाललालसुमकरविलोकेकितसु
करपरतहैं ३१॥ सवैया॥ कंचुकीनीलकसैऊमु
भीसुकनालछविकेउमेंफंतलछोरे नैनविसाल

मृणालकीसीगतिवालरसालविहंद्रुमथोरे नैक
चितैहरिसैंकविग्वालमवैचलवालचलीचिन।
चौरे जोवनरूपजगामगसीकोऊयामगरनारिगई
ननगोरे॥२१॥कवित्त॥वाकोवाकोलीजैनामसखी
सवलागीपाइननकसीरिसकोसकेलेगोविगाज
नौं हमसौंतनैनीभोहैंनमसौंकरैरीग्रांघेकामकी
कठिनग्रहमनपरौंमाननौं कहैकविगंगजोंनरा
वनकटायछेनकहाकैरनिपटनिसानोंजोवैवाज
नौं हाहाकरैंपाइपरैंमाननतनकौंहूलालकोलौं
कोऊकाठकीतरीसौंतोरोनाजनौ ॥२२॥ भौंहनकमा
नवाननतोहैतिरछौंहै नैनावैनहिमकरसमकोकि
लासीवानीहै कियौंवपिमतनाकियौंघनहकी
दामनीपैकियौंरूपरंभातानैजोतिग्रथिकानीहै
कहैकविगंगछविवरनीननायवाकोसतम
शरीरगोरेपीकप्रघटानीहै पेसीनीकीनायका
निहारियेनैनभरिजाकेग्रागेचित्रहकीरुतिरी
झिमानीहै ॥२३॥सवैया॥परकाजेहिदेहकोधा
रेरहौपरजन्यजथारथ्यहैदरसौ निधिनीरसुधा
केममानकरोसबहीविधिमंदरतामरसौ घन
ग्रानंदजीवनदायककहौकछुमेरीहूपीरहीयपर

सों कबहूं विस्वासी सजान के आगन मों अस आनहूं
लै वरसों १५ गेहत सों अरु नेहत जों पुनि षेह लगाइ
के देह सम्हारी मेघ सह्यो सिर सीत सह्यो तन धूप समै
न्पपावागिनवारी भूष सह्यो रहि दूषन ते रपरंच दरदास स
है दुःख भारी उासन छाडि के कामन ऊपर आसन मारि
के आसन मारी १६ ॥ बैनसंधिन्नाकी ॥ सो थी चितैन चि
तै न सकै हम कै न तिरीछी चितैन चितै गुरु ईषानकों ख्या
लन भी को लगै अरु काम कला को विलास चितै कवि
मेउ मनो वन सें थिम ई दोउ वैस को भाव लगैन हितै
विवहुं वके वीच को लोहू भयो चितजाय सकैन रहैतैन उ
तै १७ मानकी ओप है आय छरी अरी जोर सषान डरै हि
तकेउर नाहू टकी जियमानहूं वा परोप सी कटाय न हो
न नै वेवर लाल गुपाल कों हाल विलोकि अनेक छै
किन है कर सों कर नाकर वे पर वारे है प्रान कहा अव।
वागें हूं हां करवे पर १८ कंजन षी करकं जलीये सुस
कान की कोट छवेल हि वे पर अंग की जोर मरोर उठै
कहिं सकर मोतिन केद हि वे पर सी करवें सहम सी
करवें सहम अंग सवासन केग हि वे पर नाकर वे पर।
वारै है प्रान कहा अव वागें हैं हां करवे पर १९ ॥ कवि
नम्रन्योक्त ॥ जो लों सूलै के लकी अनेक छ विलीप।

६

6

आलीतौलौंहीवहूरफलआलिलपटायलै करिहै
प्रकाशजौलौंअंवरपीयूषनिधिधूजउतसुकतौ।
लौंदीपतिदिषायलै जौलौंनरहररसभरेहैरसाल
फलआवरीनिवेरीतौलौंउनमकहायलै रूपवती
राधिकासयानीकैहैमेरीऔंलौंतौलौंदिनचारदाम
वामकेवलायलै ४० याकौकविकहटावाहैवाउकव
कोरमोररोमोमहूरघतरूपरसपीयतै पकैचनस्या
मविनजीवोअनजीवोभलोराजारामकहादिनदश
पैसजीयतै सनोकरेगोहदेहमधुराकीऔरआलीलै
गयोनिकासप्राणप्राणनाथहीयतै यौंहीरहीतन
मैंतनकोसवासनासीऔंकपरदानीतेकपरकउ
लीयतै ४१ ॥सवैया॥ नांहलगेमखमोनदहेडुःखनां
हलगेमुषदेषदहैगो नांहस्यवैसषदेनहैकेसवनां
हसदासषदेनरहैगो नांहमोंनांहरीनाहिभलाई
भलीसवनांहरीतेनकहैगो नांहमोंनेहनिवाहि।
वलायलैंनांहमोंनेहनहांनिवहैगो ४२ ॥सिंहाव
लोकन॥ वनीहैतोआनकूलेकलपोमनकेरूष
भानकुमारिनजीहै नजीहैकदाचितकामिनीको
कुलकानमैंजाकीमननानकोपीहै पीहेविदेससंदे।
मनपायोपेमेरीविदहकोमैनसजीहै सजीहैतोमे

रोकहावसहै विसवासनवांसरीफेरवजीहै ४ ६
पलकैगिरिभौंहमुनैगिनसंगनवांऊंगहांव
रुणीवनवेऊं कंटककोटिकटाछभैरसलूटन
रोसफिरअतिऐंऊं लाजनदीघटऊंघटघाटकेआ
गैवैवारमनोजकीमैऊं कैसेकैदेषिपरीपीयमूरत
सोंतिनकीअषीयानमैंपैऊं ४४ रूपनिधानस।
मानसषीजवतैं इननैननकैकनिहारे दीठथकी
अनुरागछकीमतिलाजकेसाजसमाजविसारे
एकअचंभभयोघनआनदहैरतिहीपलपाटउ
घारे टारेटरेनहीतारेकहूंलगेमनमोहनमोह
केतारे ४५ काहूकेवंककवितैनिसंकलगावांक
लेकविसेकिनवीसें वाठकुराइनकीछविदेषि
विरेचिरवीकचिराएवेरजीसें दैहैंमिलायनमैरहो
निहारीहैआनकैरांवृषभानललीसें वाग्रनकी
सोंववाकीछ्वामोहनमोहिगऊकीसोंगोधनकीसें ४६
अभिसारिकाकवित ॥ निसअंधियारीकारीसा।
रीऊंढिआएप्यारीपियपैसिधारीलषिगतिमत
वारियै कोककीकलीहैमोरभीरसोरलीहैकि।
धौंआगकीलयकप्रमलपट विचारियै विज्जुकी
ललामीस्यामघनमैंप्रकासीकिधौंनामेडरी।

८

रेउकीकलासोनिरधारीये लियेजातकोउवोल परकोंफनूसएकवीवदीपवारेंदीपवारेंननि हारीये ४९ ॥मानको॥ सांफकीचफाईभोहैग्रज हून सुधी होत छूटैगोसनेहफिरभानजगवाढेगो जानैगीनिदानजोनमानैगीतूमेरीग्रानपंचवा नवाननकोंमानदैदैसोढेगो ग्रवचितवाहीफिर कौनजानैकाहैपुनिवानकस्योंगिरिधारीपीउपी उराठेगो मानकीनोवानग्रालीमानैहीवनतग्रा नमानकहापानैहूजपाकेरसवाढेगो ४८ ॥सवैया रसषानके॥ हेसजनीएकग्वारकोंछोहूगयावे नधेनचरायगयोहै मोहूनीताननगोधनग्रान कैवेनवजायरिफायगयोहै तादिनतेकछुटो नासोकेरसषानहीयेमैसमायगयोहै कोऊन काउकीकानकैरेसिगरोव्रजवीरविकायगयोहै मोरपषासिरऊपरराषैकेगुंजकीमालहियेपरा हरोंगी ओढ़पितंवरलैलकुटीवनगायनगोध नसंगफिरोंगी भावनतोहितकहोरसषानमैतेरेलीयेसभस्वांगकैरोंगी पैमुरलीमुरलीधर कीग्रधरानधरीग्रधरानधरोंगी ५० ॥सिंघाव लोकनवांसुरीकी॥ वांसुरीकीतानसुनीजव

नैनवनैतुरिग्रावतनैननग्रासखी ग्रांसखीउेन
रदेवनकौसिंगारीनरह्योकछुरेवकसोंसखी सां
सखीकौरउपावकरोंजोपरैहीयहाथनोलागत।
पोसखी पोसखीमेरैसदाईरहेसभईविसवासनसो
हीकोंवासखी ५१ वोसखीजवहीव्रजवाजतहैत
वहीछिद्रजातहियेपसखी पसखीनचरैत्रणताप
कह्यारसनाहनस्यामईहैरसखी रसखीजततजेचर
कीचरनीवरनैवरषवरसेग्रसखी ग्रसखीव्रजवा
लविहालभईनंदनंदनसोंनकछुवसखी ५२ क
वित्त॥ जेतीगईपानीतेतीधारत्वालिचरग्रानीपक
मुरफानीलेतऊरयउसासखी मुषतैनवोलैवोल
वैनहूतरीवषानपनलागेसिरमैनठेरेजातग्रास
री जितितितसनीनामछुलोंजितैषानपानमू।
लीऊलिकानसषीगिनीजातयासखी विषसी
लगाईकैसिषाईहैउचाटमेंत्रपेसीनटनागरव
जाईव्रजवांसखी ५३ मुरलीमुकुंदग्ररविंदसे।
करनगह्योग्रमीग्रपानतेवजाईरीफकैजहो
कैहरीऊरंगपकसंगकैसनतलागेभणोकवि
देवभूल्योभजनतुहूतिहो मीनथकेनीरमें
ममीरकोंपुनिमनिरविरछवकातहैचलत

८

सकोनहीं बोलैनबिलोकैरसनाथकीबिरैयन
कीपछाशरिबषमंदबारांचुबैलेरही ५८ दनुज
मनुजदेवपसुपंछीजीवजंतजेरैहैंद्रावनमेंबि·
सारसुपिचरकी छलैबैठेंउदरमजारनकीपीठ
परकोकिलकेकंठलपटाइफनलरकी कारी
गामकहैंगनिकहांजीवजंतनकीवेदभूल्योबिधि
कोंसमाधिभूलीहरकी छूटद्छूटबफननरंगसी
ससिंचनकेग्रानजलघबाजीवहैबसीवेसोयरकी
नाहींछिनभुनिग्रानिकानमैपरैहैबीरछूटजाइ
धीरऔरककजायसांसुरी मोहमयीप्यारेमनबा
रेमनमैंनयागिलागिलागिउठेकछुन्यारीपीर।
पासुरी पीवतहमारेपियप्यारेकोंग्रधररसला
जसुधमाजग्रहकाजकीनेनासुरी जेबहैकिमं।
त्रहैकिमोहनीकोमाटकहैमौनहैकिसालहै।
किबैरिनहैबांसुरी ५९ नवनेंऊमरकाङ्गा
वरीकलानिधान्वांकेकानपरीकहूंसुजस
कहानीसी नवहीनेदेवदेषींदेवतासीहंस
नेमेरीऊनसीषीजनसीत्रसनारिसानीसी छोरि
सीछलीसीछीनलीनीसोछकोसीछिनजकी
सीटकीसीलागीयकीग्रहगानीसी वैथीसी

विथिसीविषहृंडलविमोहितसीवैठीवहृवषत
विलोकतविकानीसी॥५७॥सवैया॥व्रजवैविन
मोतमर्इहुसकोंग्रथगानकोलेतसदारसरी व्र
नषार्इसीवोसकीभांसभरीमनमोहनेदेहीतान
सरी हूमनोडहूंभांनडषारीग्रजानसैनेनसैनेम
यौरेग्रसरी हूमतोव्रजकोवसवोहूीतस्योंवसरी
व्रजवैविनतूंवसरी॥५८॥कवित्त॥वाजीउठियार्इवा
जीदेषिवेकोंहारयार्इवाजीवृकलानीसनिवंसी
गिरधरकी वाजीहूंसिहूसिवोलैवाजीसंगलगी।
डोलैवाजीपुरकानीहैविसारिगिधिधरकी वाजि
नकीछातीपीरवाजीवेसम्हारेवीरवाजीमनयरै
पीरद्यावेपरीनरकी वाजीकहैवानीवाजीवाजीक
हैकहावाजीवाजीकहेवाजीवेसीसामरेसुघरकी
सनिरीग्रपीरपेसीशूलिजिनकहैवातमतिकेगप
नेकैसेपतिसंगराजैगी ग्रवनगपतेसषववन।
सनेगोकोनजोवनगपतेसवसलिनमंगलाजै
गी कालीर्इगपतेव्रजपानियउतरजैहैउोरहां
कहालोंकहोकोलोंतोहिछानैगी जोस्योहरि।
हासस्योलोंलागमैंप्रगटहोयजर्इयोरहवोसरी
नहोयगीनवाजैगी॥६०॥सवैया॥ग्राजमहूपक

२१८

गोपवधूभईवावरीनैकानंग्रागसम्हौरै मातपिता
मनदेवनहूजनतसासमयानोसपानैंघ्रकौरै यों
रसषानषरीसिगरीब्रजग्रानकेग्रानउपाउवि।
चारै कोऊनकाहूरकोकरतेवरहूवैरिनवोस्हरी।
ग्रागमैडारै ८१ ॥कवित्त॥ निरषेनिवाहूतेऊंकै
सीहैकठोरहूमावोरीहीमेचाहैचितकारीकेस
पातहै मेषकेहूपकवारकाहूरकोषोरग्रापैठो
ररहैमानमठौरतैंऊगातहै मोहनीसेवोलकार
तारनकीडोलमिलवोलडोलदोऊवटवारवात
वातहै नैनादेषस्यामकेसैवनाकेससनेमाईवे
नासनैनतिनैकेसैनैनादेषजातहै ८२ ॥मुक्ताभि
सारिका॥ फूलनकेग्रभरणसवगजमोतीस्वेत
स्वेतहीवसनउजियारीग्रतिजामिनी चलीस।
खीसंगपैनदेष्योकाहूंग्रंगरंगजोंन्हसीनहैया
मैंनपाईजातकामिनी तीयकोग्रभावजानग्रा
तरहैप्रानपतिपूछनसषीसोकौंनग्राईगजगा
मिनी मंदमंदहसीप्यारीचकचौंधेवनवारीग्र
मभयोभारीचांदनीमैंकौनभेदामिनी ८३ हीरा
कीदमकजैसैन्नगुनोकमकजैसेविजुरीचमक
जैसेहोतचमकानहै सषाहूकोनीरजैसेनाह

हूंकोवीरजैसेसेनावककोंनीरजैसेकरनपयान
है सोभाकोसमूलजैसेफूलफरीकोसूलजैसे
सेनकोंत्रिसूलजैसेंराष्यींपरिमानहै धूमपवि
गजैसेज्योतिससिभानजैसेकंचनकीषानिजैसे
तेरीमुसकानहै ९८॥सवैया॥ ग्रालससोंमुखछू
टीलटैपटमैलेभएनैंकह्माभयोतीके सौंनसिंगा
रकियोतनकोंतऊजोवनरूपसुहावनोपीके षंज
नसेद्दगवाहवैनविनग्रंजनहीमनरंजननजीके को
टिकरौंनमिटैगुणतेजसमानकपोलपैटननी।
के ९९ वोलसुधासमवैननचैननैननसैनन
हैरहरीमति हेकविनंदनगोकुलचंदपैजाति।
ग्रनौनग्रहीरनकीजति नजिमोहिवल्योपरदेस
पीयासोग्रवेरग्ररेनिरदैनिरदैपति तेरीसोंतो
हीसोंसुकतिहौंकहूंमेरीसौंमेरीकहाग
ति॥१००॥ कुचकुंपरमोतीकीमालफवीगिरिराज
सुतागिरितेजुटरै कविब्रह्मभणैग्रवलीजमुना
भवसंगमपातकदोषहरै तरुणीकेनषछुत।
कीउपमालियमैजचुभीकवहूंनटरै कुलका
लिमामैटिनकौंरजनीपतिमज्जनसंगममध्य
कै १०१ मातंगरैदनकीगतिछ्वरगजूरमरीछ

विसेंभरिमामन ग्रांचरकीउलहामनपेंठनमो
हननैननकीउरफावन कौलसेहाथमहेरीके
माथपैगाथमिलीमधुरेम्हरगावन ग्राविनमैं
हिलगानलैहूपलरंगरंगीवहप्यारेकीग्रामन

कवित्त॥॥विदामांगीमोहनविदेसकेसिधारवेको
मोहनीसोकहीसभचिंतकसभाषिवो म्हकवि
नेरानमपगानपरवोलीवालिग्रावैकोऊउलनै
संदेसोनाहिग्राषिवों टीकोकरिग्रोफलदेकरि
करजोरकह्योभोरपीयगमनम्हतोसोनसमाषि
वों राषनरहनतपनोजानतरावेरकेसगपनोप्राण
नाथमेरेप्राणनीकेराषिवों ६९॥सवैया॥मेरोंस
भावचितवेकोग्रालीरीलालनिहारकैवंसीवजा
ई ताछिननेमोहिलागीठगोरीसीवोरीकहैहवा
वरीग्राई कासोंकल्याणकहोंरहवेदनजानेलहै
कियहैजियवारे जोकोउग्रापनोवाहेमलोनोंस
नेहनकाहूसोंकीजोपमारे ७० मायिकेमैंमनभा
वनसोंपरजंकहेग्रंकनिसंकभरै हगमदसेकोव
नषाति हदासतिरामजोकामकलोलकरैं रतिरं
गसमैंमगरूलोगनकेजनकाननमैंफनकारपरै
रहलाजलगैकजननमंजलपेजननणारनकीपकरै

बानकहीसुकहीबलवेकीनयौंकवहूंवहू
सौंउरग्रानवी ग्रासुबलेसुबलेबलिबोंसुनि
भूषहूघ्यासबलीपहूचानवी जोकहूंजानक
होगेग्रचानकेदेवनूतौनिहूवेकारिमानवी हूं
फिहैंप्यारेकिसूलिहैंप्राणपेयातननैउरमान
नजानवी १२ ॥कवित्त॥ कलपतरुहैकहूंलत
नचलनकह्योविरहदवालौदहूरहूकैदहूकि
दहूकि लागीरहैहिलकोहूलकिसुकिसकि
होयोंदेवकहैगरोंभयोंग्रावनगहूकिगहूकि
दीरघउसासलैलैससिसुखीससकतिसलप
सलौनोलैकलहूकैलहिकिलहूकि माननन।
वरजैसुवारिजसैनैननैवारिकोंप्रवाहूवह्यो।
ग्रावनवहूकिवहूकि ११ ॥सवैया॥ रूपछकीग्र
लवेलीनवेलीग्रनूपमकीसीभरैननभामरै बा
टमैंठाढीउचाटलगीसीलगीठगप्राणकरैनउ
छावैर गामकेगवैंडेंगलारेगलीनगाहूरकौंछ
विनरीननताउरै टेडीचितौनमेंपटीसवमन
कीनोलहूरीभहूइनभामरै १४ ॥कवित्त॥ ग्रंग।
ग्रंगग्रांगीभीजीग्रंगग्रवरागभीजेग्रपरनमो
लभीजेविद्रुमसेंफलकैं गतिभीजीग्रारसह्रो।

लाजभीजीचितवनह्नैंसहजसीलभींहैभीजी
प्रेमभीजीपलकैं आपेलालनेकदेषोंउरिनीठ
पीठपाछैंगाकेकाजैलेनहूतीनिसदिनलल
कैं नैनाभीजेनेहंगगवाणीकोविलासहासर
सभीजीआपउफ्ललेलभीजीअलकैं २७ कान
ननकतसिषकानवफिरननितअतिहीहठीली
फिरपाछैंपछुनाईहै भूलिजैहैयामकामअंग
नेमैंहैवामनेनसरलागेहैंसिहूमिमिगिरिजायहै
अवलोनमाननहैमेरीकहीवातनसपाछैंज।
लजातनकेपातनविछायहै उठकहूँअहेमन
मोहनकीमंजुछविदौरदौरअटनचपोकोफ
लपाइहै।२८॥**सवैया**॥आवनलालरसालकोवा
लिसुनेनतरंगअनंगसिषाय भौंहनमानोस।
मानदोऊरंगउरेछुटेसपटेफहराय कानल
रेषलगामदियेअहलाजजंजीरनसोंअटकाय
नागकहेफिरमोरकेवागकटाछुपुरीकरफेर
दिषाय॥२९॥**वांसुरीकी**॥मंडरातरहैधुनि।
काननमेंअजनकेउपगजिवोंईसीकैरे व्रजमो।
हनगोहरसोंअवलषिनमाफवोंईसीकैरे व
नआनंदनोषियेतानननसोंमरसेसुरमाजिवों

ईसीकारै कववकीयहूवैरनवांसुरीघाविनवाजे
होवाजवैंईसीकारै १८ देखयैंग्रारसीलैवलि
नैकलसीहैगुराईमैकैसीललाई मानहोंजोति
दिवाकरकीघुतिष्टरणाचैदहिमेरवैग्राई फूलन
कंजकमोदलषैचनग्रानंदद्रूपग्रनूपनिकाई
नोमुखलालगुलालेलायगैमोननिकैउरहोरी
लगाई १९ ॥कविननेत्रको॥ खंजनकैंषिसाजहै
रैहरिपाहिगतजलजातकलजाननोहिमोती
ठहरातहै दीपकमलीनमीनछीनलागैमेरेजा
नपायेतीनरंगतातेप्रतिहीयरातहै पंचसरकी
नेरदभौंरेनकोंश्रुलमदनटसेविचित्रमनहो
मेठहरातहै परवतपियारेमधुसूदनतिहारेने
नमारननिसंकनकलंकमेंदुरातहै ८०॥षंडि
ता॥ ग्राजकहांजागेलाललाललालसोयनहै
लटपटेपेचपागग्रारसरसापहो वानोपलटाप
लषषांपवीरादेषियतप्रतिरीग्रस्रांपेनिसवि
रूपग्रटापहो मेरीतोसहूलसहूलवांकेजेथ्रव
लिकलिकेवियोगसोंग्रलीनसुरफापहो ग्रा
पहांमनायवेकांमेमनायेनारकविमेरीसोंद
मानोकेसमाननीमनापहो ८१ ऊंचकाग्रके।

लीवनवेलिनमेंगाईह्नीकालिनकेगूंदवेको
हारपरभावरी मालतीकेपेडनरनरफफारफ
उझैंमुऊटकीलटकचटकचिनवावरी ऊंदन
हरनमनहरनमनोजछविननमुथमूलीग्रवक
हेंकिनजोंउरी वहनोहेंकारेंवाकोंग्रवरहेंपी
रोमोहिकारेंपीरेंमफनकावफनहेंवावरी ८
वदनमगहोमेंछवीलीछविछाकेंमदग्रयपि
यालेंछिनछिनजगरहनहै ग्ररमायपोढनक।
पोलपर्यंकपरकवहूंगजकजाचाषनवलनहै
हैमलेंगमाथीजेनेरहैमवग्रंकभरिछवोर्इर
हनकोठकुछनाकरहनहै वातनेकेहनेऊकि
उठनपेंशयमारोवेसरकोमोनीमनवारोहीर
हनहै ८१ ग्रंगकेसुवासपासमंडलकनराम
भौंरनकीभारीभीरदेषियनभोरनै मननकह
नलोंनेलंककीनिकाईलषिलवकनविपुल
निंनवऊकिफोरनै पाइनलोंपुलीटरदामि
नकिनारीगजमुकतानफिगमारीजरनारी
कोरनै स्यामघनघननैनिकसोंनिंसकमानो
वंदमुषवपलानपैसोवहूंग्रोरनै ८४ खेल
नरमनपियप्यारीदोउसेजपरग्रतिरसव।

२

समयपञ्जयपुसमैवाफिकै वातिनह्वैमांहिक
छ्नुवालञ्रपमानकीयोंलालरिसषायकरवट
लपीठहिकै पारीज्यौंप्रवीनतोमैंकेसीचतुरा
ईकीनपीठसेंलगायछातीकसीञ्जलिगाफकै
श्रीफलसेफलविवन्नूवरीकेभायऊचपीयनी
घरिसकीकरकलयोकाढकै ८४॥सवैया॥ञ्ज
गमपत्निका॥करकंकनकूजनकागठओपुनि
वांईभुजामिलवेफरकी घरञ्जापलतीफडूला
सवथ्योंसगई छुभिवारुचुरीकरकी ञ्जवप्रेम।
नदेनञ्जलिंगनमेंसतोपाठहूकीप्रगियांतरकी
मनोनेहूसमीपकोंमेहूलग्पोविरहामठकीग
मरोदरकी ८५॥कवित्त॥ठुपहरीकेफूलमा।
हिखेतकियोकमलचमेलीकलीचांपनचषन
को विद्रुमकेसंपुटमैमोतिनकीलरीयरीयका
यकीपरीनैनदेषिहूनेचनकां कियोंकोकनद
मांहिञ्जलिसिसुनवेठ्यौ ञ्जानिप्रेमीप्रेमभस्योहैस
वासनावसनको कियोंरलालकेसेंदागरी
येरागदेनकियोंचितळीनलेनसथिहैननतको
वेदसुषीमिसीस्यामरातञ्जतयुनभोनवारनीमें
वोरकोरेछाप्पाठेरैमनको ८६॥सिंचावलोकन

१३

13

सवैया॥ तालकी दिव कही छवि मैं उलटै न उठाय भये अब बालकी वालकी यौं पतै वाहू मैं ही मषतूलके तारतै कीटकी जालकी नालकी छोर न मैं मन जो भयो सो अबछूटत नाहि नै बालकी वालकी वा त गई मिटकै थिर है गिरि सी गति हूं रही तालकी ८८

आगमपतिका॥ कवित्त॥ सुंदर गुलाब गुलाला लाल मोल पैटि हौं री उरबन सार ले सुगंध नसों भरि हौं उज्जल अंगोछन अंगोछि हौं उछाह करि अंजन की रेष रेष नीकी उपचरि हौं कहै कवि देव हौं सुरु निहौं जो मिलिवै की ताही को निहोर उर रोस रेनउ रिहौं फेर कोनि संक वलिहारी इन मोजन की पैहै वर लाल तो निहाल तोहि करिहौं ८९ सकल सुगंध करि मैं जनन बनसार तोहि उज्जल अंगोंछ अंगोछो अंजन सुधारि हौं लगन न देउ पल पलहू नेपक पल मिले अभिराम तन पतति निवारि हौं कहत प्रवीनराय मोजन हूं फेरक वैकी मन वारि है नैन यौं वचन प्रतिपारि हौं जो दिनो मिलेगो मोहि इंद्रजीत प्राण प्यारे दाह नैंकों मुंदउनि ताही सो निहारि हौं ९० ॥दोहा॥ मरमर उधनी यउपनी यों नव मैं विछुरे पीय केसे कै धीरज धरौं मरमर उध

पकजीय ९१ ॥ सवैया ॥ सिंहावलोकनखंडिता ॥
कागहीयैगुणऊँगुणगावरेऊँगुणहैतोहमारेई
भागही भागहिरैनपरीउनकेहमैरेभयोभोरल
पेटतपागहि पागहिआयेउहांउनकेअन्नमैटोल
लाटकेनावकदागहि दागहिजेरतीयांसखीयान
कीभोरैरतितेजउआवतकागहि ९२ भोरहिआयेहौं
विक्रूडगावतपेचकुटेसंगतेकितवेरही वेरहीनू
रविकीकिरनेहमसामरेसोवककवीगतिहवेरही हवै
रहीजेजीयमेंवनीयांनिसवीततहीअहीयांगय
वेरही वेरहीहनूतरैयांसवैतुमतेहमसेऊरकहा।
कहाकहैभोरंही ९३ लाजकेलेपवफाहिकेअंग
थकेसवसिष्याकेमंत्रसुनायकें गारहूहैसवलो
कथकेकरिऊँपथवास्कीसौंहदिवायकें रुयौ
कौंकोरमषानकहैनिनतानपरयौंईहनेहउपाय
के कोरविसारेकौंवाहैउताहौंअरीविषवावरी।
रावलगायकै ९४ ग्वारिनहैकभुजानगहैरस।
षानकोंल्यावैजसोमनपांही लूटतहैवनमैकहीं
हीमनमैकहाहीसषीलूटकहांही अंगसोंअंग।
सौंज्यौंलगिजाततसौंत्यौंनहीअंगहिअंगसमाही
वेमवलेपकलेपगपकडपपगवारकहौंपिरनो

हीं ९५ कहूंसोंकोरसषानकहैअरीषेलैउहो
नहींटेलैवसै सुषमोररहैजितहीजितहीतित
हीतितहींउकस्योंनिकसै वहकाहेकोंमोतनर
हेरहसैइनकाहेकोमेरोहीयोहुलसै अरीमात
कीवातनजातकहीसषीवाहिकसैनहिमोहिक
सै ९६ ॥कवित्त॥ कंचनकेमंदिरनडीठठहरातन
हीसदादीपमाललालमानकउजारेसों ओरप्रभु
ताहीतेहोकहांलोवषानकरोंप्रतिहारभूपभीर
टरतनटारेसों गंगाजूमैंन्हायमुकताहलल्टाय
वेदवीसवेरगायध्यानकीजिपसकारसों जैपैए
सैभयेतोकहाहेरमषानकहैचितदैनकीनीप्री।
तिपीतपटवारेसों ९७ सवहीकेफोटाहमआप
नेसमदाचाहैसभहीकेकाजमिलदोऊप्राणीया
वंहीं नेऊरमषानघेरहरतेतमासोंदेषेतरनतेरे
यांकेनिकटनआवहीं अदिनकीवातअनहितन
कीकहावलीहितजेकहावैतेऊवुंचनडगावहीं
हाहाकरैषालीदैषोंदेतवतालीअवकालीतेन
सैवनमालीकोंकुरावहीं ९८ ॥सवैया॥ केस
रियापटकेसरषोरलसैउरगुंजकोहारढगारों
देषतहींककवीरसषानघरेअंगनातमडीठनठा।

रों कों हमू आपनीयाकोविसेंावनठौरविकाऊसें
रोकतहारों हैनोविकाऊपैलेतवैनेहमवोलति
हारैंहैमोलहमारो ११ आपकहाकरिकैकहौ
येहपभानललीसोंललाहगजोरत नाछिनैतेग्र
सआनकीयारनतोरतयदिपलोकनिहोरत वेग
नजाऊ३तैरसषानसकौंअभिमानसैभौहैमरोर
न ध्यारीवुंदरहोहिनध्यारेअवैपलआथिकमें
अनवोरत १०० तेरीगलीनमैंजादिनैतेनिकसो।
मनमोहनगोपनगावत तादिनतेअजकेसवलो
कसोकौनसीगुरिजोनाहिजनावत वेरसषान।
नोरीजनतैनकतोंन्हअवकौंनवनायरिकावत
वावरीजोपैकलंकलगोतोनिसंकहैकौंनहि
अंकलगावत १ दानीभयेनयेमांगतदानसुनै
जोपैकंसतोवांधेजेहो रोकतहोवनमैरसषा
नपसारतहाथघनोडरषपैहों छूटेछगावछरादि
कगोयनहैमोसवैयनदैहों जैहैअभूषनकाहू
तीयाकेंतोमोलछलाकेललानविकैहो २ संक
रसैसुरजाहिजपैवतगाननध्यानजुपमैवयाहै
नेकहीयेमहिआवतहोजडमूडमहारसषान।
कहावै जाहिजपैभुनवंगवंगनावारतप्राणन

वारलगावै नाहिंग्रहीरकोछोहरीयांछछियांम
रीछाछकोंनाचनवावै ३ देषिह्वैवापरराधिका।
कोंविनध्यामह्लौउककसांदपदानी ध्यायेवनै
गललोगनमैंरसषानकिनीजियजानरिसानी
वाहेकोवाहमैंचाहतवाकभिनीग्रषीग्रारसमैं
सुमकानी नेहकेसहकेसयाकेममोपदीयेंपीय
धारकेथाननपानी ४ यासुषहेतसरोसफणेस
गणेसारहेनितध्यानविचारै यासुषहेतजपैमसि
भानमहेसविभूतिकलेवरधारै यासुषमोहनवे
सवंहूंसुषनैंनतहीनेनतनगामसुकारै सोसुषमो।
हनंनंदकीनारडहंकरवांधचेपेरनमारै ५ वां
सुरीकी॥ ब्रजकीवनितासवजायकह्योतेरोफा
लोंविगारयोकहाकसरी ग्रवतहमकोंयमका
हैभईजोपेकाहूलीयोतोकहारसरी रसषानस
वैमिलवेरकैरवसनैननहीटेनदिनादसरी हम।
तोब्रजकोवसवोहीतजौवसरीब्रजवैरिणत्
वसरी ६॥कवित्त॥ड्योंप्रति॥ वृंदावनचंदसु
केचरणाछुआयोचाहौहमहंनैलिषनोंपुनायों
वाहौभीनकैं नाननतनछिओपांवनाचतहैवहो
नाचषलनतहैरावग्रपनेहीहारजीतकें कहैक

विकासीरामम्याहैनवरानगहैनम्हैनाहिलामे
अलिवानकहूंश्रीनकैं वावेरेभयेहौंऊयोंवाव
रीकरहूनवानैंरूपकेविवाहगीनगावनमसीन
के ७ ऊधोआपेऊधोआपेअतिहीउछाहभयोऊ
योंपकनईरीतब्रजमेचलाईहै वरघरउहितास
हागालीअैअैसेकहैभोगनजैंजोगकरोंयहोलि
षीआईहै जौदिनतेलिषीपातीविरहजरनछा।
तीठाकुरसहातीकहौकाहैकोपठाईहै वेतोम
पेवावरेयेरावरेविचारदेषौजीवनषसमकाहू
भसमरमाईहै ८ यहूनहियोगयोगसहूऊधव
कहौयोंकाहूकपटीकेतनैटै टूउरसकविब्रज।
अंगनाछूदिनभईलैसषनीदशपालहिसटै ब
सांरंप्रनजिनानपुगेसरप्राणपयानउलटिपल
है एकमदसमहारविरहीजनविरहकीवानहो
नहींयफटै ९॥कवित्त श्रीपतिके॥जाकेअंबुजा
सनषगासनवृषासनमहेससेसआसनसिंघास
ननैरगहै नापरअनेकव्रह्मरूपनकीमेननहोंवं
दहैविनानछोहसीमपेकैरहै श्रीपतिरहनजा
केवाकरमेवारहदिवाकरषहैरहै मंदिरकेपना।
धीसहारपेकलंदरमेवेदासेवाहरपुरंदरपेररहै १

चरणसरणनाके ५

देवदिगनारेजाहिगामैदेवनारेनारपतितअनेक
जितेनभयेननारेहै रनारैनैननतैनैसकनिहा
रेजननकैईकोटिदीननकेदारिदविहारेहै श्रीपति
उवारेनभलीनघनकारेजसथाकेकाहूकारेरा
यान्केप्रानप्यारेहै नंदकेदुलारेपरायरकेपर
नहारेमोरपंखवारेतेतमोररखवारेहै ॥ पसे
ब्रजराजपककौनकविलोकोआजुभानकेउदो
नवृषभानकेमहलपर विनजलधरविनपावस
गगनविनचपलाचमकिचारुघनसारथलपर
श्रीपतिरसिकमनमोहनमुनीमनकेगानितरु
चिरचारुचपलाअचलपर तापैपककीरडुंबवा
पैहैनखनयुगनाचतप्रफुलितस्यामलोहितकम
लपर १२ मीनसैंजलाटनहयाटनदिवाकरसों
इंदुसौंगजाटनउभाटनाविनालसों श्रीपतिसु।
जानराजवटसोंनवटहैमघटसोंनघटउनटस
सिपालहो वालिसोंवलिष्टनासुनीमहैवसिष्ठ
नुसौंउरनाकनिष्टकोउकुलमकरालसों अ
मीसोनमिष्टहैनमेरसोंगरिष्टहैनमीचसोंकनि
ष्टहैनइष्टहैगुपालसों १३ अंबसोंनफलगंगा
जलसोनजलउरमनसोंनचलजोअमनरहैसे।

गीसों श्रीपतिसुजानकहैकोंजीसोंनआपकाजी
नाजीसोंनवाजीऊंजनहाजीनाफिरंगीसों चंदसों
ननापरकेमसोनपायकरहूमरोनवापपरग्रंथ।
नग्रंथगीसों जमसोंनजेगोगुरुनाथसोंनग्रंगी
ऊरगुत्रसोंनसंगीकोऊदेवनात्रिभंगीसों १४
कृस्नचंद पडतेपुराणाकोंनपंडितप्रवीनपाट
प्रघटनहोतेरूपध्यानकोनधरतेहूकतोनराग
कोऊसममकनपरतीऊछेहेदावनचंदजोनआ
निग्रवतरते दत्तकविदेवऊरसिकरसलेतेको।
हाछुरकेसादिकतैंकोनभांतितरते नेदकैनहो
तेकाहूराधाहूप्रमानजूकेगुनीगुनिगायकहा
कविनाकविकरते १५ ॥महादेवजी॥ कूरमपै।
कोलकोलहूपैसेमकुंडलीहैकुंडलीपैफवी
फैरसुफनहजारकी कहैपदमाकरसोंफण
पैफवीहैभूमिभूमिपैफवीहैथितिरवितप।
हारकी रवितपहारहूपैसंभुसुरनायकहैसं
भुहूपैजूटजटाजोतिहैअपारकी संभुजटाजू
टहूपैचंदकीछुटीहैछटाचंदकीछटानपैछ
टाहैगंगधारकी १६

ॐ स्वस्ति गुरुदेव। कवित्त॥ मूषक सवारी दुष्ट दूषक
मैं हारी शुद्ध सूषक प्रहारी कोटि विघ्न कोरंदा है
लेवोदर नाम सेवै काहू मन काम को रसूर को सो
धाम भाल चंदन को विंदा है वड़े वरदानी सेवै सा
रदा भवानी देवै मुक्ति मनमानी छेवै पापन को फं
दा है सो है गणकुंड पर वंदन मुसंड पर संड पर के
न्दु यै रसंड पर वंदा है॥१॥ दोहरा॥ गजमुख समन्मु।
ख होत ही विघ्न विमुख है जात सौं पग पर तत्र
या गमगपाप प्रहार विलात २॥ कवित्त॥ समस
त गुण को कि सत्य ही को सत्य ससम सिद्ध की प्रसि
द्ध की सद्ध द्धद्ध मानीये ज्ञान ही की गिरिमा कि
महिमा विवेक की कि दर्शन ही कों दर्शन उर आ
नीये पुन्य को प्रकाश वेद विद्या को विलास कि
धों जस को निवास केशो दास उर आनीये मद
न कदन सुत वदन रदन कि धौं विघ्न विनासन
की विधि पहचानियैं॥३॥ दोहरा॥ विघ्न हरण मंग
ल करन तुलसी सीताराम अष्ट सिद्धि नव निध।
के वरदायक हनुमान ४॥ छप्पै॥ पवन पुत्र हनु
मान वीर रस भनो रूपम जैं असी कोटि नव लाख
भूत ते रे उर भजैं लपाये संजीवन हती छिन के मैल

उ॰
१

छमनआयो धरवनचरकोभेषसियालैरामसि।
लायो कहोनोउतगिरिचफोकहौंइंद्रासनटारौं
वैठपतालेलेभेदिशेसकोभारउतारौं हौंयुग्रनुचरर
घुनाथकोरामप्रतापरतनीकैरौं उठायलंकरा
वणसमेतदक्षिणतेंउत्तरधरौं॥ ५ ॥कवित्त॥ ह
रिकोसोवाहनकैविधिकोसोहंसमहंसलीकसी
लिखनवपाहनकेअंककों नेजकोनिसानरा
मसुद्रिकाविमानकिधौंलछमनकोवाणछूसो
रावणनिसंककों निरिगजगंडतेंउडानौकेसव
णअलिसीतापदपंकजमदाकलंकरककों हवा
ईअैसीछूटीकेशोदासआसमानमेंकमानकेसो
गोलाहनूमानचल्योलंककों ६ सहजहीसेल
कंउमहाराजिरघुरायपहमीहलनमहादलकेप
यानतें चिंतामणिकहिमनसवनिसानघेन
वैरीवनवसतविहीनखानपानतें पवैपिसाच
नहोतडरदयकोनसनिहकैकिलकोनभागदि
गानदिसानतें गकवैहैगिरिसमगरदसोभरि
भरिगिरिजनपरेविमानआसमानतें ७ भारके
उतारवेकोअवतरेरामचंद्रकिधौंकेसोदासभू
रभारथप्रवलदल छूटतहेनरवरगिरेगणगि

रिवरसूखेसबसैंरवरसरितासकलजल उच
किचलतहैंरिदचकनदवकनमेंबद्धेसोमह।
कनभूतलकेथलथल लवकलवकिजानदे।
षकेअसेषफणभागगयीभोगवतीअतलवित
लतल ८ कहिकेसोदासराजचेंद्रसनेंगामचे
ह्रावरीजबहैंसेनाउबकिचलतहैं रुरतहैंखरभू
रीदसनग्रामपासदिसदिसवडमोंवनैहिवल
तिहैं पत्रेंगपतेंगपतितरुगिरिगिरिराजगज
राजमगमृगराजनदलतहैं नहांनहांकुपरप
नालश्रपग्रायजातपुरनकेसेपातपुरसीदल
तहैं ९ सोवोएकनामहरिलीनेसवडषहरिश्री
रनामपरिहरिनरहरिठायेहैं वानरनहोतनम
मेरेवाणसरसमवलीमुषसरवलीमुखनिजगा
येहैं। साखामृगनाहीबहिवलनकेसाखामृग।
किधोंवेदसाखामृगकेशवकोंभायेहैं। साधुह।
तुवेंतवलवंतजसवंतनमगयेएककामकोअ
नेककरिआयेहैं १० नावपुरखरपुरतोरवन
हरगिरिसोषसोषजलभूरिभूरिथलगाथकी
केसावदाससग्रामपासठोरठोररषिजनजिनकी
संपतिसवआपनेहीसाथकी उत्ततनवायेभू

उ० २

पउन्ननवायेन्नतशत्रुनकीजीविकासुमित्रनके
हाथकी सुदिनसमुद्रसाथसुदानिजसुहितकै।
आईदसदिसिजीतसेनारघुनाथकी ॥११॥ सवैया॥
राघवकीचतुरंगचमूचयकोगणैकेशवराजस
माजन सूरतुरंगनकेउरकैपगतुंगपताकनकेप
टसाजन टूटपरैतिनतेमुक्ताधरणीउपमावरणी
कविराजन विंदुमनोमुखफेननकेकिधौराजश्री।
श्रवैमंगललाजन १२ राघवकीचतुरंगचमूचय
धूरउठीजलहूथलछाई मानोप्रतापहुताशनधूम
सुकेशवदासअकासनमाई मेटकेपंचप्रभूतकि
धौविधिरेनमयीनभरीतिचलाई दुःखनिवेदन
कोभवभारकोभूमिकिधौंसुरलोकसिधाई १३
कवित्त॥ कुंतललललितनीलभ्रुकुटीधनुषनैनकु
मुदकटाक्षवाणसबसुखदाईहै सुग्रीवसहित
तारअंगदादिभूषणनिमध्यदेसकेशरीसुगजग
तिभाईहै विग्रहानुकूलसबलक्षलक्षऋक्षबल
ऋक्षराजमुखीमुखकेशोदासगाईहै रामचंद्रजी
कीचमूराजश्रीविभीषणकीरावणकीनीचदर
कूचवलिआईहै १४ दुरैदुरैकहूनकीवफिरे
रामनकोसजकेसबैरथकाहूपरयावनों

डंदुभिनिसानबाणएखेउगछूपाणणबाणनूनवे
कमानफिरमोडूकोंदिषावनें बानरविसेषरीछ
सनिहोचहूकेलोगेरेनचरीहेरहूस्वेगरहोग्रा
वनें बांधकेकमरसाजसमरसमूहचल्योवारि
धिकेतीरआजफोजकोपछवनें १५ यारेलागी
हूलनट्लनसिरपन्नगकोथोललागोचलनक
मठथमितरकों पंकजकेपातपरशिरकनपानि
जिमिकांपउठीमेदिनीसबूसोंध्यानद्रविकों १६
रछाईआसमानसूफतनकिछूभानुध्योंभिगयो।
ध्यानमगभूल्योरथ्थचरकों आनगनिसेनतेगनेन
नागमकूछिलकोंपयानोआजभयोरछुवरकों
सवैया।।।लंककेयुद्दकीडंडभीकोरणकाननऊपर
आनबजावें पोनकोहूनप्रकारप्रकारगरोकिन।
फारकेद्दोकसनावे नूसलधारणसोंमचवाग्रधि
यानकिउपरहीफरल्यावे पग्रपनीवद्धतेरीकरेघ
रमेरेजमालेयकोनजगावे १७।।कवित्त।।फीरघर
देषीतेरेपायनकीप्रभुताईगिरिपरदेषीतेरेगो
पगिरियरकी राजबलिद्दारतेरोविप्रकुलवरण
द्दारसुदामापैदेषीरजताईराजघरकी कंसपरदे
षीतेरोरावरोरिसोईभोंदऊन्नापरदेषीसुघराई

३० भुजबलकी तानिपकबाणसौं मैदानमाहोबा।
२ लिराजरावणपैदेषोकमनैनीनेरकरकी १८
3. छातीहोतथरथरशेषकीथराथरतरकूरमलम
लातभूरितलातनलतल टूटटूटद्रमछितछूटछू
टनौरगयेछंदावरतारसहरवोसरितासकलजल
बहैउरवकितबवायसमिवायगयेअरिअवनी
शकेपिकेपिउठेहलहल हरग्रवतसपडेवस।
ग्रसग्रजेनकेसनचलेउठभूतलकेथलथल १९
लपकिफपकिफपकायकेफकायफारकूसलाल
जेघतालठोकतठडाकदे पेचपरपेचग्राउग्राउप
रपेचदीयेमसलकसौंमसलकविरावतभडाकदे
कस्मेउडकस्मेंग्रगग्रगकसमसेथसेपीठपरगु
सेरवायवाहतवडाकदे मालोयोवीपाटयोवीपा
टकीयरणकाहमालोयोवीपाटयोवीपाटसेपडा
कदे २० रिमकेचलेतैथरायसकीफणादफणास
सकीकमठपीठकसकीकडाकदे सत्रवाणफोर
तहिलोरतगगनगंगतोरतकगराटस्प्रयामकोय
डाकदे श्रीपतिग्रनेतबलवंतसहवंतनकेऊवले
हलंतदंतऊटकोफडाकदे गेकोमहरन्नकोछो
केरऊवरकाहवोकरोसोकेसनाहिपटकोपडाक

दै २१ तवसतजुगमाहिह्वैपनरसिंहयल्यो हृति
हिरनाकसप्रभुदीनौंवरदेवांकौं त्रेतादसाकंधत्र
पनोकोरघुवंसीभयोद्वापरमैंकंसयदुवंसीत्रस
हैवांकौं अवकलियुगमैंअवरंगजेवगर्भगह्यो
गर्वाअह्यारीप्रभुनहींनहांतेवांकौं अधमउधारण
कौंद्विजद्रोषीमारणकौंश्रापभयेरुद्रप्रभुदीनौं
वरसेवाकौं २२ एकैभागसकतनवौकरीभुलाने
पैसेजैसेमृगराजयदपटतमृगराजके भूषणभन
नएकैपछ्छनथकितभयेपछ्छिनस्योंदपटतरूपर
नवाजके एकैमरजाकेपरतापस्योंजरततत्छणं
जलौंवरतपरेसुषदौदराजके मीरजादेसुरछिन
खानजादेत्वपिजातसाहजादेसखिजातदौरेशि
वराजके २३ छूटनकमानकेसुगोलीतीरवानके
जातमसकपसतमोरचेनहूकीऊटमें ताहीसमै
शिवराजहुवकीनीफौजपरदैसुरंगहल्लाकौंऊवक
मकरगोटमें भूषनभनतकहौकिमतकहालौं
देषिहिमततहरल्लालौशारजाकेभटजोटमें ताव
दैदैमूछ्छनकंगूरनमैपावदैदैधावदैदैमत्मुखकूं
देजायकोटमें २४ सिंधुहल्योसिंधुरमदंपहल्यो
कंकमनभगणहल्योआठोदिसाहल्योपारब्रह्मकौं

शि॰ ४

4

विंदुहल्लो मेरुहल्लो मंदरहिमाल्लो उदयाचल अ
स्ताचल हल्लो सुमेरु को भूषण भणत भौरे भार अ
मित ल हल्लो हलै विनकौ न हहरहोत है अठर कौ
मिली भुजन वलन वडाई शिवराजै दिग दिल्ली दल ह
लन हल्लो नराई गफ कों २५ शिवजू कोजी सोंस
लहेर कों समर सून नर कहा सूरण केसी नें थस्रक
तै है देखौं कहूं मैं मुगलन के दलन हूं मैं सरजाके
स्रण के खमसघरकत है भूषण भणत अजो भूतन
के भौनन में टांगे चंदवत सीस लोथ लरकत है को
हनलपेटे अय फेट फरलेट अजो रुंड नल पेट पठे
टेफरकत है २६ दल्लो दल दिल्ली कों निकर मल
हैर शिवा भूषण न भासे आय टेव दमकत है कि
लकल कालिका करेजे की कासक में टकर के अल
कभूत नभे रौभव कत है कहूं रुंड कहूं रुंड कहूं रुंड
शोनित के कहूं रुंड वघतर के रुंड फमकत है ख
ले खगा कें यथ वितालगति वंयथ यरिया रिया रथ्या
इथरनि कें वंथ थमकत है २७ कन्ना की कडाक
न चकन्ना को कटक कहूर की नी शिवराजत ह्लो अ
करहकहानीया भूषणनि नेको डैर सुलक तिहा
नीया कसकल विलायत दिल्ली की विलकानियां

आगरैश्रगारएतैंनाकानिपकारएसम्हारनवा
रनभुकानऊम्हिलानियां कीबीकहायेंकहोंग
रीबीगहैभागनोहैबीबीविनसूथनसनीबीविन
रानियां २८ डुगावरडुगाजीन्योंसरजासिवाजी
गाजीडुगाभेटेडुगाकेंडमुंडपायपरके खूबएाभ
नतभारेजीनकेनगारेभारेमारेकरएाटखपमि
सेघलकोसरके मारेभारेसभटपनारेवारेउद्व
भटनारासमहूटतसितारकीसिखरते वीजा।
पुरवीरएाकेगोलऊंडाथीरएाकेदिल्लीउरमीरन
केदाउमसेदरके २९ इंद्रजिमिजंभपरवाडवस
ग्रंडुपररावएासंदंडपररघुऊलराजहै पौएावा
रिवाहपरसंभूरत्नाहपरज्योंसहसवाहूपरवा
महिनराजहै दावाडुमंदंडपरचीतेमृगझुंडप
रभूखएावितंडपरजैसेमृगराजहै तेजतमग्रं
सपरकाहजिमिकंसपरज्योंमलेछवंसपरसे
रसिवराजहै ३० गावएाकोरामछत्रियएाको
परसरामकामकोंज्योंवामहरिनामज्योंकले
मछकों नागनकोखगपतिनगनकोसरपति
मृगनकोमृगपतिरतिज्योंतमेछकों कीचक
केभीमज्योंप्रलंबकोंज्योंबलदेवनरहरिरूपप्यार

६. ५ 5 १

करहरिनेछकों जेमेकंमकेमीवककालीमुख
दोंवांनमतेमेकमलेछदोंचौंमुगलमलेछकों ३
माउवउमैनभूमिभूषणमहमेलमाहूशाहूरमिदों
नलोंकेपावडेपरतेहै तिलंगानेफिलंगानिकरणा
टकसिलंगानेवसनेहिमनहारेयोरनयरतहै साहू
केसुपुतशिवराजवीरतेरोथाकगाफेंगाफेगाफेकै
अगाफथरतहै वीजापुरगुलकंडाआगरेदिलीके
कोटवाजेवाजेदिनदरवाजेउघरतहै ११ याईदोर
पैरेयोरघरघरजोरमोरतातहीऔरशिवाजूनगोरे
भोरगाजे भूषणजेपाईपातसाहीमालकोंउजीर
वेहवालजेमेवाजनगाजनमोमचाजे एककैहैदेश
लेउएककेहैंडलेहैएककेहेगढलेउकोटिजंग
वाजे करनवकीलीसरजाकेदरवारछरीदारन
मोहोतपातसाहनकीअरजे ११ वारमोविशाल
जीतकियोभूमिपालफेरभेसलाप्रतापकीनोंभा
रीभुवभानमों ऐसोकीनोंसाहूकेसपूतराजपूत
हैनेऐसोभयोहोहैनहैहैकाहूआनमों यदि
लऊतवसाहनोंरंगहूगयेभागभूषणभिरेकोउ
रसरजाखुमानमों तीनपुरसपुरकेमोरसवए
कवाणतीनोंपातसाहिशिवाएककिरवानसों

दुरीकरी चंद्रराउजावलीजवदकरीलीनोहैसं
गारखुरीयाइकेमथाइके भूषनभननतुरकान
दलसेभहूंसोंमारलीयोअफजलसफलगजाइ
के पदिलमेंवेदिलहूंरमकहैवारवारवीजापुर
लैनजोगवाहतछनायके भेजअग्रेंभेजशिव
राजकोंरसालैकनवाजीकरनालेपरनालेपरग्रा
इकै १५ मेंमरदुदेलेमाटीचौंहानवदेलेवैसवी
सनेवघेलेरहैरयतकीराहसें भूषणजहांउ
कछवाहेहाडाठोरऔरगौडवडगूजरपवाकरी
कीवाहसें कैठवरसवीतीनौरंगजेवजेवकीनो
कछनावसातहैशिवाजीनरनाहसें नद्दाकली
ग्रालसपठानहूंसुगिलऔररहद्दामरहद्दापकवी
रपातसाहसें १८ गरुडकोंदावासदानागकेस
मूहपरदावानागजूहपरसिंहसिरताजकों दा
वापुरहूतकोंपहाडनकेकुलपरदावाऔरपछ
नेपैसेनपरवाजकों भूषणभननऔरसैवमहि
मंडलमेंतिमरकेदावारविकिरणसमाजकों
उत्तरमेंदच्छिणमेंपूरवमेंपच्छिममेंजहांपातसा
हीतहांदावाशिवराजकों १० वाजगाजसुनि
यतसेनासवसाजसाजसोईशिवराजदिलीदे

३. सनद्धुषनकी भूषणभननवांहवंहीयानकोऊ।
५. छांहछयाननकरहीकानीयांरुखनकी नानीया
6 नतिलकसष्मनीयांकीनाहीसहछाडछाडभाग
गयीसेजयांसरुखनकी वालीयांविथुरगईकासी
यांसथरगईलालीयांउभरनरकानीयांसुखनकी १८
वैठारदईवीकीउमराउवीहानननकीखोनसलना
नह्रकेवीवेसनिकैगयो रुकेसवघाटवाटओटवां
धराटनकीवरसह्रकोपैडोपालहिंदह्रमेछैगयो
लागेपरप्रजमनदिल्लीपतथरकानभूषणभनन
यांवियोगीसुकिनैगयों वडेवडेराजाउमराउपात
साहिकहैविछुरहैपालकपरवैसवाह्रैगयां १९
राउउमराउसववोकसमैवोकीदनआगरेनगर
मांहिकरणकह्रायोहै हिंहउमुसलमानरामरा
मजैपतहांसमाहिजहांनेदसिरमेंउपछवायो
है उत्तरमेंदच्छिणमेंपूरवओरपच्छिममेंभूषणभ
ननप्रवेनेराजसगायोहै शिवाजूकीराणीयांको
भेटदैसवदेनत्रियानैरापतिनोंरंगकेनवोंरंगला
योहै ५. उनैसरजषधयलसरजासिवाकेवीरसा
हनकेउराणकैयाष्रुरकनके भूषणभननपरना
लेगफावाकीपदैथफिरवंहूगेरकोणसुरकनके

मैं हद्दी भवानी है नै मैं हद्दी मद्धारै जोर वीजापुर।
वीर दिल्ली सूर झूरकन के नाले वले लोहू के नहा
ले चले दल चले भाले मरहट्टन के नाले नरकन के
शिवराज वीर है नं जय कों ऊमार रहे रा पैज को पहा
रहे राराजा राउराणा ते विज्ञ काफ चक्क वैविराजै
सक्क चक्क मसवासौं चक्क ओरन मरद मरदाना तै
दरविद राजकविराज महाराजा होत भूषण सु
लंकी वंस विरद वषाना तैं वाण अजमदार वाल
गोदरवार वनोदा हूरहारण अ सो दाहोत रोदा केर
मानतैं ५२ शिवाजू की साहवी वषानी वडी होन
हारजा के रजरत पर भूमि भमकत है भोरभारन
गर भगाने गफ दे देना रे कोरह्यन घोरत्यों नगारे
घमकत है राणी ऊ पठानी मुगलानी विकला
नी फिरै सुमम सुमगनैं नीरक मकत है दच्छि
न के मुल्क मिल्को दिल्ली मैं सलामी होत वे मिल
के वारपार नेजा चमकत है ५३ नौरंग के जस
नहूसतन की पंज मौज फौज की मजेज रही का
हू मैं न आहू सो भूषण भणत गुण कौन को व।
षानो छोड मरजाद मान जो है दाता है उछार ह
सो तज करवाण ओर राजा उमरावन की वैरी

३. ८

भेपनपैजवप्रजमकीवाहसों कैरेजसप्यारेशि
वराजपैडीदारभएकविनकोंपालिकैविगारी
पातसाहसों ४४ कोटगफलीजिइतएकपात
साहनकेएकपातसाहनकेंदसदाहिइतहै भूष
णभनतमहाराजशिवराजएकसाहनकीसेना
परडगावाहीइतहै कौंनहोयवैरिणकीवाला
प्रविवारहूंदतोरततिहारेप्रविनगाहिइतहै
णवैरनगारेसुनिवैरवारेनगारणमैनवारेवग
रणकौंहूपापइतहै ४५ नेगवरदारसाहपैषा
वरदारसाहमाहैसवकैइतमनविनवाहकें
पानीपीकदानीपाइपोसवरदारसाहजहांतहा
ढाइगिनेभूषणसियाहकों साहनकेजेतापा
नसाहनकेदानखानजाफरसेखेरमानमैंटसु
रनाहकौं जहांहरिवामशिवाकरैजवावदेत
षासममदेष्योंग्रामखासपातसाहकौं ४६ स
वनकेऊपरखेरहूंनजोगग्रानितहांखेराक।
स्याळहजारीजाननिनीयरें नानगैरमिसिलगु
सीलेगुसायरमनकियोनमलामतवचनकरे
सीयरें भूषणभुमानमहावीरलागपोंवलग
नसारीपातसाहीकेउआयगयेजीयरें तामक

सौंलालमुखनिरखिशिवाकौंभयोसाहमुखदौ
रंगसिपाहमुखपीयरे ४७ पलभरपलंघतेंघ
रामैनयहोंपावतेऊमगवनिसदिनचलोजातीहै
अतिअकुलातीनाछपानीवातगातनासहातीते
वेअतिअकुलातीहै साहकेसपूतशिवराजवीर
तेरीधाकछाडिहारभारउघचीरमनलातीहै पर
मनरमजेहरमपातसाहनकीनामपानीखातीते
वनामपानीखातीहै ४८ अतरसुगंधसोंपेसरस
सुवासवनीसहजसरीरकीसुवासविसरातीहै
पलभरपलंघतेंघरामेंनदीनोपांवफिरैवनवन
पानीपानविललातीहै साहकेसपूतशिवराज
वीरतेरीधांकअरिणकीनामकरमीउपछातीहै
कोडकरैघातीकोऊगतीपीठछातीकरैतीनवे
रखातीतेवीनवेरखातीहै ४९ दाराकीनदौरयह
सुजाकीलराईनाहैवोयेपनहोतहैमुरादसाहवा
लकौं गाढेगढलीनेकेईवीरीकतलामकीनेजहां
तहांहांसिलउगाहतहैसालकौं महविसनाथ
कोनिवासगांवगोकुलकोदेवीकोनदेहरागमं
दिरगुपालकौं ढुहतिहैदिलीनेंसमरैकोनदिली
पतयकाआनलागोशिवराजमहाराजकौं ५०

६०
८
8

जिहिफनफुंकारउडतपहारभारकूनतलभुलसिपी
ठिकमठवदलिगो जिहिंविषज्वालमालावलीन
वलीनहोतिजिहिंचिंकारछारदिग्गजमदफलिगो
कीनोपयपानजोजहानझलकूरमउछलिजलसिं
धुबलभलवलहलिगो खगखगराजमहाराजसि
वराजकोंप्रबलघलनागगजगलदलनिगिलिगो
सुरतशाहरकीफतहलेशिवाजीफिरैंग्राडेग्रा
पउमराऊऔरग्रंग्रशैलके भूषणभनतदेषादेषी
भईदोहंहौरपकामेकभयगोलवेंदोलहगोलके
गोलाचलेगोलीचलीतीरतरवारचलेग्रहेमरहट्ठ
भीमभीषमकीनोलके कारिचमसानलीउलै
दीकेनिसानमारिदाउदकेहाथीघोरसाथीवह
लोलके ५२ पैदलशिवाकेवाठकैदालज्ञसाभे
लीउपरिलकेवाढवषिचीकीदारफिरते भूष
णभनतफतेखानगोविलाईभईफलेमेमलाकी
भटाभीरणसोंभिरतै रुंडनाचतेगउछहै रुंडण
फुलिगउछहै रुंडनकेकभटमेंफिरंगीनकीकिर
ते मुंडनमसमेतरिपुरुधिरकीधारालागीताग
समहूटतसिनारावकीसिखरतें ५१ ठट्टाकीदवा
ईगजराजकीमिलाईजामहकीग्रपनाईसव।

२१

साहिबीउदारकी माडवकीलीनीकीनीग्रासे
रग्रथीनीछीनीभूषणत्यौंदेवगिरिवदरवारको
वाननसहूनकोज्यौंसाहभोत्रिकनानाहिजीत।
नशिवाजीगाजीनैकहूंनवारकी प्रवलप्रताप
हौसोमारत्वारिवारिकीनीराषीपातसाहीनव
लाषग्रसवारकी ५७ जमनकेराजेनायकीनी
हैसुहुलाजमातिढाडीउमरावनकीयातिभांत
भांतहै भूषणभनतछत्रपतिवैसोतषतपैरहो
नदेशपतिनकीग्रसेजैसेह्रातहै ढौंडकियेजहां
छहिंजारनकीजाषगोहैतहांशिवराजतेरीग्री
षभईरानीहै ज्यौंहीतेरेतेजछितिपालछपि
गयेसवतरुणकेतेजज्यौंतैरैयाछिपिजाती
है तेरोतेजसरजासमत्थदिनकरसोहैतेरेते
जकेनिकरसौं भैमंलाभुवालतेरोजसहिम
करसोहैहिमकरसोहैतेरेजसकेप्रकरसौं
भूषणभनततेरोहीयोरत्नाकरसोरत्नाकर
सौंहैतेरेहीयसुधाकरसौं साहूकेसपूतशिवरा
जदानीतेरोकरसुरतरुसोहैसुरतरतेरेकर
सौं ५८ वाणाग्ररजुनकेवषानतहैसतिरा
मगदाभीमसेनकीसदाईसुभकाजको इंद्र

न्हकोवज्रवासवदेवनकोंचक्रओंसुमल्लनकोमु
ष्टिकासदाईसिंहसानकी डंडडंडधरिहैग्रडंड
नकेडंडनकोनखनकीभांतिनरसिंहरनाजकी
शंभुकोत्रिशूलशंभुसिष्यकोकुठारशंभुसुत
कीसकतिसमसेरशिवराजकी ५७ राषीहिंदु।
मानहिंदुवानीकोतिलकराष्योंसमृतिपुराणरा
षेवेदविधिसुनीमैं राषीरजधानीराजधानीराषी
राजनकीधरामैंधर्मराष्योंराष्योंगुणगुनीमैं
कहैमतिरामजीतहद्दुमाहद्दुनकीदेशदेसकी
रतिवषानेसुनिवनीमैं साहकेसपूतशिवराज
समसेरतेरीदिल्लीदलदावकैदिवालेराषीदु।
नीमैं ५८ कोपकरवालगहीनृपशिवराजव
लीवारणविकटगडकोऽनगहजैहैं जमधर
धरनधमकचुरनालनकीरतनन्यतनरतना
करवहतहैं सागरमथ्यानोचितंलकापतिस।
कवानोभूषणभननतत्रवकैसेनिवहतहैं फो
डकीफतहसुनीगावनकेगावनकोधामनव
कीलकालिग्रावनकहतहैं ५९ ग्रासपासच
नतामैपैठननमनतहांवाम्हणाकेवनवरन।
नकविग्रहकैकहकरीकोशिफैरदीरष्टदनारे

वहैमदकेपनारेतिनतोरनतोरपटकै वनउपवन
दोऊचाहीयतचहूंग्रोरनारंगीसुपारीनारियल
कहूंलटकै नाकेमध्यरायगफविंध्यसोविराज
तहैराजाशिवराजमनमोहनकेघटकै ९१ वाज
ननगारेत्र्यावैअरिननमोरपैरगिविनडरोरलंक
वारेग्रामकोंगहै केतेविकरारेकेतेफूटेफाए
नफूहारेफटकोरेमेसहूसहै संभन्दपभारेसेवा
साहकेडुलारेतेरेसजसपधारेगुणकलसकहा
कहै तेगमनवारेतेवेजंगजैतवारेजेवेदिलीद
लसारेवननारेसेफरेरहै ९२ कैथोंनायवसीथै
पलायपारिवारिपिकेकेयोग्रापहूजिपग्रथा।
मयाकीपरजा भूषणभनतन्दपकेसोकेऊवर
हूसोंवैरजिनकैमैहूजारवारखरजा देवग्रस
मानमैनिसानफहरानलागेनगरकेनिकटन
गाराग्रनगरजा वेतग्रसैवालमभईनमनमा
लमसोग्रायोजंगजालमवलातखानसरजा ९

सवैया।। सुठौरकेठौरग्रठौरकीपेपरहूठनजी
ननकोग्रभिलाख्यों याहिसोंग्रपउरंपैहयाव।
लवावलयोमलसंभुनेभाख्यो संभुप्रमादवली
जेहूउपरमारगनीमग्रनीकरराख्यो प्रीमहारा।

जवलीशिवराजैतेनौरंगमैरंगपकनराष्यौ ९६
कैपहलेउमदाउ अमीरनफेरकियोजसवेतञ
नूवा कैऊनवखांकेदाउदखांफिरिकीनोमहम
दखांग्रतिडवा भूषनकीनोवहादुरखांजवमीर
महमदखांग्रतिडगा सूषनतेजसिवाजीकेसा
मसेंपानसोठारनऔरंगसूवा ९९ औरंगजूपक
गैरसजेपकैऔरसिवाल्पषेलनवारे भूषणदि
लीऔदक्षिणटमकिपदोउठीकठिकानमुनारे
साहिऊंमपमानकोषमाछुटैग्रसमानजहा
ननिहारै आलमगीरकेवीरउजीरफिरैवोगानव
टानसमारे ९८ औरंगरावनसीहसमानहरीव
रवासवरामसहारै कुंद्रगजोतमतेनसमुंदसे
कद्केरूपकरीग्रथिकारै रावसपानकोंयोगिन
मातगनीभणभूषणविनसहारै लेकदिलीसन
कोषिजरापसहायोंशिवाहनूमानकोनारै ९७
तैसिवराजसिनारोलीयाभणभूषणराजसवैग्रवि
ग्रहु लेछनकोंकरिभछणतछनलछनदाकि
नैगेउकरहु कैरिकवंयनरंयनलोहफुहारैसयो
उछुटैग्रतिवहु वीरवरंगनव्याहनमाहिमनोगफ
डपरछुटनगेहु ९८॥कवितवाजीराउकों॥सार

सेसखवाकीरखानकेसेसाहिजादेमोरसेसुग।
लमीरभीरमैसचैनहो वगुलासेवेगसविलोच
होतवतकसेकावलीऊरंगपेसेजंगमैसचैनहो
वासीरामरवेलनसिनारैमैसिकारकाहूसंभाको
खवननासोऊग्रतमचैनहो वाजीराउवाजकोप
पैटेवुमचहूंऊरतितरतरकदिल्लीभीतरवचैन
हो ६९॥कवित्तजसवंतराउसैषिम्राके॥ वटत
जसवंतराउवीरकौनपैरैधीरहरजनदरवारहो
तहाघवांयसरणी मारलीनेसुगलफिरंगीसव
नोरफोरतोपनकेगोलननैगाढेगढपरणी व
हूवकराजपैविराजमाननैरोतपसारयारनीर
नवारणकीकरणी योसासनिधीरजानदिग
दिगपालनकेसकहोतसरसुरसौथकहोतथ
रणी ७० डंकादैहूंकारवफोंवेऊवनदक्षिणते
केतेगजराजराजदौरवसकीनेहै कोऊकपिको
ऊचपिकोऊलकिकोऊभजिकोऊभैपसरणतै
अभैदानदीनेहै कहांलोप्रतापकाहोराउजस
वंतजूकोचफतसुभटसेगासूरग्रेगपीनेहै सू
गसेफिरंगीनैफिरंगीसवहेरहेरपटेकीचपेर
हैदपट्टकरदीनेहै ७१ अमितउदानकेकेवीर

६०
११
॥

णकोवीरदैदैंगंगापरपैरफेरह्वैरेसबवचहूासे की
नैनूबहूलावज्रमेलापैरपारभएकलपिपिरान
लैलेभाजेभयसहूासें कौनभांतबरनोंप्रतापब
लसैंथिग्राकोंघेरैहरमोरसबेरनरैनसुहूासें लै
लैकरपहूाछहूाजेसरहूहूापट्टाविकटहेहूलन
केकोटसीसजहूासें १२ ॥कवित्तअवधूतसिंघके॥
नहूकोंबटनदलवूहूकोंमजननवलंकलोंअंत
कनकेपसेरपसारेसें भूषणभननतभारेगाजनतग
जेंदकोरेवाजननगारेजातअरिउरगारेसे थम्भके
थरकेगाफैकोलकेकउकेदाफेंग्रावननगेरदि
गपालननमारेसें फैंनीसेफनीसफणस्फटवि
षछूरतानउछरउछरसिंधुफरसेंफुहारेसें १३
जादिनबढनदलसाजअवधूतसिंघतादिनदि
गंतलौंदुग्रनदारियतहै प्रलैकेसंधारारथरथमके
नगारापरथारतेंसमुद्रनकीधाराधारियतहै भू
षणभननभुवगोलकोलकलहूततहूलततदिग्गा
जमगजफारियतहै दविदविकवरिफनीसफ
णामंडलपेकमठकीपीठपैपिट्टीसेवारियतहै १४
कवित्तविक्रमह्रदेसकों॥ वरणसोंवोरणसोंचनी
वरणीनसोंहथिग्रारणसोंवेरोतकेपगिगेवि।

छौंहासें कहैहरिकेशसारथारकीमहलस
हलदिलीसपरैनरफतेगहासें विक्रकूदेशन्नं
निहारेदलदौरननैछैगयपहारनंगगपुगोफल
दोहासे कायलभौंकौलखनचायलकमठया
कीपीठरहेहैविपकफणींदफणकोहांसें १५
कवित्तजगतेसकों॥ काहेकोसजतमेनटक्कर।
कीटेककरनैकनोहरणदेहग्ररिप्राणग्रासासी
कहैहरिकेशजगतेसनैरऊँजहोनैउतरीरहत
साहफौजनकीनासासी येरासेयहारसषपुरी
सीपुहोमीमिटजैहैशेसऊँडलीजलेवीकेतमा
सी हूडकीगनेरीसीपिचकजैहैकोलशउजैहै
रेकमठपीठसमकवनासासी ।१६॥कवित्तविं
तामणिकों॥ शक्रजिमिसैलपरग्रर्कतमपे
लपरविद्युकीरेलपरलेवोदरलेषिये गामदस
कंपपरभीमजरासंपपरभूषनस्यौंसिंधुपरकं
भजविसेषीपे हरस्यौंग्रनंगपरगरुडेभुजंग।
परकौरवकेवंसपरपारथस्यौंपेषिये वाजस्यौं
विहंगपरसिंधस्यौंमतंगपरजैसेसेवतरंगपर
चिंतामणिटेषिये १७॥कवित्तछत्रसालवुदे
लाके॥ वेरचनछटासैंगजेदगहूरानवले।

६०
१२
12

ऐसेविज्जुछटासेनिसानगहरातहैं लालकैहै
हयपुरतारनपहारउठैअंबरमेंफारफारहैंद।
छहरातहैं थायोंवद्यमेलातेंउद्देलाछत्रसाल
वीरवेलाछाडिउदधिउदंडलहरातहैं यौंसाकी
धमकैसनिमेरुकीसिषरपरथारकेसमोती।
गीरवाणथहरातहैं ७८ लीनोदमदक्षिणतिल
गकरनाटकलौअवरंगजेनवारजेगनकीआ।
लकों विरच्योंमहेवालगजेवालोंदवापदेसच
हूंकोदयाकभयोजाकीकरवालकों लालकहै
हैवल्योदिनेसकोप्रतापतेजहैगयोअमलराय
वेपतिकेलालकों वादरकोछांहलौउसरपात
साहीरहीफेलरह्यों चामसोंप्रतापछत्रसाल।
कों ७९ सरवहैपायमालदक्षिणचपीहैचाल
दहवालपछमदरिआवलगपेलाकों उत्तर
केहाथजोरउतरकरतआनउतरहैकोउनक
रतखगनेलाकों तिहकालछत्रसालसाहिके
दलनपरकारखेलैछोरतहैभटकस्योंभेलाकों
वारहैदिसापैदलदिलीकोअमलकैदिली
केदलनपरअमलवुदेलाकों ८० देवनसदि
नकरमवनवहितहितमैंवैपरनछपछमहित

उमायाकौं लछलछफौजनकौमौजनमैंमारै
वढिकोईयौपपारैवफैकहैापलकायाकौं अ
खपतिनरभुवछत्रपतिकट्यारामवसवसप
ससवसरकलसायाकौं कीनौकरनाछनानौ
हूकरदोउकोउपावतनपारयाअपारनेरीमाया
कौं ८१ प्रद्दौरषयनकौदाधीसीरहतछानीवो
धौजगहहमरियादहिंदुवानेकी कछरारैय
तकेमनकीकसकऔरमिटगईटसकतमामत
रकानेकी करहननिकजौदिल्लीदिलमेंथकथ
कातहौकसनराजाछत्रसालमरदानेकी मोटी
भईचंडीविनचोटीकेदलनकेघायछोटीमई।
सपनवकनाकेघरानेकी ८२॥ सवैया॥ गज।
फालफलीभुवबालघरीअलिकालसमुद्रमैंअ
कहल्योना नेगजरैमलतानसुराटमौंओण।
कौगंगामैछत्रवल्योना वौपरहौवौहानकेचित
मैंऔरकीजेवमैंसारमल्योना छत्रवलैछितिप
मवलैछत्रपालचलौछत्रसालचल्योना ८३
कवित्त॥ प्रवलपहारपैजमानेपरिहारतेजवा
घेसेववेलावचेबोतचितवाहके भूषणभनत
फारबंडकेअवेरलैतेउथ्यपकैथापेवीरपकरे

६०
१३
13

सलाहके आगरेअगारऔरभेसलासरौंजलग
वेपतिकोंवोथेदेनहांकेवलबोहके छत्रसाल
दौलनविसालसालसालसालउरसालहोनपान
साहके ८४ मदविनअवपुलसमुदपरानेहकै
गोलविनसानेवहलोलविनहालके नमीधर
महमदअमीगोवचिलकमीयरअफगणसाथी
कलिकालके भूषणभनतपरऊरंगनपावेक
लसनिसनिषलपञुदेलामहोपालके वोथवि
नदीनेउमरावणजिंजालजातसालवरसालये
मेष्यालछत्रसालके ८५ जोयपुरवीकानेरआ
मेरकमांऊवांधोनवरनवेकोंवांधेकलिकालये
भूषणभनतगाईदिजदेवतानतजम्लेछनकी
सेवाहोतहरषिहवालये सवहलजाईतेगका
हूतवजाईईहफेरनसजाईगाईकाहूरछीपाल
पै गाईरायवेपतवडाईलेरिसाहसोरजाईलेन
आईहैवडाईछत्रसालये ८६ साजगजवाजिगज
गजकेपठानफोजभूषनन्उमडघुमडमफ्कै
रही वेपतकेलालछत्रसालकरवालगहीग
राषलीनीविरचीजलालपरकीमही ऊंरंगहू
पेदिलपठाईहेउकीलहारेजोरजोरकटकथ।

जानेषोलिकैरही भूषणभनतकहोकौनैसो
नरिपुजाइचेरहेरजेगवसफेरफेरकैसही ८७
पतेसवराउरायचंपतकोवपोछत्रसालवीरभू
षनसमाजसिंघकमकै भातेंकीघटासीउठैगरद
गगनघेरैसेरैसमसेरैदामनीसीदमकै ढोनउ
मरावणकेडेरराजराउणकेसुनिसुनिउरलागै
घनकैसीघमकै वेहदवगारिनकेअरिकेअगा
रिणकेफाटनपगारिणनगारिनकीघमकै ८८
चाकचक्कचमूकेअचाकचक्कचक्कचक्कचाकसी
फिरतधाकचंपतिकेलालकी भूषणभनततनीके
पातसाहीत्यरिदाविफेरकेरीकाहूउमरावकरवा
लकी सुनिसुनिमीननकोपटेतहैषफण्णणकी
थण्णणउथण्णणकीरीतछत्रसालकी जेगजीत
लेतहैकेदमदमदेवाभूपसेवालागेकरनमही
पालपालकी ८९ सेलननसोंपेलपेलषगणसों
षेलकेलिसमुदसोंजीतकेनसमुदलोंवषानाहै
भूषणवदेलमणिचंपतसुपुतअगेजाकेजंग।
भागेवाचेमरदसयानाहै दंगलिकेवलिकेउदंग
ललटायोनीकेदिस्मितअमीषांवऊकटकषजा
नाहै वीररसमतालासोंकांपतिवकलानीकोप

३०
१४
14

सोसाजसाजियोंसोंछत्तासाजग्रानाहै ९० ३२३
हैदंकनकेसवदनिसंकसनिवहवहीपात्रनकी
सेनाजायसरकी भरकैआगोंफेरनीरकसमार
भयोसाहिजहांसेजपरछानीजायथरकी हाथि
नकीउमडघुमडमाहरावहूकीज्योंज्योंछातीउम
डतछत्रसालपरकी पलकफरकउठैभजनग्रस्लक
रवकोकरककरकउठैकडीवकतरकी ९१॥**कवि
त्तछत्रसालहाडाके॥** तेरउरिपदिलवमतदिलवेदि
लकितेउरग्रेवरकोवरछीजियतहै ताहिनतैरया
रायवतनसवणासनिसहंजसवासतपिग्रालोपी
जयतहै केहरिसकविजैसेसतंरजसाहिलागेंसा
हिजकेसहरासहानेदीजयतहै जहांजहांगीर
कोकैरेकामपैरुप्रानितिहंठौरहाडाग्रानिग्राडे
कीजियतहै ९२ ग्रकलानीकीरतिसवासविलला
नीफिरडीठफेरिपीठदैकेरपवैठदानते नेरीरज
पतीकीसरणाग्राईछत्रसालगोपीनाथतैनेसाषी
गावैरगुमानतै मानदैकेदानदैकेचोरदैकेहाथी
दीजेजिहिविधिरहीनिहिराषीमनमानतै यसंध
जाईग्राडाग्राठोयामदीवामाडाग्राडाभयोग्राडान
नोवलीयोजहानमें ९३ हाडासवरजननजिननीते

न्यधउरजनकेआउवहूंवाणवहूंवक्कनमैगापैहै
हाउरायभोजसोंमुच्छारीएकविळ्ळनकहिहाउरम
रननचकजाविवलापैहै पेउसैंउनोरिमायेसिंह
केमुऊंदहाउप्ररिणेकेहाउगहिसोणितवहापैहै
हाउकीलउहैसाहिसनाकीवउईयानहाउसादा
साहनसोंआउहोनआपैहै १४॥कवित्तसवाईजैसिं
घके॥एकैससिएकेसूरएकैसुरमंडलहैएकैवह्
लोकरहैवंह्मनितताहीमें एकैनागलोकएकैस्
नियतएकैनरलोकसोंप्रवनिप्रवगाहीमें एकै
हरिलोकएकैइंद्रलोकएकैवह्मलोकएकलोका
लोकयाहीमें राजनकोराजामहाराजाश्रीधिरा
जराजएकैपातसाहराजाएकैपातसाहीमें १५
एकैतनएकैमनएकैधनएकैप्रणएकैवितएकै
हितराषैवितवाहीमें एकहिंदुवानहिंदुवानीको
तिलकएकैएकैहैविवेकउप्रनेकमतियाहीमें
एकैरवुवंसकुलप्रसरिगुरावणकोएकैरवुवीरथ
रथैरध्याननितताहीमें राजनकेराजामहाराजा
जैसिंहवलीएकैपातसाहराजएकैपातसाहीमें
विरचोंसमरसीसवाईजैसिंहवीरवचोनहुमन
कोहुदलकेदरेरेमें दलमददंगभयेदिगजदिसा

१८

६०
१५
15

निसनिचोडेतेउतरिघमसानकीनेकोहोरेमें मूंडोर
विमहलचहलमाचीनेदनकैचरिपकमेंघिरिजे
होघायलघनेरेमें रुहडहोडेकडेकिडाकिनीन।
पर्डुवाईडेकचौकीषवरडिगेवरकेडेरेमें ९७ क
रनारगफौजोडफावरकीडाफचडीपुनिसोंपरम
गमजीतीवलवाहकै फेरमानोसिंधुतिसमेनकरि
हैमहाराजरापीरघुवंसमनहूंछत्रणकोछाहकै
पांडवसौंपाईकरकौरवणग्राईराजापृथुजोवना
ईगिरिसिटिमहिमाहिकै सोसवपूहमिहाथआ
ईपातसाहनकेपातसाहीहायजयसिंघनरना
हकै ९८ ॥सवैया॥कूरमश्रीजयसिंहवलीनसुया
दिनवववजीकरुषीतें वैरिणकीवनितविलसा
यवफौगिरिगाहरदेहडषीतें ग्रवरंगसरंगविभू
षणतेमेरी श्रंगपुलेसरषीतें ग्राकृतिहालउचार
नजातकफौजनज्वालमजग्रालसषीतें ॥कवित्त।
डैडकेकेराजाईहजीतको ॥ ग्रवलपहारकोग्ररी
लोइहनीनलसोंडौरंगग्ररीलेग्रागलसोलरका
ईमें सजामैंनसागममसेरणसमझौरेदमप्रलच
रहोगणवैरवैरभुकारीमें माच्योरणगाच्योकहट्ट
हकोममायिनाच्योकहनसवहिपसीदषीसोभा

नाहीमें करणाकबंधनयेऊहहूऊहहूनाचैवेशूअम्मर
मेजगामैयुद्धऊराषितलोईमें १०॥कवित्तराजा
रामसहाईको॥नटकनटाकनोरखुगलसोंचोपि
चोपिगटकगटाकमासषाईषिरलानीहै उडकेग
गनपरमननेंमगनहोतचढ़ेदिसिहेरहेरहूकैकि
रलानीहै ग्रानकैउदोजपरपंषनतैंकांपरहीमा
नोपियहेतऊलवधूविललानीहै भणोश्रीकमोग
युद्धकीनोराजारामसाहिजिनकेसमानपरबीलें
विरलानीहै १॥कवित्तजैसिंहसवाईको॥दौरेकाल
केकरकरालकिलकारीदैदैदौरीकालीकलिक
तक्कुधाकीतरंगसों केहहरिकेशदंतपीसतथ।
धीमदौरेदौरेमंडलीकछूप्रगीयरउमंगसों वीर
जैसिंहजंगजालममकोणपरफरकाईभुजन्यों
चकाईभोरहूभंगसों भंगाउरिमुषसोंभुजनमोभू
जेगाडारिहरषहरिदौरेडारिगौरीअरधंगसों २
कवित्तकीर्तिसिंहको॥मानकुलमंडनमहीपजैसिं
घनकेसहजकिरतसिंहकरमनवाडमें भूषण
भननकोसमनीमलोग्रगारिदैदारिद्येरलीनेवरगी
चमूकेवढाबाढमें हहेमरहहेनचरीकेघमसा
नबीचकीनेकतलामयोंकृपाणाकढाकढमें के

६०
१९
16

रमकेहांकेवीरविचलेकवंधोगिरेसुडमलकाधु
रमैंकंडराजगाढमैं ३॥कवित्तछैत्रसालबुंदेलाको॥
दपटतिलंगऔरद्रौडकेउतंगयानेकहनसकुहिक
रवगजोरततनाहै मनसवदारप्रणामनसवछाड
वलैंसवानहिजानजहांभेजततचकताहै कासीस
रविरच्यौंबुदेलावननपैचमकैंवलनवचोगवलिवी
ररमनाहै भामनीकोकह्योकीजैचुरीचारवाघिली
जैउनैमतनाउजितैतैंपतिकोछनाहै ४ यत्रुमद
गजमदरणरजप्तीमदप्रापमदमतोपैप्यायफो।
जमदमानीमै मदकोप्रमिदलसौप्रवलपमारन
मौंवांकेअमरावणकोलिषोलाषपानीमैं जोरदै
रकेवद्यालीकौंहनाहलनहालीफणिकोसाधु
षघुनीदेषियनरानीमैं ह्यायनरघ्यारसौंहत्रमा
नसौंसकुहिकहैवैरकाजैवरछीछनानेदईछा
तीमैं ५ भेजननघुनीकेगाढगंजननघुनीमनकेभ
जनसौंकेजननकेजावककेजालके जवनकेजूह
कोभुजंगमेभयंकरपैमंकलपैत्रषणपरैयामुंडमा
लके धरमकेधारणविदारणअमीरनकेपाल
नप्रनाकेदानवारणविसालके ६ ग्रमकरटा
टीछत्रसालगहिद्याटौसननानेकेतुरंगननरक

नहीं आयगो मुगलपठानभोरेहल्लाकरकरहा
रे आयो सोऊ अरि सरि आयो आप थायगो भूषण
बुंदेलनकी नृपकै अपार वाजे मारमाचै ऋमथा
रंग्रंथकारछ्काइगो पंचम अगारलके प्रतापहूके को
ध्यानथरि पातसाही ररदाविसनमैं समायगो
कवित्त हंडीडाके ।। जोरसकवंधसाहिजादेसाहि
नहांजूके महामारमाचीजहां फेहपरे फरहकै
लोहूंकीलहरउठै चल्यो वलदेवरायजहांछत्र
सालहाडारह्यो लाजगहिकै मांडीरणभूमीजैसे
भीमसमहाभारथमैं पारावारसुरणकेरुंडमुंड।
फेरकै खिसायो टूटफेर फिरयौं फेरकरवेकौं
मैंलौं परलख्यौ मैलौं थरागीनिवकै ८ नेरेश्र
फगणरणअचलविचारी मांडियाविक्रमसाल
साथरेद्दकी इलाजैसी भूषणभनतपरपछ्का
टिकाफैवाफैसूरननानिवरषानिछैविछाजै
सी वषतरपोसपाषरेतविनअरिअनगिरिनैं
गिरतिगिनिनिषिषिरसमजैसी रंजकविज्जुरीभ
ईसमरचनचटाभईतरफैअवाजेभईतोपैघन
बाजैसी ९ फोकनफकेलिगजराजमारेठेल
ठेलिपीलवानिपेलकेउमंगगाहिकरिकौ

७

कहैहरिनामभूमिभारकेउतारवेकोंहाजनहमी
नकैविमानव्योमसरकों साहनकोसालगोपीना
थमकोंकुंजमालदिल्लीदलदावकैनदच्छिणको
हटकों १० केतेराउराजाराणाकेतेखानसामा
नकेतेकेतेमीरउमराउठाढेपकरेंरके वेगमवि
योगभयोभट्टभूपमवभूपकुंकर्ममहज्जूरकीनोस
केकोनफेरकै हिंदुनकीटेकपकराखिवेकोहठि
हाडानासोउदैनाथरणसकैकोनजोरिकै साहू
केसमीपठाढेमहाबलीभोजराउवारवारताउ
देतमूछनमरोरकै ११॥सवैयाछकटेवनका॥
श्रीछकटेवनभूपवलीअरिकोचतुरंगचमूवि
ललाई वैरिणकोविपनपरीकहिकोवरौं
कविंगगकीसाई अपनेअपनेपीयकीसुधि
लैननियागवसिरीकेपामतेधाई महामानोवड
वानलीललपेटवडिवारयिवहरआई १२॥कवि
तराजरूपके॥ दोहतयहारनविकटप्रतियार
णमैपहूवेनपछीटेसैचिनलरजातहै डूंगनमें
कुंजनमेंपुंजनमिषिरिवफिवाजननिसानमा
नोघनघहरातहै कहेनशुंहिराजरूपकोप्रता
पसनिमजातनेरसतनिदेसमगमसलातहै पंथन

चलतहयहाथिनचलतजहांदिलनचलतन
हांदलचलेजातहै १३ तलगपैउबरिपहारसब
छारभयेउरीघाटीकाटीवहूंऔरराहभयोहै
वहीनाथवरषोनछूंटनपरीहैपकलछमीनराय
णकोतेजनतपतयोहै केतेउमराउऔनेरसकोनै
सोध्योदेसकहतसबुद्धिरायसाकाकरिनयोहै
भूपनितिलकभूपमहाराजाराजरूपजिनसेक
वंधकैसलेमसाहिलयोहै १४ ॥कवित्तनारके॥
प्रफणगणसमोरपेषतवारूचरपेटउरेदानोसोदले
लाहन्योऔरकेतीवनाहै ऊरावलीमेवावलीभी
मासोंग्रमीरमाहोंकाशीसूरवीरनोहिवोकत
चकनाहै सतयुगकोजाकोकोहूजानेनाहीको
ऊमेववनरकहतउरजाकीभुजलतनाहै एरवस
मनापकनारफारैकनाजेगजालमजगनातोपै
रीफवारछूनाहै १५ राजनकेराजामहाराजावा
सदेवसततेरीतरवारिभारीभेषहैभवानीको
कहेकविरामपमोरच्योहैजगतसिंहप्रागिमी
उठतिलोहूंलोहूकीनिसानीको प्रजोलगिराव
केकेषतमेंषपतजातजेतेतेनोछोरावउंशेएत
तरकानीको ननमेंतेमोरप्रनजनमेसऊचि।

३०
१८
18

रहेंहैंनहासोभेटपेटहासोसगिलानीको १६
सवैया॥ वगसरोकिलीयोपकछोरहसोलिउक
लवगसेअकता वलक्कूउपाराऊजाभापरनहजा
गाकीहददीपनकता जीतसोंजीतकहैमारईदा
सासराहतसाहिजहांजकता सातहूंहिपनआठा
दिसाजगमैजगताजगताजगता १७॥ कवित्तछ
नाके॥ आनेकोनआईकाकेऊलकलकामतहैहुं
ठैकौननगरउगरजमहारेकी परचंडपंचमकी
नेगधारसोथमिनकाकेमानवाहनसगंधनिमि
धारेकी शिवसतकेसीभूरिभूरणकलपकेसीव
रणहरिकेशनैनरतनारेकी गाजसीगजवसीअ
जवअफसोसमरघाकापरपैंयारोमनजवछ
नारेकी १८ कीवकोसममानप्रभुदेखोमैंनआन
औनिदानदाननूफमैंनकोऊठहरगतहै पंचमप्र
वैडभुजदंडकीआवाजमनिभाजेवकोपछ्लोलाप
नं ठौथरगतहै मैंकावांतकोपतअमीरदिल्लीवारे
जवंवेपतकेनंदकेनगारेवहगतहै वहूंऊरथा
केवकताकेदलऊपरछताकेपरतापकेपताके
फहरातहै १९॥ कवित्तवनाके॥ पैंरचउदलेकोव
कतांवांधेपतासोंसताफेरवाहनकता विनका

जेहै अरिदेसअरनाकौंसवीररससनामदषेन।
षानषनाषलदनावेअलाजेहै भूषनसगेहूषता
कासीभविमन्नाभीमभोजकेसेपनामिलवनास
वसाजेहै ननानरकाहूहूकोहूनाहूरहारकान
रनाकविजसकोजेवनामहाराजेहै २०॥ सवैयाबा
यवलीकी॥ राघोंनेंदकेवाद्यवलीनरवारदई कु
कंषजरकी पेसीदईमजेहूत्यकेमत्यनभूलगयो
सापिश्रेयरकी वपलसीचमकदईमनिगमस
येंउछलोगनिवरकी सिरतेषोपरीफरत्पारी
परीमानोटोपीपरीहैकलंदरकी २१॥ कवित्तसा
हिदाराके॥ वारणउवारणकोंभेजोसाहिदाराश्री
पवारणविरविसाहिजादान्रकोपायोहै वरषी
षोफेरेवहूवाणगउदारछूटेदारेकेवभूकनविभ्र
करकछायोहै इतनकदाविकेद्वायोहैगैरंग
जेवनेजापारिकुंभकेकरेजापहूवायोहै सागम
ववुडिपकसहंरअनहूडीरहीनासोंकेहूहायोनी
नदंतकोवनायोहै २२॥ कवित्तजहांगीरको। पर
मपुनीतपातसाहिजहांगीरगाजीगाइनकीगाम
सनिसिंचगिरिजानहै वीतनकेन्रथनमेंकेरेमू
गन्यायवेठलोवरीकरतहोरखानननसोंवानहै

डि॰
१९
19

मूसेकोछूटीकोआवगावतमजारीगीतनागअरु
मोरपकौरमफरातहै विरईकेवालककोवा
मेरषवारीकरैंमछ्छनकरजलानेवगुलापितिआ
तहै २२॥कवित्तकछ्वापउदउतरामको॥करए
केषलषेवादयविवेहउवेवावलिकेवयईआक
होकाहेकोकहापहै कहैकविगंगहरजाईजोके
मावनेकोकहैरामरामसोऊमेरेकितआपहै न
गतविनीतीजगदेवजूकीवातेसुनिऊजमकि।
वारिकूरकारेरणलाईहै कूरमकुलीनकुलउदा
उतरामदामकोतिहारेमनभायेहै॥कवित्तदानसा
हिके॥एकवरसाहिजूकेमहावलीदानसाहि।
तेरेभारभारीगजराजनसोंहसिकै एकसेकेदी
पमानएकमोहैहीयोजानकहैकविगंगहाथी
हाउहाउकसकै मदकेउरदवेनोचनसेसरदरी
तहरदमेपीरेपीरेनेरीपांकपमकै सेउगयोसकु
वसलिलचल्योआषिनतेंवोवलीकनपटीअरु ठ
नेकेससके २५ छूटतकमानआसमानअरवान
लागयोजानलागेअवसानकहैकोनलागऊं भए
कविगंगजूवकनादानसाहिवफेसाभेकोनसम
विसम्हारेकोनपागऊं कारीपीरीफालेफुकीनि

कटनगारैवाजैनगतनजगारेसुनिनाहकौनजाग
उ मतमतवारेदेषहगनूतमारेग्रामैदेग्राकेस
वारेहोंसकारेकौनभागउ २६ पराणिपसकेपत
मसकिसुमेरुषुकिजलयिकमलजलकेहालौ
समाइहै गरिहैगन्हराणिरिगगनमगनहोतउरि
हैनेरैंदमतईदडुषपाइहै कहैगुणिगणवफैव
कैवचकनादानतेरेवलभारीनिमीसेसग्रउलार
है कवहूतिहारीपददानकमैदानसाहिसुमेकी
पीटस्रुटिहरणहूजाइहै २७ दलपतिउविगपट
रिग्रावनविगपवफैदानसाहन्नकोदरीदाकना।
है कहैकविगंगहयहीमनकैकानरसउरपिस
नेहीनानेहीयोनिरषतहै उविगपकोराकोरीछा
पियजोराजारीगोरीनकेमैनानीरपारिवरषतहै
गर्भकेसऊवगपगोदिकेगिरापदीपपालनापरेई
तेपहारनिरषतहै २८ उमडेग्रमिनवरहयपयदर
छितियरवियस्रोभईहैयगापरीसी कहैकविगंग
गटमहुग्रटवटकीनेलीनेमारवटपटवारीवोटव
फौसी मवकौमहीयावैमैवकीहैदसोदिपाउव
कीहैपसीनिमिस्रएरुरीसी कहांकहैंवारवार
दौरदानसाहियारद्यादिवोंनजाइनिमिवारिग्राल

६०
२०
20

बरीसी २९॥सवैया॥दिल्लीकेनायकदानवलीकेच
कैवरहूदङनीदरीसी गंगकहैहयकीखुरतारप
हारभपचककरखुरीसी सेजनसोवतसक्कसवी।
अमरावतितेजहूंजातजरीसी फाटिगपेछतना।
सेफनासवसेसगयोरहिसेषछुरीसी ३०॥कवित्त।
वीरतेउमफिनिथिछीरतेउमडिआइनीरछीरमि।
लिमहिपकहूंवलतहै कहैकविगंगअंगपियर
विपियरतिजनमजजानकोप्रतापउछरतिहै
अकवरसाहजूकेमहावलीदानसाहिपनोदलरा
वरसिकारमपरतहै मेहकेहलनमहिहालत
महीपहलिमहानागहालेहलाहलउगलतहै ३१
कवित्तमिरजारहमानके॥ खनमेंसूरसिरदारन
मेंसिरदारगरुवेगनीमनिकीफेरीमारमुहीहै द
त्तिणकेदावादारकछिनकेअसवारपछिनकेपा
छैमानोछूटीवाजझहीहै कहैअभिमन्युकवि
षिरकीकेषनलसोंअवगुञमालामहाफदुखिव
गुहीहै सिपहसलारदिनहलहदगावखानमारी
पातमारीमैसिपाहीपकतहीहै ३२ जैसेमदगरा
जनकेछोनागजगजनकोछोटछोटहाथनकर
नपाइयावैहै पसीलरकाईहतापलचवाहइयाते

भारीफौजैमारीसिरदारीदीयेंपावैहै कहैरघुभि
म्मुकविदाननैतेनेरकीनोग्रककोनैदेसपर
देसमूछैनावैहै दादानैसरसवापवापनैसरसग्रा
पमहावलीवैरमकेवंसकोसभावैहै ११ गायफि
सेंउमरावनकेगुनछूंडफिलोसकलीसिरहद्दन
पापइनामनवायनेंरगरहीमनहैंसवफ्रैंनउर
दन खानखानाकेनंददयाकरिमोपरयावेंनजा
यकैगौरमर्दन मौजमलीमिरजारहमानजूदारि
दमारकेमारिगर्दन १४ वसुधाकेदीपकजेंउ
दयिकेसुधानिधिकंचनकेकुंदनसरोजसरसाना
कै नरीयकेतेजजैसेसूरनकेतेजहोतगोरसकै
माधनजैसेंप्रवलप्रमानाकै शाक्रमीकेशाक्रमजैसें
पौनहूंकेहनूमानदीवेकोमजनसजैसेंमरदमरदा
नाकै मानभगवानकेगणेशमूलपाणकेजैसेंक
रणपकेभानजैसेंरहमानखानखानाकै १५ लस्थ
परलस्थचकवुस्थगाहिगुस्थपरलोहूकेपनोरन
दीनोरेवरषतहै हाथहूंसोहाथीगिरेगातकेपचा
सहूकजहांअरिमोरतहांतेउमरफनहै परेसूरवी
रकहैनोरलागेषेतहूंमेंदांतननसोंदाविदाविस्पाउ
करकतहै नवलनवावषानखानागाहिखगालसों

६.
२१
21

ठौरठौरलोहूनकरीकेफरकतहै १६ सुरपति
सक्रसहसक्रपतिवासरकोजादौपतिवज्रधारि
वीरपतिनानाजू सुरपतिमान सुरतरुपतिसुरत
रुवनचरपतिहनूमानमरदानाजू नागपतिवि
धुरयौंवरातीवरपतिजैसेवासनकेपतिसतग्रान
कवषानाजू गजपतिऐरावतनागपतिसेसनाग
नगपतिमेरुनरपतिखानखानाजू १७ नवलन
वावखानखानाजूरिसातेरणकीनेअरिजेरससे
रेसेरसरैजे कीनोघमसानसमसानवलवानया
योजेतपतिजिमीऔरग्रासमानलरैजे लोचनकी
ज्वालातेजुवानीचंद्रमाकीधारभैमयाभारीरुद्र
कोहिकोहिवरैजे न्यारोवैलव्यालतेकपालमुंड।
मालन्यारोन्यारोगजराजमृगराजन्यारोगरेजे १८
दीवेकोसवादजोघुसैयांजानैदियोजिनलेवेके
सवादमांहिजानैजिनपायोहै लीवेकेसदहूंतेदी
वोअधिकायोकिधोदीवेकेसवादहूंतेलीवोअधि
कायोहै नवावखानखानातेसवाददोऊजानत।
हियातेकविराजतोहिटरकैसुनायोहै पकनकी
पानमाहीलैकेदीमेपकनकोपानमाहीलैवोदेवो
नेरवांफवायोहै १९ ॥सवैया॥ विक्रमखानवली

विरच्योंजहांमारमचीननंनंननंनं कुलच्यावमच
कमवक्रउठेसहनारवनैफनंनंफनंनं करषप्पर
लैखवकालीनेहांकटिमुंडिगिरीठनंनंठनंनं नर
वारफनाकफनाकचलैवरछीफरकैफननंफननं
नकितेगननंनंकिदईभरसीसगईफटिमानोअनारि
घटा दलमैयोगिनीउनमातीफिरैकिलकारीकरैसि
रयारैजटा कविगंगकहैभरिकैभरिखप्पर लैलेउडी
मानोकामघटा खानखानावलीतेगरानावसीकि
योंवाजीवेवाकिवैरानीघटा॥कवित्तदानसाहके॥
कहैकविगंगदानसाहफोनेफरहरैथरहरैदिगमू
पथरहरथारीसी धरधरीधरणिधुंदकंथिकैनर
गिरहेउठतथपिग्रागोदिसादईहैकिवारीसी क
लिमस्रोकमठग्रोरदलिमलीदंतपतिचलैदिग
पालपेलपिषुषपनारीसी हूटटूटमेसकेफटकाते
फटनफणमणिनकीचटउचटनविनगारीसी ५
सवैया॥प्राचीप्रदीचीउदीचीअवाचीविलोकट
सोदिशाकूंचकरुवेनी गंगाकहैउमडेदलकेहयह
स्थियसाथियपारपवेनी हलहदानदिनेसवफेस
भईरणभूमिरकरुवीरेनी गईडिफफफडफारे
भइस्वगईफणिफाटफणिंदकीफैली ५३॥कवित्त

५०

५१

२

३०
२२
22

नौरंगको॥ उगावरतुथविनषमनषापापरिपुडुगा
दलदौरिदरिआवलौविह्वरगो कहेकविलालसा
नसोणितकेतालनसोंजालझलगुगनजमातिनज
ह्वरगो कैथननैकैउककवैथनफिरनरनगैयमेंद्दि
गनप्रबंधयडरिहरगो मेडनकोमाललेमहेसभरि।
हरगोरिमरगुरहरिगोमहरिमगुरिहरगो ४४ फा
रगफदेहैसबमंडलकोजीतलेहैपसोकोनमंडली
कमारेहिमम्हारीहै साहनकेसाहदिनहलहेनौ
रंगसाहतेरातेजतदसहूदिसानग्रासपारिहै उत्तर
केदत्तिणकेपरवऊँपछिमकेलछनतेजानिय
तवैरिणविदारिहै वीजापुरवारिकरविडुरविदा
रिकरवारिभकेवारिनरवारिकोंपछारिहै ८५ सा
हवनेलालदीनसाहिजीनिहारेउरभारेभारीभूप
धुनिमनिजतनिमानकी कासीगमतिनकीमरानी
रजयानीछूटीपसीविललानीमाथिषानकोनपा
निकी कोऊमिलीहाथिनहरणावाघवानरणव।
वीयातेरत्ताभईउनहूकेप्रानकी सबीपानीगजन
भवानीजानीकेहरीनमरगनमयंकजानीकापिजा
नीजानकी ८६ पतिकविलायतकोपकउमराव
याकोजेतिककोंपंडवजगायोऊकषेतहै कहेक

विंगगाचरश्रंगागनकोजैसेलेषोपेसेईसमुद्रसा
नोकरेसरासेतहै पतीभूमिकवभईकोनेपान
साहलईइकतीयहूनरनाहलईअहलेतहै मेरे
जानग्रापमाननतोरितोरिजोरिजोरिश्रीजलालदी
नन्नूकोदेतहै ८७॥कवित्तसाहिजहांको॥ दिल्लीना
हिपातसाहिसाहिजहांजीकेचढेमेरेजानेसुखहि
नराजंग्रकभरतो सूषजातोसूरऐसमुद्रकोसलि
लसबसूरनकोलोपहोनेतिनकोबपरतो सकन
परनदसदिसाकहूंजहोतहांकठिनतिमिरश्रान।
पृहमीमैपरतो सूरनसमेतपुरहूतविनेनहोत
नैनमदमेदिनीमतंगनकोपरतो॥८८॥कवित्तदा
नसाहके॥वानेफहरानेघहरानेघराहाथिनके
कौनपरानेठहरानेदेसदेसके नगावहरानेश्रर
नगारवरानेसुनबाजतनिसानेदानसाहजूनरेस
के काकुभकेकुंजरसकेसमसानेगंगाभगिणाभोन
केभजानेश्रविहूटलटकेसके दलकेदरेरानेहूनेक
मठकेकरेराहूनेकेपकेसपानविधुरतसिरसके
कवित्तजुजैनसिंघको॥गहतकरेरकरवोलीऊंक
ठिनकरीकरीयनकेकुंभनपैकठाकठीहैरही दल
विचारायफेरिवैरीजुजैनसिंहजहांनहांधाराऊँ

ऊ० २२ 23

हथिरथारव्यौरही हौरैहूरैरहसनसुमिरिहूसहरेरहे
रनीलकेठभुनपोनिजहोनहोह्कैरही ग्रालेग्रालेउ
उनकीग्रलिकैवरणपरकालिकाकेग्रागेदीपमा
लिकासीह्कैरही ५० लोहनकेहाडपैनजैरवेदग्रा
पग्रावैमथुराकेमंडलमैंवरछ्ननकीहारीहै इतनी
कमाननैमथानमहरानेकीनेनरकसनेकठानीर
रहवोलवोलीहै मैहवानवावजूकोनानडेका।
वावभूलेपाजगनानषेतमाम्रोहूंद्यटपरवोलीहै
वारोंमाहिजाटेउठिमाहिजहांग्रापग्रायोमारीपा
नसाहीलैतरानूपाइनोलीहै ५१ पैरकोटहाथीप
रेपहूसाथीपरीथाकसीथांकसीथांकभुमे हका
हक्का झुकमुनकीफकापकनननकीनकानकुंसौं
वालतुमें पंवमगाफकेकिलेटेवकतेयकरले।
पकलैले झकुम्म झक्कमें नवाखेडकोपेकिचौथे
भुवनकेपतिसरपतिदलपनकेहनतुमें ५२
वंध्याहाथकेगनपत्तामोरसीसपरमहितातमा
नातुटेलीजनोंमें वडेफैलफैल्योहूनागेंवुदेलेवि
हिचैकैरवैनचकनतूमें प्रेमराजसुवाकहीमा।
हिजाटेमोंपेमारिजालीनहम्मेननतुम्मै नवाखंडको।
पतवोटभुवनपतसुरपतदलपतकेहाथतुम्मैं १

कवित्तपदमनुदेलाको ॥ सिंधुरमदंधहूंदविंदनै
निकसबलेसिंधुउछरिविसारिमथिबेलाकी
लालबनकैसीहोरहुमतहुमंडनैकीघोडनकी
झुमडउमडभटभेलाकी कौलैपरीकविनकमठ
पीठछोडेफिरैऔरैपेडदारसोग्रवाईबहमेलाकी
भाईभाईभाईहरथाईभुवधामनलौआईआईआ
ईफौजपदमवुदेलाकी ॥५८॥ कवित्तखानखानाके
मानौदीपमानौसिंधुथहूरथहूंकोपैजाकेडरहूट
तअगूफगफरानाको मेरमरजादकरीकंपतसा।
मेरगिरिरोमरोमधुल्योतनजैसोहनुमानाको प
रणीधसकिकविकसक्रिमसकिगईकविपरवं
डआगेवल्योधुरासानाको सेसफणफूटफूटहव
बकहरभयेवल्योपेमषानाख्योनबावषानषानाको
केतेगढजीतेकेतेमुलकवसियलीतेकेतेगढतो
रिनौरिवारिथमेउरैगो मृगमदहूठहूंकीवाकरी
भुलानीआजपकनवैगोवनपानफारेगो सीदी
गीधीजेगलीजनावरनसम्हाफतपेसोषानषाना
थैंषगावकरउरैगो जवनविवारानवनालनाउजा
गाआनवागाउरैजानहैसकारैआनिमारैगो ५९
ठहाहूंकीरजपानीहरपानीकीनीसबकाविलष

११

पारिषानपानीनहूलकमें छाडीहैतनषारीतेतनषा
रीमपउजवककेउजनेहोजाईपेसवैहोसौंपलकमें
स्वरउररीरपरीपोरदीनीठौरठौरषानषानावढेतें
अवाजहैरवलमें पियमाजेनीयछाडिनीयकेर।
पीयपीयवावावावाविललाइवालकवलषमें ५०
खानदौरा॥ अजलकेफिरलेनेआनकेउसारीको।
नीसनीखानमाहिनेगनीमवढिआयोहै हठेने
हठीलोनीरयोनतेमरमयारजायरेकोपारमहा
भारथमचायोहै षेवकेकटारजमयारकेउवारकी
नेआपगिरयोषतेताकोनादरपछनायोहै केहक
विमजलमहिंटहूकीटकराषीतेरोनध्यखानदौ
रामवैभमिगायोहै ५८ वारवारनादरमराहततहै
आदरमोपमोनामिपाहीटध्योमाभीपातमाहीमें
गहीसोंकमानउरमावतइमानटध्योंजानेयोक
टारमारेवकतरकीमाईमें लोहूकीलहरमध्य।
लोथपरीडोपेमुषकेहैमनलमआवटषीनेकया
दीमें मारेहैरानीकेतपरेहैपिरानीकेततेरोपु
दषानदौरागायोहैइलाहीमें ५९॥ कविनदारासा
हके॥ डकाकेदीपैनदलउवरउमंगसोउउमंगसोउउ
मंडलकोषरकीगारटहै नदांदमामाहवहाउस्के

वफतपैंडपैंडपरहोतमाहूरागवेंवनद्दहै सूफत
भएतचैनेज्युम्मतरचोल गोरेकिस्मतप्रमोलवद्ध
हिम्मतडरदके छद्दनछपद्दमषमद्दफरनद्दहोत
कद्दनवेद्दहूसोंजलदद्दलदूदहै। ८९॥ कवित्त राजा।
राउको॥ हूलउठीउरमेंहोयेमेरहवानसनपरयोज्ञा
ससारीपातसाहीकेभितासमें सूरतभएतचैनेदा
ननतनूकाथरेंग्रोतनवथिरमोरमात्योपकसासमें
भोजरतनेभ्रातैसवाईकनौराजाराउन्नहवलवान
वीरताईकेविलासमें प्रछिनोप्रकासमेंनमासेल।
गौतासमेंनिकासीवद्धवासमेंकरारीग्रामषासमें ९०

सवैया॥ वरवानसषीनग्रसेषसज्ञुद्दहिसोषिसषा
सषहोतरिहौं पुनिलेकहूंऔटकलंकितकैफिरि
येककलंकिहीकोभरिहौं पुनिभूनिकैराकमषाष
सकैडषदीरघदेवनकेहरिहौं सितकैंठकेकंठहि
कोदसकंठकेकंठनकोकटुलाकरिहौं ९१ ॥ कवित्त
नौरंगको॥ कैउकहूनारजहांगुजेवरदारठाडेकरि
कैहूसिग्रावनीतिपकरसमाजकी राजाजसवंतसे
बुलायकैनकनकीनेतषतकेनीरेनिहूलाजस्वामि
काजकी भूषणवषानेठठकेहैपगुमलषानेसिंह।
लोकपटसाहतिनेमहाराजकी हूवकिहषिप्रारफेंट

उ. वोपिउमरावनकोलीनोभेदनोरंगनेमेठसिवराज
२५ की ९२॥ कवित्त स्वयंवर को॥ कठिनकठोरमतिरामवो
25 पवाहनकोकेमेकेमेहेशकोरकरभुजवाईकी २हो
विंतावीतनपरविनवारवारजेसेलागरहीतनछाहप
रछाईकी नोसोरामपनुषउकारवहूंउरपरीकोन
प्रकारपरीमेंदरिमेंकाईकी मघिनकेसंगनसमा
इसकेमियंघ्रगफेलीफूलीफिरतफनहूमनिसाईकी
कवित्त गुसांई हिमतवहादुरके॥ संपतिसुमेरकीऊवे
रहूकीपावेनाउनुरतलदावनविलंबउरथोरेना करे
पद्याकरहेमसहयहयथिनकेहलिकेहजारेकेवि
तरविनोरेना गंजगंजवकसेमहीपरद्युनाथराय
याहिगजपोषेकोऊकाहूदेउरेना २हीपाइगिरि
जागजाननकोगो२हीगिरितेगेरेतेनिजगोदते
उतारेना ९५ नोधतेगवाहीनोसलाहीचढेवोसा
हीउनपेचढेप्रमितप्रविंदनकीप्रेलपे कहेपदमा
करमोंहाथीपेनिसानचढेपरपारचढेपाकसासन
कीसेलपे साजचतुरंगचमुजंगजीतवेकोजवहि
मतवहादुरचढतफरफैलपे लालीचढेमुखपेव
हालीचढेवाहनपेकालीचढेसिंहपेकपालीचढेवे
लपे ९९ रंजोरंजकेसोदामहूटनप्रफणलारप्रतिभ

टेग्रेकननैतेंग्रेकपरसतहैं सेनासंदरीनकीविलोकि
मुषभूषणनकिलकिकिलकिजाहीनाहीकोधरतहैं
गाढेगाढेगढनषिलौननज्यौंतोरउरेज्युगजयजस
वारवेरकोग्ररतहैं वेदसेनभुविपालग्रेगनविस
लनेरेकरकरवालवाललीलासीकरतहैं ९७ देषत।
हीवह्नभांतिवैरिनकेलागजातकालिमाकमलमुष
सवजगजानीहैं जतनग्रनेककरिजदपिजनमभरि
योवतहूंलेटननकेसवववषानीहैं निजदलजोगैजो
तिपरदलहूनीहोतग्रवलाचलतिरहूग्रकहकहानी
हैं हरणप्रतापदीपग्रंजनकीराजीराजैराजतसंग्रा
मसाहिपाणिमैंकृपानीहैं ९८ रणवतभूमैतेरीभु
जलतिकापैवफोकडीम्यानवारीतैविषमविषम
रीहैं जारिउकोउमैसोतानजैप्राणनाहीछिनगाढ़
हूग्रनेकहारेफोरेमैनफरीहैं भणतकविदराउवहि
ग्रन्नफाथितनेजहुवीरनामैपकनैहीवसकरीहैं त
रलतिहारीतरवारपन्नगीकोकहूंतेंत्रहैनमंत्रहैन
येत्रहैनजरीहैं ९९ ॥कवित्तसमसेरके॥ दाहननेह
नीनैगतिगुणीत्रिशूलहूनैचिलकनचोगुनीचला
कचक्रवालीनै कहैपदमाकरमहीपरशुनाथराई
पेसीसमसेरसेलसत्रुनपेवालीनै पांचगुणीकवि

३.
२९
26

नैपचीसगुणीपावकतै अत्यदपचासगुणीअलह
अणलीतै सरपनतैसोगुणीसहस्रगुणीसंपत
तैलाषगुणीलूकतैनकरोरगुणीकालीतै ३० ॥का
हपैंकमानकीउपमाकविनग्रन्योक्त ॥ औरभयोरुष।
नातैकैसेसषीजारीहोइविफलभयहैवेदकछुना
वसातहै गोसेनमिलनकैसेनीरकोसंयोगहोतप
हलीनवनिलहीजातकौनभांतहै सैनापतिलाल
सामंरगचितरह्योत्रुभिकैसेकैकठिनवितपावस
विहातहै आवतहैलाजकरगहैपंचलोगनकीका
हूफिरगयेज्यौंकृमानफिरजातहै ३१॥नायकापैमोहर
कीउपमा॥ जाकीसुभमूरतसुथारीहैसुहागभागर
रीतोलगैरिसालनाहैजवदरसी जरवलैचलैरति।
आगरीअनूपवानीतोरीहैअधिकजामैवातनकस
रसी सैनापतिसदाजामैरूपोहैअनेकगुनोजिनेट
षिनियनकीछनीयांउरनसी यनीकेपथारेचारकां
टहैंमपावधारैपहवारनारदेषीसोनेकीमुहरसी २
नायकाकोपगाकीउपमा॥ पैयमलीचरोतनसुषसव
गुणभरीवौंकाधोअनूपमयीरूपकीनिकाईहै आ
छेवुनवायवहूपेवनसोंपाइप्यारीज्योंज्योंमनभाई
सोंमोंसउहिवराईहै सीगजगतिवरदारहैसरस।

ग्रतिउपमासमनिसेनापतिवनिग्राईहै प्रीतिसों
वधैवनायराषीछैविथिरकाईकामकीसीपागवि
पिकामिनीवनाईहै ३ ।।कवित्तझूलराके।। फेरनग्र
नोरपीछेहेरततिरीछेवालमगमेकरतफेलछैल
कोदिषायकै वातकहिवेकौमिसमजनीकोठाढीक
रैसजनीमिलापकोढिकानोढहरायकै भणतकवि
दसासननदग्रागेपसीसूधीहैरटनमानोझूपीहैउपा
यकै नैननकेडौरवांधजोवनकेजोरैमनलेतहैमेरा
रैझवकोरेदरसायकै ४ जीवनकीकहावलीसनदे
षभानललीलालनकीगलीमें तोलाषवारजाउगी
कासीरामईठीनममसन्हकोनमेरीवीरीमतोलिखौ
गीवसीठीमीठीकाहूनडराउगी कौतुकरीमनलोम
नमेरहोयेपहीप्रणवदनविसोकेविनपानहूनषा
उगी झूलराझूरेलकहाकरिहेंहाडुरेलमेंतोमरिहोंघु
रैलकेगुपालेलपटाउगी ५ झूदमेदसनथनझूदन
वरवरतनझूदसीउनारीथरकौवनेविछुवैकै सोभास
लकंदहेदोउवाहीयेवदनचंदप्यारीजवमेदसुसका
तनेकसुरकै सेनापतिफूलरहेकमलसेग्रंचलमैरा
हैहगचंचलडगपहूनडरकै पलकैनलागैदेषिल
लकेतरुनमनकलकेकपोलरहीग्रलकेविथुरकै

ऊ.
२२
27

वैमसंधिकै॥ हूतेविंदुकामेश्रवकछुकउकासेऊ
वकामकेनैकासेश्रानलागेहूउछरिकै निपटनकी
नैवैनवीनातेसरसरसमहीनापकग्रथिकतेपान
पायोभरिकै ठंप्योनरहतनरूनाद्यौकोनिघासोन
नसौंतिनकोंकाप्योमनसानोगईविसरिकै लरकाई
वदलिनकाईश्राईश्रांषिनमैंकईफटिपानीनैमेश्रा
वतनिकरिकै २ काननलोलागेमुसकानप्रेमपागे
लोनेलाजभरेविलसतलोचनश्रनंगते भारथरभुज
कोतुलावतचलतमंदडौरैडौपउलहतउरज़ नंगते
मतिरामयोवनपवनकीककोरैश्रोंवेवाढतसरस
रसतरलतरंगते लरकाईवदलिनिकाईश्राईश्रां
षिनमैंकाईसीगईहैलरकाईकफ़िंश्रंगते ८॥ **कवि
तस्तनको॥** किधोंप्रतिश्रानेदकेमंदिरसिषरहेंदकि
धौंकामकीरतिलताकेकंदजानेमे कियौंचिनचारु
केचुगलकाफेरीथमैतेजोवनजवाहिरकेसंपुटसि
वानेमें परीतियतेरपन्तउन्नतउरोजयुगडंडुभियु
गलहूपश्रपतिकेथानेमे किधोंमालूफांपैहैमऊं।
मैठैगुलावभेरमदनमहीपनकेश्रावदारषानेमें ९
कवितकलहंतरिताके॥ उसासिउसासिउठकसकिक
सकिहीयेयाहीश्रवसोमनकेफनभोनकोनेसों

पकनानलागेसुकनानकेहमारहारवकसनथ
राजेकाजेइपैसोनसोनेसो भणनकविदपसेना
हसोगुनाहविनकीनोमैविगारघारटारेकौनटोने
सो मेरीहीकुमतिनैनेकलहकराईअवसलहक
रावेकौनसोवरेसलोनेसो ९ सविनकेसोचगुरु।
लोगनसकोचमृगलोचनविसानीउननैकहसिष्ठ
उगात देववेसभायसुसकायउठवलेइनससकि
ससकिनिससोईरोयपायोंप्रान नानेकीरीवीरवि
नविरहनविरहपीरहाइहाइकरनपछनानकछुन
सहात वडेवडेनैनननतेआंसूभरिभरिफरिगोरेगोरे
मुषपैनकोरेसेविलानजा ११ ॥कवित्तखंडिताकेचौरा
नमकहाकरोकाहकामतेअटकपरेनमेकोनदोष
सनोआपनोहीभागहै आपमेरेभौनवेउभोरउठ।
प्यारहीनेप्रतिहरवेरेनवनायवौथोपागहै मेरेही
वियोगरहेजागनसकलराजअंगअलसातमेरो।
परमसहागहै मनहूकीजानीप्राणप्यारेमनिरा
मयहनैननहीमाहिपाईयतअनुरागहै॥सवैया॥
मनभामनउरकेभौननतेभौनहुभौरहीभौरहुआ
पहरी लषिलालकेलालनगुलालमेऊठनवीचमे।
काजरेरेषपरी जेदेवसदेषकैरीफरहीनियपाछ

६०
२८

लीहकनजीमैंधरी हसिकैकलोग्रापमयाकर
प्पारेकरीमकरीग्रवमाफकरी ११॥ अथीराकोंक
वित्त॥ जावकलिलारवोढग्रंजनकीलीकसोहे
षपनषमिषलोकलीकनविसारीयै कविमति
रामनषछिनछिनजगासगेउरामगेपगसूपेमग
मैनधारीयै पलकउधारतहीपलकपलकयाते
पलकायेपीडिग्रमरातकोंनिवारीयै लटपटेपेच
सुषवाननकहनलाललटपटेपेचमिरपागकें
सम्हारीये २४॥ षंडितार्थीराथीरा॥ जाकेंजागेभोन
जाकेभोनग्रापमेरेभोनमेरेभोनग्रपवेकीभोनउ
रग्रानीहै देषिकरषनकरषतहीयउरेनकेउर
परषनपरषनकीनीमानीहै हेरहीयरानीहिय
रानीसोहिरानीग्रतिरेनपीयरानीपियरानीपि
यरानीहै कौनपतनीकेपतनीकेग्रजपतिनी
केकौनपतिनीकेपतिनीकेरतिमानीहै २५

ॐपावस॥ जवहीवरखोचहूंओरघटातवहीपी
योगौनेकीबातसुनाई पियारीमेआकरकैसुपिकै
मिलनैसुनदोरगरैलपटाई नाहूकेकंठसिरोमन
वाहिवनायकूकीविसरीचतुराई ग्रैसेमेछाडचे।
लोपीयारेपियारेकहूकेपीयरीपरिग्राई १ वडदे
खोपवीरग्रयंनग्रटाचडविजछंटाछहियानलगी
ग्रवग्रौथकीग्रासयरीपरहीसुनकैछतीग्राहरू
रानलगी ऊरमीरीवियारसुगंथसुनीडुमवेलन
पैफहियानलगी कहूकैसेग्रवानकग्रानवनीरी
घटाघनकीघहियानलगी २ उमडीघनघोरिघम
डघटादसकेदसहूंदिशदामिनिभारी सुगतमत
महरमिलिंदमनोजमनोनिजधारसवारी वैउन
मतऊंजरिवंसविलोकनिहूपथिमोहूतिहारी पा
१पगेकरिपनकदासहहाग्रजहूचलिपवलिहभी
जवहीवरषीवहूंओरघटातवहीपियागौनकीवात
चलाई पियारीमयाकैरकैसुथकैमिलिलैसुनदौर
गैरैलपटाई नाहिकेकंठसिरोमनवाहूवनायकू।
कीविसरीचतुराई ग्रैसेमेछाडचलोपीयारीमतो।
मावनग्रावनकीविडछाई ४ ऊजतकेकीग्रोमे
रवीमहाभुनिटकीनिमासुभरीतमचोरवे होतवनी

अस्फो
र.
१

वरसावरसोकवराजवलीपीयापैरसपोखेपिछ
लपथ्यवपीपैगयेनगापुछदवीऊठोसीससरोखे
गिरंतगिरनफलीफनकोगहिहयरहीसखीहय
कैपोखे॥४॥दोहा॥खरीखरीनिखेरखेरखरीसका।
वनवार नमनतारनऊंदनललनाकोपीमदनसनार
कहाकहेवाकीदसाजोखगवोलनगान पीयाकह
तहीयीजीयतहैकहांकहतमरजान ७॥कवित्त॥
मेचककवचसाजवाहनवियारवाजगाफेदलऊठे
गाजदीरघवदनके भूषनभननसमसेरसोईदाम
नीहैहैननिजमानकीकेकदनके पैदलपलाकै।
पुरवानकीथमाकेटेघहेरीअनघोरचढ़ेऔरहेस।
वनके निपटनिरादरपीयामिजमादरापग्रापवी
रविदरवहादुरमदनके ८ विछोनाहरनभूमचो
कीविछरहेकमधुमधुरवाकीमोतकियाअमेठ
योहै वादरवचिनपनरवगपातअछरअरअनूठीभा
नलिखवांपचंदनसाग्रंठयोहै अथ्थमसीरमोरमे।
गलाचरनवीरसोतहेमंजोगीसभीपेप्रेमपैठयोहै
आलीतजमानयहिकथाकहीकाहूकेरपंचवान
पावसप्रगानघोलवैठयोहै ९ भापोकीअंपारीम
हासापनसीलागेमोहिवीजरीविसासनचमकतहै

८

आपुआपु मोरनकोसोरह्वैगयोकोरकैकफनपार
मेघनकीधारलागेमेलसीसुधापुधापु ग्वालक
वपियारेयेकदंमह्वैकसाईभपैफूलेवनवागनमे
गावतहैभापुभापु पापीयहिपावसपवलडघटै
वैकाजआपुयोहैविदेसमैपिआरीविनहापुहापु
पिआरीविनजानकेप्रकेलोपहिछानकैरलीउ
हाचपावसविदेसमैकरोरउार फूलेवनवागनमेआ
गललगापदेनवेदरदवादरनिनेऋग्रवफोरउार
ग्वालकविसीनलसमीरह्वैकैनीरमारपातकीये
वानकीवौवेवीरघोरउार नोरउाररंदूकोयनघवा
हूऊवीकरमोरनकेकंठकोनिसंकहोमरोरउार ११
म्पौंझौंघनहूमेतियातियालोटवालभूमेऊटैविग
हाविंचकेग्रीग्रतननिनगारेहै टेरकोकलाकीउव
लाकीचेवलीकीमेनफाडतहै नवाकीनेननउघारे
है उघघयग्रवलाकोरहीपकदवैपलाकीमोहैनंद
कोललाकीडघजातनऊचारेहै धायोभुरवाकोजै
मेवोलभुरवाकोनेसपोनपुरवाऊरवाकेनरजारो
है १२ वादरकीघोरमोरकैरेवहै ग्रोरवानकघनपी
यापीयापानटेरनापेहै फिलीकीफंकारवनीपिक
कीपुकारपियारीसीनलविवारविरहोमेघफाकोप

१०

अस्फो. २. १

2

है दसोदिसादामनीदैरैदैवामदेत आलीसुन।
कंतबिन अतदिनआपैहै नैनोंकहौबादरके आ
वनेवदेसीआवैबादरतोआपेरी बिदेसीकौंनआपै
है १३ सावनकीनीजेनीयाभीनेवारबूंदनसोंअंगसे
गउद्धनीसुरंगरंगवोरेकी गावतमलारैसुरवानसी
सुकौरैजेसदादरडुकौरैफिलीफंकारदेतजोरेकी
करतबिहारदोनाअतहोउदारसोभासीतलसमीर
केफंकारेकी चमकचटाकीचमकचारचपला।
कीकमककरीकीतामेरमकबिंशेरेकी १४ लीने
हमसोलअनबोलेआछानोमोहिवनस्यामघनमा
लाबोललाएहै देषोहूकैहूकेउपजहांदेहउनदेषीपर
देषीकैसोबाउकेसौदामिनीदिषाएहै उठेनीचेवी
चकीचकंठकतपीडेपगमाहूसगपंदगतिअतिम
घटाईहै भारीभयकारीनिसिनिपटअकेलीतमना
हीमाननाथसाथमैंमजोमहाईहै १५ नैननिकी।
अनुराईबैननिकीचतुराईगानकीगोराईनदुरति
दुतिवालकी आयचरित्रनिकेचित्रतेविचित्रचित्र
चिनिजोमोहैसाथपत्रकाएआलकी चंदकेसमान
बाकवारसोवफीफलनकरिकैतिहारेमृगनैननि।
कीपालकी कीजेपयपानतैषसैपानप्राणप्यारेआ

रहैनन्नग्रान्नग्रलवेलीवालकालकी १८॥ वसंतरि

न कवित्त॥ नीलमनिहारतेईभोरनकेभारवनेला

लनकीमालवनकिंसकमहापैहै दमकदूफूलफू

लफूलेरंगरंगनकेग्रगनग्रगनसोसगंधवगारापैहै

मलकानमालतीसमीरहासभासभैरमंदमंदग्राव

तमंदंदक्षवक्षापैहै ग्राठेहिमग्रालीतेईतिनकेस

मोथनकोवालमरजेसयोवसन्तनिग्रापैहै॥१॥ फा

गन॥ सवैया॥ पावैसषीमिलषेलेगीफागसहागभ

रीननकामकीग्रावै ग्रावैगुलावकीळूटनमेलष

सासकेनामकोऊनवावै वावैगीवाविरहानलको

जिनकामकीग्रानकरीहैकमावै मावैगीफागतवै

सजनीजवनावैवनैगीवसंतकीपावै १ वरसाई।

करैकियेनसामघटादलवावदलाफिरवोहीकरो

वलवोईकरोकिऊनसीतलविपारकीतेपतीहार

वरोईकरो जरवोईकरोकिऊनकाममहाषनग्रान

दसोवरवोईकरो मैनोलागरहीपियाकेपगवाम्हुर

वाम्हुरवाकरवोईकरो २ फागरवोव्रषभानकेडग्रा

रगुवारवहूदिमकै ग्रानन्नरीऊपजावतीजेमनमा

हूनकेमनमैतकीहूकै वातरमांसकहावतहैव्रन

सुंदरीपापपरोजसोमहर्वे नानीजाननमसालग्री

अस्फो ८ २

3

बालगुलालबलावतहूकै ३॥ होरी कवित्त ॥ फेल
फैलफोरनकीमेलामेलन्हडनकीरेलायेरंगकी
उमंगमखसतहै कहैपद्माकरगावीयनकीग्रेलप
री ग्रेलगैलफैलफैलफागपरमसतहै सथमको
वनिकोभुमझवजननामेअैसोकछूउयमअनो।
घोटरमसतहै ग्वालनिपैग्वालनेग्वालनपैनेदला
ललालपैगुलालबरसतहै १ एकैसंगधायेनंदला
लैगुलालदोउद्रिगनभरेजीउरग्रानंदमढेवही
थोपथोपहारीपदमाकरतिहारीमोहिग्रवतोऊको
उचितपैवढेनही कहाकरोकापैजाउंचितपैवढे
मोवतोंऊजातेदरदवढेनही पेरीमेरीवीरजेसेकै
मेरनग्रायतेकढगो ग्रंवीरपैग्रहीरकोकढेनही
नीलमनिहारेतेईभौरनकेवारबनेलालनकीमा।
लविनकिसकस्हापैहै दमकउझूलफूलफूले
रंगांरगनकेग्ररनग्रंनेगमोमगंपवगपैहै मल।
कानमालतीसमीरहासभागभरेमंदमंदग्रावत।
मदग्रावतमंददछबछापैहै ग्राठोदिसग्रलीतेई
तिनकेसमोधनकोवालमरजेमयोवसंतविनग्रा
पैहै १ ग्रावीग्रोगुलावीनसीकामनीकएरीकारी
केसरीवसंतीमदहैसोमनोस्हापैहै पैवपविनो।

२

दोवारचंदनीनजोजीजोरग्रंवरीछ्वावीदेवैहनीव
नापैहै विजैविदासीलाषीकिरमवीहवासीहैरथा
नीगुलानारीनरंगीलिषिपायेहै वागवनवीथन
केसदरडकानषोलग्रानरितरानरंगरेजवनग्रापे
है ४॥सवैया॥ऊरवापियकेसगसोवतिहीउसनी
रसमीरवेहैभुरवा भुरवाकरतारमनोरथवावदरा
वदराहैथरेभुरवा भुरवाग्रविलोकतग्रीपतिनूव
हूग्रोरकिलोलकरेभुरवा भुरवालेगेवाजनन्ऊर
वाउलसैयोउरग्रानंदग्रेऊरवा ५ फागुरीग्रायोस
षीहमकोविनप्रीतममानोसलाषमीसागुरी
लागुरीमेरीगुहारतियाकरियेकछुवेगिउपाउन्
नागुरी जागुरीरागचहूंदिसहोतहैमननोदेनरै
मोउरदागुरी दागुरीमोरोजवेमिटिहैजवहीमिलि
प्रेतमषेलिहेंफागुरी ६ कोरनलोंदगग्रंजनदै
करिकारीघटाग्रमडीघनघोरन घोरनमानोवा
फीग्रलिसोहनरेनतहीकछूवायनमोरन मोरन
कीगतिवाचतहोसनौमातनवावरजोषरजोरन
जोरनदैहैसषीवलकेग्रगुरीकटिजेहैकटाछकी
कोरन ७॥नाइकाभेद कवित॥केतोदेहपापपरे
धर्मकोपेमपापग्रमनिछछापलेहजातेपरहून

अस्फो
८०
४

को कैनोकारउदमअपारथनिखाटकेरिथजनोकहा
एकामकरलैसप्तको कैनोगुनिकामनाअसेष
सभयोगवैकेसुकनकोमिलैजहांमूलपांवभूत।
को इनमैनेएककहंवनेननोवनमपायछरीकेगरे
कोथनहथकोनमूतको १॥सवैया॥जपजोगकी
रीतसजानीनहीनहीसजनसगंयवैवेलीलगी न
हियामनमारिनाआसमरीहूगनेनीनहीचितवे
लीलगी कालीदासलष जोननरूठानहीनितआ
सीनिरासकीहैलीलगी नरभीमकेहाथीविथ्या
हीभयेपगेरसेलीलगीननवेलीलगी २ केलकेरा
नअषानेनहीदिनहीमैललापुनषाननगाई थि
आसलगीकोउपानदेजायहाभीतरपैठकेवात
सुनाई जेठीपढायदईडलहीहसिहेरहहैरमतिरा
मबुलाई कान्हकेबोलनकानदीवोसुनोगेहकी
देहकीदेहरीमेथरिआई ३ सुनेमहेटमेसाथेस
नीसपनेमेनईडुलहीपकपाई होऊगहीपट
माकरदोरसभौहैमरोरननेजलोमाई यामन।
कीमनहैमेरहीजसमेटनीयाछनीवासेलगा
ई आंखेगईषुलसीवीमनेमषिहायमेनीवीन।
घालनेपाई ॥कवित॥कंचनमोआगलगीहनी

चिनगारीभईदुषनलगेरीसभभूषनउतारहै
वालमविदेसमेंऐसीवैसहूमेंआगलागेवरवरउठ
तह्योयोविरहोविआरलै, नकतपरवरआगलेन
जातमेरीवीरआंगनमेंवैद्चिनगारीडवैककार
लै फूलरहीसांझसमझवातीकिझवाकैरआलीछा
नीसोछुहायदीयावातीकिझनावारलै ५ जियो
जियोवनहूमैतियोतियोलोटैवालभूमैउठैविर।
होविहुकैआग्रतवतननगारीहै टेरकोकलाकीअ
वलाकीवैवलाकीमैनछाडतहैनवाकीनेकनै
ननझवारीहै आथअवलाकीरहीपकडवैपला
कीसोहैनंदकेललाकीडुषवतननउवारीहै या
योधुरवाकोजैसेयौतधुरवाकोतैसेवोलधुरवा
कोधुरवाकोझरवाकोझरजारीहै।८॥सवैया॥
सासपगाइसोईवहूछिनन्यारिनहूमनप्यारीहैजी
केवाहरवैठिनेरमनहीमनसंगसदाशिवजान
ननीके आवधूआलवेलीकीआषिनथावेलला
केलकीलीके सोंसोंवफैननतापपियअंगसोंसों
हीयावलगेफूलहीके ७ हसीसीमासरिसानी
ननंदजिगनीसदाअनषाइरहै वहूप्यारेकीप्यारी
दुलारीवहूयदनासौरसोईमैजानकहै कवि।

अस्फो
ट०
५

मैंउनलालनवोलेनलाजनतेनेवयोइतनोनमा।
यानगहे वहसौनेकोरंगसुहागभरीकोहकैसेश्र
गकीश्रावसैहै ८ ||कवित्त|| भूरकभुराईहीयेभो
नैसैभरतसोईभूलतनभावनीभूलाईसुधपावकी
कामनेकेरजोरजोरजाकीयेफारफारकासोकहो
वेदनविकलताईप्रानकी ग्वालकविपीरकनको
उग्रपनोहैवीरथीरजथारोमैंवियकौनकवतान
की हारेपरदोमेउरश्रानकीखनकश्रोछनकछे।
लानकीकनकविछुश्रानकी ९ ||नायकविरही|| लि
खेलिखपानीवसकामसोरमईजानकागननश्रावै।
हाथलेखनहूहारीहै कहिनसंदेससजोभयककैथ
थकरहीहिरदेकमलहोनेहरजविसारीहै श्राल
महमारीपीरपीयासोपुकारेकोनवेठपरदेसरहे
श्रीतनसंभारीहै रोवनरोवतनैनफूलकेफुटाकम
येविरहोवियोगमेरीछातीफारडारीहै १० वेठीथी
सषीनमाथपीयकोगवनसुनोसुषकेसमूहमैंवि।
योगश्रागभरकी कहैकवमानवालजकसीरहीहै
डरपरसेतेश्रागलागीवियावाफीजुरकी पिश्रारी
कोपरसपानपोगयोमानसरपरसेतेश्रोरतगातभई
मानसरकी जलवरजेरतेसिवारजलभयोजलजर

कीचभईकीचसूकदरकी ११ गुलगुलीगिलमैंगली
चाहैगुनीजनहैंचांदनीछिबैंहैंग्रौ बिरागनकीमा
लाहैं कहैपदमाकरसुगजकगिजाहैंसजीसेजैंहैं
सराहीहैंसुराहैंग्रौपिग्रालाहैं सिसरकेपालाकोन
बिग्रापतहैकसालातिनैंजिनकेग्रधीनबिदनपतने
मसालाहैं तानतुकतालाहैंबिनोदकेरसालाहैंसुबा
लाहैंदुसालाहैंबिसालाचित्रसालाहैं १२ बेठीचनि
वानकसीमानकमहलबीचग्रंगग्रलिबेलीकेग्रचा
नकहीथरकपरे कहैपदमाकरहाहीननतापनतैं।
हारनतेमुकताहजारनदरकपरे जातछतीग्रातेन
धकधकीसुधबकनाकफनकरककनारकपरे
पासरीपकरहीसासरीसभारेनाहिंचांसरीसनन
ग्रांखग्रांसरीढरकपरे १३ ।।सवैया।। बालकेग्रानन
चेदलगयोनखग्रालीकिलोकप्रकासनहासी ना
हनचंदनाचंदसुखीमतमंदकह्योयकदेबिजवासी
वायरोजोनसीजानेकहाग्रवमोतेसुनोवफग्राईहो
कासी चंदउहैकेउहैपकठौरहैहजग्रौपुरनमासी
मानसखानग्रानचफीपुनप्रानजहूकहूकेवेरै।
री फूलैपलासरहेचहूंपासबिलाससुकोमलकू
कैरी सोनाकवालबिहालभईभगवनबिनाग्रंग

अमरको

ट०

९

6

अगजैरी डोलनदीजयैकाह्नसषीअवरुषनला
गअंगारफैरी १५॥कवित्त॥फूलनकेवर्णिरुह
गलमोतीस्वेतस्वेतहिवसनऊजीआरीअनजाम
नी चलीसषीनसंगपैनेदेषोकाह्नताकोअंगज।
ह्नतन्हैनेआपैनपारजातकामनी नीआकोभवजा
नअतरीफैप्रानपनएछुनसषीसौंकौंनआईगज।
मनी मंदमंदहसीप्यारीवकचोदेवनवारीभपेअ
मभारीचांदनीमैंदामनी १६ ऐसोचरवचाहनलग
तऊफमाहनसीऐसोविथनाह्नविराजतविजैठा
है कहैनीलकंठवामेऐसीनरजाईआईजोविनत्रि
पतसैंफिरतऐठोऐठोहै ऐसोईभ्रूगटीकोदाठअ
मोईविपैलिलाटऐसोईभिलाकवैकोपीकोकाम
नेषेठोहै छुटीलिटभालपैविराजैगोरेगालपैम
मानोरुपमालपैविशालऐठवेठोहै १७ रावरेदरस
सवातसुदहीत्रिपतह्नैवै हैजे हैजेवियोगवियास
कलसंतावनी मोरेलगीमनकोकठोरेयमयूरवा
नीवोरेवनघटाछटाछोरैलगीदामनी कहीजोसं
देसोभगवंतप्रानपियारेजूसोवासरविहातपैक
ठनजातजामनी मंडतमहीमह्नअखंडतमनोज।
डोजपंडतपपीहाह्नवैपफाईविजकामनी १८ मा

सहूंसोनकहौ डषआपनौ भाषै वैनैन वैनै विन भा
षै सौंपदमाकर जामग मैं रगा देषत हौ कविको
उषराषै वा विधि सामरे गावरे कौ न मिलै मरजी न
मयान मजाषै बोलन बोन विलोकन प्रीति की।
बौ मन वैन रहौ अब आषै १९ आये मन भाये वहू
दिनते विदेस छाये देषन अबा वै नैन हौ यरासिगत
है आगमउछाहा मन प्रेमकी प्रवाहा भूली समला
बीत भई अब यात है विरहाकी जराई सौ सप्रान हू अ
वाई मोहि इषन नैपाई सौ नू आजकियो घटान है पे
रेन्नु नारदारतो हिवरजन हौ बारबार मोगरीव नीकी
रात है २० दंपत करत रत संदर सरस यत वारा रति
पत रित कई के सहू सको लालकी मुजानै पैललना
की लसै जो वमाउगहौ ग्रीवपी याकी कटै पे आन रहै
है उठाय अंसे अंगरीन दसको मेरे जाने पांवबांन पा
वपांववानन कोंवाय चढे उहूं औरउहूनरकसा।
को २१ सनैम है ठमे सोयै सनी सपनै मेन ईउलहौ
ई कपाई हौ हूंगहौ पदमाकर दौरसो मोहे मैरे रतसे
जलौ आई या मनकी मन हू मैरहौ ज्जु समेटतौ या
फनी आसो लगाई आरै वगई खुलसौ बीसनै सारि
हायमैनी बीन षोलनै पाई २२ ॥कवित्त॥ तेरीसनौ

ग्रस्को
८.
७
7

वानीमौनगहतमवानीदेषैनैननकोपानीरतरा
नीवारनाषियै मोहनविलासमंदहासअंगकेस
वासरूपकेउजासस्वषमाकोद्वसाषियै प्रानन।
कीप्रानअवलीजैनिदानप्यारीनैकसुसकायप्रेम
पगीवैनभाषियै सोभासुभरैनीपगधारगजगेनी
रतदेषमृगनैनीमीतलायउरराषियै २८ ॐजॐ
नपुंजतमपुमपुंजकेविलासवंसीवटअसपास
वासरनजानियै ललीतसघनवनवेलीलिनको
सवासरासरसआगेकेसैउोरऊरआनियै शरदस
थाकरसंयोगमैंफुलनहूंवितैसवहूंउोरमोरवोले
ष्टडवानियै वंसीकोवजैवोउोरमधुरसरगैवोहूज
कौनकौनभांतनकोआनंदवषानियै ।।सवैया।। दम
कैअयथानथनेआनपरेविववविद्रुमदेषभयेगयके
भागअयनअछपतछप्रभाचितैमैप्रतिविंवमनम
थके नैहकालप्रभावतिउजगेनेउपमाकवसिल
पैहिगथके विगसेरदछाइछहेसुकताहिगदेष
थकेमृकनानथके २९ दैरसषीउठजाइकवारद
वैरपरयोससिआयोसतावन लेटदलनारनकोप्र
गटोसलगीरमइषकेवानचलावन चांदनकी
निहालजहांसलगेवनकुंजनहुंमसावन आज

भटब्रजचंदबिनाह्वैइचंदचऊब्रजबालजरावन
कबित॥ दृगमृगवारीआलकनपैसवारीसनास
कामकीरवारीलालीअधरउठैर दामनीदसनवारी
ग्रीवानैकपोतवारीकरकंजवारीविद्रुमरूपैह्वै
दई कटमृगवारीचलगजराजवारीसिवनाथप्यारी
वारीमैनमनमेरेहोर आगेचटवारीपीछेपीठपट
वारीबीचलांबीलटवारीलगतचलीगरै २७ नव
लज्जबनवारीमोलीहूंतबनवारीदेषबनवारीमैंतो
आनौवलछलके वारीमैनवारीकौवारवारडारौउ
रतबिलोकेसिवनाथकौंनललके कंजवारीआष
बगवारीविसकवारीआषचानमारीमोहूपैजबके
वारीपलके आधरवारीविंबपैदसनवारीहिराछ
बमोरवारीबमरमैरारवारीआलके २८ सषीनसि
षायोलीलाहावहूपरमहावआवैमनिगायेनैनोनोवि
नकोहरतहै सभैकेकहूंतेआलीसीसपैसुकुटम
नोजोछोपीतपटकरमुरलीधरतहै तौलोसिवदि।
आलरूपछांहदेषभाजचलीदेहथहिरानीपछ।
तानीहरातहै छाहीलगीपीछेनारनीचेकैसबचच
लीनाहीहमनाहीपरछाहीसोकरतहै २९ आये
महादानमयाकेमेव्वरजगामकारडमचहूंऊरछ

ग्रस्को
ट.
८

8

ह्निरायकै छुवैववलेतिकुंजनतरसीतभैभीतदोउ
पैकपीनपटमेंरहेहैलपटाइकै नवहूतरायकैउ
वेकगाहिउठेछुत्रदउवनकोजमेंडमहावरसोग्रव
घायकै वीतउवेविभागपरपैकहीछुताकेतरछ
वतिहूलोककोछपीहैदेखोग्रायकै १० वेठीथी
स्पवीनसानपीकोगवनसनोमस्वकेसमूहमेंवि।
योगग्रागभरकी कैहेकवमानवालककसीरहीहै
डरपरसेतग्रागलागीवियावाछीजरकी पिया
रीकोपरसपीनपीनगयोमानसरपरसेतग्रौरेग
तिभईमानसरकी जलवरजेरेतसिवारजछारभ
योजलजरकीचभईकोवमकदरकी ११ कियो।
जोवनायजनायग्राइलरकायतोतिगिरभइग्रार
उतछुनीनालीनाग्रलकेककसोरीकी चातरीकोच
तेरासानपकोदिवानवैठगउतलेषलकीयासभै।
ठैरीकी उठेकचकानगोयोवनकीतसीललीपम
भैवीतचोरीकी वामकेपरगनेमरूपतोसकदार
ग्रपोनेइनोनसीललागीकामकेकरोरीकी १२
देषसवचंदउतिमंदसीलगतिमोहिलोचनवि
मालघूगमावकसरफेहू मौनेहूंकोपानगातदे
घतलनातजातजांकीमीनगतिवांसोरूपकीतर

फहै मोतीमोरवेसरिकोलसोलालसैठनिपैमा
नोपतोविवढिगहंदनवारफहै तेलभाजीलदिवा
कोलपटीकपोलनपैमानोपकग्रारसीमेंफारसी
हरफहै ११ उकिककिरोधांकोकिपरमनिरमप्यारी
देषहीदिषाईदैकेडेनाहूषदेगई नैकहीनजरजो
रिझरिझसकाइमोरिवेटकसोलाइसिरउरविष
वेगई कहैकविगंगग्रैसीदेषीग्रनदेषीभलीदेषी
नानिरषकेविहालवालकैगई गांसीग्रैसीग्रांषनि
सोग्रंसोकियोनपफांसीग्रैसीलटनिसोंसिमन
लैगई ॥सवैया॥ ठाढेभपैकरजोरकेग्रागग्राधीन
हैवेपायनसीसनिवायो केतीकोरीविनतीमति
रामपैरमैनेकियोहठतेमनभायो देषतहीसगरी
सजनीतुममैरतमानकहामनछायो इठगयो
इठग्रानपिग्रारोकहाकहीयनमहोनमनायो १८
जाकेलीयघरद्विकानतजोनसिषीसषिग्रानकीसी
षसिषाई वैरकीयोसगरेव्रजगाउसोजाकेलिय
कलकानगवाई जोकेलीपेघरवारवारनसोंम
तिरामरहियोहसलोगवबाई नाहरिसोहितपक
हिवारगवारमेतोरतहेरनलाई १८ ॥

अथकबित्तरसखोनेपठानेदे॥कबित्त॥कंचनके
मंदिरनडीठठहरातनाहीसदादीपमाललालमा
निकउजारेसों डौरप्रभुताईहूकोकहालोंकरोंवखा
नप्रतिहारभूपसदाटरतनाहारेसों गंगाजूकेन्हा
इसुक्ताहूललदाईवेदवीसवारगाईध्यानकौजिप
सकारेसों जोपेप्रेमभपतोकहारसखानकेहूचि।
नेदेनकीनीप्रीतपीनपटवारेसों १ कहारसखान
सूतेंसपदाग्रपारकहाभयोजोगीहूलगपतन।
छारको कहासाधेपचानलकहासोपवीचजलक
हानीजलिपराजसिंधुवारपारको जपवारपारतप
संजमविद्यारव्रततीरथहजारअरेरसकनलवार।
कें कीनोनापिग्रारनहीमेआदरवारपकनंदके
कुमारनिराकारकेअधारकों २॥सवैया॥कंचनमं
दिरऊचेवनाइकेलेमनेमानकसोंझलकेप प्रीत
हूतेसगरीनगरीगजमोतिनकेनोतलानछेप त
टियदीनप्रजानप्रजानिनकीप्रभुतासघवाललवे
प अपसेभयतोकहारसखानजसावरेगवालसोंने
हूनलेप १ मानसहोंतोवहीरसखानवसोंमिलगो
कुलगांउकेगवारन जोपसुहोंतोकहावससेरोचरों
मिलनंदकीगाइकुमारन पाहनहोंतोवहेगिरकों

रस॰
षा॰
१

जोकियोव्रनछत्रपुरंदरथारन जोषगहेंतोवसे
रोकेरोमिलकालिंदीकूलकदंवकीडारन ४
शिवजीदेसवैये॥ वहूटेषथनूराकेपातचावात
ग्रोगातसोंछरलगावतहै चहूंग्रोरजटाग्रटकेल
टकेछवसोंकफनीफहरावतहै रसषानजेईचि
तवैंहितसोंतिनकेडुडुभगावतहै गजषालक
पालकोमालसोंहैसोंभाळूवजावतग्रावतहै १
वेटकोंऊषथषानतंहीनकरेकळुसंजमजोस्व
नमोसे तोजलपानकिऊरसषानस्वथारसज्ञा।
नलह्योस्वषतोसे परोस्वयामयभागीरथीसभ
पथ्यकुपथ्यवनेतहूपोसे ग्राकयतूरोचवातफि
रेविषषानफिरेसिवतेरभरोसे ९ गोयनगावत
गोयनमेंजवतेंजहमारगहैनिकस्यों तवतेंकुल
कोनकितोंकककरोंयहपापीहियोंफूलस्योंफूलस्यों
ग्रवनोजोभईसोभईनहिहोतहैलोगग्रजानहस्यों
तोहस्यों कोउपीरनजाननजाननसोजिनकेहग
मेंरसषानवस्यों २ दानीनपभपकानकाहावत
जोस्वनेकंमनोवोयेजजेहो होकतहोवनमेंरस
षानयस्वारतहाथमहाडुषदेहो टूटैळुरावळुन
मैंमोयनस्वोयनकोहरमोयनपैहो जेहैग्रपष

नकाहूतियाकोछूरानकेमोललूलानविकैहे।
आयोहूतोनियरेरसषानकह्याकहोतूनगईउहूदै
यां जेतीसियानीअयानीनिदानीअद्यानिहूना
हूनलेनवलैया कह्यानूकहोंकहिवोनवनेस
नपककचरित्रकियोयडुरैयां गागयोतोनिकाग
योप्रानजमागयोनेहूवरागयोगेयां ९ दमकेदू
तकुंडलदामनिज्यौंधुरवाजितगोरजराजतहै
मुक्ताहूलवाटनगूथनकेसतोहूदनकीछवछा
जतहै हूजवालनईउमहीरसषानसुईडुवहूडुत
लाजतहै यहुआवनपीमनभावनकीवरषाहि
समानवराजतहै १० लालगुलालडुकूलनसूल
अलीअलिकंतलराजतहै सकनाकेकदंवतेंआ
वकेमोरसनेसुरकोकिललाजतहै मषतलस
मानकैगुंजछरानमेंकिसकककीछवछाजतहै
यहुआवनगायकेकोरसषानवसंतमोआजविरा
जतहै ११ मोहनकीमुरलीसुनिगायिकारीफके
आनअटाचढफांकी गोपवहूनकिडीठवचारके
डीठमोंडीठमिलीदोउवांकी देषतमोलभयोआ
षियानकह्याकेकोनवचाअकमाकी केमेंछपा
रछैपरहूकीरसषानडहूंविलोकनवांकी १२

रस०
षा०
२

2

कवित्त॥

एकओरखवासनारबीजनाडुलावतहैंहूजीऔरफा
रीलियेठाढीजलपानकी तीजीऔरपानदानपान
नषुलावतहैंगायेसुखलालीवनीछवतउतानकी
तहांसमैवसुरीवजाइरसषानपीयआइसंगयहूंदा
वनकुंजनलतानकी वामेगिरिनीरवारीदाहूने
समीरवारीपाछेपानदानवारीआगेवृषभानकी १

सवैया॥ एसजनीब्रजनंदकुमारबजाईएवांसुरी
यांरंगभीनी तानसुनीजिनहींतिनहीं तनवेतसव
लाजविदाकरदीनी घूमेपरीखेरनेदकेहारनवीन
कहाकहौंवालप्रवीनी याब्रजमंडलमेंरसषान
सोकौनभटूजोलटूनहिकीनी १८ आजभटूइक
गोपवधूभइबावरीनेकुनअंककसभारै मानअघात
नदेवनपूजनसासुसयानउकारे यौंरसषानखा
रोसगगोब्रजआनकेआनउपाउविचारे हूकोउका
हूकेकरतेयहूवैरनवांसुरियागाडिउरे १९ एक
दिनमुरलीधुनमैंरसषानलियोकहूंनामहमारो
तादिनतेउहूवैरनसासकितोकियोटतनफाकन
हौरा सोनोववाउवलइसौंआलीरीजोभरलेतहौंअ
कमोयारो वाटपरीअवहीअहटवैगोंहौयेरठटकौं
वोपरेपटवारो १८ तादिनतेसषिवैरीगलीनि।

१

कसेमनमोहनगोधनगावत पञ्जलोगसोंकोन
कीवानचढायकेमोहनेनेननचावत वैससवोन
जोरीकोउनेकमोनकोंनताकोवनापरिकावत
वोसरीजोपेकलंकलगपोनिसंकहै अकहानलगा
वत १८॥कवित्त॥गोरजविराजेमाललहलहीव।
नमालगैयापाछेग्वालगावेंमृदुवानरी जेसीमधु
मधुनिवासरीकीवाजतहैतैसीवंककचितवन।
सुंदरसुसकानरी कदंवकेनिकटनिकटतटनी
केतटग्रटाचढचाहहेपीतपटफहरानकी रसव
रषावेतननतपतवुकीवेनेनप्रानननिफावेवह।
गावेरसषानरी १८ सोइव्रसमब्रसाजाकीकरतम
माधनितसदाशिवसदाहीधरनध्यानगाढेहै सो
इव्रसजाकेकाजग्यानीमुफराजारेकजोगीजाती
हैकेसीनसहेअगदाधेहै सोईव्रजचंद्ररसषान
प्रानप्राननमेंयतिअभिलाषलाषभांतनकेवाढे
हैं जासदाकेग्रागेवसयाकेमदमोचनवेतामर
मलोचनषरोचनकोठाढेहै १९ जमुनाकेतीर
नहीकहतीग्रधीरगोपीप्राननेरषीहीवरागग
रोहीमरोहीसों चोरहेहमारोप्रेमचोनरातेहारो
गदरानननेनिकसभाग्योहैकरलजोहीसों प

रस॰
षा॰
३

3

सोरूपपसोभेषहमैंहीदिखायोदेषदेवनमेंरस
षानतैनैनमचमेहोंसो मुकुटफूकोहौंहारहिय
रेहरैहौंहोअंगअंगसमरोहोंसो ॥२०॥ सवैया ॥ सं
पतसौंसकुचातऊवेरहिरूपसदीनवनीतअनंग
ही भोगकोकेललियेहिफिरेदरजोगकीगाथय
रीस्थिरमांगहि ऐसिमपतीकहारसषानरसोर॰
सनाजुसुकतनेरंगहि जोचितजोकिनरंगरंगयो
सुरहोरचित्राथिकारानिकेरंगहि २१ केसमुथी
सुनवानिअकामकिजामनहारकुमारनथायो
रैनअंधेरमिलेवसुदेवमहावनमेंअगरेथरआयो
नाहूनवोंजुगजागतपाइसुनाहिजसोमतसोव
तपायो भाडुकसोंवरआठहूकोरसषानमहाप्र
भुदेवकिजायो २२ श्रीहरिदासकिगर्वभरेअम
नेकअनंतनिहारनके सोमधुरेरसषानकेआ
उसीनषानासिवहारनके योनहिलेकुसुजावि
पकैगोवरनेगुनकौननिहारनके कोरहिंपडिवि
हारसोंसवैवपरवाहविहारनके २३ वासुषकी
सुसकानमहाअषियांननतेनेकटरैनहिटारें जो
पलकेपललागतहीपलहीपलमांहिपुकारपु
कारें हमरउोरननेकचलेइननेंतननेसगायोव

जसोरे प्रेमकिवानकिजोगकसानगहीरसषा
नविचारविचारे २४ मोरपषामुरलीवनमाल
लेषहियकेहियराउमहोरी तादिनतेंइनवैरन
कौंकहिबोलऊबोलसमेजुसहोरी मोरसषा
नसोनेहलगयाकोऊपककहेकोउलाषकहोरी
औरमोरंगरह्योइकरंगरंगीलेसोंरंगरहोरी २५
मोहिनमोहनसोंरसषानअचानकभेटभईवन
मोंही जेठऊघामभयोस्रवथामअनेगहिअंग
समांहीं जोवनकोफललेहमहूलषवानन।
कीलसतोतरनाहीं काह्नऊहाथपरेहेसिरऊ
परमोरकरीरकिछांही २६ हेरतवारहिवार
उनैंअववावरवालकह्यअकरेंगी जोकछवहू
नकहेरसषानजुकेहूनवीरथिरीरथरैंगी मान।
हिकाह्नकिकाहूनहोजवरूपठगीहरिरंगफेरें।
गी यातिकहंसिषमानमहूयहहेरनतेंहिपें
डपरेगी २७ देसविदेसकिदेषनरेसनरीफेकि
कोउस्रहूकरेगो नोनितिहूतजजानगिरेगु
नसोगुनडोगुनगांठपरेगो वासुरवारवडोरिजा।
वारहिसोरसषानसुफारठरेगो लाडलछैलव
हेनुअहीरकोपीरहमारहिपकोहरेगो २८

र.स.
पा.
४

काउफ़टेकिफ़टीउपटीउफ़टीसंतआयकिथों
हों भावतमैषसमेरसषानननतानियकोआष
आलालचोहोतरुछजानतयाछवकीयहको
नहिसांवरियावनिमाहो जोरतनैनविहारत
भोनचोरतविलमैरतचोहो २१ चोवटकेनट
वानटनागरकोसुनकेततकारी रासविलोकन
कोरसपानसभेउमगेब्रजकेनरनारी देषतपेत
परेसगेरेजितहो तितहोवनश्वजमारी तीछन
कोरनकीवहुं ओरचलीचित चोरचितोनछटारी
मकराकृतकुंडलगुंजकिमालउलालवनीपग
बांवरिया रससषानविलोकनसोंछहूगरवांवरि
याब्रजडावरिया सतनीवहगोफ़लमैविसांवि
गरीयहनेदकिसांवरिया वछरानचरावनकेमि
सगावततेंगडभावनभावरिया २१ काहकोमा
षनचाषगयोग्रस्काहकोहपटहीठरकायो का
हकोचीरलेरुषचडेग्रसकाहकोकुजछरीछहरा
यो मानतनावरजोरसषानसुजाननराजयहीय
रआयो आवरेलुछनसोमनसोंत्रमलेगरजाहि
किमेरमेंगायो २२ एकसमेपकगपारकेब्रज।
जीवनषेलतडीठपरयोहै चालरनारनआयन।

सोंसेरकाइकिमोरनवीरयस्यो है यौं रसमें रसखो
रसखानसखीअपनोमनभाइकस्यो है नंदकेछो
हरफौंकिदेसीसहहामुहिगोवरहाथभस्यो है ११
बोलनबोलमहाहाइकाकुनकहूंपियसोंउघघो
लहसी है कालज्जुगोरसबेचनकोंब्रजवासिन
बीचलीनिकसी है आजहिवारकलेहदहीकहूं
नेकहिनैननबीचहसी है वैरनवाहनईमुसका
नसुईरसखांनकेप्रानवसी है १७ परिसखीवहग्वा
रिकछोहरियावयेनचराइगयो है मोहनतानन
गोधनगाईकिवेंनवजाइविकाइगयो है वाहिदि
नाकछटोंनसुकेरसखानहिपविसमाइगयो है
कोउनकाहूकिकोंनकेरसगारोब्रजवीरविकाइ
गयो है १८ मंदरस्यामसनेहसनोउचरीप्रलके
उचरीरविसूरत सोरसखांनमिलीतिहूंलोककि
मनजोचितआनयसूरत चंद्रकिसीमलसेंमुखसें
दूरपीयचमूवलरंगनछूरत गाइनकीगिरदांवरि
मेंडुघदावरिमेटतसोवरिसूरत १९ नैनलख्यो
नवकुंजनतेवननिकस्योमटक्योमटक्योरी सोभ
तहारहिपलटक्योउरकेसुकरीटलमेंलटक्योरी
कोरसखानसग्योहटक्योब्रजलोगफिरेभटक्यो

रस॰
घा॰
५

S

भटकोरी रूपमनोहरवानटकोहियराग्रटको
रूषरोषटकोरी ३७ ग्राजभटूकहूनेटकलालन
ग्रानग्रावानिभुजालटकोरी सोवहूपाइकिपर
सघांनपिलेमनग्रानमेवसटकोरी नैननकोव
टपाइकपोलडोलनमेंचटकोमटकोरी लोकचा
वाइकयोहियेरग्रटकोमुषमेपटकोरी ३८ ग्री
वृषभानकिछानभुजाग्रटकीलरकाननियानल
ईरी वारसघानकिपानकिजानछुडावतराथिके
प्रेममईरी जीवनस्वरमितेजलिराइनहूंचितेडो
उनहूंचितेग्रोरी लालनलीहगजोरतहीस्वरका
नगुडीउरकाइटईरी ३९ ॥कवित्त॥ ग्राषियाकूता
रथकेंनेनेकमेरीरायेनदीघेतेमछेनकीरनकी
ग्रोटहैं छकैछैलछोहराछवीलेरमघानजाकेंग्र
गग्रंगग्रंगग्रंगसवछवनकीपोटहैं चेटदसवारम
मग्रंघनीकमारसमवारसमकारूपेंनषोटहैं दे
षेमुवमेंावरेकेडोठहोनसोटपोटचोटनीकेवास
रचरकपरवोटहैं ४०॥सवैयाहरिहरध्यान॥ इ
कडोरकीटलमेडुमेरदिमनागनकेगनगाजत
री रमघानपिंतेवरपकेकेयापरपकवछेवरमा
जनरी स्वरलीवरयारनग्रायिकउठहिग्रायिक

नादसुवाजतरी हाँरसूरतहिलेउनकीनिकसैं
श्रृंगमेषविराजतरी ८१ मोरपषासिरऊपरराषके
गुंजकिमालगरेपहिरौंगी ओटपितंवरलेलकुटी
अरुगोधनगोरनसंगफिरौंगी पतीपहेरसुनेरेरस
षानसोतेरेलियसभस्वांगकरौंगी पैमुरलीध
रकीमुरलीअधरानधरीअधरानधरौंगी ८२ क
वित॥ भूल्योशृहिकाजलोकलाजमनमोहनीको
मोहनकोभूलगयोमुरलीवजाइवो अवदैदिनमै
रसषानवातफइलजैहैसजनीकहाँलोंचंदहा
थनछुपाइवो कालहीकलिंदीतीरचितयोअचा।
निकहूँदुहनकोउढूंगैरमुसुरसकाइवो दोऊपरे
पैयांदोऊलेतहैवलैयाउनहैभूलगईगैयांउनहूँ
गागिरउठाइवो ८३॥सवैया॥ सोहतहैवदवासिर
मोरकोतेमेंहिसुंदरपागलसीहै तैसहिगोरज।
वालविराजततेसहिपवनमालवसीहै रसषान
विलोकनवौरिभईदृगमूंदउवारपुकारहसीहै
षोलरिओषयेषोलुकहोयहमूरतनेननमाहे
वसीहै ८४ अंगनहिअंगजराएजरयोसिरसोहत
हेपगियाजरतारी होराकिमालहियेलटकेलट
आलटकेलटचुंवटवारी एरवपुननतेरसषान

रस०
प्रा०
६

6

सूरतमोहनआननिहारी चारौदिसाकेमहाआ
येंहांकजफांकनफांकेफरोछेमेंवांकेविहारी ४५
मकराकृतकुंडलगोरजमाललसैंउरगुंजकेहारन
मैं कटपैंपटपेटलपेटलियोबहुषेलतडोलतग्वा
रनमैं मनमेरोअचानकहीरसषानसलेगयोनेक
निहारनमैं अबकोमुरकेकोउनेककरोउरफोम
नहुंघेरेवारमैं ४६ केसरियापटकेसरषोरलमैंउ
रगुंजकोहारठरारो देषनहौंकवकीरसषानषरे
अंगनाबमडोठनटारो आपनकहौंकयाछुबसो
वनठाठविकाउमेरोकनहारो हेनावेकाउनोल।
तवनेहमिवोलनेहारोसोमोलहमारो ४७ शंक
रसेसुरजाहेजपेचतुराननध्याननमेंपमैवफावें
नेकहियउरआननतहींजडमूलमहारसषानम
हावें गाहेभुअंगगअनेंगविरंगनवारतप्राननपा
रनपावें ताहेअहीरकिछोहरियाछछियाभर
छाछकोनाचनचावें ४८ यालरूटीअरूकामरि
यातिहुंराजतहीपुरकोतजवांरुं आठौसिद्धिनवन
वैनिधकेसुषनंदकिगांपचरायविसांरुं रसषा
नमनेइनेनेननसौंव्रजकेवनभागतडागनेहारुं कोट
किथौंकलधौतकेधामकरीरकेकुंजनऊपरवारुं ४९

हजुकौवननासवघेरकैरैंतेरोफारविनातोकहा।
कसरी नंदहूमकोंजमकाहूभई मुषकानगहीतो।
काहारसरी रसषानभलीविथआनवनीरहैनेन।
हिदेतदिनासरी हमतोतजोश्रीव्रजकोवसवों।
वसरीहूजवैरननंदवसरी ५० सभहीमिलिमोह
नमोहनकीमधुरीमुसकानदियाइदई वहमोह
नमूरतमैंनमईउनहूंचितईतोहूउचितई उनतो
आपनेआपनेघरकीरसषानभलीविथगैललई
कछुमोहिकोंपापपरोपलमैंपगपांवरिमोहप
हारभई ५१ मानकीऔधहैआधघरीअरिजोरस
षानडरैहितकेडर नाहठकीजिपछाडिपपाप
रोपसैंकटाछमहाहियराहर लालगुपालविलो
किपनेकछवोकिनद्वैकरसोंकर नाकरवेपरवा
रेहैप्रानसवाटकहाअवहांकरवेपर ५२ ॥

रस
षा॰

7

कवित्त॥ कैंधौंस्यामघनमें प्रकाशहै प्रभाकर
कोकिधौं अथ्यारी निसभामनोंइंदकी सिखर
केसिषरपरदीपकउज्यारोहोतजमुनाजलमध्य
माईअरविंदकी कालीकेकपालपरकेशवकेप
दमपरपत्रकेमाथेपरमनिहैफनिंदकी आली
तेरीसीसफूलकैपसीसोभादेतमानोमाननीके
पाहैनपैमूरतगोविंदकी॥ कवित्तशिवजीदा॥
चंदभालव्यालमालकूटकलडमरुवजावनावे
हीरजोयतुरियां भूतग्रीपरेतसाथसूलऊपिना
कहाथजारकेउआपदीनोकामदेवहुरियां भूष
नाविभूतअंगसरसेरषापमंगगंगकेतरंगसी
हंउमुंडहुरियां पांचदेववेदवावेजोगनीजमात
साथमदकेमगोजनैनलटकेलटूरियां १॥

जसउपमा॥ कवित्तराजादिराजराजाहीरासिंहव
नैनें मित्रगणमरणकरणमाहिवंदमाहिशत्रु
दलसोषनप्रसिद्धसूरलेषिये सरवसुषभोगन
विलासमाहिंइंद्रतलयनदसमानयेनदेणमा
हिदेषिये प्रवलप्रतापीवलजीतननमेंपारथहै
दानमानमाहिप्रीतवलयवपेषिये ऐसेगुणनाग
रउजागरहैप्रथीपालराजाहीरासिंघजीविचार
मनटेकिये १ चफतचफाईचालचफजोहैसमि
द्धसूरप्रवलप्रतापशत्रुदलसुषशोषके मित्रग
णसकलसुजानहृदयकमलफूल्योपावनपुनी
तसुषवफेजनलोगके दानसनमानसभपावैय
थायोगजैसेलेषनविचारकौनगिनेसुषदेषके
श्रीमहाराजमहाराजराजाहीरासिंघसकलव
डाईहेनिहारीकविपेषके २ जीनजगसकल
प्रसिद्धगुणसागरउजागरगुणानगुणजानतके
वीनके सोभतसभावसुभलक्षणलषतजाके
लेषयतदेवसुषग्रस्तप्रवीनके देषपतकाला
नियमानोसुषयाहीहेतपतडषदारदहरनजन
दीनके श्रीराजाधिराजमहाराजाहीरासिंघजा
नप्रणपालप्रणपालितसकीनके ३ प्रवलप्र

अस्फो
८१

नापीगुरुनापीमहाराजसेनग्रोरकोनमागोहुरहे
हैनिहारेदरके देखजलसरनउठेहैपंषीत्रिषावंत
महावलीवीरवीरवैठेतीरसरके दीजेश्रेसोदानग्रो
रयानमांगोप्राणनाथवैठेमथलेतमनवंथीमभद्य
रके राजाध्यानसिंहकेमस्तनश्रीहीरासिंहरूपचार
मासगुजरेरनिहारीग्रासकरके ५ ॥दोहा॥ जगतसिं
हनरनाहकोजानसभनकोईस कविपद्माकरदेत
हैकविनवनाइग्रसीस ५ ॥कवित्त॥ छत्रनकेछत्रछ
त्रधारनकेछत्रपतछाजनतछत्रछानछितछेमकेछवे
यो हो कहेपद्माकरप्राभाकेप्रभाकरदयाकेदरिया
वहिंदहदकेरषैयाहो जागतेजगतसिंहसाहिबीस
वाईश्रीप्रतापरूपनेदकुलचंदरहुरयाहो ग्राछेर
होराजराजनपतमहाराजकछकुलकलशहमा
रेतोघणग्रायाहो ६ ॥दोहा॥ हितकारीसोईहितेहि
तसमुविनेहेत दुःखदाईतनकोविषयावनहूदीमघ
देत ७ ॥कवित्त॥ जैसीछवस्यामकीरवगीहैतेरीग्रं
खनमैंतैसीछवस्यामतेरीग्रांखनखगीरहै कहेप
द्माकरतानानमेपगीहैत्योहीतानकामप्रेममेपगी
रहै पीरपरवीरपरमूरतकिशोरीउतेउमेलगन
वगावरलगीरहै जैसीरटतोहीलगीमाधवकीजै

सौरायेरायेरायेरटमाथवैलगीरहै ८ छूटतक
मानवानकोंपैजिमीग्रासमानमाचैवमसानरा
णासुरमारिसापैहै भीरपैरभीमसोहै भूधरलोभ
योभारीसापरसमंददलसाजगाजग्रापैहै हाथी।
ग्रापैमलवैकोवोडाग्रापैदलवैससाथीकहैबलवै
कोचलैनाचलापैहै कहोमैकहातकसुग्रउरहोप
हालगयरीवारलोनवडोविवानहूउपैहै ९ मीन
सोजलाटनउहाटनदीवाकरसौंइंद्रसौंगजाटनग्र
रभाटनवेतालसौं श्रीपतसुजानरायवटसोनवट
हैमचटसौंनचटसौंग्रोरनटससिपालसौं वाली
सौंवलीहनहूसुणीसहेविसीहनूसौंग्रोरनाकनि
हकोकुकुलसकरालसौं ग्रामीसौनमिहहैनमेरसौ
गरिष्ठहैनमीचसौंकनिष्ठहैनइहहैगोपालसौं १०
निकमतमियानतेमहाबैघ्रलैभांनकीसीफौरेतम
तोमतोगयंदनकेजालकों लागतलपकवैरीकंठन
कोनागनीसीरुद्रहीरिझावैदैदउडनकीमालकों
लालग्रनपालछत्रसालरनरंगधीरकहांलौवषानक
रौंतेरीतरवारकों प्रतभटकककटीलेकेतेकाटकाट
कालकासीकिलककलेवादेतकालकों ११ ग्रागेना
ईलोदखतलउईलईग्रागेमारवाजेपाछेखाकडोछै

मगरमसनकेदोऊनिसांनसोहैजाकीफौजमेंताप
रोसाकरोछै कालेहाथीपैगडेकीढालसोहैजाके
माथेसोहैटेडेपागडेछै किरकीकिरकीकिरकी।
किरकाकिरकामाचोकिरमचीकिरमचीरंगडेछै १२
वलेवंदवानग्रोऊहूकवानछूटनकमानग्रासमान
भूमछैरहै वलीजमधारतरवारवलीवलोरनलोहू
कीलहिरमाफजेठमासझैवेरहो ग्रेससमेंहाथदो
वगायकैमकेदरापग्रनकेवलेपांपवीररसव्वेर
हो हैवलेहाथीवलेसंगछोडसाथीवलेग्रेसीवला
वलीमैग्रवलहाडझवैरहो १३ समरग्रमैठीकेस
रोमगुरूदंतसिंहसावनकीसेनासममेरनसोभांती
है भनतकविंदभातभातनग्रसीमनसोसीमनको
ईमकीजमातसरसानीहै नहांपकजोगनीसभटक
रवोपरीलेसोननपीयननांकीउपमावषानीहै
पिग्रालीलविनीकोथकीजोवननंरंगमानोरंगहेत
पीवनमनोटमुगलानीहै १४ टूटैगीवराहिंदाढ।
फूटेगीकमठपीठफाटैमहसफविफनीकहिलान
के ठफजैहैप्रहमपवगमकेपावेलाग सकजैहै
संतहंसमप्रहमहिमानके परिहैहलमचवानके
मलवीचगिरजैहैगगनठजैरेभारभानके हनहूं

वैहैपवैगिरिसिखरफ़हैगमभन्तनकसकमर
सिंतूनहिदवांनके १५ कीजीपनफ़ौलजहांगा
फ़ोगफ़लैनहोयवांथकेघामशेरसभहूंकेआगे।
याईहै कीजीपनफ़ौलपरस्वारथ्थकेकरवैकोविक्र
मकोन्याईदुःखदारदगवाईये तेरेदरवारकवीपती
देरस्वणीनाहिकहूतगणोघाजोकछुमागीयेसोपा
ईये राजनपतिराजामहाराजाश्रीहीरासिंहमेरी।
वेरपतीदेरकाहूकोलगाईये १८ नैकमंदमयरक
पोलमुसकानलागैनैकमंदगमनगयंदनकेचाल
भो रंचकुचेग्रवरुराजनकेअंकुरनिवकउठैनञ्
गनैकविसालभो मतिरामस्वकवरमीलेकछुवैन
पेवदनसिंगाररतिवेलवालभो वालतननजोवनर·
सालकुलहूतलषिसोंतनकेसालभोनिहालनंदला
लभो १९ काननिलैलागैमुसकानप्रेमपागैलोने
लाजभेरलोपनविलसतअंगनगते भारथरिभुजनतु
लावतचलतमंदग्रोरैउपकुपजतिकुरनकुतंगगैने
मतिरामजोवनपवनकीककोरेग्राईवफ़नसरस
रनरलतरंगगते पानिपग्रमलकीफलककलकान
लागीकाईसीगईहैलरकाईकफ़ांग्रगतै २० विथ
प्रतिछोलैनदनदनकेऊलकुलमदनकेसलसहै

अ.स्कं
८.
१

3

नवैमसकलहै रैनऊंमैदिनभैरैदिनऊंमैंहैनोज
रैहायहायकैरैतविहायनीकेपलहै विग्राकल
नृपनदमंतीकेवियोगमहाकवराजकहांभूषभा
वतनजलहै वारजैमेनलहैपरतग्रैमेनलहैसवै
नचितनलहैविकलराजानलहै १९ नवलनवावा
ल्वानाज्वरिमानेरनकीनेग्ररजेरसमसेरसिरजेको
नेवमसानसमसानसानवलवानपायोजैतपंतर
जिमोग्रासमानलरजे लोचनकीज्वालतेजुवामी
वंदमाकीधारभेदभयोभारीनहंकाहिकाहिवरजे
निग्रारोवलविग्रारोग्रिगराजगजराजनिग्रारोगरजे
सोंयैभीजेवमनसरीरभीजेंजोवनसोरसभीजी
वांतेग्रारसभीजोयलेकै ग्रमीभीजेग्रधररदनभीजे
वीटिकासोंचोयेभीजीचोलीमांफगोरागातफलकै
नेहभीजेलोयनसुरतभीजीनाहसोंकविपुरुषा।
नमकोमननितललकै ग्रगग्रगभामिनीकेकाम
कीकलासोंभीजेभोंहभीजीभाइनफुलेलभीजीग्र
लकै २१ हौनोग्राथीनदीनेदासकथनाहैकीनत
तोप्रवीनसोंहोमापैकरवापलै जौवलीजेटनीस
घटनीतरीग्राथीमोनकोतासेनीदीखवायेसवा
पलै कंचकीउफामैदीऊनपसीनपतननीनऊंके

२०

सीसपरहाथ्यधरवापले कामकीकसानसौंकपो
ललालमोलभेपरामक्कूसलाघवारचढवापले २२
वेयाहोतक्कूहरकलपतरथ्थूहरहोतपरमहंसहूह
रनकोहोतपरपाटीको भूपतमेंगईयाहोतकामये
नगईवाहोतगियंदमथज्जुवतसचेरोहोतचांटीको
सीपतसजानभनैपुंनभनैपुंनमांऊपापहोजवैरी
विजवापहोतसांपटीको नियनऊमेरहोतसिंग्रार
समसेरहोतदितनकोफेरहोतमेरहोतमाटीको २३
ननकसोचिनगाछिनकमाऊवापफिरेहवेकरय।
वंद्दकरेछारवारवनियै कोनैमाफवालकसौंविल
वासकचवैढोदावपैरउदगाविछकेनहीहनियै जै
सीहैसवैदराकीजियाकीफिरतियाहीहोपभलीश्र
नैनीलैनीलैलीमूलतेनरवनयै वसथाकेवीवसौंवि
जैवाहैतैतानवीरवैसंतरवैरीविश्रायछोटेनहीगनि
यै २४ दारदडुरदमदनकोंग्रंऊशाहैग्रफऊलति
मरविनासनकोभानैहै घलगडफालनकोभादोकी
नदीकोंएरडुनीकेगर्वगगहूनैनिदानहै कीरतस
रसरीकोननकसमेरकोजमोहकेविदारेवेकीहू
रियगध्यानैहै कूरमऊलकलसजैसिंहजूकोनंद
वरराजारामसिंहकरराजतकिपानैहै २५ वैरनवि

हंडनकोदारदकेखंडनकोगुनीगुनमंडनकोपोन
काह्नग्रोरकी क्रूरमकलसदेवयौमननेमेथाकपार
थगवलकोरतनगलसिरमोरकी सिंघजैसिंघतनै
रामसिंघफतेकहालौवषानेकविजेतीठौरठौरकी
दिगजसेडरदतरतजेगजरतहोदरकतडरगदवा
पटेषैदौरकी २९

नामजानवरांदे ॥

वाजपातछोंहैतवहरीवजीरहै वासासाहजादाज
ग्रारजादा क्रूहीफजदारहै लगडझटवाल वेसरागम
ती नतीमहेली वंपाकेरेली छिकराग्रमीनदारहै व
तकमेहषानी मुरगावीमीग्रानी मुरगावामिग्राना
झजपेवरी बुलबुलमांगना नीलताछभाटहै लवावरा
गी वफेनमंन्यासी तीतरडगौड कहतरवाजी ढौक
वैडग्रावाडी हंसखतरी वगुलाधोवी देग्रडमनीग्रा
रहै लाटहलवाई पिदातेली नरमुनाजलाह लमा
डीगलहारहै डुखलवामन उल्लूराई सेरकसाई गुर
मनजातहै चीलडल कागचंडाल चुहेमार वमग्रार
वमगीदडसांसी ग्रहरीग्रलकलालहै मोरदेवता फ
मनामोची पंनामुनीग्रारहै किलकिलागुनर फषा
नालछुमरी पेडविलोचनी वाजपातशाहनो वेरीव
जीरहै।

अथस्त्रीमंजरी

रूपकौररूपाकीप्रीतरीतरसरंग नखसिखविचित्र
चित्रअतिहैरेलजनतअनंग १ दपअकौरदीपतदरस
करतदेहकोदान नैनअैननीछनवनेवफैमनकी।
मान २ सदाकौरसुंदरसरससोभतसीसखहाग
सुखसागरनागरनवलऊजलजोकेभाग ३ देषम
नावकौरसखीभयेमतावविनाप आवसहावनना
वलेगोरेरंगगुलाव ४ राजकौरराजीवदृगरूपरा
सरसबोल हावभावगुतवावसोंकरतिकलोलअ
मोल ५ नेदकौरमैनेरूअतनिसदिननिरषतपीय
मधरीमूरतसुभरीसुखउपजावतहोय ६ चंदकौ
रसुखचंदवतवंषरुडतचमकात चंवलचातरवि
त्रनीचपलाजिउसुसकात ७ इंदकौरअरविंदमु
खकरीयसिंदगुविंद नरीनागनीजछनी यहीसम
नकीनिंद ८ हेरजिंदकौरसावीरोमनरंवकराख
रूपकलंकगुमानहैयहैसावकीसाव ९ साहिव
कौरासुखरसहीजाननतसभरसरीत सुरतसीर।
साहिवीदईविधातेप्रीत १० रतनकौररतिराय
कीपियारीरतननिरखान अंगसुगंधसुवनेनाभ
नगरसमान ११ रीप्रतापकौरैसखीनमरोअग

टप्रताप हूसखेलोहमरीहितनाथपतहोतवजाप
मासकौरसमसुंदरीसोभनग्रौरनकोयभागसु।
हागसलछनीजसजाकोतिहूलोय १३ रामकौर
रानीरमारूपरासरतिरंग योवनजोतजरीखरीचा
हूतवतरनसंग १४ करमकौरकेहूरकमरकरको
मलऊचकूर मदनवदनसुखकोसदनमानोसुर
पुरहूर १५ धरमकौरधरमात्माधरमकरतदिनरात
नोग्रासामनमैधरेसोधरेऊसगात १६ किसनकौर
तनकनकसोहिगकाजसकहिरऊठार लवकलचक
करजातहीसऊचकचनकेभार १७ बिसनकौरबा
लाविमलवलविधनाकोतोर सभजगग्रपनेवसा
करीयोनैननजोरचितचोर १८ मानकौरमनमोहनी
मनमैनमानिग्रेन छंदकंदसोतोरततोरैरैन १९
भानकौरभामनभलीभावतभौनविलास जगेजो
वनकीनवसोनोतनहरषहुलास २० रूपरथानं।
कौरसुकेपियारीपतरीपान परीपदमनीपत्रगी।
तंप्रीतमकेप्रान २१ हैहरकौरहरीभरीहेरतहर
तकलेस हेरहेरहसिहसिपैरजेसीनारसुरेस २२
प्रेमकौरग्रतिपतिव्रताधरनेप्रेमपवित स्रिगनैनी
बैनीमधरहरलैनीचितवित २३ हेमकौरतनहे।

मकोहूहीरागुनवमकंत परमप्रकाससुवाससुख
नमानेफागवसंत २४ खेमकौरदिलखुभगई
खुसखुवीकेखोय खातपीतवैठतउठतविसरत
नाहूनसोय २५ हुकमकौरहूरखतमदाहूसिह।
सिहीपेलपटाय पेखतहीसुखपाईयेमिलनमहा
रमिआय २६ अरीअनूपकौरैसखीअलकअनोखी
साज दरसपरसतननरसईचाहततरहोविराज २७
भागकौरभागतिभरीभलेभागजिहभाल हीरवी
रभूखनवनेलालमालउरवाल २८ सौभकौरसो।
भासहितसदनसुहावतसेज छैलछवीलीछपा
करनितप्रतितेजअमेज २९ आसकौरअद्भुतप्र।
भाअवलावलहूरलेत सापसुभावअसापअति
विनगुनयनजैखेत ३० जवदनारकौरदेखीदहू
दिसगयोदिलदौर खोजयकोपाईयहैतंसभ
हीसिरमौर ३१

रूपकौर सदाकौर राजकौर वंदकौर रजिंदकौर
रत्नकौर खेमकौर अनूपकौर सोभकौर दलारकौ
र सामकौर करमकौर किसनकौर मानकौर प्र
धानकौर प्रेमकौर १

दयआकौर सदाकौर नंदकौर वंदकौर साहिबकौ
र रत्नकौर रामकौर करमकौर बिसनकौर मानकौ
र हरकौर प्रेमकौर हुकमकौर अनूपकौर आस
कौर दलारकौर २

मताबकौर राजकौर नंदकौर वंदकौर प्रतापकौर
सामकौर रामकौर करमकौर भानकौर प्रधानकौ
र हरकौर प्रेमकौर भागकौर सोभकौर आसकौ
र दलारकौर ३

इंदकौर रजिंदकौर साहिबकौर रत्नकौर खेमा
कौर हुकमकौर अनूपकौर भागकौर प्रताकौर
सामकौर रामकौर करमकौर हेमकौर सोभकौर
आसकौर दलारकौर ४

धरमकौर किसनकौर बिसनकौर मानकौर मात
कौर भानकौर प्रधानकौर हरकौर हेमकौर खेम
कौर हुकमकौर अनूपकौर भागकौर सोभकौर
आसकौर दलारकौर ५

ॐश्रीगणेशायनमः अथसुभषंडआरम्भते दोहा
गुणऔगुण ॥ सभहिभलेप्रथमविचारहिंआउ
जोसरितजलहीनहै तवकौनकाजकीआनाउ १
वाजननजोरिवगातीआनिकोपेइकठौर पहिलेदं
लोविहूपेजोवांधेसिरमोर २ सकलअंगवरननक
रैगुननिर्गुनकेवेद सुषदुःषजीवनमरनकेरचे।
जविधनभेद ३ पहिलेआकंविचारिकेतासभल
छनदेह सुथिरभीतवनाइकरियाछेचित्रउकरे
ह ४ जोगुरुसुषश्रौवेदसुषवचनसुनेदेकान ग
नसभामेंजीतमोंकीनोउगरटनिदान ॥ ५ ॥ अरिलि
आ ॥ वाउतअंगुलअंगगपुरषजोजानीअें सोवांउ
नअोनरदेवकरिमानिअें राजपुत्रजाहोइतोभि
स्यानितकरियें आदरअहोइजोवामापाइनपरे
पें ६ ॥ दोहा ॥ वारिविंशअंगुलपुरुषवारुदुससो
होइ मनकपटीआपस्वारथीभेदनपावेकोइ ७
जीयकोलोभनजानइकरेदोषकरन्नत जीवनम
रनसुषदुषनिकटषिनराजाषिनहत ८ नवअंगु
लप्रथमनरसोमध्यमपरमान कहीआठोतरसो
कलउत्तममथमजान ९ ॥ चौपई ॥ नवैअंगुलपुरु
षजोलहिये तीसवरसआरुदाकहिये तवैंवारि

विना
प॰
१

धिकजोबढै पंचबरसअतिअंगुलबाढै सोअंगु
लकायापरिमाण असीबरसहोपैअनुमान सोअं
गुलउपरजोगनै अंगुलसाथबरसदसमनै होइ
दसोनअंगुलकाया नांहंह्रैवाहिअधिकबढीआ
या सातबरषनांकीअधिकाई अंगुलपाछेलेहुगाई
बिसासौंतनिउपरबढै होइचिरंजीवआगमबढै ॥१०॥
दोहा॥ कोइकलालछन सबडागरकोउडषगुण
डषदेई पुरषसौंतनपरषैनगुनऔगुनकहिलेई ॥११॥
अथबरणलछन॥ दीरघनिरमलअरुणनषको
मलऐंडीपारु समिलिअंगुलियांपायकीनाइक
पनीसुभाइ १२ बरणविचषंडितपैंनषनारायन
जोति १३ नुषफाटेबाछेरसेतपीतरविरंग फेलिप
रेपगुमगुचलतजेनरदरिद्रसंग १४ अंगूपारे
षाबरणतलगाजाकहियेसोइ ऐंडीतेअगुगमि
लेरुद्रेरेषहेसोइ १५ अमिलअगुगाआसुरीमहाउ
षतसोजान कलहूबढावैरैनदीनडषवितपरिमा
न १६ कमठपीठअैसेबरमसनिलसहाईरूप अ
तिदीलघुदीरघनहीनिश्चैजानउरूप १७ आयेन
षउजलबरनआयेहोहिसुरंग महासुषीनरजानि
यैंहोइनडषसोसंग १८ गुगतेअगुरीवडीवहुना।

९

यकसोंहोई अतिहीलांबीअंगुरीभरेगुनकीजोई १९
छोटीअंगुरीपायकीहोइकलहकरमोर अतिहीछो
टीअंगुरीनिश्चयजानऊचोर २० चरनअंगुठाओ
गुरीहोइजुसरवरदोइ दरसपरसडषसोनहीम
हांयनीसोहोइ २१ मध्यअंगुरीचरनकीअतिहीव
डीदिषाई ताहीकीजोरुमैरलछनकमैलिषाई २२
मध्यअंगुरीचरनकी अतिहीछोटीहोई सुरतसव
पावैनहीमिलेकरकसाजोई २३ तीजीअंगुरीचर
नकीमध्यमासोंअधिकाई जियामिलेसुकमैनी।
वियासदमैंअदनाई २४ अतिहीछोटीअंगुरीजोम
ध्यमाकेपास नकुर— मिलेसुकमैनीवियाहीन
हुलास २५ जोकनंगुरीयाअतिहीवडीअपनसका
नसनाइ जोछोटीअंगुरीअंहैयनवियाअधिकाइ
सुमिलअंगुरीचरनकीलहुअमपदउपजाई सुष
संपदवाफेसदाजानकमैकेभाई ॥ अथनषवरन
न अरिल यविकनवांकेसेतसफटेनषहहे मा।
हादोषपापि— कीआछेनअतिभरे अतिकोरेनष
होंहीनीपगवचनपरै संततिभावैविदेसचोरसं
गतिकरै २८ छैनावातामरसचभकवाडरेहोहि
जगजीटसुटीवसेराजाकहियेसोइ २९। अथंडीलछन

२९

विना
प.
२

2

ऐसेंडीलांबीपाइतेउषनसषहै थोरीऐसेंडिपाइत
दारिद्रउषहै ऐसेंडीहोइमसिलीजानक्रचौरनर अ
तिलह्रअतिनविसालसजानक्रंलछवर १०॥टंका
नकेलछन॥होइचारवेरटाकटाराजाकहियेसो
इ मैसाकेमोटांकनामिलैसभागनिजोइ ११ अति
होउवेटांकनेवेलसवरकीभांति नांकेलछनजो
कहेंवेदिपरेदीनजान १२॥जंघलछन॥हरनजं
घराजाकहातरीयाजंघपरथान सिंहजंघथनवें
तनरउनमकलावषान १३ अतिलांबीअतिटेंग
निऐसीजंघसहोइ कष्टकरतसंततरहैमिलेन
सपायीकोइ १४ जांकेजंघरोमावहुमैरियाकिं
वित जांकेजंघरोमानहीरहैदरिद्रनित॥अडिल
एकएकतनरोमसराजाजानिये दोइरोमइकठौ
रसोपंडतमानिये तीनरोमइकठौरसोभगतभग
वानहै चाररोमइकठौरदरिद्रकोषानहै १५ जैस
रोमवरदकेकेहह्मिकीदेह सोनरपंडितजानि
येकामिनीवमसनेह १६ जांकेपानरेवारसोउ
षपावैअधिकनरु देषहपरह्यौहारसषडषीकी
कोनकरु १७॥जानुलछन॥लहजांक्रंलहजिव।
नाअतिलहदारिदहोइ उलयेफीलीमासवितेइ।

हैवंदीमैसोइ ३९॥हीरदेलछन॥चौपई॥हृदय न
भारीजुहोइ महाधनाप्तपुरुषहैसोइ वाईदिसातन
नहैभारी मिलेनारीचितहीप्रेमप्यारी हिरदेसमान
ग्ररुनहैजाको सेवाकरेजगतसवताको डखिलहि।
येदरिद्रकरभाउ मोटाहोयोवरससोंग्राउ॥दोहा॥
तेरहर्येजरथनवफेचौदहर्येजरपाप राजापंजर।
ग्राठकाजेसेरंडप्रताप ४०॥पीठलछन॥पीठतेग
नीजानुकरराजाकहियेसोइ लेवीपीठनिदानस
निग्रतिहीदरिद्रीसोइ ४२॥कंधरलछन॥हस्ती।
कंधराहरूष जाकमेसुजान वादराकंधदलिद्र
सोकहैवेदपरमान ४३॥भुजालछन॥लेवीवा।
हविचिवनरछोटीवाहजोदास होइसुमिलस
हामनीउनमउपहास ४४ लेवीवाहनदाहनीम
हासुरवीरजान लेवीवाहजवामदिससोदरिद्रप
रमान ४५॥गुह्यलछन॥कैनाहरकेमिहिकाप
ससुहजोहोइ महाधनीनरजानियेवेदवषाने।
सोइ ४८ जोकेसहतलेगसोकामीधनीसुजान थ
हालिंगलछनकहेजोकछवेदपरमान लंवेलिंग
दरिद्रवससभठगनेनोल नीवउचनावारिघटि
जानहुवेहेग्रमोल ४८ लिंगदाहनीवरतीपुत्र।

विता.
प.
३

होई अधिकाई त्रियामिलेसभागनीजोसंततसु
खपाई वामवतीजोलिंगहोइमिलेनउत्तमनीय
उह्नफलसंततिवढेसखनापावेजीय ५० उवीपी
ठजोलिंगकीखिखानुनीषीहोइ उषपावेंरतिरंग
मेंत्रियानात्रिपतेसोइ ५१ आगेतेंउवीअधिकनी
वीपीठन्नुहोइ सदासुवल्लभकामनीमिलेसुलछ
नजोइ ५२ ॥कंदर्पलछन॥ सोजाकेकंदर्पमाहा।
आवैगंधआनमीन कीजानलेंहमनमाहगाईभेस
ताकेवढे अरिलय मधुकीगंधहोईजोविजेवी
रजवरुभरतीमनें विषकीगंधमदनमेंआवेप
गराजपहिचानें हृथदहीकीगंधजोआवैराजा
वलीवषानें लाखगंधकंदर्पजोआवेसदारूठर
ठानें आवेंगंधजोमीनकीजांकेकंदर्पवीव नां
केवितचोरीवमेरसैनारकीनीव ५५ सोमद—
वामवसाईजांकेमदनशरीरमें मषडउपसम
नाईजेमेसोभाचांदनी ५६ नीलवदनजांकेमदन
देमदेमपरमान दिगवी—पसोजानियेगजाजा
निसमान॥सूत्रधारालछन॥चौपई॥ एकत्थारजु
राजानानह हनीथारहतोपंडितमानहं नीजीथा
रनोवेसवहोइ चारथारदरिद्रीसोइ ५८ एकवर्णन

चौपई॥ सोनै रुपैबान सुराजा भनियै वैदमदपारि
मानरुपयेजानिये रुधिरडावालितोईकछुनरा
जुहै स्यामयानजोरुधिरतसोगसोंकजुहै ८९॥ क
वलवरन॥ दोहा॥ जोरुधिरतनसदाविपतिनरु
उष संतितकन्याउपजैकदनहूयावैसुष ९०
हाउलछनं॥ लोवैहाउसमासतनसदासुषकी।
षान हाउमसीलैठैंगनैवैहूदरिद्रीजान॥ गुदाल
छन॥ गुदाहोइविस्तारसोंअरुमोटीकछुहोइ सो
नरडुषदेसनहीसुषविलासकरैसोइ निरमांना
लविस्तारसोंगुदादरिद्रीरुप सदारहैसोडुषमें।
जोउपजेकुलभूप ९१ लोविनाकैहसिंहकीपसी।
गुदाजुहोइ सुषविलाससंततकरैजगमेंवैसवहो
इ ९४ वेदरसुषसियालकीगुदारितजोमान जोरा
जाकुलउपजैतकुदारिद्रकीषान ९५॥ उदरलछन।
हरनमेडूकामोरकोपसोउदरजोहोइ सुषवि।
लासआनंदकविलईजगतसवकोइ।९६॥ नाभी
लछन॥ नाभीगंभीरीवाफुरीसदाहोइधनवंत
संदरनाभजुपुरुषकीडुषदिषरावैअंत ९७ हूल
रेखालछनं॥ चौपई॥ अविसुनिकहूलिकोरेषा
जैसाभाउजगसवदेषा षाइषादेरेरहूंईहाथा

विता
प.
४

बहुतेवनिजचलैतिहसाथ्या मच्छनुयरेषादिषरावै पावैसि–हाथजहालावै बहूंहपञ्जुरेषाहोई जो कोंचोरकहैसवकोई कैससिकैअंकुलाकीरेषा हो होईसूरत्राहुपतिविशेषा करतलरेषानैनकीपैरे निसदिनवैनहूठउचरै चौसरीरेषाजोहोई मह्रा सूरवीरकह्रोपसोई येत्र्रागुनरेषावहुकरै नव कवगुरुषदमेंपरै ९९ ।।दोहा।। तिलटीरेषाहाथ मोहिउहितरफकराय होईम्लेछकेहाथमोंनिस्छ घेटसुभाय १० करतलरेषामछकीताहीकरैमं डार अवतोंकेलछनकहेपकपकनिरहार ११ हू ठफुलेभंडारमोवैस्याहूरेखनाहियन परफुलेभं डारथनुवि–हिनउनजन फूटापेरभंडारबेवो रीथनुकरै कैपावकनरजाईचेदषानीरैरै जो केहाथभंडारकीफुलीहोईजोपीठ वोंह्रोदरिद्र जानियेटरवनदेषेदीठ

।।पहुंचाकीरेषालछन।।

पहुंचामोंरेषाचलेमिलैनजैनीत्रार कैमध्यमअं गुरीपरसेजानन्हराजसभार सोरेषाजोचलेउप रलेचोभंडार महाधनीनरजानियेंसेवैसवसंसा र जोंकी अंगुरीमध्यकीरेषाहोयत्रिसूल सषवि लासदिनदिनकैरपावैजसकामूल रेषाहोईत्रि।

मूलकीमध्याअंगुरीपास बिभचारीसोजानिये
परनारीरतिआस रेषावहेत्रिमूलकीकनअंगुरी
परिहोइ महातपस्वीजानियेज्ञानप्रगटयोसोइ
रेषाहोईउमूलतामध्यमगुनपछे वहेकंतगुरि।
याहोइतउषदारिद्रवपछे वेसारतनरहोईहमूल
अनामिका एकएकतरहेईउषीयनधर्मका
अरिलय करपलोमाहिरेषाएकदेदिषिये संषव
कओरपडाजको ह्वेपेपिये धनवंतानरहोइम
हासुषमनाई जोकेलछनहोहेसुनगतमेजना
ई रेषातरजनीकेकंनअंगुरीयामाहे परनारीजोर
मकैरैभावैकैहैविनाहै ८॥ चक्रहाथकेलछन।
चौपई॥ एकचक्रकाहाथवैधनेकरहैवे हूजैचक्र
गुनीदिषरावै तीजेचक्रकाज्ञानीकहा चारचक्र
दरिद्रीमहा पंचचक्रसर्वत्तविलासी षटचक्र।
सकर्महलासी सातचक्रनरसुराकहा आठचक्र
नररागहहेकहा नवचक्रसौंराजाकहिये दशाच।
क्रसिरछत्रजुधरिये॥ शंखलछनै॥ एकसंषन
रसुषीजहोइ दूजैशषदरिद्रीजसोइ तीनसंषसु
वगुरुकरिमानहि चारसंषनरगुनीवषानहि
पंचशंखसदादरिद्रीजान छोते औरवढे सुषमान

विना॰
प॰
५

5

पंचसंषकेगुनकहै यांतेवडेजुऔरराजकरहिसं-
सारमें गनरूपहैं तिहिपौरि ८४॥**पडालछनं**॥प
कपडासुपनिवहूवारैंतेजान वारतेजोऔरहीवढे
सि—महाराजवषान आठऔरदोईऔरबढेहैं सि
अंगासुभाई अवगदाकैंहैंभाई वरनोमनतहोइवि
नचाई ८५॥**गदालछन**॥गदापकसुपंवताईसदा
वैसुवजान पंचउपरगदावाढहीसि—पटविमा
न हाथजांकेअथिकेरषामहाउषितसोहोई सो
जानोकर्मगतपहवेदवरनेंलोई ८६॥**अंगुरीरेषा**
वरनन॥जांकेहाथदाहनीअंगुरीछोटीअंगुठाली
जे तीनरेषकेभीउवियानोपकपकगननीजै पंह
हरेषावोरजुकहीये सोरहरेषाजांरीजोसोलही
येंसत्राहरेषाअन्याईवरनयमेंअठारांराकहिये कु
नीसरेषामतकीमूरतिविमतस्वीजान इकीसरे
षावैहैदरिद्रीपसोवेदवषान॥**डभुजाकलाईल**
छन॥भुजाकलाईहोईजोपकसीजवकवविरेकु
कहिये करकमलपरचटवियकीहीनानीवरिद्र
परहिये॥**अंगूठालछन**॥**अरिल**॥पोहवैरेषाप
कथनिमोनानिये हजीरेषाहोपतपंडितमानिये
तीनीरेषाविविचारभगतहरिसपामन रेषावार

दरिद्रीवाहेकर्मथन॥कर्मरेषालछनं॥एकरेष
जोकंठकीसोवढेअपार होईरेषाकंठनोगुनीक
हैसोअवतार रेषादेषिकेतिहिकहेस्वरनविविन
काहूंग्रीवाभावताकेदेपीवापेहित॥१०॥ग्रीवाल
छनं॥होईग्रीवावाटरीतिहिवितजानगंभीर लां
बीग्रीवादेषिकेतिहिकहोदरिद्रपीर महापापीहै
यैंनरजोनीचीग्रीवाजाई ऊंचीग्रीवाजोनरकवहूं
कर्महतिसभाई ११॥दोहा॥लंबीछोटीग्रीवान।
हिकैरेऊंचीनीच भाउसोमस्तकनोरहेराजासभा
केबीच १२॥नरडीरटूवालछनं॥रेहैटेटवानकरी
केमहाडम्भषोजान ओरीग्रीवाभेदस्वनिवहूंविय
वेदवषान लघुग्रीवालघुघटीदिसेंनामकहेंरतिन।
गरदनसिसे ऊंचेमोटेछातीपास सोनरस्यानहूंकु
सकेदास जोकोऊवालल्लाटपनीयनवंतनर वि।
सराउभावलाटसोविषावेदयर अर्थवेदमस्तक
राजाजानिये सेकटउभलिलाटस्वपापीमानिये
षोपरीलछन॥जोकोभोहूनीमाहैहोयषोपरीऊंच
अतिसोकहिये नरनाहूराजामिलिसेवाकरेहीये
माथेकीरेषालछनं॥दोहा॥जाकेरेषावनजान रे।
षाहोयललाटपरवि वस्तवषान माथेरेषातीन

विता॰
प॰
६

6

कहेराजामंत्रीजान रेषावारललाटपरमोजोगी
नरमान पंचरेषाहानथनत्तीनीरेषानरनाहि रेषा
होहिलिलापरसोजोगजगमाहि॥भौंहालछ्छन॥
थनकभौंहसोंराजाकहामिलिभौंहसोचोर जोभौं
हनमध्यवलेग्रतितोटरिद्रगहठौर॥तालुवरनंनं॥
रातातालुथनवंतकहिये पीततालराजाकोलहि
ये स्यामतालुककर्मीजानहु स्वततालुदरिद्रीमा
नहु॥शद्वलछ्छनं॥ग्ररिल॥हंसशद्दहोयेंनरहोय
महायसवंतहे मघशद्दनरहोयराजावलवंत
हे मोरशद्दनरशद्दहोयमहाराजावेहें लछ्छनवी
वधविचारीवेदवाणियोंकहे काकवचननरथ।
नवंतवचनषाषरीवोल वोलनफुलेकंठजोलगो
नुवररीकोल॥मुषलछ्छनं॥जाकोवदनसवाट।
गोसीलवंतनरजान महादुष्टनरजानियेहनमु
षपविमान वातकरतमुसकानग्रतिपरहोकपो
लजरूप सोराजामुषटषियेंमिहावाघकेरूप॥ग्र
थमसुद्रेलछ्छन॥स्यामससकेराजपदस्यामग्र
परथनहीन कूटकलीसदामनमुषसोराजापर
वीन मेचकदवानदरिद्रवषावोकेटसनगुणवंत
वमकेदशनदानवंतकेकैंजोगीकेंमंत नुषेरूले

वाटिघाटिमहाउषितनरहोइ दशानयोंतिउपरद
सनकर्मविलासीसोइ जाकेहोइवनीसरदसोभो
गीपरमान जोईकतीहूसगनाइपेमहाराजसोजानु
नीसदंतसुंदरवदनउनतीसदोषीहोइ छोटेफांटेवा
ंकेमलिनपापीहोइ ॥नाकलछन॥ पैरपनारीवावा
डेरीराजाधरमीहोय कीरतुउगजोनासिकाउवीस
मिलज्जहोय मोटीवपरीठेंगनीलटकीपरेसुषआई
वेडेछेदनीलेवरनगुदकपालदिषाउसुष संपटना
सिकवडाकंठषाषरीवोल हुसरोमलीनमनमेले
नहिंरदोषोल ॥नेत्रलछन॥ स्यामसेतरातेनेनपी
यावहुभानरहोई सिंहनेनजोपुरुषकेरसवणसं
गारदोइ कुर्कटलोचनदोषहिंयमेंजरीचपाप हूंस
नयनहूस्याभरदेषेंमानवाप १९॥केशलछन॥ भुरे
फाटेकेससिरहूषसदारहाहि दरिद्रपापीअरुक।
दनधर्मविहारीनाहि ॥कनपरीक्षा॥ लहूरकानकी
पातरीनाम्रतिमोटीहोइ सुमिलसुयमीवाहिये
कानुसनेनजगुलोइ लानकानकीपातरीकेराना
केमिद्र मोटीछोटीदेषियेकानसनेनहिंरिद्र जा
केतिलमस्लकषेरमभगवतसोजान लिंगपरेति
लआयकेरनिवलभापरमान जोकरतलमोति।

विना॰
प॰
१७

लवंमेपरेसुठिभोग्राई महाभोगजमउगनमेंोल
छुनदोकदिषाई जोठाडिमोनिलपरेंकरे सोक
विति वुंवनकरैहिग्रनेकविधमनेषदपरतिति
अथवतीसलछनपुरुषके॥चौपई॥ सुकृतसील
रूपरवान सत्तसोचतकरकेकल्यान बुद्धिवंतग्या
नमग्रभ्यास परदारासोवर्जिविलास मानेलोक
सोवेदोहोई शास्त्रज्ञानीपविसूरनसोई सदासंतवृ
विवत्तनचित्त सेयनसफलकामरामसमित इंद्रजी
तग्ररग्रल्पग्रहार गुरुभगतधरमीदातार मातभ
क्तिपिताकीसेव उपकारीपूजैनितदेव ग्रथभोगी
गुणपूजतसीस ग्रल्पंनीरलछनवतीस येविधन
उतमकीये तांकोग्रेगुसवलछनदिये २१॥ इतिश्री
पुरुषलछनसंपूर्णः॥ग्रथस्त्रीलछनलिष्यते॥पुरु
षस्त्रलछनदोयनारसुलतगणचाहिये तोमनहि
सुषलोरदोईवंडजेमीलेये पतेलछनपुरुषकेक
हेमतिग्रनुसार ग्रवलछनवारीनारिकेकहोंसक
लनिरधार जोषुभलछनकामनीमिलेसलछन
पीय उपजेगेमहुँलसरसम्रषमानेनंतीय पकस
लछनकोमिलेरनालछनहीन जीवनेमरनसम।
मनजोकंटकग्रटकमीन २२ ताकरलछनहोंकहों

अंग अंग विस्तार जहां जैसा देखिये लीजे तहां ।
विचार ॥ अथ शुभाशुभ लछनं ॥ छप्पै ॥ जाके दन
को गन मिले दुडु मिलि सोभा होइ गुंज सरग सहा
वनी कंचन जेरन कोई ॥ पग लछनं ॥ परति उपजे
सरूप गात कोमल पाइ नरनी लछन जानिये डु
डुंकल मंडे आई १० अंगुठा जाके पाइ का रानापत
ला होइ पतिवरता सो जानिये नारी सब लछन होइ
अंगुठा मोटा अति सम राजा के वरन सुभाउ ब्याह
तही दिन पंचमे सगति भरतोर हि षाइ जानिय केउ
वरन कछु पपीठ सभाइ यद्यपि उपजे नीच घर रा
ज मंदिर मैं जाइ रानि वरन पग ताविसे पुत्र वरपसी
नीय पियाकी नित सेवा करे कपट न राखै जीय
पद्म चक्र जाके पैर है ती तियाके तरु नामा ही तेते ।
जेन सपूत वे रुग रू जगत न रत्ना ही ध्वजा फैरे हो
इ जाके वरन लछन — पसा होइ रू डू रेख जाके व
रन रमैं रस कनर सोइ जाके तरु राज हरे य जेती ।
छवकी तेते भुगत न रु दासी वर विल्पासनी १८
अंगुरी अंगुठा पास की वडी अंगुठा चाहि सदा वसे
पियाके हिया रसकी रतनि — हि मध्यमा अंगुरी ।
या चरन वडी होइ विन छोर लखि होइ ताके पनी

चिता.
प.
८

कहेलगायेहोइ मध्यमाअंगुरीपासकी वडीमध्य
मावाइ ४१ कनअंगुरी चरनकीतियाअर्थचितमो
सोइ भुगतैंहीवहुतभरतारमिलिकुललाजास
वषोइ ४२ छोटीहोइकनगुरीजानहुंडारीषेइ भू
मिनपरसीअंगुरीनषसोंहुजषरमंड कनगुरीया
पायकीलागेभूमिपरआइ सुषविलासजगमोन
नीसवकेचितसमाइ ४४ चरनअंगुठापासकी
छोटीअंगुरीहोइ कालहसिसोंकामनीभलानमा
नेकोइ मोईअंगुरीअतिवडीजोअंगूठापास कैरै
कुमारीवसिसोंपरपुरुषकीआस चरनअंगुठापा
सकीअंगुरीजोवडीहोय सदावसेपरपुरुषरतभ
लानमानेकोय पोलेपायेंकामनीदोइपुरुषको
षाइ भलावुराजानेनहीतीजेकेघरजाइ केअंकुस
केपुनाकीरेषचरनतलहोइ निश्चैपावैरानपट
जोरुव्याहेकोइ संषदोइचरनतलमाइकोपति।
यामाइ भलीकहतमानैंचुरीदेषसषनहिंछोइ

४८

पैंडीलछन।। पैंडीराहुनेचरनकीजोकछुमोहि
होइ तरणीमाधुसनानीयेसोरायेकुकदोइ लंवी
पैंडीकामनीवसेयियासनेह भारीपैंडीकामनी
रहेसमंदरहीमाइ ५१ मोटेटकटापाईकेमहीवा।

मेपरमान संततपगवैयनपैरेछोटेसमसमपेक
जोकछभावेवेहे नगतकीटेक ॥जेयलछन॥
कावजेव जोकामिनीतापरेरोमग्रनेक ग्रापसबी
नहिपियारहेसदाउद्वेदंवेग॥भगलछन॥नी
वीउवीहोईभगकेरवक्रतभरतार पुत्रभोगवेग्रा
पनोपैंजानेकरतार उवाभगराजनक्रूनिसंकरम
गभगवंत हृद्दहोईपापीहनीतियासभावेग्रत
लंवीभोंरनिमासलोमहाउषनकीषान देषीनकी
नेग्ररसपरसयहेस्पानपजान ५० कछपपीठ
समानभगसंपुटकमलसमान जादासीकुलउप
नेराजनायकाजान ५९ लंवीमोटीकठोरभगउप
ररोमकठोर दासीहोइनियानसेंजोउपजेराज
घर भगउवीनोदाहनीमहाग्रधरमतिजान नो
उवीवायदिसवातीव भावपान॥कंदर्पलछन
जातरुणीकोमदनजलसगयववत्तपरिग्राई मद
नसदनेरोमाववेदासीकरनुकराई भगग्रंतर।
नोकालिमकेकछुलंवीहोई कुचदेयसोकामनि
भोजनपावेरोइ उवोनीवीहोईलिलाटजाकाम।
नीग्याहतसरेरषार सदासोभामनिलंवापंटतो
देवरषाई लांवीभगसोवसममसमाईसोजाकीना

विना
च०
५

भिगंभीर पुरुषप्यारी नारवहुकदिसमान विस्ती
र सुखदेनो जानै पियहीहृदेनाभिलोयेकसमप
रेपनरीपेट सुरंगवदनपलकेउदरजनमजनम
डखमेट उवीनाभीजोकामनीकुछककराहुनेग्रो
र पटवेपनिजानियेहृपछुंजररहैपीर॥कटिल
छनं॥ उन्नेनाकरिउन्नतहियेउन्नतकछुललाट
जोपावेंहकामिनीवेगेराईकैपाट॥चौपई॥मो
टीकटिपुरुजेचजमोटी वटेरेदंतकेजनाभिक
छोटी नालजीभस्यामकछुहोई सदाविवर्जि
तकहियेसोई ६८॥उदरलछन॥नीलीनस।
जाकेउदरपुरुषहोईकेनारी राजाराणीचाहिये
उनमकुलयोवहार ६९ जोदंपतिकेउदरपर
नीलीनसदिषराय वढेलछनग्रेनेकविधिल
छनपहेगाई ७० रानीनामाजाकेउदरमोवेस्या
निजहोई पुरुषमंदरजोदेषियेहैविभचारीसोइ
लसनपुजाकेउदरपरसोजोतपसीग्रोनारिमदि
त भावेदीसलरजनमभरिपुरुषहोइकेनार
हरननैनजोकामनीपियाकामनहरे हरनकेउ
जोहोईजोपियाग्रेंकमभरे ७१ हरनेपेटजोहो
इराजलछनकरें जोरासोकुलहोईजोराजपद

उ~रे होइउदरजोनरनीकाजोमेंडुकीपीठ पक
पुत्रपैसोजनेकेरेजरातपरदीठ कटकेहरीसौं
रेंगनीकोमलवचनविलास टाउमदेनजोसो
वरश्रुतिसभानिरूपास ७५ कटिस्थलजोकामि
नीकेरैंजुश्रथमअपार विंताभिटेंनचितसौंरहैं
सोगमोंनार ७६ देतिनासाजांकेहियेविद्याभरि
पुरहोइ पियापियारीथनवंतअतिवेनाचिरह्न
निसोइ ७७ जोकामनिकोसभरहियवालरंडा
सोतीय रक्तवरनजाकाहियाकरैंकोटईकपीय ७८
कृष्णसुरंदागगाहिरैदेकामनिनीनपुत्रकोमाई
सुंदरसुघरसलक्षनीडहिलावारवीयाई ७९
श्रतिलेवेहिरदेतजनडुषीहोइसोनिस उवाउ
रसकोहियासदारहैतिहविस ८० जाकेसनवा
फरेकठिनसकलजोताल सपनेडुषदेषनहरी
सषीरहैपीयावाल ८१ नाभीचमकअरूसुषवम
कजोरचमकराहोइ राजमंदरमैंवाहियेजगासै
वेसवकोइ ८२ उचीकटपीठकीदासीहोइनिटा
न ऊँचजापीठकीकामनीवियवाकहिवषान ८३
लावहोइजुपीटकीमोटरिहकीषान ग्रैसेकामा
नीदेषिकेंदीजेपीठनिसान ८४ कमलवामअरू

विना
प०
१०

10

कोमलीयोगऊठैपसेउ लसनपीठनोकामनीक
रैंजगानसवसेउ लखीपीठमसदाउषीवक्रउरुषो
कीनार सदाकछुमोंजीयवसैंपुजेनहिआहार ८ ६
गोमाहोहिकठोरतनहालिकेसममान जौराज
ऊलउपजैदासोहोहिनिदान ८७ अंगसीसरोमा
वनसुखविकलतियाहोइ दीठलगावैवेगदेग
नकाधीरजषोइ ८८ उरजअंगतरइनेकठनरके
वरनपुनिहोइ वसविरुद्धनजानियैवैदपछे
सवकोइ ८९ ॥करपल्लवलछन॥ करपल्लवको
मलअधिककमलवरनपुनिहोइ सोदेषीसंत
तसषीनगजानेसवकोइ ९० नलेंअरुदाहा।
थकेरेषाजिततनीदेष तिननेसोउहितानजेनैवेट
वषानेलेष ९१ जोतियाकेआनयांअंगुजपउसा।
मान सषसहागादिनदिनवढेसवैंलछमीपांन
पकपकततनगोमहोइसहासलछनीनार कोम
लवरनकरतियाकेकैरैलछविस्तार ९२ वोके
दांनगाजदोइपुत्रजनेनहिनार भागवंततनकी
वहेगालोजीमसगोर ॥ललाटलछनं॥गनिकछे
दा॥लीनअंगुलतिलकजोकेकेसप्यारेवाल रेहैं
सुषसैंकामनीनोविनराषेहाल ९३ कठिनमो

देनाकेणाउहष्षग्रापनाषोर मरालकेसोकामनी
सोउष्षमविलानार कांपेकेशजोपरीहैकोनकहू
नादेष भूरेवालहोईकरकसावेदभेदयोलेष ९८
विवकमूछअरूकानहियवालैहोहितिग्रेग रो
उदरिझीवाहियेसदारहेउषसंग ९९ ॥भौंहलछन॥
मिलीभौंहकोकामनीउरूषग्रापनाषाई
उरूषपरायादेषिकैराषैवानरसलाई ॥अडिल॥
नैत्रलछनग्रतिरानैदोई नैननकामनीकपरउ
षलावाकेंठगेभीर नविक्रतनासाउरवलेक।
होईनिरामासलषेउिनवितपरा नाहोंहोईयह
नारीसदरीमेहूंछाडिमग १०० दीर्घलायनसां
वरिकमलपत्रजसेर लाजभरेलायनग्ररूनदे।
षिरहेमवकोर १ कालतिलमरप्रकपरिहोजनेउ
त्रवरनार भूरैतिलनाकेहियेवरेहरषसंमार २
लोयनतिलनोकामनीमषीरहैमोनिम निमदिन
वाहेउमरमउरूषपरायेविस करयेलायनदेष
कैंमदाकैरैंविचार दरउउवोवेगांठकाफिरनरेहै
परवार ४ मेनजोभकीनागिमरारोउसोवाहिये
कहोंजोवांरवारदेषियेलछनपरहये १०५ ॥दोहा॥
ग्रथकमासतालवमेकेरेजयनकीहान तालसा

विता
प०
११

नुकामनीकलहरूपनिजान हरतिवसवजलत
रनिवसेचितमैंपाप कवहूंनावोलेवचन सुषस
हैसदासंताप ७॥ नासिकालछन॥ दोहा॥ दासी।
छोटीनासिकाचपटीहोईकीनार सवासमिलन।
सुनासकादोनोउधार ८ जाकीमोटीनासिकाम
स्तकहनसमान भागवानवनसोभामिनीपतिव
रतनिजजान ९॥ श्रवनलछन॥ कोनहोहिजोपा
तिरेवलपत्रसमान सुतवंतीसोमानियेउनमल
छननान १०॥ वरनलछन॥ गोरवरनजोकामनी
तागर्भश्रतिचित सुषसुहागनायकसहितयसै
करेसोनित ११ गोरेवरनजोतियाहसैंपरैंकपोल
नीगाउ कवलवरनजांकेनैनकरैंसदापियाचाउ
॥ श्रधरलछन॥ रातेश्रधरतोंविंवसेंकीरनासिका
होउ तरनिचलेगईदगतिकहिसभागतिसोर १२
॥ वचनलछन॥ कोमलवचनमुदोहिसकामलहि
रदेनीय लघुदीर्घनहिंश्रगप्यारीप्रेमपिय कोम
लश्रंगउजपाईवलेजगजगामनि होईलछमीरू
पराजचरकामनि १३॥ केवालछन॥ लावेंहो
हिसिवारकवस्यामचमकश्रधिकाई सोजाचए
रूपतिवहुभासदानडुषमिटाई १४ भोरेवाकला

टपरश्रागैपरहोन्नश्राई वाफेरहहोजोफलकेति
यादरिद्दनीभाई १८ पीरेलोयनदेषियेपरहिमेंउ
झलैनेन संकटसैवकामनीजोसंकटहोईचैन १०
कुयानीटयोरीनरुनथोराउठेपसेउ लहरोवैरति
रोसमेंउनमलछननाभेउ २१८ कालेरतननारेनेन
लेवीविवुकछिनार सोचरैवेठनफिरेंकेहोवैदवि
हार १९ जोकेभौरीमत्तपरकैरेझलछनजाई ल
तसफलसहागनिरउरेषजोश्राई २२०॥श्रंगवा॥
सलछनं॥श्रावेवासजोश्रंतकीजातरुनिकेंश्रंग
पियासोंकपटसदाकैरेरहैनसषकोसंग २२१ रु
हरगंधसुषमोंउठेनिरगंधतननमोह रहेदरिद्रके
वसयोंसषपावेनोयामाहि २२ रकगंधश्रावेका
योकेजीरेकीवास झलझडेंवकोवंधुकेकरेयम
कानास २२ डुथगंधजोकेकायाउपजेतियाकेश्रं।
ग महाडुषजोनानियेतासोंकरहनसंग २२४ सु
लोंस्रोंसुरिवासनाश्रावेदेहमेंकेंमजदीवास होरै
ननतेंहमों सोराजाघरहोइनीचघरजानके सहै
डुषसंतापसोंश्रपजसपाईके॥नामलछन॥केस
रिताकेवनफूलकनरदेवीनाम रतनेश्रागेपिय।
मेरेवेदवनावेदाम २९॥सोरठा॥ पैंनतिरथवाठ

विता
प.
१२

12

वाऊविथवासोकामनी विरत्नहोईकेगाऊंमहा
पापनीइबनिया २२७ सकलअंगगञालसभरीहि
यारहेहैरीरोम रहेहैनैनभरीनीरसौंयहसतरनिदो
स २२८ नषसिषलोलछनकहैअंगअंगयरिनारी
तीयाकेऔगुनगुनसकलदेषअंचवतरविचार २२९
इतिशुभाशुभनारीलछनकौसमाप्तः ॥

कवित्त॥ ॐ वंदनविभूतनखवंदमोतीमालगंगगअ
लकअंगगथ्यानहीयेमेंथरतहै जलहरिकेभुकी
भ्रसौंदनीरहरखोस्यामतागरलनोकेतूपहियेहरतहै
हरखहरखकरकेनपूजनपूजनिसदिनईसरहिभांति
विहरतहै कामकेडरनआपेप्यारीकीसरनआली
आजकालकाहूसेवाशंभुकीकरतहै १ लीनेहमसो
लअनवोलेआपेजान्योमोहमोहघनस्यामघनमा।
लावोललाईहै देख्योहूहूँडघनहांदेहउनेदखीपरे
देखीकेसेवाटकेसोदाउनीदिखाईहै उचैनीवेवी
वकीवकंटकनपीडेपगसाहमगयंदगतिअतिस
रवदाईहै भारीभयकारीनिसिनिपटअकेलीतुम
नोंहीप्राननाथसाथप्रेमजोसहाईहै २ छपाकर
छत्रमोतीफालरनछत्रआलिपालकप्रकासहास
सिंहासनकेसमाजको कहैकविलालवाफवबर
वलनवारविभुरतहारहियेअछतअलाजको सर
सअलापउच्चउवरतउचमेंत्रकिंकनीसवदसुरनोप
तअवाजको कीनौहेजराजआजसुरतकौसमाज।
कियौराजअभिषेकमन्मथमहाराजको ३ सोहत
सोहागभागपारवतीकेसजानसीतासीपतिव्रता
सपूजेजगदेवीदेव वृथकीसवचीसउदारतकीं

अस्को
८१

ह्राणीरंभाउरवसीजेमीदासीसवकैरैसेव माता
ममपालनप्रियानहूंकोमहाजगुनीहूंकेजानत
सकलसेव रुपजीमदासजलजसकीतिलकलि
येहूतप्रतभरसरराणीथनवंतेदेव ॥सवैया॥ संद
रठाकुरहारीवमोसगोवर्धनधारीकीजोतठईहै
ग्वालीकेवीववनायोहैथानदीयेवकृदानसंहेम
मईहै देससदेसकहैमहाराजदसोदिसकोरतजी
तलईहै विपग्रथेतनकीप्रितपालमहाराणीभयसी
भवानीभईहै ॥कुंडलिआ॥ सांईप्रग्वालालगी।
आसमानतेआप ग्रंथेपुंगेछाडिकैपुरजनचलेव
गए पुरजनचलेवगपग्रंथइकमनोविचास्यौ ग्रंथ
पुंगलियोकंपदिष्टउनकीपगथास्यौ कहगिरध
रकविरायरामजवदेन्तसहाई एकमनेतैचलेवव
डममनेतेसांई १ सांईतेलीतिलनसोंकीनोवडोनि
वाह छाडफटिकउजलकीपटईवडाईतार दईवडा
ईतोहूसवऊंपवनमनमानी देकोलूकेवीचपीर।
केकरीहैघानी कहगिरधरकविरायमतोमानीये
गुसांई सीकेयहविधकरीधीजेकाकरतासांई २
भोराजादिनकदिनहैमहाआपशरीर जोलगहू
लेकेतकीतोलगविलंभकरीर तोलगविलंवक

गोरगोसमननमैंनहिकीजै जैसोवहैवियारपीठ
नवनैसीदीजै कहगिरधरकविरायहोइजिनम
नमैवौरा परिग्रवैरवैरसहैसुरसनग्रोरमौरा ३
सुग्रादारमकैसनग्रागयोनारीपरषान षमषाईपा
ईसजाग्रवलागयोपछुनान ग्रवलागयोपछितानवै
ठनवहीईमरोयो निरगुनीयोकेसंगमभैगुंनग्र
पनाषोयो कहगिरधरकविरायघरजावैकिहिं
ग्रोष हूंवतताकेटूटगईदारोकैथोषें ४ सांईयोर
नकैसुपेगंथनग्रायोराज कोउग्रालीजेहापुरह
रकीजिपवाज हरकीजिपवाजराजग्रेसोग्रवग्रा
यो सिंघपकरकैगस्यालगजराजचढायो कह।
गिरधरकविराजजहांनहिहूफवडाई तहांनक
रीएभोरसांकउठवलीपसांई ५ हंसरहारहीप
नहीसरवरगयोसुकाय जववलीहैतवपीठपर
वगुलायरिहैपाय वगुलायरिहैपायपंषकोरक
रजैहै लोकहसांईहोहिवकरउजलवाहिपैहै
कहगिरधरकविरायदिनेदिनवाफनसेसा इस
होसेववीहातवैनमवलिग्रोहंसा ६ हंसदेस
कौउडवलेसरवरमीनजहार हंसनतमविरली।
भेटहैसंदेसनव्यवहार संदेसनव्यवहारभेरहे

रस.को
ट.
२

2

जलरहियोजीवजंतहैजैतेतितेसभग्रानलहि।
यो कहतगिरधरकविराइकेलिकीरहीनमनसा
देयेसीसऊउचलेदेसग्रपनेकोहसा ७ ग्रानतेते
सतग्रधिकहैसततेग्रधिकहैग्रान तेदोनोदस
रथतजेवचननदीनोजान वचननदीनोजानव
डनकीइहीवडाई वोलरहैसोसार ग्रोरकिनसर
वसजाई कहतगिरधरकविरायराजाद्सरथभय
ग्रेसी युवग्रानपररहेरे वचनपररहेरेनकैसे ८॥कवि
त॥सेनापतसीतसमाहिमेंपरतग्रतिछोनदि
नदीनउषपावतग्रनीमेहै ग्रीवाकरचरनसंकरे
सोवसोकहोतेकांपतकेरेजोतनसोउनोससीम
है भीजेग्रोसग्रासनटकींनजातग्रामनतेवासन
कोजलजमकरसयोछोमैरे पौनफोकंकंकाना
तेवाछमीतसकानिसलागेलगुसेकाहातलेका।
कीमुहीमहे॥१॥वसंत॥गुंजेजेगंभीरविरागभरेव
नबोलेगेचात्रगवापिकगाइके फूलेगेकेसऊ।
समजहालगदौरेगोकामकमानवढापके वहे
गीवयारसगेधमुमारकलगेगीहियेमलसाक
सोग्रापके मेरेकहेतमनेहवाकीसोपहेवसंत
लगेहेमनापके १ ग्रायवसंतदहेतमखीचरना।

ह्नितकंतनपायोसंदेसे भौरतेंकोकलाह्नकवि
ह्नैननल्लकलियेवेरुपअदेसे गंगकहेरघुनाथ
विनावनआवेनहोवनलगेवेरसे फूलकेकेस
भपपनकारस्लोहूभपनषनाहूरकेसे १ जान
तिहोसखिआयलोनीआगीआयतेंआवनमीव
अगोरी नंकहियोंजमहूकिवसंतरितवनातष
लनीर्थिकालआोरी सुहागअनुरागभरीभागजा।
केराजारामजाकेघाईललके अवलाअहीरनकी
पालीटथमीरनकीसोनेसोमरीरनकीगारीदेदेव
लके पिचकारीनीरनकीमारतसमनीरनकी।
नीरदारमारनेकौललके मोहूकेंवीरनकीउड
तअनीरनकीवोरनकीफलके १ वागकीवगर
अनुरागभरीषेलेफागआजअलवेलीवनीमो
हनीगुपालकी कालिदासललतलिलोहूमन
फलकतनथमुकतानकीकपोलनकेभालकी
राजकरोचंदअरविंदसोंनकाजआजदेषवाकी
छविछकीचंदनविसालकी वरुनीपलकपर
भ्रुकुटीतिलकपरअवीरीअलकपरफलकउ।
लालकी २ नेहभरीडोलतसनेहभरीसारीअंग
अंगनअछेहभरीवालमममेतहे गहकिगहकि

अस्फो
ट.
१

3

गावेउहकिउपैकिंगारीवहकिवहकिवोरीपो।
यमुखदेतहै हमकोनोठयोहैविधातायहवाल
मविदेससवडषकेनिकेतहै औरसवकोउवाल
मकोंअकभरिलेतहमहियाभरिआंषभरिगये।
भरिलेतहै १ सोवतहीविरहाउरमेंसिषपाईके
आनसषीनेजगाई वोरिवषभोरंगकेसरकोमनो
वोरिगुलाबमेंवालंरगाई मासलईअहरीगहवो।
हमसोंतुमसोंअवकोनेसगाई पेसेभयनिरमोहि
महाहरहाथहमैनितहोरीलगाई ध सोवरीअ
हनसेततीनवेलपकषतजोतउपमाईवेकोक
रताकिसानहै सोंचीतेदवातनसोहरीभन्पपा।
ननसोफूलीसबवसाथप्रगटप्रमानहै तानगं।
यभरीओआदअंनहरीहोरीमीरनसमतनहों।
भोरनकौंध्यानहै औरगुनपेतमोपेजापनकहै
नेआनेनरजेतेपावेवारोंफलदानहै ।

विस्नपदा॥

उद्धवजाकेमाथेभागविलकतछाडसकलगो
पीजनचेरीवपसहाग आपजोषगवेलगावन कौं
काटप्रेमकौवाग ऊबजाकोपटरानीकीनौहमे
देतवैराग लौडीकीडौंडीवाजतहैवफ्लोशपामग्र
नुराग निलजभपदोऊखेलतहैवारेमासीफाग
गोरीभलीहैउनकीराजहंसग्ररुकाग सूरदास
प्रभुछाडिकैचवररचिवोरतम्राग १ ऊधोग्रवक
छकहूननग्रावैसिरपरसोतहमारेऊवजोचाम
केदामचलावै केतीकहूरगोऊलतेमथुरालि
खिलिखजोगपठावै वाहीकेरंगरतेसामेरगुक
जिउवैठपठावै नटनीजिउकरलीयलऊटिग्रा
कषनिउनाचनवावै कछुइऊमंत्रकीयोचंदन।
मैंतानेषणामैभावै पहलेहोनकंसकोवेरीग्रवऊ
लवस्कहावै सूरदासप्रभुरहीकठिनताकोटकैं
लोनलगावै २ मधुकरप्रीतकीयेपछुतानी कारे
तनकोकिजयापतियारीवोलतमाधुरवानी हम।
नातीग्रैसेंहीनिवहूगीउठकछुग्रीरहठानी हम
कोलिखलिखजोगपठावतग्रापकरतरजधानी सु
नीमेजपणामविनहमकोजगतरैनविहानी सू

४ रदासजादिनैतैविक्लेरनादिनभईदिवानी ॥

ॐस्वस्तिश्रीगुरुवे:॥दोहरा॥ कलकपोलमधुलोभम
रकलगुंजनतरोलंब कविकदंबआनंदकहु लंबोदरअ॰
वलंब १॥चौपई॥ अनिभुनीनकलिकलुषविरहुउन
साहिमभासभहोशिरमंडन खेलितखगातत्रियशिर
खंडन जगमगातइकैऊलनंदन २॥तोमरछंद॥ति
हिवेशाकियउद्दोत जिसकिनिसरसखीसोत छजम
लसअआनंद मसनंदपरमानंद ३॥दोहा॥ रसिका
जहरिवंसतनवंचरीकनिजहेत भानुउदितरसमंज
रीमधुररमलेत ४॥सवैया॥ निरखेननतऊन्नतसौंज
गनीपहिलेहीचलेनिजपाइदिये वनवीबेलतादल
फूलनतोरतहैदहिनोकरउचाकिये सरवसोवनसिं
हलवारचिसेजसखअंगविभागनिमैंमयिपें विहरे
निधुराविनिकंधुरयोछविसोअरधंगवसहिलिपें ५
दोहा॥ रसरंजनसिंगाररसअवलंबनअभिराम प्र
थमहितीनभेदसोंकहतनायकानाम ६ त्रिविधरू
पसोंनायकाप्रथमसकीयानार परकीयाअरुसा
मान्यकाकरहीरूपअनुहार ७ पतिसेवननिजसील
रसछमालाजगुणहोइ पसवलछनयासमेनारि
सकीयासोइ ८॥सकीया सवैया॥ फलकेनयनं
वलकेलिकलावलअंचलहीमहिहेरिहरे विहसे

रस. मं. १

मधुराधरमेंरुलहीछबिजाइहसीनिजनेमथैंरैं क
लबोलनिकंतकरस्मानिकोपहूनीकवहूंरिसजो
रकरैं नैंाहीपेहीभलेरिसछाइरहीऊलकीवनि।
तावरणीनयरैं ९॥अरिल॥सोइसुकीयानारत्रिविध
वखानिये तामेंसुग्धामध्यमाप्रौढाजानिये यौंवन
जेवहिजानअजानप्रवानियें सोपुनिसुग्धानारिन
वोढामानिये १०॥दोहा॥लाजमनोहरमधुरतासु।
घणतुपरभाउ पगुननवलनितंविनीसुग्धानवो
ढानाउ ११॥सुग्धा॥मकरध्वजराजनिदैसदियो
सुभवासरवाससेंसुघरी नकणाथ्थणाकोवसिवे
कहूयाहरिणाछियकेतननमाहूधरी नवैनेननिवे
जनवाबरतावदनदुतिचंदकलासिगरी निउतीप
हिलेकलबोलनिश्रानिसुधारससागरकीलहरी १२
दोहा॥निजयौवनजानेनहीअंगअंगयौवनहोइ
ताहिनवोढाभेदमहितेअज्ञानजौवनासोइ १४
अज्ञानजौवना॥करिमजनतीरतेनीरखरीछबि
सोंअंगअंगहिलेउछली फलकेनयनेवलस्रोन
निछैगहिंयोंवतिजाननतिकेजकली जियजान।
सिवारमयेंसुखोनिरवारतिरोमनिकीअवली वि
तुजानिनितंवकोभारनितंवनिएछथकोकितु

आजुअली १५॥ ज्ञातजौवना॥ आजुकछुकछुविडौ
रभईअंगअंगअनंगकेपैमपगे होवरीनिवरी
नवतेसिखलौंनिरखीनपरीतनजेवअगे पेसइपे
पेसोनेकेसंकरसेंडुदिदेनउरोजडुडुडुमगे कवहे
है कहौंशशिशेखरपरसिकमणिकेनखेरखलगे
दोहा॥ ज्ञातनवोढानायिकाकवियनकरहिवषा
न प्रथमनवोढासुथियेविश्रब्धनवोआर १७॥ श्रद्ध
नवोढा॥ रसहोरसहीकरखीवतहीसखसेजस
वाईहसांफसमें भरिकेभुजश्रेकमेंलोजिपत्र्तन।
वहूवलिवेकहूविनमें सोइवलेरसकेवसकेआ
पनेरसनवलवस्तहिरमें निजवात्तरतावलदे
षतहीनिहिकेंकरणारदपानिजमें १८॥ विश्रब्धन
वोढा॥ ज्ञगजेगसोंजेयनोरिहेकछुछलोचनसूदि
हगंतरिजोवे करपल्लवसोकुवमूलडश्लगहेश्रुन
मेंउलसोंकुवगोवे मशकिमशकिभरिभरिसासदि
सेजसनीरसगंधसमोहे कोजगमेंजयनुपजगेजि
हिकेसंगयोनवलासुखसोहे १९॥ दोहा॥ ज्ञातिय
केतनमाहसवनदनलाजरसहोइ सकलकलारति
पतिभरीमध्यसंदरीसोइ १९ अपनाथीपियहोइनव
पीरअधीरसमेन कवहूंनिठुरहठसोकवहूहेवोले।

रस. मं. २ 2

वेकैवेन ॥२०॥ मध्या ॥ नैननिनोपैरेनिजनाहवदनवि
लोकनहानितकै ग्रहंनीदह्वेभावकेभुजग्रंकमेंमेन
समीपहिलेकफकै यौंवितवितत्तहीनिसिसंदवि
वौकिवहूविकवाहिचवैकै मनहीमनरहैमोनसनोन
हिसोइसकैनहिजागसकै २१॥दोहा॥पतिसंगसरस
सोहसनचतुरयमनरतिहोइ होलनिमिलिनिरसव
शकरएाकहोप्रगल्भासोइ २२॥प्रगल्भा॥नखरेख
उनंगउरोजनिदंभरिग्रंकमेंकंठभुजावलसों

निशियौरतिकेप्ररुएोदयकेचितयेपतिकेपकि
कैंकलसों उपरीउमहीतियफापिरहीकरएास
टोरुदग्रंवलसों २३॥मोहनप्रमाग॥नखछतछाइ
रहोछतियाछतियादशनेकदलेमधुरोयरसों कि
तछाटिपरीसिरतेऊँजमप्रगलोलदलीवलयावल
सों सजनीनिजदेहदशासिगरेनिरषीरतिग्रंतम
मैंमुनिमें रतिकोनकरीमपिकाहरहीकतिवेशि
खजेसिखैसखिनैं २४॥दोहा॥नेतीयमध्यासुंदरी
श्रोरप्रगल्भावाम मानकरहितवत्रिविधरत्रिहियथ
रहितेनाम २५ धीराधकाग्रधीराधकधीराधीराध।
क वेकग्रेवेकेउहहरसहूवोलरिवोलग्रनेक २

पियहिपरेअपराधजबकहूंबतरसतुवैन उर
इतसौंतिहिंकहूंतहैमध्याधीरामैन २७॥मध्याधी
रा॥कलगुंजनतमेंजुमधुव्रतपुंजनिकुंजनिवीविवि
नावलसौं निकसेअतिआनंदरंगहूंजबवैतनवआनिक
हीवनितांकुलसौं कितनेश्रमसेदछुरेतननकैकसौं
मातवलेवलिउविलसौं हरयेहरयेंहरिनेककहौं
तौसमीरकरैंनलिनीदलसौं॥२८॥मध्याधीरा॥तुम
जासिनिजाइजगेकितहूंइतमेरेहगंवललालभ
ये उनहीतुमधौंमधुपानकियौइतमौंमनछूमनतमो
हमये उनहीकितहीतुमकंवनकेमृगश्रीफलना
रुगराइलये इतआनिअनंगनिसंगकियेममअंग
सवैइमवानवये॥मध्याधीरा॥कमनीयकपोलनि
मैवनजेवअनूपमरूपकीराशिरवेरे वडूनायकना
गरनामहिसौंसवसौंचहीविहिंहौमुधरे कहियौं
गहिदीरवसासवरीकतिवानतभेटकहूंनपरे नि
रखेहरिनूनरवेतसिरवेसैंछकेनयनासयनाउ
भरे ३०॥प्रौढाधीरा॥नदीजिपनूपगासेजमनेवितु
वोलसुधासमवैनगती मिसहीमिसहीरसिकेज
नसौंहगअंचलचंचललेकरती सनिरीसनिसंदरि
तौपतिसौंसरसौंवयहीरिसरासिरती इतयौंसुरव

र.स.
मं.
१

३८

मोरिमयंकमुखीछविसोनकहमखियाहमनी
श्रोढाधीरा॥ विधुविवितमेजुवदनुविलोकित॥
लोचनरोचनरोजभजे जियजानिछिपाइछवी॥
लीपरीअवमोपरतेमृदुमोहतजे वितयोंचितवे
तिचरीअतिकरहीप्रतिवेविकसाभासिनिवेनसजे
निजनाहतरजनिसोगिरिजाछविसोंतिरछेहरनु
तरजे १२॥ श्रोढाधीरा॥ हरयेहरयेहरिसोंकसमेमु
खसेजसमीयपरेरहलेंहे लखिकंठकछूकटिलगा
तिकेहमिवेकिमवेनसरोषकेहे करसोंकरखेंच
तहीपतिकेसरुमंचउदंववितहेतसहे जगनावक॥
कजलजाकसेइमलोचनलोहितछारहहे॥ दोहा॥
तेपुनिधीराअादिदैतियाउपमइमेद स्पष्टकनिष्ठना
मकविवसोनामसवेद १४ परिणीताप्रतियेमते
करीमकलतियहेठ तेउनभेदनवीवतेकहीथान
धीरास्पष्ट १५ तेपरिणीताप्रेमतेहोइकंतसिष्ट
सोतियउनषटभेदमहिकहीयतधीरकनिष्ट १६
धीरास्पष्टाकनिष्टा॥ सखिसोवतएकहीसेजरहीमि
लिसंदरीहीभरिनींदनई इतिकानिरहीपटुपाइ
निलोंसनाउनतकेढरहेविनई हरयेहरयोहरिउ
खर्धिगकेछलसोंढगसेनदई करसोंचनलोंवि॥

विनै सुखयौं तिय की निज नाइ जगाइ लई ३७ नि
रखी नव कुंजनि मैं नवती नरह्यो चित रोष कषाइ त
कै विरखो वखरस्म तिवारु कला पडिको ककला अ
पनी उथि कै अरी उछ पेर उझ्झो पा रियै कि नवीन ति
पक सों यौं कहि कै रिकई फिरि एक कपोल निजु वि
मयंक मुखी भरि अंक कम हि कै ३८॥ धीराधीरा ज्येष्टा
कनिष्टा॥ रति धीर अधीरज के रस रंजित नाह नई ति
रखी तिय है उह्रू कर सों मनि हैग हि कै छिग आनि।
खैर अति ह्यो न तह्रू देह गहि रिहितै कर एक कै आनि
दई मनि यौ कहि सै अवलोकत ह्यो कर वे वल नारि
उई हमरी उ वर्कु भनि है ३९॥ दोहा॥ परकीया पर
पुरुष सौं रमत प्रगट नहि होइ एक परोढा भेद है
एक कन्यका सोइ॥ परोढा॥ अलि एन वकुंजन रंग
निती रअ नंग निकी वन रंग जमैं पर सै अति सीतल
नीर समीर विलोल सरोज सुगंध पवै मैं छिम कै मृदु
अंबुद विंदु मनो ज किधौं वर वान वसंत समै निरखै
सखि आज खिनै मैं सुनि थी कछु उ करि वै कहू चित न
मैं ४०॥ दोहा॥ ते परकीया सुंदरी परहि रूप निज वा
रि गुमत विदग्धा कुलर तिय अनुशायाया अनुहारि
गुप्ता॥ आरिसा सुरिसाइ सखी किन रंची नति ऊरस।

वैपुरनारिमिली उफरीउनकोनेनेनमूखकुदेषिषि
गौनकहूहिकपालकिली सखीबेनखेरखनखेद
तिकैौनकरीगुदशाग्रंगग्रंगविली सुनोसोवन
कोइहांकातननहोतियपसोकह्योनवहूंहूलली।दोहा
तिहिआरोतियभेदमहिहिहिविथविदग्धानार
वचनविदग्धाएकतियएककियाअनुहार ४८॥सु
नोसोवननकोइहां॥ अतिनीलविकुंजनिमालल।
तागहिरेअथकोथसिप मदुमंदसरोजमरंदभरे
विहरैमलयानिलतेसिप जगतीजगजारणजो
गनतैरविरोपवमसूखनितेइसिप अहोपथिका
नुपकेवहूनेसुनदीनटनैंकनकौंवसिप॥वचन
विदग्धा॥निरखीनिशिनीलिमकांहकछूनिहिते
अतिहोतसकंपहियो कियौवदरीद्रुमकुंजसवै।
दिनएकइतोडषमोललियो सुनियौघरनाहनि।
देशनदासुनियाइकयानिउपाउकियो चुपहोचु
पहोलषिसीतसमैकुलूहानलमैगहिडारिदियो
कुलजाव॥वरेषविनुकामहिकोजलयारवमैकि
नकामिनिमेघघटा उपजैकिनशैलशिलातलते
नतैंयौंउपवनवलिजेटा वनसधातिपफलफलफ
लेनफलेकवंहूरसलोककटा करैयोंदीनकैकनी

ररहीमैंफूलदानिकीवेंगैंनमपाविवदा ॥४७॥ दोहा ॥
निजविहारवनहानिनैंऔरठौरअनदेषि नाकनि
रषिसंकेतगतअनुशयानतियलेषि ४८ ॥ त्रिविय
अनुशयाना ॥ कलगुंजनतकुंजनिपुंजनमलिंदपियेम
करेदद्ये मलितासफूवोमिलिचैतसमैतकितेजन
रणितमेकितये पकिपतलवेंगलतावनकेगिरिगै
सिगैरजनकौंकिदये मनहीमनडोलेकपोलवढे
करतल्लदलच्युतिउगपलये ४९ कलकूजितमत्त
मयूरजितैनकितालतमालजेमेघनकौं कहूके।
जितकोकिलकोमलवालकपावेकपोललताव
नकौं उनहूंवढतेरीतरंगनितीरनिकुंअरीजाहि
वीजाईफूकेजिनिरीसजनाहनिकोननकौं ५० नि
कमेनवनीपतिकुंजनितैअंगअंगअनंगकेरंगज
गे कियेकाननकोतककीकलिकाकमनीयकपो
लपरागगपगे वरखेनयनाफनलाइभयेनिरखेतन
कोननिमेखलगे लिषियैंविथिराधिकामाधवकी
भरिवाखिलाहकजैंउमगे ५१ ॥ मुदिता ॥ वनहीं।
वनचोषनिकंतवसेननदीविनुननिकोविकलैं
अरीसासतोविनुनेनगरीविनुनाननितियैंकछूट
ढाटै इमिसांफसमैसनिमैनमिखावनआनिस।

र.स.
मं.
५

खौमिसइकछलछै विहसौमुखसेमोहिमयेमुखोऊव
ऊंभनिवीवनमविनैहै॥ ५२॥ कन्यकाव॥ उरतेफिर।
मुत्तियमालपरीऊटिलगातिकेठनटीकलसौं ककं
टीनटमोरिककूकछलसौकरणोमुजजइरिमुजावनसौं।
अलवेलियभांतिमुनावतिकानखरीअंगुलीदलसौं।
तिरछैवलवारहिवारविलोकनिवालवधूछलसौं ५१
दोहा॥ सकलपुरुषमुखनिरविरतिअभिलाषाहि।
यहोइ वहूरसकहूपनुकहूकपटसाधारणाधनिसो
इ ५४॥ साधारणाधनि॥ आनिखेरभैनिमंदिरअंग।
निवीवधनीजननदासदिवैया हरिहैनेउकिदेखनहो
हूलसेतियकेअंगअंगलिवैया पुलकेऊचकैनल
मुत्तियकेमिसआनंदआंसूनजेजननवैया दोलनं।
लोचनलोलकपोलनिमानोधनगमकेकहहैया ५ ५
अन्यसंभोगदुःखिता॥ विननीकरीमैंपठईहूठसो।
सठसनजसनीथहिसोंकसमै नगईकिनतलुउनआ
लिसनोअनहूंअलवेलियसौलसमै जियआनति
डोलनिहीनवकूजनिनलनपरीरसकेवसमै विनयो
अंगअंगनिकुंचुकककफलकेगइनेकिसकेलिसमै ५६
दोहा॥ गर्वगईलीडुविधनैसकविघणाकरहिवषा
न प्रथमप्रेमगर्वितमरिमनरुपगर्विताआन ५२

प्रेमगर्विता॥ बिरचीबिधिजेतुवनीजगमैतिनिमें
यतिहटकनहीधनिरी पियकेयहिरायेपियानिहि
केअंगअंगरहैगइनवनिरी सपनेहूनमैंअपनेतन।
मैपहिरैसनिभूषनसाधनरी उरयेलवनेहूतेनाह
तियातनलोचनओटरहैजिनरी ७८॥ सौन्दर्यगर्वि
ता॥ ननसुंदरताजियोंसिकेंदनकोमुषपंकजरूप।
मयंकमुखीनवनीरजमेकहिनैनलसैकलवेनसु।
धारसयोंविनयों करिपकदाकदियौंरजनीउम।
गयोतननारसोनेहूनयों यहिलेहीहसीतिहूरोष
कियोअबसोरसवैसखिदोषभयो ७९॥ अडिल॥
वोलविलोकनिनामलियोअनमानियें मानमनो
हरभेदविविधवषानियें केतकरेअपराधसवैजि।
यजानियें मानकेमानवइनारितिहूरसभानियें ८०
अपरोगनाविकोकनमा॥ कुफलकेअंगअंगअमोट
फनोकमनीयकपोलनिअनिमें कितहूतकंपनमे
लषियेकिनिहूपुलकेपभिजानरितै रहिभांतिवि
लासनिसोंविलस्योंचनिबोलनवाफचितै अनहूं।
नमनोधरिमौनरयीवहूयोकरिहौंहूमानकितै ८१
अपरांगनामग्रह॥ रदहूपअनूपममानकियोस
यनेहूनओरकछूदरासों रससोमनभूलियेयोति

१ सा.
मे.

हितेकहियाआयोहैनामकलहंतरिसौं आजहूंजियजोन
प्रतीतिहैहनरउैरवसाइकहावरसौं किनदीजियेआ
इसकेवेंहकरोईहैरोमललनाभुजगीपरसौं ९४ ॥ अन
संभोग ॥ रमियातिरहेकिनैउफकेअरुणोरयआनि
अवानकहैके लिखियावकलीकललाटलगीनखरे
खकपोलनियानतहै नियलोहितलोचनकोननिते
छलकीछविसौंयुगओनहै इनतीयनतानिकेअक
नारहैदाडिमवीजदलधुतिहै ९५ पमवसोररसंरइ।
रीकहिवरनीअभिराम अष्टअवस्थाभेदकरयरहि
विपनाम ९६ प्रो त ति खं ता क हे रि
ता स्वा न तिका अ सा का वि ल
वा क जा उ ठि ९७ ॥ दोहा ॥ रहिविधि
गनीघहिनायकासोरहआठोभेद सोअहाईसमउप
रनीरतिपतिवेद ९८ उतममध्यमअधमगतिसो
अहाईसनारि चोरासीपरतीनशतवरननसवैसवा
रि ९९ तेउनिदिव्यअदिव्यदियदिव्यादिव्यवषोष
अतिअसंख्यसंदरभईकरनवननननहिलेष ९८ म
नीआदिदेदिव्यतियमालतिआदिअदिव्य सीयआ
दिदेसंदरीहोहितिदिव्यादिव्य ९४ प्रोषितप्रतिका
होइतववनवपियजाइविदेश प्रतिव्याकुलमनतन

नपतिदीरघसासउँदेस ७०॥ अडिल॥ अतिदीन
दसाउखदेहदहैनजानावतिआनिसषीजनसों
हिमशीनसिवारतिसेजननहीसषसोवतिलाजनि
सौंतिनसों कछुवोलनहीभरिजातगरौंभवैनचोष
निकंनवसैननदीवितुननिकीविकल रिलेतिनवा
रिविलोचनसोंजकछुतियकेननतापनयोसनोजा
नतिकामभलेमनसों ॥७१॥ अडिल॥ अरीआलिउहै
अंगिउरकीअरुकंचनकरकंकनवोई कालिहिकी
पहिरेकसिकैलकिलानरहीमनिकिंकिनिसोई
डोलततोलमिलिटकदंवविलोकिवसंतसमैरति
रिजोई फूलेसभूषनवाउकहातनगेवतिहोपरि॰
मातनगोई ७२॥ ॥वालसरोरुहमाला।
मनोहरकिंकिनिसुतियहारवनाये पतनकाल
गयननतेगिरिजौंवनउक्रिलसामसिथाये वा
हनतेवलयावलिनाईफेरेवहुजायरयानिनिआ
ये हेरमनीयमनीकियोंछुटिइहैजाउनानिवि।
कोपघिथाये ७३॥ ॥नवदेनअलीक
रकंजनकलीनरुपीतवनैननहीइरसैं जोरिजेहै
भलेननतेजननयेइहजानिनयानिषियापायरसैं अरु
वोलतदेवरसासवैनवउनरदेतहियैंतरसैं मति

रस. मं. ८

मोसुखमासलगेइनकेतनकेजकुताशनसोंवरसों
दीनदयालममदेखिवियोगते
फेरिमिलेनिहिपेमसमोवे आइविदेसतेदहूभलेअ
भिलाषनियोंनिशिंनीदनसोवे भोरतैनसांफलेहारहि
वैठिविलोकिविलोकिमयदिनषोवे लेमिरखेव्यमिला
वनसाइलखेजनकोगणिकाजतरोवे १५॥दोहरा॥
जाकोपियानिशिअनितइमिप्रकटभोरहीहोइ सो
कमानसंतयतिननहोइखंडितासोइ १६॥
अनजानसेभोरहीआनिखेड़ेगहदतैंहरिनसैनद
ई नवनांहलईगहिवांहकळूहसिहेरिसषीरिफ़ई
छतियाफ़चकंफ़मछामकितैछविछाइरहीअग
अगनई सवियोउनरीवतिचाबियकीअखियाय
उसोंतियमेंदलई १७ फ़चकंफ़मछाय
हियहरीकेलषिवालविलोचनलालभये भरिकंठ
उतेगतखामनिलेननवोलतिहेफ़छवोलनये
नखतेसिषलोंरिसतोहलसीउमगेनयनापियन
चितये सुखमजनकेमिसतेमसुखीछलकेजल
नैनछिपाइलये १८ तेमनामिनिजाइज
गेकिनहरिकयेनिजकेलिकलारतिमैना भोमि
लेफरिकेंघोआनिलगगाडिफोलिवनावतिवेना

अंगनुरंजितदोखिनखेचतहुतिहसीडुनिदैग
सैना। स्यामसनेहखेग्यानिखरीअरसीकरलेसरसी
हहैनैना ७९। निमग्रंतसमैलषिकंत।
हिकासिनिनीदभरेनयनारजनारे कंठलगेमणिकं।
कनग्रंकसुवेषवनेनखेरखसवारे मनहीमनमोन
धरेविलसीअतिहीउमगेनहिंसंभारे हुतिनकोअ
खेदखिडहूंफिगआखिनैतंअसवेगहिडोरे ८०
कौनसखीनिशखीनकियेतपफेऊच।
ऊंऊमडऊडरवीचें हूंपनिथोंअवथीरथरोंसुविना
पनकौंइनिभोनिनसीचें येंसनिवोलविलोलम।
येलखिरोवनलालविलोवनमीचें लेतिडहूंकर।
नेकरहीकरवारवपमनिकेकनसीचें ८१॥दोहा॥
पतिहिनिदरिपछिनानिफिरिकलहंतरितानारि
सासमोहजुरतनननयनिविलपतिहहअनुहारि ८२
रसहीमकैहेरिसरंगरदीजरदी
नजिस्योंहरदीमिलिभूल्यो इतिवीववहूटिकहूंक
हिकोकिलहूजिउदेजियदेहुखेहनो लालनिलाल
सोंवोलतिकुनमहेलिनहूंनजनविमिछनो आन
नहीयरछादरहीछविहोनवल्योहियरावनसुनो ८३
मध्या॥ जियकोकललाहूजैनकहौंजरिजानिज

रस.
मं.
८
8

रैनियराजिनकै कहीनकछुकरिआवतियौंनहि
लाजनतिहीहियपाललकै करिसंहारियौंनिसिकैलि
खेईविषहीमंगवारहीवारफैकै निजअंगदशामन
निजनमैंनजनाइसकेनछिपाइसकै ७४॥प्रौढा॥३
नहीउखहाइनिकैशिखयेमखहीमहमैअतिमान
कियो मुखमेलेविसोकिउतैलेहूवोलिनआवेनवो
लनआनिलयो किऊकाविकिनोहूउठीफकिकठेहू
नेकनऊतरफेरिदियो अतिरीनेहूगेंवलखीनेखेर
सखैकेइतखेंउहैजातहियो ७५॥परकीया॥नाहन
जैसखेमेजहीमोकमनोजमनोसिरमोहनमेल्यो
लाजमजीऊलकानिसमैनभजीमतिधीरजनोख।
लिखेल्यो जागतिभादवकीभरिजामिनिगोपरजा।
निनदीनदहेल्यो सोपतिप्राणपतिपटीपाइनियायैं
निमैपरिपाइनिढेल्यो ७६॥सामान्या॥पंकजअंक
कियेकरपंकजअंकअनूपमरूपवियो भरिभालखि
लेवहूभागभरअखरावितिनानिनहेरिहियो सबै
परिहरणकैनिरिद्रणमानिमनोरथदानदियो
पिगंकैपिगजीवनजोवनिमापियमैंनिनिमान।
दियो ७७॥मुग्धा॥करिकोटिकमौंहमहेलीसबै
मिलिकैजननिवोविलिवाईगई विनईइतमौंविथ

सैनसखीनननैतेजतनईरिससीतिनई अतिसोहितलो
चनलोकलियैतियपैयोंचहूंओरविलोकितई अति।
सोहितलोचुनकंजकसीनियजानिललाननिसैंपों
अलिकीअवलीउनई ८८ ॥मध्या॥ देखिनिकंजवि
नाहरिवैंशाहिवालभईअंगअंगअगअगअथीरी लोल
कपोलगईपियरीपरिलेनलशीभरिसासअसीरी
ढीलेहगंवलअंचलगोगिरिदंवलविनभयोअति
हीरी हाथनैंभूमिपरेछुटिपानखिसीमुरवेतेअयर
वेरितवीरी ८९ ॥प्रौढा॥ संदरिसुनीठकुंजगली
सखिभूनीभईतननोलिखिलीनी हंनिनहूंनजना
ईभईगतिसैनसहैलिनहूंनहिदीनी बालसराम
नसोयेफिरेलखिकामहिकामिनिबैंगतिबीनी
फांखरसोभुविशापनिशेखरहाकहिकैहरअस्त।
तिकीनी ९० ॥परकीया॥ परिथीरभुजेगनिकोसि
रपाउलगोअनायनलानदीलहरी इहिवीविउदी
चनचोरअनायहरायवहूंवफैनेगहरी रतिकत
हलेरतअंतभयोअमवाहननानिहियेहहरी

९१ ॥सामान्या॥ नुवतीजिहिजोरनगोउहकौंनि
जजानिजनेरालिकावलसौं मनौकाहूवरेचनर

रस॰
मं॰
८

१

मनिग्राजभलेउकीछलहीलछसौ मधुमधुबन
मैनतिसैनदयैनवपल्लवलोललसौ नजुग्रागसमै
करनारीदेहसिनकंजनिकेसिसकंजहसैं ॥१॥दोहा॥
नवनमिलेनवकेलिपियकोदिनेकहियहोर ग्रेम
ननकंपनरुदनउकंठनतियसोर ॥२॥मुग्धाउका॥
मेरेजानेनगयेपियउँरवध्ययहमूरतिपकसजानन
मैं रहजातिचलीसरवरातिहूथाहीविंसविनाय
नकाननमैं भरिनीरनसीग्रंखियांगहिसासपरी
नलफेतियग्राननमैं नियकीगतिजानिकहीन
कछुसगईपियरीपरिग्राननमैं॥३॥मध्या॥नगई
उतलेनकियौमननीकियौवेनकईश्परनसजे
ग्रनहूंनहिनाहकोग्रावनभौतिहिकोटिकवात।
हियउपजे प्रतिकंजनकलीरसकेमिसकेनहनी।
निनेननिनीरसजे ४॥प्रौढ़ा॥सगीरहगमालस।
गलमथरमनोहरमानसकीग्रवनी ननलीननरं
गिनिनालनमालनयिछनमीतमजनवनी ग्रहे।
हुननिग्रंजलिवांयिहरडकरकामकलाननलफी
रमनी काहिहौंकिनग्रावनकंननिग्राजगिरिय
नगोधनगोयवनी ५॥परकीया॥करिमजननग्र
वनचोरवरानलधारककोरनवारिदियो नजि।

गेहअनूपमनाहकोनहविदेहनमैवनवासलियो
चनचंदनविंदुनिशज्योरतिपतिजागिनिशाअगरा
गिहियो अजहूंहरिवंशनमोहिमिलेसकहातपजा
नपमैनकियो ६॥सामान्य॥विरम्योकतवल्लभआ
नअलीअवहोतवलीनिसअंतचरी कहिकीजेक
हाकहिमेंकहिपअंगअंगअनंगकीजोतिजरी वि
लपेफिरिफेलिचहूंचकयौंतलफेनमेनलखोलीप
री अमअजलऊंजपधारतसी कुणिकाथनकेअभि
लापभरी॥७॥दोहा॥जानिवारसनिरतिसजतिवा
सकसज्जाहोइ अमहसनिरतिलकफिरिअवलोक
निपुनिहोइ॥८॥मुग्धा॥जोतिंजरिइमितारणाइ।
मिगुनियलेनरहारसवारे कंकनिकिंकिनिश्रुर
नासिकवेसरिवीरीतुफेरिखिपोरे लेसनदीपलेसे
जसमीयजेश्रनननेतियतेअनुहारे यौंनिसिसंद
रिसाजसजेउफकेजिऊकेपतिपंथनिधारे॥९॥मध्या॥
रिघावनकोनिजकारीगरीरचिकेमरसीहदमालत
कै ननभूखननेतिसवारिसवोसटजनीजननीतन।
कोभिसकै चिनैचिनचिउकीचातरलाफिरिहारसी
हारवपउकके तियकीगतिरखिरमिपमियोंहूल
सोहियगनसंभारसकै॥१०॥प्रौढा॥करष्ठयिन।

रस०
मं०
१०

10

ऊँनलमालवसनतन भूषनभूरिविहिये हरषै मनिसेजस
मीपसुगंधसबैवरवीरीविनाइतियातरषै जवहूंकव
हूंतनउपरैनछरकेअवगारसकैकरषै दमकेदुनिदेहे
सुदामिनिसौंनवकंचनकेजलज्योंवरषै ११ ॥ परकीया ॥
सुवावतिसासुहिसोंकहिआनिपटंचलदीपकज्यो
तिनिवारै कोककपोतनकीकिलकारिणिआगुहि
देतिजनाइतनारै लोलकपोलइहूढिगदोलतवो
लतियेपरिपीरसंभारै नाहहिजाननकोहरयेहीपि
यापलिकापरियाणियसारै १२ ॥ सामान्या ॥ ऊवकं
चनखीवतकेचुकीयसुखेंवनेदंतहीमेंगामनी
परसेहियराहुसिहारलनाकरकेकनपाणिलगे
हीयनी मैंगिहोंमेंगमैंकरिकेंऊमयेकनिलेपनि
अंगनयोंहरनी सकहाअभिलाषजुनीनकरैनि
—वारिपरेगणिकारमनी १३ ॥ दोहा ॥ निहिअथी
नप्रीतमसबैसोअधीनपतिहोर गुणाविहारउल
वभरीमदनमनोरथसोर १४ ॥ मुग्धा ॥ अनहूनउरं
गउरोजभयेअंगनरोचनजेवजगे नभईकटिखीन
यौकेहरिजोननितैवअनूंभरिकेउमगे नहिवाल
मगलकीवेकविलोकनिनैननिवनपिछ्छजगे हौं
नउनिसवामरयातियकेमेंगउलननलाननसंगल

गे १५॥मध्या॥रतिरंगग्रनंगगनरंगलखेकिफकार
नह्नंफरिये ऊचकंतुककेवंदरवोलनपेहलितुह्नंक
रसैंथरिये भरिह्ननिरखेनहिंनैनकेनैननिवैननि
ह्नंनहिंग्रादरिये नेपियापाइनिकोपरिवोननजेसजि
नीवकहाकरिये १६॥प्रौढा॥नेपनिहैपनियाथरा।
णीमाहिंजेपनिकेरतिरंगसियाने लेनखेनेमिखैलौ
हसिहेरतिनाहग्रनूपमह्नूपवषाने नैननिवैननिह्नं
सपनेह्नपियह्नरिवंसनिऔरहिंग्राने मोतिनऔरति
याननयानियग्रालिकहैंपियकोंपहिचाने॥परकी
या॥ग्रपनेग्रपनेचरऔरपनीनवयौवनजेवभरीति
पहै जिनकैग्रंगग्रंगकनकुकभूषणझनिकनक
रौफकहै पुरवीपितुवीचगलीतुनलीतुनरंगिनि।
नीरुछिपाइरहै सनिरीसनिसंदरिनोदिनकहरिवंश
विनानिरखेनरहै १७॥सामान्य॥सिंगारेपुरछाइररही
प्रवनीतिनमांसपनेह्ननेहकरे चितवोरतवाहम
यंकसुखीहरिवंशविलोकनछौंहमेरे मिसकैरिम
नेकजामोनकेगोतेग्रनंगनरंगहियेहहरे सनोवा।
नकहासखीमेरहीसंगपनीपनयौवनलेबिमरे १८
दोहा॥वंदिसकेननाकपैजाइ केनोपियहिफिगले
बुलाइ बुधिप्रवीनसाहमहाइ पलपणग्रभिसारिक

रस.
मं.
११

मोर २०॥ **मुग्धा**॥ परसत हरि दामिनि हुती जि मैं इहि राति
रही रमि रंग अली है बारिद गोतनि खोगा जन के मिस टे
नचरी षुंड की उछली है श्री हरिवंश मिले मन मंगल
बोलति किलिन की अकसी है भामिनि भौं अभिसार स
मों चलियेन जिलाज बले ही भली है २१॥ **मध्या**॥ यह
राति जवै घन घोर घटा तन बैतो छिन वैं किनयौं चितयौं
मधुपे षि भयानक भारी भुजंग मग्रं गनयो भहरायतयौं
अब कोमल बोलनि बोलत हो हरिवंश वदन हियै हरी।
तयौं इह यौ हियरा तनकं पउठो सुनौ बातक हा रसले
रचितयौं॥२२॥ **प्रौढा**॥ मोर मुकुंद प्रशील उतंग उगेज
कि भारनि अंगनन यौ नौं भरनिं वसभार सके न हियं
चरहं गउ प्राइ गयो नौ हरिवंस समीप को हं सगती
निशिनारस कै कि मिकै वरनो तौ सा सिमनमथमा
थिजो न अली री मनोरथ सो रघु हो नौ २३॥ **परकीय**॥
हरिवंस समीप कौं वामवला निश संग अनंग कौ उ
रच्चियो निरषन वनीरद नीर भरे मैं रविमंडल मान
लियौ रजनी जियजानन तिवाम रसीन नवकुंज मनो
नको साथ कियो अपनेपन के पहिचान नि तिनाहरसो न
हलियो हहराइ हियो २४ कुनंक उपाइ कनेक करी
मदन मिले गाजरा जलजे पहिरे नवनी गनिचो।

लीवनीकटिकिनिदूपुरनदुबजे उझलेकरगोडु
मयंकमुखवीछविदेषतकामकीवामतजे नवनारि
रिकावनकोंरहिभांतिनिवारवध्यअभिसारसजे २५
जोन्ह्राभिसारिका॥ हिमसेनदुकूलउमेसनोरवंदन
सेनोरभूषनभूषिलियो अकुसेनहीफूलनिकीस्रग
सोहतिअंगनिसेतसुगंधदियो जवपारनिमांकगई
छविछाररुसलोकूलसोंअनिहेरिहियो विशजोनर
हीभरिहरिमहीनवहीनहणीअभिसारकियो २६
दिवासारिका॥ भयोधरकेपतिकधरउत्सवकूलेस
वैनउरंजनिमैं चितवौकिवहूंवकैहेरिसभरिसा
सकियोमिमफूलविमैं अतिआनंदसोंसवलोकग
योलहियोगदुहूनिभौंपुंजनिमैं तिरछोगतिकेस
मफीनपरेहौंरहेछविदंपतिकूलनिमैं २७॥ *दोहा*॥
रहिविधिआनोनायिकाकहीवरनिगुणरूप मुग्धा
मध्याप्रौढयनिभेदअनंतअनूप २८ नाकोपतिप
रदेशकोविदाआनिधिगहोर दृहिमवहिनितेभि
नगतिनईनायकासोर २९ गमनसमैकातरचिते
काकुवचनकहिगोर सोहमरनतननतपनिजउसा
सहीनगतिहोर ३०॥ *मुग्धा*॥ अहोआनिअछवानव
होरहिवंमकछुवालिवेहीकीवानकही सुनिसंद।

रस.
मं.
१२

12

दिनाविसवासिनवा अविलोकनहीसुखमौनगही
भरिनीरहगेवलहीरहयासासुतदासभईमनमाहिर
ही निनकजननिनाइसहेलीसवैकलहीकलकोइल
सीकरही ३१॥**मध्या**॥ मनभावनश्रीहरिवंसहुतैहसि
गौनकीवातकही छलैछैनलईभरिसासननैनमैर
रुकेहोनकछुसुनिकंतरहैंछु अंगफीलेभए अवलागि
दिगोअनिसोहैलसारलगीलरहै जनजीवनकैअ।
खेपाप ढिवैकहुआनिडकैढिगआनतरहै ३२॥**प्रौढा**॥
प्राणप्रयानवियोगदवानलकौनसमीरशरीरहिता
वै नाहितेश्रीहरिवंससुजानहहासुनियेविनतीकरि
आवै वेदनचीरसुअंगपतवोलनफूलउकूलदियेरस
नावै एकछुनिहींपियपअवदेनसुतोवहुयोफिरिश्री
नमपावै ३३॥**परकीया**॥ नजिलाजकुजनकीमगा।
मैंपगनगकेशिरआदिषप अवलेहियहेविमलि
नहीनिशवेलिवलीनमआनिलये अवनैनजुदै
ममभैनदहै अंगअंगअनंगकेतपनये रहेतोफल
वकिपहोपियजुजववैवलकहुआयभये ३४ सा
मान्या॥ विकुरेनमुरेसमपहिजीअजुवैरहिहैनहिद
हसनेहदगी निरिदीजिपनुसिगारनिजभूषनले
छीनियाकेगोपिमवगी नवयोंकहिकैवतियानव

होंग्रेखियाभरिरूठेहीकेउमगी उजिदीरवसास
निवारविलासनिलालहियेलपजाइलगी ३९।दोहा॥
ग्रहितहोइनिजनाहजवजानिजाइयनिसोइ तऊहो
इहितकाखिणीसोउतमहियहोइ ३६॥उतमा॥ग्रु
णोदयग्रानिखेऊवऊंऊमयंकपियेछविकौंवरनै
पग्रधारियेनहरिवंशपियावचनामृतसीवतवेरव
भनै मतुमंदहसीउतिवंदनपंकवफाइलियोसव
ग्रंगवनो करिलोलविलोचनवाहविनानिवफावति
ग्रे```मालमनो॥३७॥दोहा॥ग्रहितकरैग्रहितैकरै
हितकीनेहितहोइ निहितुनलत्तणभरिरहीमध्य
मेदरीसोइ ३८॥मध्यमा॥ग्रपगंथकरैहरिवंशहरै
करसैंपरसोंऊवऊंभहियो विनयोंतिरछैकरिलो
हितलोचनरोचनरूपग्रनूपविसेो हसिहेरिहरंदरि
ग्रंकमैलेनवहीग्रपराधनकियो नवहीनरुणी।
हसिपेममलीहरहेमसरऊमदानकियो।३९॥दोहा
हितैकरतनिसदिनपियहितग्रहितैजोयनिहोइ
ग्रधमरूपगुणलमणवंडीकहियतसोइ ४०॥ग्रधम
मगमैपगदैनविलोकहीहरयेनववहावनोरियरैं
पयकंऊमपेकनिसीचनिपाणिसरोरुहछोरनिछ
महरै पतियोंनितहीचितलीनेवलेनवहूतियचै।

रस.
मं.
१३

ढिकयौंसषवै रसरोखकषायितलोचनकेहरिहोठ
कसम्मसिंदनकरै ८१॥दोहा॥इहिविधिअगनितना
यिकाकहनतनवनेगनाइ ग्रंथबढनिकेडरननेवरनी
कछुवनाइ ८२ तिन्हनिकरसंचारिणीअतिप्रतापति
तिहिहोइ तकनीनियाकहावईसखीसहावतिसोइ
तिनसखीजनकेगुणकहैंमंडनकरहिविलास प्रे
मवढावनकोरमहिउरहनसिखपरिहास ८३॥मंड
नं॥करिमज्जनअंगअंगवारिस्नअंगअंगस्नकारणआ
निलगी अगुरुकुमखपस्नकेशसवारिस्नासिक।
वेसविस्योतिजगी ऊवडुपरअंगकुमकोपियपालि
लिख्योलिखिकोतियडेलिडगी करकंचकलाक
मनीयधनाइहनीसजनीपियपेमपगी॥उराहन॥नि
सवासरसंदरिकोहियसारस्योकामदवानलसौंल
सिकै तमपसेभलेहरिवेशललाउतहीनिजवासि
कियोहरसिकै अपनेअंगअंगअनंगभरेमनमान्योवि
विंचरव्योशशिकै वहपसीभडोरसषीतम्हरीहि।
यगासिगानसमाउसकै ८८॥शिखपन॥भविपउर
अंकमैयौंसुनिसौंरहियेफकिकरिकेलिलवैंइ अरु
योंलषियैनथतेषिवलौंअंगअंगानिस्योंअषियां।
मिधैं सुनियोंसंदरिसैनसवैरिफपैहरिवेंपाम

हाविषई रसमैरतिरंगसमैसजनीसिषलाषकभं
तिसखीसिखई ४७ पठिहासनलिखिवित्रपटक
रिकेसरिकेसविसेंरतिकामलिखेहरिवंशवली
मिसई मिसईमनिमेद्रिमैसहानिकैहवातग्र
ली ग्रवजानियेनानिषिरोमनिग्रापपकोलिखेलि
पकेंजकली रसनारदवोपिमयंकसखोसखसोरि
कछुसमकारवली ४८ ॥दोहा॥ हतीहतमनकवि
देषंतिदेहमिलाइ रसवसविरहविनोदकीवातेंकहे
वनाइ ४९ ॥मिलवन॥ उमडीवनवोरवमेंउचटादा
मकेदशाहूंदिशादामिनिभीरी कूजतमतमहूरमि
लिद्गनोजमनोनिजधारसवारी वैउतकुंजमिमे
हरिवंशविलोकतिहैपथिसोहतिहारी पाइपरो
करिपतसहासहहाग्रंजहवलिपवलिहारी ५०
विरहनदेदन॥ विछुरेनमहेरेहरिवंसविलोकिकै
कौतिपदेहदसावरनौं मृदुसीतसमीरसरोरुहसे
नहिनैननिहंग्रंगग्रंगाग्रानौ नवश्रोनसमीपहै
वरोनामसषीसवलेतिहियेग्रकनौ नवनेकरूमं
चिनहैतनहोतकहेतिहिजीवितदेनमनौ ॥दोहा॥ ५१
उहंमिलेसिंगारसउपजतहैग्रभिराम पहलेवर
नीनायकावरनौनायकनाम ५२ ॥ग्रडिल॥ तेनाय।

र.स.
मं.
१४

14

काकवियत्रविविधवधानिहो पतिउपतिवैशिक
पतिग्रनुमानहो पानिग्रहनयनिजामनिहोइ ग्रति
मतिवपतिकहोयतमोइ ५३॥पतिव॥ महमोकर।
मोंमसिसीवनकोंनहोशीतसधारमकीलहरै कमि
पतिहनापटलाइसवैकिनधीरसमीरतेसेदहरै उक
लेकिनगंगतरंगनिमेंग्रगंग्रगग्रनूपमशोतिपरै ग्र
तिकोमलमूरतिशैलसुतासुरकाइगहेरविरोषवरै ५
चौपई॥ सोपुनिपतिवहुभांतिवषानहु प्रथमनाम
ग्रनुकूलहिमानहु दछिणधृष्टेशठतछेद नायक
वारकहैरतिवेद ५५॥दोहा॥ सपनेहुनग्रतिसंदरी
रमैरंगवणधीर सोकहियेग्रनुकूलपतिसीयरसि।
करवुवीर ५६॥ग्रनुकूल॥ वसधानमहोतिनकोमा।
लवोंनरविनउपथ्यांशशिशीतलताइ थ्योरउमेकि
नहोननग्रेरपथधीरसमीरहुनोंमहहाइ देउकरउ
कमैमिलियेननियमगशैलसिलावनराइ सेवना।
मरहिगैसरग्रानहोसंदरिसीयलहैसंगलाइ ५७
दोहा॥ सकलनायकामरमैरसिकरंगसमानि द
छिणनायकाकहियसोंस्यामसंदरिहिजान ५८
दछिणनायका॥ सिगरीनवयौवनजेवजगंग्रगंग्र
गग्रनंगतरंगभरी सवकीउनिसामिनिजोंदमकैं

लाखियौंममकेलिकलापियगरी अबकौंनसोहेरि
हेरैहसिकैरमियैंरतिरंगनिकुंजदरी मनहीमनयो
मुषमोनपरैदिनरैनस्यामलहैकचरी ७९॥दोहा॥
निडरकरतअपराधनिजसोकहियेशठसोठ परि
पाइनिहिलिमिलिरहेसोकहियेपतिधीठ ८०॥धृष्ट॥
कहिहारललनाकरकंजनवध्योमुखनाइसमौनपरेरही
मस्यौं मनिमंदिरहारैलोंआनितनैांवरनैांवकभांति
कहानकस्यौं नवकुंडकिरहारिहिनेहगदेतहसैहसि।
हेरिहियोउमह्यौ हरयेहरयेमगमेंपगदेतपियाति
यकेसंगसोइरह्यौ ८१॥दोहा॥निजचातुरतानतत्ता
रसकपटरूपपटुहोइ लखतहीसौरतिरसकैरेकहि
यहपतिसठसोइ ८२॥शठ॥अंगअंगसिंगारसबै
माखिकैरविमंदिरलैनिजसाजठयौं मुखमोरिहसै
अवरादशनद्वैअनिफूकेछिगहैविनयौं मन
नीजाननजानिजनाउभयोनरह्योनवनीवितनेहन
यो मगसोइरह्योसदमौनपरैअथवानिकआनिज
नातभयो ८३॥दोहा॥जापतितेआचारकुलकिनि
हानिजमहोइ परदंपतिअतिनेहरहरसुउपपति
कहियतसोइ ८४॥उपपति॥परिमौनमशंकब
हूवकयौंनविलोकियेअंगनकेपियमीजे किंकि

रस.
मं.
१५

15

निकीकनकारनहीपतियौंनहियेभरिग्रंकमैदीजे
यौंतकिनैननिवैननिदेखुपरीवृपरैमधुरायरपी
जै कैरतिकूजनिवौकेवैनेनमनौमहिकैलिकहा
करिलीजे ९५॥दोहा॥निसदिनवेश्यासोरमैवेश्या
केवशहोइ विकलविलासिनिसौभवैसौवैशिकप
तिहोइ ९६॥वैशिकपति॥किंकिनिनूपुरलोलकपो
लभृगुहलकौनककेनहूंकौं लेऊरहकेकलकंठकि
कूजनिजीतिलयोरवसावलहूंकौं लौनेमनोहित
लोइनलोलविलोकनहीमनहोतविथकैं वारहिवा
रसयौंविकुरैमनकेरसवैशिकवाररवधूकौं ९७
दोहा॥नेपुनिवैशिककवियनहूंरोपोत्रिविधवखा
नि उत्तममध्यमभेदकरिग्रथमप्रतीयहिजानि ९८
पियापेखिअपराधजवकोपकैरहगरोइ मौनयरै
रहलेकैरउत्तमनायकसोर ९९॥उत्तम॥ग्रहणोद
यग्रानिलइनरुणीग्रखियांभरिनीरतजे नविलो।
किमकौंनहिवोलिमकौंनहिमोइसकौंनियला
जलजे हारियेरहियेछिगआनिछकौंग्रगअगस।
कंपकछूनलछैने मुखमोनपरैमिरनाइसतमवै
शिकमुनियमालमजे॥दोहा॥पेखिपियाकोरव
निहिनहिमोनहिसमहोइ मुखलत्तननेमनल

खिमध्यमवैशिकसोइ ११ नहिंभौंहविलासविला
सनिवैननिहासकछुसुखमौनलख्यौ ग्रूहनावक
केनलजानकाजोरिसरंगपरेनयनानिराख्यौं ग्रहे
यौंलखिवैंनियकीगतिजोंनवऊदसपोंवछरीपरख्यौं
सनियेंसनऊंऊमपंकरिग्रेगनिऊनलस्पदियेह
रख्यौं १२॥दोहा॥कृपालाननेयनाहिंकेननकन
नियमयहोइ कनाकनविचारनहिंग्रथमनवैशि
कसोइ १३॥ग्रथम॥ननकोजियकैनियलाजन।
हीउरनोनवध्योसंगलेपतिहीं कहणाकहियेनोक
हूंइनहीसकहावैनहेरनिकेपतिहीं करकोमल।
सोमलनांहूनेमौननदीनदशाकियेनोवतिहीं
सननिसनिसौंपतिकेकरमोहिलेलेवहूष्यौंपरि
सौंपरिहीं १४॥धनमानी॥गाढ़काढसमानकठोर
हियेहठकूठियसौंहनिसौंविहरै किककारिलि।
योइमिलापककभांतिसपारपरेहूपहैलियरै सिर
नायककछुछिगफोलिचल्पोजनसंदरहीरहेसहरै
छोनियांकरदेनियकेपतिस्पोंहगनीरभरेधकिया
इपरै १५॥दोहा॥नायकवचनरवषानियहसुगल
भांतिरसनानि वचनचतुरइकहसरोक्रियाचत
रउनमानि १६॥वचनचतुर॥उनईनवनीरदनील

रस.
मं.
१६
16

लखदादसहूंदिसदामिनिसीलसमैं निकसीजु
गजामिनिजामगयेबितुंसंगसहेलिकैसाहसकै
बहराततिनदीहहरातिबबीबनजंनजगेहिहराय
सकै सनिसंदरिपसंसभैवनमैंकहियौंकरिकौन
सहाहसकै ११॥क्रियाचतुर॥ उफकेकफकिफोकिग्र
वानहीपियपेसपिहछतसंगपिये करिकेलिस
रंगलियेनरंगीनखेरेखनिखेडवग्रानिलिये उर
छेदतिमोतिरछेकरिनेनकछूनिरछेहसिहेरिहि
ये १८॥दोहा॥ पतिग्रहउपपतिपहुकृत्यग्रहवेपिक
करिभोग हहिपरिबिलपहिबिकलहैजवफिरि
हाहवयोग १९॥पतिबियोग॥ नीरजनेनमयंक
मुखीवचनामृतकेसागिवारसहाहे नेचजुगपोक
दलीदलसोंतनुलेकमृनालजिसेफलकाहे ना-
भिसरोजनदीत्रिबलीपगपानिसपलवरूपसहा
हे सोयनिमोमनुमाहिबसेहोनकृतपरेनमणीना
लनाहे २०॥उपपतिवियोगः॥ सरसीजलकेलि
कुतहलकौनिकसीनययौवनजेवजगी सखमो
तिकछूसमकाहहेंसंगुगत्रगउमगानलिउगी न
बहोसिसहोउगादेसगगेकिरयौकुनियाउमगी
बिनयौंफिरयौंनिकुंजनियकौग्रनजैहैफलकेकुबि

नैनजगी ८८॥ वेशिकपतियोगः॥ रसहीविरसै
सरसीकरिकै हहरेहियरेहियरेहियहेरिहरें ऊ
किवेचितरीफनवारनहीभरिगुंकतजेपरिरंभ
भैरं कवहूंपगहूंनपरेचितवैककवहूंपुनिश्रापुही
पाइपरें निसवासरवारविलासिनिकेविछुरेरसि।
यानहियोरयरें। ८९॥ दोहा॥ नंदसविवनितनपतिन
केकहियतचारिविषानि पीठमंदविटचेटपुनिवो
थविदूषकऊमानि ९० माञ्जकरेजवमानिनीमानेमा
नमनाई पीठमंदसोजानियेवातेकहीवनाई ९१
पीठमंद॥ कहाश्रतिहीकरिकोपकियोश्रजहूंवक
हाकरुणाकरियें हसिवोलियेयौंवचनामृतसों
मतिनासिगरीशुहसीभरियें ग्रहोवंकविलोकनि
नैकविलोकिमयंकमुषीहियराहरियें सुनिसुंद
रिनैपियकौनपुरेखिमतोंनिहिपाइविहीपरियें

विट॥ इनग्रानिदैनकियोपाशिनूवसंधारमधार
पायोलसहियौं कलगुंजतमत्तमधुव्रतपुंजनलये।
मलयानिलसौंवहिहै नवपल्लवलोलकपोल
निलैवेरतिनायकसायककेगहिहै कहियौंक
हिकामिनिकौंकरिकैनश्रभानगुमानहियैरहि
है ८०॥ दोहा॥ नवदंपतिसंकेतमिलनसरनरस

र.स.
मं.
१७

17

होइ तिसहीमिसमउनतेवलेचेटककहियतसोइ ८८
चेटका॥ इतिसुंदरीमुग्धीहरिवेशललारतिरंगक
लाअंगअंगरसेस्यो उतचंपकचारुमनोहरमूरति।
सुंदरिकोमलतेलेटिकल्यो इतिवीविविलोकिवसं
तसमेसुतनंपतिदिनमनितेजजल्यो मिसहीमिस।
हीकहिप्यासलगीसविनातटचेटकचेतिचल्यो ८९
दोहा॥ अंगअंगउंगविरूपकरीडहेउसजोवेहास
नाहिविहूषणजानियहरहेदंपतीपास॥ विहूषा॥ ९०
सुतिरीसुतनिसुंदरिसेजसमीपलषीतवहीछुलही
छालसों अथराभूतपानकोदोषिरहीहगमूदिक
होकवहीछवसीं कूलसोंऊरचकेउकिषोलनको
जवतेमुजसोंभरिअंकनसों उतकुजलहेइहिवी
विविरहषकवोलिउथ्योचरणेपसों ९१॥ दोहा॥ स्वेद
थंभरोमवतनकंपअस्सरभंग हतिविवर्णअरु
मनप्रलय सात्विकअंग ९२॥ सात्विक॥ परेपग
बोलतकीरमनासुरभंगपरीपियरीमुखमेंहरष्यो
फलकैमधुराधरकंपभरेनयनालसनीरतरंगल
ष्यो अतिहीमनलीनभयोमेरजानकहेहरिवेश
ललानिरष्यो ९३॥ दोहा॥ सुरतसमेथिरहेरहे।

भावभावसिंगार सोसंभोगवियोगमहिद्वैविधरू
पसंचार १० ॥संभोग॥ विहुरेतमकुंजवंदूवकेत
शशिमंडकपिलियोद्भलस्यों तिनतेरविनायकसा
यकसेसुवयोंनवतारकधारयस्यों कलक्कनतमेनु
कपोलकलापितरोलतकोंकललालस्यों थिरना
चितविधुलतान्छविसौंगगनेगनगंगानरंगवस्यों ११
॥वियोग॥ योवलिवालविहालभईतनआलिमेमैन।
स्नितनिहारे देजकलाउतीजीजलईजमहतीहैजे
निजगीजउनारे सोहतिहैअतिहवरीदहडहूंफिर
कीयस्तरीअनुहारी देषनकोंहरिवेशतनमेंजियहेम
मनोंज्नगपंथपसारे १२ ॥दोहा॥ जेवविछुरतकंदपा
नीउमगेप्रेमतरंग कमहितहोंतेअनुभवतदशादि
इगनिजअंग १३ अभिलाषचिंतास्मृति गुणकीर्त
न उद्वेग प्रलाप उन्माद व्याधि जडता निधन अभि
लाष १४ अनुरागभरेअरुणोदयलौंरतिरंगरमीअ
तिआनदके अरसाईगईलगिमोरहियेश्रमसेदक
पोललगीलटहै गईगिरिवेमरिनासिकनेमिटिगो
लननेजलकेमरीछै समकांतिमनोंमुखमोनभई
वहूयोतियकीलिषिहोंछविवै १५ ॥चिंता॥ अति
मोहतिसंदरिरूपमरोवरनीरजनैनकेरूपरमै अंग

रस.
मं.
१८

18

अंगनतरंगनजिमैउनिराजतनाभिमनोहरभौरजिमै
लखिलोलपलोचननाइपरेसंगहीमनग्रनिपयौउ
नमैं गउभ्रमनिहूविगयोग्रपकोलखलोचनअंगग्र
मै ११॥स्मृति॥गिरिगैअंगगअंगविहालभयेरणरंग
हलकनेदहछुटी नभरीजलतीरजसीग्रखिपान।
तजीगहिहुरयमामवडी अंगअंगनतंगमयोनवनं
गममोहनकीउमडी सिरनाइरहैमुखमौनगहैर
हुवीरहियेशियग्रानिगडी १०॥गुनकीर्तन॥न
नजोतिनगेजुवतीजनमेउतलोलकंरंगनिनैनति
वै भृकुटीतटभंगनतंगनिमैंमुखरूपमयेकमये।
विनवै कचरोविमहरनिवैनसधारसवालिमराल
केमाहटवै इकडोरकहूंनजुदैनिरषीनतग्रमंहरि.
माजसवै १॥उद्वेग॥विरहानलपुंजसमानइतेवि
धुमंडलग्रानिउदोतलिये ग्रनिउज्जलनैनसरोज
वनेवनवारनवेषवसंतकिये रजनीरतिनायक
कीतरवारविदारतिदेहहलाइहिये ग्रतिसीनमली
नमयंकमुखीइहकोततिरंविग्रपंचकिये १॥ग्र
लाप॥ग्रहोग्राजमयंकमुखीकविछोरिकितेवि
नचोरतिनापतयौ ग्ररुग्राजवसुकिमलेतजेमो।
मनअंगरमैकिनहोचितयौ कहिग्राजपुंचंपकट

ममनोजमनछोडिछुयोंकरहाहितयौं विछुरेहा
रिणाछियछेरनिमानितरंनछवीलेहिछोमभ।
यो ४ ॥उन्माद॥ विप्रराजनतसेविकलेकमयेकस
खीमुषमंडलकामकयौ विकसेवरवारिजनाव
तमोरववकोरमनोभवसोनिकयौं त्रमकारीमृगी
मृगगावतिकैंनकितेरमनीहगनीरजयौ विल
येविकताहूटसोपियन्नविछुरेनम्हरौउन्मादभयो
व्याधि॥ कामशरासनकामशिलीमुषवैरतिनाय
कथानिवसाई लोचनलोहितमौंहलतात्तप्रसान
संदरिसेजसहाई यौंविधिदेषिडहूनिवरावरिने
कनहीयदतीप्रयिकाई ज्यौंपुवतीजनपानसमे
नगहेतरुणीतनकीतनुताई ५॥जडता॥ रहिगे
करकेकनवोलवितौनिवलेप्रवराउरसासहिये
नहिगोलनलोलकपोलनिकुंडलगेरहिनैनजमे
षपिये मषिपेकहिकैसेकेजीवनयोगमनोरमिसं
ररिरूपादिये नवनैननमेवउरंविनहूनजोघरा।
सामलतामलिये ६॥दोहा॥ कैसपनेकैसम्मुख
रकैतविचरयुतमान दरसनकोरसडूहमिकेकौविय
नकरहिवषान ७ सपरउरकोमुककनामयहारन।
हीकरकोनहिकेकरडोरकिये मनिकंरलघ्रोण

र.म.
मं.
१९

19

निकोकहूंपराकोमनिव्रुडरश्रोरह्वियों लियेनव
लाकेनपगहनेपहिरेवनमलविराजहिये श्रीरि।
मैंनिरख्यों सपनेमहवोसननैनोनिरहीहोमउदोरलि
यों ८॥विज॥करहीकहरैरहमिनीवीहरैरकलियेन
वैरखहुडुडुगवी कारंखीविकोरमधुरायरमानक
पोलनिमैंदशनंकडुरवी भुजसौंभरिग्रंकमैले
सुषमेजनमवाईकौरेरतिरंगसुखी लरिवकैहरिवं
शाहिविलिख्योहियाहोनमणमयंकसुखी ९
सातादन॥ हहाननिरेविनवंवलनाजिग्रगानला
ननलोलपहू करुणाकरिनैननिनीरभरोनमहूं
नपरोयलकेपलहै सिरमोहनमोननिकोवंउ
वामुरलीमधुरापरेमधुपै नवनीरदसैदरमणा
मलहोमहहाइरिलोचनगोचरपै १०॥इतिर
समंजरीभाषासंपूर्णसमाप्तः ॥

ॐ श्रीगुरुदेवेनमः॥दोहा॥ॐ सुखदसदैवसमयान
नेन्हसभमामनसिरनाम भागभरीश्रावैरहैनसावन
सीमहाराज १ठागसौसमतारुवैद्यनलखिमोश्रनुरा
ग सावनन्नामपैवासिकाकीनीवंदश्रयाग २ मोर
मुकुटपटपीतहीललितस्यामरंगगात सावनसीवं
नस्योमदुसमदोषदरमान ३॥सवैया॥दामनिसींप
टपीतलसैंमधुमोरकिरीटश्रनूपमसोहै गाजनतेहु
निवाजनतवांसुरिबालकवंदसषासबजोहै मोनि
नकेपरिहारहियेपयपहंदश्रखेडचितेचितमोहै दी
हरहे घनस्यामनेमंमदुदेखउटेकुछभेदरिकोहै ४
दोहा॥वोवास्यामश्रवीरसितवादरश्ररुनाश्ररुनउ
लाल षेलतसावननरबनिकंदोहोरीललितविशा
ल ५॥कवित॥फिलीगननदादरवजावतमृदंगा
हाकहरेहारदयोनायकलागही पानसौदामनी
नोश्रवनश्रनेकगनवालकथमोरगावैनीकेसरग
गही लालषेतस्यामदेनश्रलनाश्रवरवेषाद्वैदेपि
वकारीपयमीनैश्रनुरागही सावननेराज्ञालियेमोर
नसषानसंग — वतहैचंदश्राजषेलतमोफागही ६
दोहा॥हरिनश्रमकालीलाभितवारदरनतेरवान मा
नोसावनद्वपनरूपनकीनीकोलसतदिवान ७

कवित्त॥वादरवतानवारुकोहिलकनानैंनृतोपी
रनतनावैमेघकसीटकेसैमकों सोज्ञसोपाटकेवि।
छौनाविछेहैंरेनाचतहैमोरकिपगीतकसवेशको
चनहूंनगाजैपरवाजेमदियानैपोरबोलतहैंवंदीव
रवालकसदेसको न्नगन्नमसालैलिपवामीचोप
वदारफिरैलागैहैदिवानचंदमावनरेशको॥दोहा॥
वटवारकेकचौथपरघटाफोजकीकोर पठपकाम
नेरसकेरहैयोरवफग्रोर १०॥कवित्त॥गाजतनगोर
भोरतडलानरोरतेगवादरपनोपाचंदसमरउमगहै
वालकनकीवमोरनाचतपटैलग्रागहूंदेनलवोन
गोलाग्रोरेजातफंगाहै कोरपीरधौंसलालसिंपरत
रंगप्यादेरथचंनवोरवटावमूवततरंगहै प्यारैन्नमो
मानकिपमाननीजोरहैकोउकीविपनसीहतप
पटपग्रतेगाहै ११॥दोहा॥घनगाजनवाजनवजै
रनगीनचहूंग्रोर मानौंसावनरूपतकेभरीवयाउ
पोर १२॥कवित्त॥उडतविहंगावकनरवामेलाटै
उंवेनाचतहैवानरजोढटाउनमारीहै गाजतहैका
रघनवानतहैडुंडुभजोगावतहैमम्हारवाकेकोव।
दवादीहै दारग्रनेकजीववंदीजनभीरभारीवग।
मतहैथारायनकारतननादीहै वालतसाँग्रोडोटत

कमनापक्षकग्रानन्दपसावनकेचंदभरीमादीहै
दोहा॥ गरजतगरजमग्रावउमगभेरेपवनमंदजोर
रहैडरकेमरकेनहीगाजवादरसिरमोर १४॥ कवित्त
कौरकौरबादरबोलारातउरोरभोरमदकेपनोरवद॰
रवालिखावतौ बालकमकरक्षकेदादरपगडेदारकि
लीगनपैरगोरचंदायनमावतौ मारमारग्रांकुशक्षवा
रलमैदामस्यौपवनपकेलेलिपल्यावतौ गाजतगा
जभिरदोकुदमनलोरकवलाकादीहमावननरेमग्र
मेहाथनलगावतौ॥१५॥दोहा॥कारेवडेविसालतन
पलहवानवनपहु॥भिरेगज्ञउवुहेरहैवनन्दपतिम
नेह १६॥कवित्त॥कोस्पारेबादरडुरोरभरभरेवडे
वडीलवारेवायेपकग्रानहै पवनमजोरचंदलेज।
मफिरावैवीनगाजे भुजघामदौरेहरैग्रासमानहै
छूरक्षूटभिरैकिरैमातनग्रनेकदावक्षूटीजलधारे
ग्रमधारेयरगतहै कोपकियेग्ररैरहैतरेफनवनेनै
कमावननेरमकेग्रमपहलवानहै १७॥दोहा॥नलि
नसवंसहिवसननतलादेउडुतवमान मावनमा
हपक्षाहनेवलोपहारहिजात॥१८॥कवित्त॥कोहि
लसवामपाटग्रोरेनोग्रनेकमेवाग्गुगनुजरावैचंद
कौनहजारके करिपौरधौरैलालवादरवनानौ।

ऊँ
२

2

घोनदामनीकनारीधंनुचीरेजननारके ब्रदनस्र
घेडमोनीमृगाअंदवधभरेमेरपिकसोरजावहोर
भीरभारके साहाबमेसावनवमानलियेपछम
वेशावनहैचलौयदावाधेमोकनारके १९॥दो
हा॥दीरघदेहडरावनैचपलादशनकराल श्रा
वनवादरसेरजोगर्जेनहैलेपियाल २०॥कवित॥
कारेपीरेरंगकेडरारेडीलवारेचंदगाजनसुका
घाहरे ऊवेगिरपरहै ष्टीजलधासटाग्राचेसख
फारेदौररसनानिकारेवापकरेजगजेवहै दाम॥
नीहलापछदाटनवलाकादीहपवनसजोर
भरेकोपकियेहेरहैहृदनवियोगीसनावादरप
वासोश्रोरसावनसेगेसभजेवादरयहसेरहैं २१
दोहा॥गगनजेरावलिफिहिगनगगारजरवाद
वैन वादरपकजलेवकेश्रावनरपकेश्रेन २२
कवित॥कारेपीरेरगवासकलगीहैरद्दचापवडे
वडेज्ञानवंदवाके शूलवेसकेकिहीगनवाट
कजोरादरमहरपोरवाधेकटिजंगमानोवाजे
भलेभेसके गाजनरवाईपैठदामनीहलापछ
रीपटीजलधारेघेदगामीदेदेफ्राटेशाके वादरस
मेलश्रेसपवननरंगश्रागेदौरनजलेवदारमाव

ननरेषाके २३॥दोहा॥नीलंबासननसवीछटामं
नमझुकेनिवाज हाजमुलानेमेचयपटनऊरा
नहिगाज २४॥कवित॥कारेघननीरबासनसवी
फिरावौवी जमीमेझुकआयेनाजमांननश्रनायवा
नूदेजलगोरीडुरेपोनपटमंत्रसैफीवारकच
काहूचेसवमैहेहकायकी मौहैवकपाघकाघन
वैकै ऊरानलियेंइदधनुकीनेजोपलीनेहनरा
यनी गाजमहैवागेदेनहूमनझुकारेलेनसा व
नखलानायनेआवनविलायनी २५॥दोहा॥उचे
ललितश्रनेकरंगदर्शनविश्रमलेष वादरसाव
नपनकेनीकेमंदरदेष २६॥कवित॥कारेपीरेला
लरंगरागेहैश्रनेकचित्रधोरेधोरेऊचेचारकला
सासटारहै हृदनश्रपंडुधारनोरनकीमोतीजाल
दामनीपताकालसैजरीजरतारहैं॥नेकहूँ घुले
नेउवयरकरोषारंयवीचवीचतारेलसैसीसासे
निहारहैं वादरसमेयचंदनीकेधामसेमोनलागे
सावननरेसकेसवेमसेश्रगारहै २७॥दोहा॥गर
जनचंननलियेंरधनिहमरहमडडाप २८॥क
वित॥धुधरेमेरंयनपेहरेहैदीपीचोरागानसेल
पेटेडोरारामनीउनारको इदवधूपादीमालचंद

ॐ.
१
3

जोरतीनहूकीमयवाको वापपडुमालाफूलका
रकोनलफसथावजलहूकरमहूरकूकेपीटलि
येंधुरवाज्यौमोटचडेभारको दादरग्रनेकमीटागा
जतहैमोरपकश्रावनहैसावनज्योगदीपहारको
२९ ॥दोहा॥ परेफूलफावालमतग्रतिहिसरंग ।
मानौसावननरूपनकेवादरललिनतरंग ३० ॥कवि
त॥ कारेपीरेधौरेगातदूथरेग्रनेकभांतहैरतहैर
तेडसरससरगहै लाललालरंगपरेगजतवना
नीजीनकावाचारूमोतिनकेहूदनाडमेंगहै फि
हीगनहीसनजोगाजनदेवाजेपायभवोलनहै
मोरडोरवाधीभरजेगहै दामनीलगमरियेंफेर
तेयवनचंदसावननरेशाजकेवादरनरंगहै ३१
दोहा॥ जलधाराछूटीजदामनिशाकरसंगसावन
साहमदारकेवादरललिनमलंग ३२ ॥कवित्त॥ को
हिलवमनधारेजदाजलधारेपरीवोलतहैकि।
हीगनवाधेकटिजेगहैं रद्दवमसेलीगरेकोडा
वगपानपरेश्रोढेमगछालचदानीकीस्यामरंग
हैं दादरमयूरचंदवादकहेवेलावारमाकरफि
रोवैवीजमनउमंगहैं गाननहैकिहीडारभीख
मागैवारवारसावनमदारनकेकादरमलंगहैं ३३

दोहा॥ टीकेसहितसुवासमननगजंतविग्यालेस
मानोसावनन्रपनकेपंडनवावादरवेश ३४
कवित्त॥ मयवाधनुषचंदकेधारकेटीकेभालखे
नरंगेवागेगरेह्नैनन्रपतिकेकारेगनऊपरडशा
लेलियेंकाशामीरीछदाऊजरीयपरीसेवकश्री
पतिके दाटरयपीहरपीकमोरसिखसाघासंगा
पदनेहैवेदसागंध्रगमझनिके गरजतहैहषि
भरेबोलनग्रसीरवादरहपंडितपसावनन्रप
तिके ३५॥दोहा॥ विरहवचटोंकदेनडखकिये
वडेंदिसिजोर कोपकिपयहकोसिपवटवारं
पनवोर ३६॥कवित्त॥ विरहीडमाजपईवादर
हगमिवोरम्रानेहैवधायथतैगिरनगदीहनै
पवनथकेलेंदंदेस्रवहेश्नेकारेमयभीतपाय
ऊजरीसवीहनै धनुषचरायषेवीचावकज्यो
तरपरैस्रामजलपारपश्काटेदीहदीहनैं
श्रेमैहीउनाहिनपेकीजिपसनीकेदसावनन
रेशायोकरावननसीहनै ३७॥दोहा॥ ललनरि
वासविसासलतंननगर्जतमपुरजवाव सावन
भेजेमेयपवनेवकीलवनाव ३८॥कवित्त॥ खे
नखेनवादरमोवसनम्रनूपगरेदामनीलपेटे

ॐ ४

चीराभारीवारुडीलहै जगनजराबमालैऊपर
सयामयनन्हैजलमातीमालमतीकोसतील
है पवनगइंदचढेगर्जेनजवावस्वालवारक
मस्रवेरेवानकियेंहिलहै मोनपानमाहरके
वेंदसमफायवेकोकामपानसाहमेज्योसाव
नवकीलहै ३९॥दोहा॥परममनोहररूपहीह
येनप्रतिदर्शीन सावनहलोग्रावहीवादरलि
येंवरान ४॥कवित्त॥पवनगइंदचढेयटापक
वायेटाटवारकमहरवंदीगावैकईभानके ह
टनप्रषंडमोतीमेहराविराजैपालजगनहैग
हैनेजराकनेकजानके वापहिपहारलसेवामी
उनरीयवंदरदवधूगनेरंगवसनसगानके गा
जनवधाईवजेमंदमंदसावनजोसावनहैहलो
लाकवादरवरानके॥दोहा॥पवनवाजिग्रसवा
जिग्रसवारयंनलसैंबीजहथ्यार मारनठेवि
रहम्रगासावमकरनसिकार ४॥कवित्त॥वा
दरसवारचदपवनतुरंगचढेनगनवंदुवीछ
टेगर्जेनअपारहैं इंद्रचापधनुतानडारेजलथा
रेवानदामनीलसाकेनकाढेहथियारहैं वार
ककलापीप्पारेदादरहैवीतेसानकिलीगान

औरीदेनहूककनप्रकारहैं ठट्ठठमारैननविरह।
वियोगीमृगमावननरेमपमेखेलनमिकार
हैं॥५६॥दोहा॥वमनवनानीरंगहूरमपडमग
रणवीरवादरमृगलइरानकेकरेइरागौवारा
५७॥कवित्त॥वादरघ्ननेकरंगबोलाहैसबीजज
रीवाधेइन्द्रचापनीजनाधुरमानके लालूलाल
रंगटोपीगाजनभ्ररावादेनवडेमेयजोपाचंद
वाकेपक सानकेकरैमुलखगीरीजानगीरीप
ग्रीठमकीवाहैभ्रवलिपदेशभ्रंगचिह्नाजानके
पवननरंगचठेसमरडमेडुभरेभ्रावहैवलेव
नेमुगलइरानके ५८॥दोहा॥परेतूलगरजन
महादीर्घकारेरंग मानोंमावनन्दपतिकेवादर
मनमनंग ५९॥कवित्त॥दामनीजजीरपरेदान
नवलाकारोपकिल्लीगननगरैंलसैचंथचंननात
है लाललालवादरवनातरूकेतूलपरेछरीज
लथारैंमदथारेदरानहै धुरवाहैवीरचंदथनु
घमघ्मरलेमैचात्रकमाहावनलेहैरैभररानहै
कारेभारेजोडरारमनवारेयनमावननरेसपौ
रहाम्रीगररानहै ६०॥दोहा॥ध्ननकरंगवादरल
मैंवरीफौजचन्द्ररंग वमकैवामीनेगकरमाई

ॐ ५

5

समरउमंगा ५८ ॥ कवित्त ॥ सिंधवपनचटकोहि॰
लकववमचटचाहै चंदमानगटवासीपष्ठथा
मकै इदवापथत्रुपानडारैमस्मालनालहूदेवि
सवारैकनवाकेपकवाग्रामकेकापकियैंदाम
नीलैदीरैसममैरैकाटववीहैनकेहूविनाभेटै
वेस्पामके गाजननगारैभारैलागनउरारैग्राति
कारैवादर्करारैमटकामके ५९ ॥ दोहा ॥ गिरसि
यामछत्रंपनजलधारात्रमनान सावनकोग्र
भिषेकभोवसपारानप्रमान ६० ॥ कवित्त ॥ कुंद
नमचानगिरछतावनछत्रचंदहूदनग्रखंडमो
तीकालरसनेकहै वीजनवलाकापाषचाम
रन्योकाशलमैगाजननकारैवरवाजनग्रनेक
हैं नाचनमहूरछटाकिलीगनगीनगावैचारु
कप्रनेकम्रपमरीभीरपकहै दादरविषीनमिल
पटेवेदमंत्रऊचेसावननरेशान्कोराजनग्रभि
षेकहै ६१ ॥ दोहा ॥ छापासाषाफूसवेलहैसाव
ननरवरदेष ६२ ॥ कवित्त ॥ सयनमयामदोऊछ
यामरोऊछायाछनाछापरनग्रविंदहूदेग्राल
वालवीनलनालमकग्रनेकभानदगनपषेरु
दकीवमवेकेपरहै साटपदइदवापचारुपलूव

बलाकाचंदचारुकवटोहीफकीरहै ग्रामभरेहैं
सबदसउपवनेग्रीटमकीधामहूनैसावनकेवा
दरकेनीकेनरावरहै ५३॥दोहा॥प्रबलासुंडविशा
लतेनहरतनहियांमकलेश ग्रौढैबादरघालगज
सावनजाननगेस ५४॥कवित्त॥बादरवसनग्रौढै
दसनवलाकापकलसतविशालसुंडप्रबलासुवे
शाहैं परेजलधारैचंदहारहियें मोतिनकेगनेय
नगानरंगहरनकलेसहै वामीचारुसाकरज्यो।
सुरेटहैवारोदिसामयवाकोचापसायगरे परोसे
सहै गजनतनिहारेत्योहीवियनबिडारैयामसावन
समासकीपौराजननेमहै ५५॥दोहा॥मेचधारवि
छुरीजयदशंनललितसुवेस ज्ञैरुबाजनगाजही
सावनदेवमहेश ५६॥कवित्त॥छुरीजलधारेजटा
ग्रौढैघंनघटाघालबादरविभूनसेनलसतसुवेस
हैं दामनीजोलसतयाकामनीजोलियेसगरशैं
हिचंदकवहरनकलेसहै बारुकमयूरगननगाज
तहैऔरुधनिसावनसमासकिपौराजननमहेश
है ५७॥दोहा॥बादरहूसवेलीछटादेषतनवढैप्रनु
रागा जलभविभूमविसालसरसावनकेवरवाग
५८॥कवित्त॥कारेपीरेघौरेरंगदामनीलपेटेलता

ॐ
५८
6

श्रायेउन्नैउचैवंननीकीनरवरहै मचनमचटापाप
छायावंदऊँजनकीवडेमालभ्रमरहीनीरभरहैं
रहवध्रुजगनजोरगलमग्रनेकफूलेछूटैजलजे
उज लधाराद्रुनहूरहैकोहिलटिवारदिपगाजैसो
रपछिन ५९ ॥दोहा॥ ग्रेगरामिगटमोरनैवंथेमठ
हठवारगाजनचलैवहकहीमावनहैसिरदार ६०
कवित॥ श्रीछमगनीमहूकेघामकोटलहवेकोसा
वननेसग्रसौउमगाउमंगाहै वादरकेसोरवाकेवा
रेग्रोरवेरेरश्चौगजैनग्रपारमहाछूटननफंगाहैं
वंदरंदचापथतुनीषेजलधारासर चात्रकमयूर
फौजउमडीनिसगाहैं सरहैघामसमानदामनी
ऊकककरनेउनेदौऊश्रीरपरोजोरजंगाहै ६१ ॥दोहा
दादरवाजीवीजधजगाजनचंटाग्रालग्रैमैरथप
रलमनहैमावनश्रीभूपाल ६२ ॥कवित्त॥ कारेधौ
रेवादरपगाजननवंगनीकेवीचलालरंगहैव।
नातीजोवनावही दामनीपनाकासैंगाजनही
वंटाडोरमारथ्यीपवनवेगचाचाकलजोचलाव
ही हदेजलधारचंदफालरहैसोननकीचावक
मरिवचपंहीयैलघावहीचात्रकनकीवग्रारो
ऊकनहैऊवेमरग्रैमैरथ्थवेदीन्टपमावनग्राव

री ९३ ॥दोहा॥ मोदीवादरनारद्धुनिगर्जेनगगान
सुलेषसावनजोगीसिद्धपदर्शनललितसवेष
९४ ॥कवित्त॥ गादरीहैचटाचंनकोहिलपिभूनम
लैहूरीजलधारैजटानीकीदरसानहैदादरम
हूरंवलादामनीभभौंहीसेलीगाजनजोसरेना
फूरेभलीभानहीडोलनहैमानीभपीस्रासवप
वनपियेइदवधमूगामालाललितलषानहैंचं
दवदपाषोचारमुदरावलौरीकांनसावनसमा
सकिधौजोगीवलोजातहै ९५ ॥दोहा॥ मेघमनंग
सुकरहैदरसनसुनहिसमजगनूनैनसुनंत
ननसावनजोनसवेस ९६ ॥कवित्त॥ वादरमनंग
सामकरेमदमेघव्याघलालरंगजोसवारीडर
लेषियें किलीगनचंदाडोरस्राकुसप्रवंदवाप
रामनीलमनदीहसाकरवरेषिपपसेगजरू
दगजैजगनूहजारनैनवानकमसूरमेगमै
नासरपेषिप गरजननकारेआगेपवनपि
लापजानसावननरेसकैसरेसचंददेषिय ९७
॥दोहा॥ गाजनवेदडचारहैवादरअंगसवासमेघ
कमंडलसुवयामिविधिसोंसावनमास ९८ ॥क
वित्त॥ कोहिलहैधौतीचारुवादरपवैनासौदैदाम

ॐ
८

नाजनेरूगौंसंदलसावहीइंदचापदंडथारैंराज
तबलाकाहैंसफूलेसरकंजकमंलासनवनाव
हीसोहैकर मंडलजोचंदसथामेचभरेहोतहै
प्रनीतसौहीनेकदरसावहीचारोदिसामुखमा
नौगांजनउचारैवेदसावनसमासदेखब्रलाव
नैसावनैसावहौऊ ८९॥दोहा॥दीर्घरसनादाम
नीछुपाकलितनतुस्यामसावनसापविसाल।
प्रतिजाननहैंजगाश्राम ९०॥कवित्त॥कारेरंगको
उराबोडीलवारोचंदवारोदिशाभूरेरहैश्रगामस्त्र।
पापहीजगनूजोजगेमनीदामनीदमाकैजीभ
श्रावेमखपारैदोवकोपाकिपकाहू गरलउगारै
विषपैरेजलथारैचपवनफकारैदेनचढैविते
नापही चलैकोनचंदसखीगारफउपालपास
सावननमासयहसावरोसोसापहीं ९१॥दोहा॥
भानअनेकहिरगकेवाररभरेवसानसावनजो
तजहाजहीदीर्घप्रतिदरसान ९२॥कवित्त॥छूट
नम्रघंउमेछमोननकेभारमानोदामनीकीना
रीश्रौरजनरीजरेसानहैजगनूजराबनगामूगारै
दवसभरेबीचपिकदादरअनेकलाकगाजहैस
रूपनुलसैदोपवाथेहैवरयपानचातकलेहर

वीनहूकतम्रवाजहै चंदजगरमैवादरवसानला
देसावनसमासकीयौसाहकोजहाजहैं १३॥दो
हा॥घटाछूटीचनमददीवंदवलियेमहूरसावन
मेघकलंदरीवाजनहूपहिहूर १४॥कवित्त॥वा
येसामघटावामसेलीजोलतानगभेमदरमकी
विद्याओठवादरविशेषियेंपरेजलधारेलोलि
साकरीलपेटेगानउइथनुगहैकसौरेअवरेषि
ए दामनीजोहरीलेदिखावनउसारेकरेवंदकाषि
सावीकहैभांनभलीपेषियेंमोरलियेवंदरनचा
वनहीसावनकलंदरतमासोनेकहैषिए १५
दोहा॥वादरथोनीसामतेनछुरावेनलिपपान
वासिवगालादेशकोपंदासावनजोन १६॥क
वित्त॥लालपीरेरंगपऊराजनतपुरैनाधोतीकारे
रंगगानयौरेटीकामाथके गाजनहीसंघसरेदी
येअनोषीघुनदामनीलसाके वेतलसेलिपेंहा
थकेवानकमहूरवेदसंगज्ञकेसंगीहिजसंदर
अनूयमेचहैयावेदगाथके हूदनअखंडजलतें
ढुलप्रसाददेनसावनकेवादरहैपांडेजगन्नाथ
के १७॥

श्री १

ॐनमोनारायणायनमः॥ॐगुरुवेनमः॥ॐगुनीके
गुलामनिरगुनीकेनचाहदारज्ञामेहैगुमानहम
नामैरहैकसके पंडिनकेपुत्रग्रुरुवालकविवे
कीकैसज्ञानमनभोवनरिंझावनसबसकें दा
नीकेभिषारीसनमानकविरामकहिंतुमकेन॥
साथीपैंकहैपानवरसके पावनिरमानलसु॥
वासफुरमानलियैंकीरतिकेकामदहैमानल
सजसके १ ईसग्रवध्नकउपापग्रवनीयैंकै॥
हमरामकेरहैयाहैंउपहैयाहैउपहैयावहुवा॥
नीके जोगकेकरैयाजोगआसनडिहैयासूरघा
हदसवैयाकरैंअधिककषानीके भौराजसवा
सकेरहैयादरिवारनकेकविषैमरामहैपयी॥
हापकदानीके त्यागनकप्तननकौंमांगनमप॥
ननकौंपहैरजप्तननकौंप्तनहैंभवानीके २ यह
त्नमजाननहोंऔरकजगाररनोंहीभिछ्याईअथार
नानेभलेईमोंभाषिहै हेहैंसुनोदेहोजानदेहोसो
नदेहोयानैंभयेगुरदौरहौरऔरग्रभिलाषिहै ज
तिहैनोजमसजम्हदीपरिज्यान्योंजेहैकहिनकिसे
बीनाकीमरमतीमाषिहै साधुराजावापुराजादा
दोपरिदादोराजाविनऔरिकोहमारीटेकराषि

है ३ लछुरेसभूमिसंगकाहूकेनदेषीजातिक
लिकेनविन्दजेतिहोनकोंग्रवेतहैं कवनकृपा
नभयोदारिदकेमारिवेकोंविक्रमकेंगापेंहीन
९न्नतिसोंहेतहैं जिनकछुजान्योनछुजीवन
जनमयहनेंडजगजसकीषरीदकरिलेनहैं
जेनोकछुराजीह्वैकेंकविदेनराजनकोंनेनोक
हाराजाकविराजनकोंदेनहैं ४ रमलरकील
रकपरिभोंहकीभरकपरिनैंनकोहरकिपरि
भरिभरिहारिये हरकेंसेभ्रमलकपोलविह
सनपरिछातीउँसमनपरितिषिकनिहारिये
गजगौंहीगजिपरिगरिरौंहींनाभिपरिहौंनह
रकनसोंमभावेंसोंमारिये पकशानप्यारीजे
कीकरिलचकीलीपरिहीलीहीलीनजरसंभा
रैलालडारिये ५ कंचनकेऊसमकमलजिहो
ऊदनसेमणिनकीपेरिकांरीवहूवानहाकरी
विहरतिसरनरकहैंमुनिवेदधुनिसषकीसंमो
दिलेविधानारासिद्धाकरी वासीवेसेसरकोड
दाशीभयोविछुरेंनेंकोशीरामनडभ्रनकरस्नान
नाकरी परोपककालनानेनकोनछुनालला
बिलप्योंहैमरालनोजुगैहैकहांकोंकरी ६ कर

ॐ
२

2

नकोदीन्हौंसोंनोंकौनथोंवनावैश्रानिकविन
कविनकीन्हैंकीरतिनिकनहै भोजदीन्हेंहाथी
घोरेडेरामेविलाइगएकविनकोदीन्हौंजश
अजोंलगिमेनहै तिनकीबडाईमकरन्दकवि
ननगाईतेउमनिअजोंलोअमरपदलेनहैं जे
नोकछुगनीहैंकेकविदेनराजनकोंतेनोकहा
राजाकविराजनकोंदेतहैं ७॥ॐस्वस्तिश्रीशारदा
यैनमः॥अथकविनसारसंग्रहगुटिका॥आशिषा
क्षेपछप्पद अरुणावदनइकरदनश्रेगःस्थूल
कपलगणाकरधरमोदकमधुरपथ्थेअंकुशाव
शस्तभरण भालचन्द्रशिवनंदवंदिजगनवनि
मकलसर अमुमदर्पदुभअपिमपैजननगेरगंज
निभ्रमरचक्रोपवीनउर मदगलिमरचेटथुनि
मगरवर ऊंदरअग्रइरूदपारामकहि श्रीगणेश
आनंदकेर १ कुंडलअरोलपरिगोरैहैकपोल
परिनाशादृगलोलपरिलालचलगाइगो वि
धुसेवदनपरिसोभाकेमदनपरिक्रन्दमेरदन
परिमैंनललिताइगो अधरसलालपरिवच
नरिमालपरिगंजननकीमालपरिभरमभुला
इगो वीणाकीवटकपरिमोंहकीमटकिपरिला

लकीलटकपरिउमोमनेंविकाइगो २ बीराकी
चटकगैललटकरविऊएउलकीभौंहकीमटकि
मुहिंसोंघनिरिषावरिमादिनसजानगुणरूप
केनिधानकोहमुरलीबजाइननननपनसिराव
रे मैंहोवनमालीबलिहारीजाऊंनेरीआजमेरी
अंजनआरनैऊगाइनचरावरे नन्दकेकिसोरवि
नचोरमोरपंषवारेबंसीवटवारेहोपियारेइन
आवरे बीराकीचटकगैललटकरविइंउलकीम
णिकीमयूषैंनेइवनमालनटकी कोमरिको
लीकेंलटबलीकेंनेननीकेंनीकेंनाभिकीगंभी
रताईछीननाईकटिकीहौरेहौरेंआछेपगथ
रनिपरिवांहकीडुलनिबैइहनिपीनपटकी
वनकहैयाहीवनमालीकीविसालीछविमे
रीआलीमेरेइननैंननिमैंअटकी ४ वाननर।
मनकटिकिंकनिकमनरविमनकेंअसनहजं
वनिनाअननकी मुरलीकीटेरनिलऊटिकर
फेरनिजरलगानिहेरनमननडुलनिवनकी मा
धनकीचोरनिमटकिमुषमोरनमुकुटकीझ
कोरनिअटकीमाधुजनकी गिरिनैंथमनमंद
मंदकैहमनहैंदमनकीलमनमैंबसनमेरेम

ॐ
३
3

नकी ५ राजतमकुटसीसमोरकेपषौवनकोता
मैंरुरपेमोतीलालपांतिकीतरैंनवैंकोरिमैंनश्री
वाकीलटकुपरिवाविउरोंहरलेनश्रोनश्रालीसो
भापुंजकौंधरैंकौरिमैंनश्रीवाकीलटकुपरिवारि
उरोंहरलेनश्रोनश्रालीसोभापुंजकौंधरैं सषीम
मफावैलाजकोनकौंबसावैंसोनोलाजकुलको
नभाजीजातिहैपरेपरैं नंदकौंछवीलोकोउसो
बरोग्रनोषोहूपरषैंदृगलालचीनहोंहितोक
हाकरैं ८ लालपागबांधेभालकीसरिकीषोरि
द्विगदीरषकरीमश्रनिसोभाकौंसोभोनहों सो
ईहैसहाईहाईहरीछुरीहैनेमोहैकरश्रधरमधु
रवैनश्रेगलापैंलोनहोंपीनपटकाछैंकाछैंका
छेनीनिपटकरिमंदरसहारश्रुरुहैमकीसीगोन
हों टाटुकीसोंदादाकीसोंमोहिनबनावैपरीका
ल्हिपागलीमैंवस्योंज्ञानहेमकौंनहो ७ कोउरूप
कमोवरोसोसुंदरतिकाईभरयोमारमसैदेष्योश्र
नतनमैंपरीहरेमकुटकीलटकउटतिचितडोल
डोलकुंडलकुंडलकपोलश्राभालषिचांवरीभई
कोज्वनविहूरवोवगोरजलपेसोगानपीनरजल
पेसोगानपीनपटपीनरहः मैविकाईसीगई

अबकैंजोपाउंतोवहांडुंगलकाननआलीलोइंबे
सेहियमैंजकाहूनैनछदई ८ मंजमोरखुअटी
नकरछुवदालीलटैंफंमिफंमिकुंडलकपोलन
पेंफलकैं वारजवदनरसरूपकोमदनलछदम
कैंरदनभरिभरिछविछलकैं कोननछुवतिकों
पकोंरमैंनैनैनमोपसोभासरलषिलषिमनसी
नललकैं देषिवेंकोंस्यामसोंमदेनेइगरोमसो
नकीनीविधिपेंअविधिकीनीपलकैं ९ चरिक
षरिकगईचरीपोंरिपरिभईहंदावनऊंजननैआ
पोकरिमेलसीहृदउहिदीनोंहूमिदीनोंमनमोरि
दीफ्रोंवहैमुसकोनपरवनसुहिलैलसी भालम
ममालमधसदनकीकालिहींनेआलीकछुपरि
उरझैलसी दानवमोदिनभयोमीहनसोंमोकभ
ईनिशिनिशाचरभईचांदनीचुरैलसी १० परमउ
दारच्यकरूपकोनपारावारकौंनकोऊमारनीर
नीरजमोगानहैपीनपटवांधसरसोथेंसुरली
अधरनैंसेमुरिमुसकोंनिहै हंसगामजामनगो
लोचनविसाललालभालकोंतिलकनाहिदेषनि
सहायहै मुनिमनरंजनरीगंजनकोहारहियेंके
नवसोंहाथमनोहंजनकोंमानिहै ११ अबहीव

गें
ध

निकवम्यौषरीहौंषरकवीचमेरीऔरखुसकाइनि
रखैविनैगयौ केनौकरौंपनौनैंनरहिनदेषेवि
नुकासौंकहौंनेनौरुषहियमैंविनैगयौजबतैंभई
भेटसौबरेसौंभगवंनयहनननवनैंअनेगआगमैं
नयौ सुछतिहौंनौहिकिनमिलवैसमोहिआलीमे
रोमननमौंहनकिनैगयौ १२ सीसपैंमुकुटमोरञ
उलवरकऔरकुंकुमकीषौकीषोरभारैलालकी
लसनहै नीरलजसैनैनपैंनमूरतिअनछमेनद
मकदशनदुतिमंदहिहसनहै मदुताऔवनमा
लछुदवेदिकारिमालपीनपटकटिमैनरससौंर
मनहै कालिन्दीनीरमैंनिहारेटाढेबलवीरमनउ
नहूमेमनहूंमैंवेवसनहै १३ कुण्डलकपोलनमैंम
दमुखबोलनमैंस्यामदृगलोलनमैंअंसेफौरिमे
पयौ लटकनिचालनमैंगुंजबनवेमालनमैंअंगल्छ
विफालनमैंनहीफंधिकैंगयौ वेसरीकीनाननमें
रागनकीमाननिमैंमन्दमसकानममैंनीकेचेरिकैं
लयौ शननकीभौरनमैंछीननतनेचीरनमैंआलीम
नमेरौपावरीरकौसमाभयौ १४ ॥इतिध्यानं॥श्रीरा
धाजीके॥ मौलौंफलेकेनकीअनेकछाविलीयैंली
यैनौलौमौवंहलफलआलिललवाउलौ मौलौंक

रिहै प्रकामखग्रमरनपहूघनिधिभ्रगमतनशुक्रनो
लौंदीपतिदिपाइलौ जैलौंनरहरीहैरिसालवा
लपरीफलश्रेवरीश्रेबारीनैलोउनमोकहाइली
जैलौराधेरानीपैंमयांनीहोनप्यारीमेरीनोलौंदि
नवारकोदुवांमकेवलाइलौं १५ श्रागेंनभरनडग
पाछेंनपरनपगरकटकलायेंविनश्रेंसीलावल
गयोहै: बामरीविसारपटपीननमम्हारिश्रुनिग
हैंदुमडारनिशिनांमन्भगनगयोहै भनैंभगवान
न्हेनोमखकीनिधानराधेनेरैरंडु-नेरैहूपनेरेश्रेमप
गयोहै रतनगढौरढौरढंगीहजनारीपनैंपमेरीट
यन्नीत्रैलोकीवगढगयोहै १६ राजपौरिपाकेंवेम
रापेकैबनाइल्याईगोपीमथुरानैंमधुवनकील
नोनमैं टेरिकहोकांक्षकिनजानहोकरोहोकहा
काकेकहेंलूटिनमनैंडोंदयिदानमै मंगकेनजा
नैंगापडगारिडरानैंदेवस्योममममथानैंनेपकारिक
रेपांनमैं भूलिगयोछलसोछबीलीकेविलोकि
नहीटीलीभईभोहैवालजीलीममकोनमैं १७
इतिराधामानवर्णनं ॥ विनमैंचवाइहाइभाइनेडु
भोंहनमैंत्योरीचढैनडुग्राइग्राइनकहिजिहै हि
यमस्योनेनरमडुनरनदेनस्यामनेनकमनेहरो

ग्रं ५

समनेतकगाहूनिहै वचनउदासीअपरनहांसीताता
कविपेसेनेहमेहकेमरमकौंललहनिहैपहै अतु
मांनग्रनमांनरिसमानरहीनैननमैंमानमनमां
निवोवहूनिहै १८ आयेहैवमेंनहूंसविनहोननि
हविननेश्दयादेवजेईजोरीहैं मांनेनजिमांनक
रिलालनपैंगौंनआलीमूपिकरिभौंहैंजौनैनाहक
मरोरीहै मांनकलोमेरोपरीमानकेनवासरपमां
ननजिमिलिनिकहानेकछुभोरीहैं मांनमनकी
नेमनमांनननमांननीकौंमानकरिवेंकौंकगैरनि
नथोरीहै १९ यहैवेमनेरीयहरूपरसनेरोयहूय
हैवचराईऊरनाईनकहनदै वऊंवसविमलस
आजलौंभईनहांसीनातेनहमाउप्रेमनाइकलह
नदै कैसीपहचोंरनीमधुरमधुमांसकीसीछादि
मधुराईकरवाइमोगहनदै लछनकरनिनेरेलछ
ननिहारआलीजौलौंमोपैंमानतेश्रमांननरहन
दै २० उजलमरलजगमगनजन्दैपाऊंजनगंजन
मधुपपुंजमानेरमपानकै नागरवीनकलाचौस
ठिप्रवीनआजआपरशलीननेरनेदनप्रवानकै
ह्रियमौंहिलावअलिकाढमौंलगाउवलिकहैर
गादेवताखिप्पारीप्पारोश्रानकै जोयैंनेरोमांनहीं

सौंमासौंमनमानतीनोहाहाग्रानसौंपिमोहिमा
नहिंग्रमांनके २१ ग्रंगग्रंगउँचटनवाटहैमनाउ
वेकोंस्यांमनकौंनखाहै ग्रपरमदपानकोभौंह
कीमरोरनिमैंभौरमेपरनजाननमोरी कीनरंग
निडुरतानिदानुकी जगनगहिरमानइनरोनपा
हकहूंसैसीनोहठीलीहैऊवरहघभौंनकी रिस
कोप्रवाहरसकूलनविदारैदेननदीसीउमडिच
लीमांननीकेमांनकी २२ हूसनौंनिवारैहूमामु
हीनिहारिनारिनमघीवचित्रविनविकलमरा
रहैं विसमविमारिडारिग्रमवनिजनिहारिरनिप
निपारिनैरैपाउवहैपारहैं जगनविचारिकिनहो
नहैगवारिग्रालीसौंनिनकौमांनमारिग्रानवारि
डारिहै मानौंमनुहारसघमेजपरापारग्रवतानि
वरीहैवहीनरैपोनीनचारिहै २३ वारिवारिवार
नमैनैननैटरैनीरमरनैग्रधीरमरहोमोसभ
मानहै मानग्रैसीकीजैजामेहोइननिदांनग्रभ
भिमानपनोसभमोननकोमानहै कैसेप्रभुघोन
मभिखावैहोवशीकरनशीकरननोमैपकनेह
कोसमानहै नोहमनमोहिमनग्रैसेमिलिजानदी
जैजैसेगंधवाहमैंसगंधमिलिजानहै २४ मान

ॐ
९

कीयेंगयोमानत्र्यापनेंहींश्रवमाननन्निश्रभिमान
करोमोंनहांनिरावरी चनवहिरान्निश्रधिश्रन्निरा
ई सननरानपैंनकहिरान्निजोरकपकैविभावरी
कविमन्निरामन्निरोंमभूमिभवनभरोनभउनै
उनैवीजनरफैउनावरी रूषहूषदरषनषोलन
गरदेषनिषोरिषोरिकियोनैवदरषनवावरी २५
पामकीपरोमनश्रकोमनरूमन्निमोहिदोमननि
हरोनोहिनागरनन्निहै मोंज्योंगहोंवांहींमोंन्यों
नांहींसोंकरननेहनेरैथरैदेहपजिसुषजेमनन
है भैयाकीमोंभावनकैंगावनकेदेषिरूपलीजन
वलैयारपारामयोभुननहैं श्रननन्निहारैवलिउ
नसोंवननिहारैंरमविनरावरेकीरारैंनवनन्निहैं
२८ रानराहींवांपवक्रवनिनकैंकरवहैंरानराही
वक्र-हरिपदकोंषगन्निहै रानरानीवैनीषिरमोहै
मगनैनन्निकेरानराहींनीवीमुनिमनमैंपगन्निहै
नगनविहारकरहोकौंनकेनउरहारनीलकणथा
श्रकाररानहींकीगन्निहै मेंगन्निकोरानहींजोरानको
नजानैंभैवकादहेंकीनावषाछैंरानकेंलगन्निहै
२९ श्रननगनैगेटपाउरावरेगनेनजाइवेडूनमजोरै
रवककवेडूजोईसनैनमजीभयानरवेपानरीहैको

नकी केसोकेसोराइकीसौंवलिहौंमनाइजानम्र
पनेसंपानपैनगननसनकी ह्वैहैवडिवानलकी
जाईसमैांवीवैग्रैहैनमवासदेववेडुवटीहमभा
तुकी २८ मानकियोमाननंनीमनायैंहनमांनैनेक्र
रिसहूंसौंरहीकामकीनकांनकैं गैंचकहीग्रायें
पियवांपनचवनसषीसैंनकैंउटायदईवैठेपग
पानकैं पियकोयरमजानजांनकैंभईग्रजानम्रै
सेनाहूगवरेसौंवोलीमिमिस्वैनिकै हारीहैरीप्या
रीप्यारीहूजैनहिहालभनग्राचुहमपकसेजपोटै
पटनोंनिकै २९ सोथैंमगमगीग्रंगीउरपरग्रंगग्रै
गजगमगीजोवन्नकीजोनहै मांनकरिवैठीमन
भावनमनावैपैंनमानैमनिरामकरीकोमिग्रंडंजो
नहै नवरमवसहूकैहमिहमिमिमिचालकही
वानवालमवनाइपेकपांनहैं पीहिनौंतिहारीपेह
मारीहैहमारैजानितुमैंहंतिहारैनेहमारीग्रोरहो
नहै ३० मांफकीवटाईभोंहैग्रजहैनसंपीहोनम
हैगोमनेहूफिरिभांनजबचढैगो जानैंगीनिदांन
गोनमानैंगीनमेरीग्रानपन्ह्वानवाननकोंपान
देहैंगढैगो ग्रवविनचाहैफिरिकोंनजांनैंकाहेपु
निवाविकन्योगिरिधारीपीयपीयरवैगो मांनकी

तौंवानआलीमानैंहीवननमानमानकहांषानहैजो
पाकैरसवढैगो ३१ ॥इतिमान॥ अथप्रोढावचनानी ॥
हिनकविकैसेपाढिरीजियनप्रैहोलालहिलिमिलपा
छेकिनरसभीजियतहै आपनौंज्योमनफेरिलीन्हो
मेरेवालमज्योंआगलेकोमनफरिकौंनदीजियत
है नमतीहोसषीकछूकाहूकोनसोचतमैंनाहक
परापोननप्रैसेछीजियतिहै विनुहनिप्यारेकोउ
कौनकोपरेषोकैरप्रीतिम्पपरेषोकीजियतहै ३२
गोरतननैंनसषवोलननवैनसुहिलागेदुषदेनमे
रीरिगनिकमनहैं कहैंकविकसीरामग्रतिनिठुरा
यगहैंहियापाग्रानजारिवेकोंऊरसौंदमनहै ननाम
नोभपतैंकदिनहोनदुहूंऊरननरमनहोतमनमनैं
मेनरमनहैं वाटपाटमिलिजानवोलावलीनाहि
कछुऊरनानोरस्यापकगांमतोवसतहै ३३ सीषेर
सीनसीषप्रेमकीप्रतीतिमवसीषेकेसोराइमन
मनमौंमिलाउवो सीषैंसौहैषाननटजोनसुसका
नसीषेसीषैमैंनढैनतिमैंदसिवोहमाउवो सीषेवा
हनसौंवाहउपजायवेकीजेसीचाहवाहेकोडुनेसी
वाहवाहिवो जिहांजिहांसीषेप्रेसीवानेचातैंनातैंना
ऊनहांकौंनसीष्योनैकुनेहकोनिवाहिवो ३४॥इति

श्री॰ खंडितावचेति ।। आनकछविरैनकेउनीदैनैनांमंधे
आधेनीदकेंआरसमेंदीवरनदरनहो पियरोवद
भयोहियरोकुवोंननोहिमियरोलगतमांमोंनि
यरोकरनहो आलमसप्यारीजिनप्रेमसेकेंपढाये।
पियजाकेंदिनश्रीनिउदिपगानिठरनहो कचमुक
रांथेंमधुकरकीसीमाललालमुकरविलोकोकि
नमुकरपरनहो ३५ गपकहेंबमनपलटिआपे
बमनसमेरोकछुबसनदसनसबलागेहैंनीके
नपेजानतफिरिजानभामनीकेनीकेकविप्रकषोन
मबतरानियदागेहो नैनजलजानमेंहैमोदजल
जानमेहैमूदेजलजानमेंहैंपीकलीकरागेहो जो
ईवनिवाकेंमोईसोईवनिताकेंकहोकोंनबनिता
केंनिशिजागेहो ३८ देखेमनमोहेंभारीमोहेंपटि
लोहेंपेवकाहेकोंसधारनिहोहुफिदेखोसाखिये
नेलनिलक्षेंहेंझलोंहिंफूलमालनीकेआपहीं
छूटेंहैंकिनछोरिछोरिफ्राखिये मणिनलमोंहें
फूकछुनीदअलसोहेंवेनमनतिमिदोंहैनेरुवो
लोरसचाखिये शीलसरूचोंहेंसरूजागेनैलहो
हैंनैनरूपकोंहेंमेरोमोहेंकोंनराखिये ३९ नीकी
रीटिकेकेनमसोमोंरमकीनीप्यारीप्रोनकोरि

ॐ
८

8

मैहैंप्रेमसोकौंनजगवावरो मनमेरोमृष्योकछुजा
ननपांवमाननग्रोषैंकाजआपनैकोपईचाहैंचा
वरो इनकीरुषाईदेषिइनपैमेरूषीगोफलेकेचन्द
भईज्ञप्रनोषोउरझावरो देषननदैंहोप्रवयोंहीन
रमैहोरसैंहियहूंकीश्रोषनिदिषैहोंरूपरावरो ३८
कैसेपगहेहरनिवड़रिहेरोमेरीउरलाषनलिवाप
लषिलेषैंलषिपापेहो छीनहीनउदिनछपाकेछ
बिछी नहीरचीहैंनहियैंरहरिविझनबनापेहो ब
न्हलवपलचोरकहेनिशिकहेभोरियेंशिरपेष
मोरचंवलकहापहो जैसीजैसीकरनप्रनैसीजा
ननहोंनैननिरवैनीकीसीधाराधारीआपहो ३९
आपमनमोहनबनाइरैननागेकहूवदनकीहंद
लागीनावकैहेभालकौं सकविनरोनमसरोजमु
खीमादरकैआगेउदिमिलीलैकैंकमलविसालकौं
प्रेवलसोफारिपगवंवलहेनीकेकरिप्रमनबस
नकीनैंलोचनविसालकौ पाछैहसिकसोनाउ
परीमहचरीधाइआरसीकेभौनामेंविछोनाकरो
लालकौंमारंग छवीलीइहांजानतिमहोरंगीली
नरनरनागरनथेलीमाकुगाईहै नहोहोनगोरी
गोरानहांहोजरोरैरागकहेदेसकारलालवालम

नभाईहै पैंनरागवैंनुरागकहैंकहूंअनुरागमैंतौ
भथसूदनकीरभारीनिपाईहै काहूंकोकल्याण
काहूंकान्हरोकिदारोनोनललितविभासपैंहमारे
वोरैआसहै ५१ सोनैंकोजरायकोनगोनिपनपन्न
नकोंहीरनकोनीकोयहकाहैकोबनायोहै शंभ
कोवसोहै
विनगुनगारिआयोहै मणिकविराजराजैउरनैंउ
नारिदीजैमेरेहायदीजैनैंऊमोहमनभायोहै छ
विकीछटासोइंद्रजालकीकलासोहरिसीपकेह
रासोश्रेंसोहारकहांपायोहै ५२ वरनविभूतिन
खचन्दमोतीमालगङ्गाअलकभुयंगध्यानहियं
मैंधरतहै जलहरीकन्तुकीप्रस्वेदनीरपूरिवोरि
स्यामनागरलनाकैंनपहींहरतिहैंहरविहरविऊ
रकुजननमोंप्रजिप्रजिनिशिदिनईसउहिमातिवि
हरतिहै कामकैंउरनआपप्यारीकीमरनिआली
आजकालिकोंन्हसेवाशंभुकीकरतिहै ५३ लो
यनलहोहैंपलमोंहैंरूपकोंहैंसोंहैआननश्रेया
ननतरानगानआरसी कहोकैंननीकीलागीपी
कलीकहीकीनममानोपीकहीकीजीकीवेपक
हैआरसीलछनविवछनतिहारेपनिहोरेनिशि

ॐ
५
9

नीकेहीविहारेनोरहीहैनेकुग्रारसी पनेपरकुलपन
पनेपरमांननननमेरीकहीऔरसवरहीनोविलोके
नैकुग्रारसी ५५॥इतिघोटना॥अभिसारिकाश्चेति॥
समनसिगाकसजिमोनिनकेहारमजिमोरनिकेंग्रा
यैंडरऔरनिकेंग्रानवीछांहदेवरननरमाघेपरिग्रा
योवांदवांदनीसीवीरकहोलेंबषांनवी नेवरक
नककपकोंहैपवनकमूदिकौकावारवीयमैनथ
रीपैहिटीनवी लीजनिवलैयावलिवीलनिकहैया
वलिजैंहमेजहैयामेंकहीनेजानजोनवी ५५ निशि
ग्रंधियारीसारीऔहिग्रानप्यारीपियपैंसिधारीलखि
गनिमनवारिये कौलकीकलीहैंभोरभीरमेंरली
हैकिधोंग्रागीकीलपकमलपरीविवारिये वीज
रलनासीस्यामवनमैंप्रकासीश्रेसीनामैंडरीदीप॰
कीशिखाशीनिरधारिये लिपैंजानकोउनीलपटका
फलसपकवीचवारीदीपवारोदीपवारोननिहारिये
५५ ग्रंग्रामैंलपटीकिधोंपांवकलपकसोहैसोहैन
नपतीकौंनसोभाकीसकीनहै चनमैंमजननजैमेदा
मिनीलसनग्रंपग्रथिकग्रंपेगमहिहीराकीसीगति
है कीकौमैंछिपाउवेकोकेनोभगवंनप्यारेकोंहैन
छिपाईजानिकीनेकेसीमनिहै सुमनकहनीस्त

अवकउढाउवैनीनीलजलचंदकीसीकांफीकल
कतिहै ५८ वनमोंअथेरीरैनसोरकरैपिकवैनला
गतननैनकियोमैंनडुषदावरे व्याकुलविकलस॰
भविसरीहैसषिमनदाउदरटिनअनिकउनाउरो
पकनागकारीजमनध्योहैकन्हैयाकौंरंगीनलोक
नैंवदाईहोननिनरावरेनियहूंकीदीठकीनिहारक
होलालकविकेनिकभुयंगनमैंआईटेनिपावरे ५
अथमतिरामकत॥ टूटेहारमिटेसवअंगनिसिंगा
रहैपैंकोटिकुसिंगारनकीसोभाफलिकनिकी क
हैमतिरामकहोकापैंकहीजाउगौरेरंडुसेवदनप
रिआभाअलकनिकीगरजनलषिकैंअंगोछलैस
लौनीयहरागीपीकललितकपोलफलकनिकी
रानिरतिरडू-पतिसंगलाजघुल्हीआजकैसीछवि
घुल्हीपलकनिकी ५८ चरनथरैनभूमिविहरैनतहां
ईजहैंफूलेफूलेफूलनिविछायोपरजंककहै भारकैं
डरनिसहूमारचारुअंगनिमैंकरनिनअंगरागकुं
कुमकोंपडूहै कविमतिरामदेषिवातायनवीवि॰
आयेआयेआनपमलिनहोनवदनमयंकहै कैंसे
वीहूबाललालवाहरव्यजनआवैव्यजनविपारला
गैंलवकनिलकू-हेःसांकेंहीमवारिसांजआनप्पारे

ॐ
८०
10

घासजातवनितानिकवनीवेलिज्योंअनंगकी क
विमतिरामकटिकिंकनीकीधनिवाजेमन्दमन्दचा
लमैंविराजनगइंदकी केसरिरंगेडकूलहासीमें
फरतफूलकेसनिमैंछाईछविफूलनिकेहंदकी
पाछेंपाछेंपाछेआवतअंध्यारीसीभ्रमरभीरआगें
आगेंफैलतिउज्यारीसुखचंदकी ५० दामिनीदमक
सीवैदांतनकीदिपैजोतिकामिनीकेद्विगनिरसी
लीछविछलकैं चिन्तामणिकहैलालहूंनरीकेअं
गसंगलालनगमोतिनजराइजेबकलकैं इंदुसो
वदनअरविन्दहोरीहियोंहरैरेविहसिविलोकिसु।
निहूंकेमनललकैं नैंसेगोरीभालमैंविराजैनीको
केसरिवैमोरवारीवेसरिमरोरिवारीअनकैं ५१ उ
ढिनीकिनारीवारीगजरीजराउंनाकनपुंनीविमा
लहै ऊन्दनसीजपअंगमावकऊरऊजाद्विगअथर
वरणकरमानोपत्रवालहै भूषनभननतूपुपरखें
अनैकद्विगमैंसोहैहैजातमनपरयोमीननजालहै
पाइमैंअमीवालभालकौंनकोनिहालकैहैआगेकौंन
हालहैहालमैंअमोहालहै ५२ हरीहरीसारीजरीसो
हनकिनारीनामैंनेहभीनीदेहजाकनकदुतिपीरी
की कलानिधिदुरीअंगीऊवउचकनिदोउकचनकैं

भारनटीकटिज्यौंभंगीरीकी माथेकीनथ्योंनीराज
मुकनानमामोकियोवासेकीवनिकजैंसीकीरछ
विकीरीकीलहिलाहीलालीआलीअथरनपोनन
कीवीरपनिकोईदेषोदशाननवीरीकी ५३ जमु
नोकेआगमनिमारगमेंमारूतसेमानोंभीरभौंरनि
पटासोलिषिपायोहै सेनसुगंधनकीषांनिपद॥
मनिनेरेनूपरासग्रनगतरङ्कवरसायोहै वाहर
कटत्तुकहैनोसौंनेंअयोंनीकौंनलैहैवेदनोमीच
रचरचैरुछायोहै पटकीलपटलहिरनिवादिनो
कीवीरमोनोउनगालिनगुलावछिरकायोहै ५४
ऊववनेनम॥ जोनिरोमराजीअलमदनकियोअद
भुसेनपकोअरंभयस्वोशंभुकोवपुहै कियोंल
छमीकेफलवलितललितवेलिषलिननहोंमनो
रथकोरूषहै जिनपरिमतिरामम्वारियेरगिरिवा
रिकिनलैवरापग्रनीहोकीसेनदूरसुषहै कोकनद
कोकीकोकऊचयौंकरीकेऊंभऊम्भसानऊंभके
रचेहैवारूमावहै ५५ फरीकेमेफूलशिसुयेंतुंश्रृ
गसमनूलकेसरिकेमूलअवकूलयंवमरके जग
लसयारीविवमारीहैंविहारीमनकंचनकीफारी
केसेपरदाउपरदाउपरके कियोंचकओरपकओर

उँ
११

नैंश्रगारहोनकिधौंचकाचकवीअचलमरघरके
किधौंमुद्राकामकीकिधाछीछानीवामकीकिसौं
जसखधामकीकिनपेरूपहरके ५६ ऊंदनकेनाल
नेगकेचनस्थिघविशृंगगधेगचक्रवाकेर्डेटिघैयाश्चा।
शिकरके मैंनकेमवासेपकपलकेप्रकामधौरिन्न
ननत्नकामेसौंनसघयौलहरकेऊम्भटायेग्रबर
दिगंबरसेइंदीवरदयोरामश्न्त्रूपदूपसोभासरव
रके गंडगैंडुगळ्ळऊनवंग्रेउचौंचकाटैनळ्छीफल
नरुणिनेदेननननरवरके ५७ नैंनरघवारेनिरघनर
हैंनिशिदिनदीनयैंनडुनरनपायोहै कहैनीलकंठ
केनीरेषीयैनकाहूरूपवनीनिजरूपदेछुरायोहै
निपटविकटटिहौरफवननजोरनहांहुचोवहूंओरने
नमारगदिषायोहै कौंनकैंगनाहूआलीमेरोमननमन
यनेरैंऊचगटग्वारियिरलैवहायोहै ५८ मौनीविव
गऊवकुलकरननपस्याकिधौंकामकेनकामेलागि
उटेहैंउघौंनाकेजोवननरेमकीचुगांनकेनिसांनकि
धौंश्रीफलनैंसरसखिलौंनाफूलदौंनाके आलमक
हनकहूथौनकेकलसकिधौंमोहनीकेमटपेमनोज
रसहौंनाकेरायेनंदनंदप्यारीस्वेनकेनुकीमैंजवफ
टिककेसेपटमैंहेसरोजसौंनाके ५९ ॥कालिदास

कृत॥ चिरियांचुहांनीरजनीविहांनीप्रगटप्रमानवा
नीगोपनकेगीनमैं कालिदासऔचिकांहीसेजनैउ
नविलालझ्रांचसीलगाइचल्योचिननवनीनमैं गा
नश्रेगरानञ्रलसानञ्रलवेलीभांतिभांवनीनजीन
गानशशिरकेसीनमैं फेविपरजंकपरिश्रेकभरि
प्यारोपीनपटमैंलपटलपराइगयोपीनिमे ८० व
न्दमईचंपकजराइजरकसमईश्रावनहींजाकेंग।
लीकसुलमईमई कालिदासमोदमदमोदश्रामो।
दमईजाकेपगलागेंहोनिवसुधामईमई श्रेसीव
नीवनिकसमदनछकाइऔरकाइकीनिकाईदेषि
लगनलगीनई केलिमोहिनेकरशपालमोहिने
करसषीरोंकौंचिनेकरचिनेकरचलीगई ८१ ज
गमगैकैंचनकीजेहरिनगलऔरगजरीजराइन
रीमन्दमरवोनमैं काकरेजीकंचुकीचनेरचरेवारे
पहलालनहिंगाकेछोरछाजजिछवांनमैं बडेबडे
मोतिनकीनाकसनथौंनीवीचिचमकचनीनमोहे
मेदमसकानमैं स्हेकीसबीहैंमोनोग्रनिहीफवी
हैदेषोदामिनीदवीहैकिधौंरानेवदरांनमैं ८२ षो
रीवैसउडमवीमांकरीगऽलीमैंमिलीकेदरशवि
दज्ञकोंऔचिकाहीश्राइकें कालीदासजगेजेवश्रेग

ॐ
१२
12

निजवाहरकीवाहरहेकैफैलीवोरनीसीछविछाइकैं
नैरेभपस्यामसोहैविहसीविलोकिवोमहेसोतिरछी
हैनारिनैसकनवाइकै गोरेननचोरेचितजोरेद्दिगमो
रेमुषयोरैवीचिकोरैलागिचलीमुसकाइकैं ५२ चले
सुधरातिकविचारमगवाकुपगवद्रत्नोविछुरिरहैग
हेसुवकोनकों कालिदासउनहजरानकीलगनिइ
नलोकलाजलगीरहैरजनीविनौनकों प्रेमहीकेपे
चयैविषैचमैंपरीहैप्यारीदवीदिषाडहूरहैवहेवि
नमोनकों षेचैकुंजगौनकोंमनेहूउनसोवरेकोइन
ऊलकोनवरनोरीषेचैभोनकों ५४ काह्नचनराइक
विहारिमेविछाईसेजजानिमदमेदिरमैंभाईमनवा
मकों कालिदासरसकाईसाथकैउपाइरहेआईजव
सुन्दरमियारीनवधानकोंवेचलचपलथिरकाइल्लू
छवीलीग्वारिग्रेचलकुहैनेदीन्हीलालअभिरामकों
पाटीपरायविराईचेटकिसोकविराईनटीसीउद्धविग
रैछविराईस्यामकों ५५ छैलहजचेटगाहिरहेगैल
कालिकामनाइकाचनरजैमेवेपकीकलीनई सुनि
योरिसावनसिरिषिहरिसरसोगोनसाजमैटिहैहै
यनजीवनमलीभई इननोअवानकहीआएगापन
नलालडनसुवमोरिहविदारनीगलीलई कहिव

हेकोंन्हूनैऊदाहीकैकैंसनिलेइसनौहैन्नसनीहैन्न
कह्निनवलीगई छूटिछुटिपरैआलीवेदीआजवा
रवारसुखपरिमोनिनकीलरलरकनिहै हराहुकी
कालउगाभरनिनिसरिजानतजबकचनूराहुंकीगो
टिभरकनिहै कालिदासआगमभयेहैंपिपश्रीवन
कोसननिउरोजननैंश्रंगीहरकनिहै नंनीनरकन
करकनकटिमारीसरकनिश्रांषिवाईफरकनिहै
५७ मदिरासगंधकैंसेडुरनिडुरापलालरंगज्योंप्र
गटहोनअथरदरीकोहै कालिदासकोज्ञप्यारेनेह
नेनिगोउघहडुरैनोभलीहैसोप्रगटभयेंपीको
है नमनोलगाइटकदेषनिहोलोकनिमेंकोडुल।
षिजैहैनोजंजालवऊजीकोहै विहसनिवोलनि
विलोकनिविलोकनिविचारिदेषोसमोंपाइऊसरि
कोसवैककुनीकोहै ५८ कप्यासनिवैंकौंवैटीप।
निसंगगाटिजोरिजिपकछुऊरेलोकलीककरिवो
करै कालिदासनासमैंगुपालपासठिगसषस्रनि
रूसयांनवैछवीलीछकिवोकरै चटनटनागरकी
सरनसमाइरहीहैचटकीपकटकऊँटनकिवोक
रैअटकोनिघाकोमननवलविहारीन्हेसोवाप्रोरि
नप्रानवकिवोकरै ५९ हरीषणनीसरैरसीलीर

ऊ॰रापटीमैनांकीनाकिबुविफांकिरह्योनैंदनैंदहै
कालिदासवीचिहैंजुलिचिनकैफलकनिमानकमा
रीविकाकीफलकश्रनैंदहै लोकदेषिभरमैंकहाधौं
यहचटिमैंसवंगमग्योजगमग्योजोतिनकोकेदहैं
लालनकीमालहैकि `` `` लहैकिचा
मेंकरचपलाकिरविहैकिचंदहै ८॰ अमअम्बरश्राक
विनआलमआई भूल्योचदचाटऔरचाटभूलीवाट
कहेंदेषनटनागरविसूरव्यथावादीहै साथकीनि
चरगईऔरजलभरिगईपकदेषिडरगईप्रेमपीरा
गाढीहै वोलैनवुलायैंकछुरोलैननैऊमेषचित्र
कीसोपूतरीचितैरैलिषिकाढीहै पलकैपसाविना
रैहीलेदीलेइराविनाविनीचैनाविश्रोरीमेंवोढीगाढै
दाढीहै ८१ जवहीजसनजेहैसपिविसगईश्रैहै चवा
राविऔरतिसकेगचविश्राईहैं रोमघरीरोवैघरीकों
पैघरघरघरीजाडिकैरहीहैकिथौंजरिवैजनाईहै श्रा
लमकहनअवहीनैरिझवारिभईडरैनडराईमैंनो
अविलोंहिपाईहै प्रेमतननपासीभईकान्हतनडीठि
गईगागरेभरिनगईमैंनभरिश्राईहै ८२ भूषनजरि
नश्रंगश्रंगनिघाहरिनतरंगावरजउनरूरू॰सोंचलन
लवकनिहै ललितकपोलनसपामीहसिवोलनन

मदछाकीडोलनछबीलीछलकतिहै करनक
राछनसोंहियोरेजारेजाकिपोकांकरेनीचीरुकीक
रेजैंकरकतिहै कनककिलकसीतिलकभालसेव
रद गोरेनोग्रपालमाभारनाथकहतहै ५३ नियरक
नाहियोंपरिककरैवालवैठीलालसंगपानलियेपान
पै वनिरसकरैऊरनिरसबौंपनाहीनैऊजानिदीजैम
याकीजैअजांनपै आवरहैगहीऊरफगारिककोरिभा
गीगंहथीलटछूटीलपटांनीमुखकांनपै नागजांनि
डरीदोरिआपहीनैअंकभरिकोटिऊसपानवारोंमैं
सेपाअयांनपै ५४ वदनकीघोरिगोरैंगातआछीव
निरहीचौसरछफेरैंहारसोहतिगरैंनरैं किपोंहिजरा
जग्राभाजलमैंहिलोरैंलेनकिपोंसरसरीपारजाति
लहिरैंथरैः अमजलवुन्दआबकियोंमुकताहलकी
पामनकोंजोहरीदिषाईहैंलरैंलरैं सेतद्युतियाकीसा
रीदेषतिलहरिकारीमांनोपोंनपानीपरिगमितिहरैं
हरैं ५५ गोरीभोरीथोरीवैसगौनाआईडलहतिसषी
छलवलकरिल्याईकेलिकैंघरैं वराजोरीकरीथ्यारे
आनपलकापरिसविरनरहितअंगअंगसेपरहदैं
विन्दामाणिहंनरीलपेटिलाजहतेवानपारिपलची
कीलपटानिकरकैंथरैं ज्योंहीनाहनीवीकेनिकटिप

ॐ
१४

रसनप्यारा है हहैं रो वे हाथ्य टारे गे हटाकै ९६ अ
धुधुल्ली पलकैं छवी ली छुटी अलकैं मसमरहद फल
कै कपोल ड र भाल के मुखवैपैंड मासम भैं ऊंच दो कुच
रहै रै पिय के हियां मैं परे मोती कैंठ माल के मंडन
सकविरसनमरनफलकतिलचकतिलोंकवि
धुरतिकचवाल के उनउन मांगफूल फैलतिवि
छौंननमैंनरलनरौंनामैंषिलौंनांकोमलालके
९७ गेट नि की लीकैं नामैं पीक लीकैं परि श्रोई मो
नोइ वाकैं कैंउ फना शद्धविच्चे गई तामैं पकतिलका
रो तिलक लष्योरी मै हूं वली मेरी मन मां षैंसों तै
उगा है गई हूं सरा मवा रजसो मुरव मूंटि वैटी कछु
मैं करीति नाषनमवा के कांन छो गई नववहिंह
सीलषि मेरी गेट फसी वा की देषि दो ना मसी री हौ
षाधि शाषि है गई ९८ वा जिनी जिहारि विछुवांन की
फनकि सनि सनक से मनिन की मनदुमलति है
री वा की नवनि ऊंवरो जनन की नऊंनाई सारी मैं दवी
सी वैनी ष्योरी हो हलति है लगनि जना वैपगग
निगनि धरैपैं रपैं उदशा चलि वो पवरी अजलति
है मैं मे कटिल वकिनि तस्वननि तस्वनी के मेरैं
नानेजं चनिठ के लति चलति है ९९॥ अथ प्रथमान॥

14

हूंमैंकरकमलअमलअनूपपरेहूपकेनियान
नैऊमोनन्वनिहारिदै कोलिदासकहैमेरैंपासहू
रिहैरियरिमाथैंपरिमुकटलुकटिउरिदै ऊवरि
कहैयामुखचंदकीजुन्हैयानैऊमेरीओरलोचनको
रनिविहारदै मैरैकरमहिंदीलगीहैनन्दलालमे
रीलटअटकीहैनेऊवेसरिसुधारिदै ३० विरसवि
सारनैऊपानकेअपारमीननोविनुगोडीनिसावी
नीवीसजोमकी विहसिकपोललोलदलोचनमय
ऊगसजोनतनपीरयोकनीडीकविकामकी ले
नहोंवलैयांपरियैयांदयारामकीसौंगवरेनिहा
रीवेरीटीफ्रंविजुदामकी चन्दनदैभालगारिलिलि
नकपूरमालमेरीदिगआवरेऊहाईदशानामकी
३१॥अथवमीयोषितावचनानि॥हरिजऊराईसेनाप
निसघदाईमाईरितपावसनपाईप्रेमपनियां पी
रजलधरकीसनितधुनिकरकीसदरकसहाग
निकीछोहमरीछतियां आईसधिवरकीहियेमें
आनिघरकीसमेरीप्रानप्यारीवेईप्रीतमकीवति
यां वीतीजैधिआवनकीकालमनभावनकीडग
भईवामनकीसोबनकीरतियां ३२ नीकेहोनिठु
रकन्नमवलैपरारेअंतमैंनमयमेनकेंसेवासर

ॐ
१५
15

वराइहो ग्रामरोग्रवथिकोमग्रवथोंवतीतिभई
दिनग्रीतिनईरहीमरिकाइहों सेनापतिग्रोनप
तिसांझीहोंकहतिएकपाईकेनिहारेपाइग्रोनम
कोपाइहो एकलीघरीहोंचनदेषिकेडरीहोंघाइ
विसकीडरीहोंचनस्यांममरिजाइहों ७३ ग्रीषमन
पनहरिप्यारेनवजलधरसेंनापतिसुषकरिजें
हैउमतीनकों भूतलविराजैराजीसाजनसकल
वरिउरिनकदस्वनरुकोमलकलीनकों सोरया
निचोरेमोरकहूकतिवहूंओरदाउरकरतिसोंरभो
रजामनीनकों कामधरैवादनीवनदिवारजमदा
रग्रावनग्रटगाढधरीविरहीनकों ७४ दामिनीद
सःकसरचांपकीचमकिस्यामघटाकीफमकिग्र
तिवोरिवनचोरतें सेनापतिग्रावनकह्योहैमनभा
वनसलागपोतरसांवनविरहज्वरजोरतें ग्रायोंस
षीसांबनमदनसरसांवनसलागपोवरसांवनस
लिलवहूंओरतें ७५ ग्रबग्रापोमारोमेंचबरसस
वनकादोंसैनापतिजइपतिविनबहिरातिहै रब
गयोदबछ्वग्रंवरतिमरहटभेदनिसदिनकोन
किउहूजात्योजानहै होंतोचककैपीजोरिचपला
चमकिकैधोंसुकनपरतिपछमानोंग्रधिरातिहै

काजरनैंकारेरोभमरगुलनिमरगुंजगुमरितुम
रिवनवोरचहिरानिहै १८ पावसमपनयेहारिपा
नीनपियारोलगैपौनकैप्रवेसपरदाकैंपरियत
है परवसपरेपछिनानपरदेसीलोगपोरवटैपों
रकेपपारैंडहियतहै पालनैंपनौंवाकैंपछेहूपरे
नाराकविपपीनवलनपम्पपामोंभरियतहै प
त्नगकेनाथप्रांननाथप्रतनाकेनाथपरबतनाथ
नापपानौंकरियतहै ११ कैमिग्रारपोभूमिचन
वमरुचरोनभारीवानिकचटकचिनहिनकेहरि
छिगौं जीवैकहिकौंनजौंनग्रावेरीप्रजौंनवहि ।
गौंनकैविसासीभौंनभारसोथरकिगौं करिकैप
पौनप्रांनविरहविमानचटिपाहीमैंसकोंमवाम
लोचनफरकिगौ मुरवाऊहूकवनपरवापरमन
नपुरवापमकथावथीरजथरकगौ २० कारिका
रीथारिपरिकारीचराजरिग्राईनैसेनमालकारे
कारेभारेहैं शेषकहेमाधनकेपिग्रवरप्रनिसिपि
नकेपुंजचटिसिपरपुकारेहैं निरपिनिरषितेउर
गौनटेनैंनीहोनजिनकेनिठुरवैनिमोहीकेतन्यारे
है वरषिवरषजानवरषाकोंपलपलहूंदवैरीमा
नोविसिषिविसारेहैं १५ वाजननगारेमेचदेनन

ग्रं
१९

16

ही नारेंगीगननिझंझभेरभेकनिबजाईहै कोकि
लाग्रलापवभीनीलग्रीवान्हकारीपौंनबीनथा
रीवारीचान्नकलगाईहै भौगीबनमालडौंग्रुमार
घनिमिरथावचौग्रुखविरागचाहवंचलाचवाईहै
वालग्रविदेमनयोनेहाकोजनममभयोपावसहै
मारेलगाईविरहबयाइहै ८. विनामनिबनवीथ
नमैंबोलेमोरनैसिथेइहीहैचटाचनकीउनेडनै
मीरीमीरीनैसिथेकदम्बनिकीवांसलैसेवाइवहै
लहलहीवेलिनडनेडनै नैसिथेभईहैंभूमिला
लइंदवधुनसोवधुनपहौरीलालहंनरीधुनैंधुने
झंकिकैकरोवैवामचरीचरिमरझातिहरीहरी।
बैग्रेझरनिकीमनैमनै ॥इतिवर्षादि॥ दरमनपा
पकारेबोरकेपकरिपाइरजनीग्रथेरीमेउजेरोपर
मरैनै मनहीमेहंदावनगोपिनकोहंदनामेवमे
नंदनंदजगवंदजाकेचरनै हषभाननंदनीगोविं
दकीप्यारीपमीईदीवरवदनीनहनीडघहरनै
कालिदमकाहन्नकीममभमघमाधिकामराधि
कारमीलीकोविरहहंदवरनै ॥ वरनैविरहराधि
काकौडहैचंदमुखीहननननंदकीरहीजोउपामि
हैगोझलकोऊलिवधूझमरकहैयापामकालिदा

मलाईछलवलमौनिकासिहै लसनमसालसी।
रिमालमवभापवारफूलनकीमालकीसुवासिर
हीवासिहै हूतीकामकलनामिलोविलसवलिता
सुस्मालनकोललितावसीलीहूपिरासिहै रूपरा
सपासिघरीललिताकहतिनेदिलालनकीहती।
गोपिवालनकीछलीयै ॥ कालिदासगोपनकैवं
सरनिरासमगापहासुरसवासविनाभूलीगैलगलि
यै जमुनाकेनीरपरैषेलनकहारेकारेचोरेचट।
कारेनैछवीलेछैलछलीयै वीमोवडकालवलि
भूलीनोहिवालवलिनंदकेगुपालवलिगोकुलमै
चलियै ॥ चलियैगुपाललालउदीहषभानजूके
मंदिरनैज्वालसीजहांईनहांईलागिहै कालिदा
सकहैकाहूसोचकरिमानियैजूसोचिनमौराधि
कारसीलीगईलागिहैं रावरेवुफापचिनहूफैगी
नलालगोपवलिनकीसवलीविकलीकैकैभगिहै
गाफिलनहूजैवलिगोकुलमैगोपिनकोसदनस
दनुलागिगईमदनकीआगिहै ॥ आगिकीलपि
टसमजरकसीपटवीवललनललाईलीपगा।
सिकीगवारहै आईहैकहैयापासवाहिरविलोकि
वेकोमहाजोतिजाहिरजिनाहकीषानहै कालि

दासदामिनीनकामनीकेअंगासरिपावतीनकेसरिकी
रंगकीलकाईहै दीपसिषाकीलगैप्यारीवदनीकील
गैघजननसोनोसोनिजहिनजुहाईहै जुहाईहैगुलाव
नलकुमरकहैयापासकालिदासदास नीजुहाईहै
कहोरीहै अनरसौकुचपरकंचुकीचुपैरिसारीसा
रीअंगसंगरंगऊंऊमसोवीरोहै ओवकाईऊचकि
चकोरनैनीनैनकोरिचितैकरिकारेचोरकीहीवि
नचोरोहै मदनविनोदगहिमेडुरअमोदगहिमोद
गहिलीनीलालमोदगहिगोरीहै गोरीतनजोति
होसिहोरीकीसीवाहिरहैनाहिरफरोषनिमैआनं
दकेकंदकी कालिदासहरनप्रकासपासपेषियत
हरतिविसालमैप्यारेनंदनंदकी लोकावारचन
रसषीनमांकमंदिरमैसांकसमैवाहिरकैदियाकी
जोतिमंदकी कोटिरीअथैरीमैसिपारीजहांप्यारीन
हांफैली नउजिपारीकोटिकोटिरविचंदकी चंदस
ममचनजचनजोतिउचरीहैहैचरीलोछोरछकौं
हैचरीकीऊंदहै कालिदासकहननंदननेदिनपि
यनप्यारीमुषकीमहूषकीपीऊषरछेचंदहै इंदी
वरवदनगोविंदगहिमोदकीनीदासिनीलिपेटि
लईतिमिरकेनंदहैं सवरनवपछलछेदनसोमी

उमीउकुंदनसीकीहूीमनोमोहनीजूऊंदहै ऊंद
नकीछूरीआवनूसकीछरीमौलगीसोनजूहीमा
लकैधौऊचलयहारसौं कैंधौचंद्रकलिकाकलेक
हूनैकलिनभएकैधौरतिललिनवलिनभएमारसौं
कालिदासकादंवलीदामिनीमिलीहैकैधौअनलकी
ज्वालजूरिगईधूमधारसौं केलिसमैकामिनीकह्रै
याजूमोलपिटगईमानोलपिटानीहैजूह्रैयाग्रंथका
रसौं ॥ ग्रंथकारधूमधारसमसभछूटेवारविथुरी
विराजैउनग्रंनसेजपरमै कालिदासकामरूपस्या
मसंगसोईवासकामकमनीकौकासकीहूीकेल
वरमै नवलाकेकाहूजनाभीदेऊचयरयोसोईजो
रेजटनग्रमटीसोहैकरमै मेरेनाननवामीतैनिक
रिकारेनागफनराधौमनमेउपसमेरकेसिषरमै
सिषरसमेरूकेमेउरदैउरोजथनथ्यानहीमैथरी।
जोतिआनंदनिधानकी सूनैाओकुरूकीछविफलि
कैडुहूकीछविहूनीकीलिमदरिविविधवषानकी
कालिदासकहैकाहूसंदरीकेसेगहूमरेगपाउकौ
ऊकोऊसंदरीममानकी मोहिगईराधाचनस्यामै
हियरामैलषिकामैगहिनीनैसेरामैगहीजानकी
पलनमैलननेदललनवलनवलगोदलैलेल

लनकरनमोदगोनहे आलमसुकविपलपलमैपा
पावैसुखपोवनिमहेषसोकरनपयपानहे नंदा।
सौंकहतिनंदरानीहोमहरसुनचंदकीसीकलन
वदनमेरेजौंनहे आईदेखिआनंदसौंप्यारेकान्हआ
ननमेअनुदिनअनुचरीआनछविआनहें फनी।
सीकफलीवीचफीनोआगफलकनफसरिफम
रिफकिन्योंज्योंफलेपलना हुंचरूहमनपाइबा।
नैंबुबुरारेकेसकिंकिनीकीघोरमानोचरीवारचा।
लना आलमरसालजुगलोचनविसाललोलऐसे
नंदलालविनुदेखेकौंहुकवना वेरवेरफेरिफेरि
गोरलैलचेरिचेरिटेरिटेरिगावैरानगोकुलकी
ललना नमुदाकेअजिरविराजैमनमोहनहुअंग
रजलागेछविछाजैपुरपालकी छोटेछोटेआछे
पगहुंचराहूमनवनेजैसेविनहिनचिनसोभावा
लजालकी आवबनीयासुनावेछिनुछाआईनभा
वेछानीमैछपावेलागेछोरुयादयाकी हेरिव्रज।
नाविहारीवारिफेरिडारीसवआलमवलैयालीजै
ऐसेनंदलालकी देहोदधिमधुरयरनियसोधौरे
येहेयामनेनिकरियेगेयेचथाइसोलिहै प्रविलै
टिसैहैंलपटैहैलटकनसैहेसावरसुनैहैंवेजव

नीधोंअमोलिहै आलमसकविमेरेललनवलन
सीषवलनकीवांहव्रजगलिनिमेंडोलिहैं सोदि
नसादिनदिननादिनगनौंगीमाईजादिनकन्हैया।
सोसोमैयाकहिवोलिहै धौरीहोंनलागीढरिजेवे
कीसिगरौदिनछिनुनचारहैकहाकहउकन्हैया
कौं कलनपरतिकलविकुलजसोदामैयाधौव।
भूलेजैसैंनलवेलीलागैगापाकौं अंवरसोंमुष
पोंछिपोंछिकैंकहतिनमस्रैसैंकैसेजानदेनकह
छोटेभईयाकौं षेलननललनकहंगपहैंअकेले
नैंकुवोलिदीजैवभनवेलेयौलागौमैपाकौ पे।
सौवारौवारइहिवाहरौनजानदीजैवाणपवोरीन
भवनिनासंगनकी व्रजटोनाटामननिपटड़ानि
हाईउेलैजसदामिटावटेवश्रौरकेअंगनकी आल
मलैराईवारिवारिफेरिडारिवालिवोलियोंसनाइ
भुनिकनककंगनकी छीरमुषलपटापंछारवऊ
टिनिभरेछीयानेऊछविटैषाछगनमंगनकी
वीमकविथाऊदिननारियौनपाऊअरुपाहीकाज
वईचरवोमनकीवारीहै नैंकुफिरिस्रैहैकैहैदेरी
देजसोदामोहिमोपेहविमांगेवंसीश्रौरेकहूंडारी
है सेषकहैत्नमसिषदोनरामयाहिगारीनारीग

ॐ
१५
19

रिहाइनुकीसीषेलेनगारीहै संगलाइनैयानेकृत्या
रौनकन्हईयाकीजैवलनवलैयालैकैमेयावलि
हारीहै मनकीमहेलीमवकरनिमहारीनिसंश्रा
ककीअकोरदैकैहियैहरिलायौहै कान्हसुसुहमि
हमिसावकेसमूहकेकेकाहूकरपानलैपनूषी
हथुप्पायौहै आलमअषललोकलोकनिकोअम
ईसहनीकैब्रलांडमोईगोकुलमेआयौहै ब्रलवि
श्रावियविहारिरहैध्यानथरिब्रजकीअहीरिनुषि
लौनाकैरपायौहै वारौटिमनौनजाकेरवापकरेनु
कोसैरोरअंगरेनुलावैनेदकेअवासकी चटचट।
सदयनहूदनाकोहरिरौयोनेईनरूरानीवानीनो
तेरप्रकासको आलमसमतिजाकेवासनीनिलो
ककोपैतिनजियत्रासमानोजमदाकेत्रासकी इ
नकेचरित्रचेतिनिगमकहतिनेतिजानीनपरति
कछुगतिअविनासकी कंजकीमीकोरैनैनाग्रोरनि
ग्रहनमईकिधौंचंपेमीववपलईनहूसतिहै भौं
हनिचढतिसीढिनीचेकौंछरनलागीरीतिपरैपी
टिदैसकुचिमसिकातिहै सजनोकीसिषकहू(?)स।
नीअनसनीकैरमाजनकीवांनसनिलाजनिसमा
तिहै रूपकीउमगनरूनाईकोउटाउनधोछ्रानीउ

छिप्राईलरिकाईउठीजानिहै जरिग्राईभौंहैं सुरि
चढीहैउचोहैनैंनामेनमदमानेंपलकनिवपल
ईहै कटिगईछूटिपैसमिटिग्राईछातीठौरउँरनैं
सवारीदेहैग्रौरैकछुभईहै ग्रालमउमगिरूपसो
भासरवरभर्यौपानिपतेकाईलारेकाईमिटिगई
है फलकसीमईपियरसपियरईकिपैकछुनरन
ईग्रुरुनईग्ररुनइहै कांपेईकैपेलैग्रलवेलपग्यो
घेलेगाहैपाछेहीविसारेयेलोकाईदेषैंरूपकी
सावकीऊरंगीसीसेप्याकौमयंकजैसेलाकविनु।
ऊैलेग्रौनिसंकसीनरूपकी ग्रालमफकनिथोरें
हसेनेहसनिपुनिहरनिहरीकौंमनुग्राननग्रनू
पकीचंदनचषोडाभालगोरेंग्रोगग्रंगीलालपछे
नेंपिछौडीजानिग्रोडीमोडीरूपकी ग्रोघ्याकीनीघा
हौलैंनवेष्टापकेवारनमपकवारजाइनिहिछल
इरदीजिपै सेषकहैग्रवनसहेलीसेजग्रावैलाल
सीघनसीघेगीसीघसनिलीजियै ग्रंवेनकौनांव
सनिमावनकीयेहै नैंनग्रावनकहैसोकैसेग्राइ
नाइछीजियै वरवसवसकरिवेकौंमेरोवसनाही
ग्रेसीवैसकहोकाहकेसैंवसकीजियै ज्योनिहीये
हीमैंजागीमैंनोजानीजैसीलागीसोचनिहियेमैंला

ललामलनारिहैनई रमहिंनजानैकहैविरुनमानै
नाकौंलैहौछविछाइकछुमूरिमोहिनीमई आल
मरसालनेंदलालसनिजानिमनिंमोहिश्रेसीकटि
नसइहूंदिसकीभई नमविफवारश्रेमपीरपिय
रातिनऊश्रेकमकीसेकमनिपीयापीरीहैगई को
किलकिलकसनिसनिवानीआनिमनवेहूजानि
नोपैसीषिसरहिसथाहैहे ननहूंकीवानीदेषि।
वेपरुउनरिगयोपहैवेतिविनहूंनेभौंएनिउनाहै
है आलमकहैहोसरोसन्योकौमोहोरआईमधकी
निकाईदेषिहिमकरहाहोहै रूपरहैनयोनाहीरी
फिरतोमनमोहीरूपरहैश्रपोआपुवारिफेरिडा
रोहै पोनकेपरमछुइसेटिकाकेडालेहाफहून।
हियेंथरेघरीकटिषीनीहै वेनीकीलटकजितिश्री
वाकौंलटकजाइछूटीप्रलकानिछविकाकीलूटि
लीनीहै आलमकहैनतुकनकमैनायोनामैंपेनमें
नजोतिरमहीराश्रोपदीनीहै श्रोरहैसिंगारभारत
हीआपनैंसिंगारविधिहै सनारनैजरानुजैसीकी।
नीहै १८ चितवनश्रोरलागेवोलैश्रोरजोतिजागेह
मैंकछुश्रोरहूषैश्रोरईनिकाईहै श्रंगश्रंगमोहनी
मोहनमनमोहिवेकौंपेनवैनमैंनमानौमोहनीष

नाईहै आलमकहैहोरूपआगरीसमाननाही।
छविछलकतिइहांकौंनकीसमाईहै भूषनकौं
भोरीहै किसोरीवैसगोरीवालनैरेननप्यारीकोटि
भूषनश्रवाईहै ८ ऐसेरूपदेसकीलनाईलूटिला
ईहैमनईनईछविअंगअंगउमगतिहै जाइकीसी
मालसलजाइरहीकहैनैसजाइजाइहरिजूकेहि
येमैंषगतिहै आलमकहैहोवडेवारहैसिवारऐ
सेनेरीनिरुनाईसजवाऊसीजगतिहै मोननकोरहा
रह्यियेहौसनेपहिरैनहीपोतिहीकेछरावपछ
रापालगतिहै सोरभसकेलिमिलिकेलिहीकीवे
लिकीनीसैभाकौमहूलीसअकेलीकरनारकी
जितहीठरकैकान्हतितहीठरकिजाइसांमेहीस
ठारीसवअंगनिसठारकी नपतिहरनकविआल
मपरसमीरौअतिहीरसिकरीतिजानेरसचारकी
समिद्धकोसारमनिमैंनेकोसरूपलेकैअतिही
सरससोसवारीचनसारकीपानरीअंगेगठिआंगी
आंगहीमैंलागिरहै फलकनअंगकीनौफलडु।
हूलकी आलमसधारेकचकारेभटकारेभारेडारे
पाछेंआछेप्यारीस्पामसरवमूलकी काममैंमैंयो
गवामदछिनकटाछकीनैंआछीछविसनकसवा

ॐ
५१
21

रीसुषमूलकी कहूंहूंककोरनैंनडोरनिलौंआवैव
लिकवहूंकेपावैंइनिसुनिआभाफूलकी गोरेअं
गप्यौरेलाकप्योरीवैसभोरीमनिचरीचरीओरछ्व
विअंगअंगमैंजगैं। कहिकविआलमछैलकनैंन
मैंनमईमोहनीसुननवैनमनमोहनैंठगै ॥ नेवे
ईसुघारविंदनिंदअरविंदप्यारीउपमाकौकहेअं।
सौकौनजीपमेषगै ॥ चपिगईचंद्रिकाउछपिगई
छ्विदेषिमौरकौमौचांडभयौकीकीचांदनीलगै।
हीरामैंदमनमुषवीरानासाकीरवाकसौंनेसमरी
र विचीरचलीधामकौंललितकपोलद्विगडोलेक
विआलमसुबोलेमडवोलकैरिड्रावैलालस्याम
कौं वेसरिविविचित्रनीकीकेसरिकोटीकोसोहैनेस
रिनपावैसुलैकेंसीमचीवामकौं वैनीगहेपैफलल
टगौरेमषतलछुटफूलकीकमानदेषिफूलपरी
कामकौं ॥ सावनकीसावकीसुहावनीवेठौरज
हांसुहीजाइचौलिचौरिफूलिवनछाइहै आलम
पवनपुरवैयाकोपरसपाछैसीरीआपरसिकसर
ससरसाईहै आलीचलिहनरीपहिरिहरियारीभू
मितेरेचमकनवपलाउचपिजाइहै औरनकेआपे
वनऔरआइहैसहैंनआइहौंसपहवलिवेगेव।

निसाउहै ॥ जागनदैजोन्हूमीरीलागानदैरातिजैसैं
जानसारीसैननमैंसैप्रानतकीनजानिहै अंश्यपकी।
भीरराविसंगलीजैमोसीनाविचारीनहोइयह।
आनरीकवानिहै हूंछुटनेसेसुखजोतिनचटैगी
छिनुकीनैंपटम्यारियेफलकपहिवानिहै नैनोजा
स्योछानीयेनजानियेरहैगीवीरछानीछीनीछवि
नैननिकीकाकौलोहछानिहै ॥ समुदकोपाक
हैसोभूमिहकौभारुहै पैप्रीतिकौनवारपारकौ
नविधिकीजियै सेषकहैदेषअनदेष्योईकरनकौं
हैअंकभरिभेटेहविपोगरसभीजियै सेवेकहैवी
रन्हैनिहारिजविहारीननहेरैजोहटनहैसपतो
कनछीजियै जाकेवासवेयेमनफूलदेष्योवाहैज
नहेरैनेऊसमजानिकौंहूकलीलीजियै ॥ वनि
नारीवनिवनवारीवालीवनवनअवननिकरिवे
नुवाजैवनीवानीसौं । आलमसरतिसुषकहाजा
नैंकहसौंकहौंकहैरंनिवीतिजैहेपकहीकहानी
सौं पानिसौंचपानिजोरिप्राणपतिप्यारेसंगपेसं।
मिलिप्यारीजैसेपानीमिलैपानीसौं मानिनीनम।
वैमानयनेमानकोहैमानोंमेरीनमनाईमानैंमो।
हनकीमानीसौं ॥ भौंहनिचढाइनैंनानाइरहीनी

ॐ
२२

22

वैं कहें मोसहूं न चलै जउ जग्य पि कियौ है तउ कहै
कवि आलम वचन वैं विषैं वि मउ कहा भयौ जौ पै
हठ कियौ है रांक कौउ वै है जो वर जैउ लैवे सारि को
मोती प्यारी जि हिला गिडौ ल्यौ फिर नलाल कौ मउ
ताकी फल कनि अथ रति परछाई माई कहा है रु षा
ई तै नौ रूषहूहें मति जउ ॥ वैदन कह रपरै ज उ
उदि ति पर वैह की नै ह्वाउ भाउ प्यौ मनी स भाउ कै
आलम सरंग पवन कै तकी कसर रसन लीयौ ला
इ कालिंदी के कत स घ वाइ कै उ लै दल विगासि अ
कास पै पै न मैद जाइ कुसुम तुलाइ छाइ जाई जूही
जाइ कै आली नति मौन करि गौन हिन भौन न चलि
केलि करि केलि कुंज केलि के उपाइ कै ॥ का है कौं
धुभी उनौ वै वहू स्यौ न रै ना थारै कौ टिकन रौ नाधुभी
छवि परै वारियै वैदन कौं वैदा सो है उड विधुरवि को
हैं ग्रे जन न कुसैन लागै अमी आखि कारियै नैर अंग को
ति काउ कहो लो कहौ गौ माउ रति रूप चति अजों प्या
न हैं न थारियै पनोई विलै च भारी कौ रौ जिन औरप्या
री आलम अकेले कुंज अकेले विहारियै ॥ पिय की
करनि हाहा आनरहै पाइ गहै नौ कौं यह मान वनी
मानि वोउ पाउ है नै चलि है आई नौ लौ वा तनि वला

रजाइ वतन रस षीन पकदे षिवेकौ चाउ है कहै कवि आलम कछु कै हहंरी कि षी कि जब मातु छाडि वोलीन वबोलिवेको दाउ है नाही किधै नाही वलिनाहि नैंम नाई जाति जेनी नाही नेती रुचि तिय को सभाउ है ॥ आई सी री सारुभरि गाये दो रि आई यवि वन यन सु रवीच मूरि ष्यरिया ई है आलम वहं चा तेंदि रूपानि वै रषा वो ली भूषन वनै है वनै वैरो वनि आई है आ ली नै लै चलि है री लाली मैं लपेटि रवि मासि कीन छवि छिन जो न्हानि घराई है छोंह होंकी छलि मिलि है री भई ते री छांह जो लै पर छांही पर छांही आई छाई है ॥ छलिवे कों आई हो सही हो छलि गई मनु छौ कन न छलक रि पटई विहारी हो नै लो चलि है पै आली हो ही पसुचलसी हैं सादो रूपरे षि दे षि रीझि भीजि हारी हो सेष भनि लाल मनि वेंदी की विदा है सुसै गोरे गोरे भाल परवारि फेरि डारी हों ॥ वेरि नि होने ह वलि वेम रिस धारी हों तौ वालि वे सरि केवे हवा पि डारी हों ॥ कुली सजन न्हाई कुसमाकर की रै नि की पैं फूले वन चन रस वी थिनि वि थुरि लै आल मसुभ मसभ आननकी सो भा जन आ भा मिलि को टि कों टि आभरन करि लै मंजन के आदि ने वे पादे

हैसिंयारह्यारश्नंजनकीरेषहगाबंजनमंथरिले चे
द्मालललाटीनैंलपतीकह्माठाटीवेगिप्पारीपारि
पाटीकरनाटीचीरकरिलै ॥ मेनमेषविथुज्योति ।
श्रेजनधुतुषमजिवक्रविषश्रहणसमनिसगला
यौहै प्रेमम्हराम्हथायेनुमेदरममानरेमाश्रालम ।
चपलयहृयकामकेमयापहैं प्रीतिमयुहनरीक
लपलछुमरनथवैतरमहटष्टिगजगातिलपटाप
हैं काहकोममुद्रमथिदेवतानिग्रमृकीनैचौदह
रतनत्रियनैंननिमेंपापहैं ॥ जानतिहैनीकेरति
रतनेजननेजननेजेतीयातेरतिपतिहूंकेतेजहि
तजेहैरी फेरोकरिश्राईहै मवेरोवननेरोयहमेरो
कहोकियेकहोंनेरोकहाजैहैरी विदाकरिमोहिदे
हिवाटिहीवकावैवेटीकाहकोवदनुदेषिवेदनन
मैंहैरी श्रालमविलंबियेनचलिश्रालीलाल ॥ नपे
ललनालाषकीऊतिरेषंहीलजैहैरी ॥ छरछाटिछि
तुछायाछवीलीछवीलैंवोलीछोटिहैनहाहाकियें
मेरेपारछुनरी श्रामतिपातिनकेरीननतैंननाकि
तियैतिननननकहीतिननोरिनूनरी काछैश्रा
छैमछुकाल्हकालिंदीके‥छेकविश्रालमकछुउ
छाहणवैनैरगनरी सनिप्पारीमोचनमकौंवनमे

लोचननिचालिचितचाइचाहिरचिविरचुनरी ॥
वोलीवारुचीरकैचरणधरिवतिवेकौंचाहैपति
रुचिकैंतैंरचीसुषचारिकी नीरभरेकाहेनपनीर
जनयननारिश्रानिकाहूतेरीहुतीप्यारीसोऊनारि
की नेरीईमहतहेतमानैंहौंकहतितोसौंश्रालम
कहैसश्रालीश्रतिमतुहारिकी मृगयनहोहिरी
नसषमोरिमेरीसिषमारकीमरनिसनिमरली
मुरारिकी ॥ छीनभईरजनीरसिकरिनराजकीन
छीनभयोमानुजानैंलालवनडोलीरी श्रावीयौरवी
पैन्तनरचीमेरेवचननिश्रलिमालावोलीपैतेंनवो
लैहूनवोलीरी डुमवल्लीहूलीतनहूलीश्रालीचलि
वेकौंचकईमिलीपैतनमिलीषोलिवोलीरी डपे
कौनरविकाजउठनहूटननेरेश्रालमनवेचिका
लसरनिकलोलीरी ॥ तूंतौमेरीप्राणप्यारीप्राण
कीकहतितोसौंपेमौंपेमेप्यारेप्राणनाथपरवारि
ये मावरैमावरेलेनसनिसवारेहूसौंपेसीमेनसौं
विकौंनश्रापकोसवारिये श्रालममसूषनिपिश्रथ
रजोरिसरसश्रथरजाहिहूजैनपचारिये श्रनेकना
विनतजिनागरसनगनारितासौंनराहिमानुहोहि
नगावारिये ॥ श्र`` श्रनवोलीतूतौवोलैहूनवोलेप

ॐ
२४

24

निअनेगवलीकेव्यापैअनवोलीजाहिगी कहिकहौ
गौनकरिहहवहुतकरिपैसोकरसौंककरजोरिकर
लाहगी आलमसमुझिहोदिसामुहीसमीपसमप
सोस्यामनजिस्यामकाहेमेममाहिगी छछेपैपिछौ
डौनीरिपाछैदेरहीहैमोहिपीयरसंहूकौंप्यारीपाछै
पछिनाहिगी नेकुनिसिनासिहैनौनारिनसकौगी
सहिमनसिजसौंसमेकिमेरेसंगनासखी ऐसस्या
मीऐसेसमेऐसेस्यामसौंसखरसरसीअंखियानऐसेमे
भरिऐसीसखी किसलयकुसुमसैनआलमसचितस
त्वरविसुतनाकेसमीपसरसिकेसंगसखसौंअवन
मेमनैंगीनेकुवोसखी ॥ मानिनीअनमनीहैमोंनी
कोऐसोमानुगह्योमानौंकहूंमनुगयौनेरेमनमाहसौं
गरिसौंशगरिवेठेहारिवोंहवोहसौं आलमकेलीच
मैंआनकछुऔरदेखीऔरेसनिआरिवलीऔरनि
कीछांहसौं छपाकरछिपैछिनुछीनभईछपाछि
पाछारिदैछवीलीअवनाहीकीवौनाहसौं वानौन
कहतसुनीवानवठीहै प्यारीपियगाईपलविकल
परैनकलपलकपलकपुनिप्यारीजीवरठीहै आ
लमउदासरहतउसासलैलैकछुपरिहरयोकहौकी
तुमंतुपरीहैं नैशैचितवनिभयौचकितअचेतमा

ईचेटकमोलागैयोकमोलागैयोकछुनहीविनचरीहै
उनकीविकलताईदेखिउकलाईहौंहीलागैवडीवा
रसमाचारकैसैकैकहौं तपनउसासआवैदाविनव
यारिभावैहौंहौंनवयाविभईसीरीसीरीहैवहौ आ
लमतिपटअरूलायोहैरीलालनवरसवसभय।
पाइकरमैंगहौ तजियैविलंवुयामैउनकोअका
जहोइवलीयैकुपालहैकैप्यारीकैसैहौंसहौं। क
हैतूलेवैतुकहूँयाउगायोधेनुकहैआपैविनुवेनु
कहैमोरपंखपरेहौमनकेहरनकौंतैआछेआछेर
नकौंहैछोहरीछवजछकिछीनहैकैछेरैहै सेव
कहैप्यारीतेंजअवहीतेवनगईतवहीतेकान्हअ
सुवानिसरकरैहै यातेंजानियतिहैंजवेऊनदीना
रैनीरकौंहैवराविकलविवोगीरोईभरैहै ॥ तेरीग
तिदेषीगतिमतिमेरीभूलीऔरनैसैईपीयकेरोम
रोमकलमलेहै वाचरीतेवैसेहीउहाईउहिओरदी
ठिपलटैतैमानोंकान्हकोंहूछलेहैं हरहैकैचैनो
काहैवाकीसूपीवालिआलीतेंनौचलिआईवाकेने
नाहूनवलेहैं ॥ दोहूनकेमिसतिहिगोहनलगाई
वलीदोहनीभुलाइमनमोहनीमईभयोआलमक
हैहोंगनगेहरूविसाखोउनदेहरूसम्हारनहीने

हमैंसोंहैनयेगोसिथिलसिवारसेवेष्टेरहेतेवारसंग
लगीहीकिवारफांकिहरिहरसोंलयो अथरसखा
नहूफैंआथीयौनअवैवानआथौसुषुदेषिमनुआ।
येआयकैगयो ॥ साथेराजहैसनेनोहौंसनिहसाई
पैरीनेरीगतिदेषिकीसोगुनकरीको लंकलीक
वकलमेलहगाकीटिगऊरैहूराहीमेचाहिहूरम
योवाहीयरीकौ। आलमअनहेंआहिरसवसप
सौजौलोंजागैपोनहीयोगतावियोगविसवरीको
रूपगुनआगरीहैनागरीतेंआगेहैकेतैंजउगभरी
उगिमग्योमनुहरीको ॥ जोगीकेसफेरनिवियोगी
आवैवारवारजोगीन्हैहैतोलगिवियोगीविलला
तेहैजाछिनतेनिरषिकिसोरीहरिलियोहरिना
छिनतेषरीरैषरीईपीयरातेहै सेषकहैआतिहौं
विहालहैतहौंरहाइपलपलअंगकीमरोरसूर।
फातहै आनचालिहोतितिहिननप्यारीचलिचलि
विरहीजविनितेंविरहजरोजातहै ॥ नीरसोनवे
नरमकनकौडरैनअमोप्रेमपरनछ्ज्योंपुवेनिकौ
सौंपातहै नेऊडीटिडोरीचहैवोरीकरीचातरीको
गोरीगुनआगरीगारतयाहीगातहैनेरेअरूपीकेनि
नहीकेसमाचारहैंरीजीकीकहौंतोसोहरिज्योंज्यों

विललातहैं नैनकमैंनेहपसेमदहूकोजाहीमा॰
ईजैसेंवेगिनैंननिमैंनेहआइजातहैं ॥ सषिनुमि
षाइजाइथीरजवथाइल्याइवनरमलाइकहीने
हूकोन्नवातहैं आलमसकविकहैसोवसीमैंलो
यौमनुकान्हकेवचनसुनिकाननिहितातहैं जे
नकनवोढहियौपोहोकेकैपीयननदेषेडरिडरि
नैंनालागेपाहीचातहैं ॥ वलैऊबिकोरफिरेहूंच
टकेछोरहैकेलाजनिसौंभारेनारेनीचेनपजातहैं॰
आईआईहैरहीनोआईसषीथाईनववैंदीषिहोंआ
ईजान्योकहेहीकहतिहैं पुनिसुनिपाइथोरेसेष॰
प्यारीसनमुषनाकिमुषमोहिनीसुभ्रमहियाहति
है अंकभरिलीनीपरजेकपरिपौटिनवसपनोम
नकिवारिभ्रमसवाभरतिहै ॥ विरहीहोमारीसुपि
अजौनसभारीअवलमनानौप्यारीहमन्यारीहैव
हतिहैं ॥ प्यारीपियरोऊपहिलीहीपहिवानिमप
आनपावैन्योंन्योंज्योंज्योंरातिनियरातिहैं आलमस
कवलगीलोगनकीलागीरहैडरिडरिदेषैडोढिकै
सेकेअचातिहैं लाजहूकीओरनिहिहौरहैसवेनउ
नकोरहैसौंजोरिनैंनासषीमुसिकातिहैं वायनट
गेचलनिवीविमनुमानिफलैवीकनीसनेहगादि

कुटिलभृकुटि जानिये ॥ सरद उज्यारी निसे सीतल समीरधी सो वनपियारी पियप्यारे संग बसै नैनके आलसनि। कवि आगैगे जागै बेर मीके लाल बाल हिजगावे बेनी लोभी लाल चैन के तिलक सरीर रीमराजी राजै पियप्यारी निपलावडेहैजे में चंदन मैं चैन के मकुटीय नचडतरेनैं चापसोंहैं थर वे विवित्र मानों पांचों बानमेनके ॥ हैं चटक मनिकामें कारे कारे केसनि मिटिलाजरा उजरे दीवटे उज्यारी है उचटकि लकका नर्किकिनीनूपुर वाजेनें नाना नटनाइक लकटलटपारी हैं कहै कवि आल मसरनि विपरीत नसमें श्रमजल झंजलि परह वगहि दारी है मुपरसरंग भूमिन्टपति अनंग आगे नृत्य कैरेवे सारिकों मोतीनृत्यकारी है ॥ नैसीये तरल नसपारा सीतमाल वेलि रही मिलि मिलि होरन के छोरमों कहैवेल लितरं भनारे सेउज्यारे न्यारे कहरहे पकहूं कलिंदी कविछोरसों कहिक विआलमकिलक हांसीग्री अघुनि मनि थैन आनचानी निजमेदमोरसों कामिनी विलासी कारेकुंजनेमें कामी कान्हजामिनी कहतना मयो सभयो मोरसों ॥ कामरसमाते है करे री केलि कीनी कान्हफूलन की माल कहूं मीडि मुरझाई है आलम सकवि

याहिग्रौरसौमन्नानौंवलिपैसीनारिमनकुवारिकहौ
कौनैपाईहै कमलकेपानलैलेहाथवाकोगातन्छू
जैहाथलापमैलीहोतिगातकीनिकाईहै ग्रंवलदे
मुषसनमुषवामैंवानकीजैनानन्उसासमलागेमु
कुरकीहाईहै ॥ होतैंलाईकालिहूधारीकोटिकज-
ननकरिनमपैसोरोमकेरुमाईसोकहान्नकी ग्रा
लमविलोकिमोहिसुषमोत्योतोमैंभाईमेहूंमनमैं
कलैगैसवीनोरैनिग्रान्नकी ग्रलपवयसग्रलवेलि
यैषरीयैवाननवेलीनलीजैयौषिकाश्वसिवान्नकी
करपरसनकुभिलानकलेवरवाकौंवाहिनौलेप
हौलालफूलकीसीनान्नकी ॥ जवंहोनेदेषीग्वालि
नरीवामरीविसारिननमनवनसौंमोहिभयौडुषदा
ईहैकछूनसहानपैउसासमनिविहाइदिनवारीकी
सरतिवितहिनसौंहिनाईहै ग्रालमकहैहोपिय-
पीरकीहरनहारविनुकीकहानीसमकानिहीमैं-
भाईहै नैरनौवचनमेरेप्राणकौंग्रथारहैरीहाहा
कहिकैमैंकैसैंसमाचारलाईहै ॥ कौनफंकोकौरैं
लागिगोरीगोरीजैसीग्रागिनवहोतैंग्रापिनमैंग्रा-
गिसीवरनिहै ग्रोनेनैनाघायेपानहीरानईवीरैंका-
नदमनकीजोतिछाविहीराकीहरनिहै ज्यौंगईल-

गई लगाइ नेह वैठे ही भुलाइ गो हमैं ठौ भौ है दे खि देह
मैं रिपै पवति है ऊसमैं भी पहरि हियें ऊसम के हारग
ये केसनि ऊसम लषि लागे हग हतरी अछरनें आछी
आछे वछ छविछौ रनिलौं आछी काछी अंगगी उदउ
रज अछूतरी आज ही मैं देषी कवि आलम अकेली
आली चांद सो अथै गो अव अटा ही ते ऊतरी चित व
नि हू मैं प्यारी हिय विनवस कारि चित मैं समाइ रही
चित्र कीसी ह्नरी ॥ मदिन स रोज सम सुभगा उरो
जउरवा तरीके चोज मैं मनोज वेलिवे गई कमल
से हाथ जगजे तवो न हाथी कोसो हाथ ही हाथ ही
मवस्या न मूसिलै गई अलवेली आलम मदनमहा
मोहनी सी मोनन लगाइ पीरमहा मोहि है गई सिस
ता की मानी वेस रूप की जन्हाई जै मैं आधे ही निहारि
नैना आधे आप केंगई ॥ नवछपराइ हौं मनाइ जाइ
आई हूती उनही कै त्यो जनाइ जानी पे सौ स्यान है अव
नौ हों जौ उलीनौ नाउ दीनौ दाउ नहीं ऊन कन पायो फि
रि आई रोसे मान है आलम सकवि कान्ह आन भांति
कहौ मोहि गावरे की आन है ॥ कहौ गे वसी रयहरी
लो है करनि आगें पाछें चटि विरह वह वाचटि हूकि
है नैं ऊमग जान देषी पसे मरफाइ रहे वान मनैं गा

नतौपतौवाह्वैकैसूकिहै कौंवरेहियाकेनमकादि
नकटाछुकान्हपैपटिनेहैपीटिह्वैकहूनटिगाहूकिहै
वहैडीटिमृदिसीवटैगीपेहोवेपिवेपिवहैनैनापनु
षनवहैमरहूकिहै ॥ वहैउनहारिरीफिग्राईहौंनि
रषिमुषकछुकसरदससिवैसीउनहारिहै कौंनैं
धौंसंवारकीनोसोभाकोविवारुवारुसोचिमुषवा
रिहूंविवारिहूंविचारिहै विनहीसिंगारकविग्राल
मसिंगारैतननगोरंग्रंगगयोरेलोकसादीसूधीगवारि
है कहिवेकौंमैंमिकापैरतिग्रोनरूपपैसौपैसी।
कान्हदेषैंवनैंजैसीनीकीनारिहै ॥ ग्रंगनरंजोति
लेवरंगनाविचित्रपकग्रंगनमैंग्रंगनाग्रनेगनीतें
टारीहै उजलकीउजियारीगोरेतननसेनभारीमोति
निकीजोतिसौंजन्हयावानाटारीहै ग्रालमसग्राली
वनमालीचलिदेषिइतिसगटकनककीसीरूप
शगगारीहै देहकीदमकवाकैनीरमैंचमकछाई
छीरनिधिमथिकिपौंचांदचीरिकाटीहै ॥ पैसैंकै
सैकहोंग्रैसीग्रोरनिकीनारिनपैनीकेकेनिहारेग्र
तिनीकीकरिजानिहै ग्रालमसकविहमकहापरि
वानैंकान्हपारषतमहोसववातनिकीषानिहै ना
मिनीमैंजातिहीमकुंजमैंउरगारीहोतिरासिनिक।

ग्रं
२७

28
/
2

हैं ये कहें कामिनिन मानि है सनमुष इये सों है रीति
रहै रात तिनही पीठि दियें ग्रां षिनि में नीके करि आनि
है ॥ अंग अंग जगैं जोति जोन्ह सी उज्यारी होति कंजरी
उज्यारी छवि मानों चंद सम सो है आल मक हैं है मनम
न लो वटै ये बात रूप की निकाई ना की नहीं लगै ने सी
है और की पराई होतो आवति हो रावरे पै ना दिन की
कंजन को कंअ ओ रे ना वि वैसी है वहै भूलि ओरो भूली
सव सुधि बुधि हैं तो देषि री को न सदेसो कहौ कान्ह
कैसी है ॥ काम केलि वेलि सी सु केली कंजथा मस
री वदन की आभा जत फूल तु कमल है कहि क
वि आलम जग मग त आगनी के रवि की किरनि मि
ति कदली को दल है वडसो चमकि उसो चपला सी
चमक ति व्रज की भांमिनी कि धों रंभा की नों छल है
रूप की निकाई देषि हैं तो आई धाइ कान्ह पै सी ज्व
ती के पाप नी वन को फल है ॥ सवी को सरूप लैकै
सुंदर समे रोज आनि सोभा मानि सा चे भरि सारि है स
मे तिं की जोवन की जो ति अंग मेन की तरंग तें सी सो
ने की सलाक न तु फूले फूल केत की कहै कवि आ
लम करि ती रानि चालि आलि के सें जाति वरनी हवि
ने हरि चेन की सादों मानी कंद सो है पंच सो हे रंग ओ

गीवाकस्वरगत्रनरौटासोहै सारीसारसेनकी ॥
सारीसेनसोहैनघनपुरकीग्राभासेनचंदमुषीय
रैश्रंगवोदिनीसीचंदकी उवजउनेगसानौउभगी।
ग्रनंगग्रावैकसिवैटीश्रंगीपावगाटीजढिचंदकी
कहिकविग्रालमकिसोरीवैसगिरीजगीजगकी
उज्यारीप्यारीप्यारेनंदनंकी सभरिनितेवजेचवं।
भाकेमेषंभवल्लिमेंदमेंदग्रावैचलिमदकीगयंद
की ॥ ग्रादोश्रंगनिपटसटानिवानिटानिठईगोरि
सेकटोरकुचजोवनकीटेवहैगुणकीगंभीरग्रति
भारीयेजचनजगथोरीहैदिननिगोरीरूपरंगजे
टिहै कहिकविग्रालमदिषाईदुरिजाईग्वालिय।
रीचरीमारिमारिमनहिग्रमैंटिहै सीषीमैंकहति
वातनजगमगसुसकांनिकोलकेसेपाततैंनपान
रीश्रगेंटिहै सीमफूलसीमथहौभालटीकालाल
नसैोकछुसककमंगलमैंभेदुनविचारिहौ वेसरि
कोचुनीजोतिघुटिलाकीहनीहातिवीरनिकेनगनि
नेरैयानकिवारिहौ सेषकहिस्यामविपहन्योको
सौदेषिसुषवेपिविसरैगीवेगीसपिनसम्हारिहौ
नभकेसनघनडरेंगेनहीन्यारेनैऊदीपकुडगागे
नवदीपनिनिहारिहौ ॥ देहमैंवनकसीहैलांक

हैंननकीसीहैनूपुरझुनकसीहैसूच्छविवढीहै
चालिगतिमंदसीहैलागैसुषकंदसीहैनिरषैतेचं
दसीहैकोककलापढीहै आलमकेप्रभुवाकोपट
तरदीजैकोननतेरेचितवसीवहैवाकेसमगढीहै
अंगनमेंउगाभरैसषीकंथवाहथैरेकंचनकेषंभ
मानोंचपलतावढीहै ॥ चंदकीमरीचभरसोंचढ़ा
रीसीचरमकंचनजटितजनरतनकीपांतिहै मू
षनकीआभाअंगसोभाकेसुभाइमिलिवाहैचक
चौंथेचितरविकीसीझांतिहैं आलमसुकविनेंऊ
चोहकेकुवनकान्हकामकेसंतापहकीहोतिमी
रीसांतिहै बोलतिचलतिचितवतिमुसिकाति
अतिरूपकीनिकाईछविऔरऔरभांतिहै माल
तीकीमालसीविमलपरिमलमईकिसलयकुसु
ममयप्रेमतीकीजातिहै मेंथेभीजीछुटेवारतिहिय
ऊलाइजाइउलेंभरिमोतिनिकेलरअरसातिहै क
हिकविआलमकुमारिवृषभानकीसुपसीसुकु
मारिदेषिछुतीपासियातिहै मलपहीकेलिअल
बेलिप्रफूलाइजाइकमलकलीजैंपरपरसतऊभि
लातिहै ॥ नवलीनहालेोआईछविकीउज्यारीछाई
ऊंनहैनगामगतिजोन्हकोऊजातिहै मेंहूपहिचा

नीउनिश्राउपहिचान्यौनहीं अजहूंमनोजहूसौंनई
पहिचानिहै कहेकविश्रालमनपसीकहूंदेषीस॰
नीरीकिरीफिरहैंहोकान्हूदेषेमनमानिहै सषहीकी
रासिरसरासिरूपरासिपेमीरोमरोमनषसिषपा
निपकीषानिहै ॥ ससिहैचकोरनिकौंभौरनिकौं
कौलपलमृगनिकौनादमयीसुंदरिसुजानहै के
लिकौकलपतरुसोभाकोसोरनिपतिकामकोपि
यूषपेनकामहीकेवानहै श्रालमसुकविपचिर
चीहैविरचिपेसीनैंऊहूंनदेषिलेहुकहांतमेंह्ता
नहै रतिकौसुभावपैंनमैनिकामेहावभावरेभा
पेसेरूरूसबगुनकीनिधानहै ॥ वदनविलोकि
माथिसषाकीविवुधिकैकुमुदिनिफूलीजासिकु
मुदकौवंधुहै चंपासिंधुमारसकरनिकौकिलाक
दलिवीजावेचलीनेसवहीकौमनवंधुहै श्रालम
सुकविसुमीकामिनीविचित्ररचिश्रौरकौनरयौ॰
वाहैनतौविधिश्रानुहै नेमेईगनानिश्रनिश्रातव
वतरहरितैमोईसरूपपकमौनोमोमसुगंधुहै ॥
कंचनकीवेलिननवानसेवटनदिमछिनछिनरू
पजोतिनैंननिसमातिहैं भागीसौलगनहिपोज्यौं
सौंडरकुचोहोनरगनिपरतिकरिहूटिवेरगनि॰

ॐ
४५

३१

है आलमसकविहविमोहतिमोहनीहैकैनैंकुतिर॰
कोंहेवाहिमरिसमिक्यातिहै वोलतचपलाजकैमे
नथ्यैकेमतुचकैमोभाकीरमालवालवरनीनजाति
है ॥ पहिरैंकसंभीमारीमारीमेनअंगीअंगछाती
छविचाहिफिरिबोंहहिचहतिहै हरापाइफेरिथ
विवेसरिसथारिकविकेकनकरतिफिरिमनउमग
तिहै कहिकविआलमकलतिकिरिठाटीहोतिआ
लनिकेमाथअलवेलोंहीकरतिहै अलगलगोलो
लोंवोलैउगडेलेअंमेंडगानिभरतिजनुलगमील
फतिहै ॥ सनिचितवाहैजाकोकंकनकोफनकार
करतकंकेलाईमोंउगतिजविदेहकी मेघमनिआ
नहैसफेरिनहीकान्हजेमीनिकमीहैरापेकीनि॰
काईनिपिनेहकी फूलकीमीआभामवमोभालैस
केलिधरीफूलिअंहीलालमपिमूलिजैहैगेहकी
कोटिकविपवेउतऊवरनीनवनेकविवेसरिउतावे
छविवेहकी ॥ अलवेलीवेसवालवंवेलीकीमाल
गरैंअलवेलीप्रीतिप्रियरंगीलीरंगसमगोअलवेली
वोलनिहसनिघुनिअलवेलीअलवेलीडोलनिमें
मोतिमीजगामगै मोनेकोमोछरीछविआलमछ
वीलीतियअंगअंगठोरठोरफिलिमिलीमीलगैमें

नैनिमेंमौंहनिमेंअधरकपोलनिमेंऐसोजाकोजीव
नजराउसोजगमगे हारहूकौंभारकैाहूंनसभावैना
विग्रलपअहारसवासकेअहारहै सीरंसियराइना
नैनानीसीहैजाइओलैपोनकेपरसप्यारीपानकीसी
डारहै कहिकविआलमनरंभाहूनरतिहूनमैनिका
धूताचीपेसीरूपकीअपारहै वनकविचित्रअवि
त्रनैनहूंहारपेसीचित्रकीपुतरीजिपाईकरतारहै
विरहीविलंबघागेविरहवियोगपागेप्रेमहिप्रती
तिहैसनेमहिनिवाहहै आलमसनेहीवेजदेही
केदहेनैंजोगीजैमिलेहूवियोगीजानेताहिहै कौं
यनिकीफंाकिचकचौंयनिलगाईजिनिकाल्हिनैं
कन्हाईतमरीफिरहेजाहिहै ॥ एन्योकेसीआईच
रपैविहैचरीमेंआलिदेहिरीकेद्वारलगिदीपकुन
वाहिमेंहै ॥ पानिपमेंमोतीप्यहरातिजैसेंप्यारपरव
पलटगनिप्यिरकनिप्योरीप्योरीहै वचनकेआगेंभा
इमोंहनिअगाऊजाइसजनीसमुफिरीफिआपभा
इभोरीहै आलमकहेहैहोविधिध्यानतेंउतसिआनि
पानकीसीकलीसीउलटिकटिजोरीहै फीनीआंगी
फूलकैडरोजकोकमावकसेजावकलगायेपाइपा
वकसीगोरीहै ॥ नवलनरंगनैनानकनाईभस्योन

ओं
रु॰
30

नुगीरेसुषसोहैअरुनाईअधरनिकीसरलसुदेस
केसनरलनरींनारोऊचलनिकलाईनीकैंललित
करनिकीअमरमूरतिकविआलमहैमेरैंजानैंको
ऊअमरावतीहैअरीअमरनिकी रंभाऊनमोवेपे
सेरूपकोअरंभदेषिसोभिनसरीरमध्यआभाअ
नरनिकी॥ रसभरीरूपनरीसुषदसुवासभरी
सोभाकेसुभाइभरीपैंनमैनकासीहै दर्पनसीदे
हप्रेमसीनेहकीनवेलिव्रजमैंनदेषीकोऊसुरपुरवा
सीहै आलमसुकविलैंनासोंनैंकेसरोजहूनैंफूल
हीकेभारभरीपानकीलतासीहै चंदनवडीपैंअ
गवांदिनीसीछाहरहीचंद्रमासीमुषछविहांसी
चंद्रकासीहै॥ सषिनैंसरसमुषसरसरोजनैंन
नैंनहूनैंप्यारीरूपरवनीरसालकी रतिहूनैंनीकी
प्यारीप्यारेकान्हजूकेपाछैंवैनीकीवनकमानौंडो
लेअलिमालसी॥ सारीसेतसोहैकविआलमविहा
रीसंगचलतिविशादआतिअतिआनूरउतालसी फू
लहीकेभारभरीसीसफूलफूलिरह्यौफूलीआवैफू
लीसांकफूलनकीमालसी व्रजकीनागरीव्रजना
थअतिआतप्यारीवलीवनिवनरूपवासवकीवा
लसीरासिकरवनितनिआरससरसमतिरसनाकी

धुनिवोलीरसनारमालसी गोरेगातनगहनेंजरा
ईकेजरामगनपेसीकविश्रालमहैजोवनसुमाल
सी दीपतिनवीनगायांमनिपटकीनेमानोंकंचनके
भेषमैंदीपतिदीपमालसी ॥ मृगमदपोतिफांपि
नीलंवरतऊजोतिधमडरफाईमानोंहोरीकीसी
फारीहै लैचलीहौंश्रपियारीश्रंगश्रंगछविमारी
श्रारसीमैंदीपकैसीदीपतिपसारीहै ऊजरोसिंगा
रकारिजोंन्हरीकौसाजकीनोंजोन्हरीमैंजोन्हलसै
सुधासोंसुपारीहै वारवारकहतहौंप्यारीकौंछपा
स्याईकैसैंकेछपाऊंपरछाहीयाउज्यारीहै ॥ वो
रमाईरीकिरावेप्रीतिसुविप्रेममांचेंश्रेसेरिफवा
रिकौंगिराइगईगैनही श्रोहानहियारेसुनिऊदा
श्रलविलीनानिषिलीएकसंगानेमहेलीश्रोकहैन
ही वीराबाइसेषभनिपीरेपीरेहोइजिनिविरहकौ
भेदवाकैंमूलहुभिदैनही वैनहीमैकान्हकहुमे
नकीसीसुरिफारिमैनहीकेरावरेसुनाऊंनानोमैं
नही ॥ सुधीघनिलागीदरोनवलागीफिरोकरोने
रीमनमानैंनवमेरीयहैकान्हहै कान्हिहूकावेदी
श्रान्हहसिचरपेटीमिश्रीमानुभयोवाकेमदनको
राजहै सजनीबुलाइमचमौजेलैनचारीश्रवसोंह

करौसाजनसमीपहीकौसाज्जहै सोऊोवहैवातजा
कौरातिपीरेपातनभयपक्षीऊौनहीकान्हतमैंहरीऊिव
हसाज्जहै ॥ रसमेंविरसजानिकैंवसिकोजेआनि
हाहाहसिमोसोंअचवोलिहोतौलरोंगी ओरनिकैं
आयेनाउआथीरेंनिदोरीजावरायात्हकेसंगयेनआ
थीडगभरोंगीसेषहोनत्यारेपेतीपीरल्याईप्यारी
तमअहीहोविरहवषानेंपीरहहरोंगी आजहनअै
होकौऊआलिकाल्हिजैहैमोहैपेरौंलगिहौंहीवा
केपाइजाइपरोंगी ॥ निफऊनरेविफऊकिवाररऊ
फकिआवादेषीकहीकीलनिकीगाईकहतातिहै
पानीतैंनपैंडेतहकैपानिनपसारैसहकैकाजरसी
आज्जकीअंध्यारीकारीरातिहै प्यारीपेपदावननमे
रीपीरयावनहोप्यारीतौतिहारीपीयनमहिपसा
तिहै देहकोपेदेषेहारग्रहच्छांडंपनीवारमिहरीका
जातिकहंदिहरीलौजातिहै ॥ जाकीवातरतिकही
सोमैंआनजातिलहीमोतननिरछेहमिहेरिसघ
दीयोहै पेमैंदेषीआनकोऊमोनदेषीकान्हतमवा
केदेषमनुसमकहकेकोऊजियोहै केतौकहेवेये
उदवेधिवेकौदावनहीशोषअमोसावरेकहौरमऊ
कियोहै पीरोनहीप्रेमपीरसीरोनसिथिलभयोवी

रैनाहीबिनयेसोहीरोहैकिहीयोहै ॥ मोजीकीसी
ठरनिठरकिआपनेंनानेंकुनमेंहोरीलागीजानौगो
रीठरिआईहै मेषभनेनाकोहाइहाइकरोपाइपरौ
हाइदाइग्रेमीजिघकेंमेकरिआईहै मेहूनहीनेन॰
निमनेहूनहीमनमाहदेहनहीविकलवियोगज
रिआईहै फूठेहींकहनपरवसमलोजानहोसप
रवमनहीवरवमनहीवरवसवरिआइहै ॥ भोरी
वैसराजिजिनिभरपहोसाचीनहीकाचीप्रीतिजा
नैंजहोंकहूनेंनालगेहैं आलममनेहीवेजपैरेही
मैंवैरेहींहिप्रेमपैंउआपपैंउवैंउईसोंभागेहैं वि
रहनवेधेनाहीजाननमनेहीमीललोनीदेहदर
मनपलापलजागेहैं अजोंमस्मिभीजीनाहिहैं॰
मीममवसीवानेंवोलीटोलीहांसीकेकन्हाईदिन
आगेहैं ॥ जाननहोनमआपनेंहैहाथनाहीकहू
मनाघिनहीमेंषीनहूकेंषोइगोघरेंइनिउरवैठव
गारउसामलेनजाननिहैंडनिश्रमवनिउरयोरइ
गौ रोइवौहैकान्हसनौसोइवौकेनेहूनहीनेमय
हैपेमपंथआपउधपोइगौ आंघिनकेआगेनम
लागेईरहूतनिनपाछेंजिनलागोकौअलोगला
गहोरगौ ॥ मनमिल्योजासोंसपनेंहूंमिलिजैरै

ऊँ
३२
32

बलिहियेंमेनौहैकैहैनौवपतीकहाहांनेकी सेषभ
निश्चयमलगनिहिलगनिहिलगनिननतैसीघ्रा
वैनावरिभवरमदमानेकी जैमेंनमविधेपेसीगवा
रिनिविधीहैकान्हहैनराषिवानकहैठकुरमहा
नेकी वैननिकोमनौवाकेमनहूमेंनाहिनपेक
छुकमिनाईदेषोनेननिकेनानेकी ॥ रहेउठिको
रवाकेवड़रोफरोषाफांकेडहकरकोरेंटेकिचरो
फाकेदोरिके हनाग्रलवेलीलाजहारीतिननोरि
कै ग्रालमकहैहोचरीचरीग्रंदोचदिजाइचाहेंवह
ग्रोरपाछेनेनारोषेमोरिके नेंऊवलेविनेछोहड ।
भीहैकेऊजीवाहवारवारग्रंगराइग्रंगरीतिजो
रिकै ॥ परमभावतीलालनेरीमेंविकलदेषीव
चनसमभावैकछुडरिनमकतिहै कीनौकहामोसों
कहोस्यामहौवलाइलेउजानतयकथकीउरग्रनल
यकतिहै उरेमीसेनीरहोतिथिपज्योप्रवलपताल
महरभहरमिरपाइलोभगतिहै पकहीग्रयार
वाकेहियेहीरहतप्राणत्राटकलगापमनुऊंजकों
नकतिहै ॥ नीरमोलगैसमीरसमिकेंकहतिह
रविपुचनमारभयोमारभईमारसी ग्रालमग्रनं
गदाहकीनोहै सदाहननग्रंगनाकेंग्रंगग्रंगनप

तिश्रृंगारसीदुषनिश्रड़ारलाइसषनिविडाविजाइ
मारिमैंनडारिदीनीपीरीपीरीपानसी अजहूंलो
पाइयाइनोषिलीजैपोषिनारिसोवहीकेसोचसू
किजैहैजलधारसी ॥ तातीहोतिछातीछिनुजूड़ी
योहैजातिकछुतातीसीरीपीरीरातिहूकिनपर
तिहै आलमकहैहोंकान्हकौंनविथाजानैंवाकी
मोनभईकाहूकीनकानिहूंकरतिहै आगिसीक
वातिहैजऔरासीविलातिहैजछीनहोतिदेषैंस
घिवुधिविसरतिहै षंसवनिभीजैओपसीजैसेंसो
छीजैवालसोंनेपैसीलोनीदेहलौंनज्योंगरतिहै ।
नेमीव्रजराजनंनिकाजलाजननजितहाजहांवैठि
प्यारीजूसकलसषदैंनकी आलमचकोरविनुचं
दकीचमकजैसीचकितहैरहीनाहीआवैवातवैंन
की ॥ मैंनपरैंओंसखानिसानिकैसमनसवसैंन
तिसनावैसमकतिनहिवैंनकी रतिससिरातिति
सिरातिससिरातिनहीमारसवदनीससतीईस
तिमैंनकी ॥ विथाकौविचाकैसकानिहूंनजाम्यौ
कछुपीरीहोतिजातिश्रनतातोसीरोगातहै सम
नसहानेनोहिपैंहूनैहूंहोतोकरिनैंननिसोचांड
हेरेनहिनातहै कहिकविआलमविरहवाडौन

ऊँ
३३
33

मविनुप्यारेहरिकछुनवमातुहै नमहरेवियोगआ
रहकोऔरआवोपैसीरानिहोनिभईओरनीसेनैना
भेगआरासोउरातहै ॥ अंबरकीओटकैकेकोटन
कीओटकीनेपरनकफोटहैवयारिलागैवनकी म
लयकम्हरआनिरानिक्केरससानिनेऊंहीकेलागें
अनिजागैआगिननकी आलमसुकविकहैवावरी
कैऔगिरहैहाइहाइकछुआइकूफैपाकेमनकी
हमतौजननुअनिकरिहारीसवनमहीकहोञ
नाथजननजियनकी अनंगदहनवाकोअंगनस
हनिदुषअगनहिसीरीकरैअंगनहुआइके फूल
नलचंदनसमीरहनसीरीहोतिअनिहीनपनि॰
षकीसकलउपाइकै कहिकविआलमनरौलेओ
नवोलैवालनैननआंसूपारापरैवैरीसुरछाइकै मा
नोविनुनीरहिअपीरविलिरीलीजातिषंटकसला
काडुहराषीटकलाइकै ॥ वैननिसतोषैओनना॰
साछाणहनअधीनीअनिहोअनूपओपरूपतोषे
नैनहै । अधरमधुरपरसनरसनारसकामकेलि
मिलिसुषसोवेअंगअंगहै अवकविआलमविछो
होछिनुछिनुतियपियपियकहिकहैकहोकासे
सरतिससानीमनमनहमेंदेषिवोलेमेरेजानेपां

वहूंसमानेपांवरूपहै ॥ पियजकलागेहैविक
लजाकियाकिजाइएछैहूनकेहैकछुकामछायोहै
छलीआलमसुकविलागेमारुतनमरूरेश्रोरेश्रति
कैमरूरेश्रोरेडारिमरिहैश्रली जेतेतोउपचारेकीजे॰
तेतोईविकारहोतजानिपेसीवाननेतोहैंप्यारेतम
पैवली चंदनडुवायेनलिनीकेरसनापश्रोगपानी
पायेंजेसेंयजरतिहूनेंकीकली ॥ श्रटावटीहूती
विजछुरासीछवीलीप्यारीतुफकिफरोखातमका
न्हदाठेहेकहू उतहिगिरीहेवेसंजोनश्रालीश्रानि
लागेजीवनकीश्रोपिहंरीजपेसीरटरीटेकहू श्राल
ममयकछरीपरिवामेंहेगयोहेकहूंजोनपरेंनोर
हीहीकलापकहू ॥ पतिश्रोभयतेश्रजोनवेगिश्रे
होप्यारेश्रहोनिरदईनोहिदपानाहीनेकहू ॥ जरी
यैवटतितताकीजरीनजरतिकहूजउछैरहतेफिरि
जडीयेकहूतिहै श्रालमसुकविसपिपकोनपर
तिकान्हदेहनविकलकिधोंविरहदहतिहै सेज
नेपरतिभूमिवैरेतेंउरतिसनिपेसेवहराउतव
पीयदिवहतिहै उलटिलपटिलोटिलटकिलट
किजातेचटपटीलागेलटपटियेराहहतिहै ॥ जा
सोजोमनोजशिवनीजेनेंनहालकरिवहैसरज

ॐ
३४
34

रिझापतिहीढालनजरीहै विरहअपारनाकीपीरकौं
नपारपायौपियकेउपाउविनपोढेपासपरीहै प
नेपरआलमवसेनयहवैरीभयौविहसीवयारिला
गीतेहीविसभरीहै केकीकीकलहकलहकलम
लौमनकोकिलाहूकूहकिऊहकिकानकलका
नकरीहै ॥ प्रीतिकीपरनिवैरीविरहकीभीतिभई
हारेसवजतननजहालौजानिपतहै वेदनचटैन।
तिचटीसीवजातिसेघग्रोनग्रानभांतिउपचारआ
नियतहैं जेत्रहैनजरीकछूमरीजातिकेतविछुनेह
निरमोहीकेनमेत्रमानियतहैं चंदनुविनपेचरेवा
रिनीनवारीपरैचंदहूकीग्रापकोचंदोवानानिय
तहैं ॥ मेंनलपनारीजातिउरीपवनारिजुमेंपानी
कीपनारीवहओरभारिपूरिहै उसमेंपसारिकेउसी
रग्रानीसीरीकरिनेसीयेतमारचनमारहूकीपूरिहै
आलमकहैहेरोपहननननजरे···· वालजियकीव
देनजीवौजवनीकोहरिहै आसयहैपकहैउसाम
जौनहूयेंछिनुनेंकुकेनिघाहिवेंकोआहिवडीमूरि
है ॥ सांनोढकुराईहैजप्रवैनहीग्रोरवाररावरेजे
आपनेसभाउकोहूम्राउहौ मेघकहैउनकेतेउने
हेनेनाभरिभोहिफिरिमोहिनीविलेवबरमाउहौ

अवनचलैनौकिरिवलिनसकौगेउनिअंमअनि
कान्हकहूटाहूरनपाइहौ आइघरराषौवैठिचरनी
कौचेरिनानौचरीकमैंहरीचरनईचैठिजाइहौ ॥
नहूंआईहौहूंआईवहौटौरीआवतिहै ताकीकौन
गतिजाकैंजरैजियजरियै मूविकौगईनेआईनेऊ
इनहींकौंथाईजान्यौवैरीविरहविरोधेजाहिजरियै
पतैधीरधीरेअंहैवनेवागेवीरेअंसीटीलेपाइथर
नउपायकौनकरियै देषहूषनियके विशेषमरि
वौहैशेषलेषनाहीपियकेघरेषपाहिमरियै ॥
नीयकीकहैनअनमनीयैरहतिप्यारीमनुठैअना
हीमोईनारिअौरैहैभई ॥ चलऊछवीलेपियछवी
लीसैंप्रीतिवढैछपाकरछपैपाछैदिनकोउदोत
है सीतीयमतीईमैंननैनास्तिनअस्तिनैंअंसवाव
लतजनुसरितकोसोतहै पतीवेरभईमोहिआप
रतपतिउतमउतमविनतपैतनकनआतहै
हनैंमोलगयौहैअंगमनैंस्यामविष्यावाकीमनैं
मौतुदेषिनाहिहैंनोउघहोतहै ॥ अधरअधरविन
धरैंनधरतधीरमाधीमधानिधिवाकेप्राणकेअधा
रज्नू ॥ विलपतिवालामअवलषोलैलालवोलवो
लतिहैविलषिविलोकिऊंजवारन्नू आलमअलप

ॐ
३५

35

सांसरहीहैंसरीरसोंईननननिसषीराषेंकीनैंसवि-
सारनूबसनविसारेवैसमदनविशिषवसविसकी
लहरिजैसेंजातिविसभारनू ॥ हूवेतैंनटौरछोरेडं
टैनउठांपैंहरिकठिनहूटीलीनियवैठीनिठुराईकै
कोककीकहानीकहैनासोंकेहोकहाकहूंआलमग्र
कहिग्रैहैजानिहूंकराईकै ॥ मेरीनासिषनिसिषग्र
पनीसिषावैसिषसषिनकीसीषमौंडराईकै नम
होचनरचनरायोवैनोचातुरीहैवाहिचितचौरिलै
हिपकचनराईकै ॥ कहूंमीनीमैंगकहूंवाजूंवेदफ
वाफैरेंहैंद्वारकेंचनहमैंलटाइरीकहै पेसकेविसा-
रीस्यामपेसीवैसपेसीबामपहूकपपीहाकीसीवा
रवारपीकहै सेषप्यारेआजकालिअलिचलिटैषो
श्राइछिनुछिनजेसीतनछीजनकीछीकहै सेजमें
नमारीसीहैंमारिहूंविमारीसीहैविरहविलानिजा
निनारेकेमीलीकहै ॥ कीजियेनवारयहवारऔर
वारनारीनैंकुवारिलागीहैनेचारनेविसेषिहो षरी
हैनिमासीनैनोकरीहैविमासीमारिटमफूटिमासी
लाषभांतिलाषिलेषिहो जानतहोलालजेमैंहोन
हेहवालफिरिवालविसराईवेकीरेषअनरेषिहोपा
षकनेपोपतिहोपांशुरीसीराषीहैमेप्यारेफिरिला

गैपलराषअनिदेषिहौ ॥ पानकीसीपानषाये
हेमकेमेपानीन्हायेपपहुषसौंपानकियैपानिपहै
नैकाहू कोककलाकीसीकलाकोकिलाकीकल
कलकामकीकलोलअरुजेतीकलाओकही आल
मविचित्रहूरिआउहीरिफारआईआपनीहितूपै
जानिआईओकओकही लोललनाललितलला
मनाईललितकीलाललालवाकेलाइलबअब
लोककी ॥ नैंहूसौंनिहारैनांहूनेकुआगेंकीनैंवा
हछांहिओछुवननारिनाहियौंकरतिहै श्रीतमके
पानिपैलिअपनीभुजामकेलियरकिसऊविटि
योगाटोकैथरतिहै सषकरिआयेवैनावोलिकरि
नीचैंनैंनाहाहाकरिमोहनकेमनहिहरतिहै केलि
केअरंभाषिनषेलकेवदाइवेकोंपोढाजोप्रवीनसो
नवोढाकैढरतिहै ॥ कोरैआनिलागेपिछवारेषरी
जागेसोनिआमपासभौंनाकिंउसामनिकोभरुहै
उनिवमकीन्हैकान्हदेषननदीनैंकाहूमेंहूँवस।
कैहौनादेषैहौनदिषैहौककुवरुहै आलमविचि
त्रस्याममयाकरिआपमेरैवेऊतियाआवौवैरोउन
हीकोंचरुहै पापअपनापओबपापछुतियालगा
पकामनेनिउरमपअवकाकोउरुहै ॥ देष्योहैक

न्हाईतनवग्रैसीछेकैआईनौमेंकोटिकउपाइलाइज
नाननिजाईहै आलमकहैहोआजवैठैंहीगिरीहैस
निकहवैरीनेरेआनिवासरीवजाईहै मेरैस्त्रेसीमु।
रिहीजमरीजियेक्षुयेछेतुमेरनैंकठिनयहकैसी
मुरछाइहै सारैंडारैविसर्योविसारेवानमारीजस
फारेहंनमानैमानौचारेकारेषाईहै ॥ आवनहील
षीदालग्रनिहीविकलकछुनमनसंभारिकहका
न्हदेषिआईहै वैसीकोसवदकियौंविसकौवसेरो
सवकियौवासविसिपरनाकेछोनाषाईहै सोपैसे
उसुरिहीसंजीवनिधनुंनरिकौनाहपदिदिपकले
हरौनपाईहै कौनसुनिलालनवमेरसौजगानस्र
वसआसौपराइकौंहजननिजाईहै ॥ विरहकौ
मलजिहिसुरलीकेसारेमाईकौंनभईयोगिनिवि
योगिनिवैरागीहै एकवरजेतेगईदोरीसुनिवौरी
भईताकोवनवेलिमुरिलेनकैंतीभागीहै पावनग्र
मपीरआवनदेसरौनेहआजहीनेजरनिजहैयाहूं
सौंजागीहै मेरौकहौनौनमानैंनेरिआवलाइजानै
जागनदैलाईयाहिलागनदैलागीहै न्हदियौजना
ईमाईकैयौकाहूडीठिलाईआवकमिलेकन्हाईछ
तीयापरकनै याइलतगाइलसीमानौंकरमाइल

सीवारवारवाइलसीध्रमनीचविक्कते लैगइत्मि
वाइचरवालीग्ररचालिवैकौंहौंनहौंनदेनह्मनीवा
हिवफरिकतैं दोह्नीवौउारिसिरमोह्नीश्रौउावि
स्याईथहरिथहरिग्राईकोंपतिषरिकतैं ग्राघुन
दहीहौंपा ··· दाहकोविलग्रमानोंजानिहूफिरि
कवतिऊवानिसोंवावरी ग्रालमसंनापतनना
कैकहूंनीयकोपैनाकौंनेऊकान्हनाकौनोहिक
हानावरी नन्तुनीकीइगकोहैमुनिहिऊलाइपैस
मुरलीकीमननऊलायैसीमउावरी प्रेमकोंपरा
इलीजैविरहकौंवांटिदीजैनेहकोनिहोरोकीजै
बीजैवितुवावरी ॥ षकहैकिवनुसांनोमलपरी
नतुनेरोकहाभयोमतुकाहिकोनैवसिकीनोहै
नकीसीयोथकीसीहैविनवतिवकीसीहैछली
हैकिकाहकतुमंउपढिदीमोहै ग्रलमविकलला
गीनैनतिकीदोरीलागीमेनकीटगोरीलागीनातै
नतुछीनोहै षहईसठोरयहैपरवसवौरईहैहौं
नईसुयोरहिनाकौनाउलीनोहै ॥ हंसेहसिदेर
वौलेवोलेपैमेयानैंपहिवानीकेछपीरीपीरेभई
ग्रालमकहौहोपाकेहियेकीपुराईदेषौकैसेकैड
राईमाईप्रीतिकान्हसोंनई ग्रवन्रनमनीहतीस्रे

ॐ
३९

37

सवाभरतिदाढी ओंचंकाहीधाईआइमरिभुजहैल
ई रुछौंतिहियंसवाकहोहोकाहेकैसेआसूपलकै
पसारिंदेइसनरीतुपीगई ॥ रुलीसांफकौंसिगा
रमृहीसारीजहोहारसौंनेसोंलपेठीगोरीगोनेकी
सीआईहै आलमनफंदफेरिजानहिहेवंदसधी
नंदभौंनदीपकजगाइवेकौंलाईहै जोतिसौंजर
तिआभोडुरेनैंनान्हरेजाइचान्हरीअचेनभईचितवै
कन्हाईहै बातीरहीहोतीरसमानीछविनीगुरिपो
रीहैभईमतिओरीलगाईहो सखीनतुलावै ।
कान्हसुधाहितलावैफकिडतियोंनिकारीवीनिवे
गिहीवगरैने होनईहोहांतीकोंकहोवाकीहीस
होतीपेसीमानमदमातीहोंनवोलीझेलीडरतें तो
लौकंहूमुरलीकीघोरसुनीकानसेसुघपरीहीमेदे
हरीइहेलीभईचारतें पीरीतिहिकालहूतीपीरी
पीरीवालजनुसीरीभईसनिछुटिवीरीगईकरतें ।
आनदौरकानदेभीमनहिवौराइलेतीमुरलीकीधु
निसुनिचितहिनआनती कान्हचितपतेनोहोटे
ढिससकानीकततूलीतवरूषीहेकेसोंहीन्यो
रीनानती आलमकैहेहोकहूपेसीपैरविसासीहैरी
नानिवसभईवानकाहूकीनमानती मोसोंसुधमो

रिझै है औरनि सौं जो रिझवै है का है कौं हौं जो री नैंना।
जौ हौं ऐसौ जानती ॥ हियेन सिराउ विसराउ न वि
योग वर्सांगन मरू कै प्रेम पावक प्रजारी है याकु
ल के की वेकल की वेकी जहालौं मूरिछा वासरी विरही
न विस वेलि कै विमारी है ॥ आलमर साल मनजी के
न टसाल भए सोई मूल जीवनि सजीवनि हमारी है
औषधि हित वै नाहि वेद मन भावै जाहि भीर छाडि
वीर वैद पीर स हि प्यारी है ॥ काकी लाज का कौं डर
कौन आपु कै सो ब्रू कौन चरवसी कछू वान चर की
कहै मांस लेति हिय मैं सलाका पैसी सालति है का
न्हु विनवनि माई नितचितन कौं टरै ॥ आलम कहै हो
परवसन वसान कछू भागे हून छूटै इस संग लागें
हौ गहै पलकै तौ न्यारी की नी नीरट नौ विड्रा रिदी नी नि
सदिनु वैंन निमैं वैरी वेटो ई रहै ॥ निरखेनि चाहै नै
ई गोरी है कटोरी हम चोरी ही मैं चाहै ॥ पनजारी के से
पान है मैं ख भनि एक वार कान्हर की खोरि आप वौ
रहै मानुस कहो रतेई गाने है ॥ मोहनी सें बोलकारे
भैनी के डोल ---- लिवोल डोल वौ ऊ वट वारे वात
वात है ॥ नैन देखे स्याम के नैवेन कै सेस नै माई वैना
सन्है तिन्है वौ सैं नैन देखे जान है ॥ वर देखे वन देखे च

रीझवीजाइदेषेदेषिबौकरतनमनदेषिनअचानौहै
आलमकहैहैहोअनवोलीगैललागीडौलेवोलिकेवि
नैहैयाकौविनललचानौहै नैकुनैनाफेरिकान्हसैन
नहीहैमोननवैगैनथकीदेखकीमैंनहनीमानो
है चमकसीनालागीधाइमालउरउरझौआइवौकि
फिरिविनयौइसारसरजानौहै ॥ मेरोमोनमेरोम
नुओरैकछुभयौजनुपलकैनलागैजागैओरैनैंना
हैंभये नेहाइनीनैझाटीविरहकीपीरवाटीम
दनकीआगिराटीरोमरोमहैनये आलमकहैहो
भूलीभोरहनेआइहारेफूमिफंकिकान्हदेषिनेकु
हैलये लटपटीपेचलषिचटपटीलागीअंगल
टपटेआपलालमोहिलटकैगये वनमौंवनिकै
वनवारीव्रजमोरिआइवौमरीवजाइवौपेवनिता
विवेककौ हानिप्रनिथीइवमकामधामकामतजि
रीकैप्रमआलमविलोकेवारपककै उफकिफरी
घाकिरिवाहिवलीआलीवरटगिहौरकान्हरहेट
केप्रीतिटककेभ्रकुटिकुटिलचललोवनतिरीछे
नीधमनुकटिगयौमकराछिलायौंमैनके ॥ आग
नरीघरीहोमगनभईछगननस्यामअंगनीकौवा
कैसंगहीनगौनीमै ॥ पोरेंहीनैधाइप्रकिआलमआ

पीनकविहियैयकपकीहैनपीरजहैयौनीमैं अं
वलकीओटमैंदगंचललगाइनैंऊमोहिगयोमो
हिसखीचपलचितौनीमैं ॥ मनुखऊलाइनतु छि
तुछितुजाइजरिवतुनसहाइपतुयाहानैंनजाईयै
वेटककरनजामैंतियकौमरनतेनोलाजकौहर
नतैंमौंकोऊललजाइहै नादिननतेऊंजहीनैंभाजे
जोरस्यालसमेरोजानवोविचिनअजहूंभजाइहै
राजीवटगमितेरेराजभविलोकिहमरीफिवसभ
ईरीककहूंनपराइहै ॥ घरोईडनोमैनोलोंघरीयै
विकलकीनीमेनुहरिलीनोहेरिअवननैतेगयो दे
घैनअचाईनैनालाईकरलाइरहीविरहवटाईजिरा
मानोविघदैगयो मावरेमेगानेकविशालमसरोज
वघअवानकथाइअवथागनहीकैगयो भोरीकरि
भोरभोहाफोरियाहीघोरिमखीनैंऊमुघमोरिपेघ
रेरितियलैगयो ॥ जवकपोटदेघिमिजहैंनोभयोदे
घिविजअजहूंलोविनकौअवेनवतगाईहैरिफीहो
तिहारीइननैंननिकीरीफिकौनकौनमरूभरति
रिकाइमरकईहै हेंघटकीटिगवापिभरऊटीइटा
इसेघमेंदमुसकाइचपलामीकौंपिगईहैनमसो
पिवाहीकेसिधारेऊंजमपापुंजमोहिकान्हचीप

ऊं
३५
39

कपोलैंछबिभईहै छीकनहैंगाईज्ञवामांवरेसोंभे
टभईसरकसीटईरीसभाईसोहैहेरिकैं आलमन
नीरैआवैडुरिवांसुरीवजावैदाघेपरलोंनलावैरहो
सुधफेरिकैमनुसंगहीलगाईगयोसुधिविसराई
गतिगननननगाइऊचेसुरटेरिकै नवहीनेसुधिना
हीरहीकछूमोहियमांहीअननननागेहीरहैअवसे
रिकै ॥ चंदकोचकोरदेषैचंदाविनुछिनुलागति
अध्यारीहै आलमकहैहोआलीअलिफूलहैनवलै
कांटेसीकरीलीवेलिपेसीप्रतिप्यारीहै कारोकान्ह
कहतिगवारोसोऐसीलागतिहैमेरेवाकीस्यामता
इलागतिउज्यारीहै मनकीअटकनहांरूपकौवि
चारुकहारीकिवैकौपैऐसोरूहजकन्यारीहै ॥ ये
रोकरौजिनिसोंनेवैरनिसोंनेवैरनिभईहैयारिनि
निहीकेआगेवानकान्हकीकहतिहै आलमसुगा
इकोरूगारीलाईजेहैनवउनहीपिलोमीजाइपेसे
उमहतिहै पलकैउचाटिनैनाहूकचोंरोहोतऐसे
शोचकविनैपाफिरिनीचेकौनवतिहै ॥ हैनवम
नमाभेनैकुटहरैहैफिरिउरीठिरहराइयेवरटाह
रवहरितिहै ॥ चरैवैटचैनकौजैउनरुवनाइली
नेऔरवनीयावनाइउपजैनईनईनैऊवाहैसुस

कारवह्नैनचाहैजाइपलकैनवाउलीजैटगट
गिसीलई नवलैंसयानुअभिमानुकविआलमहै
जैलैंआलीनेकुघोरिकान्हकानहीगई वापैनेन
जानआयौकौजनवाहीकौभायौवननचितैयैनेऊ
नतुवाकीभई ॥ कहाआईवैरिनिविसषीनकौस
पिदैंनसषिआपवुधिजाइसषिवुपिहरीहै आल
मघआलीनंनोकाल्हिहुतीभलीआजलालकी
सीलगनिधुलानीविसभरीहै मोहिदेषिमोहन
कौमुषदेषिमोहीहौसमेहहैकिवेहूदेहदीनषी
नभरीहै वारसिसिरानैंनैंनावरसिसिरानैंनहीं
गहिलीगवारिअजोंपहिलीयेयरीहै ॥ निघर
कभईअैनगवतिहैनंदचरआरवौरकहूटोहैहूंन
अहूरातिहै पौरिपाछेंपिछवारैंकौरेकौरेलागीरहै
आगनदेहरीयाहीवीवमेंउरातिहै हरिरसरातीसे
घनेकहूंनहौतिहौतीमैनमदमातीसमुफैनदिनरा
तिहै नवनवआवतिहैनवकछूभलिजानभलो
लैनआवतिहैऔरेभूलिजातिहै ॥ जवहीनसुना
नैहैसषिविसराइहैचवौडारिऔरनिकैसंगचरआ
इहै गोमघरीगोवैघरीकौंपैष्यरष्यरघरीजइहैरह
तिकहूजरियोजनाईहै आलमकहैहौअवहीनैं

ॐ
ध॰
40

रिझवारिभईइहैरैनडराईमैमैनौअवलौडराईहै औस
निकीप्यासीभईकान्हननदीढिटईगागरिभरनगई
नैनाभरिल्याईहै ॥ ढिगचल्योआवैअरुठकादैनदी
लीवोहटोटाअमैंटीठनाहीपैयनडगमैं नागरीआ
गरीहमनामैंलेगरायौंकरैपैमोकान्हनागरहैव
सननगरमै नैंकहूंनकहौकरैकरैजैसीमनुथरै
आलमनकाहूउरैटैष्योअवगरमैं वहैसनिपैहै
पैहैदैहैगारिवारिनेकुन्हप्ररनिवारिनारिनैदकेव
गरमे ॥ अटकावैमनुमनरावैतननटआवैहटकौ
नरहैहारीनिपटहटकिकै पटकनमटुकीफट
किफटकनपटविचटछिटाकछूटिलटमैंलटकि
कै आलमटिकापेंडीटिरिकैयोटोकिटोकिभुजटक
टकीलाइटरिगयोमोसटकिकै कटिपरपीनसट
कारीमोटकरननचटपटीलाइटरिगयोमोफटकि
कै वांसुरीविमटवंसीवटकोवमेरोनहांत्रिवियव॰
यारिवनविशारदवहतिहै वरनविरहकविआलम
किवियवरवारवैषहिकिमानौंविरसगाहतिहै वा
रिजवदनीविरवौहैवैनवानिवाकोविप्रुनवचन
सनिविरचिरहतिहै वारककहतिविलषोहीहैं
हीवारनईवारवारअचमोमैंवावरीकहतिहै ॥ जि

पकीकहैतिअनमनीयेरहतिप्यारीमतुडोरनाही
सोरंनारिश्रोरैभईहै सतनपसीजैडरश्रसश्रनिभी
जैछीजैकहौकहाकीजैजानैठगामूविहैदई श्राल
मसकविटिगहमतिसहेलिनिसोंसपनैसोंदेषो
काहूश्रपनाइसीलई विनुकीसीपुनिसनिनैंकु
हीकरोषाकोंकिश्रकलविकलकछूवावरीसीकै
वावरीसीह्वैगई ॥ गौनकेसनतरहीमौनसपिवु
पिभूलीपीरीपरिश्राईप्यकिवीरीरहीहाथकी वो
कतिवमकमतिपाछिनातिमरछातिननताहीछि
नुश्राईउरलाईलईनाथ्यही रहीहीनवाइनारिसछै
नपियारीकैसैहूकैडटाइमवमाथ्यही मुषतनहै
रिहूरवरेगहवरेगरैंऊनरुडमासश्रासूश्रापपके
माथ्यंही नपनपनेहूनपसषनपनपवननवला
नवलंनीकेपारसपरसंही करवकहस्कोरवीरी
भरिहरिकरिवीरीदेनकरवरकरनिकेरसहीं री
फेकविश्रालमसभाईवनराउनिमिभोरभपपमे
टगकोरलोदरसंही सारसमेमरमेमरश्रसोंहै
रमेरसिकरसिकसंगजगेरासरसहीं ॥ रजनीवि
हानेडटेदोऊश्रामोंहैंश्रागरायेरसिरानीनैसेमो
हनमनोजहै श्रालमकहनपलकोरनिकटाछ

देषिभोरहीफुलनमानोरातेईसरोजहै सहजकीअ
रुनाई अरुनीकीनरुनीकेअधरनिरेषाजेउपमा
केचोजहै कुसुमवक्षककीओलीकैसोहैप्यारीपि
यनैननकेपरमलागेंवरुनीकेषोजहै ॥ एकसषि
बोलअनबोलीडोलीडोलीफिरैकांहूफीडुलनिम
नमोहनडुलायहै अंतरहियेकेनेत्रीकेसमेत्रभय
ऐसेमेत्रकान्हलेकटाछनिपटाछनिपठायेहैं है
रनिअहेरीनेरीगोनकीअहीरीनेरीहेरीहेविमन
सोंअहेरैकरिपायेहै जाकेनटसालनाकेकैसेंढ्कैहैं
हालऐसेमैंनातेरेलाललालकाकेलोहहाये है
जनमडुहागीजिनिदेहरीयोदेषीनाहीछिनमें
सहागीभईऐसोजाकोभागहै मेरेहितूकैसीज्ञ
पियाकेहितचितनहीहोंनताकीआलीजामैंविर
हवैराग्यहै मेषप्यारेनेरीगानिकहननवनिआवे
नैंक्याचरेहोनहीपेदीनोआरदाग्यहै अवहीकीघरी
मैहैचरीकिपहरमैहेंकनपीरीजाननेरोकेनक
हुगाग्यहै ॥ कामीओपमैनहकीमानिनीकोमनु
माहिम्याऊन्त् मेघमनमोहनकेमोहनकेजंत्रमें
त्रमोहिनैनआवैनैविथानापैनपाऊन्त् आघनने
लेनहाथचंद्रावलीसोआवेमाघनदिनकेनीरवीर

उलटिवह्याऊन्न ॥ प्यारेकीप्रतीतिभयप्रेमकौप्र
कासप्रतितातेरसरीतिप्रीतिप्रगटजनाईहै तैन
कसौमेनलह्योमैंनआनिवैननिकीवैननिकीरी
तिसववैननिमैंपाईहै कंपकंपस्वेदकछुभौंहनि
मैंभेदमानोनेहकौनिवेडदैकेलालनपठाईहै वा
लीकछुश्रोरनेउनालीवनमालीकसौंनोहिवन
मालीकीसौंआलीवनआईहै ॥ दीरघउगारेसेवेडें
लैमनवारेसेवैकारेकारेतारेमानोमलिनअलिन
कै आपअरमानमैंसफूलैंसुसकानमैपैरानीरा
नीरैंषैछोरअरुनकलिनकैं आलमअलोलहियैं
केसिंकीकलोलकियैंमानौंदीपदीपननकजल
मलिनके मोहनप्रनछिपीयदहनसलहनप
आलीनेरेवछुनमैंलछनमलिनके ॥ गहरुकर
तकनगवनेहौगिरिधारीरीफिहौतिहारीसौकंह
तिगजगामिनी भलीकीनीभोरभयैंभलेवनरा
ईसवराषेभोरलगकहौंकौंतुम्रैसीकामिनी क
मननवनेपटलमनकपोलनषहमनदसनड
तिदमकत्योंदामिनी मरगजेवागेंरसपागेनैना
लागेआवैनीदकेआरमइंदीवरनिंदरनेहौपिय
रीवरत्नुभयोहिपरीछुवतमोहिसियरीलगतमौं

ॐ ५२

42

सौंतिपरौकरनहैं आलमसुप्यारीतिहिपैसेकैप
ठायनमजाकेदिनप्रतिउठिदुगानिढरतिहै क
चमकरायमधुकरकीसीमाललालमुकरविलो
केंकनमुकरपरनहैं घरीघ्ननघानिद्वैहैवीरीपौ
नघातिद्वैहैकौंकिफौंकिजांतिद्वैहैनेंकुभयप्यारे
हैं सेषकहिउनकीसिषाउपठयहैपीयफकदें
नआयेनमहीयेंफकिहारेहैं वोलैमैंहैंमैंहैसौ
हैंजौरेकौंतुभौहैपैसैपाइयारीतांकेनाकेपाउपर
वारेहैं प्यारीकहैनाहीसौंजरावरेसौंप्यारेकहै
आजकाल्हिरावरेपरोमनिकेप्यारेहैं ॥ केरहैगी
रोमवेजकोहरनैंकोवरीहैश्रेसौकौराब्बारिकन
भोराभोरआयहैं शेषकहैजागेकैनिमेषआवै।
लागेजिहिरागेअनुरागेपेमीभांतिनाहिभायहैं
पाछिलीयोजनिपहिचानिहीसुनाहीजनुहाहा।
छलछलेपीयपाइपरिपायहैं लटकिलटकिल
टकनभपहियैलागिलहकरुऔरमोसौंलाटपा
टलायहैं ॥ स्यायेमीठेदहइतबीकनेसनेहवि
नपानी कीमीठेदपेनवैंनटहरानहैं आलमअ
पारेनैंनाकाहूकेपनेगआनिगाठियरेनैंननिलछैं
नआननानहैं लोभीरसछलपैसेरछनकेवेवि

येज्ञलछनसदोसलाइआपअरसातहैं। डोलेडोलै
वोलैवैनजीपसनोडोलनिहैंपीपरनिपातेंभपपी
परकेपातहैं॥ ढीलीढीलीडगेभरौढीलीपागढपि
रहीढरेसेपरनपेसकौनपरढहेहैं॥ गाढहैंहि
याकैपीयपेसीकौनगाढीतीयगाढीगाढीभुजनि
सौगाढेगाढेगहेहैं॥ लाललाललैलोइनउनीदे
लागिजानसौंचुकहैसेषप्यारेमैनौलालालले
है रसवरसौंनसरसौंतअरसानगातआपआन
कहैवानरानकहारहेहैं॥ जमसीअनैयाअरै
जागतजैजाइनिअजामिनीकेजामजिनजौंतेज
मजालसे आलीपैनअरौअकुलाइहैंअकेलीअ
वआलमपआलिकाहेंआलीपैहैंआलसे आरसी
लैदेषौअरसौहेंहैंरेसिकरससेपसेसीसकेस।
भेसअलिमालसे अपरललितलालभाललाल
पागलालनैंनलाललालचीशलालसे॥ वैनक
हेहरिसुरुन्काइसैंनरहीणकिगौंनहीमेनैंउरफा
इकैरिफैगए औरंहीकेभौरेआपभौरमैरेभौंनका
न्हफाकेपीरेसीरेतननातोकरिनैगए वैनिअव
आईसुलिसजनीनलागेपलरजनीकेजागेंदिनरै
निजागेदेगए सुलेपलकोरनिनैंनामरसभोरवैं

ॐ
पर
43

मैंआपुनउनीदेआपमेरीनींदलैगए ॥ भलीकीनी
भांवतेन्हूपाउधारेडहींघोरिग्रननमिधारेकिवसा
नपाहीपुररहो ग्वारिकाहूगोपिकेघरहेहोसवगुनना
निग्रोगुननजानेंनमसवहीकेयरहो आलमकहै
होचषवारिविनचोरिलीनोकीनीचतुराईकाहूभू
लेंनवरनरहो निकटरहूननमपतीनिठुराईराही
प्रवहूमनामेंकान्हनिपटनिठुरहो ॥ जीवहैजान
नमैंसेअनदेषेडुषदोनजमनानेग्रावनहीदेषोजा
नजवतें भौननस्हानहेउसासनिविहानदिनर
निपतिअंगानिदहूनसननवतें आलमकहैहोपा
रेकान्हन्नतोपीरोहूफिरहविहूंनेवदनुदिषेवोकी
जेअवतें ऊंचेवितवननाहीनीचेमनमकानजानतर
नीनिठुरईकान्हकोंनेवदीकवमें ॥ आवनपरेषो
जहाजियकीमनजानेकोऊजरोपमोवननहाकेसे
करिरहीये कालिंदीकेकूलंननकिटोकिसूलमूल
मईमुरलीकीधुनिछिनुमनिपेनसहिये आलम
कहेहेहोकूलनानिगईकानिहईविरहविकलभई
कोलोकादिवहिये ॥ कामोंकहोकहेकोऊपीरोन
वरावेताजेंत्रपरीभईहैकान्हककुवेनकहिये ॥
औरनिकेआंगेनाचेआरईग्वारिमोराचेंहमसोंके

नीचैमुषकरिचौकेदिषाइये सुयेकरिनैननबोलिवैं
नजामैंवाटैवैंनमैंनकेउदोजनचाहवांसरीवनाइ
यै नितनमिलनकविशालमहोजीकेप्यारेमीन।
चिनपरहितवतीश्रालषाईये जामैंनैंदगपोहैसो
हिनाहीसोदगौंगीमोहिकौंनहैदगोरीनेरीमेहि
यौंसिषाइये ॥ देषियेनभाषियेपेमनहीमेराषि
येयेश्रंगनहैंजेयेवोलोषेलोनामैंारसहै श्राल
मकहैहोकोऊतनकीनपतिहैरेचिनयेसिराइ
नाहिंहैवडोजसहै श्रौरनिकहावहूतनपरप्या
रेपीयपीरपरहफतनरहेपरहसहै होंतोत्रुप
रहीजानइनीनिठुराईकान्हतेरेजीमेंवसीहेतो
मेरोकहावसहै ॥ तूंनोचितेचलिगयोचितहन
कीनीहैंहैमेरेचिनवहैंचिनवनिभईसालहै वा
वरीविकलचाहिदगीहैदगोरीवाहिवेरीवषवा
रेमुषयहैवातचालहै श्रालमकहैहोकहूंश्रव।
लौंनलागेमनलागेनवजाम्योहोनग्रेमोईजं
जालहै जामैंवीनेसोईजानेकहैंकान्हकौंनुमानैं
तेरेजीकीनहीजानेमेरोश्रेमोहालहै ॥ जादिना
नेनमचाहेलोचकहेपीरीकाहेपीरीनजनेयेपल
पलुनियजनिये श्रालमकहैहोगरजननमषीसो

तिसबग्रोरविद्याहूकैजोईकहैसोईकरियै हूंघट
कीग्रोटग्रासहूटिवौकरननैंनउमगिउसासकौ
लौथीरजयोंथरियै याकौमरीयतहैज्यैसेहमि
वौलौकान्हूपेसीमयाकरौगेतोग्रुसेकाहेमरियै
नैमैंडोलैपीरोपानलागेवानहीकेवाभईपैसैंत
नुडोलैषुनिपैसोईवरतुहै नेरीचालीपेसीभईपे
हौकान्हूनिरदईनेरेप्रेमभपैभयोपासीकौपर
तुहै सूथेरहीसूपेहैरिझीटिनैंकहूंनेफेरिनेकुप्र
नजोरैंनैंनाजियकौजरतुहै मनहिमरोरिमुखि
षगीसोपामैंहोनग्रोरकौमरतुहै ॥ मयाकरिवि
नैचितवोरिलीनौंहितकरिहित विनुचितैनही
यहैसोदुनितहै ग्रालमकहेहैघरवासमैजव
सीयिन्हैंनेसऊनवाउनिमिवामरचकितहै देषैं
टकलागेग्रनदेषैंपलकौनलागेदेषैग्रनदेषैनैं
ननिमिषरहतिहै सषीतमकान्हहोनग्रानकी
नविंताहमदेषैहैदुषितग्रनदेषैंदषितहैं वैना
मनैजरतिग्रवाकीसौउसीरीहोतिपावकटहैकौ
नेईग्रावकछुमियकेहूरहुगेदरमकहूरजमुप
रैपलफूलहैतेकौमलहितानेहारहियके से
षकरिप्यारेचिन वरकेनुज्यारेदियाकहैकहैनैं

ननिकेनारेकाहूनियके ।। कछुनसहानयेइदा
सपरवासजाकेवसफूलैनामौजीनेहूयेहारि॰
यै आलमकहैहौहमडुहूविधियकीकान्हअन
देषेइषदेषैंथीरजननथारियै मोहसौंविनैवाकी
जैविनकूकीवाहकैजूमोहनीविनौनिप्यारेप्या
रेमौननननिहारियै कछूवैकहौगकेअवोलईहो
गेलालमननकेमसूरेकौलौंमनहीमेमारियै
नमनिरमोहीलोगऔरेकहूहूफनहौकहापै
सीवानकोपरेषोजिषमानियै भावैसोइआवैज
वियोगीइषपावैजानैपरवसमभपपतोमनहिन
आनियो ।। अवनैंनाभामेलागेकैसैंछोलियनहै
नूपैंरेकेचलनमोईनीकीपहिचानियोनैंननिके
नारेनमप्यारेकैंसैंहोरूपिपपाइनिकीधरिहूमेह
रिकैनजानियै ।। वैदोकान्हछिनुहौवेउनहीकी॰
छोहकरीननुमनुपनुपनुकीजैनिवछावरी
नैंनपरहूनप्यारेपैंडोकरोपाउपारिपुनरिनिप्पा
रीलागैपाइनिकीपावरी आलमनिरीछेवाहिर
रैंकछुवोलैंलालमादिनानैंहौंहीयकीछकीडो॰
लौंवावरी मोहिहूगपमोहिनिमोहीहैनआयेयह
मोहनीकीघानिमुसिकानिहैनरावरी ।। नीकी

डीरहिश्रापुकैंश्राहृदैमैंकेदिषैपञ्जकैंमैहूनदेष्यो
नाइजेनोमैबुकरियै मुरलीकीधुनिसुनिहार
डफककहकाजमनकेचितवनिहीमैकापिजिय
डरियै लाजनकीभीरपलपैडेउनपावैमैवथी
रैमकविविचारपाइथरियै कीजेकहाकान्हर
कनौंडेह्वैकैजीवोनाहीनानौ पकवासमैडमास
लैलैमरियै ॥ स्वरपापासिरधुनिरहैमवस्वरमु
निनरषगपलगातिटारैनटरतिहै आलमसक
लनानवानम्रगामीनवेधिवेयाहूकेहियैजाईवै
धोईकरतहै वरहमकुटवंसीपरवनमालय
हवांसुरीसवदसुनिपंगाह्वैपरतहै ममकिमने
हीमपषहीमपनेहीछिनतेकनविदेहीश्रौरदेही
मौंडरतहै वासुरीविमारोमानौव्रजनवसैगोको
कविपिवापिवांसुरीकेचमकारिदईहै आलमक
हैहोन्याईनेंनदेषैमैंननवेकानसुनिकान्हपेमै
नेईनननईहैचितश्रनवैनेनमनामैंसुसकानहै
न्रीकिमरफाइकेनीतियगिरिगईहै हूमेंलागैं
रपासीसीडमासनिकीश्रासनहीरावरेकीहांसी
मैंनिसासीश्रौरैमईहै ॥ जेतेमुरलीनेंडरतेनेछे
रकीनेंप्रकजेतेरागनेनेदागरोमरामक्कीजियेना

ननिकेतीवेजमुवा ननिचलाइदेनचीरवीरअंग
नितनीरतनुकीजियै अंजनरकीमूनीचरमूनोंक
रसेषकहिसनिसुनिविसदवसैरोवनहीजियै
हूमव्रजवसिरैनोवांमूरीनवसैयहवांमुरीवसा
इकान्हमैविदादीजियै ।। म्यारेरहैौप्यारेअंगसंग
कीसगाईछाडैश्रीगुनगानईयालोगसोगनस
गानहै आलमसंयोगविनुवटनवियोगजेतो।
प्रीतिपथकान्हमनुनेनोतहराजहै औरनिके।
ओलेसुववोलिहोनरावरेमोंडोलीयेनसाथरहि
योहेरहीहियातहै जीजैविनुवाजोचितरासोकी
जेसेनतिमैनेननिकोनातोपैनहांनोकीनोना
तहै उगारेदेजाहिनटनागरचतुरकविआलम
वसैरोडुरिजैवोपुरवारिहै लीजैदधिपीजैनात
दीजैऔरकाजकीजेऊकैतेपसीजेनतुभीजेप
टूवारिहै जोरसविचारयोतमसोरसनजानेहै।
मगोरसलपेरीसवग्रजरीगवारिहै जैसेनम
आछेहोववीलैछैलतेसीऔरआछीआछीपाछै
आवैरीफौविफवारिहै धोरीआवैधोरीकहैछम
रीछमरिथावैफवीकैपछनिवलावैलालनाहि
नै" मंदीकैरीकनरीपीयरीघोरीभोरीवाफवला

ग्रं
५८

46

हौमजीटीवनवेलाश्रवगाहिनें मथिमोहैस्याम
सुंदरिश्रमरिनभूरीभोंहेवलिवलिमेघउपमाहैंदे
ऊकाहिनें गोविंदकोमनुकछुगाईनमेंरमिरह्योश्रा
गेंगाइपाछेगाइगाइवापैंदाहिनें ॥ पीरवनेंश्रधीरम
ईपीरवीरनीरभीजेमोचनऊचनपरलोचनवहत
है श्रालमश्रंदेमेंरहिभेसोंजीजेपेमेउसासनिश्रा
णकैमेकैरहतेहैं कहाकरोंमाईमेरेप्राणमेरेहा
थनाहीप्राणनाथमाथप्राणचल्योईचहतहैं प
लनलगतपलकलतपरतिनिमिश्रालीरीललन
कालूवलनकहतहे ॥ मेवामावपानदेवव
रितनवेतरोषकहाभयोकान्हजौकलेऊकहुगेंषा
तहैं श्रालमपवेहैजिहिवलिवलिमारिगवनके
वेधगरिवांधेमिष्टमानतहैं कहतश्रद्भरवनंदजूके
इषहरिकेरपनोषुनिष्टरनषुगनेवेईपानतहैं श्रं
चमरेकेवनहिहीगाहकोरतनहैकंटककोकां
रकहहीगावेथेजानतहैं ॥ वरहैनिकमिचरीप
कजोरहतहैंतोचरीसीभरतनेनपैमेपग्रत्तान
है वनलोपनारतपनारेमेहैरहतहैंनिमिन्यारे
नीरनयेन्यारे ज्योनिदानहैं कैमेकरिश्रालमसंदे
सेमपुवनकेलफूटेमरटूटेजलधारामेरेजानहैं

जवनदीपारहुनेग्रागेंसबनेंजेनामेंरेनवहीनेन
दीग्रबसमुदसमानहै ॥ नाकेजोगजोगियाज्ञ
गतिहीसंजोगजामेंभयातिसंजोगवसिग्रलषग्र
लेषहै मनकसनेदसनकादिशिवमुनिजनमा
रदहैं ग्रादिदैकेलागतनिमेषहै ग्रालमसकवि
ग्रानिब्रजवपुवेषधाहौध्यावतिहौनाकौनाकेना
हीरूपरेषहै निगमनैंग्रगमसुगमकविजान्यौ
तमनिगनजोब्रह्मसोईमगनकेभेषहै ॥ सोई
स्यामसेनज्ञसमधिकेग्रगाधिध्यावैसोईस्यामरे
निजामैनिनहिसमातिहौसोईस्यामपलकल
गेनेस्यामताईहीमैंतेनमयहोतनवकनपछि
तातिहै ॥ ग्रालमसकविकहैसोईस्यामवनच
ननारेवुनैंन्यारेनहीकनविललातिहौ तमंहीमैं
स्यामतमस्यामहीमैंरमिरहीबादिहीविकलवि
हवलभईजातिहौ कर्मकोविपापीकोहैथमैंकै
समाधिध्यावैग्रसुकैसनावैसतोब्रह्महीकेना
मकौ कैसेजोगजगतिसंजोगकैसौकहौयोग
ग्यानहूकीजाविकैसीध्यानहूकेधामकौ ग्राल
मसकविरहोहैरावनवेंदकान्हवितपवकोरक
होग्रननविश्रामकौ नहारसपरमसरसमुरली

ग्रं
५२
47

कौवो रतन हों ऊधौ सगुन निरगुण कौन काम कौ ॥
रुचिर चरननि चीर चंदन चरचि सचि सरद कौ वे
दवाहि चितन हिथरत हैं विविधि विलासवसरा
सब्रजपति प्यारेनेई ब्रजवतियां उचित उचरत हैं
आलम सुकवि अब वैसे कान्हू पे मेम पउत हिल
मानैं कि धौं इन हिठरत हैं मधुवन वसनन मधुर
मुरली की धुनि मधुपक वइ माधौ सरनि करत हैं
पतियां पठाये प्रेम पानतैं तो भले पै होनवतियांनि
विरह वितै वो कछु हांसी है ॥ आलम निरास वें
न सनैं कों न जोरैं ने न हिये को कठिन पैसो कौं तु
ब्रजवासी है ऊधौ पमें दें मैं जै पै वाही चितचोर पै
लै आपुन कठिन भयौ औरको विसासी है इहां लौं
न आवैनें ऊवासरी वनावैनें ऊ विन मैं गोकहां आ
पैजो पै अविनासी है अंषियां भलीज पैसे असवा
निपारैनातौ थारा पतिकू टै उहि दे मन समाति है
औधि दैन प्रेम को उमास रू पिराधी है सनैं कुलेन
यो म हू अंध्यारी होति जाति है आलम संताप स्वेद
सी विवैवा अथार कैयां हू फरी है कै देह फिरिषे हम्यों
उडाति है छाती येम गही वा वर विरह विथ्या की ऊधौ
पाती लिषे लेषनि में वानी वरी जाति है ॥ रतन

जटिनवेंसीवटकुंजनपुंजवीथीवनघनजहांतहां
आनंदपयोगीहै सोईरहेध्यानऊधौगपानकौनकी
जैपतौव्रजवासीव्रजराजकेवियोगीहैआलमम
कविकहेंननवीचकान्हविजोगेवंनआपनम
कहाहमायोगीहै जोगतौमिधैयेनाहिजोगकीहै
वोसरीसवदांसिंगीहरिनादहविरहैनाहिकोग्र
दृंसोनेईननमनपुनिहै विरहकीलालमाथेंसा
थेंजलनैंननिकौनिद्रावनभूषमाथेमाथेंगनगति
है आलमकहेहोउहिजगतिजगैसोजोगीअनिउ
पदेसहमसम्योहैनसानिहौ ॥ सोमिरनमेंनिउर
ऊरचउमामसहूथेजैसेव्रजवासीऊधौनैसेकहा
सुनिहै ॥ वाहतिसिंगारतिन्हैसिंगीसोमगाईक
हाग्रोपिकीहै ग्रामतौग्रध्यारीकेसेगाहिहै विर॰
हग्रगाधितहांमैनकीसमापिकौनजोगकहाभा
वैजोवियोगदाहदाहियै सेघकहिमौनमुद्रामोह
नस्यापवनमुद्रास्यापकाननसम्याउसूलसहि
यै लागेलगनैंकहकहजोवैरीनीरहोउऊधौप॰
नीवीचकीविचारवातकहियै गांसीजाहिसूलना
हिहांसीनहमापैंग्रावैपासीपरैप्रेमसानिसासीक
हियतहै मगनुपमानुसमरूरेमविसासमलेतप

रगटनैंमञ्जुडपासीकहियतुहै शोषकहिसोईग
न्हरिविछुरतनऊथौवावरीविकलव्रजवासीक
हियतुहै सरवासवचनविसारेसरव्याधिसोईता
नैंवडौवधिकविसासीकहियतुहै वारौंनैपलक
गेलगतविनुसोंवेरहोवावरेअज्ञानऊथौभलेउ
पदेसहैं नादिनतैंघरूसूनौंवनुहैदहनहूनोता
रैंनुसैंनोतिनहीजटाभपकेसहै आलसविहा
तछिनजानौंजानकोटिदिनकौनैरतिकोसमार
सरतिननैसहै हमहेतेस्यामहरिस्यामहमह
नैहरिवेतोआछेकाछेस्याममसषीमेलेभेसहै ह
फिकैस्रहफऊथौहोनपेसीहूफियेरजैपैभ्रसी
हफनौअहूफकिनिहूफेन्न फघनफररतफघ।
कनघिफावेफकिनमफकनफटोन्नफकौनन्न
फैन्न गनिवनयनमैंरआलमरहैहै ध्यानरीकि
कीरहनिमैंस्रहफकाहेसफेन्न अगरन्नगति।
नाहिजीजियनपेसीसनिभोगकीभुगतिपाये।
जोगकहियफैन्न ॥ सवदसवासरसरूपरसन
हीकौंनाहिकौंननोषटजैनाहिकोवियोगहै।
पकसगवेविकैसनेगमगपंचकानैंपवसर।
व्यापनसकलव्रजलोगहै आलसमकविभ्रसी

जगतिलषावैअपुतनकौसंजोगीकान्हजोगि
नुकौजोगहै अमितअगाधिरसभोगिनुकौभोग
दीनौसुनकौसंजोगपापजोगाहीमैंभोगहै ॥ ज
गहैकिजामनाकोमरमुनजानैकोऊविरहीकी
घरीअरुप्रेमीकौजुपलहै मेषप्यारेकहियोसं
देसौऊधौहरिआगैंब्रजवरिवेकौंघरीघरीहुत
जलहै हांसीनहीनैंमऊडकासीदेतजोगाननवि
रहवियोगाग्न````औरदावानलहै ॥ जोगदी
जैजोगिनुसंजोगिनुसंजोगदीजैराजभागः का
न्हजूवडाईसवदीजियै आलमअलषपानसु।
कतिसुनिंदलेहिदेवकविलासवसैयेमहिप
तीजियै रूपऊऊमिनिरसैमाईसत्यभामाकेहो
ऊविजाकेपरमपरेषैकनदीजियै विनतीइहा
कीइहैआहिवंसीधरजूसौंहमैंनेकुवरसरीस
नाऱमयाकीजियै ॥ वैतौऊधौपरमपुनीतपुनि
पाईयतभावनप्रवीनप्यारेपावनदरसजू गोट
कीअहीरीहमगोरसकीवासभरीघरीयैगवा
रिगुनरूपहीनरसजू कैहैकविआलमराजत
वैराजाकान्हराजनिकेराजागणारनपुरसजू
विसहौवमेरौवनवीथीअरुब्रजवासिनिमन

ॐ ४९

४९

भाईक्रुविनाअरसज्ञ ॥ मीनविनभीनभईछाती
गातीनातीनईपमैतापतियननतहैननवैगे ।
आलमतुलिनइनरानकैकलिनिमिलिदीनेहै
कलेसमसुधिआपहनोदवैगो ग्रीषमरूषमहैवि
षमअग्रघाटरूपौमायौजैपौनआपमनुभ्रमरज्यौंभ
वैंगे वधिवेकोहूंदनिवियोगिनिकौबीनिबीनि
आगवैरीवारदरविमामीविसववैगे ॥ प्रेमनेमग
हेनेहनातेनिरवहैयानेअवइनैकहापरीमहा
राजभएहैः कन्हुकमेदेमेरूपौमषकेमनादौ।
आनिहमससषमानौंउनिजेनेडुषदपहैं उहा।
कविआलमपुरानीपाहिवानिजानिजोगीसनि
आपनैवियोगीभूलिगएहैं इछावैरीविरहविहा
लकैवारवारमालनकरैजेनटमीलनिननप
हैं जवसपिआचैवननविनुसपिहोइवनुसपि
आपैमनुहोनपानपानहैं मेषकहिमरदरयनि
केवेगीनगनवासरीकौमपिनटमालगानहैं
नमकहौमामैंउपदेसरहमकपौनाहीजैसीपक
नाहीनैमीनाहीमैकमानहैं प्रेममेंविरूधौंनि
निराहाहियोरूपौजिनरूपौलाषवाननकीसूपी
एकवानहैं ॥ भावनोविरेमत्रिवैभामिनिकवन

नभांतिभवननभावैभ्रमभीननसंभरियै ॥ श्रा
लमलगातननहीपलनिमेंपलछलयसमानावि
नुपियपलुठरियै उमडतजलुरहीन्यारीह्वैडरा॰
रीभारीडोलतडगानिकहाउरियै हाथहीकैलीजे
लैकैदीजैब्रजनाथहाथऊधौदोऊग्रघियालैसा
थहीसिधारियै ॥ लीजैछपिजगातिग्रछनीछा
पत्राणपतिपरसीहैपलकपुनीतमेरीनासहै
श्रालमउन्हैनपरतीतिश्रौरपेमबिनुबेसीबिनुश्रै
रदौरकहूनविसासहै ॥ पतिश्रापदाईनमवति
योनहूफीगतिश्रौनिनारीब्रजश्रौरभयोवासहै
वासरउसासनिमेंश्रौसरीनपावैपलनिसिसुं
सवानिमेंननेकहूंउसासहै ॥ मोंडहोमलीन॰
कुंजघोषघोषघरोरईघीनेंमतुनलगातउदवसला
गेश्रानमैं विरहविकलगोपीडारीहैबैढौरढौर
मानोंश्ररमानीजागिरहीकरिगानमैं ॥ श्राल॰
मसकबिनेऊभनकौनपरीका नमेरीपेवनक
सुनिजानपायोप्राणमेंहूलहूबगातीलैसिथारे
मानोंरातिहीपैप्रेमोंब्रजरेध्योमाधौध्याहूकौवि
हानमैं ॥ मातीमधुकोकिलउदासीमधुमासबौ
लैस्वातीरसतपिनसुवोलीरहैवानकी सेघक

ग्रं
प॰
50

विभौंरीभौंरकौलगिगेजारैपुंजछानीनरकनिस
तिजवतीकीजातिकी रामरसस्रावैसुधिसरद
सनावैमानौविरहवसैनब्रजचरीचरीचानकी
चितवनचैनकीवेवांदिनीस्रचेतनभईजीतीहैज
न्हाईजितिकातिक कीरातिकी ॥ जाकौंप्रातपं
कजप्रकासैरानेनानेलागैनेसीयेऊमतिनाहि
नातीकौंहितातिहै सेषकविनाकेप्रफुनीदेमै
प्रफुतनेंनासौफहूंकीलालीमैनेलालीविलषा
तिहै वंदकीउज्यारीब्रजऊजरुकरतिज्ञदीप
कउज्यारीकूंतेजरीजरीजातिहै नरूनवियोगत
रुनीकौनतुनाउवेकौजेसोदितुनरूननरैयाते
सीरातिहै ॥ तारेतुसौंनसीपतिनाहीसौनल
फिनवेहैरतिजोतिसापरीहसौदिसिनातीहै
काननमैंनाइनैकुग्रानननउचारिदेतनाचीडारफू
लीडारहरिनैंसवातीहै वारिमैजोचौरैनतुलाग
तितुरतिसीनव्यारिजकीवेलेनविलोकैमुरझाती
है ॥ दीनकदहैंडीमिमिकान्हारकीवैरजातिदेष
कीकेहारहेकैकौंहविधिनीजिये जरिजरिरहौं
मेरीछातीवरिवरिरहै ग्रालमछिनुहोछिनुछो
नविनुछीजियै गाहरनलाउजिनिमोहिग्रकुलाउ

आउचलऊमहरमपुगाहीचरूकीजियै ॥ क
पिनकौप्रेमुदिषिछातीमैंलगापैंदेषैमैलागै
यानपछ्तातिहै विरियाकीचाहदेषिवेंबुहीनेंवा
रैयाषैंचेटुवाकीचाहविनुबुनेहीग्रवातिहै ग्रा
लमकठिननैगैहियैहौंमराहौंवंदरेहविछो
रैछाडिल्यायोकारीरातिहै हमनिरमोहीमो।
हीवनकेपावेरूपछवालकवियोगीकौंहविप
दासिरातिहै ॥ तरकनभाषनहैग्रवरकैतिहारी
मोहकाहेनेविहारीनिफनिफननहारेहौ तन
मनधनजिनपरवलिहारकरोजिनकेसमीप
तमसषमोविहारेहौ जैसेतमहमुहंकोविछ
रेमहातनाहनैसेतमउनहकोभावतनटोरेहौ
जीवनकेजीवनहमारैप्रानजीवनवोजीवनत
म्हारीतमजीवनहमारेहौ ॥ आपकाहुउवार
गायेवेगउटदेषौग्रानवाननीकीकहीग्रानंदस
थमेगाई केतकेदिनिनकीनफलमिटाईवेकौ
होहीमतिरामययारेदेषनताहीगाई कटोसब
सपनेमेकरनतिपाग्रौग्रालीदईनिरदईपसी
तरमदगादई जोलोभरिनिनेवेहमहरनविलो।
कोनोलोनेनछाउमीटवेरमविदाभई ॥ इंदजी

मिजंभपरबाड़वज्यौंअंभपररावनसदंभपरर
घुकुलराजहै पौनबारिबाहपरसंभुरतिनाह।
परज्योंसहस्रबाहुपररामद्विजराजहै दावाद्रुम
दंडपरचीतामृगझुंडपरभूषनवितुंडपरजैसे
मृगराजहै तेजतमअंसपरकान्हजिमिकंसप
रत्यौंमलेछवंसपरसेरसिवराजहै॥ दुर्गबल
दुर्गजीतेसिरजासिवाजीगाजीउग्रनाचेउग्रभौं
तिमुंडपाईफरके भूषनभनतभारेजीतिकेन।
गारेबाजेमारेकारनाटीभूपसिंहलकोसरके
मारेसुनिसुभटपनारेवारेउदभटतारेलागेफि
रनसिवनारेगाढथरके बीजापुरबीरनकेपोल
कुंडाधीरनकेदिल्लीउरमीरनकेदाडिमसेदरक।
के॥ बलककुमारेमुलतानपेलपारेकपिला
छायौपकारेकोईगाहतनमारहै रोहुचंदडारे।
घुगमानुचंदडारेतेगखैथारलौफारेदेखीमाऊ
कीवहालहै बलेनाउठरलौभगरलौमकर
लौटकबलवैयाकोईडुवारहैनपारहै भूषन।
सिरोउजाकेपरनपरगपपतिदिल्लीपतिपरन
परंदनकीछारहै॥ धायोधायोनाहरबरानका
लीसिवराजबडेबडेसूरनकोभारथ्यविनेगयो

पानीलिषभेजीकरछानीमाहनौरंगकोदिल्ली
पतिचक्कवैविनोतीमेवादेगयो भूषनभनत
जाकेवडेभुजदंडदेषपारथलोमवदलषंडन
किनेगयो वडेवडेराजाउमराउकैरहायहाय
पहीरहीपालिकपरेवामेवाह्वैगयो ॥ पंच
चोरनायककैहैपचीसवाकोपायकहैयांथेमन।
माहिमानोकामनानथिरहै राजावांधोमोहजा
लकामक्रोधकोटवाललोभलेगरहैद्वारपाल
मभलाललचीनगरहै गामकेनहीकेवारषुलेव
हेदमोहारनिमग्रथेरीभारीडरनेरोचरहै नि
सदिनपूजीजानषुईमेगनैरैनाहिकोईजागा
जागरेवटोघेरहाचोरनकोडरहै ॥ गंगाजल
नायोवडेवडेमोहषायोदारागजकोहनन्नानरा
छ्योमरनाईमे मलकविश्वामीमिननारायण
दीयोहैवीचरमोकरमकीहोनेमोहूतहैकसा
ईको लोककहैहपषीमाहलाजमवडोवगाई।
नकरीकोनायोंग्रंतग्रायोनकटाईमे षुकक
हैगंगारामकोककहैमद्दीनाथफोटरजेहूती
फेटलानषरजाईको ॥ मजलजलउमरछुम।
रम्रायोनिमिग्रंथयारीभारीमफननिमंककी

ॐ
५२

52

नैनैमेमसधारिवनवारिवनमांकमालेउरवान।
पंचवानकेनअंगाको कहनकविगंगपद्मिपा
पदावरयौकौनकरमकेपमेकौनकभोअंगा।
को लोपलोहलंगरमाऊरमहनछुसोजानहो
मतंगमानोन्रूपतभ्रनंगाको ॥ अंजनकोरूरा
नैनीभ्रवरउनारनहौंनेहीममेमोहिकानमे
निवारनहै छोनोछविलीकेमफिरफिरछोरत
हैमानोजंगजोरकैनिषंगफारिवनहै काननको
ऊरंगकटाछनछुरिकरानहगादिवानयो।निः
हारियतहै जमनाकेनीरतीरवधायलकोयेगो
पाललालनीरकेतीरकिधौनीरमारियनहै
वेदकामोभालभागभऊटीऊमानकसिमोन
कामेपनेमरनेनविलामहै नासिकामगंधवा
हमोमगंधवाहदाउममेदातकामेविन्नविम्र
हासहै भापयेमीग्रीवाभुजपानमोउदरगान।
हेमकाश्रीजामहै रेषीहैग्रपालपकमोपीका
मेदवालामिमैनेनेमलोनिमभमोयेनेमवा।
महै निमवामरवक्तविवारकरेमुषमाविक
हैककणाथनहै अगग्रंग्रहनिग्रहथरमकथा
मपतिगहमाथनकोगनहै मनअंनरजोतज।

गैजिनकेअलिवाहरभौगमोइगनहै मनहा
थमदाजिनकेतिनकोवनहीचरहैचरहीव
नहै ॥ नरुगाइअंधेरेकीरैनहुनीभयदाद
केमकटेकराहिको पिसनपिसनहिवकहा।
नरलहौअनपिसनहिअवनेउनहिको काहे
कौकाहूअजानहुतेनमजाननहोजोपानम।
हिको रैनदिनाचरआलकहेजोगाइमोगाइअ
वराखरहिको संदरहोगाइहूषभानकेविलो।
कयाउविरनिकोवाधोविथाविरहविलाकी
भुलजानपानषानरुचिरंगआनआनमानस।
कोचेननानहोइविनवाधकी ॥ कालहिगा।
परेकाहूमथुराकेमाइआजपसिगनभइगाय
काकेकायाकोवोलनहोजिलीअवलोकनल
निलिकेमीहोगहेटिलिपगजेहरनारुकी ॥

इतिश्री

ॐश्रीगणेशायनमः ॥ ॐअथनलदमयंतीभाषाकथा।
लिषते ॥ दोहा ॥ बानीरूपसरस्वतिनामिमैरसष।
होय गेष्यग्रादिजोवेदीयेसंसारहेनकोय ॥ छंद
श्रीमंगलमंडनगिरजानंदनसुतिगिरबंदना।
जगभूषना बुधिबलकंदनपापतिषंडनवव
निग्रनंदनदुषहूषना सिवगुननायकडराजना।
दायकअनसुषदायकबहुलायकागुणगरव।
रषेपरमसहूरषेसंतनहि निरषेसरणाविनाय।
का ॥ १ ॥ दोहा ॥ श्रीगणपतिहीचितधरिविद्दसि
हदातार सरस्वतिसिमरौश्रीतिकरबाछतबुद्धि
अपार २ हरिभगतनहरिसर्वमयथावरजंगम।
माहि अलषअनंतअपारहै करनीकछनजाहि
२ दमयंतीनलनृपतिकोचरितसुनेसुभमित
अघतदूरनकलिडघनरनपढेसुनेधरचित ३
सोरठा ॥ करमरेषपरमानवेदसुनिजनयौकहै सु
रबीरसलनानसबकोकरनीहोतहै ॥ ४ ॥ चौपई ॥
सोमवंसकुरुकेकुलभये करमरेषपांडवबनगा।
ये जिनकेहेतसदाजदुराई करमरेषनहिटरेटरा
ई दुर्योधनकपटीअभिमानी भलीबुरीकबहं।
नहिजानी उनकोराजपांडवनरहे यौंनहियौंम

नल
१

भुकौ पाँयौं कहे ५ ॥दोहा॥ ताल तमाल विशाल द्रुम ।
पुंगीफल नलयेर कदली अवकदंवन है वेदपुपि
छिर है ८ ॥चौपाई॥ ताहि समे ऋषि वर पेक आयो त
वे सिंघासन वेग बिछायो भली भांत हुआ नृप धा
री हाथ जोर विनती नव करी धन्य भाग हमरे अभ
भये जन्म जन्म के अघ टरि गए सुनो विप्र कैसी प्र
भु करी ऐसी विपतन काहू ना परी ॥दोहा॥ विप्र क
हे राजा सुनो साची भाषौं तोइ विपत परी नलराइ
को सो तुम सुन ही होइ ॥चौपाई॥ भाई चार फिरे तुम
संगा द्रौपति कुल है निहे अरगंधा भोजन करन वि
प्र वक्र तेरे सहस अठासी मिन प्रति डेरे कनक पा
त्र सूं जन तम दीनो कल्प हृत मानो भवको तो ना
ऊलम हदेव कथा शुभ कहे भीम सेन वधवायो रहे
९ ॥सोरठा॥ सो हि तोमो हि सुनाय भीम सेन हट भूपति
कहै सो विपत परी नलराइ पति हम सरब कथा १०
॥दोहा॥ विदुर्भ देव सुहावनो भीम नृपति को नाम
सोहो टिसा जिहि वस करी निपट धर्म को धाम ११
॥चौपाई॥ आठ पुत्र ताके दिगपाला दमयंती कंन्या
इक बाला तांको नृप वर्ने न नहि कोइ सुस्यौं पिता
लमा न नहि कोइ जो कछु लन मा मा द्रिक कहे तेस

वननदमयंतीलहै सहजसुगंधदेहतेआवै भू।
लोभ्रमरठौरनहिपावै २२॥दोहा॥त्योंनिषधदेस
मेंहदासपतिपांडवनल भूपालनृपवंनगुणवंत
अतिदानादीनदयाल॥२३॥चौपई॥सूरवीरबहु
तेगुणालायक जोग्रेश्वनमैवरन्योनायक ऐसो
नृपदियोकरतारा वलगुनजोकेअपरअपारा
नलमनइकदिनइछाआई कीनेकौलवागमै
जाई उपवनमाफहारनकेकारे फरनानेकसुभ
गजलडारे मालसरोवरसुभजलभरे कमलफू
लसोभेहिवरे २४॥दोहा॥मंदमंदमारुतवहेसु
भगमंउपवनमाह मधपवैठेदेषतकुलेनरवि
चित्रनरनाह २५॥चौपई॥वहितालकोसुघरकि
नारा कुवलेलासपोहंसउदारा वहुतनहंसमंदराअ
तिवेले उजलनृपनायदृगपेले एकहंससोने।
कोअहा आनीपकडरायपैकहा एकउपमाधी
नृपदिगआना सुवर्णवर्णमंदरमनमाना २६
सोरठा॥भूपतिलीनोहाथरकसेसुवएगंजमम
करतनवचननृपसाथकनककांतिमकोमलहिये
२७॥दोहा॥हेमभनतनसुनरायनलमोंचीभाषा।
नोहि विपुलकामतेरोकरोकाइदेयजोमोहि

नल
२
2

चौपई॥ हमरेछोडेवहुतनजसहोय पंनपंननृपक
हेसवकोय हमरेहंसमंडारनभरोवे काहेनृपा
तियमंघोवेहमकोउघमनदेवोराई हमरेमातपि
तावडुभाई हमरेमरेसवैववहमरै पेनेजीवदोषकौ
कौ २१॥दोहा॥नवहीतेनृपहंसकोत्योसुनोहंसा
पकवान विपुलकामसेराकोते छाडदेयोतनफना
न॥२४॥चौपई॥कहैहंससुनवहोवडराजा नृमसोस
रसकरौपककाजा विदुर्भदेसभीमनृपनामा कं
न्याहेदमयंतीनामा तांकोनृपवरनकोपारे वरा
नवरनकेतेकविहारे तुमरोजससुनिहिपासखुना
कं ज्ञिहतिहंसकरांसंयोगमिलाके॥दोहा॥हरिभ
गतहरिजनभलोउर्मेनभलोनवेम स्वारथकेपर
मारथकाछडदियोनृपहंस २२॥चौपई॥उड्योहंसा
नवदईअसीसा तुमरोकामकरौंजगदीसा वेगा
हिगयोभीमकीनगरी सघीवसैनंदरीयनसंगा
री दमयंतीकेपवलरनले फूलेकमलनालति
हिमलै तिहिनालसरोवरउनमजागा भाईवय
मिलेद्रुगनेलागा॥२३॥दोहा॥दमयंतीहेरनतवै
रसमकराघेमाहि देषहंसमननरषयोउदिआई
तिहिठाहि २४॥सोरठा॥उदिआईतनकालसाद

सेहलीसंगलैदेषचकितभईबाल चकितहरनि।
केनैनसों २५ ॥चौपई॥ नवसखीयनसोंमेचविचा
रा औरहेंसपकरोनमडारा पकहेंससोनेकोअ
हे पकरौंहौंयौंकरकेहे यहकाहिकेमारीकरला।
ई मंदमंदवाकेढिगआई आगेचलैहंसगतनीकी
थकितभईजानीनवजीकी हेंसकहोनवजानि।
अकेली॥२६॥दोहा॥निकटआयजबढोभयोविन
तीकरसमभाय उपमाश्रीनलरायकीवरनीसक
लवनाय॥चौपई॥सुनदेवीइकवातहमारी अपने
मनजूंदेषविचारी निषददेसभूपतिनलनामा ति
हिदेषलजतहैकामा अद्भुतरूपदियोकरतारा व
लगुनजाकेअपरअपारा नैनोजीवनधिगहैतोलौ
नलविचित्रनरवरयोनजौंलौं॥दोहा॥दमयंतीवी
लीनवेसनकोहेंससुजान जोमेरेमनभावतीसोतै
कहीवषान॥चौपई॥अवमेरोनमकाजसवारो या
जानलपैवेगासिधारो जोउपमानलकीतमकही
मनमोमानीनिरधारसही हमरीविनतीउनजा।
यसुनावो वहुरुमेदेसालेकरआवो यहीवातउन
मैधरो उडेहंसमनतनाकिननाचरी॥दोहा॥औरहेंस
सवक्रीडिकेगयोसुनलकेधाम विधिसंयोगहु

रिभगतनकहिकाममवारनराम ॥सोरठा॥ कामस।
वारनरामहरि अपनोजनजानिकै भगतवछल।
भगवानसोकोंछाडेविरदको ॥चौपई॥ देषतनल
मनमैसुसकाना पंछीहंससाचकरमाना जामे
सांचसोईजगवडो कामानसपंछीपसुजडो जा।
मैसांचसोईसवतेरे जामेसांचसोईभवतरे जामैसां
चसोईवडभागी योगीजतीतपीवैरागी ॥दोहा॥
सांचपरमतपकहतहैकूटपरमहैपाप सांचधर्म
केपालतेछगाफिरआयोआप ॥चौपई॥ वैठोहंस।
सिंघासनआई राजानलसौंवातजनाई सुनोभूप
विनतीममेरी दमयंतीहैदासीतेरी जवतुम।
रीमिलवातेलाई सुनगुनरूपगामनहैगई हैआ।
धीनमोहिफेरपठायो विधिनाआमनसंयोगमि
लायो रूपवंतअतिवतरसियानी कोहैरंभाको।
इंद्रानी मातपितालसगीनहिकोई कालोमिनोव
गीनहिहोई ॥दोहा॥ रतनीकहिनवहीउसोदिया।
संदेसाजाय नारिनतेउनदोहनकोतपैनतेरेनवि
हाय ॥सोरठा॥ रहनउथ्यारीचितमनेछवणागुन।
मिनके सपनसघोपतितेनश्रीरकलुभावेनहि॥
चौपई॥ सुनमनदोहनचटपटीलगी विरहआग।

ननन मैं जगमगी ह्वै मन मैं कछु होय मिलानो सो
वन जन्म फल कर जानो विन देषे गति हे गई ऐसे
मिल विछुरे सो जीवे कैसे चक्र चषको वहु मन भा
वे जो विधि आन संयोग मिलावे ॥दोहा॥ यहि वि
धि दिन वीते बहुत मिलन की आस दीनन रैन
चकोर शशि जौं चातक घन पास ॥चौपई॥ भीम।
नृपति मन माहि विचारी वडो काज मम को एक
भारी दमयंती वर लायक होई रच्यो स्वयंवर नी
को वहो जाके गृह कन्या है वडी ताको चैन न ला
गत घडी कन्या को ईश्वर ह्व कछु गामा कन्या भई
सवै ह्व कतामा धन है मान पिता गुरु भाई दये।
जिह्वे कन्या पर न्याई ॥दोहा॥ रचौ स्वयंवर साज के
शुभ दिन लगन गिनाय देस देस के भूपति ली
ने भीम वुलाय ॥चौपई॥ निषध देस नल पग आये
है दल पै दल अगन गनाये यव है वातन गायन लगा
नी कौन कदेषन को मन ग्रानी जावौ के गुनि ना
री जावौं किन विदना दमयंती पावौं वडे वडे
भूपति जव देषे उन मैं सो क्षिकौ न रो लेषे ॥दोहा
मन मो मंत्र विचार कर रच्यो स्वयंवर काज सो कु
हुकरै स प्रभु करै वडो गरीवनवाज ॥सोरठा॥ न

नल॰
४

रहैदीनदयालजोनितहिभावैसोकरै पलमैकरैरंति
हालजोनितहिकनगिरिगिरनैकनकरै ॥चौपई॥
बहुविधिलोगसंगमिलिये मानजानअर्थेमगाग
ये चारदेवनामिलिनरसा अग्रपथमेअरुवरणिसा।
रैसा नेषद्धैनलरायकिनचले ज्ञानवानसुनिय
नहोभले कहेभूपदमयंतीनामा भीमसुतनाकेस
यंवरजाना ॥दोहा॥ हैसाधितमकौनहोकौनतमा
रोनाम अद्भुतरूपअरूपहैचलेकहाहैकाम ॥चौप
ई॥ कहेदेवनामसुननरपति रहगणाइसमराअमरावति
अग्रथमेयवरुणाविचारा होइंदरसवकोसिरदा।
रा अतिविचित्रदमयंतीसुनी कहीइदमसोनार
दमुनी रंभाघृताचीअरुउरवसी मेनकासुकेसी
तिलोमरसी हैहमरेवहुअपसरकोटी सवैदमाव
तीनखकीओटी ॥दोहा॥ सुनोसुयंवरनासुकोकर।
मनकोआस अवतेहमराभूतहोइजाहुदमाकेपा
स ॥चौपई॥ नामसुनृपगुनसवैसुनाई चहुंमेभावै।
सोवरपाई गुनअनेकसुरवरकेकहीये मानलो
कनायकनेनहिये अंगमेनेवातकोसमझाय व
हुरमेदसालेकरआय भूपकहीसोकरोसोईहो।
करो भलोवुरानाहिमनधरो ॥दोहा॥ रतनीकहि

केनरपतिगिनती करिमनमाहि यरखांक्षाकर
हैंचल्यो हैकरहतनमाहि ॥सोरठा॥ जावौहैकर।
हतनोमेरोजसकैंवरहै सोसोरहेकहतपरहतन
सोकरनहै ॥चौपई॥ कहैदेवतासनहोभूपा साच
यमैतमसमभगासहूपा याछेकहीवेहोसोकरों
श्रवनेंक्रकेहेनाहिपगधरों सोहमरोतमकायोन
माने देऊश्रापकूदमतजाने नवनलकहीजु।
श्रवकाकीजे स्वामीश्रापसोहेनहिदीजे हम।
कौजुममानोकरदासा किनवियजाऊदमयंती
पासा ॥दोहा॥ नृपतिमंदिरकेलसमसमकिनविधि
भीतरजाऊं महाबलीभटभूपकेतिनतेश्रतिसा।
ऊवाऊं ॥चौपई॥ सुनेभूपइकवचनविसेष हम
प्रतापतुमकोउनदेषै चल्योराइकरसुगमसुभूपा
किलेनदेख्योजानसुभूपा दमयंतीयहिभीतर
रहे देषविचसालीयनसोकहे हमरेभवनपुरु।
षइकश्रायो देषतनृपमोहिमनभायो ॥दोहा॥ कै
रविचंदनऊवेरहैकैंइंद्रकेराम गणागंधर्वकि
न्नरकोऊयहनागकेकाम ॥चौपई॥ देषहेषविसै
हेगई श्रेमोवरहोपावोरई हंसलक्षननलकेजो
कहे सोसावीधोमेसमहीलहे सोनलहोयतो।

किनविधआवै हमरेभवनवरनकौंपावै भईव
कितयहवातविचारी लीनोनलनववेगहंकारी
॥दोहा॥ जाकोजजाकेमनवसैसोआवननाकेपा
स हरिभगनवाअकवदनपरवृंदवनवास॥सो
रठा॥ गयोनिकटनलरायदेनथीरजनारयो जा
निकरजगमायनागनरीनहिकिंनरी॥चौपई॥ स
नोकुअरुपनमहोवडभागी किनविधआयोहो
इविरागी अपनामककर्मकर्ममसफावो नामवर्न
मोहिसकलसुनावो यहसुनिरायकहीसववाते
सकलहतोतसुनायोताते देवहनहमकोपठि
वानो उनअनायनेभयोमिलानो॥दोहा॥ वारदे
वतासुरगीनेआयसुयंवरनोहि धर्मयमसुरपति
वरुणतमपैपठायोमोहि॥चौपई॥ उनकोवरस
गैसुखपावै अनेकभोगअमृतफलपावै जराम
रणकीमकाजावै वरहोयकनोनमनभावै या
नसुनातसुनतेनववोली देषतनृपमनमेफका
कोली सुनोहतहौंएकौनाहि अपनानामवता
वोमोहि कहिभूपहमरोनलनामा निषददेस
मेवसहैधामा॥दोहा॥ एकहंसमहादकवरनगयो
हमारेधाम दमयंतीगुनयोंकयोंरूपसीलकेधा

न॥चौपई॥सुनकरवचनहंससोभले करग्रासा।
नमरीहमचले जगमैग्रासासबकोऊकरे ग्रा
सानेसबकारजसरै रैनदिनाहमरेमनबसै ग्रा
सनसोवनग्राघनमैलसै देवकूनापानेभयोमि
लानो आगेविषकीविषजानो॥दोहा॥सुनकर
वचननरेसकेमनमोकियाविचार कैहोवरौंना
नलवरौंकैलावौंननछार॥सोरठा॥जासोमनपा।
तिआयनासौंसुखसबकादिये भोगसर्गऔथि।
कायनागोजिहिमननामिले॥चौपई॥सुनोराय
नूसुचरसिआनो हमरेवचनसुनकरमानो औ
रभूपमनमैननहिधरो मनवचनक्रमकरनोहि
वरौं सरपतिअग्रयमपैजाये एकहमारीवात
जनाय वड़ीकृपाहमरत्नमकीनी होंहीदीन
छीनमनहीनी देसदेसकेजरेनरेसा तिनमैन
सभीकरोप्रवीसा॥दोहा॥दमयंतीकेवचसुनचा।
लेगरायनलधाई भूपपैगजासोनहीसुरयेपकू
चोजाय॥चौपई॥हाथजोरविनतीनृपकरी मन
मैसंकाककुनाहिधरी तुमअप्सारउनपैहोगयो
नीकैवचनतुम्हारोकह्यो उनअपनेमनमाहिवि
चारा होंमनहीनछीनहौदारा मोसोकहिसा।

नल॰
८
6

नेमरहत आयेछपाकरा उरहत आवेवैदोभू
पनमाहि नलविनग्रौरबैहौंनाहि ॥दोहा॥ सा
ववचननलकेसुनेमनमेंमंत्रविचार नलसरूप
वद्रुथाविकेआयेराजदुआर ॥चौपई॥ नलनृपना
वसाथहीलये सभभूपनमेंठाढेभये आयेसा
कलसाजकेसाजा लागेअधिकवजावनवाजा ह
थनीसाजमहावनआनी कनककेअवारीतापरठा
नी तापरवैठदमाभामनी जैांघनमेंचमकहै।
दामिनी ॥दोहा॥ भाटनीलीनीसाथहीसवभूपन
मेंजाय देसनामगुननृपवलवरननसवेसनाय
॥चौपई॥ मेटहिमैटसुनागिनेवलै देरनिजान
दमावतिभलै कनककचौरीकेसरभरी कना
ककारनधुरनीकेधरी भूपतिवङ्गन्यागतयोंव
ली ज्यौंन्यागतअलिवेपकली देषदेषमनना
हिपतीजे जोवरभावेसोभरलीजे ॥दोहा॥ भा
वतअनभावतकौनेमाहिलषेनेन नकिअनभाव
वलउदेभावनवलवलैन ॥चौपई॥ तिनकासम
भूपतिसवकीने आगेनैनमलीविधदीने निषद
देसमगधनजवकीने देषो अकीभांतदमावतिदे
षो नलसवीहसरवारोठानी देषदेषअनमईहि।

रानी नलहैपांचसम्रवक्याकरौं ह्वाडेकवनकव।
नकोवरौं करविचारफिरनीकेजानी कयाप्रान
नमनमोमानी इह्वविरिदेवननैकीनो तिनकेल
छ्नमैचिमदीनो ॥दोहा॥ परछाहिनहिहोततनप
लनमिलनटकटार वैठनहैसरथरविप्ररकवैंग्रग्र
लचार ॥चौपई॥ ईयहविचारकरफेरविचारे तिनमै
एकपलटकटोरे मिलनभूमिसंप्रुतपरछाहि उन
मैएकचारयहिनाहि नीकेकरनलरायपछाना
कीनेसरयतिरंचसमाना कनककटोरीऊंक्रमभ।
री नलविचित्रकेसिरपरधरी हासकारजगानस
वकह्यो ह्वाडदेवनामानुषवर्ह्यो ॥सोरठा॥ समभू।
पतिविलषउपजोमननैवराग एककोहेसवहीफले
अपनेअपनेभाग ॥सोरठा॥ वरोंजवैनलरायभीमन
वेमनहरषयो निर्धनजोंधनपायवालीह्वनहो।
नज्यो ॥चौपई॥ भलीभांतकरवेदरचाई नवग्रहपूजा।
गणेशमनाई दईविवाहदमावतिरानी सोउविध
जोउनमैमनमानी सहस्त्रअश्वगजवरये सातस।
हस्रतुरंगनदीये कंचनरथनृपदियअनेका दा।
सीदासदयेवहूटेका मणिअनेककंचनसोनरे
पाटपटंवरअंवरषेरे अर्वखर्वजोदछिणादेनी क

नल·
७

रमनवैनदमयंतीलीनी॥दोहा॥ गुणगवाचपिंगल॥
वढेवढेपिंगलगिरमेर हरिभक्तमाथक्रियाग्रहसि
हरहेवेर॥चोपई॥ विदाहोयभूपतिसवगये नलहि
प्रसन्नदेवनाभये होइदिग्पालदियेवरग्राछे भिन्न
भिन्ननीकेमनवांछे अग्निकह्योनमेरेहौंरहो पवि
त्रयनज्वालाकोगहो वरुणकह्योहौंवसौहजूर सि
मरनकलसकरौंवरपूर॥ यजदरसस्वरपतिनेकह्यो
अंतकालउत्तमगतिलह्यो धर्मकह्योवड्डसादर
सोई नितप्रतितोहियमेदृढहोई॥दोहा॥ योका
हिवरदैदेवनागयेसुग्रपनीठौर नरचितवनका
कहोरहैहरीचितवनकछुऔर॥दोहा॥ जोपरउदै
नसहिसकेकपटीयहसंसार सोधनकोउघटतहै
भरेकपटकेभार॥सोरठा॥ करनरहरीहिये जाद
काइविषमसचितमनी कियेयतनसववादजो
हरभावेसोकरे॥चोपई॥ निषददेसनलग्रपनेग्राये
नरनारीमिलिमंगलगाये हाटवाटसववनेसुहा
ये नरकरलोकदरसकोधाये वैठसिंघासनग्रास
कलीनी हमेविप्रदक्षनावहुदीनी योंकररायद
मयंतीपाई तियनाजोरीभलीवनाई॥दोहा॥ जौं
शिवकोगौरीमिलीसीताजोरघुनाथ मन्मथजैं॥

रतिसों मिले मघवा जो सब विसाद्य ॥ चौपई ॥ जब सुर
पति सुमगा वति चले कलियुग द्वापुर आगे मिले
कहो सुरेस चले कित जोग। यावत हो कीने व कु तौ
ग सुने वचन सुरपति सो भले दमयंती के स्वयंव
र चले सुरपति कह्यो उहां हम गये सब भूपन मैं व
ढे भये उनह मझार रायनल वरा और को उमन
मैं न हियरा ॥ दोहा ॥ सुनकर वचन सुरेस के कलि।
कीनो मन ताप झाड देवन आनल वरयो कोंन हि।
दीनो श्राप ॥ चौपई ॥ इंद्र कहे सुन कलियुग भाई
दई यो गराजा नल नाई सो व धर्म वा के मन वसे या
सो कौन श्राप दे उसे सव गुन लायक नल नृप गायो
देकर वर सुरपुर को आयो इह कहि इंद्र निजालेग
यो नतछिन क्रोध कली मन भयो सुन द्वापुर हौं
भाषो तो हि मो सो क्रोध न थंभन हो हि ॥ दोहा ॥ क
रो प्रवेस हौं राय नल नृप आमा के बीच मत एक रो प्रव
राजते सहित दमावति नीच ॥ चौपई ॥ तव हि क।
लियुग द्वापुर आये निषद देस नल नृप के आये
कलि मन कपट रात दिन जागा छिद्र भूप के देषा।
न लागा निसदिन है वे तन न निसदिन भूप रहे व।
भ्रष्ट
लन नित्य कर्म निनो प्रतिकरे हरि को ध्यान न।

मनमैधरे ॥दोहा॥ राजनीतजाननसकलपरबिद्या
मानसमान मणिगणसुकांकेचनमहिदेतविप्रकोदा
दान ॥चौपई॥ वेदपुराणकथानितसुनै जैसोदेषैतै
सोगुनै छलबलगावरैयतजानै दंषनदंडनमनना
छिपानै दीनदयालदयाकरसागर दुःखविदारन
तीनसदागर एकपहररजनीकोसोवै तीनपहर
लौजागतहोवै ॥दोहा॥ हरिजनमेंमसेहीरहेडजैन
कोऊतपान हरिभगतजनहरिभजैवेसुषतेकमा
नात ॥चौपई॥ द्वादसबरषकलिहेरतभये कलियु
गदेषचकितह्वैगये छिद्रनायकोकिछुदनपायो इ
कदिननृपतिमदेवभुलायो मृगयामेलजुलसेका
कीनी आयोधामसुधिनहिलीनी जलविनलीये
सेजपुरसोयो तवप्रवेसकलियुगकोहोयो ॥दोहा॥
इतनीदेषमलीनतालागीयोकलिकोदाय जैसेउजल
वसनकोस्यामसकुचिदलगजाय ॥चौपई॥ करप्रवीसदा
पुरपैआयो वेगतिहिपासाबीचपरायो फेरकलीको
सोरककामा नलकोभाईपुष्करनामा वामनहोय
गयोतिहिपासा वनकनादियअपकोरामा पुष्कर
षेलोनलकेसाथा तेरीजीथहोयममहाथा ॥दोहा
तवपुष्करधायकेआयोनलकेहजूर चौपरवाजीला

यकेमोसोविलज्जनूर॥चौपई॥यहसननलकलियुग
भरमायो सहिनसकोवचनकहायो मानतहैनृ
ग्रग्रनिवुरा विपरीततनकाहुनकरा विपलीयनिये
सोचनहोई चोरीकरनरमारेसोई मनमैकपटराज।
दिनलसे सवग्रलछनन्नूग्रामेलसे होनीवुद्धिग्रागे
टरिजावे होनीहोनवकुरपछतावे॥दोहा॥होनीन
चन्कोभई रघुजोयोविषग्रानई कंचनमृगरचनाय
न मीजानतभयेग्रज्ञान॥सोरठा॥जानतभयेग्रजान
जेसेरावनसीयहरी हैईसरभगवानजाकीरेषामिट
ही ९॥चौपई॥करेराषपुष्करग्रवग्राय साटसहस
रुपैयाराय नवपुष्करयासाकरडारा जोमोपुष्करराय
नलहारा वकुरसहंसहितुराकरलाये हैभीपुष्कर
जीतचलाये ग्रेसेकरहाहोकेलाषा नवनामिटीम
नकीग्रभिलाषा पुनहारेहाथीग्रस्वोरा देसग्राम
हथिग्रारयोराहाहो सवसरवंससरजधानी मनमैद
मयंतीनवग्रानी॥दोहा॥हाहोसवकुछभूपतिमृग्र
ग्रापतकोमूल सतकंन्यारघवाष्किपदेमीमनूप
हूल॥चौपई॥सवकुकुस्नारभयेभिखारी होनीहोन
किनेनहिटारी फिरपाछेनलभयोउदास जेसेवान
कगावावनराम वनकोचलेदमयंतीसंगा एकव

नल॰
५
९

सनवोधजेहिंश्रंगा मारगचलनभूपजवहेरे तीन
कपोनछुगनमगनेरे श्रतिसुंदरसोनेकेनृप पकर
नकोकीनोमनभूप॥दोहा॥पटमोंफांधोडहिनको
भोजनहमकोहोय यासोमनश्रवपोषकेश्रागेहोय
सोहोय॥चौपई॥पटलफारगुखोडनऊपर लीनउडे
ननकालकहूतर जायश्रकासकहीनखानी सुनो
दमयंतीभईहिरानी हमनकपोनजानमनमाही है
पासाजोभूपविलाही हमकोपकरनहेनरजोई श्र
सोहालनाहकोहोई॥दोहा॥इननीसुनश्रागेचलेउ
नेरेनदीकेनीर यननकोयेमछलीगहीभूननला
गयोवीर॥चौपई॥भूनपोछकेकरीतिश्रारी खावन
लागयोकरीमधारी भूनीमछलीउछलनभई जान
जानयानीमेगई देवकोपजान्योनलराय श्रवकुछ
कोजेश्रोरउपाय छाडदमयंतीवनमेजावों नवमेज
गमहिंश्रपजसपावों जायदमयंतीश्रपनेपितुगेहा
नवहोवरहूनिरसंदेहा श्रेसेसोचतचितवतभयो
तवयहवचनदमयंतीकोकह्यो सुनरानीनृपराम
सियानी विपनाहमपुरूश्रेसीठानी॥दोहा॥कीये
कमेसुकल्यानेश्रवसमेवसबकोय हरिभगतयाज
गतमे विनकरनीनिहिकोय॥सोरठा॥फूंफनकारमी

नाहिंइहकैतेनरजिहकरी सहैसगायमोजायवूंवन
वन्नसमायको ॥चौपई॥ सुनरानीइहयहमनमाहेदोऊ
दलितमादेमइकजावेसोऊ अगेमगविंध्याचलश्रा
हे तिहिश्रागेविदुमपतिरहे तमश्रवजावेपिताके
धाम सोकोविपतकछुपरीहैभाम कहेयमयंतीस।
नहोईस तुमनेकहाउँविसेवीस तुमपकवानोपि
यायहकरो भीमनृपतिकेचरणपगधरो भीमभूप
तिहैभले करसनामानदुःखकोदले ॥दोहा॥ क
हैभूपनीकीकहीतुमयहहमसोवास श्रैसेश्रप
दिनदुःखमैनहीजावोंकिसधाम ॥चौपई॥ सुनिभू
पतियहमनमैश्रानी जाऊंकहाउदमयंतीरानी स।
मेरेकामवहुतदुषपावै हमविछुरेपितगृहजावे
यहविचारकररजनीमेसोयो वनश्रतिमहानदेष
कैरोयो चितवननृपतिनींदनहिश्रावे देषदमयं।
तीश्रतिदुषपावे श्राधीरैनसमैनृपजागा दमयं।
तीकोदेषनलागा भईश्रकितरजनीसोइगई तव
नलराजकरीनिरदई ॥दोहा॥ लीयोकनरकेश्ररधपा।
टत्यागतिहवनमाहि जैसेसीतारामजीकछिश्रपि
कनहिंजाहि ॥चौपई॥ भयोप्रभातदमयंतीजागी इ
नउननलकोदेषनलागी फिरफिरश्रागेपाछेहेरा।

लनलागी मननहिंचेनजानदगनावी पूछतनफि
रेमिलेनहिंकोई बूझतनराइराईकररोई कांपतपव
नपत्रजौंडोले कांसोकहेकवनसौंवबोले वनवन
फिरनग्रननवनधसी जानजानइकग्रहिनेग्रसी ॥
दोहा॥ नाहिंसमेइकपारधीग्रायोवनग्रसकार देषी
नारग्रहिनेग्रसीमाह्योसर्पसिकार॥ सोरठा॥ संकट
होतसहायहरिग्रपनोजानजानकै पकसोसरग
नग्राहकटतफंदतहिंछिनकरी॥ चौपई॥ माह्योग्र
हिटमावतिहेरी लोभमाननवभयोग्रहेरी पापक
मेवधरीकीकाचीह्ना देकरग्रापभस्मनवकीना वि
नसतिसोचतिमगपगधरे वनवनडोलनचहुंदिसि
फिरे देषग्राश्रमतपसीकेगई कछुकथाननवमन
मैभई नवतपसीवहुग्रादरकीना कंदमूलभछन
कोदीना देषनृपनपसीजोंकहे कैंयोंवनफिरेकवा
नतेग्रहे॥ दोहा॥ सुनकरवचनदमावतीतपसीको।
समझान हौंत्रियाहौंनलरायकीभीमनृपतिसोंता
न॥ चौपई॥ कर्मरेखनृपभयोउदासी गयोछांडसो
कोवननवासी नाकोवनमेढूंढनफिरो नमग्रमाटउ
नसौंहौंमिलौं कहेसुषिग्रपारथीसुनो सत्यमानमि
थ्यामतगुनो नमरीदेहनग्रपराजोग छौरहिदिन

मैंवनेसंयोग मनदढाषधर्मनहिंवोय धीरज
नेसवकाराजहोय॥दोहा॥एकअपदाअरुसंपदाहै
भगनीयहदोय सदाराजसंपतकोरेकवहूंअपदा
होय॥चौपई॥यौंसुननारीधीरजगहा आगेवली।
धर्मसगहा हैरानवचननतपावसीपीर उनहैयोसे
गनदीकेतीर देषतसंगमभईमनआसा अतिसकु।
चानगईतिनपासा देषचकितभयरूप एकवस
ननसभगासरूप हैकोऊयहउनमोजान विस
मभईअधिककरवान॥दोहा॥नवदमयंतीइक्क
योंसंगकेसवलोक नमनदेष्योनलरायकहुंजिर
विनमोकोसोक॥सोरठा॥जैंदीपकविनधामवे।
दविनाजोंसवरी कंतविनाजैभासवानविना।
जैंधनुषषहे॥चौपई॥तेसवकहेहमेनाहिहेरा क
हांगयोभूपतिनलतेरा फेरदमयंतीइकुंउनजा
ई कवनदेसजावोतमभाई तेसभकहेसुनोतुम
भामा देसचंदेरीसनृपनामा तेभूपतिसुनियता।
हैभले करआसाउनकीसमवले भयोसाथकछु
मनमैहरसी पोरैनवांकेडिगवसी॥दोहा॥पहर।
एकजनीगईसोयपहोसवसंगनाहि समेगज्ञ
सूथनेमारोहेसवंवेग॥चौपई॥मारेवहुतनशेषक

नर॰
११

कुरहे मिलकरसेवेधमैममगगाहे वचीटमंघतीता।
मैमिलीनवनेदेसंवंदरीचरीवली एकवसननन।
विस्मभई अतिउनमननगरमैगई देषदेषकरा।
वालकथावे करम्रषशाहहाथ्यवटकावे जानजा
ननिकसीरजथावी स्रपतभूपमानामनस्रानी
यातियकोनस्रपकोरासा आनेपकरवेगमोहि
पासा जौंसनिवचनवावृीआनी राजमानस्रक
नहैवानी॥दोहा॥सनदेवीन्हकोनहेमानषचूपन।
नाहि कोनहेनविस्मभईकहूपतिनमराकोहि
दोहा॥संपनदेषनहराषियेविपनपरेनहिराय सं
पनअपदापकहेकनीकहैरेसहोय॥चौपई॥जौंस
निवचनदमावतीकहे कहनवानसुपकरकेक
हे स्रनन्दपमानहोनरकीनारी औरकुक्कुमनमै
नहिआनी हनकेलिहमरीभईहान मोकोमाय
नकैपछान गयोकंतवनकाउजमोहि नाको
ढूंहोंसनकरहोई यहसनराजमानजौंकहो मै
रेभवनभामनीरहो मेरेहनंउढकरल्यावे पति
निहारोआनमिलावे हमरेभवनअपनहिमभोग
जौंलौंपतिसावेननजोगा॥दोहा॥कयोहमारो
माननंसननानीएकवात नानेरेचारहोवमैंजौं

लैंकुशलसमात ॥चौपई॥ रानीकह्योसाचमनधरौं
जोनेकुकहेसोईहौंकरौं कहेहदमेंयनीसुनवडरानी
पगनपषारोकोंकेपानी न्हवाभोजनसुषनहि
धरौ परपुरुषनकोदर्शननहिकरौ ववनहमा
रोमानोवार नवहोवसोराजदरवार यहसुनके
बोलेवडरानी यौंहीहोयवसोरजदानी ॥दोहा
वडोवडाईनानजेजयपिअपदामाहि जौंचकमा
कमलमेरहेपागनजेइननाहि ॥सोरठा॥ रमारम
नजेइरायअपरोजननजानिदहरनसवसुषकरन
संकटहोनसहायहरिअपनेजनजानिके॥चौपई
अवतमसुनहोनलकीदसा कहाउनावनमेंजाय
वसा आगेगयोमहावनमाहि धावानलम्पोव
हुंधाहि नाकेवीचकोऊकरलावे सुनकरव
चनरायनलयावे सर्पएकदेष्योनलराइ देष
देषरह्योविसमाय सुनहुपुरुषअग्रहौंवेराक
रकोटसर्पनामहेमेरा मैएकहिजकोदंसनकी
ना उनयहआपमोहिकोदीना नानेहमेंवल
ननहिहोय गयोमोहिमहाजमसनोहि हैजग
मेंवहनेविषदाना अभयदानकेनहिसमाना
दोहा॥ मोकोजानोमीनकहोनलमेकल्पान जौं

नल·
११

12

जानेमैंरावेलेपरमधर्ममनआन ॥चौपई॥ नवनृ
पकेहंसनैभुजगामी हौंमानमनैविषधरस्वा।
मी तांकोकाफवाहरथरें उसेमोहिकेंहोंकाक
रें नागकेहंसमराजीउराषा नोसुषनेग्रैसैमनभा।
षा जोजगमाहिकनक्षीहोई कैसुगपरेनरकमै।
सोय सूछमदेहनागजवकीना नवनलरायउदा
यनलीना ॥दोहा॥ गहिकरमैंसिरपरलियोआन
पर्योसुभदौर चलनराईअहिनेकल्योगएनच।
लोपगदौर ॥चौपई॥ हंसनैरायगगनिनयगाचलौ
करनगमननमरोहैभलो नवैरायपगगएगए
गाषे पकटोपलयदसलगभाषे नवनृपकोअहिडं
सनकीना रूपकुरूपभयोनवलीना देषिदेषिवि
स्मयनलभयो नवकर्किकोटवचनयहकह्यो ॥दो
हा॥ नागकेहंसनभूपतिनमनकरोमैंताप मो
विषतेऊपरहरेसैंअपनहरागासेआप ॥सोरठा॥ को
मलनौमेरोआपराजकुमतनलरायसुन मेरेउसेजा
नानअपनमीननहिमानहो ॥चौपई॥ औरवयनति
हौंकेकरसुनो रागामैजीनहोरवहुतगुनो भयकवा
हेअहिकोनहिरोवे हरिकोनामलियामेजावे अ
वयापतिभूपतिचितपाणि हैरसुवेंसौउनमपाणि

हैकारद्वासरहोउनधाम रथसारथीवाहुकथरना
म भलीभांतसेवाजवकरे घरधीरजकारजसवस
रे वहुरवेलपासाकोजाने हैश्रमनमवतोहिवा।
घाने निहचेतेरोहोवेमीत हमरेवचनकरोपरा।
तीत॥दोहा॥भीमनृपतिसयंवरकरेतमरेसोघन
काज श्रवसभूपतितपणीसोंजावोरथतेंसाज॥
चोपई॥हैसारथीजवभीमकेजावे तोतेंनारदमें।
तीपावे वसहमारायहतेंलेह गैदतमोकोजा।
दकोरेह सिमरततरनकनकतनसोई मिलोऊ
हुवसवालऊघघोई जोकहिवमनदियोभुजगा
मी ऊपेयोतवेरैअंतरजामी॥दोहा॥सववातेचि।
तधारकेगयोअयोध्यामाहि मिलोजायरितपर्णी
सोंदियोभूपतिसिहोरहि॥चौपई॥पूछेभूपविरउपर
पीर कौननामतेरोहैवीर कौनकामहमरेगृहा।
आयो कहोजगुनतासोंतेंकयो यहमसनतलवो
लोसनसामीरथसारथीहोवाहुकनामी अघ।
कीविद्यावहुविधजानो उतममध्यमअधमपका
नो विंजनवहुविधकरोंरसोई अवसमादचोगुना।
होई हमकुकोकरराघोदास औरवहुतगुनकसें
प्रकास॥दोहा॥जोकोऊउतमसनरतनकोआवतहै।

नल·
१२
13

करश्राम हरिभगतनजनसमकोहरनहोवेराम॥सोर
ठा॥ जैंवामनवलिरायहरिचंदजोंजलभयो दीने
अपनेरामनलदधीचउंरलकरन॥चोपई॥ नृपरिव
परीकहेसनवाङुक होयुनिजनकोनिश्चनिगा
हक जिवलाविसनहमोरथसारथ उनमैवसो
केशेपरमारथ वहुप्रकारहेहैवाजी वलपशुगा
रीनरकीनाजी तिनहुंकोनमगनसिरावो राषो।
मैननैनमनभावो परसनवाङुकनवहितिहिर
रा निसदिनध्यानदमावतिगहा जिहिचटमैवि
रहेतनुश्रावे जिहिनवैनचरनाहिजावे॥दोहा॥ हा
सविलासनभावहीलगतगारसिंगीन सुघटसभे
उघटतनैहे विछुरतजांकेमीत॥चोपई॥ नवजैलावा
डुकमैंकरे निसदिनध्यानकवनकोगहे सुनक
रवाङुकअनरदीनो वानवनायश्रीरामिसकोनो प
कप्रथनिउरनश्रनिभयो ढाडनावनमैउठिग
यो वांकीवानचिनमोश्रावे मीमधुनोचितश्रति
सकुचावे चितगुनावमोतियारेगीली पतिकोप्या
रीपरमारमीली सनजिवलेवमीसकोपुनो वुपा
कररहोककुनहितुनो॥दोहा॥ यौंकरादिनवीनेवा
रुसनलतिनपागरजर रहोचंदेरदमावतिजोवि

धलि खी अंकूर॥ चौपई॥ आगे औरकथा अवचली म
नकर अवननलागनभली भीमनृपतिअैसीजवम
नी नलकोह्लारपरीवक्रगुनी सवसरवसनलराय
गंह्लारा जीन्योपुक्करनलनृपह्लारा सहितदमंतीन
लवनगयो जैंसुनीभीमउधिनअतिभयो नवन
लनकोदछिनादीनो दसदिसहौरविदानवकीनो
एकविप्रसुदसुनजवामा गयोचंदेरीकीयोउनका
मा नायजवैसोराजदुआरे आवतजावतानारत्नि
हारे कैदिनपायदमंतीदेषी नृपेरेषसवबातवि
सेषी॥ दोहा॥ जायनिकटवाफोभयोकरननदमा।
सोवात देकैउोउढाडेभयोहेरनक्रुषसऊवात॥ चौप
ई॥ नवद्विजवोलोमधुरीवानी हैदमयंतीमोहि।
पक्षानी सुदमननामहोविप्रतिह्लारो भीमनृपति
पठयोतुमसारो मातपितावालककैहेसषी तुमरी
वातसुनतभयेदुषी नवद्विजकोसुषनीकेहेरा
ऊषालदक्कनेनोजलकेरा करपकंतद्छेप्रफरोवे
न्योंहीविप्रअपिकउरवेषोवे नेदानामसुपतिनृप
भेना देषीउनद्विजसोकरवैना हमअपनीमातापैगा।
ई नायवातइतनीउनकही जोतियमातहमरेगृह
रहे कोऊपुरुषसोंवातेकहे रुदनकरनवोलनसु।

षवान सुनकरयाईनृपकीमान॥दोहा॥सुनोविप्रय
हकौनहैकौनसोयांकोपीय कौनकाजतुमफिरत
होयहकांकोहैपीय॥चौपई॥विप्रकहेतुंदुनसमया
य भीमनृपतिकीकेन्यामाई नलविचित्रभूपता
कीरानी कर्मरेषकरवसीउद्यानी हुतकेलनृपकी
भईहार गयोछाडभूपतिनिजनार यहसुनरानी
भइह्रिरानी लैभुजभेटअंककलपटानी॥सोरठा॥फे
रफेरगलायनैननीरमोदोभरे भूषनवसनपठा
यवैठाईपर्यंककपर॥चौपई॥सुनोदमेंनीहौंमासी
तेरी तुमरीमाईसोभगिनीमेरी तोसोहौंअजान
होईरानी मोकोसुधआगेयहपरनी अवसुध
करयहधामतुम्हारा तोनेभलाज्ञहोइहमारा
करहुनदमेंतीसुषसोंरहोमाता आज्ञाकरोलहोसुष
ताता॥दोहा॥पापअदेसयहिसमानसोंगईपिताके
धाम भीमनृपतिमनहरषयोनृपकेसुरनकाम
चौपई॥देषदमेंतीमाताहरषी नवब्रह्मणकोकंच
नवरषी सुतअरुकन्याकेवलगाई राजाआगेवा
तजनाई सुनमातातजीवनमोचाहौं तोराजानल
कोवेगसुगाहौ यहसुनरानीभीमपैगई करजो
रेविनतीउनकई जीवनभूपदमेंतीचाहैं तोनल

कीसुधवेगमेंगाहो ॥ दोहा ॥ यहसुनकेनृपविप्र।
कोदीनेअगनितदान देसदेसनलनृपति कोढुं
ढनचलेसुजान ॥ चौपई ॥ नवब्राह्मणासबभयेत।
यार बांधेभयेराजदरबार नासोंकहेदमंतीरानी
सुनहोविप्रयनानिजजानी राजसभाजैहोतुम
जाय मोहींकहौसबबातजनाय एकऋतुपर्णसोराजा
भयो छांडनारबनमेंउठिगयो अर्धबसनबांकेन
नरहा आधीरैनसमेममगाहा यौंतुमसोंसुनवा
तजएकै सुनतसुनतनैननजलछूकै नबजानो
तुमहैनलराय वहुरसदेसालेकरआय ॥ दोहा ॥
यौंसुनकरद्विजधायगयो विविधहीदेस। एक।
विप्रअवधागयोजहांदिनपरीनरेस ॥ चौपई ॥ सु।
भामाहिंबैठोद्विजजाई राजाआगेबातजनाई
जैसेदमयंतीदियोसमभाय तैसेसबद्विजनकहिसु
नाय भूपतिकोजकछुनाहिबोले दोवविप्र।
तउतसुपर्णबोले दोवनलसमभयोउदास सुनकर
वचनलियेउभसास ॥ सोरठा ॥ पीतबाहनमहर्दैदेहसू
घण्यासतनिरहबिबल विरहजलछनपरसनतसा।
नमयोउद्वेगवस ॥ चौपई ॥ भलीभांतकरविप्रपठा
ना नवपरनेदनब्राह्मनधायो चलनामहिवेगदर्मन

नल·
१५
15

पेख्यायो सुनदेवीश्रवयाहौंगयो जहांभूपरितुपर्न
हिछायो॥दोहा॥सभामाहिहंसयौंकह्योजोतुमा
दियोसंदेस सकलसभाउप्पकरहीवोल्योकछु
ननरेस॥चौपई॥नवरकपुरुषउहांहसेहा सुनना
हीमुसलियेसिरफेरा उठिकरचल्योआयोसोपास
सकलहुष्यादछीउनरास तृपऋतुपर्णवाहुकनामा
रथसारथीकरहैनृपकामा सोसौंकह्योनवेडिता
आई जोकुलवंतीनारकहाई सोपतिरूपरकोधा
नकरै तोसवउनकोकारजसरै तांकोकवहुंनाडुष
होवै आपजरेपतिव्रतनषोवै॥दोहा॥गयोपुरषति
यक्कोडकरगाघनषुपनीआप स्कपटलीनोकनर
केसुर्थगानकरपाप॥चौपई॥पनेवचनपुरुषउनक
हे नवहसवांकेलछनलहे सुनकरसमतमपेचा
लिख्यायो रानदिनावहुनेकरयायो योंसुनकरदम
यंतीहरषी नवबालगांसौंकेचनवरषी पुनमाता
सोवातजनाई रितुपरणभूपकहैनलराई सपत
नामसुलगणजोसुरे यांकोंछकवानससकरैभी
मनृपतिहमकोपठरीना दमयंतीकोस्वयंवरकी
ना॥दोहा॥हैदिनदीमेरहगयायोसुनसुववाकेराय प
कदिवससैदोरकेनोतमपहुंचेजाय॥सोरठा॥उहां

होयनलरायनवहूहैऐसोवानस्सन एकदिवसमै
धायसहितभूपहैआवहौ ॥चौपई॥ विप्रोसंदेसवि
प्रकोगानी कैदिनमैपहुंचोराजथानी सभामांहि
रजनीमैगयो दिनपतीभूपसोंनैमकह्यो चलोरा
यनृसभीमबुलाये सबहीभूपदेसकेधाये दम
यंतीकोस्वयंवरकह्य कहेविप्रदिनद्वैमेरह्या ए
कदिवसपहुंचोंवरहदौर नोदेषोभूपतिस्ककोर ॥
दोहा॥ यौसुनकरश्रवधापतिनलनृपनवेबुलाय स
नवाहुकनमसौंकह्यौयोनृमेरेमनभाय ॥चौपई॥
विदुमदेसभीमनृपतिका एकोसंदेसाहौंउनजीका
दमयंतीकोस्वयंवरकहा कहीविप्रदिनद्वैमेरहा जो
नमसौंहोवेयहकाम एकदिवसपहुंचेउनधाम दस
मरुसहमरेहैचोरा उनमैवीकोसोरथजोरा जोजन
हैसहस्त्रवैदौर जोनमपहुंचोकितदौर कहवाहुक
इकदिनमैनेऊ जोतंरंगफूफनकारिपेऊ नवहीने
देषसबचोरा मननाहिमानेकियोनिहोरा ॥दोहा॥
द्वैहटभ्रनिहवेरेवंधेपछारीमाहि नासौंरथकोना
रकेलेआयोनिहिठाहि ॥चौपई॥ रथकोसाजभूपढि
गआयो देषतरूपनृपश्रतिचमकायो मनवाहुकै
कनमसौंवरुडीठ नमकोसूफनहैनहिएठीव दैहर

नल·
१९
16

मेरेआछेवहुवाजी देसकेंधारीनरकीताजी उनहूं
छाडतमटहूजोये उनहूंसोपहुचनननहिहोये या
हसनवाहुकवोलनभषेरो हमपैराएछोयमनकरो
यहइवेलगुनकेहमूल ऊचेवडेदेषमनमूल ॥दोहा
जोमणिपगसोंवाधियेकाचध रेसिरकोय वेच
तमोलपछानपकाचकाचमणिसोय ॥सोरठा॥ जो
नरहेगुनहीनसिवलजोऊचोभयो छोटाहोयप्रा
वीनसमनासोंनजहिसरस ॥चौपई॥ उनहीसोंदि
नमेपहुचाऊं मैंतुमपराहैंदासकहावों सुनविता
पणिवछोरथमाहि विप्रसूतमझिनरथमाहि जा
नजानसोजनकेगयो नवेवसनभूपतिकोपयो प
रतपरननवहीसाथिआई रथकोथिरकरवाहुक
भाई हमगाविमनरहेंाग्रवपरा वमनसूतलेआवे
घरा नववाहुकनरपतिसोंकहा सोजनदमउपटा
वेरहा सुनकरचाकितभयोरिम्रपरणा नवेगहेवा
हुककेचरणा ॥दोहा॥ हरिभगनतजिजननमिलतसु
दिनरहोनगुनवंत छिलनमिलनसुखवजोनवोढसो
केंत ॥चौपई॥ वाहुककोगुननरपतिचीनो नवग्रप
नोगुनपरगटकीनो आगेवलतभूपनवहेरा मा
रगानिकटजलकोविहेरा सुनवाहुककरमरीयहसंग

न यांके फूल पातन की अंगन दस सहस्र संख्या के है
पात निहर्यो सो मोहि मरी वान शाखा पक गिनो नम
टेक है सहस्र फल जानो एक उमह्यो बालक सननन
ह्विन फल ग्रहरु पान सकल उनगिन गिनकरवा।
लुक भयो हिराना हरन भये सभै सम कामा॥दो
हा॥ नव बालक कर जोर के अतिही विनती केरह
या गिनन करकी विया प्रभु नृप मोको देहु॥चौपई॥ नम
मोहि हौं विद्या यह लेऊं अस्त्रकी विद्या नम कोदेऊं स
नकर भूपन विद्या दीनी यह की विद्या बालक सों ली
नी पुन विद्या पासा की लयो अव बालक नृप मित्र
भयो पासा कुल जान्यो नल राय नव ही वमन भयो
अधिकाय वा नर रूप भयो विकराला नल सों वच
न कह्यो तन काला रुनि बालक मो हि कलि भग जा
न तुम पे वसो कोय मन आन पासा कुल नी कैन
म जाना तुम को दई मैं नवे पलाना॥सोरठा॥ कहैं अब दस
र कहा दई मैं नीजवनम वरे वस्यो कोय मैं गाफ नवन
मसों ग्रैसे करी॥दोहा॥ यों कहि कलियुग गयो यो वके
विभीतक वृक्ष नाहि न मेन लराई को भयो सु मनम।
न सक॥चौपई॥ नर जाय विभीतक नरे ताको कलि
युग वायां करे लेवे जवन मल नृप को नाम भागनक।

नल
१२

17

रिग्रबमैंहरिनाम नबबाहुकरथफेरबल्यायो वि।
डुमदेसनरेसभुजायो रविकोग्रस्तसमेजबभयो न
वनिनपरणानगरमैगयो देषनरायस्वयंवरथाना
नाकोऊराउरेकरहिराना नबनृपभीमबानयहजा
नी आयोमिलनक्षाउरजयानी करसनमानदियो
वैठायो वैठ्योभूपउनरकरथ्यानो ॥दोहा॥रथसाला
नृपभीमकोवाहुकउनयोजाय दमयंतीजान्यो।
नवेसषोएकटईपठाय ॥चौपई॥केसनीनामसख
रीथाई वाहुकमैंनववानजनाई सनोसूतरूमकीय।
हवाते काथकवनचलिआयोहांते मववाहुकय।
मीसैंवना दमयंतीकोस्वयंवरसुना नवसुनपर।
णावहुतदिनभायो एकदिवसमैंइतउटिआयो पु
नकेसनीएकवातवनाई कहनभईमनअंतरपाई
सनवाहुकपुरुषनमैंउरीये यामैंनेहकवीनकरी
ये एकपुरुषनिउरगाम्रतिभयो छ्काडनारवनमैंउटि
गयो आधीरैनअधरपटलीना त्यागीनीएकटनम
नकीना ॥दोहा॥सनतवचनअसप्रानमैं नलकेदर।
कैनैन लयोउसासमउदासमैं वोल्योकछुनवैन ॥चौप
ई॥केसनीहेरदमायेगाई सकलहृयावासोजाकही
सननदमनीकेरपठाई लछनदेषनकोआयिकोई

जायउ होतउ पकरन्नै रहे जो नंदे देषे सो नंद कहे छोटे
बारज होय पृहकोई नाको भीनर दरोर सोई ॥ सोरठा
निवेन छोटे द्वार प्रथ बिनातृणबलउ दे कल सहीन
होस्वार देन हरउ छल नन वे ॥ चोपई ॥ इनती सुन वै ने
सी विषकरी मंदर माहि रसोई धरी नव स्री जायक।
ल्योविन पणी विनती करी पकरस्कै चरण सुनेभू
पसीधा मोहि ग्राना भीनर माहि पल्यो सव वाना श्रे
सी कस्यो नव स्री उढि आई नव पकउन सों वा तजनाई
सुनवा कुकन मकरो रसोई कीजे वरनन जाने कोई ॥
दोहा ॥ इनती सुनकर जव चल्यो करण रसोई भोग आ
गे दासे छुपरही लछन देखन जोग ॥ चौपई ॥ भीनर।
कैं बाकुक जव चला छोटा द्वार देष भयो सला नि
वान सी सलाम्यो ग्रहा ननछिन द्वार भयो पैव श्रा
ग्रन मासनी को विषजो है जलन ही कलसकं हो है
यो है नीके टषटई नलवाई जल सों कलस भरल्योउ।
छलाय देषी चुल ग्रम जव नाही पष रीं इथन राष्यो
उसमाही देषत ग्रम ग्रंचे इन जवली लछन देषसषी
नवचली ॥ दोहा ॥ लछन सव हरन भये जान्यो है नल
राय नदापिन होवे नहीं कीजे श्रीरउपाय ॥ चोपई ॥।
सुन ग्रुरु कंन्या ग्रपने लीने राजा नल पै पकरदीने

देषनहीसुतकौनलराई ग्रांसुवलेनैनजलजग्राय
केसुनीफेरदमापैगई इतनीवातजायउनकही सु
नदमयंतीग्रापेधाई देषतभूपचरणलपटाई ॥सोर
ठा॥करग्रदत्तिनाचारकरजोरेठाडीभई नीकेनाहि
निहारमधुरवचनवोलीनवै॥चौपई॥सुतस्वामीहौं
भाषौंयेसे विनगुनाहत्यागीगीसोकैसे कोग्रपरा
धयह्योमुझमाही त्रमविनग्रोरहसैरेनाही कहेभू
पसुनिमोहिपियारी भयोकोपकलिग्रगभारी ज
वसाछाडमोहित्यागयो नवनेकोधकलिमनय
ह्यो नवउतहममोग्रैसीकरी त्नतिरीयामैत्यागनम
री ग्रवत्नंग्रपनीहथासुनाय जोकुलवंतीनारकहा
य जोकुलतियग्रहेजगमाहो सोपतिग्रानवरनक
वनाही कैविधवाकेपतिसंगमरे फेरस्वयंवरना।
हीकरे त्रमकेंास्वयंवरहजाकीना नजकुलमारग
ग्रपजसलीना ८९॥दोहा॥पनोसुनदमयंतीवोलत
भईग्रधीन फेरस्वयंवरनाकियोत्नमरेसाधनकीन
चौपई॥सुनस्वामीनेरहौंचेरी सातजन्मलगदासीते
री मरमरजन्मजन्मकेमरों मनक्रमवचननोहिकौ
वरों जोमैवातकपटयेभाषी देवसाधिमेरेसवसा।
षी ग्रमवाग्रसूर्यग्ररुचंद्रा जानतहैसवघटकीदंद्या

जवसुषनेभाष्योयहबानी तबेप्रकासभईसरवानी
कियोस्वयंवरसुनमहाराज तमरेसोथनहीकेका।
ज सुनसुष्यनकोवरषाभई दमयंतीसहितनलके।
सिरछई॥दोहा॥ सोचयमैजिहिमनवसैसोमनसभूति
हिफूल हरिभगतसियग्रममैरहीकमलसीफूल
चौपई॥ नलनृपगहीदमंतीरानी परमसुनीतसुद्ध।
करिजानी तबेसर्पकोसिमरणकीना तांकोवस
नअंगकलीना उठनृपसुवाननपायो ढादस।
रविसमतेजसहायो जवयहसुनीरायरितुपरण
दोरगहेनलनृपकेचरण सुनोरायनलमैनहिजा
न्यो तमरोनृपकछुनपछान्यो॥दोहा॥जोहोंप्रतम्रा
मराथसुतनकसोमीनकरिमोहि करीकहाईजोक
छुविमाकीजियमोहि॥चौपई॥ इतनीसुनततसभूप
तकहो तमरेभूपमहासबलहो सीसनिवाय।
रितुपर्णनिरेसा गयोसरथचढिअपनेदेसा भीम
नृपतमनआनंदपायो दमयंतीसहितनलराय।
मिलायो रुयहाथीवहुमलतनदीनी भीमभीप
वहुमदनकीनी प्रथमेसुतसोजरथआना दमयं
तीसहितनलरायचढाना सुनकंन्यादोसाथचढा
ये चलेथायकरवहुदलछाये॥दोहा॥कैदिनमैमा

नल
५९

19

रुगवलननपङ्कवेग्रपनीठौर उनहोउपवनकोसप
रपतीनगरमैसौर ५८ ॥सोरठा॥ आयोहैनलरायय
हवानेपुष्करसनी वध्योनिसानवजायहैसनपु
षकरयुद्धको ॥चौपई॥ मेत्रीमदनपुष्करकानीका
भलीभांनजानतसोजीका सनपुष्करहैंभाषो।
मोहि करसंग्रामजीननहिहोई करमिलापजू
आपुनिखेले सबधनजीनवहुरवनपेले हैम।
सगलसोंवहुधनल्यायो नमरेहेतमाहिमनभा
यो ॥दोहा॥ इतनीसुनपुष्करनवैमिल्योसनलसोंआ
ई करआदरवहुमानदेग्रपनेपासवैठाई ॥चौपई॥ पु
ष्करुसनलकरकथाकहानी नवपुष्करऐसीमनआ
नी सुनोरायनलखेलोपासा वहुदिनकोहमरी।
हैआसा चितगिननीजुकवीनलआवे सोहमहूं
मोपेलखिलावे इतनीसुननलनृपकहदीना खे।
लोवाजीदोउकनीना नवनलरायपासाकरलीना
पुष्करसोंग्रेसेकहिदीना पुष्करप्रथमलायोभंडार
नवनलनेपासाकरडारा हमरीवाजीफेरनिहारो
जीत्योनलपुष्करनेहार्यो हाथीघोडेरथसाजे है
भीजीत्योनलनृपराजे तीसरीवाजीलायग्रभिमा
नी देसग्राममारीरजधानी सोनतनलपासाकेभेरा

वहुभीजोन्यो निरसंदेह॥दोहा॥जोन्मोसवकुकुभू
पतिपायोग्रपनोराज ग्रपदिनकुकुकरिषायके
कृपाकरीमहाराज ॥२॥सोरठा॥गईसग्रपदाहू
रमहाराजकीकृपाते जोविपलिवीग्रंकृरवरष
वारवीततभये॥दोहा॥उपमाश्रीनलराईकीको।
करसकेवषान नरगनउडुगनगगनमैग्रैसेदीने
दान ३॥चौपई॥ग्रैसेविपतपरीनलराय सोहमत
मसौंकहीसुनाय नवतमसुनोयमैकेनंद भूपयु
धिष्ठिरग्रानंदकंद ग्रवतमचेतोश्रीमहाराज यो
रैदिनमोपावोराज इतनीकहिकमिरिषवरगयो
नवपांडवधीरजमनगयो ४॥दोहा॥हरिभगतज।
नमनसकलकीनोनलोपाख्यान ग्रपतहरनसव
सुषकरनपढेसुनेधरध्यान॥दोहा॥करहिकोटक
नागकोदमयंतीनलराय श्रीरितुपर्णनरेसकोकी
र्तनकीपकलिजाय॥दोहा॥पुण्यसलोकनलरायहै
पुण्यपुधिष्ठिरभूप पुण्यसुजसमनकविदेहीग्रापु
ण्यसुगिरधरभूप ७॥दोहा॥संवतसत्रासैवरसवीते
नवग्ररुतीन कार्तिकशुद्धितिथिपूर्णिमारविदि
नग्रंथजुकीन ८॥दोहा॥महाभारततनवपर्वकोग्र
थमकथासुनेकोइ रावलियोजननंदतेकृपाक

सारंग॥मेरेबोलमंनेंआनेंनीमांनेंनीहौंजोकहतहैरी।
तोसौंलगायलेईकान्हकोकनयेतोहठ कौंनेंबेरकोहै
उनिनरकरनहैरीमेरैंजानकबजायेगोतेरोसठ॥सार
ग॥तोहीकौंलैपायोरीआलीलालनेंकैमेरैंउनेंक्रूटे।
हाआई सांचीकलोकौंनांसंमैंकाप्रबपलाइनाहिंना
हिंनेंरहीपाईयनहैहैरिसाई॥सारंग॥रीकेसरकीपौरबि
राजनकपोलेंनैंदरमोनैंमिगमयकीविंदीअंनूपमं।
बारी बौरबौरकेअभूषंनेंबनेंरहेरीनैंनैंनेंरुमछबकी
मौनाकारी॥सारंग॥अैसीतिहारेलौंयनेंकैजोलपक
परीजोकरीयेटिनदीयेंचोरीहोरंगकीकहा अरनउ
रेंनेंसंगअैसेलायेभयआवनकनावडेयहअंगकीक
हा उपटायअरालापमलाकहेंतीयाजीयाकोअमो
यहढगकीबौरबौरअभूषाननिनकैगुनराषेसोअ
गटभयतनोकहीयनअसफषालयढंगकीकहा
सारंग॥गीरीषमभाआवईपरीमाईयातेलागनसी
तलप्यारोपवनपलपलअषीयनचिनवंचंदनसेला
गतहैरीअंकमालचनसारकिरपाकोकोअरआगर
सदाईसुषदाईसगरहैमेरैआलीरीकहलचूअन बि
रहाभूपनाहिनलागतहैरीपीनछांवपकसरबहा।
छीआवनराजारामसोअपकरसषउपनीमाईषटा।

सारं
१

दासननिवासरंगभवन सारंग कनकीनोहेमता
वनहैरीग्रालीवाननकहनसूयेवूफैग्रोरहटक्को।
उसग्रनहीक्किरकौगुलावरहमसषसषानो मथनि
रमलडलकिहनमपवनजाडोलागनहेमरिना।
याहीनेदौरग्रवग्रापेरहीयेमानो ग्रनरग्रागजा
फूलपानेवोहूनागरंगमींहेदेरनीयेनेसंगग्रैसेहीं
मेनेग्रांनेदग्रोनो रसकोसाहेग्रोरंगजेवनेमेयो
हीग्रीषमेषितिकुजगभरभोनो ॥ सारंग ॥ मैसभ
जानीग्रेहोपेमयीग्रारेनेरेमानकीयहिवातो के
नेदिननमपचरनननननरहनभयेपैपीकहूना
समफीनममोननकी जौंचकरीपरग्रवानेदक
रपावनमथोपरपंषलेनयहीपुमउटग्रालीये।
हकयाभईमेरेननकरकजोग्रुसनफानमरी।
फोकछनफकैंहूजेकोलसहेगीनीयजानेजा
नेकी ॥ सारंग ॥ दयानिपदयाकरदग्रहसिथ
नवानिपजोसभविदिग्रासोषपाहू जीवनमोक
नकरग्ररसषदारकपतनपावननेरोहीजसगा
हू ॥ सारंग ॥ वारोवाजेवजावनगावनग्रैमेहीन
मरीवरसगांवहोग्रानगन सषमेउपतसोक
रोग्रांनेदग्रोरनिननिनकरोराज ॥ सारंग ॥ कहो

मेटआपेहोलालअरगजाअंगकोअवहीलगाई।
गयअहमैं सीनलसैनैनलाललालडोरेरंगनो
कहांपरसंगको॥सारंग॥ अगअरंनदलइदंन
सरननेसरननैरैजोयरजुगत मतनपावननर
नतईतेलोकंपननान सैनकीजैजीवनसुकन
सारंग॥ यहिअजवरजबमहीनाजाकोकहीयेमै
लाहेजामैहोवेहजरनछवाजाजूकोउरस उरस
कारनऔलीयेअंबीयेमलाइकआवैऔरआंवैभू
आपनराजाऔरआवैसाहेजलालदीपतकादअ
दरस॥सारंग॥वरसगाफनईनईकंचनरनन।
जटनकीललहैपारवैटसाहेऔरंजेबअलाहे
कारमतेजीहोतसरसबरसगावनईनई गुनी
गंद्रपामिलदेतअसीरबादसकलसदिहसो।
जीयअतहीफूलभई॥सारंग॥ उदलनरनादा
नीमहामंडनप्यारीकालमोपासंगवलरे क
लरेकलाकेकलअनापनउरनसमतबिलमो।
मनआयोरंगजईगजेरबडारनहूसपतराजा नू
अबैसोअैसोनामबढनबलरेघरेगभीरमिता
र॥सारंग॥ प्रिथमीकीमणादणाकरनारांइणाम
णासामदीनकीबमणाहजरनमोनदीनछवजा

सा॰
२
2

पनाललोगबासकमणदेवणमहादेवसेवासंक
रसरनमनसारभयोइंदवाछ्ठाराज जीयजनहनू
मानभगनानकीमणकाणसमेरकीमानभयो
परमसुषकाजाउमनकीमनभयोकालमानबी।
कोजिननकहियानेउनरेपारविनोदभयकाना॥सा
रंग॥नीकनचिनवनवंकीमागग्रलकडोरेनेनंमुं।
गनचोरोञ्जरपीयामनमीनरूपनरनरल सुषसर
वरनिहरीनरगानिलकनैडोनिलफूलनासबेसर
सदासिंकंदरसोभनपीनसैनपुटकारसौननसार
उरग्रमषल विद्रावनीसारग भाजीभाजीरीनी
दरीयामेरेनेनानेग्राजभाजी नवनेगवनकीवा।
नांसुनीनबनेझैग्रमरागीरी॥विद्रावनी॥सारंग॥
ग्रवदवदगयविसासीकवहूकवहूग्राहिग्रावैक
वनदेसकेभयविसासीविद्रावनकेमवासी विद्रा
बनी॥मोहनवासरीकालंद्रीकैनीरवजावन मु
रलीकीधुनसुनकलनपरनग्रालीमरीयलैलेसा।
री॥विद्रावनी॥सारंग॥पहमगगनानरदलमयन
रेरिनकरनचूरनासिमरकोहमपनीगजपनीन
रपनीसवददानफौफरग्रौररहीयाषरगनासो।
ले ग्ररदनसवदारदनषबरषनमनभिनावरीग्र

ह्लको नसदीमग्रावैविरदानाबिरदावरी॥विद्रा
वनी सारंग॥रणभुमाफोफारवाषैलैवलोन्निब
ददलणन्नूग्राभूग्राभलैयाकेचनयोविरदनकाम
नरिपदलीमाई मंडनाजैमेहलणावंननेसेतग्रभम
हकभ्रमईयहसागजानरादलासवलसंगरीम।
गहगजवेभारणभुमाफोफारवा पनीयईयानी।
याईयासीयईयानीयाईयनीयाईयाईयाईयासम
सेरगहिदसदिसासाथेकमटसावनन्नूग्रामण।
चलननरेसभूपपेसहलहलयोसंहंसफणभा।
माफोफारवा॥रागनी सावन॥ग्रबमैजानेहोला
लमग्रपीरेग्रनमने भलोन्नूभलोमनावनग्राय
रिनकेन्निचेहनदोरापग्रैसीकोचानरवाल॥सा
वन॥ग्रैहोमेरीसोपउनालीनी ग्रबनेविसारी।
पीयाजीयनेग्रैसीवकवहनाभाई॥सावन॥कक्रू
जोवनाफलककीग्रेटकछुंग्रगीयाउपरेनीग्रेट
डारी रुकतोवाहिगहेकीग्रेटहजैमनसोहाय।
फनाढिगकरनसोंसवारी॥सांवन॥ग्रैंहोमेरेप्या
रेहोतमजीयमेरहेहोमेरे जोईजोईकहिहोंवा
होंसोईकहिहो हिनून्नसपन्ननहिनून्ननदे।
साहेवहादरनमवोनाईकसपदेसपलेहो २९

सा
३

3

वडंहंस॥ पीयाकेआवनकों मैआगामजान्योमा।
ई ऊचभजनफारकतजोरंवदनरकननैनवानमि
लफनारोलानो॥५०॥वडंहंस॥घनघनघनघनरीतो
पैमैयाभईपीयकी सकलतीयनमैतूहीवीन।
लीनीतेहीप्रकनभईजीयकी॥५१॥वडंहंस॥विदे
पासाथहोसचारगुनीमैसनीगुरमुषकेग्राराथ
सुषपाप्र नारवलग्रादयोचरयोनैमेपारवला
नौकछूपवैसभामैग्रसेगावैजोग्रापनेचर॥५२
वडंहंस॥मनतुंरंगसुरग्रसवारवउवागैलेन कं
टमैदाननानषुरीरीतारचाबकलेन॥५३॥रकन
हंस॥नेरेग्रगैगुनवरवाकीसरवरकोकरैतूसभ
ग्रंगनहरी ग्रनेगभांननकेरंगजाननउलग्रा ग्रा
नूरी ५४॥रकनहंस॥प्यारीतोहैदेषनप्यारोप्रफु
लतभांईसालेवहादरजानसुजान॥५५॥रागनीन
नट॥वैरागीमैयीपीयादरसंनेविंनैनारानना।
भरे लालपरेषमग्रांसू पांनपानतेनरिगतभा।
रेहानेरवसंनेभगौंहैकारे ५६॥रागनीनट॥चौ।
कीरीमांनौंदिनकरग्रायोडग्रादसनीयरैंकुचउ।
तेगमचलसनाढिगनगनजरन इंद्रकालवरा।
नवुहरानिकलनमैवनरहेफलनाढिगग्राननसो

ग्रैसैलागीदिषाईदींनींससमीयरैंकुचउंनगम
चलसुताछिगनगलनरत ४७॥रागनीनट॥उंमे
डेउमंडेफिरतहैवादरलागतहैनादरमेरैरीनैंन।
रीचनबरनबरनचेन नैसीहैदांमनचौंपबफाव
नलगावनग्रीवैंललनाके मोरफुंनगरजंननरफे
नेरीबरमनंपनंहूंदंनग्रांनदंदानाग्रांनमिलावन।
हैरीनंनमंन॥४८॥रागनीनट॥जोवनगरभंईगर
वानीयहंगरवानीयेग्रानीरी कहिहोसाहिप
टाई हौंग्राईतैयेहनाजानीमोकवकीफिरनरी।
हरवरांनी ग्रावतजातपागछिगषकर हेवाना
करनमोसोजीवपेरानीकहेसाहेग्रकबरकीसदे
हलीयेग्राईनारगहेरीवेडवरनबरनउदेउवाहे।
कौलरहेगीसनरानी ४९॥रागनी॥कहेकोकाना
देनगारीदानलेउदेउजान जोइषचलग्राषेसोग्रा
गैहीग्रायोयोंहीग्रावैव्रिजमारी ५० मैमानवारियो
वैवारियोवेनफरुपरमोहनलालेविमल चोलचो
लचुमाईसा हेजलालमहंमदपरमालमुलषमा
लो ५१॥रागनी॥ग्रबदबदगोपीयागिरीषमकी
ग्रालीग्रबबीतनलागोसावन रकतोबारचरंउर
नेउउग्रपनेमेईचाल्लिगपिकबेरपरीरीमेरैपावन

सभमैंनेउरखालागघोननतावन॥५२॥नट॥क
रीसरेंहीमैमअलाअकवरनेंमेंमसाचो येनेंयेनेंय
रवरदिगारकिरदगारजेहोजगारचो ५३॥रागनी
नट॥करारीकरहैंआयनोंयेकअलायारीयारी
औरसभयारकरकरदेषेसोकोउहै नोरंगकरा
री उपनश्रिगटसभजीयकीजानेआनंदलाना।
हैमारी नोनमैनेंप्रीतताहूसोकीजेमोंकीअका
थकथारी ५४॥रागनीटै॥जैनेंमानेंहेकान्हदा
नीभयगोकलनवसीये औरनगर ऐसीकरी
नदेषीनांसनीजैसीवीतनहैयानेनंदमहरकेवा
गर येहीउलांउनोंदीयोहैजसोधाकोऐसीचता
राईमोसोंकींनींकान्हलंगर त्रिभविलासऐसी
मतकहोपाईहैजोदानेलेनफिरेरोकनउगर
५६॥रागनीनट॥मोमेंकरगपेननछिनेंआवे
नेललनांसोआपवेंनेंगपेऐसीतेमेंपेहोवेननद
गा लोकमेंकआपआपसमीपयेकहोहीपेजा
गोसोनयनकारेंनेंसंगविरहोजगा जोनेंजूजाने
जोनेंपुने येकमेरेजीयकीतेमेंयेकजोमोनीमहै
येरुअचरजआवनहैंरागरंग नेमेंसंमारमेंनसा
हेकीरनहोवेलगाजेंनेमोंनेंनयनकारेंनेंसंगवि

रह्योजगा जोनेजूंजोनेजोनेघुनेपेकमेरेजीयकी
नेमेपेकजोमोनीमुहैयेहमुचरजग्रावनहैरागरे
ग नेमेमेसारमेनेसाहैकीरनह्योबिलगजैनेमोने।
नपनकारेनेसगविरह्योजगा॥ ५७॥ रागनीनट॥
मोवेनग्रायोरीपवेनेरितचफ्रांइयेनेकगाहकेमो
नेधुरवानिसांनेचढियोइतमोमं फौजबूंदजि।
मकिनकूंमेरेह्रीगरजनालउलागोलासमोनेप
रनबिह्योगयनेथोमं ५८॥ रागनीनट॥ पेरीरेगा।
लाडियोरहैनेनरेनीकोमेकीचफ्रीरी येनेनूथ
नेरीग्रालीयेनेतेरोजोवेनेयेनविहस्योमेजेह्योनू
गफ्रीरी ५९॥ रागनीनट॥ स्योमेकुवनाजूमेनेप
फडारियोमेग्रपफडारियो गोवेगोवेग्रैउह्रीफि
रतचरचरफगरापसारियो ६०॥ मालसिरी॥ के
तेगुनीजनपचपचह्रारेपेको जनापावेतेरेभेदव
रननाह्री ग्रोरजेतेसवनथापेप्रियकारकह्रीयन
हैजेतेसमलेतग्रतगतगतमथचरननह्री तेरोस
नरतनेननदेष्योमेवागिरफाइ केनसनोह्योवच
रननह्रीदरीयाषानकैपरनचेगरापेवानकनोन
मैरेजासीघनकोसरसतीउनारेनग्राकेटसरनना
ह्री॥ ६१॥ मालसिरी॥ वालापनगइयोनिनरनग्रा

मा॰
५

योनवथोरीथोरीभयोगजमहामंत गपानमहा
वनसकुवभ्रंकमयंचटपाटग्रंधग्रारीसीडारीकुट
लकिनारषुभींटंत ८५॥मालसिरी॥हरकरमटना
ग्रलीरीहैनोग्राईनूचितसेग्रानन ग्रानन मोहे।
नेरीपेनूजानललनापठाईरी तोकोंग्रेनन॥८८
मालसिरी॥सोहनवैनीभालभालचंदमवधन।
कवैनखिंवनकेसीपजोनकपोललोचनजोभ
रे कीरविदमनासकाग्राथरथरनदारदमनव
मकरंदरवीजलीसीघोलनमवनकेमकोकला।
हे ८४॥मालसिरी॥येनममभापंडनमभागपान
नामोहेगाइग्रावनावजाप ग्रावेनामोहेउनमगपा
न ८५॥मालसिरी॥जाननतारसरकेमेवनकीउ
पमपग्रासपसंगतग्रोरजेनेमवतवई प्रकारक
हीयतहै तिनहूकोबियोगाकरीयतग्रंथसोंजग
तसोजेसोग्रथकामतपंगान गीनचंदयौरूपरप
नगावेगुनीनजावैतिनहूकौवलेवकरमाननता
ही जैाकीजैारिमालरंगमाहेग्रकवरग्रुरनगूरू
मकलकलासंपूरनववेकेविनमनग्रंगाग्रंगात
८८॥बरवा डिमडिमडिमडोरुवाजेवाजनपंचा
यरमीय तंतमंनवाद्येवरग्रेवरत्रिसूलरतिवस

लरेवाजनपंचाधरमीयंतंत ॥ मलासिरी ॥ ग्रेनकी
बडाईमैवनायोफुरकानविचारकरदेषसभसू
रनकलामकी लामकीलिपाकनस्तारलागिर
वरमैंमदतनकीनीनबीअलैहिसलामकी याद
कीयेनादअलीमुसकलअसानहोतलागीमोहे
रटनंनिसवासरनूआनामकी हूजीयेदिआल।
मोहिकोजियेनिहालअबलीजीयेसमाःलपत
राषीयेगुलामकी ८७ ॥ मालसिरी ॥ सरवमणा
अलावडाईमणाबुदाजोनमणानूरथिरनाम।
णाअंकारकारणानयमणाषेमोदेआधरममणा
उपजमणाबुथकलमांमेणाकलामवांगमेणाकु
रांनभाष्यिमेणाअरबीभणा असतामसणाअरस
नरांमणाभिसनकलपकजीवणातैपेकग।
णामेंनांमणामेंनकुरुचमणामानुकलेषमणा।
ग्रापनउकवारेणामणाइमानपीरेणामणामहैय
वीनगौंमेणामणारमेलिलाये नीनिकाईकसीर
हीमदादआईभणा ॥ ८८ ॥ मलासिरी ॥ सिफतमा
णाअलानबीयसामणामल मदयारणामणावा
रेयारषीरणामणामहैयदीन बासरमणादिन
करवजनीमणाचंदनावांइणामणाधूअमलका।

सा
९
6

णमणजिवरईलवेसभनगनलौभीन यनाल
मणसेससेसमणग्रवनीग्रवनीमणनाभनाभ
मणग्ररसग्ररसमणकुरसीलौहेमणकलम
तरंगणमणब्रुराकगजमणग्रैरायतराजणा
मणइंदगिरवरमणसमेरकाहणमणइंद।
गिरवरमणसमेरकाहणमणचंदनसलनम
णसमुद्रचैवलमणमीनकिनाबमणकुरान
दीनमणकलमाग्रवदलमणग्रादमकामण
मणहवाभाष्यामेंणंग्ररवीरागंणंमेंणंभेरों
उकमेंणंदीपकदीपकमेंणंनारनारमेंणंदो
जकसीनलमेंणंवहिस्तग्रैसीभांनसजेंनग्र
सनत कीनीकृय ॥८९॥ नठ॥ ससमसरकोकोंऊ
नाहिनहजोकधौपग्रापमहावीरभद्दनाराइन
वदनग्रदोनानाहालौभरपूररहियोलगचदमा।
चदादानकयलागनारा॥९०॥ कृयानठ॥ देसदे।
सनाकेजाचकगाजैनेनेनेसभलेतग्रधानेतमदे
ननाग्रयाने समेरकोमोनाधनग्रथकरयनराह
ननगरकीरतनभडारीफोवनग्रकेवषमनो
नग्रौरमोनेहाथउफरउचारकलाने॥९१॥ कृयान
ठ॥ नेवंककृरपनीमहमदग्रकलारमहेजला।

लगपबोबन्नापबोनवभोज्ञभोसमसादकमौरीकै
ननमन नाह्नीकोअबकाबकिरननाह्नीकोउकन
न्नुगननगह्नेअालीरीफेअनराजालाल॥७२॥क्यानट
ज्ञाननानहोमहरामज्ञान्योरागको कौनसुथसंगा।
नकौनसैमुझाबानी करनबवेकसभविद्यासमजा
गेजेकहेगिरधमंनचतरविनानी॥७३॥गोरी॥अत
ही मरछिनयरममपाछनरेन्अावननराजाइंद
मूअउररे नदानडररेअग्रजीनगंजनसाहिनमन
साहेमहेजहाअकबरबंसनररे॥क्यानट॥मोसो
रुसनाकहनकरनहोप्यारेजोकछूमोहनेचूकप
रीसोनमहीमफारनहारे अावनगरेलगापेजीया
नैषरेहीभाये पीनबचननजभयेन्यारे कौनअेसी।
सिषलीयेकहाअेसीजीयेपरीछनहैनोसांहो।
हारेसोहेकीयकरननहोउनरकाहेनदेनदोलनषा
नउजारे॥७४॥मुपनट॥नारनाननागनोह्नीपोवन
आवैन्हीचनरंगराउ गीनचंदयरुयरयनकेगा
वैमबनथाये॥७५॥मुपनट॥उनफनगुरकीकही
ये जवहोवैअसादभवानीअादविदिया नीकवो
कढरनमुरनकेगावैनीकेरससानी ७६॥किदा
रनट॥सासउसासनरुयोहीआवनमोमनकाम

कैसूमरहियो सरगमरगजरहैनोव्रुकोंहोंवैरहकेअ
लीजेंनेंननानेविरहोनपननेंनेदेहौं ॥७७॥ किदारनट॥
वादरआयेरीसषीकरसमानयेरीसषीकरसमान
वहदेसतेंयनउलरआयेरीउमडघुमडघनकायेरी
७८॥ किदारनट॥ होगोबिंदकैसेकैसेपाऊंउआंकैसे
कैसेकयहमनलाफें इकरसनाकहांलौंलाफेंक।
हालौंतमसेंयिआवूंसमफहमइआमोहेलोभको
मतिशनआगेकाहलौंतमसेयिआऊं॥७९॥ हंवी
रनट॥ समगपारवारलीयेकानारीमेरीदादक्षडारे
ग्रगकीसभजाननदीनीमेरीमटकीयालीनीदिन
दिनहोरीजाननपाई ८०॥ नटमलारी॥ येरीकामत
पनमैवजानीदरीयाषाकैनेकजोधारेगेधीरातन
ग्ररगजावासगंधमोहनकनसमपावोगेकंठ।
लगावोगेआसीरा॥८१॥ नटमलारी॥ येरीगननलेव
लरीमोईजैहिगनमैरीकेसजान उरपातिरपला।
गडादउरमईनेईनेईनेई॥८२॥ नटमलारी॥ पीरन
पीरदमनगीतमहोमरूबसबलानी जोवाचत
फलपाईयननननाकिनग्रमननकैसेजानवषानी
८३॥ नटमलारी॥ मेरोहीदरदजाननाजिनमवनकरो
प्यारेवदराउदेहैग्रवगारजगरज आनपीयाकीवो

सा
७

7

पभईयातेपांइनपरराषेमोबरजबरज॥८४॥नट
मलारी॥घोषनभरननरननारनमेचमनभावन ला
गेबूंदमालचमडचोरधुनककाननगुकनधारबर
सनफरसावन ८५॥किंनरनटकीमलार॥लालमा
नहारैनमालैरीचलेबरषारिनआगैमोहननेकोट
भानसमफाईपवेनाहीसमफैरीसामफापैतैरै ८६
हीरनाटकीमलार॥मेरेप्यारेजिनहोवैन्यारेबरषाआ
ई वहूंदैसनेवदराउमडआपेसेसलनाउमगआई
८७॥नटनराइन॥षटोलामेरोग्रेसोरेगफ्रीयोरेसवार।
जामैदोमानससमाइ बाजवहादरसेमईयाजाकी
रूपमतीसीनार ८८॥नटनराइन॥तूजिनबोलैरी
अधारनरंगचूडपरै चरीकमानरहनदैरीमेरोजी।
याउरै॥नटनराइन॥जेतेदोषसकलगोकलमथआ
लीरीमेरेहीबाटपरै मनवहराकंओरसषचाहेदे
षैनेनांयाऊंयातेनैनानीरभरे॥८९॥नटनराइन॥
दिनचारचारकोकोभईरानीनमम्रपनेजीयमैवि
चारधौआलीरी याहिजगचारदिननकोपेषनाच।
लनचलनकीचलेगीकहानी॥९०॥कमोदकल्यान
नेरेअंगअंगकेबरंनमोपैक्योकहेपरैरीगुसाइन अ
कुरनानसषमुझालीयेयाहिबिधगुनगाइन ९१

कामोद॥ आजालालआयोनैरैवागेवीरवनठनरीउदब
ल हौजोरनूभईछिनकोकहनहैमानग्ररीयेरीअल ५२
कामोद॥ नूतेसांचीपीयाकीप्यारीजिहिरि फायो।
सोजानविदेआछिनैंत्ररीचरीपलपलनोहेचहनहै
रैनादिन ५३॥ कामोद॥ येनूआभलीरीमेरीआंषभा
ई वैफरकननिनयरीयनमाईफरकनैदेगरवाही ५४
कामोद॥ पियारीकैसीनीकोलागनआषनमोहनभा
नपरेभी जोप्रिमेयजलसोंअलको यहिउपमामेरै
जीयेआईमईमीनकहाकियोषंजनफंयेहैसोनिरष
नमूंदमूंदेपलकै ग्रतग्रलमानजेभानसोहतदसन
स्यामसेनफलकैग्रतसघदेरमलीनो राजारामप्या
रेसोवोलनमथरैवैनहलकै ५५॥ कामोद॥ प्यारी।
कौननीयसीषआईकौनकेकहेलागीनूमानकरन
नोतिमनावनगृहपमईरजंनीनूनाहिसमकनमे।
पाई नेरजीयाकीपरन हौतेनाहिसांचीकहनूका
करेगीरीमेरीमूरषगवारनारनपाईपीयाकीचल
न साखिवहादरवेगंहीवेगधायेमिलोत्यिचूंनेसष
पाऊंगीज्ञवपरोगीचरंन ५६॥ नमजि॥ कामोद॥
नमनिंनजानोहोपीयामेरेजीयमनवषयष मोनै
नलजाईयेजाईयेनहांनहोमनकोरक्ष्याग्रेसीरावी

पैनजीयामैसष ९७ ॥कामोद॥ नैवीननगउकी
नोपरमवचित्रभोहैकमानवरनीवानकुचनोपै
कामसाटेकीनोजोबनउमराइलीनो त्रुथकोव
जोरपीयाकेविरहसपैकोपै सोलासिंगारपि
यदेजिनगारेंनषंभगाफोसेजभ्रमपरवाफी त्रुं
चटजरारोपैयानेफौजैसंननसुषमैनवहीवचन
नमनविछुरापैलीनोनानैवसकीनोआलीषा।
नपियारो कटाक्षदेषाणयोपै ९८॥कामोद॥
हैनोतुमदेंषनहूंनपाऊंसौननपैनैनमेरेनरा।
मै जेनीवांहीतमसंगलगाइलईहूंमनोकवहू
पगमरमै ९९॥कामोद॥ अरीहटतिवाररीपीयां
मोहिलमिलरीवाम किवकीहौमनोहारकर
नहहैरीतूनगुनमाननमोहेरीनेरीअइजाम १००
कामोद॥ अवीआमिरानीरीमेरीननमननेसभ
रुपगयोरीमाई दरसदेषनहीमोहेनपीतमकी
मैमोआनदभयेयोमाईमानोरंगमहानिधपाई
१०१॥कामोद॥ छिनछिनजगतवीतनहैआलीरी
मोजाननमीकैकरहीघबनाला कलनापरेना।
रीदिननैननैननलागी चटपटीकछुअटपटी।
मीजवनैहौचलेहैमथवंनेकोव्रिजराज २॥कामोर

स्वा·
५

9

नूश्रेमोजसदिनकरश्रादभयौनानैकालचिंता
निसनगत्रुषतिडुनजमगईयनउनगनउडगन
मरगयोमश्रादर श्ररनकीरत लैहैरनामैश्रा।
नदस्तरमथगोनीनैकेवलश्रफुलनभयेउडग
रहालिद्रमधकर॥३॥कामोद॥बालाननमैबा
लपनगवनहोननन परनरनयोनोश्रायोसोश्रा
छीनफनउारफिरविछिरनत्नेतया लगसस
नानसगरीश्रमानलेनदोऊमनमिलैलैन ४
कामोद॥श्रवमेरीमुश्चकलकरहोश्रसानश्रवमे
रेपीरमाहैश्रवदलकादरजीलानी जोईजोईमा
गोमनवचकरमकरदीनदुनीयानमहोसा।
हिनमाहैसैदजहानी ५॥रागनीस्याम॥यहिंवा
ननजानलोगसभजानहिनकिनकैसीहैनैसी
है नैनचिनउरनैनचिनउरनैनचिनबरमारमा
सोमनहींकेसीहै पियारेकेदेषनसजममकोंम्या
गदीनींहोनोबियाकुलभईकानहमीहै श्राव
नदेषनलोगकहनजानमाहैबहादरलेबसीहै
६॥रागनीस्याम॥श्राजनिधारयोषीयाविनधा
पेपाइयोकामरनवाहेकरनश्राइयोमोमनगां
वपर सजकममंनसन्यासजपनचयालग्रामें

यरकनउऊपैराजराजद्वैरलीनोयाचवरसबटा
नबर॥७॥रागनीस्याम॥आजपीयाआइयोयावस
मैमेरैअहिहैनैनमननोछावरकरौउनकेपाइ
पर ननकननकअथरंनपरअयरयररमलेतल
टपटानपकरभुजाफिरहितसौंलाइलीनोअपने
गर ८॥स्याम॥आजकोदिननीकोरीरजनीसाज
नआइहोमेरेसभजनीरे अंगअंगकोनपनसी।
नलभईरीमाईजवमोहेमेलोपीयाप्यारोयनी।
री ९॥स्याम॥चदहूंतेनरमलमोघचंदनसेचा
पलप्यारीकेनैन दामनसोअथकअथरदसै।
वमकैकोकलउनेमधरेवैन॥१०॥रागनीजैत॥
जवगुरनकोक्रिपानेहोवैवरनवपैयसरनार
अछरकोग्यान सिषयाकारीअंनकारीरंचक
रमकभावकजेतेतेसभगुरनकीनोपरमान।
११॥रागनीजैत॥सभसंजननेकठनमाफमाईसां
वनकी धौरेधूमारेधुरवानीकेलागनकोधेक
मेरउद्धरावनकी १२॥जैत॥निसनानैननीदन
आवैवोलअहिअंवाननासोहायोवोनारीकाहू
सोंभावै मनसिमरसिमरमनपछुनावैसैसी।
कोऊनारीपीरवनावै १३॥जैत॥आयोरीसाव।

ॐ श्रीगणेशाय नमः॥ ॐ अथ मधुमती मालती क
था लिषते कथा रसिक हिदै सुष करणी सुन
सुष उपजे नर अघ हरणी करविरेचित याकाय
ऊं सेपत सुत गणपत समरनाऊं सारद बुध देह
नवमो सही हरीये उघामविमेल ममसो सही वत
रहितेचित सुननन रिफाऊ सरस मालती मनोह
रगाऊ लीलावती ललन इकटेसा सुभगधा
मधन रतन सवेसा चंद्रसैन नतहां सचरनरेसा
मानो मनन परदुयो महेसा वसे नगर जोजनपर
चार तिनके सुष को अंत न पार अनवविचसा
हतनरनार येक येकतें अधक विचार करहि
ड्रिव नृपकल सुनीम दिनसुभ बावे देह असी
स दल बादल हयाके जरकर चीस चंद्रसैन ई
सनकेईस॥१॥सोरठा॥ हयदल अंत न पार कुंज
रकारे मेघ जेयो कुलसुनी महिमा रचक्र हार
नृपचंद्रके॥२॥चौपई॥ सेनी बुध प्राक्रम नाम
निसदिन साम धर्म सो काम नृपति नजिन चरी
पलयाम नृपके अंतपुरी सीयाचार सुनायेक
मालतीबार वरनो कहा रुप नही पार इंद्र उ
र्वसी लीये अवतार उपमाकै न पटंतर कहो॥

गुनअनेकछवपारनलह्यो दिनदिनरूपअनूप।
पमवढै ऐसीनहीभूलविधगढै गजकपो
पोनससिकेहरीवाल भृंगीमधुकरमीनम।
राल कदलीकनककोरपिकसोप रहसमसो
भाषीकोहोय जादेषेनपटरेमहेस देषतथर
नीडारेसेस सूरभूलजीयेपरेअंदेसा मानस।
सोगयोवहुदेसा बरननअयककह्यालोकहो
घोरीवानंमनकीकहैं घोरीकथावरहनरसरहो
पे अतिलावन्यताकोजनकोपे नारणमतिह्रिसवा।
रगुणासाह तिआपकतिरूमृगुकआरसाह ता
कोनाममनोहरधरयो मानोरूकामरूपअवत
यो मधमधुकसैविलावेतात वाढैमनोकला
निधगात ज्योदिवसपह्वामानेओर जियोवसं
तनिनवाढैमोर भयोवरषपंद्रसकोसेधा दे
षतत्रियाकामवसअंधा ननमनसुधविसारेगे
ह भृंगीमनोभईगतनेह जिनमिनकुवराफि।
रेकहूमेल फुयारीफिरेतियउहगेल कवहूंक
रामसरोवरजाय भृंगीपूषमनोचोकभुलाय ३
दोहा॥ रामसरोवरनालकीसोभावरननजाय
सेतअरनपंकिजजहांषगमृगरहेलभाय ४

मधु.
२

2

चौपई॥ सोभाअधकरामसरकैहै वरनअनेकवि।
गमरैहै कमलवासनावहूमहूमहै सोभामनो।
रामसरलैहै अवलाजोष्यअनपानीभरै चितव।
नकुभसीसनैंढरे भूलेमनोविनामृगमरे नवे।
मालतीईहिंसुनपाई मधुदेषनकोमनसाधाई
मनकोमनकोकहीनसुनावै जैसेहूंदसांनवि।
नथावै जौलौंपापअपनेअहरैहै कितीकनार।
रुकानागहै उनकेसजनवधकछूकहै केतीकं
दुरीभलीसिरसहै अैसेभएदिवसदसवीस सुनी
नातनवकोनीरीस अवनमअंतकेहोजिनजाऊं
सेवालेलरकनकोपढ़ाऊं पंडितकेढिंगवैठा
पढ़े ग्वालहोपैनागोरूनचढ़े॥ श्लोक॥ ५॥ जेंकिं
कुलेनविसलिनवियासूतानदेहूनो अकुलीनोपि
विद्वांसोदेवतासमपूज्यते॥ ६॥ दोहा॥ लघुकुली
नविद्यासहनदीरघकुलउनमान कुलदीरघ
अरुहीनगुनलघुकुलीनतिहिमान॥ ७॥ चौप
ई॥ विद्याविनुसोभानहुपावै विद्याविनधर्मन।
हीयावै विद्याविनग्याननहीआवै अपनोअका
रथजनमगवावै॥ ८॥ श्लोक॥ वेदेहेनेमतनसर्वेषां।
विद्यालोचनः यंयं धर्मेनसमनेत्रसुग्यानेना।

नैनलोचना: ९॥ चौपई॥ विवलोचनपसुपै।
षीनस त्रिलोचनवियाकेठरा लोचनममथमै
जेकरा ग्यानेलोचनग्रंननपरा नेदपरेहूतली
नोबोल फूकोमहूरनजोनिषवोल नोकुंवा।
रपढे——वोल नोहिदेऊकनकवराकनोल
नेदसुहूरमलीनोसथ मथकोवियादईप्रवुथ
जेजेग्रक्षरपंडितकहे तेतेकुवरसवैलेगहे
एकदिवसमंत्रीकेकाजा क्रियादेषकेसूछेरा
जा कुवरपढायोसोकछुपढयो केतिका।
दिवसमोदिहूनपढ्यो मंत्रीकहेरायसथार
ग्रनवचित्रपंडितचटसार वरससठपैसवके।
ग्ररव वोटहिवियाजानेसरव चंद्रसेननृपयो
उप्ररे जोमालतिपटवैकोकरै भीतरजायहू
ऊसोयलेऊ तोमंत्रीनऊग्रायसदेऊ १०॥ दो
हा॥ कारीलककपालकीविधमालिछकमाऊ
मधुमालतीविलासकेलागेहोउपाऊ॥११॥ चौ
पई॥ गयोरायअंतपुरजहा वैटीकनकमाला।
तीतहा नृपरानीसोपूछेभेव पंडतएकमा।
हाहजदेव जोमनसापटवैकीकरहै तोपंड
तयहहारेरहै ग्रपचवीदिनहीदिनचहै योरे

मधु.
१

षोरेअछकालहै कुवरीकहैसुनोहैबात मेरेम।
नविद्याकीबात पंडितवेगेबोलावोघात बैठे
पढोंदिवसअरुरात देषननपमालतीविलास
मनमेसोकामभईहैनास कन्यावरप्रापतिको।
भई आजकीलजननपजनई ऐसेमनमेंवि
नाकै पुनविचारकछुऔरेधरे पढवेकाज
विलंबीरहै तौलौवरफूलैनृपकहै पटपा
रेववांधोनृपकहै भीतरकुवरीमालतीरहै
पंडितफिगमेग्रीकोबाल बैठेरहैंपढेवटसा
ल मंत्रीसुतनामजवकह्यो सुनकुवरीहि
देसषलह्यो जाकेमनमिलवेकीवतीस मन
माकेटानाजगदीस॥१२॥ श्लोक॥ गिरौकला
पीगगनेचमेघालक्षंतरेभानुजलेचपद्मं॥
द्विलक्षमोमोकुमदस्यनेपेयोयस्यचतेनहि
तस्यहरे १३॥दोहा॥कमुदनीजलमेवसेचं।
दावसेअकास जोजाहूकेमनवसेसोताहूके
पास १४॥दोहा॥सूरप्रकासीकमलजलसी
तरहीभरपूर जेतोमनमेंहोतहैकहाभयो।
विसदूर १५॥चौपई॥लाषकोसपरसूरजचं
दा कमलप्रफुलेसरवरकंदा मेयप्रकास।

3

मोरगिरदीप विनमिलेअंतरसमीप कपटवे
वनइकवोलेराय पंडितदासनदेषोभाई जी।
याह्वायजोदेषैजेह सेतवरनह्वेनाकीदेह पंड
नभलोअलछनदेह नातैजीयमोंलषोंसंदेह
मेगीसुतनइकअंधोग्राह सवदिनवैठपढावै
नाहि जोमनसांपढवेकीकहो पटपरीचके
भीतररहो वाहरतेगुरुअछ्छरकहै अैसैस।
दिनोविदियालहै मालतीवनरांविचछन।
संग हूकेसकलरागकोरंग नृपसोउतरजे
पेनाम मेरेमनविदियाकोकाम पटपरीच
वाधोग्रहवार मुषदेषकोकोनविचार अछ्छ
रवचनयोंकारेकहो पंडितमनआनतिहरहे
मालजीवचननृपतिसवपायो नवहींपंडित।
वेगवुलायो पटपरीचनहांउनलभई पटवे।
कीपाटीपरदई उनमोमिथप्रथमपढायो
काकाकेवलचोपचढायो चौतीसअछरअछ
रचीनेः वारापरीजोवहरालिषदीनेः पंडतजो
जोअछ्छरकहै सनतमालतीकरलेअहै ना।
मावावेआगमकाढे मानोउदरमधयतेवाढे
वरनापकमकरणासमेना अमरकोकपिंग

मधु
५

गलकोह्नेना सारसतिग्ररलीला:वती केवल
दयाहईसरसती मंत्रीसतनकछूसल्यकपढे स
ननमालतीचोपजयावढे तिसमपकैसेती।
योमिलाय दोऊसरसनवनैजाय पटपरीव
कोऊफललहै ववनबेकपरस्परकैहै म
धुमालतीदोऊप्रवीन कोऊग्रथकनकोहीन
एकदिवसगुरुग्रनेगयो मनमेमूढमालती
वयो पटपरेवमोटीनेनेन निरष्योमधुमा।
नोहरनमैन १९॥सोरठा॥भईविरहबरवार।
मधुमूरतनिरषैनेयन मानोहूमैनकोजार
गिरीमीनज्यौंमालती २०॥चौपई॥पटपरे
वघोहरीगहफारी करगहहगोटफूलकेमारी
मधऊवेचिन्याग्रहदेष्यो मालतीवदनकला
निपपेष्यो २१॥सोरठा॥चितवतहीवहनेन
मानबानरकैयोहीये प्रगटेयाहरनमैन पी
नहेतमधुमालती २२॥चौपई॥मधुजीयमन
कमऊचचितयरी नीचहहपरगगीपरयरी मा
नो:क्षोभग्हेमनल लजाभईप्राणतैपरवा।
ल मालतीवपशापसंहारी हजीगैटफूलकी
री वदनउगायेरहयोकहूकैसे निरषवदन।

चितकीनैः ग्रैसै फलग्रहरवदेखोहगजैसै नत
हरैरिविनषापग्रैसै पुनमीठैंकरवोकेकैसो
ग्रारतभूषनपैजीयतैसो २०॥ मधुवाच॥ इंद्रा
यनफलसंदरहोई निहसैंग्रठासीमरसीसोई
२१॥ दोहा॥ सोग्रटासमेरेपेषमानेः ग्रैवनसंदा
रफल पाकेतेउनरेषदेहपिजरलोमई॥२२॥
चौपई॥ पंडितनवपरोपेकनहूके चातरहोउप्रस
रहूके नाकोऊजीतेनाकऊहारे ववनषवेगासू
कमडारे मेरेमनोवरकेफिगाप्यासे भलेमछुता
लरहोउपासे कैसेंनोहिसनकेकहीये पुनना
कोउनरनहीपईये भलकेभूषजलकेप्यासे मै
नमैनथाफिरोउदासे मेरेवचननकेंचितदीजै
भागेताकीगेलनकीजै मधजीपालानप्रवन
थोउरे मालतिवहमनमानाहिटारे जोमनघा
मैनकीगतनधारे तोकरघमकहासमिवारे २३
सोरठा॥ वाढेमकरमनेहमृगासिचनजेसीभई म
धुजेपेगतितेह समऊदेषजीयमालती॥२४॥ मा
लतीवाच॥ मालतीमधसौंवचनसुनाये मृगा
सिचनकोमोहिवताये कैसेभईमोइहनलीजै
तोविचारताकोकछुकीजै मधुजेपेहोकेनक

मधु.
५

5

गाऊं जोतुकैनातनकसुनाऊं मृगपकग्राहिका।
मकोमातो मृगनीमोकफिरैंगयामो लीनैत्।
णावैरहिनमारो अतरसवैनधरैंजीयगारो निस
दिनमृगनीसंगसोनारो नासोवहफिरमायरका
रो सिवनीहिहपर्यौजवहरना पलटपोकामा
लागोनवजरना उक्काभईमृगपीतमकरणा व
लेवहहोरैहोरैवरणा मृगसिवनकीवोरजपा
ई नजोवकान्योवल्योपजाई वेगहीसिवनग्रा
डीग्राई थिरहोऊंरंगभागनिजनाई नेरजीय
कीरक्षयाकरहो मनसावचाकेविनधरहो
यहिसन्यासन्याकरभाषी याकोवंदमूरहेंसा
षी जोरैगनरहवाहरगच्छा पुनपहिवचनसिं
वकोंभाष्यो मेरेजीयाकीपीरमनाऊं योतेपा
उहांनिहचेवनाऊ मेरेप्रानमहोईमहाई नासो
प्रीनमहेंसषपाई तिनकोनाहिवहनसुषदेऊं
मृगनीनामेमेसवेपऊं मेरीप्रीनकोपारषलीजे
केंदपिकोटकामरसलीजे मेरीमनलेहोसका
री मृगनीभलीकेसिंवनकोनारी सनसिंवना।
वोलेमृगकारी दमनोग्राहितमरोवाया या
नैंमोहेपरनीननहिग्रावे कपटरूपनाकिनदि

गयावै तूनेरेमोरंगकिनजाई मोकोछलनहनत
कोग्राई कंजनवनसिंचनसिंचारे मृगकोंकस्ना।
विष्वासतेमारे हूरवविरोधनासोहोई नाकोव।
वननमानेकोई ग्रैसेवचनपतीजेलोई हूहर।
कागभईसोहोई सींचनमृगसोहूकेग्रसी हूह
रकागभईसोकेसी कैसेकउनवायसतेगमारे
उनकोगुफामाऊपरजारे मृगजेपेसनसिंचन
वानी जोतुकेतोकहोकहानी पंचीजूथमिले
सवग्रानी हूहरराजदेनकोदानी तौलौकाग।
कहानेग्रायो पंछीपेकलेपकतूलायो समाचा
रनवउनकोंपायो ननककागसुधग्रंगुरीनायो ग्रै
सोहकुउमनोतुपकरहो पंछीसवैग्रघाटमृनमर
हो राजाकरउकेनतमजानो भाऊपरयहहूह
रग्रानो याकेवलमीनकोउनजेपे तीनलोकया
तेउरकंपे पंघपवनउरसीसनेकरके वीजनव
सयामायेतेंफरके महासूरसोकोऊनघरे च
रगतलेपरवनकोंहूरे जैसेग्रंहूटटीहरकेहै ग
रहूउरनछिनपकमैलहै सभपंछीमिलहूफन
लई ग्रंउकथाकहोकोमई मेचवरनपंछीसो
कही सायरतीरटटीहररही उतानीमतिनाउ।

तिरकैहै तीयगर्भसंहरणारहै केतविनतीकहै
विहोउ अंडनकाजकहोकहूंछोडा जोइहवाह
रअंडाधरे उथपलहरहरविसनरो अंनतकहो।
अंडनकोधरो नहानायपिकआश्रमकरो नवे।
टटीहरवोलेपरो तेरीवुधविधानाहरो तेनमे
कअमनेसतनथरई मैंनहाअनेकजननकरई
अैसेकेरटटीहरगयो सायरनीरटकानमलयो
अंडाधरेटटीहरगई रुथाकाजविलंवीरही
तैलैलहरआपटरथिकै अंडावहुतविलंविन
भई सायरअंडालीयेउठिवार उटीटटीहरगईपु
कार उनपतपेकसनेनममनात मेरेसतनटरपिल
येअमान॥४५॥दोहा॥तीयाहरनवाथवमरनआ
वतिनेवृविछोर पताडुषमोनिसपतनो जोवर
संपतहोहि ४८॥चौपई॥तीयहरणारवुपति।
कोमयो वायमरणाजथिहिसयो पुत्रहरण
केकमणकोभयो जनकेसतारावालेगयो
सोडुषमोहिआजरथियो देषतवालविछो
होभयो होवालकविनकेमरहो निश्चैहअ
अमेटरहो मेसामीतेरोवललयो नैसोसोनव
हीकिनकोपो होयरतीगंगाकेतीर जतेवृक्ष

नैनैवलबीर अबहोतौपैतजहोआन केसता
मोहिमिलावोआन किनहीसुनीवामकोवा
त नकैनकरौनीयाअपयान २३॥श्लोक॥उपा
येनहियछकंननतछकंपराक्रमैं काकाक
नकसूवेणाहूसमपैपानिनः २८॥दोहा॥स
पंडुसुतवायसुसुतननअैसेकीयोविचार बाबी
केसघऊवाजलमारेसपंसकार २९॥चौपई॥
वायसुउडेवृषपरधरै सोसवअंडभुयंगमचरै
सुतकेहेतउपावतिनकर्यौ औघदकाबणवा
हिदिसाफियौ अबतमअैसोकरोउपाव कछ
लबललेहोअपनोंदाव सुनतउडीहरगयोअ
कास पहलीगयौगरुडकेपास दोऊकरजो
रेकऊभोरह्यौ सभवतंनपुछेपिवलोकह्यौ स
नेतगरुडवेगउठचल्यौ पंथप्रवाहसायरथल
वल्यौ संकेसपरआयौपास हंसंनेतोअतिनम्रा
गेदास रलयअजेकर्निहंदीनीभेट दीनेअंडकरी
नहिदेट अैसेसुआहिगरुडबलवंत जाकेआसद
रेनवंधर तूहरअथाजानेलोप ताकोगजजा
नेदेवनकोप अैसीबातकागजबभाषी पंछी
सभैभयजीयसाषी कोसमरथजोविग्रहकरे

मधु
७

चूहरराजकाजकोसरे ३०॥दोहा॥वासमतोमि
लापयो पंक्षीगईमिलान चूहरअपनेजीयसो
रहैवैरउआंन॥३१॥चौपई॥चूहरनावअरुमदेन
राय उनअपनीसभजीतभलाय इकसदैारजर
वैदेआन कीजेमतोकहोइकबान मेचवरनका
गइहआयो उनमेरोसभराजगआयो पंचनका
गईवदराही वहमेरोरिपहरवआही अवस
भकागजोरकेमारो पांछेकामअापनोसारो
वलीसेननजहाकागवसेरो रुपयोव्रक्षपरयोति
हिवेरो निसअंधियारीवायसभूले चूहरजहा
तहातेफूले कागहजारचारउहामारे भागेउ
वेरजोमादनहारे मेचवर्णाउहवाहरबंकेरो प्र
निपकव्रक्षनहाजायमंडो वेगहीवायसभोत
पदायो मिलसगरेउहिवारहआयो बोलोमंत्र
अवीकाकीजे दिवसवारनोवैरपहलीजे मेच
वर्णाइहेचिनदीजे अपनोवैरदाउदेलीजे काबो
मंत्रकवहूनहीकीजे जीयहहमरोयनोचूहरकी
मे मीदेववनकरोजोसाकर मिलहोसवैहम
नेरवाकर जागोउफामोकयाहनाकर॥३२॥श्लो
क॥उनमोमंरभागेनगायमलालिखुथमान अर

नाशतेनिसंचयथावलडुमसल्या ॥३३॥ चौपई ॥
सूक्षमअनूपलताडुमवर्धई कैमलगातकीयेते
वर्धई संचरोवृक्षपातकरहटे पाहेडुममूल।
नेमोठे इहविधकाजअपज्ञोकीजे गहतेम।
रेनोविघनहीदीजे सगरेकागमिलेअसीठानी
मेचवरनकावमनमानी चलेकागमिलवेके
काज निहआदअरुमरदनकाज गोसीवेठव
सीटपठायो मेचवरगामिलवेकोआयो ग
योवसीठसदेसमुनायो राजासुननमहासुख
पायो अपनेमंत्रीआगेपठायो आदरमानवहु।
नकरल्यायो मेचवरगाजिहवाहरआयो राजा
मेलअकउरल्यायो ऊमलसकलकरहकेदोई
विधकोभेलनजानेकोई अरमरदनसेवायसक
दीये मेचवरनसेवाकोरहीये देहटौरजिहमा।
दारकरिये निसदनतोवनहारेघरये कागक
त्यौसोकूरकीनो जोमागयोसोपहलेदीनो मं
दरमेकाठवहफोये जीयअपंचनजानेकोये घू
रेद्धिगकाठनसोकीनो गुफामूरपावकउनदी।
नो चूरअंपरिक्षिहवसनहमजे गुफामाकनरव
रअरुहजे मरतआककल्योपनअसे हवववेगा।

मधु.
८
8

पक्षीननहाकैसे घानेमोहिविश्वासननहिश्रावै
मृगसमभयो सिंचनीवनावै ॥३४॥ श्लोक ॥ नवसा
मोहरवविरोधस्यसद्भूमिमेणाविश्रसेनदग्यो।
काकंदंमध्येकाकाऽऽनासप्रवेशाना ॥३५॥ दो
हा ॥ जोइरजननप्रणापन्यके तोनपन्याइगभीर ॥
अपकनवैस्योटीऊरी त्योन्योसहूकेनीर ॥३६॥ चौ
पई ॥ सिंचनीउवाच ॥ सिंचनीमृगसोवोलेवानी तै
नोमोहिकागकरजानी श्रैसेतुयथ्रापनेतोहैवोरे
काकहृयनेमेटोऊधोरे कागसिंचकोसरवर
होई उनमसमथसहूफेलोई जोविविकापनवहू
नकरफरे तोकहूसरवरदोषकीकरे कृष्णा।
उपकलनाकहावै ताहिविवेडीसवरजपावै
रूपाहनवंधीयनपावै करकरचीन्हेप्राणागा।
वावै सनमृगवचनवउनकेश्रवही धूफवग्रव
लटेनहीकवही वाचाप्रवमेनोसोहारी ववा
नटेरेनोकुलकोगारी ३७ ॥ दोहा ॥ पाहनरेषजो
उवडै देवकरेकहूफेर साधवचनकहूकेवो
टेफवटेरेकेमेर ३८ ॥ चौपई ॥ लूटेहोपवोरा
जोपंथी सपनेसरजनेटपकेकंपी तिनकेजीय
मेश्रेसहूको फूकनटोयपयसूको ३९ ॥ दोहा

घलक्काडे भूषेमरचले हाहाकारपयेआय सन।
हाेवचननृमृगयहेनाेकाेसिंघनषाइ ॥४५॥ चौपई॥
जाेपहजजफषेननहिंछुडे हथेआयचरणजाेमंडे
डे ऐसेहाेयताेसिंघनमारे भागेजानकेगजकाे
मारे भागेजाकीगैलजाेगहीये ताेपुनताउसिंघ
कीलहीये औरेजाेगजैताेसाेगाजे ऐसेकमैऊले
ऊलसाजे ॥४९॥ श्लाेक॥ स्वांसासारशरीरस्यावा।
वासारमहीतले वावाविचालतेयेनाशेकंतेते
नहारिते ४६॥ चौपई॥ वावांबधसारकेकहीयउ
नकाेदेवदेवकीकहीय कूटेवचनअकारथलही
य साेअयनोसकुनकाेकहीय सुननवचनमृ
गसाेचाषाया तजत्रासिंघनढिगआयाे अव
जाेकहेतूसाेहाेकरहाे तेरेप्राणकिनहूनाहिंडरहाे
सिंघनउलटायाेमृगरसिया ताेनप्रानतेरहमनवा।
सया ताेकाेंमैदीनांयघदेही तूहितकारीप्रेमस।
नेही माेसाेरसकेलसुरतकरप्यारी मृगनीभ।
लीकेसिंघकीनारी याकाेमाेहिपारषाेलीजे कं
दर्पकाेटकामसुषकीजे सिंघनकेतनविरहज
नाई मृगकेजीयाकीथर्कमिटाई जबलगआेर
सिंघनहीजाैलाै प्रगटनतेरकामरसताैलाै ४८

मधु.
५
१

सोरठा॥ जोननअौरैचाह सोमनकछुऔरैचहै ज्यौं
गूंगाकोगाह मनकीमनमेंरहै ५५॥ चौपई॥
जोननचाहेसरनसषमंडे मेरेजीयकीधरकना॥
छंडे योषकामसरनसषग्रासे स्योघनेगदीपक
जोनासे योषेधामधयौनहिसूके योषेसरनरा॥
सनमसुखेकूफे योषेपछेनपुछकरसूफेयोषका॥
मग्रमस्योवूफे ५५॥ सिचनीउवाच॥ ग्रनदेषेविष
षायकेमरीये नाकूकेवेकाजकितनरीये मर
छोटेरेनविनमूनमरीये निसारछयोषेकिता॥
मरीये ५८॥ कवीसरोवाच॥ बहुतनकथाकहनरर
सफोको ग्रागेसमयासोरसनीको सिचनीमृग
वहुभांनतिकायो जीयकोसमभसंदेसमिटायो
वसकीनोतिनकेरसफूली मृगरजोगृहकीसु
धमूली ग्रनउमगेभोलेमदमानो मृगासिचनी॥
केरंगरानो वाफियोप्रेमकछुकेहननग्रावे ग्र
धककरेतनसीनननावे मृगकारणायहमरेव
फाई सिचनीग्रारतनछापाई यहलेउरतनचर॥
नादिनसारो ग्रवनोभयासिचननेचारो संगन
केफलपायेप्तरे सूरवीरफिगकाघरसूरे सिंत
देषनवमसृगग्राहोरे सिचनीपायग्राउरफेरे

जोयभयोसावहंसकोसरनी नृपानेवस्त्रकरेवि
धकरणी आसपासयषूरहेनकोई सिंघनीस्रु
गयहैवनदोई ऐसेभयेदिवसनहाकेने हेमों।
कोऊपकनवेने नैलोसिंघसैलनेआयो सिंघ
नीनाकोआहरपायो केनीकहरलोसोहीआई
केनीआदरवक्रनवडाई इनजान्योनौलमृगजे।
हे भागेकाजसिंघकेननेहे मृगउरफ्लोलवि
रल्योफूल्यो वपलाईअपनीसभभूल्यो गोयो।
मेरोकिसोधोमरे नाकोदेषकोनसिरधरे नाप
नभागदरैनहीदारे आयोदौरसिंघमृगमारे ४९
मालनीउवाच।। चौपई।। सनमपुटासाकरनविसा
यो ऐसेनहीसिंघमृगमायो मोसोयहप्रपंचन
हिकीजे यहप्रसंगमोपैसुनलीजे यादिनसिंघ
सैलनेआयो सिंघनीआगेलेहरकरायो वरीवा
रलौसुधरसकीनोः पुनजलपीवनकोचिनदी
नोः नदीतीरचलआईदोई मृगवैठोदोषरगमो
ई सिंघनीवरियाइकदोवारी आयामृगदरियो।
दारी सिंघदेषकेभागेहेहरना मृपषुथनासों।
क्याकरना हायहायकरमनमेरोवे सिंघनतो।
सिंघमषजोवे जरोप्रीतकानाकिरआवे मोदेष

मध्य
१०
10

नमृगशावागवावै होपापनइननीनहीवीनी:
करनाकैंनञुथमोहिदीनी ॥४८॥ दोहा ॥ जरोजी
वनकाजजेमीनअंनरपरे सिंघनकेकुललाजजो
मृगपहलेनमारे देमरवोईकवारहोजीयकोत
लचकरो यहनहोईकरनारजेकक्कजीयउरेथ
रे मोगलवंधीश्रीनमृगश्रीनमसोभाभई श्रव।
मरवैकोरीनअंनरजिनपारेदई ४९ ॥ दोहा ॥ स
मेपयमेउगमेजोजमेकौलपाषान समयेमै।
थलकेडोयेकमेरेषहढजान ५० ॥ सोरठा ॥ मू
येपैमरजाउ कोजानेकैसीभई साचीश्रीनसना
उ मृगदेषनसिंघनीमुई ५१ ॥ श्लोक ॥ उदीयती।
यदीभानूपश्चमायदिसायं विकसतीयदीपद्मं
परवताग्रेसिलाय प्रचलतीयदीमेरुसीतल
यानवन्हनी नचलनविधविधानाभावनीका।
मेरेषा ५२ ॥ चौपई ॥ मोविधलष्याकर्मकेश्राक
ही नसोफिरनहोपेनसकरी मृगकीमौतसि
घकोसाको विनदेसनीमवयाकरनाको जी।
यननहोपनवैदोरहे कैसउरसिंघकीकहै के
हरीमनमोयहविचारो नोलौहरननहाउरको।
रो सननसिंघकोपवलप्रायो करगारकुंचहन

नकोधायो नौलौसिंवनीम्राडीग्राई परीदौरा।
सिगनपरदाई फूटेसीगदौऊऊरम्राग निकसेसी
गसांगसीलाग वौकोहरमउदयोसिरफारी सिं
वनीगिरम्योमोढपक्कारी निकसेग्रंतरकेगजाट्
टे ववनम्रमानकायतनक्कूटे परवनशिलाप
रीजोग्राई प्रुनिजोवीजस्वगनेथई वाफीगरेख
क्कतेजैसे सिंचनमनकीनेनननैसे सिचनग्रेसी
प्रीतकराई जैसेमृगनालीननलाई स्मृवीरजोम
नमुघलरही सिंचनग्रेसेकेमनथरही ५३॥श्लो॥
क॥ यादेनेपतिनेविंधमानागमेंश्रुतिर्मने नाद
नैलिषनेदेवेहीनमृगमावेउषे॥५४॥दोहा॥वा
रबूटनादिनमजननादिनलिषनखभाव हानमृ
मृमृषडुषनिपटमिटनकौनपेजाये॥५५॥चौपई
उषमृतहानलिषविधनोई सोमिथ्याकवहूंन।
हीहोई गेवहसेनमानेकोई नेरेरजासोसिरधर
होई योकहसिचगयोवनक्काउ मालनिकथा।
कहीमवमांउ नूमधूमासोकहनाविसायो येनी
भईनवेमृगमायो॥५६॥सोरठा॥ मधुमरवोयक
वारग्रीरवडेकेकंथववढ सोभाहोईसेसारमृगऊ
परसिंचनीमूई॥५७॥चौपई॥ मधुवाच॥सिंचनी।

मधु.
११

यहैकहाकहूकीनोः तीयकीबुधःवबेकनवी।
नोः ५८॥मालनीउवाच॥सोरठा॥यहहवहमीनन
होप मनसिंचालननोकरे सिंचनीकोनोःसा।
पपुनसिंचनसोईकरी ५९॥चौपई॥मधसमयो
केतीममफाई मालतिकेमनपकनग्राई वहि
ग्रलछनफिरफिरमंडे धौरीमहरीदेकनकुंडे ६०
मालनीउवाच॥मधकारणाफिरवानीकहूई मे
रेमनकीकछ्छनलहूई विरहयग्रनैमोतननलाई
तापरलैानदेषडुपदाई मोमनमेंमधसकलवा।
साई मोकौंतोनोचिंतनग्राई छिनछिनकालक
रेउसासी कनकमहरागीकलोकसाई ६१॥मधुउ
वाच॥चौपई॥मधुजंपेमालनीसेग्रानी सिषयेउ
धमनहोहग्रयानी जैनाप्रेमहरामुषदरसे तेना
प्रेमनाहितनपरसे चंदचकोरकमोदनिदेष क
मलसरोवररवकोपरेष सिषरीचनदेषसषपा
वे परसेनेमभमभैगाग्रावे मानेमालनीमनो
हरवानी मैनोनेरजीयकीजानी नेनोनृपनरू
ग्ररकीदानी मालनीकोमधुहकेग्रैसो नृपता।
रुग्ररूकोममधाकेसा कैसोभईमोइसुलीनै
नोपुननाकोउनरदीनै॥६२॥मालतीवाच॥चौपई

नृपनरपरकनौजकोराजा करणनामऐसोजग।
वाजा उनरकविपरीतव्रतलीनो: नारीपरचितदी
नहीदीनो: आहकरैपैभोगनकेर उलटीरीनइ।
हैचितधरे सगरीनिसवैठनवीनावै परस्परना।
हिवहिचितयावै सुषनेवचननकोउवोले गुंगे
कीअगाहनषोल वहजानेमेराकरथवई वह।
कारीआपनिचितधरइ अवलाअथयानोकहराजा
ने नरकोंनासरकेगनमाने एकदिवसऐसेका
हिवाहै हजेउरहमरीआहि पुनतियाकोउन।
हीवाहे ग्रंथरूपमांहितनावे नालाऊंजीनाहिव
नावै ऐसेकरसाविचीआहै पुनहमेकोऊहेरन
नाही ऐसीकुवरकहीमनमाही ऐसीवनररन।
देहदिषाई विनअपराधवालइषदीनो: भाठन
वहनअपकीरनकीनो: कीरभईसोवहुंदिसदौ
री करणनऊकोऊलहेनकौरी चलीवातसोऐ
सेचलआई सूरसैनृपतसनपाई विनअपराधसा
दतीयकंठी जीवनभरनाभईसमरंडी नववंड
मोजसककजनकहही रसनामाफकोऊनामन।
लेही सूरसैनकोधीरकुआरी नाकेनामपद्या
वतिवारी उनरहवातअवनसनपाई करणावर

मधु
१२
12

नकोमनसायई सषीवुलायउननातेपेयदाई कु
वरीनमरीयहेटहराई करणरायकोनिहेचेव
रहो हजीवाननहिचिनयरहो नानविचारय
हेसनलीजे अवनसननकछुविलमनकीजे ५१
चौपई॥ सषीवेगचलरायपेआई रायकेअवनवा
नसुनाई पद्मावतीकरणकोषरहे नानरप्राणा
त्यागकेमरहे योहीमोहिकहनकोपदाई कुवा
रीनमरीयहवहराई कीयाकोमोहेउनरदीजे के
नजायआपसनलीजे राजासुननमहलमेआयो
अपनोसभपरवारवुलायो भाईवंधकुटंभअरुरा
नी करविचारमेवोइकवानी कन्यामाहियहीक
हूपरयो करणवरणकेचिनरहरायो नसभग
रेमिलवरजोजाई निश्चारथयहकोनवडाई सा
वनारजिनन्याहीकंडी जोवनभरनभईसभअंडी
ऐसीवुधनकीजेवारी अपहानअरुकुलकोगारी
सभमिलजायकुवरीकोकूकी कुवरीकोनवुधा
नोहिमूकी पृथ्वीमाफनहीकोऊराजा करणा
वरोमोकोनेकाज्या जाकेगेहनीयनसुषनाही
नृकिरिकारणइकावाही वडेवडेभूपनकीवा
री निमोउमारसभूनूपेमेयारी नहाजायनूका

सुषपैही जावैदेढिगपुनरीसेवैरहही कहयोमा
नसगरेयोकहिही विनमागेउषहरनहोही पद्मा
वतीयोसवकोकरही करताकीगतकोऊनलह
ही॥८४॥दोहा॥कोटस्यानपसहसवबुधकीयकरे
समकोय अनहोनेहोवैनही होनीहोयसोहोय
८५॥सोरठा॥मैजोदषीकछुऔर उनदछरेऔरेवदी
वाकोदइलागयोदौर मैगोदवदीकोयारह्यो ८६ अरे
रीमटकेसंचरे जानेनहींरंगतेय मानसचैनेऔरक
छु दैयाऔरकरेय ८७ जोकछुलिष्योलेलाटना।
सोघटवधकोकरै मिटेनहरबभाग करताकलम
सोलिषगयो॥८८॥चौपई॥मातपितावपरोकहा।
करे कर्मलिष्योसोईफलफरे होकाहूकोकह्योना।
करही मनमेरेसोऊवरवरही॥८९॥दोहा॥मनक
हरकीयेकगतिकोऊकरोहजार कंचनकररति।
जिनरचे गुंजामैंरच्योमार॥९०॥चौपई॥ऊवरीतन।
ककोपनोवाढे सुषउपककर्मअपनोकाढे नसमो
कोवरजोजनकोई भलीबुरीकछुहोयसोहोई मग
रमकोगहारीललाटी नीयकीगतइनहूनेकाटी
केतोअपनोजान्योकरही केतोभाग्यागकेमर।
ही ववनऊवरीकोयोसनपायो नृपनसवैपरवा

रह्मनायो लग्रमहूरनसंधेलिषायो विग्रवुलाय
केटीकपठायो सभासकलवरहनसुघषायो ३
नैतैकरणान्याहनग्रायो मंडलपरममहलमैवा
सो पानगृहनहथलावेपैठो भुनचौरीपटोनी
कौकीनो वहनसमीपदाजजोटीनो कीनेसक
लग्रवरविचारा जैसेग्रन्यकुलन्योहारा महलग्रा
टासमभसोथीलीयी मानुहग्रगरधूपसोधूपी मा
लीरेनवासमभग्रठई पद्मावतीमेंनारीपठईयो
हपफूलसोमनविछाई पद्मीवनीजायग्रनुराई
वीरीगहीमनोरहीदाफी पलकाटेकंकरवेटीवा
फी चेनरेषमषीवहेलागी निषनैनमभैभ्रमा
भागी पहुरपकलीलछूनवीने: जैसेग्रानभाक
सीटीने: हमेनवोलेसनेननकोई चिनसवारेथरे।
मानोई सूथेपाननकोऊपरसे मानोग्रंगाजटाऊ
नरसे चेनरेषपेसहीनजाई वचनभेटमनोकोक
सनाई पद्मावतीजसभरमषोहे भीजनकमरी।
भारीहोहे पहनोग्रास्त्रिमादजिनकेंडी नोइकसा
टइनापरमेंडी सावहीसावग्रहिनिसनागे वासा
टवह्नाकोनहीलागे॥२१॥दोहा॥कारहूटीहपपा
री काफसकेनहिकोई न्योजैभीजेकामरीन्यो

न्यौभारीहोई॥७२॥चौपई॥ मेनमूसभरदेहसंवारी
कहाजानेव्रषभानदुलारी मैननैनचैनषकहारे
दोवेवेदेखेसेवनवारे॥७३॥दोहा॥ प्रथमसमागम
रैनदृढजीयाजैननउरपेवाल भौरभयपयछूनाहि
गीउहैसाढकोहाल॥७४॥पद्मावतीउवाच॥दोहा
सीजबछाईपोहपरवीसोसोथोनलेसवार ग्रौर
कहाकछूयोकहो ग्राउबैलसुकिमार॥७५॥ सो
लखुपंथीकोभईछिगहीछागतिराई जोनगहो
नोदूवहीगहोनोपनगाघाई॥७६॥वेन्टरेपोवाच॥चौ
पई॥ जोलौव्रधनग्रपजीयह्रोई नाकोकहासिषा
वेकोई भलीकहनकोबुरिविचार सिषवेकहा
जोगांठकोहाय क्रुद्धौतेग्रपनेमनसो ग्रबयह
वाननहनहेकासो तूंतेरीकरणीफलपैहै सेगोक
हागांढतेजेहै नीनपहरनिसलौसमफाई वेनरे
षमनमोउषपाई तूंप्रपनीलरकीहोपजेहै सोरा
कोदोषनवैनीयदेहै लेगलावसोभरपिचकारी
कुवरीनमकपीठदेमारी नवचौकीउचकीउरला
गी नृपकुंवरीकीसंध्याभागी॥७७॥सोरठा॥भयो
ग्रपकसनेह पद्मावतीपीयसोंमिली ज्योंचा
नभाधोमेहप्रीनहोतक्छवमालती॥७८॥चौपई॥

मधुमोसौंधेमीकथकरहे मालतिवसंग्रगुरीसुध
परहे भीनेवसनहरजवकीने उपदाईहोईसुध
दीने॥७९॥ मधुवाच॥ नृपकुवरजैसोव्रतराख्यो जै
सोवडेवेदमोभाष्यो चतुरपुरषनासोकहाकीजै
समफेविनानकछूकरगहलीजै॥८०॥ दोहा॥ त
पसीभेषनीरनरनारीनेहगारथी तेजननोरीपरख
केतोयहरगहीयेग्रथी॥८१॥ मालतीवाच॥ नीपकी
ननकइसारनपावे नरलालचीग्रसामाननेंथावै
नेरेमननकछूपकनग्रावै होकछूकहोनेनूकछू
गावै॥८२॥ श्लोक॥ नाग्निस्तृप्यतिकाष्ठानांनापगा॥
नेमहोदधिः नांतकासर्वभूतानांनपुंसांवामलो॥
चनः॥८३॥ दोहा॥ वह्निनृपतननवनिःचरजमननृप
तेसंग्राम सरनाभरिनदधिनृपतकामनृपनहेता
म ८४॥ चौपई॥ नृपतनग्रग्रकाष्टकोजारे नृपता
नसागरसलिनाभारे नृपतनकाप्राणीनेहोय नृ
पननतीयाकामवसहोय॥८५॥ मधुवाच॥ मधु॥
जेपमालतीसनलीजे सन्याक्षोइदिनकेनेकजी
जे नेृपत्र्यानीनृपकीध्याहरी करनाचीन्हवानसा॥
नमोरी मेरोतेरोगुरपकपंदाई हजेनृपतकीजां॥
परजीयाममफवबेकननृफे षांधीमईकछून॥

हौसूके ज्वालाविसग्रादनैंसाथी उनपनवेदथुरा।
नेमेभाषी शंनरिकूसूरसभसाथी मालिननेंकर
णाकरथाको ८५॥ मालतीउवाच॥ पकगर्भनेउप
जैदोऊ नाकोदोसपरेनहिकोऊ नोकोमोकोग्रं।
नरवाछो रूपीकीरनकैानविधकाछो॥८६॥ मधु
वाच॥ मेंग्रीसोमनमध्याविनीपचरियकरहननाहि
हारे मालतीननलकुनपोचाफे गहीकेंकुमन।
कछकलनवाढे ननीपेकनकथवनजोटटे ना।
जीयेपंथवारजिसलूटे ननीपेप्रीतनजहाउषपाईये
निसारथपरथांमनजाईये॥८७॥ श्लोक॥ विनाकार्ये
नयेमूढागाकुनिग्रमेंदरे ग्रवसमेवलत्रुनारविथा
मयथासमी॥८८॥ चौपई॥ रवग्रहगयेवंदभयेमेंदा
हरिवामनवलिकेकरकेंदा शंकरनदासूरसरी।
ग्राई ग्रेमेवरकरलत्रुनापाई ८९॥ दोहा॥ सईसूर
जग्रुरसूरसरीनववामनहरहूप निसारथग्रगृहग
गयेकोनभयेलघहूप॥९०॥ मधुवाच॥ चौपई॥ मधु
पहमोवमहमैगयो नाहिनपटमेकोनाहिग्रायो स
वदिनरामसरोवरमेंडो ऊजरजैमेषपोवनकेंडो क
रपीलोलपेलननहीहारे लेगिलोलपंकीपरहारे
हरवनपभोगेफिरग्रावे मधुवरिलपहदेषसनावे

मधु
१५

15

उठेग्रवैपवैषगमोहे मानोचढामेचकीकोहै भीजे
पंथमनोचनवारसे सोजलमधुकरननकोपरसे
भरहेनीरखंसंदरनार मधुचरित्रदेषकेहारी कर
सिरकुंभलीयेहैजैसे चितवनचिकनफेहिगनैसे
मानोःमनपानूपभोलानी काममजारनेसभेरुका
नी प्रगटपोमैनकेचकोनरके जलकेकुंभसीसते
फाके मधपहचरित्रदेषकेलाजो सोऊग्रागेजा
हिडरभाजो सोभयजनहांनहांमोहिग्रागे छूटा
पोकहाकोनपेभागे नवहीनरीचढिकोग्रहग्रा
यो ऊंबाहरकोपालमिटायो ऊनीदेषगईगनसा
री मालनसोसमकहीसवारी यहचरित्रगामसर
भयो सोसभसषीमालनीकह्यो षेलनमैसभस
षीवुलाई गामसरोवरचलकेग्राई सनहैसषीमो
हिवीतीजोनिस पीउप्रकारकहोउपाकिस जोनी
पउपजेन्यापैजैसे धोषेभईचिकनवहूदेस॥५१॥
दोहा॥ अंतरगतिकीपीरविन करनाकोउनलहे
ननमनपरेनथोरकामप्रकारोकिसकहे॥५४॥दो
हा॥ कैनसैनकामोकहो जोजीयउपजेतवानसे
देउरंग्रनरसषी करवनग्रावनजात॥५६॥चौपई॥
मालनिग्रायसरोवरकेपी चितवनविषमपरीस

मदेषी सषीसकलमोवदनविलोको मानो:वंदउ
देभयोयोष्यो॥ ९४॥ सोरठा॥ चककवीभयोविछेहउ
हनकमलसपटभयो पापपीकारनीर देषवदना
छवमालती ९५॥ सोरठा॥ शशिदेष्योकेवार रविको।
छिगफीकोसदा मालतिवदननिहार नेजरहनदि
नकरसदा फूलीकुमुदविशालपंषीश्राश्रमकोव
ले उरपनलागीवारसषीसकलछिगमालती ९७
भृंगीरउवाच॥ भृंगीश्रानप्रकारप्रकारी मालतिय
हसंदेहमोडारी तेरेवदनकेकमलवारजोनश्रलिक
यो श्ररुनकमलवारजपुटवंध्यो॥ ९८॥ मालतीवाच
सुनतवचनमालतिरसमी भृंगीराजदेतफिरवानी
काहैकारधाममकुरहई श्रलवारजवंधनकिनस
हई ९९॥ भृंगीवाच॥ परहिप्रिमकेपासकाटेजो
कोटिकमिले तनमनसमयोनासप्रीतरीतयहे
मालती प्रमप्रीतकेकाजपंछीहेवंधनसहे ना
तरविहरीवाजगगनगईकोकरगहे श्रवननरा
ष्योरागचहनादसुनमृगघ्यको सरसनसुघउरला
गाप्रिमनहूकोमालती॥ १००॥ मालतीवाच॥ चौप
ई॥ भृंगीप्रेमवफापवनयोमैमीवीनवानउरला
यो तबमालतिमनकछूनसहाई तनमनवरपटी

मध
१९
16

मनोकछूपाई॥२॥दोहा॥विरहनीआयकेवावपेटा
वारचलकेगई नहाचकईकेथप्रकार शाहसन्यो
वहमालनी॥२॥चौपई॥चकवीपंवापंवीकहंजेपे
लेनसाससासलेकंपे मालतिवानअवनसुनपाई
चकवीकोअचानकलाई॥३॥मालनीवाच॥कंठन
आननेरासुनचकी पतिवियोगकैसेसहसकी व
रुणांपंषनाहीथिरथकी रमनारटनलगीनोहि
नकी॥४॥चकवीउवाच॥सुनमालनीकहेजलन।
रुणी मोपैपरीरामकीमरणी नेग्रवीवनकुपट
नहीफाटे नोमेरीअपदाअवकोनकाटे॥५॥माल
नीवाच॥चकईनोहिनिसकमिलाऊ बुहयोनोपे
कहाहैपाऊ भोवीवनकुपहीपाटे नेरीअपदा
रामजीकाटे वलीपचारआयउसदीने वथकहे
कारवेगगहलीनो अथकअंपचफंधककरवीहो
चकईकेनमिल्योमोकीनो॥८॥गाथा॥धन्योआज
रयेणा चकईसिमरनचकईवेणा चिरजीवोवे।
धकरावो निरहमेटीरामलीकहम॥७॥चकवीवा
च॥पंक्षीपकरपिंजरेनापो चित्रमालकेहारवंधा
यो मथ्यौरेनगईआनकषापो विरहवियोगमेसव
पायो जेपेचकयेसुनपीयासमनी नोवूकेमोहि

स्नेहोरजनी जोग्रैसेमिलेसवपईये पंक्षीवहा
पिंजरेरनईये॥८॥श्लोक॥ किंकरोमिकुगच्छामीरा
मो नास्तिमहीतलेवियोगः दुःखंदपन्मोरेको
जानोतियाचवः ९॥चौपई॥ जेसेकटमथमस्ता
पाये तोसुखकेदुःखकेौनगनाये तूफेहीम
नकोमममजावे वागुरहूमेकारमपावे॥१०॥माल
तीवाच॥ नवविवेगदरिद्रमिटाये पुनमकटसं
केनकहाये पीयमधुरसमभरवपावे वागुरा
हूसेमोहिवनावे॥चकवीवाच॥ सरमनेहरमकीग
तबाने तेवाबीहतनीकहाजाने प्रथमसमागमस
रतनतूफे वागुरहूसेकहामेसूफे॥मालतीवाच॥
मिठेनसहजसभावजिहविधनाजैसेदई सिंचना।
प्रस्तूनपीरायगर्भहटपिंजरसीयो॥११॥दोहा॥ प्रेम
संपूरनमोयहिनतेकोऊनालहै तीजोकरनामो
पनिहविधनाचटममयो १२ तवनछवरमान
रहैऊकतकवहूनजाय स्वातजानवरषामसेमी
पनरतनदयिग्राय १३ भारोतिमकोभायग्रंथका
रविंदरशाको बंदनजानचिकमनोकुसदनी।
काकरनहे॥१४॥चौपई॥ होपंक्षीयाहरीवुथमारी
पटवैगुजेमागतितारी तोचकोरहोयचितला।

मधु. ७

17

यो मधुकरचिंतकछुउरआयो चकईचचनसुन
नसुषपाई जैनमालसषीवेगबुलाई मासोबात
कहनसंकयरही जिनकरनाविपरीननकरही
१५॥ दोहा॥ प्रेमसंहरणसोयहिजननेकोऊनाल
हे नीयकोकरनासोयहिहविधनाघटनिमयो
१६॥ चौपई॥ ढहूकेवीचवसोठनहोई साचीप्रीन
कहावैसोई मानेमीनपीयेकिनपानी ऐसीप्री
नमोहिनिदानी मषीतुरायकेआनकषायो को
होकमरेहाथनआयो कहकरथकीनमोभसम
यो नैवनेचरणनोहिचितदयो॥१७॥ श्लोक॥ विया
नेरागानसुखंवननिद्राकामातुराणां नभयंनल
ज्जा अर्थातुराणां सुजनोनवंधूक्षुधातुराणां नबु
धिनशौच॥१८॥ चौपई॥ व्यथाअर्थमेरीअनुरागी
चिंताकामकामकेजागी लज्जाउरतेमेरीभागी स
नसषीकामतेजकेत्यागी॥१९॥ सोरठा॥ चिंताग
हनसरीरसुषनिद्रानहींपेककिन कामदेनहीं
धीरभयलज्जासमभजाततनिन॥२०॥ चौपई॥ जैनमा
लनेहिजकीवानी मेरीसषीमधानंदप्यारी नोपा
इयेनहीकछुमेरे मेरेप्रानसकलवसतेरे हिज
कोसकलकसरनरयावै इच्छाकरेसोईफलपावै

याको भेद जेतन कह्यो मो सो पावो मन की बूझे तो सो
जेतमाल जप सुन भई तै मोको यह भली सुनाई
सभ जग ग्राहि देव की पंथे देव सकल द्विजन के वा
सवंथे २१ ॥ श्लोक ॥ देवाधीनं जगत्सर्वं मंत्राधीनं
च देवता तेमंत्रा ब्राह्मणाधीनां तस्माद्ब्राह्मण
देवता २२ ॥ दोहा ॥ देव सकल वस व्यास के व्यास।
विष्णु के भेव मंत्र जंत्र सभ सुभ सगुन याते ब्राह्मण
देव २३ ॥ मालतीवाच ॥ चौपई ॥ ऐसे मंत्र सघो सुध
तेरे काज न आवे पै के मेरे मधु मधुक कहत मो हि।
दिन बीते को टनी तीस कौन पै जीते नेक सुरीत
न हुन ही लाई सुक माल गज कंटन पाई सुनी थर
सुन्यो तै ननवीन्हे सावी तेरे मंत्र पगन कीन्हे ॥ २४ ॥
दोहा ॥ भिग मद गाजे सार स्वान स्वन पत्र गस्वन मि
नराज अर्थ निर्धन ही भलो सो जीयतन न आवे का
ज ॥ २५ ॥ चौपई ॥ तो मो प्राणन ही कछु श्रम विध
वादे हन चीन्यो जेतन रमे मर ते तो हि निरखे मर ई पु
न तेरे मंत्र काज कहा सरई जेतमाल फिर उतर वा।
कीन्हो तै अपजस मेरे सिर दीनो: जीय प्रपंच ते
मो हि डरायो नेक न कबहू भेद बतायो ॥ २६ ॥ जेत
मालोवाच ॥ दोहा ॥ पलट प्राण द्विज भीन वाचाक

मकेकरी पिकवायसकी रीननैनासोजीयमेपरी २२॥ दोहा॥ जिहजाकेजीयलास भेदछेदतिनसों। कहा मरेनपेकेकाजप्रीतनतेऊपिगमालती २८

सोरठा॥ जासोकहीयेपीड तासोकछुनउपाईये दीजेमगरोजीय ननमोननकनरषीये॥ २९॥ चौपई॥ मालतिदोरवरमालपदानी मेरीहकसभे नेमानी श्रवनोमाकोमरनजीवावो मधुमूरतमा रनेनदिषावो जेपजेतमालतीभोरी ग्ररुतीयवो नमोलिवुथयोरी मैमनमाचामकलोवोधी ग्रा तरविकलकामकीग्रोथी॥ ३०॥ श्लोक॥ मथनाथी नापश्येतन्नमवाधोनपस्यति दृष्ट्वाधोनेवपस्ये नकार्यादोनपस्यति॥ ३१॥ दोहा॥ नगतजननमके ग्रंथकी सगतिकामकेग्रंथ लछवाननितग्रंथ रोग्रानरहरनचंद ३२॥ दोहा॥ ग्रानरग्रपनेकारणे वस्नपत्रारनषीर गर्जेटरेसमयोटरेनेकनपाव नमीर ३३॥ दोहा॥ ग्रनग्रादरमनमानटे मनश्का वरलोय ग्रारतविनसनमालतीवाननपूछेकाय ३४॥ मालतीउवाच॥ चौपई॥ मालतिजेतमालनना चहई मेपरवचनमन्याकरकहई वडेग्रापनन कोग्रसमहई उक्तीवाननमुषनेकहई॥ ३५॥ दोहा

मधु. २८

18

जोउपराउपकारहै तदपहूपरणीग्रंथव विचारे
सेवेनीपजेकेहागनेनलेभ ३६ ॥दोहा॥ देषीय
रणीग्रंथकीसर्वविषयकेहेत यहग्रापेहनतेपा
थरहेनेवछउननेफलदेत ३७ ॥दोहा॥ पुनतरव
रकीमनसनेपहरनकागरवाय धूपसहैसि
रग्रापनेग्रौरेक्काइकराय ३८ ॥श्लोक॥ कार्येनम
विद्यामकम्पातिग्रंथकोटिभी परोपकारका
यायपापायपरिपीडितं ३९ ॥चौपई॥ सकल
पुरानतमोयोभाषी वेदव्यासकहैवहसाषी पा
रउपकारसोपुन्यनहैसो पराइपपसमानेनेसो
होक्काहोक्कीपुथविचारे वडोवडाईकरतनहारे
वाहतेग्राजमहनकेलक्कनउनरजाहाप्रप्रवपध्य
म ४० ॥जैनमालोवाच॥ ॥चौपई॥ जेतहसीमालति
उरलाई तूकवरीजतनमनतइपपाई धीरजगापद
छमननेरो कहरहेसघइपग्रवमेरो कहेतोगा
नचेनरववंथो कहेतोइद्रमचगजजमंथो कहेतो
गिरमेंगिंरहोंमारो कहेतोउदककुपनकरजारो
कहेतोवमथावलनवलाऊं कहेतोसिरनाउल
टवहाऊं कहेतोजलमनिरनरपाऊं कहेतोम
पपानउपजाऊं मिलनमंगहाकेनकजानो स

मधु
१९
19

रनरमकलंबपकेआनो सोमधुनैनदेषकेपाऊं
पंछीकोगतिगहिकेल्याऊं मधुकेसथरामसर
पाई हतीदेषजेनपेआई द्विजकुवरीसुमेनउठ
पाय मालतीकोनहिनचितलाय मंत्रमोहिनी
मुषउचरही वशीकरणीवानीमुषपढही धोर
रीवेसवलबंधमहरी ग्रहिनलाजकानकोमूरी
लईहंकारसघोटसवारी सनकोन्हांतनसोगार
सिंचारी ग्रेमंजनआदवीरउरहार करकेकन
की शेरफनकार तिलकवालनैननदेअंजन ऊ
डलसुभगमुक्ताफलगुंजन ननवंदनकेचुकी
फलकै कटिपरकुद्रवेटिकाघलके मावंता
वीलवीरीकरगोरी मान्होग्रपकुरंडुकीभोरी
मनवान्तरनमसोभामोहे पादेषनदानवद्विज
कोहे ५२ ॥श्लोक॥ आरोमंजनवीरस्रावतिलक
नेवननकुडले नामसोभिकके मपामरवना
मकनोचननूपरौ मोगर्धकरकणिकैवरणायो
गगोरगामेषला नोलेकरदर्पणंवननर्योद्रगा
रकोवाउमः ५३ ॥चौपाई॥ गननायिदचालआ
तिसोहे चितवनचंदसूरननमोहे निकटसो
वरवालिकेआई मधुपेलनदेष्योसुषपाई पह

लैंयाकोवैनतुलाऊं कैसोवानरसोगनयाऊं ।
प्रेमईसारनकेरससंधो पाछेमंचमकलकरवं
धो जैनरामसरऊभीरही मधुकरमिसमधुका
रणाकही मालतीऊसमहछनतरापी पकके
हीहूजेयलभापी ५३॥जैतमालोवाच॥दोहा॥स
भगासरसमूलप्रेमनहछेनासको मधुकरम।
नकेकुलहूपेनजीतमालती॥५४॥मधुवाच॥
सोरठा॥रहोधीरमुखमौनवोलोनोकछूसिंध
री मधुकोहूषनकौनगुनरितफूलीमालति
५५॥जैतमालोवाच॥दोहा एवनरितवारहिमा
सलेमकलऊसमरमलेन आकपलाससे।
हिनकरी दोषमालतीदेन ५६॥चौपई॥रीको
आकपलासकदाई तेमरीसवरीईसमपाई म
नमोचटवधनासीसूके तोनोहिप्रेमकहातेनू
जे रोगीतोरोगमलजंये वैदसिआनोकसनन
सके जोरेमधुमालतीनजैहे तोआकपलासके
टाईभजेहे ५७॥दोहा॥फलहूंनआवैकाज ऊ
समकोकपरसेनही हिनवनआकप्रकाज म
धुकरपरासनासतम ५८॥मधुवाच॥दोहा॥आ
ककुसमपरजानकेमधुकरवैकैयाहैन मम।

जानबहद्धिगगयोसत्यवचनसमनजेन॥४९॥
जैनमालोवाच॥दोहा॥प्रिथमसखामधुनललफ
लहीयत्रगवाइकै केसकुसमजेलालग्रलवि
लंवकैानगुन ५०॥मधुवाच॥दोहा॥केसपव
कज्ञानकेमथाकरवंधोहेन जरनकानबहद्धि
गयोसत्यवचनसमनजेन ५१॥जैनमालोवाच॥दो
हा॥आम्रनामकाटेमबनताकोग्रनविथास॥
मधुकरग्रतगुननलसमसदारहितनिहपास॥५२
मधुवाच॥दोहा॥सरपंजरसेजारबीनववियो।
गकेहेन कंटाईमधुकरनहैसत्यवचनसमनजे
न ५३॥जैनमालोवाच॥चौपई॥ग्रपनेस्वारथको
वनभटके मनमोविरहमनसाहटके रमलेडडे
ग्रंनेनकच्छुटके पुनवहलनवढेकेसके वेद
नग्राहिकैानमधुनेतन डुमवेलीभटकेगुन
विन साचीवानमोहिसमफावो कुरकलावां
नकितगावो ५४॥मधुवाच॥कुरकलावंनमू
लजोवाले मधुकरजेननसोहेवनडोले यहग्र
हुरवलगोमेरेमन ललाभटकेसेकिहगुनवि
न जेनसकवमनगयजापाई मेरीवापमोहि।
पैनाई मैमधुनोसोसाचीहूफी नेरीजीयकी

कछुनसूझो ५५॥चौपई॥ इस्त्रीवननालननापेडन।
नरा इनकेववनमहसनविग्रा जौलौनैकनश्राश्रम
महही जौलौभलेनपंडितकहही॥५८॥श्लोक॥

५७॥मधुवाच॥चौपई॥मधुकोंजन्मग्रापनोसूके मि
सकरनेनमालनीकैसी उत्पतमोरहसनावोतैसी
कथाकहतउपजेरसनाजल मधुकरभवरमाल
नीपाउल उपनचईसोपहसनलीजे मनसावाचा।
केविनतीजे महादेवजबकामप्रजार्यो भससमग्र
गारक्काइकेडार्यो जरतनग्रंनेगदेष्योद्दिगगौरी ग्र
नग्रकुलायव्याकुलहेदौरी॥५८॥दोहा॥संकरको
पग्रनंगदेह विकलभईभरनार वामकनकेलश्रुंग्र
गुरीलीनोनिमकलसार ५९॥चौपई॥नष्मभरको
मधुहमिविसरउो नाकेवससगरोजगजयौ जो
शिवकामहननाह्निकनी मानसपसूपकगनमनो
नरवरकाममयोजगजाहर भससमग्रगाररहेनिह
द्वाहर पाउरभवरनासकेकोन्हे कनोकोगतिको।
कुनवीन्हे ६०॥दोहा॥भससमीसोंपाउलमपकोर
लभईश्रृंगार नाकेयसमधुकरभईकोरपमीविवा

मधु.
२२
21

२॥ ८२॥ चौपई॥ फिरती हूं जु सेवन के री सो अब ता
र अबे मधपमेरी पाउल भवर नाम के होई विप के ध
लन जाने कोई पहले हु रव प्रीत मन नाऊ पाके आवी
न सम कपाऊ मन मध्य उन पन देषत निहारी प्रेम ता
वाहन के अब वनारी मालती ऊ सम मब्रछन न फूली
मधुकर प्रीत जानन के भूली अंतर सवंत मगन भई
होई अंतर होपन बिछुर कोई कबहूं क मेल का।
ज मय फिरही मालति बिना न मन सा थिर ही प
रप्रीत अ जनलै को ई पाउल भवर फूलेन हांदो
ई मथ्यारे न ममयों ज ना होई दिव्य देह प्रगटने वी।
रहोई अंतर मसरन के लन हाकरही बमरव हर
उलैनन परही किनक देस अैसे वनर रहही उभे अं
तर को उभेद न लहही निकट से वनी सब पाहवा
ने भवर मालती नाहिन जाने सिसर बिसंत ग्रीष्म
रितबीती वर्षा सरदकाल ले जीती करन हिमंता।
रितभई भारी नै हित मार मालती जारी वै सस म
आयदोलागी दिष्याहि भूर लै दागी हेमफूरी आ।
रुपावक जारी विपल्हार के रीगत कारी जरीस
भनीपक छपकन लाही ताने कथाकहत सभा।
साषी मधुकर प्रीत न तहाउन परषी जरत माल

नीनैननिरषी दिवसहूसरेकीनीःफेरी कौनेवा
दनमालतीटेरी मेनिरषीगनसभैनिहारी तमसो
मीतकरोतिहगारी ६२॥सोरठा॥भयेभटेसीग्रानम
धुमूरतनिरषेनयन नईमीनपहवांन कोमधुकर
कोमालती ६३॥सोरठा॥मधदेषकीमीत ग्रैसी।
नोमवकोकरै वेधुनम्पभेमीत जीयमजेमूयेमरे॥
६४॥सोरठा॥नरीमालतीलोग मधुकरकेमाधन
हो दिनहेसत्यानसोक लौकलाजसोऊनजी ६५
दोहा॥जरवोमरवेकवनहैमधुमालतीसंग जो
गवोहारनसहसकोभस्मचपावतग्रंग ६६॥
चौपई॥इहविधवचनकहेसवरोषे चतरसेवती
हकुननसोषे सोहोयग्रायजेतहिजवारी मायें।
कथासनोनमसारी॥मधुवाच॥सवतीयतीवान
कहानानी फूटीग्रानपचासकिरानी जिह्नतवा
वीनेसोनहीवूके वरवरकहापरोमनमूके॥६७॥
दोहा॥जरनमालतीदेषमधुकरतोनवहीजरो य
हैपटंतरपेषमृपेविनकोउडोनरे ६८॥चौपई॥मृ
पेविनिकोउसगनदेषे मृपेविनाग्रनारनपेषे मृपे
विनाकोऊग्रीनजाने विनाप्रेमकोऊवाननमाने॥
जेनमालोवाच॥सवतीजेतीवानड्रिगदेषी ननक

मधु॰
५५
22

मैनोहिआनउपेषी जोयहबवनहूरगनेहे ताेसोवी नेरसुषमनिहे ॥ मधुवाच ॥ अलकेप्राणपवनसगर हई मिलेसंसगेगगनमगाचहई देषोईहाअीनभ ईकाची मधुकरजलनमालतीवाची वनमोसह जअापेमुनफूली अीनपुरानननमोसमभूली मधु कोप्रेमसंहरणादेष्यो अतकालसवअपनोपेष्यो केतिकदिवसपेनेजोकरी मालतिहमपावकतो नरी नहंामेवतीकपटमनाई अभितरकेभेदनव नाई मधुकरऔरकुढनहाटेषा ऐसेजाननहोईजा हाहरे [illegible]तिहठौरआनविवाहीसूरे ॥ ८५ ॥ दोहा ॥ सू रषभरमभुलायविन वूझीवानेकहेवमपकवो नाहिकोकमनायोजामनन १० ॥ चौपई ॥ अलीया यअनविषयाकहै मेवंतीवाननपेकेलहै उनरक हनवहरफिरजोलो मालतिप्राणआयमिलेतोलो जेनमालतीअतिजीयमाथे कीनेचहेपरस्परवाते जेनमालममयोमनलीजे फूटीवाननचितमेदी जे १० ॥ अलीवाच ॥ दोहा ॥ तोननननरतोदेष मेसा रीरतोपरदह्यो अीनपुराननलेष रटननाहिअी रवह्यो तोमोप्रनननेहस्योनूपनसंधामही ॥ ११ ॥ चौपई ॥ परणीहमधानायनकीने: तोहिमोसोहि

नचितननहिंदीनेः इनमोप्रीतकरोजनकोई पहेप

टेतरबूफेलोई मेंग्रपनोजीयतोप्ररदीन्हो तेग्रपं

चमोसोयहकीनोः मेरीदेहक्कारेहेनिटकी तो।

वनमोमोपलवग्रगटी ग्रंतरगनकोपीरनबूफी

मालतिकोनवुधतोहिसूफो वानीगरकीरोग

नकीन्हो छोलवजायवातकहदीन्ही पुरषमर

ननीयरूपरमरही तीयरूपरपुरषनमरही सो

गतमैनेरूपरकीन्हो तेमेरीकछूपकनचीन्हो म

पकरवाचनसनेजबग्रैसे उमरदेमालतीकेसे॥सो

रठा॥ ७२ पुरषप्रेमवसहोय तीयतोपरपंचगछ्र

प ७३॥मलतीवाच॥चौपई॥सचरकवरग्रवनसन

लीजै ग्रपनेवचनसमसाचगनीजे पुरषकहेसो

तीयसमकरही येतीकवौवितवातनधरही जे

येमालतिदिनमथकरसो तेरेमेलनहितननमन

तरसो ७४॥सोरठा॥करतोजनतमनदेर जोजनमे।

तोवनपहे केमपुकरेरसलेर कैहजेकछूमाल

ती॥७५॥सोरठा॥जोकछूजीयमेषोट शंकरसापी

देसनो केनतरहेग्रवोट केमपुपरसेमालती ७६

सोरठा॥उनपनपेकसपूर प्रीतहेतदोपरे पुहमी

कुगेनसूर जोग्रंतरहेमालती ७७॥चौपई॥तोमो।

मधु.
२३
23

हिवचनगनननमवसिष्या तोविनजननममोहिसम
विधेया नवघटसमदीपलोभटको निसवासरक
टेपकनग्रटको वरचरघूरववहूड्डघघघो याको।
कहेंसूपनवनायो पंछीभवरग्राननतहदेष तोवि
नसवैसूलकरपेष तोनिसउडगगणाचादविहीनी
विनवसनपिकविननहोनीको वरषाघनदामन।
विनफीको मैनसमटविछोभेनाहो सववरक।
छूतपंकजनाहो मनयरलालहेमविनसूनी वि
यविनजोवनकेतविनी मालतिकरणाकरसनावे
यकहेग्रलकोस्वथनपावे ग्रवहूनिप्रेमप्राणागवाऊ
ग्रलिवियोगकेसेपतपाऊ रटतनामममको ग्रीरु
री ग्रराधोसेकषणावचरी मधुमधुप्रीतप्रीतनवि
नपारी यहेवचनकोदेहमजारी पवनप्रीतप्री
तद्विगदेष मैनविनाकोउलहेनसेष जिनकाहू।
मोहिउपदेसवनायो सोहिकीयेपेहाथनग्रायो
७८।।सोरठा।। मालतिममनोरहप्रेमममधुकरसेप्रीत
मनहीं कौनविवाहेनेममनसावाचाकर्मणा ७९
दोहा।। पवनप्रीतमधमालतीउचटजायतालेष।
ममकागदपाहनलिषीयहेपटनरपेष।। ८०।। चौ
पई।। ग्रगाहिफाववनसनननमममभागी मधसंकोच

रहेजीयलागी भ्रनग्रवतारवनकगृहलीन्हो य
ह्रप्रपंचकिहकारणाकीन्हो मालतिरूपजन्मकी
नारी नमनोभयोवनकग्रवनारी नमज्ञान्योमोग्र
नरयरहे नृपकुवरीनृपकुवरवरहे मेरेमथनले
होकेई राजावनकवानकोहोई ग्रेसीनोमयमा।
न्मोनूफी करनाकीगनककुनसूफी नमनोग्रा
हिदेवग्रवनारी उनकीमानकरीक्योमारी मणिा
कगयरेककरचढ़ई कंचनविनकहूंग्रनतनचढ़
ई ८२॥ श्लोक॥ मणिानुटतिपादाम्भेकाचसिरसेधा
र्यतेन यायदाविक्रयतेकाचकाचमणिमणी ८२
चौपई॥ देवनकीगनपतसनाऊ नियरकहोयग्रा।
पग्रुषगाऊ कहनमकेनोयोकहिग्रावे जेनमा।
लमग्रुकोसमफावे ८३॥ मग्रुवाच॥ दोहा॥ सवे
मयनपक्षाउन्हूं जेनमालकहोवेनप्ररवली हू
रवगईवहवासरवहरेन ८४॥ चौपई॥ प्ररवली
वानसवनूह्माउो वहनोलागगयोवननढाफो
निश्चवीनीकोऊविप्रनहूके नीकोजेनस्पानय
मूके राजामोनसनेननहिकोई नीनलोकमेहू।
फ़ेलोई काहकहीनकोऊकरहे रकनीयजा
नवहरनृपवसी ईहनहीप्रीनसंप्ररणफसी

जैसीलतनाकरतीवहहई नातरवहुतनककावनफर
रई कागासवचसतेनेनहीकोई जोयहसमभक्तिगा।
गनेलोई वहवलकोऊनसूरमदेष्यौ सोगपाना।
छिगचेननपेष्यौ ८५॥ मधुवाच॥ चौपई॥ सपेषा
यनोमंत्रपढ्ई त्रियसांनकामकोकरई राजामी
नसनेननहदेषे जैतमालसोंचीचितपेषे॥ ८८॥ सो
रठा॥ ८७॥ जोरामीननहोये गंजनदमनराजाकहे
मान्होगनलहेनकोपहूंके सवकोऊकहे॥ ८८॥
जैतमालोवाच॥ चौपई॥ तूंदछनलछनतहिहारे
मालनितोग्रनहलविचारे एरवग्रीनजानचिन
धरही नातरकनकमीनकोकरही॥ ८९॥ श्लोक
नचाश्चनचसमथैवनकमैग्रीकरदाचनः प्रज्ञा
लिनानिर्वाशानीनागारोनचभस्मकः॥ ९०॥ चौ
पई॥ ग्रंथभीरसरेनकैसी वनकमीनकेरीनगा।
ननैसी जैसेजरहीकेसेकेभारे भसमीपरेहोयना।
ग्रंगारे॥ मधुवाच॥ तूंयहवानकौनगनकरहई ना
गदिहघरदीपकनजरही राजकाजकीपकन
वूझी हिनकाभीषमागवासूझी सीषोजाय
वानकीकेली पाकेपौकछूकरावकोली देषा
सनेनकवहूंहूके ग्रपनोऊलाकर्मचिनसूके

९१॥श्लोक॥ स्वस्येश्रृंगारगोदीनापरस्परविरोधि
ना वैनविद्याराज्ययोगः स्वायोगयाश्रुतः श्रुतः ९२
चौपई॥ चोरेवफेनकवहलरे अनविरोधपरस्पर
करे स्वारथतृणाअमहीवाफी यातेभीषकया।
लहिचाछी यौवकोरयावकभलकरई होछी
बुधअंनजरमरई राजकाजकीवाटम्मारी कोहू
फेगूगनकीगारी॥जैतमालोवाच॥ मधुयहूवच
नवाननिधोरी अपनीगर्जेसहोनिहुगारी तम
दोऊमिलननलेष्योकरनारा जवनवंगगासोरा।
पारा मरअनिरिष्यकस्यामपकरे जोलौनीय
सोकामनपरे कमेलकदोऊवानउरलागे ग्या
नध्याननननैनजभागे॥९३॥दोहा॥ जोरनगम।
हेवेदविधतौलौकरेस्यान जोलौउरभेदनही।
निहिगवानजवांन॥९४॥चौपई॥ ऊवकअंग्रापदं
ममीकौथी निरषतनैनमधविकचौंथी नवमुष
केषनपटमुषदेष्यो अवकेहूपकलानिधपेष्यो
उपमाकौनपटतरकहो सरनरसकलमोहिवि
नधरहो वदनकलानिधप्रणानरुगी कविके
उपमाश्रोरनवरणी ससिकलंकवदअंस्नवाफे
सुषसोभादिनदिनअनचाफे वैनीमागमध्याद

ईपाटी मान्हेमेसफणाकरवनकारी नाग्ररसीस
फूलमनधारी मृगमदतिलकरमनाहेकारी म
भगास्यामनाभीहेसहाई हाथकमलसरस्वनीव
नाई किधोकामयनषसरक्तूटे केचितवननाा
नकसरक्तूटे ५५॥ दोहा॥ नाननपर्यावोषरसव
षसूयेसुषमीन निसदिनपटेहीरहेमोरपोहे।
कौन ५६॥ कवित्त॥ जोटीजुरीभौहेसोहेवटसु
षस्यामरेषमानोग्रहिसनसुधापानग्रालजोरहै
किधौकोकनेदपरमधुकरबांधीपानकिधोका
मनानकरक्तूटनबच्चायोरहै चापवरनेकेवान
न्हकीमारनेकोमोरहै रसकविलोकेदृगमाय
हेरह्योमयापलभयोहैविनवनचोरहै॥५७॥
दोहा॥ भौहभांतकीपानरविजोरीनाननजमाल
नेनकमलमधुकररुकेमोहमालग्रञाल ५८
॥चौपई॥ नेनकमलपरमधुकरवेठोटूगषंजन
ग्रकनउरपेठ्यो घुनवशालराजहिदृगकोई मा
नोलहमीनमहावरधोई नासमान्योकीरतनु
षपाई केसरीलषतिलफूलसुहाई मुक्तचारग्र
लिकदृगमोरे ग्रञ्जनपरमान्होनागनरोहे ६५
मनमसफूलकविपाय कंजकलीनाउकसरा

पे ग्रधरसवारेनिरषनह्मरे शुनिविंबफलपावे
निरधारे नासेधशानश्रनिमसकनसोहे विजरी
मानोःरक्षचेनमोहे डीठीऊमदकलीमानेको
री सोभाग्रधकनासपरदोरी मृगमदबूंदकियो
तिलकाढ्यो ग्रैमेग्रानननकोछबवाढ्यो॥९९॥
दोहा॥ठोडीचिबककीदतनकेस्र करधरधनुषस
रूप बूढ्गयोमरभीनरैरहीवाहरीफूक॥१००॥
चौपई॥ग्रीवानिर्षकपोतभजानीपोनछुटाछुर
वग्रथिकलजानी चौकीस्यामग्रोरछबपाई मा
नोकालिंदीनवेगृहग्राई ऊचसंभोकधोसंपटवा
ढे नापरममककंसकोटीनीः संभसनाहका
मउरकीनीः॥१॥दोहा॥कंचकीलालसुफालग्र
ति रहीऊचनलपटाय वैरंसहारत्योसमसो
टईकामदोलाय॥२॥चौपई॥लहगपोहराग्रानका।
सीतलसवीको नापरजरदचीरकसवीको सोधे
समागमरहमुथरी मानोईद्रभवननेउमरी भु
जमनालकिम्रवननसोभा कोमलताकदलीने
सोभा नापरवनियांवरछकविपायो कामसक
लसोभामनभायो ग्रंगुलीकलीकनेरवनायो
परचोग्रतिपरचोछकविपायो नैमेकमलकंर

मधु
२९
26

अनलागे रहेसबपाईमनोरमपागे नाभिकल
हाटकमजैसी पुनत्रिवलीसोभामनअैसी येपढे
कामबदनकीकीनीः केविषआयअंगुलीदीनीः
केहरिकटाकियोमृगीक्कवही मानोकूटपरीजन
अवही नापरकूटचंदिकावेथी केविधनकूजान
केसंधी कदलीकनकजंघछविसोहे पिंजरीपा
ववानकूवमोहे केनकिकहूवकूरकूविअैसी दे
ढीडेढ्ढापएणफलजैसी सोभाचरणाकमलरविजै
सी गतिमरालबालगतअैसी मानोःकामकेआ
वजपूरे नूपररमहेसरनकेपूरे पगजावकविकू
आग्रतिसोहे अंगुरीनछुदकछुदकमनमोहे नष
ननेकसोभावहूअैसी नगमप्फारकीनेकूविजै
सी॥४॥दोहा॥हाटसअभरनअंगसज्योगौरसिंगारा
नविसान फिरसोभाउनकोभईदेषोधोईहगात
॥चोपई॥नीयआभूषनसजसोभाको इहगनउ
लटीभईसोभाषो अंगउपचढीमोरही॥५॥दोहा
कारवनायसिंगारीयेसोपुनसोभाहोइ विनभू
षननतनजनहीसाषीउपमामोई ६॥चौपई॥मा
ललनविनभूषननननमोहे सोभाअयकत्रिलोकमो
कोहे रननचलईसलषनएरी एरनकलासकल

विपसूरी॥७॥दोहा॥मधुभूलीकुविमालती फनर
पेकनहोय जेतवचनइमडवरेवितदेसनयेसोपे
८ षटरितवारहमासलौवाचकमरतपिग्रासमा
नवूटविनमुषनहीरटनसदामधुग्रास ९॥मधुमा
व॥सोरठा॥वूजसयानेलोई होनोसोकेनककहो
भागेमिलेनदोयसनीयेमनमधमालती १० जो
टयिमनघनहोय सोगतिमनकीवूफीये वहर
नजानेसोयमाघनतक्रमिलायके॥११॥मालतीवा
च॥श्लोक॥अज्ञाप्रथंवनेकुप्राथंदंपनेकलहेतया
वत्वारोविफलेयान्तिअभातिमेवंडवं॥१२॥चौ
पई॥अज्ञाप्रथनहाचोटनपरे वनकप्रापडिवग्रा
नकरे दंपतकलाहनमनहोम्यारे ववसेमनहीग्रा
मातवचनवारे मधुलक्षुवचनज्ञमुषतेकहई सनत
मालतीनेकनसहई मधुयहवचनसन्मसनमेरे
सवैस्यानपजेहेनेरे॥मधुवाच॥प्रेमवचनावितजो
परहो देहविदारनकवहूंनकरहो जीयतोसन्य
तजेनहिमेतोकरहेचेतकहालोफेरो जेतमालम
नमध्याविचारे वातननैकवहूंनहीहारे फगरक
गारमगतोदिनजेहे पांकेमेचकानकापेहे जिनमं
वनसतिनासमसके पुनसंकेनरूपलेहके माते

मधु
२२
27

ऊंजरमरद्नोउतारे सोयहवितिरियाकोनसंभारे म
धुननचितकेजेननिहारे मेयमोहिनीपटकेडारे
वसकीनोअखानलगायो नौलैमंगअौरयवायो
कछूकपेकमधुमानननही कछूदेउनरदेकछू
नाही देवनसोवीनीसोईकीजे छाडअपानवचन
चितदीजे ऊषाअनरूपभईजोसाषी मधुनमथा
लकरीगतिनाको छूरवनेसुगहचितदीजे यह
विचारकोविलंमनकीजे॥२३॥मधुवाच॥चौपई॥
छूरववाननकोऊजाने अवमोनृपतनकनकको।
ठानो लरकबुधजोमनमोमारे मधुयहधीरजबु
धविचारे विगरेमनोवसीठजोकीजे सापकछु
छमनयोमनलीजे २४॥दोहा॥प्रीनकरीसुषक
रनकोसुषसमभयोहरायअह्नि जैसेषद्कछूकद
रीसापपकरपछूनाय अह्निनेगहीकछूदरीमन
मोउपजीदाय ·आसकरोनागलपरे नजोनोअथा।
होय॥मालतीवाच॥चौपई॥अेसेववनकोनसुष
भाषे तोकोहेनमोकोनहिराषे छूरवलीप्रीनवि
नयरही नमसधुमरणानेकिनउरही जनमययों
सोजगमोमरहे याकोमोचककहालोकरहे अवजि
नमनमोअौरविचारो सषछपलियोमोकोऊनठा

रे मधुकोवंमंत्रवसकीन्हो उनरनीहनीहकरही
नोः निरषनमालतिरूपभुलानो दिनवसंनपा।
वकपिकमानो नरनोग्रथकस्यानपकरे जीत
सकलजगकेउनचरे कनीकेउनगर्भग्रवनारे
ग्रेनहिग्रपनीग्रापहिरुही ज्योज्योमंत्रजेनमष।
पढही त्योत्योमधुमालतीननवढही मधुवस
कीनोद्विजकीवारी मालतीकाजसकलविधसा
री लीनोः लगनवेदमोजोही परसेप्राणप्रस्पार
स्योही कंकणाकरग्रवरगहवंध्यो तूटयोनेहव
रफिरसंध्यो रच्योकलसग्रउजकेरो मधुमा।
लनीफिरायोफिरो मंगलचारजेतउचरही स
हनरनषंनसषचितधरही ॥२८॥दोहा॥वनया
हीमधुमालतीजेनमालजसहोय प्रनग्रागेवि
ग्रहवढीसनेस्यानेलोय ९॥चौपई॥रावसरोव
रकेढिगवारी विलसेसषमधुमालतीनारी मा।
लीपकटयोनहारहही सगरीवानरायसोकह
ही मंत्रीसतग्रस्नपनकुग्रारी योसवारकेजे।
तनवारी करेकेलकछूसंकनधरही मोपैग्रन।
गानकहनतपरही तिहउसथापमहलमैग्रायो
कनकमालपरवारवुलायो सनोवानकन्याक

मधु
२८
28

मकाऐसो मंत्रीसुनमोहितमिलवाऐसो कन्याउ
दरकेराजनकोई ज्योसुषचाहेज्याउषसोई नेक
रहैतोसवगृहुपावे विगरेतोटोऊकुलरोवै क
होतोपापेकवेगहकारो मधुमालतीदहनको
मारो यहविचाररायचितधरही तोलौकनक
मालचितधरही चेरीउनपकवेगाबुलाई दीजे
सीषसमसमुजाई मधुमालतीदहनकोकहीया
तजहोबुराईहाजनरहीया नृपनहूनपठयोहे
तममारण हमसुरतदीनपटीतमकारन सु
ननमालतीश्रुतविलषानी मधुकेकंटदैरला
पदानी॥२८॥मालतीवाच॥ श्रीतमववनश्रुवना
सुनुलीजे तजइहितैरपलविलमनाकीजे व
छहोतरंगवानचितदीजे चलहोवदेसजहाम
षकीजे॥श्लोक॥ नलंयत्रवनतीपीयत्राग्निस्तत्र
देवता यत्रभार्यागृहेतत्रसदेपोयत्रमीवती ५
मधुवाच॥सोरठा॥ मालतितुपरधीरमोहिगिलो
लगतीदईश्रुजहूनपरीहैनभीरज्योमलिटसा
नसोभई १॥चौपई॥ मालनमधुसोएकेसैसी
करहामिलिटसतनसोभईकेसी सोप्रसंगासंगक
होमोसो मधुसोनायकथाकहुऐसी॥मधुवाच

वेषावनीवसेकुंवरमलिंदा नाकोउग्रनावदिना।
वेदा वरसवीसवावीसमेसोई नामरूपदेनरश्रो
रनकोई नामश्रीकन्याग्रनवरी वरसचतुर्दसग्र
तसुटरी रूपरेषनामनाकोकहे जादेषमहेस
वितवहे पोहपसमीपइकउनमवार पोहप।
समीपग्रंगपपमेसरवकारी कुंवरीमैलकरना।
नहाग्रावै पोहुँवीनकेहारवनावै यहकहेंवं
दकवरसुनपाई कामकलोलतमनसाजनाई
फेरीवारवागमेकरही रूपरेषकारणचितधर
ही मालनिसुवरपेकनहारहई नामोवंदक
वरयोकहई वारीकुजकरौकिननीकी फूली।
लजीनहेसूकी जीकोवागनिर्षसुषपेहै नोपै
देषमकलकछूरहै योकहवचनमंदमेग्रायो
कल्योसमालनवेगवनायो रूपरेषकोथरना
सहाई घरीदुपहरीवागमेग्राई ग्रपनेकुजग
हलेसाषी मालनिकुंवरीग्रावतलषी कुंवर
नवेवलवागमेग्रायो निरषतनेनमहासुषपा
यो वोलीमालनकुंवरवुलायो गयवेगचलना।
पहिग्रायो रूपरेषजीयभईभलाई वंदकुंवर।
कीसुधनपाई मालनिवंदकुंवरकोजाने रूपरे

मधु
५९
29

षकोनाहिंपछाते ऊवरीमालतिवानलगाई इना
वरितजानसभपाई तौलौचंदकुवरनहिंआयो
जगलपरमपरदरशनपायो देषलेहुकरताकी
करणी देषतगिरेविकटहेधरणी मालतमन
मोमोचजोकरही संकेतमेतभयदोऊमरही
पीपरवाटनकोगृहहोरी भयोप्रसादईहाकछु
औरी चेतसम्हारदोऊउटवैटे मानो:वानपंव
सरपैठे ऊवरीचितवनग्रतमुसकानी चंदकु
वरसभजीयकीजानी गहीभुजाग्रंकचतहिंलस
रसी चितछूटेकामककोकरसी तनमनप्रानभये
इकदोई कहीयेकौनभांतमैसोई प्रगटयोप्रेम
ग्रथकसरसाने नीजोवाततनकोऊजाने मध्यै
नसमयोजहांहोई वाथेवचनमिलतहांदोई
पकदिवसवनचनमफारो तूपेरषपीयचंदकु
आरो ऊसमसेजरवैवैटोई पुनसरतकामके
लकीहोई वरवेअदासगंपसवासन दिनसव
सरनमिलेपकग्रामसन तैसेमेइकनाहरआ।
यो रूपरेषडरपाहमनायो छोडेयोसषपवि
नउटकेनभागो वहदेष्योनाहरमुषआगो दि
नेदसनोहिंमनकोसाषी चदकुवरजैसीटढ

राषी नीयाग्रासनराष्योजीयहूरयो गह्यीक्रमा
नक्कुवरकरकरयो भमकनवायनैसेमषफार
यो करकसीनवानगहूमारियो छूटेयोवान।
ज्ञायडरग्रटक्यो मानेःग्रानसेगलीयेसटक्यो
करकमानदीनीग्रनडारी सेजरमनकीनोसष
नारी मनमोकछूनसंकाकोनीः कर्नोहिमन।
सेहूरगादीनी नोकोऊग्रेसीधीरजयरहे मा।
नसकह्याहनजमडरहे २१॥ श्लोक॥ उयमसाहि
संयेर्यवलबुधिप्राक्रम उन्सह्याषटियोयस्यतस्य
देवोपिसन्यंम २२॥ दोहा॥ उयमजेससाहिमग्र।
वल ग्रंथिकधीरनराचिन नाकेमनकेवलकहो
जमकंकरसंकिन॥ २३॥ मलनीवाच॥ चौपई॥ कव
हूंकग्रेसीहिमननोकरहे सोमोसानपंचसोलर
हे नृपसोजफकह्योसोकीजे मधुमेरीविनतीस
नलीजे नैंगिलोलषेलनकोधारी परहेजफग्रा
यरहांभारी विनग्राघुधमधुकैसेलरहे हाहा।
देवकोनगतिकरहे होपापनडतनीनहीहूफी
मधुकारनसभग्रागमसूकी ग्रीहरग्रवकेयह
ङुषटारे धुनरविग्रागेगोरमसारे यहलैजन्मा।
वरथंगवायो हनेमटकमटकमेपायो धुना।

मधु
३०
30

नामैयहविग्रहवाढयो करनाकौनयहसुषका
ढयो मालतिविलषानीयोकहई नवगोरीसा
कावनवचहई सवीअवयनकोसनलीजे छरन
कृपाअनअहकीजे अवहीजनकआयइहापरही
मधुवलककैसैकरलरही ग्रेनररव्यरहकेचित
दीजे इनकेजीयकीरछ्याकीजे गोरीहीयेज
करणाकरही मालतिनामधुकननाउरही व
हुंग्रगारभोरजवपरही मालनयीरजकैसेय
रही॥मधुवाच॥मालतिजनमनमोउघपावै को।
ममथेजोसन्मवमोहिआवै वारवारकहाकहो
वडाई नेगिरलोलकीमयनपाई येकगिलोल।
चोटजवपरही छुटनकोटकोटविसनरही छु
टनअरवपरवहुलागे आगुयप्रारकहाइसआगे
५४॥दोहा॥जीयजउयेहेमालनीकरनाकेरसोहो
य कटकमटकपलयेकमोनोमधुकरकहोमो
हि॥५५॥चौपई॥अर्जुनकेगुरुद्रोणपढायो सोवि
यासबमैसिषआयो पानेकछुनजीयउरपाऊ
कहेनोनोहिअनगपादिऊं एकगिलोलसोवनको।
मायो सगोरयवपइनेकायो रसोनिमाननहछ
मोपके नोसवयोयोजवयहआघटेघ ऊवरी।

निरषैनैनसुषपाई तौलौपाईकग्रापधाई मार
मारकरवचनउकारे पेकगिलोलेसोमधुमारे
केनेमूपेनीरनहिमागे केनेगयेरायपैभागे सो
नूपग्रागेजायउकारे मधुनेसगरे पाइकमारे नृ
पनकोपजीयरोभराही जनकोऊसैनमधुनेक
वुलाई लरकाजकहलौकरई परचक्रीनिम्न
विलरई नरीसहंसपकसाजवुलायो वहुसा
मैत्रीरायपेग्रायो जेतमालनी सोमधुचेरो वनी
याग्रावसवटयोटेरो कंकरवाटसेरसेकीने हा
थगिलोलनरानूलीनी सगरोकटकतोलकेवा
फो नरनरवनकवांधकेफो उसौपचारवाहिव
रनोले वंफोऊवरमवदमुपवोले मधुकरग्रवा
नसनेसववाने ग्रैसेनहीवूजकेवाने नृंतोऊवर
जानकेलरहे मनमेतरसमालनीकरहे जोतम
ग्रपनोकारजसाधो स्नरवजननमऊलकुटमग्रा
धो थ्रियसमालनीविनविस्तारो पाछेभवरास
मूहूंकारो ग्रैसेविनकारजनहिहोही मूगस।
मूहनोवदलषेही नेरोग्रपजसकोऊनिकरहै वि
नमारसगरेग्रनमरहे॥२८॥जैनमालोवाच॥चौपई
जेतमालनीभलीवनाई यहनोफोजमूहउपराग्रा

मधु
३१
31

ई इनवरीयासममनोनह्नोई गानगीननयोहव
टन्नोई उषरीमध्याग्रायजवयरहे मूसलवाडा
कहालैायरहै पेकवेरइनकौंसमफाऊ फिरया
केयहवुयउपाऊ सैालैाकटकग्रायगयोनेरे ७
ननिन्हेग्रायग्रायकरटेरे कहोनोयहपाइकाकि
नमारे सोकहागयोषनजन्यारे वेगग्राउजुफा
कहाकरही छ्रीमोछुत्रमुषपरही कहांग्रथा
तोऊपरयरहे पकयपेडकेमारेमरहे सनत
वचनरीसमयलागे गयोवलाययपेडदसग्रा
गे नमकगिलोलहाथ्यगहलीनी ग्रर्जुनमंत्र
सकलविचकीनी ग्रवटेटेकंसकरदलमारे
मानोनपकचाउभयेमारे इकजुयाईकगिरेम
लारे मगरेजोयनकेगभमारे जोवर्षावाधो
कोवरसे न्योसमकटकहाहाकरनरसे केनि
कमूपेग्रागाननहूटे केतिकमूषेग्राचीसगये
सोलूटे केतिकमूपनेवचननवोले केतिकघा
यलहलेनगले केतिकगिरेउठेभययभूले केति
कनिसजागेजानोलूटे केतिकगरेसोजलरही
मांगे केतिकगयेगयेपेभागे केतिकमधुरूप
परसलग्राये संकरनिरषमहासुषपाये मधु

कोभीरजहाबज्रपरही तहांत्रिसूलरुद्रकोफिर
ही शिवरह्याश्रैसीजोकरहै सोनरजफककहाते
डरहै॥२७॥सोरठा॥हारेसुभटहजार घनपायक
सोपेकहते नृपपैपमसैप्रकार याइलज्जरेह्वायभई
२८॥दोहा॥कटककोटकीयोपकछिनसूरवीर।
केषेत मधुमारेह्वारेसभैरहीनहीनवचेत॥२९॥
चंद्रसैनोवाच॥चौपई॥चंद्रसैनचापलकौंबूफे कौ
नकटकआयरणसूके सोहमवातश्रवनसुन।
पाऊ भापरनेसीऊसुकबुलाऊ चापलकहैका।
पटकोऊनाही करगिलोलमधुमारततारही कि
करमारछिसंभटकीन्हे हजोग्रवधनह्वायनली
न्हे चंद्रसैनकछुवाततमाने वतीयाकह्वाजफ
कोजाने कटकगिलोलनसोनहिमरहै लरका
ग्रैसीबुधनकरहे परचक्रीकऊनिश्रग्रायो सुन
नहीछत्रीवेगबुलायो पंचहजारबहरसजकीनी:
चढहेवेगनृपआम्पाकीनी: ३०॥जेनमालोवाच।
चौपई॥मधुकरवोग्रवकहयाहमारे लहोताग्रा
पनोकुलविस्तारो भागवलेसोबहरछेरो टाय
घलमध्यापकघलमेंडो जोनरवनतसन्मुषभा
जे तोबहजनमडयोकिरकाजे कोमाकोजगव

मधु
३२
32

नीयंकरजाने मालतिनृपकुलग्रहकरमाने ह
मनोप्रेमपरषतनथारे देवग्रेमकोाकलोपन्या
रे रगसंग्रामनहोनजनाऊ जेनकहेसोउपउपा
ऊ वेगमालतीवनविस्तारो पुनमधुकरकेजू
घहंकारो रामसरोवरकेढिगवारी छोटेवडे
हकुंमकारी भारग्रदारहजानग्रनेरी सोभाभा
ईमालतीकेरी तौलौजेनपषनग्रराख्यो षीनल
मध्यसुगंधऊसाथ्यो ग्रतिसुवासचहुंदिसको
धाई भ्रमरसमूहसेनचलिग्राई कोटिकमधुमा
षीविसकोरी सनसुवासचहुंदिसकोदोरी मेंग्री
सनिमिरनपुनकरही त्योत्योग्रलिसमूहहिवि
स्तरही ग्रेसेसमेकटकचलिग्रायो मकरऊवरा
सननउटथायो मालतिदोरकेंढलपढानी बोल
तजेनमालसोवानी धीरऊवरवचनविनदीजे का
नहकाजकीकर्कजकीजे सेकछुकामसहजसो
सरई तोग्रलिग्रमपनोक्योकरई वीरनपेसवकट
कषवाऊ तोकोकहेप्रतीनदिषाऊ ग्रलकउंसा
तोनरवरवरचे तोकोऊग्रानजजग्रतग्ररहे वुध
स्यानेवानरभाषी तासनोहिसनाईसाषी सोलो
ताकेसवकलरह सामीधुपनोलौकिमकरहेदे

षोकटकहकुंजनोरो भवरमहालमाषमव
चारो जोवीचलोकहोगारपमारे मोग्रलटी
येमनमभटारी विरचेकटककटकमोग्रायो
जैमेटटषनकोषायो कोटपकनकोंलागे।
मानो:श्रगारविमननलागे हंसवरनमभमभ
टउजारे पलमेगएकोगनेकारे भवरमहालभा
षननतोडे मानो:मकरकामरीडोढे उमेभव
रमानो:उमविछू फरूकेनरंगपगारहेनोपि
छू जोधाजोधनकोगनहारे षेलेमूढमनोम
नवारे नरीचमकभागीचरजाही षेनरहेनेम
कलमराही कहूंकमालकहंनरकमटूटे नेजा
मामपरसियारछूटे हूंषजरकहूंगिरिकहारी
जेहूराकहूकरटगिरीन्यारी कहूंनरवारकिन
हूंगयोषेडा कहूंगिरयोगुरजवषनरकहूंफेडा
कहूंचंद्रकहूवानकरगिरे डारडारमवधरनीप
रपरे कोईभूतेकोईगिरेन्यारे ग्रागुथरप्योनको
ऊकरमारे मपुमोगुधकरगकोउनाह हामोक
टकसमटकसपाही वचेपकहेसोमभभागे
निनजाहरकीनीनृपआगे गिरोोकटकसभभ
वरकोपायो विनगुथधरणीसभहीग्रायो नर

मधु
३२
33

तरंगनानवचानवाची जीयनमूपेसहस्नसाची
सनतगायमसषग्रतुरीनाई यहनोग्राजनईसनपा
ई पचसहसकैसैग्रलिषाई नैलैयावकग्रैरेग्रा
ई भवरंसमसभग्रंगदिषाई मानोक्कापसकला
ग्रंगक्काये ऊवुयनृपतिकक्कवाननमाने कक्क
साचीकक्कफूटीजाने परवक्ककोऊनिग्रग्रायो
भवरूपकक्कसिरहचलायो हैग्रवचफोवा
जायग्रुथजाऊं चरवैटकैसपनयाऊं देहदमा
मासाजसिन्हाई चुरेनिसानमधुमेरेडराई मारु
गगरयोसवक्काई नरनरंगननवचामफाई सा
जससाहसावनचफिग्राही भवरंसनकोघ्या
हरनाही समदलजननकीयोनृपनाही नरी
संसमदसचंचलनाने ऊनरसहेसदससदसा
माने अषलाललागेक्कवक्काई मानोःदामा
नीमध्यसहाई म्योनृपचफैग्रासैहीचफिग्राप
देषसहस्रपंचग्रलिषाये जोधासकलगिरेन
हास्पूरे देषनगयवाही विथफूरे लागेसागयरि
स्परजाय नोरेपिंजरकाटसभजाय यानेनृपप
रवक्कीजाने भवरवानसभजटीजाने हृनवाउ
नेवगजलाय सीघदईवरग्रेरेपवाये हाकूनेक

टकदेषकैआउे जोकादसोभेदवनाउे उनरदि।
सहूनपकआयो सोउनरामसरोवरथायो वारी
माफकवरीमथुदेष्ये ष्ठिगहीजेनमालनीपेष्ये
३१॥हनउवाच॥श्लोक॥आमिषंडुषणंायस्य कदा
पिग्राह्यनेस्वयं आभूषनेनजवीनहारपानेष्य
कृथक ३२॥दोहा॥जाऊलीयविहूषणायहेवी
जजारकोऊषाय कवनजवाधेहेसषीहारेहार
वनाय ३३॥चौपई॥कतीकौनस्पनपकीनोः ल
लसहूजवननाकोदीन्हे ष्ठिगउुमहोपनोनापर
वहूई अंडुअकामसपटंनरलहूई जोरहोयकोउ
पटेमाने नोसुषसमजकहेकहूवाते जोगजमा
नोसुडसमहोर नेरीलैानहीगहनअंगारे स्वान
सदायहस्वानषाई मालाकंठमेफरीनाई वी
टीपंषभयेसवपाये नोदीपकमोआयसमाये
नावसाहकीनीः अरुचोरी विनसंगतिषेल्याअ
निहोरी वदीकोरनेविरदकहावै सोनोहिवुय
नैकनहीआवै ३४॥राजोवाच॥श्लोक॥विषभा
रसहस्रेगुणभेनापानियनगः ब्रह्मिकोविंडमा
नेणाउधंवहतिकंठकः ३५॥दोहा॥लनसेवना
होकोसजनरनकोयहेसभाव जिनतिहमाडे।

मधु
३४
34

संचरे फौजविनासोनाय॥३८॥चौपई॥वारीमध्य
ऊवरलेवैसो कोटकटनआननतोहियेहियो का
हीयेकहाकौनविधनाही एतोहिकटनकलेआ
आही नृपदलमारगायोजीयगारो वैदोआनअ
केलाननमारे ऐसेसमेआनकोऊधरे उपरकोना
तोहिपरकरे नेरीऊमककटककोऊआयो मो
कोहिनकररायपेदायो दलवलहोपतोजथही
मंडो नानरयरूमधुऊवरीवीजे चारकथाकेसु
हमेदीजे हमहोयकरवोलेगाढो गोरवीदनेवा
गनेकाढो॥केतमालोवाच॥मारनकाजथायके
परयो जेतमालनीकयोकयाकयो यहगरीवा
ऊपरक्याकीजे ऐसेवचनचनखिनदीजे अल्प
बुधनरहोयआयानो नामसोदोसनकरेस्यानो हू
करकोटगईहहिभाके इनवाननतेकछूसरन
सूके केहरजाकेगजकोमारे तिन्हेहाथकरम
डकमारे करेकूटेगमकूतमाने तोकरभूततेवा
कोकरजाने ३७॥श्लोक॥यस्यरुष्टेभयंनास्ति त
ष्टेनेवधनागमः विग्रहोनिग्रहोनास्ति नष्टेरष्टेभ
वेत्किम ३८॥दोहा॥जोरूठेकछुभयनही तू
ठेमेनकाज तोहासीकोहोसंपदोऊवाननकी

लाज ३५॥ चौपई॥ दीनो हुकम विदा करन वही कहो

गाय बढि आवे प्रवही नैनौ मनके पीट चलाये सा

को हर हे सूप वजाये आयो हुकम मरन यह कीनी:

वड़ यो कोपत नूप आग्या दीनी पहले इन दुष्टनको

मारो पाछे कटक घोजके मारो हल्ला कीनी: हाथ

नके हलका कीनी: काट काट के भलका बागे बाम

मतोवर वारी वोलेन हात हाते गारी वनी ग्रकथ्यो

कहा लो रहई कुपेपना लजायन होगा रहई यहग

जवरणा धूर मिलन रहई कूटन कहो नसानन पेखी

ग्रेसे वचन कहे सव टेरी वारी ग्रानच हूंदिसचेरी स

चनकुंज देषम मधमके गजन तेगड़ हाये मनमके

नवनूपक हे वटवनमारो गजलगाय सगारोवन।

वारो जव कुंज रवनको आयलागे भवर सहाल को

टफिरना गे उड़े भवरक कूप्रतन न पारा रोको जाय

सवेटल मारा लगेउ मनको पकरना ही यहकरन

नकले कछु जाई वहवर न लो वरम मफाये सान

सनाहलवंन सवग्राये नघासि घड़ाये को ऊन ऊवा

रे ग्रली ग्राप नोवल कल हारे नौलो मरन भई मघु

कारन उठौ समहालवेग उहि मारन लैके करागि।

लोलमघुकरे पहलै जाय गजन सोग्रे देषमघु।

कैंजरइमउरान दसदिसभागझेमदहवडन मोन
होकरसानलगेघलक्षटन निरषकुवरवाहिवरतो
ले मुषनेवचनतुपकरवोले गहगिलालसोकेक
रजोरे प्रथमप्रहरदंनसवतोरे छिनछिनछाडसवे
करउरे हस्तीगीरेपहारजोंकारे केकरकोटिवोउ
विसारे ऊजरहेंउविहउनभयोसारे गोलेजवरज
गकेजेसे केकरआयलगेगजनेसे जैसेचनगरजे।
सवजानो ग्रेसेदलमोग्रायोविगानो नृपजानेश्रा
वकोआयो कृफनसेनवजीसहनायो मारमारक
रवोलनलागे यहसनजेनमालतीजागे॥ ४४ ॥दोहा
सन्योसोरजवजफको नवेउनेदीवाम थकथकाय
धीरनधरिछिनाहूंनदेष्योस्याम ४२ ॥चौपई॥ जवा
दिगदेष्योमधुकुवरनाही मालतिविलषवदनम
ईनाही जेनमालतीहेउरलाई जनकुवरीमनमोउ।
षपाई तुनीमनमोजोफहविचारे ग्रेसोनकोऊजो
मधुकोमारे देवग्रसहस्रगणग्रवनारी ग्रकथकला
उनकोकचुमारी तीनलोकसगरेजिनजीते ग्रेसे
वहुतष्यालहेवीते समुनग्रसरनामनरजोई ग्रा
यौसकलरह्योमहीकोई जोगीहेकेजिनमनामा।
त्यो ग्रीरनकोमममनउषदायो सहिमरापतेर

कगनपायो इंद्रसहंसभगणंगलगायो गौतमा।
नारशिलाजिनकीनी जलथरक्षग्रहेदालीनीक
रउपावजिनवकीषपायो पनसगरेजगषेलषिला
यो याकेगुननीलभईगोरी सूकेयाध्यानलगीहा
लवैरी इमहीकागफीकफरमारे परवनसभइ
नजरनउजारे जोजोरुपजहालौहोई व्याप्योसक
लरह्योनहीकोई मनगईदविदारेसूरे श्रैसेसभ
दष्ठानमष्टूरे केहरीकोटहनेकोजोरे पकरदंषह
लनकोटोरे प्रथमनटेमकोसनजीयमही मरव
रकौनकरेनिहसाही जाटोवेसीग्रसग्रवतारी सू।
जीयसोवकरेजिनवारी जवहनजादोकुलकीसा।
नाई कक्रकथीरनवैजीयग्राई सूरूयोहरवलो
भवग्रपनो मैरेष्योयहकियोजगसपनो प्रगा।
टोगपानग्रयानकपद्धूटयो सिमरननामईसको
वस्यो कारहजोपापकष्टउघहमा गईपलायसा।
समरीनमा जेतमालनीदीहोउपदेस रटननाम
नाकोवाहनपेस हेहरिवकुलभगवंतविहारी
यहग्रवतारसवनमेकारी सिमरनसंतकरेप्रभ
माने कूटीभगनसाचीप्रभमाने संतसतनकी
वाचाराषी जगयावैसनकीयेसाषी जनग्रपरा

धकोटजोकरही नोटयॉनिलचितनपेकनपरही
ग्रनजोग्रोगुनयहीविचारे जोगाजिकाभीलकि
ननारे जवमृगलनाग्रायउरमारी भगतनजाना
भीमचितधारी पेमपरनाहीउपदाई नमग्रेस
हरनमुघाई नजसरूपभगतनहितकीन्हे ग्रा
नवेठब्रलाकोटीनेः धरणीदाढग्रगनतेराषी मा
न्होलगीपहारमोमाषी ज्ञोपनीउमामनत्रुगाए
नैक्रिपालहितंग्रवरकाए ग्रनग्रवारग्रमृतकोम
वाटौ नेरोजनमउरपाहनचाष्टौ हजरकुयाकर
वगरेथारे नैरक्षायानेंहाथ्यपमारे मधुपरभारप
रेग्रतभारे जेककूपजनग्रीतम्हारा संकटमव
नविरदतम्हारो मधमनटेमग्रायतमदोई ग्रन
ग्रतभगतनसंपूरनहोई सेवकग्रनजीयजानवि
ष्याने वरुलजानवहोहोनाने वारवारकैमाक
रकहीये ग्रंतरजामीकौगनलहीये वचनग्रना
नकरूविलंबनकीजे मैगीदाटवेगाचितदीजे मा
लनकोग्रारतमनलीन्हो गरमकाजन्हरग्रागया
कोन्हो गरुनवेगभरउलाए मधुमालतीवेगा
कुलाए भारंउदोषकग्रौरपराय ग्रापालेमहता
उरधाये ग्रनवडरूपभयानकदीसे परवतसि

लावरगानिनपीसे वरगापनालसिरसरगह्मेला
गे पंषमनोतरवरदोऊआगे उदरमनोकोटीकी
ग्राये जंघमनोहस्तकोडारो भुंजगलमनोवड्डम
कोजचै नासिमनोजैसेवासषडे नैनमसालनैन
दोऊआगे चूंवमनोलोहेकीसांगे पुनिनासका
सूकेसर उपमांजोरकहूंकिसऊपर ग्रैसेवेप।
क्कीटलपरडई जैसेप्रानलैनजमप्रटई पेहवन
वेगपलकमेंग्राये देष्योकटकगलनकोथाये
नरवाजीऊजरग्रसतनिहारे गजनकोरकोरक
रतपोवारे सकरसकनऊमाकपटायो ग्रथ।
कऊपरकोहरियायो गजकेजरयासतेकेप
सीचभारउदेषकेजेपे भागेसकलदेषजोले
ही गिरगिरपरोमन्होपगपेही पेकदिसाने
मधुकरमारे हजीदिसाभारउसिंचारे तीजी
दिसासिंचगूलगाजे चौथीदिसावक्रआति
राजे सगरोकटकजायजितभाजे जितदेषे
तिनकेउरत्रागे फिरफिरभमेजहेरनला।
गे राजानिर्भैघेननजभागे वेइसैनघेननि
नर्छेउ कोसचारभागकमसो भूलीगत
कल्छपकनसूके वपनवानकोनसासूके

मधु
३०
37

फिरदेषलखहोगयोध्योव्हेरो एकसमैंहमनेमानसा
योव्हरो वाकीठोरसकलसिंचारे देवनयेनारकव्हा
विचारे राजासौंवकेरग्रभिमंत्री लयतुलायस्या
नेमंत्री सकेतमंत्रमिलसोकोप्रकासो हमकोभ
योप्राणाकोसांसो हमतोसंसारीकोदौरे इह्यभ
ईकक्कृप्रेरकोप्रेरे नमसोमनोनपूछ्योग्रा
गे नाकोयहफलहमकोलागो जोनरपष
रोस्यानयकरे मंत्रीविनाकछुकाजनसरे जो
कोकूपटरसकरेरसोई सासुद्रकविनस्वादना
होई मंत्रीविनाराजचरमारी जैसेहककुपजूरा
कीछारी जोकोऊहमसकमंत्रमजाने कैसेस
पकोमस्तगयाने ४२ ॥श्लोक॥ नदीतीरेचयेवृक्षा
याचनारीनिरंकुसा मंत्रिहीनोभवेद्राज्यनस्यता
त्यविनस्यती॥४३॥दोहा॥ एकरंगग्रीनकू
रे नभीनमूसलेयनाकोपटदहायमंसा
रे ४४॥चौपाई॥ नदीतीरतुमनिश्चैवरहै मंत्रीर
हीननृपराजनरहै यरवरग्रमननारयनदरहै
वरनायकसोंचाचीयाकरहै॥मंत्रीवाच॥ पहलेसो
ईकपाइकमारे हजेसहंमस्वारसिंचावे तीजे
पंचमहमसग्रलिषाये नादिनहमकोनाद्दिवा

लाये सुनइनऊपरतोतमभूले वलेजायवौले
वरफूले कटकऊफायषेननजभागे नवतो
मंत्रीतूफनलागे ४५ ॥दोहा॥ सवदिनलोभन
कारीये चितजीयाकरेस्यानेसरग्रवसरका
जे नहोसोनृपकहीयेग्रजान ४६ ॥चौपई॥ हो
नलाभकछुसमफनपरही फिरगतेतगल
एकनपरही तूफसकलरायचितधरही तो
मंत्रीकोनगतिकरही ॥४७॥ राजोवाच ॥ श्लोक
सत्रहितेषुयेवियाभृत्याराज्येषुमंत्रिणा भेय
टलेवयेसूराश्रियस्तांतिलकंत्रयं ॥४८॥ चौपई॥
मित्रयादोसनकोग्रंचीभृत्यराजाविनासोमं
त्री होरेकटकलरेसोईसूरे पोहमीतिलवा
माये नेपूरे ॥ मंत्रीवाच ॥ सुनहोरायमंत्रीमंउ
ने हिमतकोवुधकोऊजाने सापमंत्रजोवि
नलहीये तोकरत्रविकखकामकोगहीये तम
प्रमंत्रीनारणमाह सोतृमकोग्रतिकरेसलाह
हमहेनाकेग्रागपाकारी ग्रनप्रवीननारनग्रध
कारी यहविग्रहलरकनसोवाप्पौ नाकीरस
नारनाकिनकापौ पूनकहनहोयविस्तारही
नाकोपिनाकौमगतिकरही भलेसमनतेउ।

स्मनहोई नाकोउ्रोकहैसभकोई बनराहोया
स्तुकेमनकी कहोवानअपनेहीननके नामे
वीकोसरवसदीजे हियाकोजेराजप्रतिष्ठीजे
यातेरायकहैनाहिसाषी जोनेरीगनहृयमेमा
षी स्नीवानमूरषचितलावै देषैकाजवनहि
नगावै वहनववनकहालौकहीये समफेन
हैमौनहेरहीये वूफारहीयेफूठीसाची मेथी
विनामस्सूरनकाची वसदेवनेदगोपगृहवासी
प्रगटयोकृसनकंसप्रविनासी मायासकलमा
हिविस्तारे यामैकोऊअनम्भूमारउतारे देववि
रिमकोकोऊअंतनपावै वूफोनृपनकछूगैरे
गावै मथमालनीनहीनरदेही पेकप्रानप्रगा
टैननदोही कोटलछप्रानसग्रहीये सोनोछ
हछपरकीकहीये देववारिमकोकोऊअंतनजा
ने नोकछुगर्भग्रोवजीयग्राने वगम्रफहेसप
कसमदोई विनावकेकनजानेकोई मूरषजान
वेब्रमसमनदोरे जैसहृयछ्कासदोउयोरे ॥४९॥ श्लो
क॥ हेम: स्वन: वक: स्वन: कोभेदोवकहेसयो
नीरछीरपरीदोनहैमोहंसवकोवक: ॥५०॥ दो
हा॥ हेसस्वेनवकस्वेनहैतकसोनपयस्वेत पया

षासेपहुचानीयेसीचस्पारदोऊषेत ५२ ॥चौपई॥
वायसपिकलौअग्रडूहगावै वाढैतौलौअग्रंननपावै
पुनन्यारेन्यारेहेवसई अपनीअपनीजाननदसई
५३ ॥श्लोक॥ नारषीऊनेवाकंनरूद्रोहेमकारकः
नदेवअंसमभवेसूरानिविलोएछिपते ॥ ५३ ॥चौपई
विषोविनाकोऊकाच्मनकरही अलाविनाकोऊ
सिहनधरही विलअंससोराजाहुरे देवअंसविन
नरैनसूरे ॥राजोवाच॥ सननारनयहविग्रहवाढ
यो मैतासोकळूवचनकाष्यो नृपजहूमनजी
यजुषपावै राजामंत्रीकोसमफावै ॥अथअंडकथा॥
तौलौयकपाहकटोरे भांडमीवप्रानदलचेरा
भयोसोरकळूसमफनपरही गजतुरंगसमकू
टेफिरही नारननोहुगौवरदाई उडेयोभजनकी।
योमिरनाई हूढकौमिचहाकरैगाफी रेघनरया
दमवरदेउहिगाफी रेभांडवचनचितधरही हा
कीप्रानजोविग्रहकरही टीमीगरूडपंषकीडोली
जेरसमानरहेयकसोई ५४ ॥दोहा॥ आगपादीनेगा
रूडकोमानेवचनभांड केहरघेननहुाडीयेवा
वेप्रवलप्रवंड ५५ ॥चौपई॥ वाजेसिवमहागलगा
राजे सननाविकारसमैटललगजे विलविलाहि।

मधु.
३९
39

जोमप्रभुकीमाषी सगरेजोथाह्नमननराषी मनी
मान्होअंकफिरकोउचरे औसेसुभटकरनजीयफे
रे इहविधसिंचआपकेगाढ़े पड़ेसंदेहसबनजो
यगाढ़े नारननरनकेहेनूपटेरे इहअवसारहजो
नहिमेरे ५८ ॥सोरठा॥ सुननवचनभईलाज अवा-
नारनचिंताकरमोजीतभूलेआज स्वामीधर्मवि
ननाथरे॥ ५७ ॥सोरठा॥ ऊपरहिस्वामिकेकाज ले
नकआनरटेरहै धृगजीवनकुललाज स्वामिउ-
पसुषचितलहै ५८ ॥श्लोक॥ एकतः सकलापृ
थ्वीननगभीविसंयुता एकतासर्वधर्मोपिस्वा-
मीधर्मस्तमेकतः ५९ ॥चौपई॥ नारनस्वामीधर्म
ननहेरे उवमबधर्मअसिचसुषाफिरे मोरहेंक-
मूदकेकरकी आगपादेनगौरीशंकरकी ॥ ६० ॥दो
हा॥ विधनाअपनेहाथसो नौलौसमभकेकर्म स
भमुक्तनरकमलीये एकनस्वामिकोधर्म ॥ ६१ ॥चौ
पई॥ नारनवचनसनेजोगौरी शंकरअंककंकाइके
रोरी अंतविछवालेनेपवानी सोभाइरनकइकी
रानी ॥नारणोवाच॥ अहोरायअवनीकीहूकी प
हलेऔसेनाहिनसूको वनीआजानकेतूचढ़िया
यो नवचेमोजनकालजगायो देववारिमकोअं-

नंनपावै नृतोजतीग्रचारवनावै मधुमालतीन
सीनरदेही नृमभूलेजानग्रोरपेही ९२ ॥दोहा॥ कं
दनग्रुरभीषमसुतादेवरुकमनीवाल हरेनसभा
हारेग्रसुरसैनसहनससिपाल ९३ ॥दोहा॥ सरग्र
सरपत्नग्रामिलेसिंधुसुताकेहेत दयिवलोकय
हलेगयेनेरहरतनसमेत वामनभयेनोवलि
छलौदयिवंध्यौभयेराम येनचरायगोपीसंग
लेग्रौसेरूपमधुकाम ॥ ९४ ॥चौपई॥ ऋषाधीयव
नासुरतने जतनकीयेदेवनकेउरने जाकीलि
षीसोईयेवरने देवचरित्रकोककुंग्रतनपावै नृ
पोनृपतभूलककछुपावै मालतिमधुसोभाग्रति
करे यहचरित्रकाजतनहरे ९५ ॥दोहा॥ जेनमा
लमधुमालती ननपेकेदोसरीर यहैपंडनर
पेषयतनकनीरग्ररुषीर नीरनकेनृपवचनरु
नकोपभयेउषग्रंद मंत्रीकोऊनारदीयाग्रेसोव
वनकरुवंद मेरुनमीमानीनहीदेवनकोचित
भेव संसारीसमयोकहे जानेनेकरसेव लोका
चारनकीजीयेतोलौगणपतिग्राय लोकचारन
कीजीयसोलौगणपतिग्राय लोकलाजनेरहमा
ईसंसारीकोदाय मरवेनकोऊनाहैरे जामूदेगात

मयू.
ध.
40

होय अपजसतैं पुगजीवनो प्रेमे कहेसम कोय ॥ ८८

नारदोवाच ॥ दोहा ॥ नेरीक छुंहुं षननही विषना बे।
लग्रथ गई सो फेर न गाई ये होन हार सम रथ ज
ल बढे पोइम वढे प्रबल अग्र सरव छय जो जो का
मे करा करे सो सो श्याप नवुय ॥ ८९ ॥ श्लोक ॥ भाग्यं
फलति सर्वत्र न च विद्या न च पौरुषः समुद्र मथ्यया
ने येन हरना लक्ष्मी हरो वषं ९० ॥ चौपई ॥ वलपौरु
ष वक्ष नेर व हीये लिख्या कर्म मे सोई फल पईये म
थ कर हाथ हरि लक्ष्मी ल्याये हर के कंठ हला हल
लक्षाये ॥ राजोवाच ॥ मन मारन ने भली वनाई जो
कर्म लिख्या सोई फल पाई जगऊ परयन हंसी ला
गे नाते कहन मन ननो दिस्राग उनम कुल वह
ननीन वनी जैसे वेल में सकी षेनी वरवनीया
कन्या न पवेसी ऊल कलेक अजग में हंसी ॥ मंत्री
वाच ॥ ने मुख नेवनीया कल्यो अनवनीयान हिंदो
य अववनी यां में रायमयो अने मनेलीय सोय ॥
९१ चौपई ॥ वह वनीया जव वाये वानी ताही मेवहेंजो।
जो नवषाने राजसना हि मवनक विसीषी त्रि
ऊट मिल्यो न हाका गदलेषी देवन को को ऊमेद।
नापावे नृमोर्हे हो अति वचन रक हावे वलि पो रष

आकारनमूके इतनीभईतेऊनहीबूके ॥७०॥ श्री
क ॥ आकारेंगितेगत्येचेष्टयाभाषितेनच: वक्रि
नेत्रविकाराभयंगपायतेनयंतेमनः ॥७१॥ दोहा ॥
डुषकीनारीमाटिकोकहेदेनविनवैन प्रीतडरा
ईनाडुरेमनकीनारैनेन पननजननकरपरषी
येमनमानककीजान वासवसेसंगजोलीयेनर
वोलनपरषान ॥७२॥ चोपई ॥ जोलोजामोकामन
परही अवजानीवातेडुषकरही तेतेनासमभ्या
गमवीनी कहतनृपनसमवातेगीनी ७३ ॥ राजो
वाच ॥ दोहा ॥ मेंजीकरणाननृपकहे तेजोजपैस
नभाव अनवेगावेगोकहे सोमोहिभेदवताव
नारणोवाच ॥ पंछीईकउरगानोकोई उनरहाटा
वजारेसोई मोचीकेघरफूडनआयो चोरकोई
कंनगमुलायो मोचीकलोगजनघरजावो डेरेजा
यअमापसपावो मोपनोडोफालेजावो प्रानका
लमारगजवआवो जहात्रायडेडीकोआरो ना
हीईकसापसीनकोमासो भवनसारजवगेवा
फआयपयो डोफाभोलेसोईवमायो पकरमूडा
जननकरसोध्यो उहवरीयालेमीनसोवाध्यो ले
वोकीयोसाजंनगकरेयो वपरोकरकेवोरामो

मधु.
४२
५१

नमो मोचीलेवांकेकरदीन्हो उनवजरंमवांधका।
रलीन्हो चलयोपथ्यीकछ्वाननजान देष्योहक
छायमननमानी नहोपेकसर्पवावीमोरहही वधे
सर्पमोवानेकहही॥ वावीसर्पउवाच॥ फिटरेनल
जसर्पतूनाही पिंडरीमेनरसोमननमाही उमन।
नहीमोकारनकोने मूरषमूटरह्योतुषमोने॥
वेगसर्पउवाच॥ मैलौग्रपदपरीननोही मैलौव
चनगर्वकेमोही प्रनयहविलछनसमैविवा।
रे जबकोऊग्रहनमिलेतिहारे मिल्योनकोग
नोभेदवनावे वामीमैलानजलपावे सगवार।
वेषोदकेल्यावे नवतूवलकेवालग्रावे श्रैसीवा
नसुनीउरगानो कोवालनविनटयोजेकानो टे
षेवेगग्रनवगादोऊसर्पन वादेवादलगेग्राति।
वहमन जववविल्योपन्नगजहावोरा चौकैहोकूट।
पर्योनिजचोरारहायहरायपानैंपवच्यो कर्मागृ
हिंसहरगामाचो होवच्योचोराकोषेहे निस्वार
थयहह्योरोजेहे काढेंघराचोहेमारा कैसेकरा
कौनविषयारे॥ ७४॥ वेगसर्पउवाच॥ दोहा॥ ग्रंथ
वेदंमसोग्रधिकसनछोरपनजाय सूनपंथी।
पनगकहेकबेवानसमसजाय वेदमनलनग्रहमंत्र

वस सतगुरुकेउपदेस यहमतकुलमरयादहेस
न्याग्रवानीसिरसेस १५॥चौपई॥जोसतनहेतासी
रग्रवरनी सथयोसिंथनहानजीनधरनी छ्री
भगानकहीयेसोई याकेसमकरग्रौरनकोई मो
सोनैजोभलपनकीन्हो इन्याकोग्रपजसनहीली
न्हो ग्रवहौंमरतमरतजसलेहो कनकदवेना
हीकोदेहो वहबावीतेरेगुषग्रागे तामैसपग्रा
हेतिसजागे कनककयाहतासपरवैठेया का
पनसहसहोयकरपैठेया घोदघोदयनधरणीछ
पाया ध्यानहूतना काहूदीयोनग्रापेघाया धा
नहूतनाग्यासेभई सरकरजूनसर्पकीपाई ग्रव
घीनसमसोविषकीजे वांतीकेसुघनानजलदीजे
मारेमयभीतरजलदीजे नवतमदवेकाफकरा
लीजे १८॥दोहा॥रामनामरसनारटनदेहप्राण
नहांग्रथ पंथीसोउपकारकर काटेप्राणनसा
सर्थ ११॥चौपई॥यहवचनकरूपग्रागमरही उा
रगानोमनविसमकरही इतनोमेजोकुभर्मभुला
यो सरपननरसोमोहिदिषायो वडीकनायक
हातेल्याऊं वहतकजलतामेहोपाऊं॥१८॥दोहा
साधनावकेहरकेकारनपग्रगासुषसमीगाराज ग्रौ

मधु. ५२
42

सोग्रर्थनिर्धनभलौसोज्ञीयननग्रावेकाज ॥ ७९ ॥
चौपई ॥ यहीग्रानीननमोपेहोई राजाविनानषो
देकोई यहीवानसवराषसनावो कर्मलिष्यासोई
होयावे ॥ ८० ॥ दोहा ॥ पादनपरपन्नगरहे सुभ्राकुं
जरमाथ मृगमदनावंपवासकोजीयननग्रावे
साथ ८१ ॥ दोहा ॥ उर्गानेकीवानपन्नगनेसगरोस
नी वाबीनसुषकाढ्नसन्मुखहेवानेकही ॥ वा
वीसर्पउवाच ॥ ८२ ॥ चौपई ॥ जोरजपूतमुषत्तुगली
कारही ग्रैसीसरूनछुटाईधरही ग्रैसीनईवात
सनपरही कुलकलंकउनकेप्रनलहही ॥ ८३ ॥
दोहा ॥ ग्रसकुलीनरमोग्रहेरजक्काडेरजपूत नाके
कुलकोदोसहेलचकुलीनकोसूत ॥ ८४ ॥ चौपई
नृपजपूतनापरजनमेरी फिनवाढेहसपासिरमेरी
विनतीकरोमोजोचितग्रानो मैसानोकेनृप मा
होजानो ऐकमोहरमोपानिनलीजै ग्रैरवाजा
मासोयहकीजै ८५ ॥ उर्गानोवाच ॥ जोहोमरूवपन
रूपकोपाऊ तोकाहेकोनोहिदिषाऊ नेरोसेवा
करोसकलाऊ नितहोपेनोहिग्रानपिवाऊ स
नेरसर्पग्रवहीककुदीजै नाविनमेरोजीयनपा
नीजै सोनसहीदेषीयेग्रपनेनैना सोनपनीजग

रकेवैना॥८८॥पन्नगोवाच॥दोहा॥नृपमोकोयहव
चदेहोधनदेऊनोहिरुचै यामोकछुग्यानरको
सोतोकोलग्रविचै॥८७॥उरगानोवाच॥श्लोक॥मे।
घ्रेष्ठोहीकनयप्रभ्रविश्वसस्मयानकः नेनराजनर।
केजानियावदिंश्रद्दिवनर्देशः॥८८॥दोहा॥मिंच।
काजकोहितकरे करेयानविश्वास नेनराजम
ग्रुरदेषीयजोलोचंदप्रकास॥८९॥श्लोक॥परो।
देकलहनारंभ्रनलेप्रयवादिनं वनेषकुटलमि
त्रविषकुंभपयोधरं ९०॥दोहा॥मुषपरमीठीवा।
नहै पीठपीपीछैकटहूर जैसेकुंभमेविषभये
उपरपयकोपूर ९१॥चोपई॥करेवचनपन्नग
नरदोई तीजोवाननजानेकोई हृदयकटोरानि
नयसुभावे तिनकोमुहदेषकनहोपावे ग्रैसेभ
योमासग्रनगाने उरगानेग्रहविश्रहवने नयोग्र।
सगाभयोहठगग्रागे ताकोफलउरगामेलागे ९२
दोहा॥नगरनामग्रमरवतीग्रमरसेननृपनाम
बावीतेपककोमपरतहां उरगनेवास ताके
चरकोसंपदासभहैमानमलीन ग्रपनेग्रपने।
लोभकोपकपेकग्रधीन कोकापहलेवीरको
हूजीव्याहेग्रोर उरगनेकीग्रोरमनवाकोमनक

कुष्ठोर ॥ श्रीपावाच ॥ अहोकंतअस्थर्घमोहिआवे नि
नकोमोहाकहनेल्यावे ॥ उगोनोवाच ॥ उरगानोज
हीयहवाते यहकहकहूंकहानोहिसाच्छे हरौन
हरोनूहेजनवही चरवैदेसपनदेयनवही महाउ
रषमोकोइकमेटयो मयोवक्रुहषदारिद्रहीमा
देयो अवकछुआगेवाननकीजे होलावोत्रुपक
रनोलीजे ॥ ८३ ॥ दोहा हूंल्यावजिहठौर नेसोसोहिठौरव
नाव कौनदेवनोकोमिल्योसोमोहिनेनदिषाव
नूंरच्योपरनारसोहूनरकरोहजार समकवानन
मसोकहोमनसोसमकविचार ॥ ८४ ॥ उरगानोवा
च ॥ दोहा ॥ आलचादहेष्योनही विनदेषेकेआल
अवनमसोहेकहाकहोकूटीकरनजेजाल १
रुषकछूदेषनहीजोभुकेदसनार सायत्रियायो
केयाकहेकौन्हो पुनकरेहजार ॥ त्रियावाच ॥ लचा
नहेबारककरोविनदेषनपत्याउ केसाचीमोसो
कहोनानारूपपेजाउ केसा रहोनेबांधेवरमेलो
नानरक्कीननरहाउ पारीकेरेहूपज्योउभजरहे
दिमजाउ ८५ ॥ उरगानोवाच ॥ दोहा ॥ कूरकूजाना
करऊटलनन जाननना हिनवान उरगानोवि
ननीकेनेम्यामयोअनऊनवान परदायापरदाबको

परसिरदोषघरेंन नेनीयवउवागुलभेवउयेम
घलटकंन ८९ ॥चौपई॥ नईनारसुरूघउवानो
इनमेकसुभलपनजानो जोयहहुगुनसमफा।
येनेनां भैसवैलकेहनलकोजेना मूयगयेव
रवसीयेपीछो पानचालवहुआन्योवीछो हो
ग्रयवैसीजीवनघसा वूफ्राआहिकेरसोभसा
दवैल्सायकोदोसलगावे सोसवनोपेग्रोरनया
वे भौनसालरकासंगलेहो मेरीसवसवोटी
दोहो प्रानभईफोटासंगलीनो: हयकटोराउ
ह्रीकरदीनो: जवफोटावावीफिरआयो सपे।
देषकेसीसधुनायो ॥वावीसर्पउवाच॥ दोहा ॥
जवदोनोग्रवनवावथीसोनोभईपकान आयो
कछुसघनरहेफूटेयोमनोनिदान ॥८८॥ उरगा
नोवाच॥ चौपई॥ स्वामीपछलस्कोहैमेरो दयारा
नतिनसेवकनेरो मोकोदेयोसोयाकोदीजे या
केहाथसोनितपेपीजे आगेइनकछूदयनदेख्यो
पन्नगानोमन्योयोपेख्यो याकेहाथसोजवपेपी
जे लरकवधकीचिंतादीजे कहनसकेजीयमो
ग्रनवरवे जैसेगुंगेघाईमरवे मोकोभईसोभा
कोहाई सिसरवेदग्रवकछुउपदाई इहकिया।

मधु-
४४
44

निसदिवसाकहीये जेयउधारीलाजनमरये ८४ दोहा॥ वड़कहोरविद्धलहीा सिमरोमेय सजाव चितविनाउपजेमिटेलग्यानजेकेग्रान कहनक नेननउमकदनहानहोनजीयकाज जेयउवा रीकीजीयेसक्रवगहीजीयलाज॥ ९०॥ चौपई॥ उ रगानेलरकाकीदानी परवसपरोकहेसोईवा नी पिनाग्रममिलकेदायग्राये मुहग्पकदई सोलयाये नादिननेमरकाहीग्रावे वंध्योरोजसो ईनिनपावे ग्रेसकरनदिवसकेनेवीने कङ्कवि नमोयहग्रीरेचेने पग्राहाथसननररहही ना कीवानमाग्नेकोचहई केसेकेपीवनग्रघनाऊ यहनाकेचरचोटलगाऊं मैसेकोऊफूलनफेर मन्मन्मृदगृफननहेरे॥ पन्नगोवाच॥ यहजाने घंग्राहनोसारोधनलेजाउ होनेवांध्यायसेको नानरपहलेघाउ मारोकलरनकोउसानीसा कौसलेजाउ ९१॥ चौपई॥ यहलरकाकेवयहे कोची नरदवयकछुजानननहीसोची नाकेक रजवडेगलगायो लागनहिगपन्नगघायो उस नग्राणाघलगयेग्राये वाकीचोटसवलसीला गी नीरनीरवावीमाग्रायो वाकेपिनासाको

मृपपायो ५२ ॥ उरगानोवाच ॥ दोहा ॥ नेष्योज्ञोमे ।
वेकमैकोहेमगमोपनषाय जवरंडीविग्रहरत्यो
नवमेरहफलपाय करनरंडीविग्रहकरोनव
लरकाइहषाय नितमोहरमेरीगईप्रागेवानव
फाय विग्रहनेपनक्कीजीयेविग्रहनेपनजाई ।
विग्रहनेविग्रहवढेकहारंककहाराय विग्रहने
रावणागयोविग्रहकेसजपंड जहांजहांविग्र
हभयोनहांनहांउपद्दंद ॥ ५३ ॥ श्लोक ॥ यस्मंश
स्यानविरोधेमनसटेसंविवर्जयेत काकेटाके
नमात्रेनकुजरप्रलयंगतं ५४ ॥ दोहा ॥ कलहा
होनदानवपटेकोटकहटसमेन हुरक्रोधके
रीकरनदयोकलहहरमेन कलहहोनकुजर
निकटकीटकोटउपवास मीदमंडमाथेचढे
गयोप्राणपकसाथ ५५ ॥ दोहा ॥ पन्नगोवाच ॥
मेरीताककहूदीमनहीमनउरगानोराव घुरा
ईकतमकोभयोमोउेकाकोयाव वैरवढोचि
ननामिलेकोयेजमीदीवान हूफनरवरकेलि
कटफललागतनापात नेसोमरोप्रीतनथीसो
सवामिटीजयाज नूंककरुणीफलपायपयोहोवा
वाउसकाज यहसुनउरगानोचल्योसनकोस ।

मलाय त्रियग्रागेरेयोनिकटवहजीयनपतिग्रा
य ॥ त्रियावाच ॥ नेलरकाकोटर्वेदेलेराष्याकहेग्र
न मोसोमेदञगवहीमिथ्यावोलनकंन ॥ ९८ ॥
श्लोक ॥ राजानोराजपत्न्याश्चगीरोगीचरावने रंडी
कारजकश्चैवषडेताश्चविवर्जिता ॥ ९९ ॥ चौपई ॥
रंडभाटुग्रफरुग्ररनाभेस्ता जीवभडेतेनोकाजेकेसा
नागांचेडाचण्डोक्रमान विग्रहमूलसदायक
जान नवयहपांचोचाररवाहरग्रावे ग्रपनेग्रपा
नेरंगजनावे पतनेहरजोरहेस्याना ताकेमन
कीहरनग्रञमाना ॥ त्रियावाच ॥ जीयकेग्रागेजा।
यञकारी हनपदायकेकेनवुलयो फूटीसाची
कहीसवारी उरगानोसनतउठघायो ॥ राजोवाच
राजाग्रमरसैनमनधारी सनीवातसमभव्यारीव्या
री रंडीफूटीकरपठाई ञनानेकीसाचीवठई
९९ ॥ दोहा ॥ सनमेंराजोहिनकेरेसजनञगावन
नेन गुत्यतानजीयसोकसेनमूषमतकेन ९९
श्लोक ॥ ग्रहकीउवनिकमेग्रीलीलयाविषभाज
ने वजीपयपिनाहन्दयदिकल्पाणामिवते १००
दोहा ॥ क्रीडाकेरेजोसर्पमाविषलीयतसाजान।
लिनामीचनेमरतहेमेवकहननीयग्रान विषा।

सेष्यामहिषग्रापदोमेद्धाउजीयसंग मानमंग्रग्रा
पामानउषपनवकरोनमंग १ ॥ चौपई ॥ इका
मोहरहेपावनसारी नापरंउभईमनारी ग्रा
वचरकद्धनग्रावेजाय वासीरहेननानोषाय ॥
२ ॥ भ्रमरसैनवाच ॥ दोहा ॥ महरीकोधनमहरहे
वाकरकोधनराय पावेनानवतिपकोविनि
पायेकहषाय ॥ श्लोक ॥ यवायवनमध्यांनेनली
नेफलयौवन पुंसांचयौवनेविनानारीनस्तन
यौवनं ३ ॥ चौपई ॥ मोपेरोपीसवायालीजे मोरे
होरेवाकरीकीजे वावीषोटदवेसमभस्याऊ नोको
ररवैदेपोहवाऊ ४ ॥ उरगानोवाच ॥ दोहा ॥ वावीषा
दसभधनलीषोराजाभसैभंडार उरगानोचक
रभयोरंडीकेसुषक्कार ५ ॥ नारणोवाच ॥ श्लोक ॥ प
रस्यारस्यममोणीयविंदंतीनवाधिपः नेनूपस्या
नंसदेहोवाल्मीकोदरपन्नगः ६ ॥ चौपई ॥ नारणा
मेंचीनेसमकायो विभ्रममनकोसभेमिटायो म
प्रमालनीजेनजिहवारीचरणावंथतिहगोदपसा
री ॥ चंद्रसैनोवाच ॥ चमिटहहोकद्धननानो मान
सदेवकरापहद्धानो मेरेग्रोगुनसभेविसारो
यहहोऊकन्याराजानिहारो कनकथालकीसेन

मधु
५९
46

नृपकीलीः मधुमालतील्यायउनदीः चरचरतो
रणावजीवधाई कनकमालराणीसूषपाई दोऊ
कन्याश्रीयचरल्यायो मधुकोनारणाहाथलगा।
यो उहवारीनृपविस्रउलायो उभेऊवरीकोलग
नलिषायो जेनमालतीसनगुरुजाई मधुमेश्रय
सैभेमनभाई हेकन्याईकमेंउपव्याहो धर्मरहेसो
सौचिनवाहो ॥ कनकमालीवाच ॥ धर्मव्याहजवक
नैसोने कन्याकोउमहासनहोतो पहलेग्रेसीस
मकनहेरी दलवलरत्योतोलज्यानेरी नवका।
हकोकत्योनमात्यो जोकीन्होसोग्रपनोजान्यो हा
थीवोरेसभेरूजायो जवचेन्योनवकालजगायो
७ ॥ श्लोक ॥ ग्रष्टवर्षाभवेत्कन्याजैारीनववर्षानरो।
हिणी दसवर्षाभवेत्कन्याग्रतऊर्धरजस्वला ॥ ८ ॥
दोहा ॥ उतमव्याहेमातपटमधममभागदसयोग ॥
द्वादसनेऊनीचलेपंचमीनंसेगयोग ॥ ९ ॥ चौपई ॥
जोवनसमेजापटवेकोश्राई इच्छातेतसोईपेपाई
मेधीमतदेषस्नषमेंडी वहल्यायोउनग्रुलनक्कडी
ऊलकलेककोसोवनग्राई कल्योकीयोजोवि।
नकोभाई १० ॥ दोहा ॥ नाकछिदावतसकलवय
रंधककंचनकाज निरखेकरमतऊीलयेकर॥

सीलग्रफलान॥२२॥ चोपई॥ जोकन्याग्रनयभैजो
चीते जोराघरीग्रहषकोजीते कलङ्कलहानस
मृतनावोले ग्रहषछपननोयछुउनङोले कथा
करनग्रयकचढ्नाय चितउपजेसोकहेसना।
य नृपनविवाहरामसरकोनीः प्रथमसमाग।
ममप्रसलीनोः वडोनेहपूरवनेग्रधिको
तुषदेषनसुषउपजनसवको ग्रवपूरवनद
नसदाई करनपकछिनपरवननाई दरस
सुषउपज्योग्रेतनजाक्यो गजविग्रहकरक
घ्याक्यो जीयकोरसूमधुऊवरमनमाच्यो न
सपूरननैलोकवषान्यो ग्रासनकोकछेश
सीकाढे एकग्रनेकग्रधिकसुषवाढे ग्र
यरसयरग्रयघसलीनोः दसरसायकेम
भविधकीनोः दासीचारढिगसोभाई॥ द्वि
गचरत्रदेषसुषपाई सोसोग्रानकहीउन।
सारी॥ उवैपुनसिवरकीमारी॥२४॥ सोरठा॥
कनकमालोवाच कामसपूरणसोयत्रि
यासानकोकरसके ग्रैसेसमकोलोइम
नकटोरककोउठे ९२ सानदिवसग्रपने
रससेलो नापाछेनमविग्रहमेलो सोवि

म पु.

47

गहनमाहीकोलागपो दलकैाकाणकेषनत
नमागपो सवकोऊग्रपनैपानपराष कनक
मालरानीघोभाष केनकवानेग्रुपनग्रनेरी
साहूकाजनकहलनलेनवेरी गन्नमांत्रजोपटे
विचारी सत्रविहूनेसीसविद्यारे विनहूकैश्रा
पनश्रनषावे मांत्रीकहामुउधरवेवे ४ रा
मोवाच॥ श्लोक॥ भवनग्रंभवत्सेवगाजभक्तक
पिथविन गंनव्यंगमयत्सेवनारकेलफलंधु
वे॥ ५॥ दोहा॥ नारकेलकेनीरज्योगजनकविन
पलषाय वहफलजलकेनहीं भरीवहदल
फलकिनजाय॥ ६॥ सोरठा॥ नदीवहनग्रनमी
र भवग्योवहनजलनिनमदा नेमूवषनवनीर
रूपग्रदावनमोदिन॥ ७॥ प्रसंगछनरामचंद
के॥ दोहा॥ लंकापररामजीवढ्ैग्रजुध्याराम वै
ठीनहांग्रंजनीकीहोजागप्रणाम रामलक्ष
मनसीतासहनग्रवोथ्योहनुमान नमस्का
रवारेकीयेग्रंजनीदीयोनमान कह्योकुमार
रामकोलछमनंग्रलछमनजान सीताको
ऊसनीकह्योकह्योऊपनहनुमान॥ हनुमा
नोवाच निगहारहाटसवरषञ्जपनष्टरेकोय

लछमनकह्योऊलछमनग्रोजीयसंसारैसो॥
अंजनीवाच॥रामचरित्रजानेसभैभूलगयोतबमा
न राघसकयोनासीयकोयहीअलछनजान सी
यविनञोरपवनरनहीदीजेसोय हनुजंपेजनना।
नीसनेनोतोऊसतीकेसेहोय॥अंजनीवाच॥ काये।
चफलंकागई सतीकहावैग्राय नवहीसरायन
टेसकीजरवरहोतोराय॥हनुमानोवाच॥ करना
हरनासकलकोचोटचटरह्योसमाय ऐसेसह
नप्रुरुषकोकह्योऊरामकिहभाय तीनलो।
कनाथनतरन जंगजंपेजिहनाम अंजनीसो।
फिरहनूकहेसोक्योरामऊराम॥१८॥श्लोक॥ न
भूतपूर्वंनकदापिदृष्टंनश्रूयतेममयःकुरंगः
नथापिरघनंदनस्यविनासकालेविपरीतबु।
ये॥१९॥दोहा॥दुर्योप्रगटचाढेनककयहजाना।
नसभकोय कनककरनकीतोःनहीक्योचित।
विसमसहोय यहसाचीकवटैरनही संसारोकी
रीत सतीकह्योगोवसमसतानेंमृषकह्योहनुमी
न॥रामउवाच॥ग्रोरएककहतीकहातमनउरोरहा।
नुमान यामसानहजोनहीबलपोरुषजीयजा
न वंसकेंदरावनकीयोसीनाहसोमिलाय था।

पैौराजसुषलंकपर सोहनुमानसहाय पश्चग्रदा
रहवंषजुषमारेहिनकरहर मंह्राजोपाहनुमा।
नसैकैसेकह्योकहन ॥श्रीरामोवाच॥ तिरिनकोग्र
स्तनदयोचलीहृयकोधार नवकूटीमानोनीरज
नभईवारकेपार सोमेरोपेहनपीयोकह्यागयोव
हजोर वालपनेरावेग्रहरह्योमेकटयोजुषश्रो॥
नेहतनकछुकिनकोयोपश्चग्रदारहिजोर रावा
णकेलंकामहिनकरतोसिंथवभार सावरवा
योकोनपरवांदरमारेभार पकरीग्रग्रीजलम
भेकयानपीयोउहभार सुनिग्रगस्तकैसपीयोया
दिनग्रायोसोय वावाभनोतिहीतिमिनमेरोहृत
नहोय ॥हनूमानोवाच॥ सातसमुद्रग्रचमनकेरोले
काकेनकवान दखुनतेउमरकरोजोग्रगपादैन॥
नाथ यातसवैग्रवथकरोजोरघुनाथसहाय य
हप्रभकोग्रगपाविनासकोनतृणउदाय प्रलय॥
कालजमकोकरोरावणकेतनकिवान यहप्रभ
कीलीलयहैजाकोग्रपजसतात प्रजापतिप्रजा
पालेचरचरहरणापोन गढेभाजेफिरकेगढे
यामेग्रचरजकोन नेजाकह्योरघुनाथसुताका
उत्तरयक सेसमेकरमनामंदमाननगणलह्यो॥

मधु
४८
48

नखेह ॥ रानोवाच ॥ कह्याकहियोसोसोवरल्योउनर
देहनकाम अंजनकीऊठीलहीअग्रध्यापोहवे।
राम ॥ चंद्रसेनोवाच ॥ रानीमोराजायोभाषी सो।
तारामभईसनमाषी महापुरुषइननाझपावै
मनुषकीनाकौनगनावै देवदानवजेतेनरंषषी
लिख्योहोयसोयफलपावै व
लपोरूपनहांकामनआवै ॥ कनकमालोवाच ॥ अ
होपेकलमककहोजअैसो मधुमालतेजोयकीकै
सो तमनोकल्योहमकुवरीव्याहे भलीभईहम
योहीवाहे गंधर्ववरियरामसरलीनाः देववरि
अभावेसोईकीनाः अवकहोप्रियाकोनमनको
जे याकीमोहेममफचिनटीजै ॥ रानीवाच ॥ रामो
कहेनृपतसनलीजै कटकएकेनकवएकनदो
जै कर्योब्याहिकोऊएकनजाने अपनेसिरको
ऊअपजसदाने ममविवाहएकदोरमिलावो
ज्योत्योआनहथीलालावो मेरेजीवमोअैसीआवे
पुनजारावनेरचिनभावे ॥ राजोवाच ॥ मोकोवुध।
देतमआवो दाथेऊपरलोनलगावो वनकव्या।
हिलवहांसीकरही हजोयहकोरनविसरही।
गावंकलरकनकोव्याहे सवकोऊअपनीकीर

नवाहे रानीप्रतिराजायोंकहे सोविधकीझेल
झारहे ॥ २॥ दोहा ॥ मैअवलोजानेनहीकन्याव्या
हिकोसंच नमसमकारजमोचनरमोसोकरन
ग्रंपच ॥ राजोवाच ॥ कन्याकोउपहासयहहूजोहा
योंषत कबहूंकजीयप्रेमीधरेअराजीवनकोहा
न ॥ रानीवाच ॥ अवनमयोप्रेमीकहोस्यानेमन।
नहोकर्म अवपनसोमनकोजीयेयानेवाढेथ
मे ॥ राजोवाच ॥ नमयानेवूझनसमैजीयमृषरत्यो
नमच दीपकलेकरकेदषीयेनईआगकोअव नी
नफैाजमेरीरलीनवमनउपज्योभर्मे बोध्योवार
जोमेवढयोनवषीयोक्रोधर्मे हमनपनीजेज
गकत्योदेष्योअपनेनैन यहइकहमदसमहूला।
लेकेकनमारीसैन अर्जनकेरेवानज्योन्योगिलो
लकोचोट येकछूटेसहंमारलगेवचेनकहूउट
अथमग्रायहहूस्नीहनेमहांजोरमैमन टंटमंत
छिनछिनकोयेप्रेमहरनतेन चंडीपक्कीभाव
हेगिरेपरवनमानोदेह स्याघीयोरेऊटसमभग्र
घंटलगस्योनेह केहरीएकमहावलीउनमारे
गजकोट घुमिरमूलरवकोफिरेभाजेटरीयउ
ट भर्मेगाप्योप्रतिभारमोनाकछूहोयकमूत

राजपाटइनकोदयो वहकन्यावहइत ॥ २१ ॥ राजो
वाच ॥ चौपई ॥ मेरेराजग्रोरकोउभाई वहेग्रववहा
कन्याजाई कन्याब्याहिउसेकरदेऊ ग्रपजसमिटे
नेऊजसलेऊ नवहीविगवुलायोनेगी न्योतीपठ
होसमथोवेगी देसदेसकेनृपनवुलाये वचना
नायसनहोउठधाये जोकछुमानब्याहिकोहो
ई ग्रोनईकरीयरीसजोई ग्रोरभडारनेदईजोका
फो सोसिरतिलकह्रजसकोकाफो ॥ २२ ॥ मंत्री
वाच ॥ दोहा ॥ सकलसोजयानब्याहिकीफरमाये
सगरीग्रव सोह्रसग्रागेकरथरीदिनदसग्रागेही
सभ ॥ २३ ॥ चौपई ॥ मंडपरह्रभदिनघरेवनाये जंबू
पत्रबंसपरछाये वरकन्यादोऊह्वारविराजे ब्या
जेविवयग्रतिग्रानंदकाजे फोलदमामेग्रुरुमा
ह्रनाई वकीफेरवाजेकरनाई जाफपखावजा
फडफडवाजे जेनरवाववीनछववाजे इंद्रग्र
पछरग्रानविधरंगी कलासंगीनकरनरसंगा
गी गावनरागसभैनतनाची मानो:सरसभा
इंद्रकीसाची वाणीफिरनदेपसहपहोई राजिना
लरमोतिनसिरमाह्री उडहैचोरजगालसिरमा
वे ग्राछनलेनफिरनमनभोरे ॥ २४ ॥ दोहा ॥ वस

मधु
५०
50

नभलानेदेहकेपंथभुलानेहप्रानभुलानेनीरना।
हीअगटयोकामसनेह आरतीलेआईत्रियाग्रि
याविचक्षनसोय तिलकलगावनकेरुचोहाथ
नहोय नारीगारीगावहे मधुदिषचक्षनसोन
मटाचूटचटमारहीकछेन्यारोकौन मधुछबदे
षतहगनीरभरमनगनरहीनठौर नरनारीसा।
रीषकीभईऔरकीऔर अहोनरसयाहिसेमा।
नमथमथनजोदेन्न विदविचारोकथाकरेसुना।
सुतिलयानछेह हलोरुपअंजगकोचितवनचा
रोकोय ककूकबदलोकोकहासुनेग्रधकरस
होय पालकोमगलजरावकोलषनलकत्रिय
भेव मंदरपविसालद्वगहलोउहिभदेव वंद्वप
नीमानोललनानापरकीयोसिगार लावनरुप
नकरमकोबरनोकहाविचार जादेषसुनिपन
टरेटहआसनजेग्रथ देवदेनानबलमकेषेचरा।
हेमनमथ वानीफिरवजारमेदेषनमासेलोयस्या
नीग्रयहदेसपतियामोअचरजहोय देसदेसके
नृपतसभनिरषतनेनअयसुष देषनमूरछसक
लवपसपसोवढ्योदुष नृपकोभयोजोसोच।
चिततईदईसवीर भागहीनएरवपसनाकोस

घनसरीर वाजेवजावेसहंससगानिग्रीरटहलवा
सोय ऊभै गिरेसभासकलनरमोरह्योनकोय
महरीनहरीसीसधुनजीयउसासशिषदेत मा
नातुरायैविनलीयससरससरकेहेत॥ राजोवाच
जेचेनेनिनयहकहीनारकरस्रकोरूप कुलन
सकलकोऊनसोछुत्रीछुत्रसिरभूष पटपरेवा।
ऊफलरहनमधुविननिरघनकोन श्रवपरदे
विनपालकीमनोमनायोमोन कोउकाहेमा।
रेनहीदिगाछिगमांसोरूप मूरछुविनसभकोउ
भेयपरेकामकेरूप पटपेवरंथीतहांनरहो
नचीन्हेनैन श्रवपरदेविनपालकोसोवनजगा
योमैन नैरनारीचेतनभईरहानहीकछूकार
येहटेघसुघसकलकोविनहीदेषेवार कामस
पिविषसवैवघ्योलहराजस्रकोदेत चरीचार
मूरछुनरहेपाछेभयेसचेत॥२५॥ चौपई॥ नर
सचेतभयेसभचरग्राये वरकन्यादेषसभघाये
गावतहसतमहलमोग्राये वरकन्याजोसमभसि
रनाये सोचेतेनृपतसोगायेविकाने नगरलो।
कसभसभेसमाने श्रन्नश्रवाहजगतमेहोई भू
घाण्यासोरहेनकोई चरीसोयकेलगानलिया।

यो वरकन्यागंठजोरदेवायो पानग्रहणवेदविध
कीन्हो वहुतनकदानविप्रकोदीन्हो वेदीवारन्हार
गलनाये वरकन्याजनवेत्रयगाये भवरफेरस
मदिनदीन्हे कुलाकर्मसुपनेसभकीन्हे रतननज
हतसिंहासनलाये वरकन्यानाधरवैठाये कंक
नकांगनत्रयत्रमराजे मधुनायकनामधुकरराजे
२८ ॥ चौपई ॥ रतनतेजेनउनमालतीमधुग्रानंदको
कंद कुबेग्रेसीरानतमनोत्र्यानछत्रमोचंद जा
कोरुपजगतमेचट्चट्ग्रापकहोय ताकीसभा
कौनकीकहनकवीसारलेय ॥ राजोवाच ॥ नृपन
वरकरजोरकेग्रधिकदीनताहोय मधुसेवचन
कहाकहेचितदेसनीयेसोय प्रत्रमित्रवंधवकहे
तोविनतिकरनग्रोर मनसावाचाकर्मणाराज
पाटसिरमोर तीनदोवकीसाधलेकहोवेदविध
ग्रान जाकेकुलमोकोऊनहीकन्यापानिसमनि
न राजपाटतेरेसभैपेटोककन्यादास मोकोग्र
पनादीजीयेतीरथकरोनिवास ॥ मधुवाच ॥ ईहागो
कलईहाईहकाविरंजीवतमराज निसदिनरहो
जोनामहरपापहरनकेकाज देमनकाहूसमर
लेमनकारोछाछेर जमसतकोयेग्रापनेतो

लौहैयहदेह हमभोगीरसभौरहैचितदेसनोप्र।
संग महादेवपंथोकोयोजबनेदसोप्रसंग पेक
देसकेतीननगरप्रापेकोमधुसार ग्रंथग्रंथकोदो
नयाजेतमालतीनार वहपाउलवहसेबतीवह
घ्यनभवरवसेष प्रीतप्रीष्याकाजको तिनजान
ननपेकमललिखिबानीकालिटी पेकदहपक।
जान जेतमालमधुमालतीपेकजीयचयगान
राजोवाच॥ जेतमालमधुमालतीपेकस्रानननन।
तीन यहदेहपरकेउनरेसदारहतनननीन ने
रेबलकीबेनतीकहोकहालगमूल मागोकर
कगिललकरहजेफियोरमूल गिरजापतबानी
कहीग्रंतविलसपकार ग्रवस्रपरापछिमाकरो
यहमेरीमनहार राजपाटनोरमनकोकरकेका।
रोकरनार राजकाजकीकरतनहोवारबारसुषवा
न लरकनसोकवचलनहेसूरोसूरनृपतान ॥का
मदेवप्रसंग॥ राजोवाच॥ रकसेकामोमनवसोसम
फमिटावोभंग यहप्रसंगमोमोकहोजगख्याप।
ककिरंग अलिवमेमजारयररहगानरख्योजो
नाम मेरेचितप्राप्तजेहेरयलकत्ताकरकाम
मधूवाच॥ जादिनतेपोममीरवीजीवजेनजगना।

म भवनमध्यादीपकरहेम्बोछ्ठभीनरकाम स
रीरमध्याज्ञाग्रनसदाजगकीउनयनवाम जेहूछे
नोपाईयेप्राणासंगतिनकाम प्राणकहामन्म
घकहांन्यारेहैइकठौर स्यानेविनकोपावयेहू
फकहेकछूथोर गोरसमोनवनीतज्योकाहम
ध्यज्योंग्राग देहमध्यनेपाईयेप्राणकामइहला
ग तिलोमध्यज्योतेलहेईषमध्यमिष्टन फूल।
मध्यज्योपाईये ज्ञाणप्राणसंगकाम काष्टकी
येरणपाईयेदेहमेहकीरीत वामबसेवसज्ञान
हैफूलफलकीप्रीत वनलीज्योघनमोवसेमंत्र।
मंत्रमहीराज देहमध्यत्योकमलहैज्योंफलम
ध्ययराग दर्पनमोप्रतिबिंबज्योछायाकायासं
ग कामदेवज्योदेहमेज्योंजलवसनतरंग दान
मध्येकीरतवरेह डौगतनग्रगतनग्रपजमलाग का
मरहतज्योदेहमोज्योचकमकमोग्राग ज्योसंग।
यमृगनाभिमोज्ञाननतनाहूतमोय काममध्यामज्यो
रहतहैलहनग्राणाजिरहेराय केहरीसिरमुयता
रहनलहतनकाकोभेद ज्योहीकाममरीरमेज्यो
मज्ञरतनभेद ज्योषंभितदर्पनगाहतत्येषाभेषव
डुरहाय मूरषमननेकहतहे तिमरोगगमासिराय

मध्य
५२
52

जो सरीर मो व्यापि है ग्रन रूक उपगार सो गन उप
जन का मव ब्रुव स को नो: संसार ॥ राजोवाच ॥ गो-
रस को जग मथ करे का हे मथन ब्रुन होय देह
मथन न वही के जो गुरु पूरन होय ॥ मयुवाच ॥
जो गे सार षो जन रहे सार ग्रुर की गत और मन सा
वाचा कर्मना जो चित राषे ठौर एकादसी नि गृ
ह करे मन वच यो यय रहे न ब्रुन स्रुजो न जोने स
वामी न के न रूष के न को कपट न विथ सो करे ब्र
न सा धन सन मान ब्रुरी ग्रंस हूके न जी लहे का म
को थान ॥ राजोवाच ॥ चौपई ॥ ग्यान सा सा धि ग का
म वना यो ज्योति स्वरूप ज्योति न क कारही ग्रम।
य हूं तो भेद कि सूवि रले पायो ज्योति स्वरूप ज्योति
न क कारही ग्रम प्रगट यो न्यारे रहही मा न्या परे
न को ऊदर मे का गो कि यो स्रुगी कर हाद ष पर से
यर तन म सम फ क हो म यु मो सो सो कर सम यह
हू फो तो सो ॥ मयुवाच ॥ स सिउदो न स्रुगी मो हो ई
यह व रित्र स म भ ज्ञा ने को ई म व री मै प्रति विंब ब्रु
का से न्यो प्रगट ज्योति पिंड सो भा से जिन देष
ति न्य क ही घंटा रहक ध्यान ही जग मो व्याप
व द घट मो पूरन प्रन कंदा ग्रल ष नि रंजन न्या पो

आपे हमहेकाममंवसअवतारी यहकछुकहोत
सनकेम्यारी समकहेयजोसमफोजानो अन
समफेकोऊअंकथकहानो ॥इतिश्रीकामसंवादमधु
मालतीप्रसंगकथासंपूर्णं ॥५॥ दोहा॥ कायथनामजो
कोलहेदसायसनमयोराम कृपाकरीवनभंजा
कोकथाप्रकासीनाम अलपबुधदहोदईकथाअवे
यप्रकास कवजनसोकरजोरकैककहैवनभंजा
दास कामअवेयप्रकासुनमधुमालतीविला
स अथमनकीलीलाकहेककहेवनभंजदास फ
लोमध्यजोअवफलरसमोरूपरसंत कथामा
फमधुमालतीपटरितमोजवसंत लतामध्या
जोनागवेलमायिमोयनसार कथामध्यामधु
मालतीआभूषनऊचकार मालतामोंगंगाआय
केरवमाफहरिनाम कथामाफमधुमालतीरू
पसीलअतिकाम देहमध्यमोनेबहैरसकमा
फरवीयथीन कथाअथममधुमालतीअयामध्या
मधमीन इच्छामध्यजोदानसुपदानमानसुधा
होय कथामाफमधुमालतीसुफभगतनफल
देख तथ्यामाफभोजनअधिकभोजनमोहता
सर कथासनेमधमालतीधनसोभनसमसिसुर

चौपई ॥ राजनीतमेग्यानमेसाखी पंचउपाख्यान
बुधियेभाषी वरनायकचातुरीवनाई धोहरी।
धोहरीसभकछूपाई हमदेवकुंवरकहावे ग्रथ
मनग्रसकामसमधगावे पुत्रकालियसमेसुषपा।
ई उपदारिद्रतिकटनहोग्राई ॥ स्लोक ॥ कामार्थी
लभतेकामंनिर्धनोधनमाप्नुयात् अपुत्रोलभ
तेपुत्रंव्याधस्तस्मनपीडता ॥ दोहा ॥ राजापढे।
तोराजनीतमंत्रीपढेतोबुधकामीकामविलास
रस ग्यानीग्यानसबुध संपूरणमधुमालतीक
लमाभयोसंपूर ग्रोतावकनासबनकोसुषदा।
यकउपहर ॥ इतिश्रीमधुमालतीकथासंपूर्णम ॥

समाप्तम शुभम ॥

६५ — १म
२४ — २य
१६ — ३य
२८ — ४र्थ
८ — ५म
५ — ६ष्ठ
४ — ७म
२ — ८म
९म का १२ — ९म
१८ — १०म
५ — ११श
५२ — १२श
१८ — १३श
३ — १४श
५२ — १५श

नं. ६१६ — का ... लालपत्र ३३०

